

REGISTERED NO.D-(DN:-73



HRA की राजपत्र The Gazette of India

्षाधिकार सं प्रकाशित

सं• 1 21

नई विस्ली, शनिवार, मार्च 22,1986 (चेत्र 1, 1908)

No. 12]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 22, 1986 (CHAITRA 1, 1908)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि बह अलग खंकसन के कप में रखा जा सके (Separate paging in given to this Part in artist that it may be illed as a separate compilation)

भाग ।।।--सण्ड 1

PART III-SECTION 1

रुख न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत-सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 फरवरी 1986

सं० ए० 19011/1/86-प्रशा०-1---मंघ लोक सेवा आयोग द्वारा, श्री मनीण बहल, श्राइ० ए० एस० को आयोग के सचिव के पद पर 17 फरवरी, 1986 के पूर्वीह्न से आगामी आदेशों एक नियुक्त किया जाता है।

> डि० नैलास प्रसाद ऽ: सप्तिब, कृते ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 जनवरी 1986

संव ए-32014/2/84-प्रशाव-2---इस कार्यालय की सम-संख्यक प्रधिसुचना दिनांक 20-11-85 के प्रनुक्तम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा (ग्रुप 'ग' पद) के वरिष्ठ प्रनुवादक श्री इन्द्रिम्ह् विष्टको 17-1-1986 से 16-4-1986 तक तीन महीने की प्रगली श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी एहले हो, श्रायोग के कार्यालय में सहायक निदेशक (राठ भाठ) के पद पर सदर्थ श्राधार पर ार्य करने के लिए श्रीमती सुधा भागव, सहायक निदेशक (रा० भा०) के बरिष्ठ, ग्रनुसंघान श्रधिकारी (भा० मा०) के पद पर नियुक्त होने के उनके स्थान पर एतदहारा नियुक्त किया जाता है।

2. श्री इन्द्र सिंह बिष्ट जान लें कि उपर्युक्त, निर्णे पूर्णत : तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें उक्त ग्रेड में अथवा वरिष्टता का कोई हक नहीं मिलेगा।

विजय भरूला श्रनुभाग प्रधिदारी कृते सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 जनवरी 1986

सं० ए-35014/3/85-प्रशा०-IJ—इस कार्यालय की अधिसुचना संख्या ए० 35014/1/84 प्रशासन (1), दिनांक 25-7-1985 के कम में, सचित्र, संघलोक सेवा आयोग एतद द्वारा, संघलोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग अनुभाग अधिकारी श्री वी० सी० काजला को आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति के आधार पर दिनांक 12-1-86 से 11-1-87 तक की अवधि

के लिए या भ्रागामी भादेशों तक जो भी पहले हो नियुक्त इस्ते हैं।

2. लेखा अधिकारी के पद पर श्री बी० सी० वाजला की नियुक्ति, 3 वर्ष प्रति नियुक्ति, की राभान्य श्रवधि जो 11-1-1986 को समाप्त हो चुकी थी, के बाद की अवधि के लिए हैं और यह वि मंत्रालय के व्यय विभाग के का० जां० सं० फा० 1 (II)-ई०-3 (बी) 75 दिनांक 7-11-1975 की शर्तों के श्रनुसार विनियमित होगी।

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा प्रायोग

कार्षिक एवं प्रशिक्षण प्रशासन सुधार लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक फरवरी 1986

मं० 3/6/86-प्रणा०-5—राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० पाण्डेय, भा० पु० सेवा (उत्तर प्रदेश: 1976) को दिनांक 3 फरवरी, 1986 अपराह्म से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय पृत्वेणण ब्यूगो, विशेष पृक्षिस स्थापना में प्रति नियुष्टि पर पृक्षिस श्रीकार के कार्य में नियुक्त विया है।

दिनांक 25 फ़रवरी 1986

सं० ए-19021/5/80-प्रणा०-5—प्रत्यावर्तन होने पर श्री एस० के० देव, भा०, पु० सेवा (ग्रसम एवं मेघालय: राज्य पुलिस सेवा) पुलिस प्रधीक्षक, के० ग्र० ब्यूगो, विशेष पुलिस स्थापना, शिलांग शाखा की सेवाएं, दिनांव 1-11-1985 से दिनांक 29-1-1986 तक 90 दिन की श्राफित छुट्टी तथा कार्यभार ग्रहण समय का लाभ उठाने के बाद दिनांक 13 फरवरी, 1986 ग्रमराहन से ग्रसम सरकार को सौंपी जाती हैं।

3/8/86-प्रणासन-5:—-राष्ट्रपति ने श्री यू० मी० याल, भा० पु० सेवा (उ० प्र०-रा० प० सेवा) को 11 फरवरी, 1986 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त हिया है।

सं० 3/10/86-प्रशा०-5---श्रीं मदन लाल, श्रपराध सहायक्ष, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, को दिनांक 5 फरवरी, 1986 पूर्वाह्न से अगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न नायिलय श्रधीक्षक्ष, के रूप में नियुक्त क्षिया जाता है।

> के० चक्रवर्थी उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 फ़रवरी 1986

सं० 3/41/85-प्रणा०-5—निदेशक, केम्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक /विशेष पुलिस स्थापना ने राजस्थान राज्य पुलिस के जीव हारी, श्री हरीश चन्ह्य सिंह, पुलिस उप धीक्षक, को दिनां हु 20 जनवरी, 1986 पूर्वाह्म से श्रम ले आदेश होने तक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूगे/राजस्थान वार्डर विग/ जयपुर में प्रतिनिथुक्ति पर स्थान।पन्न पुलिस उपाधीक्षण के रूप में नियुक्त प्रिया है।

> (ह०) भ्रपठनीय प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण क्यूरी

गृह मंद्रालय

महानिवेशालय के० रि०पु० बल

नई दिस्सी, दिनांक 20 फ़रवरी 1986

सं ग्रो० दो 1026/72-(स्था०) --श्री बी० के० टिक कू सहायक कमांडेंट, 52 बटा० के० रि० पु० बल को उनके मेनतूर लेदा न्यू होटल श्रीनगर में मनेजर सिक्यूरिटी के पद पर 2 साल लीयन ग्राधार पर नियुक्ति फलस्वरूप उन्हें दिनां क 3-2-1986 (पूर्वाह्न) से इस फोर्स से जुनत कर दिया है।

> एम० ग्रशोक राज सहायवः निवेशक (स्था०)

मह। निर्देशालय केन्द्रीय श्रीशोगिक मुरक्षा वल नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 फ़रवरी 1986

सं० ई-31016,33,82-फ़ामिक-1---राष्ट्रपति, श्री सी०एम० सैनीं, को 13-1-1983 में केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल में सैद्धान्तिक रूप से (नोशनली) सष्टायक वमाडेंट, के रूप में नियुक्त करते हैं।

- 2. उनकी सहायक नमांडेंट के रूप में वरिष्ठित। कम संख्या 180-ए पर निर्धारित की गई है जो 31-12-1983 को सहायक कमांडेंटों की अनन्तिम पारस्परिक वरिष्ठता सुची में श्री बीठ एनठ भारद्वाज, से ऊपर और श्री पीठ शुक्ला से मीचे है नथा इमें केठ भोठ सुठबठ मुख्यालय के पत्र संख्या ई-35014/1/84-साठ प्रशाठ-1, दिनांक 1-6-1984 के अन्तर्गता जारी किया गया था।
- 3. यह अधिसुचना, उन श्रन्य सहायक नमांडेंटों के दाने के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के जारी की जा रही है, जो विरिष्ठता सूची में श्री मी० एस० मैनी, से ऊपर रखे गए हैं श्रीर जिनके मामलों में उनकी पदोन्तित की संशोधित तिथि (यो) के सम्बन्ध में उचित समय में ग्रादेश जारी किए जायेंगे।

दुर्गामाध**व** मिश्र महा निदेशक/के० ग्रो० सु० व० विन कंगरा

क्रुशाधकः कार्य विभाग) प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनां। 6 फ़रवरी, 1986

कमांक 7(66)/8850—श्री मी० पी० भारिया, फ़ोर्श्वत (उत्पादन) को रु० 840-40-1000-३० ग्रंथ-40-120% के वित्तमान में सर्वर्थ ग्रंथायार पर स्थानापन्त रूप से पहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर दिनांक 6-2-1986 में 3 माह त्या या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इनमें क्षा जो भी, पहले हो, नियुक्त स्था जाता है।

कमांक 7(64)/885।—इस सार्थालय के आधिसूचता कमांक पी॰ द्वी॰-3/6611, दिनांक 19-11-1985 के द्वारतम्य में श्री एस॰ के॰ श्रानन्द, सावेतनमान, ६० 840-40-1000-द॰ श्र॰-40-1200 में सहायक कार्य प्रवन्धक के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अविधि दिनांक 1-1-1986 से 3 माह तद्ये या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहल हो, तय तक बढ़ाई जाती है।

श ≱्रा० पाठः महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग महालखालार (लेखा श्रीर हक्रदारी, का सार्यालय भुवनेण्यर, दिनांक 25 करवरी 1986

मं० ग्रा० ब०-66--उड़ीक्ता के महालेखारार (लेखा हुरदारी) ने भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा (प्रशासन लेखा अधिकारी ग्रौर लेखा परीक्षा, ग्रधिकारी) म्राधिकारो रूपमार्वली, 196 4 के म्रनुसार सहर्ष इस कार्यालय के नियुक्ति निर्मारी, श्री विनोदेश्वर चौधुरी. को वेतनमान म्रतभाग अधिकीन-दर्श राज्य-40-1200 रु० पर दिनां. 23-1-86 देश तक लेखा अधियारी के पद पर (पूर्वाह्न) से अग से नि त्रयुक्त विया है। यह पदोन्नितः अस्थायी स्थानापन्न के हप च तौरपर है ग्रीर उ न्यायालय/उच्च तम न्यायालय के विचारा-म । नर्णय के शर्त पर है ग्रांर उनके धीन मामलों के ग्रद वरिष्ठों के दावों कं पक्षपात किए बिना है।

पी० नारायण मूर्ती वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महा लेखाकार (ल० व ह०) का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम-695039, दिनांक 21 फ़रवरी 1986 का॰स्था॰ (स्था॰ ग्राँर रो॰)/4/10-3/85-86—इस कार्या-श्विय का निम्नलिखित कमचारी अधिविध्ता के कारण 31-1-86 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गया हैं।

श्रीमती के० एन० लीला- इत्याण श्रधिकारी ह० (ग्रहिनीय) महा लेखाकार ार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

पर्छ दिल्ली-110001, दिनांक 25 फ़रवरी 1986

सं० 7/26/ए-प्रणासन/130/82-84—िन्देशक लेखा। परीक्षा संव ए, नई दिल्ली निम्नलिखित सहायक लेखा। परीक्षा प्रधिवारियों को उनके नाम के समक्ष ग्रंबित विश्विस स्थानापन्त लेखा। परीक्षा ग्रंधिकारियों को प्रसिक्ष कर में श्रगले ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्ति करते हैं:--

ऋम	नाम एवं पद नाम	क्रार्थालय जहां नियुक्ति	_
सं०		की गई है	तिथि
	सर्व श्री :	and the second of the second s	
1.	डी० पी० गृप्ता	सं० निदेशक लेख ः परीक्षा	30-8-85
	सहायक लेखा	रक्षा सेवाये (द० कमान)	
	परीक्षा ग्रधिकारी	पूर्ण ।	
2.	ग्रार० बी० ग्र ग्रवाल	केन्द्रीय हिन्दी सथान	2-9-85
	सहाय र लेखा परीक्षा	म्रा ग रा में डिपुटेशन पर	
	ग्र धिका री	(प्रोफ़ार्मा प्रोमोशन)	
3.	श्रार० सी० तलवार	मं० निदेशक लेखापरीक्षा	2-9-85
	सा० लेखा परीक्षा	रक्षा सेवाएं (पू व्हमान)	
	म्र धिकारी	पटना ।	
4.	के० नटराजन	—-तुदैव—-	15-10-85
	स० लेखा परीक्षा		
_	श्रधिकारी श्रहण कान्ति बनर्जी	देव	20.0.05
	अरुण क्षान्त बनजा स०ले० प० ग्र०		30-9-85
	स्म० के० ऋ बाहम	लेखा परीक्षा ऋधिकारी	30-12-85
	स०ले० प० ग्र०	रक्षा सेवाएं (नौसेना)	70 12 00
		विशाखापत्तनम् ।	
7.	एम० राजगोपालन	उप निदेशक लेखापरीक्षा	30-12-85
	स० ल०प०ग्र०	रक्षा सेवाएं (के० कमान)	•
		इलाहाबाद।	
8.	के० वी० नटराजन	संयुक्त निदेशक लेखा	20-1-86
	स० नि० ले ०प०	परीक्षा रक्षा सेवाएं,	
		(पु० कमान)	
		पटना ।	
9.	वाब्लाल	-तदैव	30-12-85
	स० ले० प० ग्र०		
10.	ए० घोष	उप-निदेश के लेखा परीक्षा	9-12-85
	स० ले०प० मधिका	री रक्षा सेवाएं (के०	
		कमान) इलाहाबाद।	
	ग्रार० के० चटर्जी -	मंयुक्त निदेशक लेखा	5-2-86
;	पु०ले०प० ग्र०	परीक्षा रक्षा सेव यें	
	•	(पु० कमान) पटना ।	

भगवान शरण वायल संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली ।

रक्षालेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक,

नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 फ़रवरी 1986

सं० प्रशा० /1/1178/1/जिल्द-1--राष्ट्रपति, रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को उस सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रु० 1500-60-1800-100-2000) में स्थायी रूप में उनके नामों के समक्ष दर्शायी गई तारीखों से, नियुक्त करते हैं ---

क० ग्रधिकारी का ना म सं०	वारीख जिससे नियुक्त किय गए हैं।,
सर्व श्री	
1. स्रार०के० माथुर	1-10-1984
2. के० सुन्दर। राजन	1-10-1984
3. संजीब मुखर्जी	1-10-1984
4. बी० जी० जोशी	1-10-1984
 प्रेम कुमार सबलोक 	1-10-1984
6. ज्ञान स्वरूप	1-10-1984
7. एस० एन० चट्टोपाध्याय	1-10-1984
8. एस० ए० वेंकटारायन	1-10-1984
 सैयद ग्रब्दुल रहमान 	1-10-1984
10. वी० नागराजन	1-10-1984
11. राजिन्दर कुमार चावला	1-10-1984
12. जे० डी० फ़िलमन डोस	1-10-1984
13. सुरिन्दर सिंह	1-10-1984
14. प्रियरंजन प्रसाद	1-10-1984
15. एन०डीं० मोरे	1-10-1984
16. उमा शंकर प्रसाद	1-10-1984
17. ग्रमिया कुमार घोष	1-10-1984
18. वी० राधाकृष्णन	1-10-1984
19. हंस राज	1-10-1984
20. बी० एस० भालेराव	1-10-1984
21. डी० के० चेत्रसिंह	1-10-1984
22. एस० विश्वनाथ	1-10-1984
23. रमेश डी० राव	1-10-1984
24. चरनजीत लाल	1-10-1984
25. वेद प्रकाश	1-10-1984
26. बिनोद विहारी रे	1-10-1984
27. श्यामल कुमार चौधरी	1-10-1984
28. (कुमारी) ऊषा सेन	1-10-1984
29. के० राधाकुष्णन	1-10-1984
30. पी० म्रार० शिवासुब्रह्मनियन	1-10-1984
31. ए० एम० श्रीवास्तव	1-10-1984
32. वी० के० भाण्डारकर	1-10-1984
33. नटराजन गोपाल न	1-10-1984
34. बी० सी० जोशी	1-10-1984
	ग्रार० पटनायक

श्रार० पटनायक

रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (ले॰प०-1)

नई दिल्ली, 1100 एउट, वितास 28 फरवरी 1986 गुबि-गत

सं प्रशा 0 / 1 / 1930 / 5 / 1 - विनांक 26 10 85 के भारत राजपत्र भाग-III, खण्ड-1 में प्रकाशित श्री के एल० मीकिन, याई० डी० ए० एस० के पेंशन स्थापना को यंतरण 🚵 सम्बन्ध में इस विभाग की दिनांक 27 सितम्बर, 1985 की मानिसुबना संख्या प्रशा० /1/1930/5/1, में निम्नलिखित संस्थीधन किये जाते हैं।

1-7-1986 पूर्वाह्न के लिए 1-7-1985 पूर्वीह्न पढ़ें।

साँ० प्रशासन-1/1682/5/11--श्री ग्रार० वेंकटारमन, माई० औ० ए० एस० को उनके द्वारा, दिनांक 6-01-1986 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 7-01-1 928 होने के कारण) दिनांक 31-01-1986 के अपराह्म से रक्षा लिखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया अया है और उन्हें दिन्तांक 01-02-86 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया रेगमा है।

सं ० प्रशासन-1/1687/5/1--श्री पी० सी० थोमस, आई० डी० ए० एस०; हो उनके द्वारा दिनांक 12-01-1986 को 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त 🖜 े लेने पर, (उनकी जन्म तिथि दिनांक 13-01-1928 होने के कारण) दिनांक 31-1-1986 के क्रमाग के संख्याबल से हटा दिया गया ग्रपराह्न से रक्षा लेखा है ग्रौर तदनुसार उन्हें दिन क 01-02-1986 के पूर्वाह्न से पेंसन, स्थापना को अन्तरित कर व्यापया है।

रक्षा लेखा उप नहा

उद्योग एवं कम्पनी कार्यं कर्षाण्य ग्रौद्योगिक विकास विभ विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) कायलिय

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 फ वि 1986

लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के श्री पन जी महाने सहायक निदेशक, ग्रेड-1, (ग्राथिक ग्रन्वेषण) 🛶 🔊 31-12-1985 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

सं॰ ए- 19018(495)/80, प्रणा॰ (राज0)---राष्ट्रपति क्षेत्रीय परीक्षण, केन्द्र, मद्रास, के अधीनस्थ, टार्यालय फ़ील्ड टेस्टिंग स्टेशन, चंगनाचरी, के श्री पी० यू० जान, सहायक निदेशक (ग्रेड-2) को उसी स्टेशन, में 15-1-86 (पूर्वाह्न) से म्राम्ले म्रादेशों तक, सहायक निदेशक ग्रेड-1, (रसायन), के पद पर नियुक्त. करते है।

सं॰ ए-19018(658)/82-प्रशा॰ (राजः०) खण्ड-2— राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के प्रधीनस्थ कार्यालय फ़ीस्ड टेस्टिंग स्टेशन, प्रहमदाबाद के श्री एन० पी॰ दवे, सहायक निदेशक, ग्रेड-2, (रसायन) को उसी स्टेशन, पर 8-1-1986 (पूर्वाह्म), से ध्रगले श्रादेशों ठक, सहायक निदेशक ग्रेड-1, (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं ए-19018 (749) / 84-प्रशा० (राज०) — राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बटक के प्रधीतस्थ दार्यालय, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, राउरकेला के श्री डी० के० मिता, लघु उद्योग संवर्धन श्रीधकारी, (श्रीखोगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को 16-12-1985 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल के श्रधीनस्थः कार्यलय, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, भिवानी में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (ग्रीबोगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700 016, दिनांक 21 फरवरी 1986

मं० 1304 बी/ए-19011 (डी० म्रा.र० डी०) 19ए-भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (खनिज भौतिकी) डा० डी० म्रार० दासगुष्त, सरकारी सेवा से 31-10-1985 (भ्रपराह्म) से निवर्तन पर निवृत्त हुए।

दिनांक 24 फरधरी 1986

सं 1321-B/A-32013 (6—खनि वि वरिष्ठ)/85-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की खनिज-विज्ञानी, (कनिष्ठ) डा० (श्रीमती) स्वप्ना मुखर्जी को खनिज-विज्ञानी (वरिष्ठ) के रूप में नियम।नुसार 1100-50-1600 ६० के वैतनमान के वेतन पर उसी विभाग में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 10-12-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं 1333 बी/ए-19011 (5-टी ०पी०)/19 बी—श्री टी पुण्डरिकामुद्द ने राष्ट्रीय तापीय पक्ति निगम लिमिटेड (निधानल धर्मल पावर कारपोरेशन लिमिटेड) में श्रथनी स्थायी नियुक्ति के फ़लस्वकप, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में यांतिक प्रभियन्ता, (कनिष्ठ) के पद से 31-12-85 के श्रथराह्न से स्थापपत दे दिया है।

दिनांक 25 फरवरी 1986

सं 1353 बी/ए-32013 (2-जी एस)/83-19 बी—-राष्ट्रपति, जी भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भू-भौतिकी विद (कनिष्ठ) को भू-भौतिकीविद (विरष्ठ) के पद पर उसी विभाग, म, नियम।नुसाप 1100-50-1600 क् के बेतनामन के बेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, प्रत्ये ह के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

i. श्री श्रार० पी० व्रिपाठी	1 4-1 2-85 (पूर्वाह्न) से
2. श्री एस० के० दास	14-12-85 (पूर्वाह्म) से
 श्री एन० के० चौधरी 	14-12-85 (पूर्वाह्न) से
4. श्री कें। हिसन	17-12-85 (पूर्वाह्न) से
5. श्री के० सूर्यभानु	16-12-85 (पूर्वाह्म) से
 श्री ग्रारनव कुमार दास 	16-12-85 (पूर्वाह्न) से
	श्रमित भुगारी
	निदेशक (कार्मिक)
	भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपूर, दिनांक 21 फरवरी 1986

सं० ए-19011 (158) 83-स्था०-ए---राष्ट्रपति, श्री पी० स्वामीमृति, स्थायी उपखान नियन्त्रक को भारतीय खान ब्यूरों में क्षेत्रीय खान नियन्त्रक, के पद पर दिनांक 10-2-86 के पूर्वाह्न से नियमित रूप से श्रागामी श्रादेश तक पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनाक 25 फरवरी 1986

सं० ए-19011 (51) | 76-स्था०-ए—विभागीय पदोन्नति सिमिति की सिफ़ारिश पर, श्री एस० एम० प्रसाद क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी, को भारतीय खान ब्यूरो, में स्थान।पन्न रूप में अधीक्षक, खनन भू-विज्ञानी के पद पर दिनांक 10-2-1986 के श्रपराह्म से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिसांक 20 फन्बरी 1986

स० ए-19012 (222)/86-स्था०-ए---विभागीय पदोन्नित्त समितिको सिफारिश परश्री एस०टी० पाटिल, भण्डारपाल (त्यनीकी) ग्रेड-Ш, को भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्स रूप में दिनांच 19 फरवरी, 1986 क अपराह्म ए सहायक भण्डार अधिकारी के पद परपदोन्नित प्रदान की गई।

दिनां हे 27 फरवरी 1986

मं० ए-19011 (161)/72-स्था०-ए---राष्ट्रपित,श्रो गलहौ खालकण स्थामौ अपवास नियन्त्रक को भारतीय खान स्यूरो में श्रेत्रीय खान नियन्त्रक के पद पर दिनां है 12-2 86 के पूर्वाह्म से नियमित रूप से आगामी आदेश तक पदोन्ति प्रदान की गई है

> शी० सी० कर्मा सहायः प्रणासन अधिकारी **कृते** महा नियन्त्रक

आ जणकाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1986

सं० 2/5/68 एस० दो (खण्ड II)—श्री पी० छी० आचारी, प्रण्यसम् अधिकारी, आजाणवाणी, पणजी 30 अगस्त, 1985 अपराह्म सं मरकारी सवा सं अभिवासं रूप से सेवा निवृत्त कर दिए गए हैं।

सं० 2/10/82 एस दो—श्री आर० एन० प्रमाद, प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी, रांची, 30 अगस्त, 1985 अपराह से सरकारी पेवा से अनियार्थ रूप से सेवानिवृत्त कर दिए गए।

विनांक 7 जनवरी 1986

मं० 4/3/84-एव-II---आ ाशवाणी महाविदेशालय, की अध्यस्यना, संख्या 4/3/84-एस-II, विनांक 21-1-85 के अनु-क्रम में महाविदेश है, आ प्राणवाणी, श्री आनन्द विवादी, हिंदी अनुवाद है, आप्राणवाणी, लखनक, जो आगजल आवाणवाणी लखनक में, हिन्दी अधि गरी के पद पर 650-740-35-810- ह० रो०-35-880-46-1000- द० रो०-10-1200 रुप्ये दे बेतनमान में तर्द्य आधार पर प्रतिनिमुक्ति पर है की प्रतिनिभुक्ति को अगले आदेणा तह 12-1-86 ने एक वर्षे के लिए बढ़ाते हैं।

दिनां अ 25 फरवरी, 1986

सं ० 1 (१) / ८८-एस-II—महा निदेशक, आकाणवाणी निम्न-लिखिन प्रधान िक्तिं/लेखा गरो/मिटिट स्टोर कीपरों की 650-30-740-25-380-द० रोज-40-950 सप्प के बेतनमान में प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख में अगले आदेशों तळ नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	प्रधान लिपिक/ लेखाकाप/वरिष्ठ स्टोर को क्य का नाम	केदकानाम जहापबो- काल पर प्रशासनिक अधिकारोंगीकेपदपर तैनात क्याग्याहै	प्रशासिक अधिक री के पद पर नियु- क्ति की तारीख
1	2	3	4
	 प्रवंश्री		
1. ₹	ू ०सी० घोष	आरु विकाखापनसम	31-12-85
2. 🥫	गै ० आप० कादगी	रेडियो ⊹्यमीर,श्रीतगर	19-12-85

1	2	3	.1
		، برجو برجم برجو بعرو هـ در حسد بسط سعد بسد است است است است است است ا	
3.	एच०आ५० अ ब रील	ঞাত ইার্∩ [⊤]	23-12-85
4	जी० पी ० धर्मा	আত ছবঁট	26-12-85

2 उपर्युक्त अधिकारियों ने कालम 4 में प्रत्येक है नाम है आगे लिखी तारीखों से प्रशासनिक अधिकारियों का कार्यभार ग्रहण कर लिया है ।

> मोहन कांसिस प्रशासन उप निदेशक कृते महा निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महाशिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1986

सं० ए-38012/2/85-प्रणासन-I—-पेया निवर्तम की आयु हो जाने के फलस्वरूप इस निदेशालय के डा० एस० एन० बागची, उप सहायक महानिदेश ए (ए० आर०) 30 सवस्बर 1985 (अपराह्म) स अरुकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

> प्रेम कुमार **धई** उन निदेश र प्रणासन (सी० एंड **बी**०)

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय
(कृषि ग्रीर सहकारिता विभाग)
तम्बाकू विकास निदेशालय
मद्रास, दिनाँक 27 फरवरी 1986

सं० 7-4/82-प्रशापन -- विभागीय पदोन्नति समिति (डी० पी० सी० (ग्रुप बी०) की अनुशंसा पर निवेशक, तम्बाक् विकास निवेशालय, मद्रास, उक्त कार्यालय के स्थायी सांख्यिकी अन्वेपक और स्थानागन्न क्षेत्रीय अधिकारी डा० (कुमारी) एम० सीतम्मा को सांख्यिक के स्थायी पद पर 2 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्म में नियुक्त करते हैं।

उपरोक्त भ्रधिकारी का साँख्यिको भ्रन्वेषक के पद पर जो ग्रहणाधिकार है वह साँख्यिक के पद पर मांलिक रूप से नियुक्त होने की तारीख से समाप्त किया जाता है।

> एन० राजेन्द्रन उप निदेशक (विपणन)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाँक 30 जनवरो 1986

सं० 2-2/84-स्थापना-1:--इस निदेशालय की इसी संख्या की प्रधिसूचना दिनाँक 16 प्रक्तूबर, 1985 के कम में, श्री एम० पी० सिंह हिन्दी ग्रधिकारी की तदर्थ नियुक्ति की प्रविध 1 जनवरी, 1986 से 30 प्रप्रैल, 1986 तक

भ्रथवा इस पद को नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, वर्तमान णर्तों के श्राधार पर बढ़ायी जाती है। श्रार० जी० बन्जी, निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीद्राबाद, दिनौंक 27 फल्बरी 1986

सं० 19023/2/8 1-प्र० III:--श्री पी० कुटुम्ब राव, विपणन ग्रिधिकारी (ग्रेड 1) प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में 26-8-85 (पूर्वाह्म) से 3 वर्ष की श्रवधि के लिये सम्पादक (मार्केटिंग जनरल) नियुक्त किये गये हैं।

सम्पादक के रूप में ग्रापनी नियुक्ति के उपरान्त श्री राव ने विषणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार 26-8-85 (पूर्वीस्तृ) से छोड़ दिया है।

> जे० कृष्णा, निदेशक प्रशासन **कृते** कृषि विषणन सलाहकार

प्रन्तिक्ष विभाग

इसरो उप ग्रह केन्द्र

बेंगलूर-5600017, दिनाँक 19 फरवरी 1986

सं० 020/1(15.1)/86-म्थापना-।--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री पी० वर्गीस, अब्रह्म, वैज्ञानिक श्रीभयन्ता "एस० बी०" में प्राप्त त्याग पत्र को दिनाँक 14 फरवरी, 1986 के अपराह्म में स्वीकार करते हैं।

> एन० एस० रामदास, प्रणासन प्रधिकारी

श्रन्तिरक्ष उपयोग केन्द्र भारतीय अन्तरिक्ष श्रनुसंघान संगठन

श्रहमदाबाद- 380053, दिनाँक 21 फरवरी 1986

मं० श्रं० उप कें०/स्था० 3/1986——निर्देशन ने निम्नलिखित पदाधिकारियों को श्रन्तिस्थि विभाग के अन्तिरक्षि उपयोग ्रक्रेन्द्र श्रहमदाबाद में प्रत्येक के नाम के श्रागे दिये गये पद पर तथा दी गई तारीख के पूर्वीह्न में श्रगले श्रादेश तक कार्यकारी रूप से नियुवन दिया है:—-

क्रम संख्या नाम दिनॉक पद जिस पर नियुक्त किये गये

(1) टी० भाएकर राव 20-4-1985 सहायक प्रणासन श्रिधकारी

के० एस० कृष्णन्, प्रशासन श्रधिकारी महानिदेशक नागर विमाननन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँक 14 फरवरी 1986

सं० 32014/4/84-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन, नागर विमानन विभाग के निम्निखित महायक संचार प्रधिकारियों को नदर्थ नियुक्ति की अवधि को प्रत्येक के नाम के भामने दी गई प्रविध के लिये बढ़ाते हैं:--

ऋ०भं० नाम	बढ़ाई गई तदर्थ	नियुक्ति की श्रवधि
		त क
सर्वश्री		——————————————————————————————————————
1. एम० के० राय	1-7-1984	30-9-1985
2. वी० के० एच० णर्मा	J 1	31-3-1986
 नामदेव एच० भ्रचरमध् 	ल ,,	11
4. पी० श्रार० चौधरी	11	7.1
5. चमन सिंह्	,,,	, ,
6. डी० एल० हेते	1.7	31-12-1984
7. ऍस०डी० भल्ला	7.7	31-8-1984
8. ए० कुमार	,,	, ,
9. एम० के० विश्वास	11	31-3-198 6
10. एम० वी० मुलमुले	, ,	30-9-1984
11. श्रार० डी० राम	1,7	15-7-1985
12. पी० एस० वागडे	71	30-9-1984
13. श्रीमर्तः प्रीति कुन्दु	11	31-3-1986
14. ग्रार० के० नाज	1.3	11
15. एन० सीतारामन	7 7	31-7-1984
16. ए० एन० मिश्रा	J j	30-11-1984
17. श्रार० एन० बनर्जी	27-7-1984	31-7-1985
18. जे० एन० साना	4-8-1984	31~3~1986
19. एन० के० मनसुखान	23-7-1984	30-4-1985
20. पी० चऋवर्ती	16-9-1984	31-3-1986
21. एस० सरकार	10-3-1985	11
22. श्रार० एन० नय्यर	30-5-1985	1)
23. पी० सी० नाल्लुकदार	1-1-1985	11
24. ए० पी० श्रानन्द	24-7-1985	,,
25. एन० एन० सिन्हा	7-7-1985	11
26 मदन सिह्	9-5-1985	7.7
27. एस० एस० भाटिया	1-3-1985	
28. बी० सुब्रहमण्यम्	11-5-1985	* ;
29. ए० के० भादुड़ी	28-6-1985	<i>j</i> 1
30. डी० सेनगुप्ता	20-6-1985	1.1
31. ए० के० दासगुप्ता	31-7-1985	11
32 पी० रंगास्वामी	3- 6- 198 5	,,
33. पी० पी० राव	14-5-1985	,,
34. ग्रा ई० के० निवारी	9-5-1985	,,
35. जी०ए० जोशी	16-8-1985	11
36. विनोद कुमार	1-1-1986	"

क्र सं. नाम	बढ़ाई गई प्रवधि	तदर्थ नियुक्ति की
	ये स	 तुक
37. एम ० कादिर सन	10-9-198	5 31-12-195
38. श्राई० सरदाना	16-9-198	5 31-3-1986
39. एस० के० राय	. 1-10-198	5 ,,
40. पी० सी० भट्टाव	र्जी 20-10 - 198	5 ,,
41. एस० के० सेनग्	ुप्ता 1-10-19 8	5 ,,
4.2. पी० वी० के० 🤻	त्रव 30-9-198	5 ,,
43. एन० के० रत्न	1-3-198	6 ,,
44. ए० एच० बक्शी	30-9-198	5 ,,
45. जी० के० नायर	1-12-198	5 ,,
46. एन० आर० वर्ध	न 28 - 9-198	5 ,,
		_

2. उपरोक्त सहायक संचार अधिकारी इक बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति को अवधि के फलस्वरूप इस ग्रेड में निय मित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे श्रार तदर्थ आधार पर की गई मेवा की अवधि म तो महाय मंचार अधिकारी के ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिये न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पालता के लिये निगी जायेगी।

सं० ए० 32013/3/85-ई० मी०--इस विभाग की अधिसूचना सं० ए-32013/3/86-दिनांछ 15 नवम्बर, 1985 के कम में, राष्ट्रपति, नागर विभागम विभाग के निम्नलिखित पांच तकनीकी अधिकारियों को 10 अक्तूबर, 1985 से ग्रीर अगले आदेश होने तक, 1100-50-1600 के वेतनमान में विष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करने हैं।

क्रसं० नाम.

- 1. श्रीबी० एन० चावला
- 2. श्री सी० आर० सुधीर
- 3. श्री एस० डी० बंसच
- 4. श्री के० गणेणन्
- 5. श्री के० एस० नारायणस्वामी

वी० जयचन्द्रम, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1986

सं ० ए० 32013/6/84-ई० ए----पाष्ट्रपति, निम्पतिषित विमान क्षेत्र अधिकारियों को नदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को उनके सामने दिलाई गई अवधि तक या जब तक ये पद नियमित रूप से नहीं भरे जाते, तक तक इनमें से । भी पहले हो, आगे बढ़ाने की अनुमित प्रदान करते हैं।

E a II a LUIT	अवधि	
ऋ०स० साम	₹ſ	त क
सर्वेश्री		
 आर० एस० रामकर 	4-12-84	12-2-85
 ६० जोसफ 	26-11-84	12-2-85
 एकवेयर एलोसियस 	30-11-84	3-11-84
4. पी० ए० मेनन	30-11-84	31-3-85
5. एन० के० जी० आ र०	24-11-84	31-3-86
 एस० सेन गुप्ता 	30-11-84	31-3-86
7. एच० बी० राय	17-2-85	31-3-86
8. बी० बी० दास	5-12-85	31-3-86
9. पी० सी० जी० दोराराज	16-1-85	31-3-86
10. जे० वी० सुब्बाराव	29-11-84	31-3-86
11. एस० के० मेन गुप्ता	30-11-84	31-3-86
12. पी० ए० जेसवाल	30-11-84	31-3-86
13. सत्तपाल रिखी	29-11-84	31-7-85
14. के० एस० हजारे	30-11-84	31-3-86
15. एन० जे० फेमवाला	10-2-85	31-3-86
16. बी० पी० सैनी	30-11-84	31-3-86
17. साबू भन्दन	30-11-84	31-3-86
18. एस० के ० देवमोंड ल	30-11-84	31-3-86
19. अमरचन्द	29-11-84	31-3-86
20. एम० आर्० चौंधरी	29-11-84	31-3-86
21. आर्० आई० पोल	24-10-84	31-3-86
22. विलोक सिह	19-10 84	31-3-86
23. पी० के० बिसवास	7-12-84	31-3-86
24. जी० बी० परोहित	29-11-84	31-3-86
25. एम० सी० भट्टाचार्य	6-1-85	31-3-86
26. हरबन्स लाल	1-1-85	31-3-8€
27. भ्रार० डी० वाजपेयी	27-11-84	31-3-86
28. मी० बी० कालगिरी	26-11 84	31-3-86

एम० भट्टाचाजी, उप निवेशक (प्रथमसम)

वत अनुसन्धाम संस्थान एवं महाविद्यालय देहणदून, दिसां ह 26 फरवरी 1986

सं० ए० 32014/3/85-इस्टे०-1--अध्यक्ष, बन अनु-राज्यात संख्यान एव महाविद्यालय देहरादून निम्निलिखित कार्यालय, अधीक्षकों मध्य लिपिक को वैकल्पिक एवं अस्थाई रूप से अगले आदेशों तक, सहायक कुल सिचव के पद पर जनके नामों के समक्ष दी गई तिथियों से सहर्ष नियुक्त करते हैं :---

	
	पूर्वीऋ
(1) श्रीरमेश चन्द्रनैयानी	13-2-86
(2) श्री मदन लाल इंगवाल	13-2-86
(3) श्री गुरमेज राम	12-2-86
(4) श्रीयु०मी० दास	13-2-86

त्र० त्र० समसेना - फुल सचिव वन प्रनुसंधान संस्थान एव महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन श्रौर सीमा शुरुक समाहर्तालय बड़ोदरा, दिनांक 11 फरवरी 1986

सं० 3/1986/फा० म० ७-38012/30/85-प्रणासन-II--भारतीय केन्द्रीय उत्पादन प्रांत सोमा णुट्य (वर्ग "क") मेवा
के अधिकारी श्री एम० के० परमार जो अब तक केन्द्रीय
उत्पादन ग्रांत सीमा णुट्य समाहर्तालय विशेदरा के मण्डन-1,
सूरत में सहायक समाहर्ता के रूप में तैनान थे, वे दिनांक
3-2-1986 के अपराह्म में मूल नियमावली के नियम 56
के उपवन्ध (जे) के अधीन सरकारी मेवा मे निवृत्त हो
गये हैं।

दिनांक 20 फरवरी 1986

मं० 4/86—श्री एस० के० **शेख**, अधीक्षक, केग्द्री उत्पादन झौर सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल—II, बड़ोवरा दिनांक 5-2-86 की 58 वर्ष के हो गये हैं। तदनुसार, वे दिनांक 28-2-1986 के अपराह्म में निवर्जन सेवा निवृत्त होंगें।

सं० 5/86—श्री एल० सी० मारंग, अधीक्षक (वर्गे 'ख") मण्डल-1, सूरन दिनांक 25-2-86 को 58 वर्षे के हो गये हैं । नदनुसार, वे दिनांक 28-2-1986 के अपराह्न में निवर्लन सेवा निवृत्त होंगे।

सं० 6/86—श्री जे० जे० पारेख, अधीक्षक, केन्द्रीय उस्पादन गुरुक (वर्ग "ख") अलसाड दिनांक 1-3-1986 के पूर्वाह्म में सरकारी सेवा से स्वैच्छिक का मे निवृत्त होने वाले हैं।

अरविन्द सिन्हा, समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० 2/86— सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय 'उत्पद शुरूक के पद पर पदोन्नत होने पर श्री राजीव टण्डन, अधीक ह, केन्द्रीय 'उत्पाद शुरूक समूह "क" ने सहायक समाहर्ता मुख्यालय 2---506GI/85

नागपुर के पद पर दिनांक 7-2-86 की अपराह्म में अपना कार्य भार ग्रहण किया।

> रमेश कुमार आदिम, उस समाहर्ता

निरीक्षण महानिद्देशालय सीमा एंव केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

नई दिल्ली, दिनौंक 24 फरवरी 1986

सं० 3/86--श्री जे० एस० डाली ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहर्तालय, नई विल्ली में बरिष्ठ श्रधीक्षक के पद पर तैनात थे, जिस मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनाँक 9-12-1985 के पत्र फाइल संख्या ए० 22012-80/85- प्रणा० II के श्रन्तर्गत जारी श्रादेण संख्या 210/85 के श्रन्तार निरीक्षण महानिदेणालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में स्थानान्तरण हो जाने पर, दिनाँक 6-2-86 (पूर्वाह्म) से सहायक निदेणका निरीक्षण (सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 4/86--श्री पी० के० जैन ने, जो पहले सीमा शुल्क बम्बई में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, मंत्रासय के दिनौंक 28-1-86 का श्रादेश संख्या 12/1986 हार जारी पत्न संख्या 22012/1/86-प्रणा०-II के श्रनुसार स्थानान्तरण होने पर दिनौंक 10-2-1986 (पूर्वाह्म में) निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क, नई दिल्ली के मुख्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (सीमा शु० तथा के० उ० शु०) नई दिल्ली का कार्यभार संभाल सिया है।

पी० के० श्रग्रवाल, निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल <mark>प्रायोग</mark> नई दिल्ली, दिनौंक 26 फरवरी 1986

सं०ए० 19012/1(14)/82—स्था०-एक—म्प्रधिवार्षिकी की ग्रायु प्राप्त करने पर, श्री पी० सी० जैन, ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) ने केन्द्रीय अल ग्रायोग में 31 ग्रक्तूबर, 1985 की श्रपराह्म से ग्रपमे पद का कार्य भार छोड़ दिया।

> एस० महादेव श्रय्यर, श्रयर सचिव

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड फरीदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1986

मं० 3-736/86-स्था० (श्रनु०)- -श्री जे० जे० एस० भटनागर को दिनौंक 30-1-86 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय भूमि-जल बोर्ड में सहायक प्रशासन श्रधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय मेवा समूह "ख" (राजपत्नित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त कया जाता है। एम० के० दास, मुख्य ग्रभियन्ता एवं सदस्य

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 फरवरी, 1986

मं० 1/86-फाईल मंख्या 22/2/86-प्रणासन-1(ख):-प्रध्यक्ष केन्द्रीय विद्युन प्राधिकरण एतद्वारा, निम्नलिखित
तक्तनिकी पहायकों/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
में, यतिरिक्त सहायक निदेणक/महायक प्रभियन्ता के
ग्रेड में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप ख) सेवा में स्थानापन्न क्षमना में, प्रत्येक के नाम के सामने दशियों गई तारीख
में नियुक्त करते हैं :--

(1) श्रीवी० के० गुप्ता

31-1-1986

(2) श्री श्रार० एग० आर्य

7-2-1986

(3) श्री ए० ए० सिद्दीकी

31-1-1986

रा० शेषाद्रि, भ्रवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय शोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनाँक 24 फरवरी 1986

सं० 32/1439,72-ई० मी०- 3:—- सफदरजंग हस्पताल मण्डल केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के -महायक इंजीनियर (मिविल) श्री के० एस० बीर को उनके सेवा नियृत्त की श्रीय (58 वर्ष) प्राप्त कर लेने के परिणाम-स्वरूप उन्हें 31 दिसम्बर 1985 (श्रपराह्न) मे सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिया।

कें० सी० देहुरी प्रशासन उप निदेशक इते निर्माण महानिदेशक मध्य रेलवे

बम्बई, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० एच० पी० बी०/220/जी/1/बी०-~भारतीय रेलबे कार्मिक मेवा के निम्नलिखित ग्रिधकारी को उसके सामने दिलाई गई तारीख से वरिष्ठ वेतनमान श्रेणी में स्थाई किया गया।

क्रमाँक नाम तारीख जिमे स्थाई किया गया है। 1. श्री बलबीर सिंह 27-9-1982

> एम० एल० खन्ना, महाप्रबन्धक

उद्योग और कम्पनी कार्य मंद्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रीर बीनू ट्रेडर्स (इम्पोर्ट एन्ड एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 26 फरवरी, 1986

मं० जी/स्टेट/560/9772—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा ((3) के श्रनुसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर बीनू ट्रेडमें, (इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट) प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित करदी जायेगी।

बी० एम० जैन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

इक्ष हाइ' .टी. प्र. प्र .-----

नायकड समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन स्थाना

SING SERVE

श्रार्यानय, सहायक नायकर वायकर (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 21 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/

ानदश सुरु श्राइ० ए० साश्युष्या । 137-६६ । 1805---- यतः, मुझे, श्रार०पी० राजेश, 1**1805---- अभिनियमः 1961 (1961 का 43**े **(जिसे इस**

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी स० श्रोफिय फ्लैट नं० 1006 है तथा जो 10 स्वा खण्ड, नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून 1985 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के अपमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अपमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल के के श्रिक अपमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल के के श्रीकर संविधक से विधिक है और अंतरक (बंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्तरितियो के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्तरितियो के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्तरितियो के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, कि कप से कि सित नहीं किया वया है है—

- (का) जनसरण से हुन्द कियाँ भाग की बाबत , समस्य विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वै बायिएन मों कानी कारणे या साससे वणने यो सुविधा को निष्ट; जरि/दा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर जिमितवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्ञारिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा भा या किया जाना चाहिए था, कियाज में सुविधा औ विष्

लाः अत्र , सक्त अभिनियम की भाष 269-ग के अनुसरण जो , जो , स्वतः अभिनियम की भाषा 269-ग की जमभारा (1) के अभीत , निस्तिसिकात व्यक्तियों , सम्बन्धि स्टब्स्ट इन्टरनेशानल पम्मएण्ड प्रोजैक्टर (श्राई०) प्रा० लि०,
 १, रिंग रोड, नई दिल्ली लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-24 ।

(भ्रन्तरक)

2. कर्नल स्वर्णजीत सिंह ग्रीर ग्रन्थ नं० 9, रिंग रोड, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-24

(भ्रन्तरिती)

को ३६ सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपर्शिक वर्जन के संबंध ने कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की वनिभ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर क्षान की दासीन से 30 दिन की ननिभ, जो भी भविभ नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराक्ष स्थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविशत में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है!

अनुसूची

श्रौफिस फ्लैट्स नं० 1006, 10वाँ खण्ड, तादादी 325 वर्ग फीट, बहुमंजिली इमारत देविका टावर, नेहरू फ्लैस, नई दिल्ली-19।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख** : 21 1-1986

क्षक्य बाह्रें हो. एवं एत्------

भाषकर बर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-भ (1) के बभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 20 जनवरी 1986
निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37- ईई/6-85/
1806--यतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राभिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 1788 वर्ग फीट है, तथा जो एल० जी० एफ० नं० 24, 17, बारा खम्बा रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जन, 1985

मां पूर्वे जिस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयभान प्रतिफल के जिए अंतरित् की गई है नीर नृभे यह निरमास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहय्यमान प्रतिफल ने, एसे स्वमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से अभिक है जोर अंतरिक (अंतरका) जोर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्मिसित उन्ने देव से अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिकत, निम्मिसित उन्ने देव से अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिकत, निम्मिसित उन्ने देव से अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिकत, निम्मिसित उन्ने देव से अन्तरण के लिए तम पाया प्रतिकत कर्य में कियत नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाब की बाबता, उस्क विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विकास और
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आसित्यों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

जबः नवः, क्यतं नीर्धानसन्, की भारा 269-व के नतुत्रस्य वें, में, उक्त निर्माणक की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, विभागियक व्यक्तियों, क्यांच् ३—-

- 1. श्री जगतरन सिंह श्रानन्द सुपुत्र स्वर्गीय एस० जैन सिंह श्रानन्द बी-2/1, माझ्ल टाऊन, विल्ली-110009 (श्रन्तरक)
- श्री राजेश कुमार गुप्ता सुपुत्र प्रेम नाथ गुप्ता द्वारा डी० ग्रार० गुप्ता एम-155, पंचशील मार्ग, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वीक्त तल्पीत के अर्चन की हिन्छ कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सन्मति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थवितयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इत क्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर कम्पीता में दिश-वद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखिक में किए वा रुकेंगे।

स्वक्रीकरणः--इस्ते प्रश्नुत्त सन्दों नीर पदीं का, जो उक्त विधिनियम, के जंभाव 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्ष होगा, जो उस संभाव में दिया पत्रा ही।

धनुसुची

प्रथम बेसमेंट (लोग्नर प्राउंड) नं० 24, विजया बिह्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली तादावी 178.8 वर्ग फ़ीट।

म्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 20-1-1986

ಕ್ಷಾಗ್ರಹಕ್ಕೆ ಕ್ರಮದ ಸಂಪರ್ಕ್ಷಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಣಕ್ಕೆ ಸಂಪರ್ಷಗಳ ಸಾಮಾರ್ಗಳ ಸಂಪರ್ಧ ಕ್ಷಾಗ್ರಹಕ್ಕೆ ಕ್ರಮಿಸಿ ಸಂಪರ್ಧಕ್ಕೆ ಸಮಿತಿ ಸಂಪರ್ಣಕ

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनौक 20 जनवरी 1986
निर्देण सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37- ईई /6-85/1807-यतः, मुझे, श्रार० पी० राजेण,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उब्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1575 वर्ग फीट है, तथा जो 1666-डी, गोबिन्दपुरी, एक्सटेन्सन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वेक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतका के तिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाबार क्रम, असके दश्यमान प्रतिकाब से, एवं क्यवान प्रतिकास का पन्दह प्रांतकत सं विभक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरन के सिए तय पाया ज्या प्रतिकास का तिस्ति सं करने से किस से से किस वार्य के सिए तय पाया ज्या प्रतिकास कर से से किस वार्य के सिए तय पाया ज्या प्रतिकास कर से से किस के से से किस वार्य के सिए तय पाया ज्या प्रतिकास कर से से किस के से से किस वार्य के सिए तय पाया ज्या प्रतिकास कर से से किस के से से किस वार्य के सिए तय पाया ज्या प्रतिकास कर से से किस कर से किस वार्य वार्य का है किस कर से से किस वार्य के सिए त्या पाया ज्या की कर से से किस कर से किस वार्य के सिए त्या पाया ज्या की किस कर से से किस वार्य वार्य का है किस कर से से किस कर से किस कर से किस कर से किस वार्य का है किस कर से किस कर से

- (क) अन्यक्रम वं हुइ किसी थान की वानत्, उनक वीधिवित्रम के मधीन कर दोने के मन्दरक के वादित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; मीद/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन था बन्य बास्तियों को, किन्हुं भारतीय बाय-कर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत बीधिवयम, या भनकर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के टेमेचनार्थ अन्तिरिती बुवाड़ा प्रकट नहुँ किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत । जब , उक्त अभिनियम की भारा 269-भं के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ६--

 श्री मतीश कुमार लखीना (-511, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली

(भ्रन्सरक)

 श्रीमती यकुन्तला निवासी 95, एस० एफ० एस० डी० डी० ए०, श्रलखनन्दा, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पृद्धीं क्या सम्मक्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब क्या सम्परित को अजन को अम्बर्ध भा का**दा भी भाकते** हान

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की नमीच ना तत्वान्य की न्यक्तियाँ पद सूचना की तामीझ से 30 दिश की नविष, यो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी न्यन्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मास्त में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी से पास जिल्लान में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

नन्स्ची

1666-डी गोबिन्दपुरी एक्सटेंशन नई दिल्ली, तल खण्ड 6. × 250 फीब ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, दिल्ली, नई 0-011 दिल्ली 02

नारीख: 20-1-1986

प्रसम्बाही हो। वृत्ता एस.,

नाधकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के बभीत नुमा

भारत प्रकार

भाषां नय, सहायक आयकार बायुक्त (विरक्षिक)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौँक 20 जनवरी 1986 निर्वेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/37-ईई/6-85/ 1808--यतः, मुझे, श्चार० पी० राजेश,

कायकर अंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- च के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि: स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० है, तथा जो भ्रायकर गोबिन्दपुरी एक्प्रटेंशन, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण का से विल्ली में रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985

कर प्रशेवत सम्पत्ति के उणिए बाबार मृस्य वे कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाबार मृस्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गम्बर प्रतिमत से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पासा नवा प्रति-फल निम्निसित्त उद्दूषका से उन्त अन्तरण निवास में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई ज़िली बाय की बाबत समझ बिध-नियम की नवीन कर कोने के बन्धरक के बारियल में कमी करने या उससे ब्लंग में सुनिथा के निय; बाँद/या
- (क) एसी किस्ती आव वा किसी अप वा अन्य बास्तिवां जो, जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोचनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट वृद्धीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

बतः वद, उपत वरिपनियम की भारा 269-म के नेन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति स्विकारों, अभीत :---- श्री सतीम कुमार लखोना ई-511, ग्रेटर कैलाम, पार्ट-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मधु चन्द्रा, 95, एस० एफ० एस० डी० डी० ए०, श्रनखनन्दा, नई दिल्ली-19

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां कारता हुं ।

वक्त सम्पर्टिस के वर्षन के बन्दरभ में कोर्ड भी वाक्षेप:----

- (क) इस स्थान के श्वपन में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की सबीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की शामील से 30 दिन की सबीध, को भी सबीध वाद में समाप्त होती हो, को भीनर प्रविक्त स्थानताओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर संबंद स्थावर संपत्ति में दिव-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकत्

स्थक्कीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, का उन्सर अधिनयम के अध्याय 20-का में परिभाषित ही, बड़ी अधी अतिगाणी उस मध्याय में दिस्स स्था ही:

वन्त्वी

नं 1666-डी, गोबिन्दपुरी एक्सटेंशन, कालकाजी, नई दिल्ली, $6.2'\times50$ फीट ।

श्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली,नई दिल्ली-110002

तारीख :-20-1-1986 मोहर : प्रक्य मार्च. टी. एन. एस. -----

बावकर जीधनियज, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (मिर्दाक्रक) श्रर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986 निर्देश गं० ऋाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85 1809—-यत:, मझे, ऋार० पी० राजेश.

नायकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनाम् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव क्षेत्रफ़ल 632 वर्ग फ़ीट है, तथा जो नेहरू पलेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीतर्ता श्रिधाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिंग्स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गर्ष है और मृक्ष यह विषयात करते का कारण है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिकत से एसे रहयमान प्रतिकत का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के औष एसे अन्तरण के लिए तक पाया अया प्रतिकत, निम्निसिबत उद्देश्य से उसते अन्तरण विश्विक स्थान से अधिक हैं सी एसे अन्तरण के लिए तक पाया अया प्रतिकत, निम्निसिबत उद्देश्य से उसते अन्तरण विश्विक स्थान से अधिक स्थान नहीं किया गया है :---

- (क) जन्नरण में हुई किसी काय की भावता, उकत जिल्लीनयम के जभीन भर दोने के जंतरक के दायिख में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के निए: सार/का
- (छ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-क को अनुसरक औं, सैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की लघमारा (1) के ब्रमीन जिस्सीन राजियात राजियाची के ब्रमीन राज्या

 श्रीमती भूपिन्द्र कौर केलर सी-580, डिफोन्स कालोनी नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री पीटर चिन्तामणी प्रशाद, संगरी लाल, 4/285-ए, विधानपुरी, जानपुर ।

(भ्रन्तिरिती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपक बस्पीता को नर्धन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बवध किसी बन्य विकत द्वारा अधोइस्स्यनक्षरी के पास विवित्त में किए का सकोंगे।

स्वक्षीकरण:---इसमे प्रयुक्त सन्ती और पर्दो का, जो उक्त जीभीनवम, के जभ्याय 20-क में धीरभाषित ही, वहीं जर्ज होगा जो उस अप्याय में दिया गवा ही।

मन्त्र

पर्लैट नं० 503, स्काईलार्क, 60, नेहरू प्रलैस, नई दिल्ली, तादावी 632 वर्षे फीट ।

श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख े 20-1-1986 मोहर प्रकल बाद". टी. एन. एस ;-------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक जायकर जात्रका (निरीक्षण) स्राजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1810—-यत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है"), की वास 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को यह निववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका स्वीचन बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रोर जिसकी मं० ब्लाक नं० 90 फ्लैट-5 है, तथा जो 106 वेयर्ड रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनसुची में स्रोर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कायलिय, नई दिल्ली में जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख ज्न 1985

को पूर्णोक्द सम्पत्ति के उणित बाबार मुक्य से काम के बह्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार पून्य, उसके उच्चमान प्रतिकास से एते व्ययमान प्रतिकास का बन्धह प्रतिकात से बिधक है और बन्दरक (अन्तरका) और प्रतिकित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा पदा प्रतिकास, निम्नतियित उद्योग्य से उक्त जन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित महीं किया पदा है ए~~

- (क) बन्तरण से हुए किसी आब की बावत समझ अधि-नियम के अधीन कर योगे के बन्तरक के बाधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए ब्रीट/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी बन वा बन्य कारिसकी को, जिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 \1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) जं प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा की लिए:

भारः भावः, जन्म अभिनियम की भाग 269-म को अन्तरण की, मी, उन्त अभिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के स्थीम, निम्मीनिवित स्थितमों, अभात:---

 डा० दिनेश मुमार सुपूत्र राम नारायण निवासी-06, वेयर्ड रोड़, नई दिल्ली भ्रीर भ्रन्य ।

(भ्रन्तुरकः)

2. श्री गीरी मल जैन मुपूत्र लक्ष्मी चन्द जैन, 8, मधीवृतिया मार्किट, नई दिल्ली और अन्य (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्णन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हुई।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप ह---

- (क) इस ब्यान के एक्पन में प्रकादन की तारीय से 45 दिन की नवींथ ना तत्सम्बन्धी म्यम्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की त्यांथ, को भी अविंद् नाय में सनान्त होती हो, से भीतर प्रनिकत म्यन्तियों में से किसी मानित स्थाप;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में मुकाबन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्द व्यक्ति ब्यारा, अथोहस्तावारी के श्रव विविध में किए वा सकीय।

मन्त्री

1/3 प्रविभाज्य शेयर 0.059 एकड़ (2576 वर्ग फ़ीट) इताक 90, प्लाट नं० 5, जाना जाता है 106, बेयर्ड रोड़, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेश रक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

रारीख : 27-1-1986

प्ररूप वार्ष. टी. एन. एस.-----भावश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-च (1) के नवीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986
निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/8-85/1811---यतः, मुझे, श्रार०पी० राजेश,

वायकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसमें परचात् 'उसत गिंधिनयम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका उचित बाबार जुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी मं० 1600 वर्ग फीट है, तथा जो फ़िरोजणाह रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (मौर इससे उपावद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री रुती अधिकारी के नार्यालय, निर्देशिका में ग्रायकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को प्रोंकत सम्मित्त के उपित गामार मृत्य ते कम के अववान श्रीतकत के सिए बन्तरित की नई हैं और मृत्ये वह विश्वाध करने का कारण है कि यथाप्रोंकत संपत्ति का उपित बाबार कृष्य, उसके अवमान प्रतिफल से, एसे अवभान प्रतिफल का कृष्य, प्रतिकृत से बाधिक हैं और बंतरक (बंदरका) और बंदरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरन के सिए तब वाया नवा प्रीध-फल निम्निलिस्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- भा) अन्वरण ते हुई जिली बाब की बाबड, काल अधिनियम के अधीन कर वोने के बलाएक के वाहित्य में कभी करने वा उससे बचने में बुविधा के डिक्ट्र अदि/या
- (च) ऐसी किसी बाब मा किसी पर मा जन्म साहित्सों को, चिन्हों पारतीय नावकर वीपीनवम, 1922 (1922 को 11) या उपत वीपीनवम मा घनकर वीपीनवम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोगपार्थ करतरिती युवाय प्रकट नहीं किया प्रयोगपार्थ करतरिती युवाय प्रकट नहीं किया प्रयोगपार्थ करतरिती युवाय प्रकट नहीं किया स्वीया को किए;

वितः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसस्त्र में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्षात् :----3---506GI/85 श्री अनुराग चन्द्रा, भगवती भवन, 31-बी, एम० एल० धानुकर मार्ग, बम्बई-400026

(अन्तरक)

श्री मनोज नारायण श्रग्रवाल, 704, श्राशा दीप,
 हेली रोड़, नई दिल्ली

(सन्दरिती)

 श्रे बहु बृचना भारी करके पूर्वोच्छ संपत्ति के वर्षन भी जिल्ला कार्ववाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिया की व्यक्ति का तत्त्रस्थन्त्री स्थानित्यों पर सूचना की शाबीक से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वृक्षेत्र में कसी क्यां की क्यां क्यां की क्यां की क्यां की क्यां की क्यां की क्यां की क्यां क्यां की क्यां क्यां की क्यां क्यां की क्यां का क्यां क्यां क्यां की क्यां की क्यां का क्यां की क्यां का क्य
- (वं) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दबहुभ किसी जन्म न्यन्ति ब्वारा, अभोहस्ताकरी वै
 वाद विविद्य वे किस् वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्त व्यक्तिकम, के अध्याम 20-क में परिभाविक हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस मध्यान में विका गया है।

वन्त्र्याः

फ्लैट 5वां खण्ड , 1600 वर्ग फ़ीट झौर कार पार्किंग बहुमंजिली इमारत ग्रुप हार्जीसंग स्कीम, श्रधीक्वर श्रपार्टमेंटस . 34, फ़िरोजवाह रोड़, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी. राजेश सक्षम प्राधिकाः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 20-1-1986 मोहर:

बकुर् बार्ड . श्री . एव . एवं . प्राप्त समाना

भागकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नायकत (निर्दाक्तक)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986 निर्धेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1812---यत:, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके बरवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्त्रासि, लिसका अधित बाबार मन्त्र्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी, 4, ए, 22, बाराखम्बा है, तथा जो श्रायकर रोड़, नई किस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वीतित संपत्ति को उजित बाजार मृल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वाम करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल ले, एसे अस्पनान प्रतिफल का पल्लह प्रतिकात विश्वक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया बतिफल, निम्निनिचित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में सम्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (का) अन्तरण से शुर्व किसी काय की बानता, उक्त अधिनियम में अभीन कर दोने के सन्तरक के वाजित्व मी कामी करने या उससे ध्यान पा न्यानधा के विष्ट्; व्याप्तिया
- (था) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 क्या 11) वा अक्स मीविनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिश द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना शाहिए था छिपाने में रिकथा के निर्मा के निर्मा

वतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, भों, उत्तर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर शनम्भिति व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री एमं ० जैसिम्बानी श्रीर श्रत्यः 529, 4 मस, श्रारं ० टी० नगर, 2, बंगलीर

(अन्तरक)

2 श्री विरेन्द्र वाहरी गौतम वाहरी (एच० यू० ग्रौर ग्रन्य 5/6, रूप नगर, दिल्ली-7

(श्रन्त्रिती)

को वह त्यथा बारी करने पृशांकत सम्मृतित के वर्धन के जिए कार्यवाहियां कुछ करता हूं।

राज्य सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 पिन की संबंधिय स तत्त्रज्ञान्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 पिन की वस्थि। को भी वस्थि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवॉक्स व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति इनारा
- (वं) इस स्थमा के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित मों किए जा सकींगे।

श्वण्दीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया वसा हैं।

जनस्ची

फ्लैट नं जी-4 ए, धरातल खण्ड, स्कोपर भवन, 22, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली तादादी 500 वर्ग कीट ।

> श्चारः पी० राजेश सक्षम प्राधितारी सहायकं श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

कारीखा ' 20-1-1986 मोहर ' प्रक्रम बाहें. टी. एन. एस. ------

आयकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुभन

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर कामूक्त (निरोधक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 20 जपत्ररी 1986 निदेण सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/37ईई/6-85---/ 1813—-अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० 500 वर्गफीट है तथा जो बाराखम्बा रोड, भई-दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के गार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985,

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अध्यक राज्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया बतिफल, निम्निचित उद्वरेष से उच्त अन्तरण कि बित के बास्तिक स्प ते कि जिल नहीं किया वना है ——

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की दावत, अक्त अधिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक औ दाधित्व में कभी अस्ते या उससे अपने में सुविधा के सिए; और्ट/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी धन था अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आपकर अधिनिधम, 1971 स्व १८ १८०० कर अधिनिधम, 1971 कर अधिनिधम, १९०० कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, खिपाने में सुविधा कराए।

अत: बाब, उक्त किंपिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :--- (1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी गुरशल आहलूवालिया, 39 हनुमान रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब बं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानकारों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य स्थिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पव्योकरणः — इसकं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम है अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगम् जो उस अध्याय में विया स्था हो।

बन्सची

ादादी 500 वर्गफीट । फ्लेट नं ० बी ० 1501, 22 वारा-खम्बा रोड, **नई** दिल्ली ।

> आए० पी० राजेश पक्षम प्रश्विकारी महासह आसकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंजना, शर्व दिल्ली

नारोख: 20-1-1986

प्रथम बहर्ष, टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नाएक करकाड

कार्यांचन , सहायक मायकार मानुस्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निदेण सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/6-85/ 1814—-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. ये नधिक हैं

भीर जिसकी सं० क्षेत्रफल 440.99 वर्ग फीट है तथा जो बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमुची में भीर पूर्णस्य में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मृख्य से कम के इस्प्रधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बंदह प्रविक्षत से अधिक है और मंतरक (मंतरकाँ) बौर मंतरिती (गंतरितयाँ) के बीच एसे मंतरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्वर्ष से उच्त अन्तरण सिचित के बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्बरण वे हुई किती मान की बाबत, उक्त विधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वीडा/वा
- (व) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य आस्तियों करी विस्ते भारतीय नाथ-कर अभिनियन 1922 (1922 का 11) या उसत न भिनियम, ना भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी ब्वारा प्रभट नहीं किया नवा भा वा किया हरता चाहिए था, जियाने में बृषिभा के विद्युः

नतः वन, उनत निधिनियम, की धारा 26%-ग के जनुतरण हो- नी अनत नोधनियम की धारा 269-ग के उपधारा (1) हो कभीन, निस्तिनियित व्यक्तिनों, नर्धात् ह---- (1) गुजरात इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जे० भागपाल एच० यू० एफ० कर्ता जोगिन्द्र नागपाल श्रीर अन्य, 1/6, कीर्ति नगर, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह बुज़्या जाड़ी कड़के पूर्वोक्त चुन्यरिक् के बर्चन के लिए कार्यवाहियां कड़िया हुई।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के तंत्रंथ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 किय की ज़बीच ना तत्वन्त्रन्ती व्यक्तिकों एर जुजना की ताबीच से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी व्यक्तियाँ में से किसी स्पवित बुवारा;
- (व) इन्तु कृत्वा के ग्राम्थन में भ्रमसन् की तारीज वे 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्मति में हित्बक्ष किसी जन्म स्थानित ब्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किन्नु वा कर्केंग्रे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्धों और पढ़ों का, वो उनक विभीनवम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होना यो उस वध्याय में दिवा सन्दाही।

समस्री

स्पेस नं० 3, 8 चा खण्ड, विजया बिल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । तादादी 440.99 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 20-1-1986

क्षा कर्ष व में प्राप्त हो।

नायकर निभिन्निन, 1961 (1961 का 43) ज़ी भारा 269-म (1) से नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासन, बहायक गायकर माजूनस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिभांक 20 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए. मी०/एक्यू०/1/37ईई/6-85/ 1815---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसर्वे विवाद 'उस्त मिथिनियम' कहां गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारों को, यह विवशस करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

भ्रौर जिसकी सं० 379.03 वर्ग फीट है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण- रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जूर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निकास करने का कारण है

कि यह यंथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण किवा में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) जन्मरण वे हुई कि जी नाव की नावधा, अवधा विभिन्नय के अधीन कर देवे के बन्तुक वें वादित्व में कती करणे वा उक्के वचने में बृदिशा के निष्; बहि/वा
- (स) ऐसी किसी जाव या किसी धन मा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाब-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत जीधनियम, मा अन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसार्थ अन्तिरती बुवारा प्रबद्ध नहीं किया विवा या वा किया वाना वाहिए था, जियाने जो सुविधा के सिक;

अतः अब, उक्तः अधिशियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्तिस व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) गुजराम इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्बारोड, मर्घ दिल्ली।

(সালাধ্য)

(2) मितसकैलाण चावला पत्नि प्रान नाथ चावला फ्रींर अन्य रएस-197, ग्रेटर कैलाण पार्ट-2, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

वक्त सम्मत्ति के अर्वन के संबंध में कोई भी नामीय :---

- (क) इस स्थान के ट्रावपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवींथ या तत्सम्बन्धी म्यम्तियों पर बृचना की तासीस से 30 दिन की सविथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस ब्रूपना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के शीवर उनव स्थानर सम्पत्ति में हित- नहुष किसी अन्य व्यक्ति इंगारा, नभोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए वा स्केंन।

स्वास्तियण:—इतमी प्रयुक्त क्यों मृद्धि वृद्धे का, को उक्त विधित्रमा को कभाय 20-क मी परिभाषित दूँ, वहीं कर्ष हरेगर को उस कभ्याय मी दिया क्यों हैं।

अनुस्ची

स्पेश नं ० 2, 8 वां खण्ड, विजया बिल्डिंग, 17 ब राखम्बा रोड, मई दिल्ली । एरिया 379,03 वर्गफीट ।

> आग० पी माजेश मक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 20-1-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिमियस, 1964 (1961 का 43) की धन्त 269-व (1) को अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज- $\frac{1}{2}$ गई दिल्ली

न**ई दि**ल्ली, दिनांक 20 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37**ईई**/6-85/

1816--- अप: मुझे, आर० पी० राजेण

वानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्यामें इसके पर्याक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के जभीन सक्षम प्रिकारी को वह विकास करने का आरण है कि रुध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं अविफल 1276.65 वर्ग फीट है तथा जो आयकर गोल माकिट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीण इसने उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण कर ने विभिन्न है), रजिस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, ाई दिल्ली में भारतीय ं जिस्ट्री उरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उर्वेक्त वाकार मूल्य ते कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, अक्ष के करवमान प्रतिफल के, एके क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्षय में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अल्ढारण के हुई जिल्ली जाम की बावबा, उपक जिल्लाम के जभीन कर को अल्हारक को वासिरत में कमी करने वा उससे कमो में स्रोवभा को किए; और/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी भन या अन्य आरंक्तिक को, किन्हें भारतीय नाक्कर जिभिनेयम, 1922 (1922 को 11) या खंका जिभिनेयम, वा भनकर जिभिनेयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था, खिनाम में सुविधा के लिए;

(1) डी० एल० यूनीवर्सन प्रा० लि०, मकान नं० 21-22 नरेन्द्र पलेस संबद मार्ग, भई दिल्ली ।

(अन्।एक)

(2) सूदर्शन कुमारी पत्ति सत्या पाल सहगल, बी-6, टेगें र गार्डन, (शापिंग सन्टर) नई दिल्ली । (अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्बवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हां, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित से किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरणः ---इसमं प्रयुक्त राक्द्रां और पदां का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

अपार्टमेंट नं० ए-1, प्लाट न० 2, ब्लात नं० 95, माकिट रोड. गोल माजिट, नई दिल्ली। तादादी 1275, 65 वर्ग फीट।

> आर्० पी० राजेण सक्षम प्राविकारी सहायक आयक्तर कायुक्त (विजीतन) अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली

बतः सम, बन्द विभिन्नम की भारा 269-न की बन्द्रतरण मा, मो, उक्त विभिन्नमा की भारा 269-म की उपधार (1) के बभीन, निम्मिनिवित व्यक्तियों, वर्षाण्यां

5ारीख : 20-1-1986

मंहर:

प्ररूप आहुं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निदेण मं० श्राई ए०सी एक्यू/1/37ईई/6 ·85/1817--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं प्रलैट नं 1415 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिनारी के सार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुः किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर औधनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उथ्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — तै० ब्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लिगि०, 115, द्यंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिस्सी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शत्यपाल, मलिक सुपन्न श्री बूध सिंह मलिक, 61, साउथ एवेन्यू, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

पर्लंट नं० 1415, 38, नेहरू प्लेस, नई दिस्ली, तादादी 560 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे−1, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

वारीख: 20-1-1986

मोहर ।

प्रस्थ आइ.टी.एन.एस------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

क्षामालय, सङ्घायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई०ए० सी०/एक्यि०/1,37—ईई/6~85/ 1818—⊶ग्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस्हें इसके इसके प्रचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उचित वाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 1303, है तथा जो नेहर प्लेस, नई दिरुली भारतीय विश्व हैं (भ्रांग इससे उपाबद अनु-धुची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीक्सी अधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जुन, 1985

को पूर्णेक्क तम्पत्ति के बिक्त बाकार नृत्य से कम के करकान है विकास करते का कारण है कि यथा पूर्वेक्च सम्पत्ति का उपित बाकार मुख्य , उन्न के कर्याण है कि यथा पूर्वेक्च सम्पत्ति का उपित बाकार मुख्य , उन्न के क्याण प्रतिकल से ए वे क्यामान प्रतिकल के बन्द्र प्रतिकल से बिध्य है और अंतरिक (बंदरकों) की संतरिक ए तं अध्यस्य के सिध् तय पत्या गया प्रतिकल , निम्नितिखत उक्तरेस से उक्त कन्तरण निचित्त में बान्तिकल कप से क्यांच नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण वे हुई किसी नाम की नामरा, उपत विधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किसी करने ना उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) एंकी विश्वी आप या विश्वी थन वर वस्य अविश्वानं का, विन्हें भारतीय नावकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनिवस, अर धनकर अधिनिवस, अर धनकर अधिनिवस, अर धनकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिली व्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया जाना चाहिए था, कियान में स्वाप्त था के किए;

जतः जन, सकत निधितियम की धारा 269-ग को नन्दरण में, में, उचत मौबिष्यम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिविक्त व्यक्तियों, अधीक् :---

- 1. मैं अ ग्रंसल प्रोपर्टीज ऐंड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुनील नय्यर सुप्रत श्री श्रार० सी० नय्यर सी~82 ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्थन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध ने कोई नी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की कविथ या तरसंखंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासीस से 30 दिन की जविथ, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकरु
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकासन की सारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगत्ति में हितबध्ध किसी कन्य व्यक्ति क्यारा मधोहस्ताकारी के पात लिखित में क्रिए वा सकींगे।

स्वन्दीक्षरणः ----इसमें प्रवृक्ष बच्चों और पदों का, जो जनक अभिनियम, के सम्बन्ध 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विका नवा ही।

वर्षकृति

तादादी 584 वर्ग फ़िट 1 फ्लैंट न० 1303, 38, नेहरू प्लेम, नई विल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीखा: 20-1-1980

इस्त बार्ष्य हो । स्त्र । स्त्र ।

जानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सुवना

मारत बरकार

कार्यासय, सहायक कामकर काम्यक (निर्णाक्त)

ग्रर्जन रेंज⊶।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी । एक्यू०/1/37ईई-16-85/ 1819---श्रत: मुझे, प्रार० पी० राजेश.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, है तथा जो 143 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), आयकर श्रध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रध-नियम, 1961 श्रधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके स्वयभान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंडह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नीयिखित उच्चवेश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित गहीं किया गया है :---

- (फ) अ तरण से अर्घ फिसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अर्थात कर दोने के अन्तरक के दाविस्थ में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/बा
- (य) एँगी किसी जान या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कर्ग, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उन्ना शिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरिप्ती द्वारा प्रयाद नहीं। किया गया था या किया क्षार के लिए;

ां परा. १४त हो तो प्रायम को पास 269-क की बन्नरक मों, पे जका आपानियम की भारा 269-क की उपधारा (1) ले अभीत जिल्ला विश्विक्षत व्यक्तियों, क्यीत — 4—506GI/85 मैं० ग्रंसल प्रोपर्टीक ऐंड इडस्ट्रीज प्रा० |लिमि० 115, ग्रंगल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री जीन श्रली खान सुपुत नवाब जल्फिकार श्रली खान, 32, रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्ट्रिती)

को यह सूचना जारी करके पृषंक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को मर्थन को संबंध को कोई भी बाह्मप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकोंगे।

स्वश्वतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका ववा है।

वन्स्थी

फ्लट नं 1304, श्रम्बादीप, 14, के जी मार्ग, नर्ष दिल्ली, तादादी 500 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीख: 20-1-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निवेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्वि०/1/37-ईई/6-85/ 1820--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 616 है तथा जो नेहरू फेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण इस से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 के ग्रधीत, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से एसे द्वर्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणे लिखित में आस्तिकल अप से कथित नहीं किया गया है:——

- अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सी किसी आय या किसी धन भा बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मीं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- िसेस एह्ली संधू ग्रांर भ्रत्य, 97, श्रानस्द लोक, नई दिल्ली।

(श्रन्तरकः)

2. मिनेद संतोप दीवार व ग्रन्य, ई-74, एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप ए---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुवित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूनी

फ्लैंट नं० 616, वादादी 440 वर्ग फ़ीट । बहुमंजिसी इमारत, देविन टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> ग्रारः० पी० राजेश ाक्षम प्राधिकारी सह्वयक्त ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज⊶1, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

गरीख: 20-1-1986

प्रकम बाह्रें, टी. एम. एस. -----

बावकड व्यक्तियमः, 1961 (196) का 43) का भारा 269-क (1) के अधीत **स्वना**

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निर्देण सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1821——ग्रत: मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रधात 'उकत सिंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थात संपत्ति, जिसका उचित बासार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिनकी मं० भाष नं जी० ए०-6 हैं तथा जो 85, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इनसे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन. नारीख जुन, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाव की वावता, स्वतं अधिनियम के अधीन कार दोने के अभिनक के नावित्य में स्वामी कारन या प्रशास अचाने भी स्वामधा के पिना, शोरांधा
- (का) एरेसी किस्सी आध का किसी भन वा कल कारिएका की, फिन्हें भारतीय आयकार किसीनियम, 1922 (1922 वा 11) या उन्नत अधिनियम, 1927 भा भग-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की भ्रष्टोजनार्थ जलरिली हवारा प्रयत्न तही किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा वी सिए;

अतः अगः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नसिनित व्यक्तिको , कर्षांत :--- श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री जें० कें० गुलानी निवासी जी-2, साकेंत, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रतन सिंह सुपुत्र जय सिंह निवासी, 82/2, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्परितः से वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेत्र हुन्नर

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितसार १६ सूचना की तामीन से 30 दिन की ब्विध, को और व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्थितसार में से किसी स्थित द्वार,
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हिराजपूर्व किसी बन्य ज्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: —-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो उमक्ष सिंपित्यम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

णाप नं० जी० एफ०-6, तल खन्ड, तादाद्री 267 वर्ग फीट, बिल्डिंग नं० 85, नेहरू पर्लेस, नई दिल्ली-19।

> श्रार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-1-1986

मोहरः

प्रकप आहो, टी. एत. एव ,-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नजीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातन, तहानक भावकर नावृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 20 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/6-85/ 1822—श्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा वया हैं), की वारा 269-व के अभीन संसम प्राधिकारी को यह विस्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी संउ स्पेण नंउ 65वीं एखं जी एफ हैं तथा जो बाराखम्बा रोड नई दिल्ली स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रानुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जन

को प्वांक्त संस्पत्ति के जिस्त बाजार मृस्य से कम के क्यंजान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई और मृज वह विश्वात करने का कारण है कि यंजाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्यंमान प्रतिकत ते एवं क्यंबान प्रतिकत क्यं पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण क्यंत में बास्तविक स्थ वे क्यंबिक कहीं क्या प्रमा है :—

- (क) बन्तरण वे दुर्द फिकी बाव की बावत, क्या वर्डवर्डियन के वर्णीय कर दोने के बन्तरण के शांक्रिय की क्यी करने वा वस्त्री वंत्री के बुविया के साय; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाम वा किसी भग वा शन्य सहस्तावी नते, चिन्हें भारतीय जान-कर नहीं प्रतिवस, 1922 (1922 का 11) वा उनते निभिन्तवस, वा भन-कर निभिन्तवस, वा भन-कर निभिन्तवस, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना माहिए चा, कियाने में सुविधा के निए;

सतः अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मैसर्स गोपाल दास ग्रीर हाउसिंग प्रा० लिमि० 28 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री ईश्वर गुष्ता मृपुत्र बनारसी दाम 8626 फिरोज लेन गौणाला मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

कारे यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के भवीन के संबंध को कोई भी कालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वच्याचिरणः — इसमे प्रयुक्त बच्चों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के वध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं वर्ध होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

स्पेश नं० 65-बी, धरानल ग्राऊंड डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> श्रीर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 20-1-1986

प्रकम जाद्दं .टी एन .एस ,------

शायकर विभिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के वभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक जायकर आयुक्त (१४२%)

ग्रर्जन र्ज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनौंक 20 जनवरी, 1986

निर्देश मं० श्राई०ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1823---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धलर 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बण्जार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० स्पेश नं० 66-ए, है तथा जो वाराखस्वा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिया वाकार मून्य से कम के स्रक्षमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की कहाँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत्राक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे वंतर्ज के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नितियात उद्वास्य से उच्च अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथा नहीं किया नवा है हिन्न

- (क) मन्तरम वं हुई किसी आयु की शायत, उपक मुभिनियम में सबीय कर दोने के मन्तरक मो दावित्य में कभी करने वा उच्चे व्यने में सुधिशा में विष्कृत्वरित्या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निविज्ञ , वा धन-कर ऑअ-विज्ञ , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या फिया सावा जाहिये था, किया में सुविधा वे निष्ट;

बतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की बन्सरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- मैसर्म गोनाल दाप इस्टेट ग्रां० हाउसिंग प्रा० लिमि०
 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती तिर्मेल किशार पत्नी श्ररूत किशोर श्रीर श्रन्य एन-69, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके प्रोंक्स सम्बक्ति के वर्षा के किश् कार्यवाहियां शुरू करता हां।

चक्त संपरित को अर्थन को महाम ना अल्डो भी लाखप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, से भोतर पूर्वों कर अविध्यों को से किसी स्वस्ति हुन का
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पक्षां का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुधी

स्पेग नं० 66 ए, धरातल ग्राऊण्ड, डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्या रोड़, नर्ड दिल्ली। तादादी 136.68 वर्ग फीट।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

प्तारीख : 20-1~1986 मोहरः

वक्त वार्त् हो भूगा भूगा व्यवस्थाना

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन स्थना भारत बरकार

कार्यासम, सहायक बायकर बाब्यस (रिवर्डक्रिक)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनाँक 20 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/6-585/ 1824--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

वानकर मंगिनिसमं, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इक्षयें इतके गरणाद् 'उन्तर मंगिनिसमं' कहा भवा हैं), को नाख 269-म के स्थीन सक्षम प्रश्निकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संस्थित, विश्वका उचित्र मंखार मुख्य 100,000/- के. से मंगिक हैं

ग्रीर जिसकी सं स्पेण नं 67-ए०, एल० जी० एफ० है तथा जो बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बह श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण ध्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित **ये उपित वाधार गुरुष वे काम के अध्यक्षाव** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उतके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया महा अतिक से, विकासितियों के नीच स्वार्थ के उच्छ वन्धरण विकास के अस्तिक से स्वार्थ के विकास के स्वार्थ के स्वार्थ के विकास के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ के

- (क) अन्यरण में हुई किसी नाम की मामया, कार्य प्रशिष्टिकान के बनीन कर मोने के सम्बद्ध के प्रतिकार में करी करने वा क्कन्ने क्यमें में. सुविका में किस् प्रति/मा
- (व) एवी किया नान मा निकी घम ना नाम नारितमां मा, विवाद प्रारतीय वाल-कर कर्रीनीनवन, 1922 (1922 का 11) ना अनत निर्माणनय, वा घन-कर विभिन्नियन, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिक्षी हुनारा त्रकट वहीं किया मन वा वा निका नाम माहित्य वा, कियान ने प्रकाश के विवाद

क्तः अच, उक्त अधिनिषय की भारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:---- मेन्सं गोपाल दास इस्टेट ग्रॉप हार्जीनगत्रा० लिसि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

3. श्रीमती निर्मेल कियोर पत्नी श्री श्रक्त कियोर श्रौर श्रन्य एन-69, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह क्षमा चारी करने प्रोंपित सम्मति ने वर्षन में किस् कार्यगाहिनों करता हूं।

क्क समिति के वर्षन के बंबंध में कार्य भी शाबीर :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किमी अन्य व्यंक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अन्स्मी

स्पेश नं० 67-ए, तल खन्ड, डा० गोपाल दाम भवन, 28, बाराखम्बा,रोडनई दिल्ली-110001,तादादी 192.67 वर्गफीट।

> प्रार०पी० राजेण अक्षम प्राधि हारी अहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख** : 20-1-1986

माहर:

प्रस्य बार्ड . टी. एर . एस .

बायकर नाँभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/6-85/1825 आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिमकी सं० 106 है, तथा जो वेश्वर्ड रोड, भई दिल्ली में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), अंग्रेड्य वर्षा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख ज्न, 1985,

की एउँकिन सम्परि। को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरिटींबा
- (ख) एंगी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार पक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिल्लानिकात अजिल्ला अधीर क्लान (1) श्री रिवि प्रशास मुपुत श्री राम भारायन ग्रौर अन्य निवासी-100, वेअर्ड रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीमल जैन सुपुत लाल चन्द जैन ग्रीर अन्य 88, गड़ोडिया मार्किट, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी स्विधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों जी एवरों का, को अक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

वनस्ची

1/3 अविनाज्य शेयर चह 0.059 एकड़ (2576 वर्ग-फीट) ज्ला ह 90, 106, वेअर्ड रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी उड़ाय उटाय घर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-1, नई दिल्ली

वागीख: 27-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भारकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की भरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांक्य, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी० /एक्यू०-1/37ईई/ ६-85/1826 अतः मझे, आ४० पी० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रों र जिसकी सं अवत्या नं ० 1435, है तथा जो गांव-तुगलकाबाद दिल्ली में स्थित है (प्रोंग इससे उपाबड अनुसूची में प्रांग पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजर्स्ट्रार्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्रीकरण अधिकारम, 1908 (1908 रा. 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985,

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उअके इश्यमान प्रतिफल हे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाबत, खबत श्रीविषय के अधीन कर दोने के अंटरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में मुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण तै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीत, निम्नलिक्षित व्यक्तिसीं. अर्थात :---

- (।) श्री ईश्वर पास **चौधरी ग्रोर** अन्य श्री-30, कैलाग कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सुरज भान, गांच-तुगलकाबाद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए बाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इसस्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त न्यावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गी।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया गया है।

नगरता

कृषि भूमि खसरा नं० 1435, पोर्ट, गांव—तुगलकाबाद, दिल्ली 6 बिस्वा ग्रौर ट्यूब वैल, दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-, नई दिल्ली

गारीबा : 20-1-1986

प्रकम बार्च . सी . एन . एस . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1986

निर्देश सं ० आई० ए०सी०/एक्यू०/ 1/37ईई/6-85/1827----अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1 बीघा श्रौर 14 बिस्वा है तथा जो गांव-तुगलकाधाद, विस्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीम, तारीख जून 1985

को पर्वोध्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कीशत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) डे बधीन, निव्यक्ति शिक्तियों, अर्थाद क्र— 5—506GI/85

- (1) श्री ईश्वर दास चाँधरी झाँग अन्य बी-30, कैलाण कालोनी, नई दिह्ही। (अन्तर्क)
 - (9141447)
- (2) श्री सुरज भान, गांव-तुगलकाबाद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को न्यू सूचना वादी करके प्रतिकत् सम्पत्ति के नर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बच्द हम्पूरित के भूजन में सम्बन्ध में कोई भी नालेपू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक्ष विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि । बीघा 14 बिस्वा खसरा नं 1429/1812, पोर्ट, गांव-तुगलकाबाद, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें,ज-1, नई **दि**रली

तारीखा : 22-1-1986

i de la companya de l

प्रास्त्य आ**र**े. ट्रॉ. एवं 🔉 एक 🚉 १००० १०००

सायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वर्धीन सूजना

शारत बरकार

कार्याक्रय, सञ्चानक नायकर नामृक्त (पिट्रीक्रिक)

अर्जं म रेंज-1, मई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1986

निर्देश सं ० आई ०ए ०सी ०/एस्यू ०/ 1-37ईई/ 6-85/1828---अतः मुझें, आर० पी० राजेश;

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके वस्थात् 'स्वतः अभिनियम' बहा नया हों), की भारा 269-स के नथींन सक्षम प्राप्तिकारी को यह निरमास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति, जिसका उनित नावार मुख्य 1,00,000/- रु. से नथिक ही

मौर जिसंकी सं ा बीघा 15 बिस्या है तथा जो गांव-तुगलका बाद विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विल्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून 1985,

को पृत्रोंक्त संपत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभै यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के अध्य तथ पावा वावा गया प्रतिफल, जिन्निसिचित उद्देशिय से उक्त अन्तरण सिचित में नास्तिक कम से कान्तर महीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से इ.इ. किसी जाय की नावत, उत्तर जिम्हिनम के अभीत कर क्षेत्र के अन्तरक की दावित्य में कभी करने या उससे क्ष्यत में सुविधा के किए; जरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य धारिसवी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विश्ववास, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए।

(1) श्री ईश्वर दास चौधरी ग्राँर प्रेम कुमार ग्राँर अन्य, बी-30, कैलाश कालोनी, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरजभान, गांब-तुगलकाबाद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को बह सूचना चारीं करके प्वींक्त सभ्यतिस के वर्धन के निक् कार्यवाहियां करता हो।

रामत रामातित के महान के संबंध में माहि मी नामीप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दिवा नवा है।

नग्तुची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 1 बीघा 15 बिस्वा खसरा नं० 1431/ 1918 पोर्ट गांव-तुगलकाबाद, दिल्ली । तासादी 1 बीघा 15 बिस्वा।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

. बत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्मसिष्क चिक्तमों, अमृति मुल्ल

तारीख: 22-1-1986

प्रारूप आर्थे..टी.एन.एस्..-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1829 - 37: मुझे, धार० पो० राजेण,

भाषकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिथिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2 बीघा और 3 बिस्का है, तथा जो सुगलकाबाद, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ला में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य सं कम के दश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह निश्वास करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में गास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाज की, बावत, धक्त किथीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बारियल में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिस्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा केरीस्ए;

 श्री ईश्वर दास चौधरी कर्ता और प्रेम कुमार बी-30, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2. श्री सूरज भान गांध--तुगलकाबाद, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करचे पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के किए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उन्त बन्धित के बर्चन के बंधेंच में कोई मी बालेर ह---

- (क) इस स्वान को राष्ट्रिय में प्रकाशन की तारीक श्री 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य संपत्ति में हितबक्ष जिले करण करण करण करण के पास निविद्य में किंद्र का सकति।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुमृची

कृषि भूमि, क्षेत्रफल 2 बीघा और 3 बिस्ता खासरा नं० 1435, पोर्ट, गांव---नुगलकाबाद, दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-1, दिल्ली: ाई दिल्ली:-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

नारीख: 22-1-1986

भारत तर्कार

कार्यांत्रम ह सङ्ग्रांक जायकर आयुक्त (निर्दाक्त्र)

ग्रजैन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाय करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2 बीघा और 3 बिण्या है तथा जो तुगलकाबाद, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतृभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), प्रायकर प्रधिवयर्ग के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिवयम, 1961 के शशीन, तार्गख जून 1985

को पूर्वों कत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्शमान प्रतिफल से ,,एसे इक्समान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उब्वेक्य से उक्त अंतरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अभ्यारण संहुई किसी बाब की बाबतः, उत्तर बाधि-शिवस के अधीन कर दोने के अन्तर कर के दावित्य में कसी करने या उत्तर वचने में सुविधा के सिए; आरि/वा
- (वा एसी किसी बाय या किसी भन या कृत्य जास्तियाँ क्ये, जिन्हां भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर व भनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने बें त्विभा के लिया;

श्रहत श्राम, उपत निर्मितयम की भारा 269 ग के जमुखरण भों, भीं, उक्त निर्मितियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क्रोम्पीन, निर्मितिकित व्यक्तियों, नेपाँत स्— श्री ईश्वर दास चौधरी कर्ताओर प्रेम कुमार बी-30, कैलाग कालोनी, नई दिल्ली।

(पन्तरक)

2. श्री सूरज भान गांव-तुगलकाबाद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की क्विधि, को भी
 अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वादा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की शारी के 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी ।

स्पन्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

मनुसूची

ंषि भूमि क्षेत्रफल एरिया 2 बीघा और 3 बिस्वा खसरा नं 1435, पोर्ट, गांव---तुगलकाबाद।

> श्रारः पी वराजेण सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

न।रीख: 22-1-1986

मोहरः

प्रस्प नाइ. टी. एन. एस.------

भारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

HIGH THEFT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनाक 22 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1831--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन उक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बीधा और 3 बिस्वा है तथा जो तुगलका-बाद, दिल्ली में स्थित हैं (और १समे उपाबद अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप ने बणित हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से विश्वक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर्ध अवने मीं सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री ईश्वर दास चौधरी और प्रेम कुमार चौधरी बी-30, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री सूरज भान गांत्र—-तुगलकाबाद, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

भन्ने यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सन्त संग्रीत के अर्कांग के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सृथना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षां स्वर्धी

्रेपि भूगि 2 बीघा 1 बिस्वा खमरा नं० 1429/ 1813, 142)/1814, 1430/1816, पार्ट, गांव—- नुगलका-बाद।

स्रार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 22-1-1986

माहर:

प्रकल नाही दी पुन क्य प्रकल्ला

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निर्देश सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1832---फ्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से बाधिक हैं

और जिसकी सं० 2 बीघा और 3 विस्ता है तथा जो पुगलका-बाद, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अणित है), श्रामकर श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबाद मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकस से, एते इस्यमान प्रतिकस के पन्छह प्रतिकृति से, जिपिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रसिक्त , निम्नुसिक्ति इक्योच्य से स्वत् बन्तरण कि बित्त में वास्तविक रूप से क्रियंब महीं किया गवा है है—

- (क) वन्तरप से हुई किसी आव की बाबर, क्या अधिनियम के बचीन कर देने से बन्तरूक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी वन वा अन्य आस्तिनों को, जिन्हों आरतीय साय-कर अभिन्यित, 1922 (1922 का 11) वा उच्त अभिन्यित, वर अन्य अभिनयत, वर अन्यक्त वर्णितियत, वर अन्यक्त वर्णितियत, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट व्हीं किया नवा भा वा किसा बाना शाहिए था, कियाने वे सुविभा के निस्तु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्री दिश्वर दास चौधरी और श्रन्य बी-30, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सूरज भान गांव-तुगलकाबाद , दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त तज्जीत के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण को प्रकाशन की ठारीज से 45 दिन की नगीं या सत्संत्री व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की नगींथ, यो भी अविथ बाद को समाप्त होती हो, को भीत्र पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुगारा;
- (क) इस सूचना के राजनूत्र में त्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिहतक्ष्य किशी करन अनित हवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने।

स्यव्यक्तिरण:---इवर्जे प्रयुक्त सन्यों नीर पर्दों का, जो उक्त निवित्यम, के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं नर्य होगा जी उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

गृषि भूमि 2 बीघा और 3 बिस्वा खाता नं 1430/ 1813, पार्ट गांव—-सुगलकाबाद, दिल्ली।

> आर०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

त्रीख: 21-1-1986

प्रकार का<u>र्य . हो . एक . वृक्ष</u> ₂-------

नायकार नांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में संधीन सूचना

TIST STATE

कार्यांसर, सहारक नायकर भागूक्त (निर्देश्न)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निदेश सं धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1833--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भागकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिष्ये इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर संपरित जिसका अचित बाचार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2 बीघा और 3 बिस्वा है तथा जो तुगलकाबाद, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, ससके स्थानान प्रतिकत से देने स्थानान प्रतिकत का पन्नह प्रतिकत से अभिक है और जन्तरक (बन्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितिवाँ) से बीच एसे बन्तरन से लिए तय पावा गवा प्रतिकत, निम्नतिचित उच्चवेद से उक्त जन्तरन जिल्हिक में बास्तमिक स्थ से किथा नहीं किया गया है दे—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बावत, सक्त बॉयनियम के बभीन कर देने के बन्तरक में बायरण में कभी करने या उच्छ प्रमण में सुविधा के सिक्त; बाह्र/या
- (w) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1/4) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विया के किए;

वत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :---- श्री ईश्वर दाम चौधरी व श्रन्य, बी-30, कैलाण वालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री भूरजभान, गांव तुगलकाबाद, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करकें पूर्वोक्त स्पर्टित के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं (1)

व्यव बन्दरिय के बर्चन के बन्दर्भ में कोई भी बालेप्:---

- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारींच से
 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष
 किसी बन्च स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 तिचित्त में किये वा सकींगे।

रवक्कीकरण:----इक्सें प्रयूवत कक्कों और वर्षों का, को कक्क विभिन्नियम की बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत वर्ष होता को उस बध्याय में विवा गया हैंडे

प्रनुसूची

ऋषि भूमि 2 बीघा 3 विस्या खसरा न० 1435 पार्ट, गांव सुगलकाबाद, दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, श्र**यवाल साऊस,** 4/14ए श्रासफ अली रोड, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-1-1986

प्रकृत आहे । स्व प्रकृत प्रकृत ।

नःयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत परकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (रिनरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1834--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-च के 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हाँ

आंर जिसकी सं 1 बीघा और 15 बिस्वा है तथा जो तुगलकावाद, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावह सनुभूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), धायकर ध्रधि-कारी, के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर ध्रधि-नियम, 1961 के ध्रधीन, तारीख जुन 1935

को पूर्वोकत संपरित को उचित बाजार मुख्य से कम को क्रयमान श्रीतफर को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य,, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिबद उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी वन या अन्य आस्तियों को, विनष्ट्री भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यमा ना या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए

वरः वरः, उक्त वीवनियमं की भारा 269-व की वन्तरच में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिवित व्यक्तियमें व वर्षात् ॥—— श्री ईश्वर दाम चींधरी और प्रन्य, बीं--30, कैलाण कालानी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरकः)

2. श्रो सूरजभान, गांच तुगलकाबाद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवादियां करुता हूं।

दस्त हरूति से वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी नासेष् अ---

- (क) इत सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की नविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर का जित्तयों में से किती स्थानित हवारी;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ४ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकें रे।

धनसूची

हंषि भूमि 1 बीघा और 15 बिस्सा, खमण नं० 1430/1817 पोर्ट, गांव तुगलकाबाद, दिल्ली।

> श्वारः पीः राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, दिख्लो, नई दिल्ली-110002

तारी**ख:** 21-1-1986

मोहरुः

प्रकृषारं ु हो . एर्. १र .-----

बावर र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार सब, तहाबक बायकर बाय्क (निरुक्तिक)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1936

निदेश सं० प्राई० ए० सी० |एक्य्|1|37-ईई|6-85| 1835--ध्तः मुझे, श्रार० पी० राजेश.

बागकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चान 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिन री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रु से अधिक है

और जिसका संव 1 बीचा और 15 बिस्वा है तथा जो तुगलकाबाद दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), आयकर अधि-कारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम, 1931 के अधीन, दिनांक जून 1985

को प्रवेकित म्मिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्रिफल के 'लए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का का ण है कि यथाप्वोंक्त सम्मिर्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (गंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त ःधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के गियत्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा सिए; और/बा
- (क) श्रेसी किसी जाय या किसी धन या कन्य जास्तियों हो, जिन्ही भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-र जिधिनियम, 1957 (१०५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शिका के लिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---6---506GI/85 1. श्री ईश्वर दास चौधरी और घटन, बी-30, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजभान, गांव तुगलकावाद, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इभ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶।

भ्रनुसूची

६ षि भूमि 1 बीघा 15 विख्या खमरा नं० 1431/ 1819, पोर्ट, गांव तुगलकावाद, दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर घापुकत (निरी**क्षण**) अर्जन रेज--1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीख: 21-1-1986

मोहरः

प्ररूप आइ^ड.टी.एन.एस.-----

भाग्यक्षर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

हाजैन रेंज, नई दिल्ली हड़े लिली, वितंक 21 पाहरी 1936

िदेश संव १४६० ए० १८०/एक्स्व/1/37-ईई/6-85/ 1836--फ्राः मुझे, १४८० पंत्र राष्ट्रेस,

जारपर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से प्रधिक है

की: निम्नित एं० 1 बीवा और 12 विस्ता है तथा जो गीत मुहर्ष होता. जिल्ली में किया है (और इसने उनवड धनुस्ती में और पर्ण रूप ने स्पित है), आयकर ध्रीतारित के हार्याहर ध्रीतिहास, 1931 के दुर्धात, सार्याख जन 1935

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए जन्तीयत की गई है और मुक्ते यह विश्वास फाने का कैंगण है कि एशापडीति सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, जनमें क्यायार पित्रकृत में, एमें दृश्यमान पित्रकृत का पन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आध े बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या कस्य आस्तियों कि जिल्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, श्री के प्रयोजनार्थ अंतिरही दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पहर रिशियात की भारा 260-ग के बनसरभ मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री द्वीयर दास चीवरी और घरा, बी-30, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(সন্বত্য)

2. श्री सूरजभान, गांच तुगलकाबाद, दिल्लो। (श्रन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

वृष्टि भूमि 1 दीघा और 12 बिस्वा खसरा नं • 1431/ 1819 पार्ट, गांच तुगलकाबाद, दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राविकारी सहायक शायकर श्वाप्टक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-1-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंप्रेंप्रा, नई दिल्ली
दिल्ली, दिनांक 21 जल्दरी 1986

निदेश सं० माई० ए० सी । एक्यू० / 1/37-ईई/6-85/ 1837--- अत: मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रील िएकी सं 560 वर्ग फिट **है** एथा जो नेहरू फेस, गई दिस्ली में थ्या **है (ग्री**ल इ.स. उदाबद अप्**सुनी में** भीत पूर्ण रूप से वर्णत **है**), श्रायदार श्रिकित्री के दार्यालय, नई पिरली में भलतीय श्रायदार श्रिकित्रमा, 1961 के श्राधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वाक्त सम्पिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंगरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करेंद/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सूबिधा के लिए;

बत: बब, उक्त बिभिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती संगीता युद्धारण, एक-11, मार्गिट ग्रेटर भैकाय-1, नई प्रत्यी-1।

(अन्दर्भ)

 श्री कंवल मैन भगत श्रीर श्रम्य, ए~1, शेटर घैकाण, एनक्छेय→1, नई धिल्ली।

(श्रन:ि्ता)

को यह सुचना अपने करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन की लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के लंबंध हो कोई भी वाक्षेत्र हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति भें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान होती हो, हो शिहर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अधोत काशरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हौं, बही अर्थ होगा जे, उस अध्याय मे दिया गया है।

अमृस्चीं

पलट नं॰ 1220, 89 स्कीपर टावर, नेहरू प्लेत, मई दिल्ली। 560 वर्ग फुट।

> श्रार० पी० राजेश राक्षण प्राधि ारी सहायक श्रापकर श्रायक्ष (विरीक्षण) श्राजेन रेंज-1, दिल्ली, विदेशी-110002

तारीख : 21-1-1986

थमा आर्थ, ही, **एन. एस. - - - -**-

भागकाः अधितियस, 1961 (1961 का 43) की अस्य १६७-म (1) के श्रधीन स्थता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रू 21 जनवरी 1986

बायकर, भिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है कि. बारा 269-च के ज्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से जिधक है

भीर जिन्नकी सं 350 ार्ग फट है तथा जो नेहरू प्लेड, नई दिस्की में विश्व है (अंग इडने उपाबद अनुसुची में भीर पूर्ण का से पिंगत है), श्रायकर श्रवितियों के तार्याक्य, वहीं दिल्ली में भएतीय श्रीयहर श्रवितियम, 1961 के अधीन, तारीख जूड, 1985

को पूर्वोक्त सम्बंदित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति दित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिक्त उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किसी करने या उससे यक्षने में सविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा उप किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, ---

 मै० प्रगति कस्ट्रक्शन कम्पनी, देविया टावर, 4 खण्ड, शीतका हाउस, 73-74, ने क प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री ए० के० खन्ना श्रीर श्रन्य, 15/5157, पहाड़ गंजा नई दिल्ली।

्श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्ग के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अ तेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की त तीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति है पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नगिंग, होती हो, के भी ति पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन ी तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्यंध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोइस्त अरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्वजीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों क, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क परिभाषित है, गही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्थी

बुक्ड फ्लट नं० 1222ए, बहुमंजिली इमा त देविका टावर, 6 नेहरू प्लेप, नई दिल्ली, तादादी 350 वर्ग फुट।

> ग्रार० पो० राजेग सक्षाः प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 21-1-1986

प्रथम बार्च . टी. एन . एस . ------

भायकर क्षःभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाद्या 269-च (1) के अभीन स्चना

हारतं सर्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37~ईई/6-85/ 1839---श्रद: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अनीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है िक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 560 वर्ग फिट है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उसबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्री ती अधिकारी के स्थालय, नई दिल्ली में भारतीय अध्यद अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जन, 1985

का पृथािकत रम्पित क जाचत नाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोकत सम्पत्ति का जाचत नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उसत अंतरण लिखित यों आस्तिक का सो किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी नाम कर्षे बायत् । अन्त अधिनियम के नधीन कर्षे योगे के सन्तरक को सावित्य में कमी करने या उससे बच्ने में सुधिया है लिए; बीड्र/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर अधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, क्षित्रन स्त सुन्वच्छ वी सिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जतश्र अथ, उक्त अधिनियम की शार, 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) मै० प्रचित्त १५८ मानी, देविया टावर,
 4 फ्लोप शिवता हाञ्य 73-74 नेवृह प्लैस,
 नई दिख्ली।

(अवरह)

2. श्री केवल अपन अप्रवाल और श्रान्य, सी-6, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपोल के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बन्त सम्मात्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कींध भी जाअप .---

- (क) इस सूजना की राजपत्र में प्रकाशन की रिश्व सं 45 दिन की जबिध या सत्सम्बन्धी अत्क्रियां के सूजना की तामीत से 30 दिन की अबिध, जा भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधाहरताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो जक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**न्**ची

बक्ड फ्लैंटस नं० 501-सी, देविका ट।वर, 6 नेहरू फ्लेस, नई दिस्ली, 550 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधि तरी रहायस अस्पत्र आयुक्त (किरीक्षण) श्रजंत रोजें ने, दिल्ली, नई दिल्ली र110002

शारीख : 21-1-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

अग्यवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यात्त्व, सहामक जायकर काय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निदेश सं० द्राई० ए० सी ाएस्यू ा 1 37ईई 6-85 1840-- ग्रतः मुझे, ग्रांर० पी० राजेश, श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर पि.की सं० 426 धर्ग फिट है था जो ट लस्टाय मर्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीप इ.से ६प बढ़ श्रनुसुची में भीरपूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीकार श्रीवितारी के सार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रीयार श्रीधित्सम, 1961 के श्रीवित, तारीख जुन, 1985

का पृत्रक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 । 10.27 की । 1) या उन्तत जीर्धाजयम, या धन- कार्य अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के उपाजनाथ अव्यापनी देवारा प्रकार करने विकास प्रवास या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के निए;

कत अप, उभत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० ह्रीगंगा सीमेंट कि० 19, राजेन्ट्रा पार्क गई विल्ली।

(ग्रन्३एक)

2. श्री शार० के० अरोड़ा 105 प्रसाद नगर, नई दिल्ली।

(अन्तिरती)

का यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचन को तामील स 30 दिन की वर्गीस, जा भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितं कियाना मा स किसी व्यक्ति दुनारा,
- (ल) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिस- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनर अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस मध्याय में दिया गर्वा है।

बन्स्ची

फ्लैंट्: 414, 17, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 426 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश -सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→1, दिल्ली, नई दिल्ली

वारीख: 21-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 21 जनवरी 1986

निदेग मं० श्राई० ० मो०/ क्यू०/1/37 ईई/6--85/ 1841--प्रतः मुझे श्रार० पी० राजेण

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और िसको सं० क्षेत्रफल 482 वर्ग पिट है तथा जो टालएटाम मार्ग, नई जिल्ली में स्थित है (और इसके उपावड़ धानुसूची में और पूर्ण रूप के पर्णित है) आपरात धिन वारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय धायत्वर प्रधि-ियम, 1961 के शबीत, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैं० आह प्रदे: पिनेह्न हिंगि, 19, राजिहा पैनेस, नई दिल्ला-60।

(अनारक)

 श्री परमर्जात बत्तरा, ईंप्पी अनरल स्टार, लक्ष्मी कटरा, श्रीगंगा नगर, राजस्थान।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हो सम्बन्ध में कोई' भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पाछ निश्चित में किए जा सकेंगे।

म्यष्टाकरण:—इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् ची

फ्लैट नं० 412, 17, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 482 चुर्ग फिट।

> धार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक **माय**कर घायुका (िरीक्षण) म्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-1-1936

प्रस्म. बाइ. टी. एन. एस. -----

जाबकार सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-क (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जरावरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-रीरी/6-राऽ 184? -- पतः पुने, पार० गी० रानेग,

कासकार अभिनियम 1061 (1061 को 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-क भी अभीन पक्षण पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है 'के स्थायर सम्पनि, जिसका तीवत बाजार सरख 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० क्षेत्रफल 402 वर्ग फिट हैं तथा जो टालम्टान मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इस) उपावज्ञ प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप ने व्यापत हैं), प्रायगर प्रधिकारी के कार्यालन, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिक्यम, 1961 के प्रधीन, तारील जुन, 1935

की प्सोक्त सम्याणि के उचित बाजार मन्य से कम के द्रवसान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गर्ड ही और मफ्ते यह विद्यास करने कक्ते का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्याणि का उचित बाजार मृज्य, उसके द्रवसान प्रतिकल से, ऐसे द्रवसान प्रतिकल का बंद्रह प्रतिकल से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया अतिक से, विभ्निलिखत उद्वरिस से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अस्तरण से हाड़ किसी बाय की बाबत उक्त स्रिक्त प्रियम से वर्धन कर देने के अस्तरक के दायित्व में क्रमी करने गर उपसे ज्याने में सुविधा के लिए क्षेप/या
- (ह) एँसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय थाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से सिग्धा

अतः स्व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, के भक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० हरी गंगा एलोस ऐंड स्टील जिमि०, 19, राजिन्या पार्क, गई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनोद घरोड़ा, 82, प्रसाद नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सम्माति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भं बाह्रीए :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी अविस्तरां पर स्थान की तामील से 30 दिन की ज्विभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्भीत में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा कथे हस्ताकारी के गास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थलकीकरणः — इसमें प्रयास शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनिजया, से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहैं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया यस हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 412-ए, 17, दालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली-110001, तादादी 482 वर्ग फिट।

> म्नार० पी० राजेश सक्षः प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायका (तिरीक्षण) म्राजेन रेंज-1 विल्ली, नई विल्ली

तारीख: 21-1-1986

प्रकृष् कार्यं द्वी प्रमृत्यस्य प्रमानन्त्रस्य

बावकर अर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीधन)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्य्०/1/37-ईई/6-85/ 1843--श्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० क्षेत्रफल 1463 वर्ग फिट हैं तथा जो नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुम्ची में और एणें रूप रो वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 के श्रधीन, तारीख जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के इक्यमान ब्रितफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार क्ल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निसिचित उच्चेक्य से उक्च अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुरू किसी आग की गायत, उस्त गीविनयभ के अधीन कर दोने के जन्तरण के क्षित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्म जास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय जाय-कर जाँभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया परता था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्यिथा के सिए;

1. श्री शिशपाल सिंह, सुपुत्र सरदार सिंह, 9/4950-बी०, ईस्ट ऑल्ड सीलमपुर, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 श्री एगोलिना थापर और श्रन्य, ए-3, पामपोश एन्क्लेव, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचमा जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के ।लए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्रेप हान्त

- (क) इस नुवान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकोंगे।

रफकिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० एम-4. मिल फ्लौर, नादादी 1463 वर्ग फिट, जिस्तरीय टावर, नेहरू जिस, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज⊶1, दिल्ली, नई तिल्ली≔110002

श्रतः श्रवः, जनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीनः निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 7—506GI/85

मोहर:

तारीखा: 21-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

शासकार ऑर्थिं । शक्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्तिण)

श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांबा 21 जनवरी 1986

निवेण सं० प्राई० ए० सी०/एनप्०/1/37-ईई/5-85/ 1844---श्रतः मुझे, आर० पी० राजेण,

पायण्य र गिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,05,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4!4 वर्ग फिट है तथा जो का,जराजी पर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ बार्भिती में और पूर्ण का ते राणित है), बारकर प्रधि-राजी के राजीलन, नई दिल्ली में भारतील प्रायकर प्रधि-जिस, 1961 के बार्शित, तारील जन, 1985

को दशींक्त नंगांति के नीवत बावार मूल्य ने का के क्रमान शिक्त के कि कि दश्वित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास कच्चे का कारण है कि वश्वपुर्वोक्त तथ्यित का उचित कारार मूक्त ज्यकी दश्यकाम अतिकाल की, होने क्रमान अतिकाल का पंडा शिवक के नीवक के नीवक के किए का पारा गया शिवक के निम्मीनिवत ज्ववश्य से सक्त कन्तरण कि विषय में श्राह्म के क्षेत्र के किया महीं किया नवां है है——

- (क) अस्तरण सं हुर्इ किसी आय की बाधत उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने औं अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में मृजिधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के तुर्वेत्र, निम्मिलिक्स व्यक्तियों. अधित् ५--- मै० माकेत प्रापर्टीन (प्रा०) नि०, दी→345, डिकेंस कालोती, नई दिल्ली→24।

(अन्तर्क)

 श्री के० गी० मचदेवा और अन्ता, एम - 115. पंचर्याल मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

भाग यह स्थान। आरी करके प्रवेक्त सम्मिति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोष भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राष्ट्रिक में प्रकाशन की तारीख ते 4 % दित को भीतर उक्त रणवर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमाँ प्रभ्वत शब्दों दौर एटी लगा, जो उबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं अभें द्वीगा जो उस अध्याप गया ही।

वन्तुची

पलैट नं० 102. क्षेत्रफल 414 वर्ग फिट, प्लाट नं० एच-2. गापिंग मेंटर, कम कम्युनिटो गेन्टर, कालकाजी, नई रिल्ली।

> श्वार० पीं० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजीन रेंज--1, श्रयवाल हाऊस 4/14 ए श्रासफ अली रोड, दिस्तंत सह दिस्ती-110002

तारीख: 21-1-1986

प्रकार बाह्री, दी, एक्. एख. ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूच्या

FIER STATE

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनभरी 1986

নির্বঁগ সত সাহিত एত নিতি/দুশ্ত/1/37-ই ই/6-85/ 1845---স্ব∷, মুজী, খাসত ঘীত সাজীয়,

अानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित वाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ऑर जिसके एं 174 93 वर्ग फीट है, तथा जो वागलिया होड़ नई दिल्ली में लिया है (और इसके ज्यावड अनुस्की में ऑर वर्ण क्य ने वर्णित है), आयक जियकों के कार्यालय, में भारतीय आयक अधिनयम, 1961 के अधीन तारीखजून 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, एसे दृश्यान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत से विभक्त है और अंतरक (अंतरका) और वंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविवत उप्योग से दृष्टि किया गया है है—

- (45) बन्तरुण वे हुई कियो जान की बावत , बन्नद विध-नियम हो अभीन क्र दोने के बन्तहरू हो बावित्य में कमी क्राप्ते या उससे बच्चमें में सुनिधा के लिए; बीट/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भग वा बन्य जास्तिवाँ को जिन्हाँ भारतीय अयकर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विभिनियम, वा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, क्रियाने में विजया के विष्य;

बत:, बव, उक्त अभिनियम की भाष 269-व के बनुसरक कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) दे बचीन, निम्नतिविक स्वक्तियों, वर्षांच् क्र— (1) श्री गोपाल दास एंड हाऊसिंग प्रा० लि०, बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मंजू रानी श्रम्भवाल पत्नी एस० वी० श्रम्भवाल ई-1/11 कृशन नगर, नई दिल्ली 110005। (अन्तरिती)

को नह स्वता वारी कारके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां युक्त करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकालन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी न्याध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित का विश्वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित का विश्वास होती हो कि सी का विश्वास होती हो से किसी का विश्वास होती हो से किसी का विश्वास होती हो से किसी का विश्वास हो से सिक्सी का विश्वास हो सिक्सी का विश्वास हो सिक्सी का विश्वास हो सिक्सी का विश्वास हो सिक्सी का विश्वस हो सिक्सी हो सिक्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्रियत में किए का सकैंगे।

स्पन्धीकारण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौ का, जो उबस् वीधीनयम, के अध्याय 20-क में पर्श्यायत्त हैं, वहीं कर्य होण्य को उस्त अध्याय में दिका क्वा है।

अनुसूची

स्पेस नं० 91-ए तल खण्ड डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली गादादी 174, 93 वर्ग फीट।

> शार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्तर अध्यक्त (जिल्ह्यिक) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 21-1-1986:

शक्य वार्षं .टी .एन .एव

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बंधीन सुचना

शास्त वरकार

क्रार्यक्तम, सहायक जायकर जायकत (निरीक्तक) ग्रार्वेन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1846--यतः, गुले, श्रार० पी० राजेण

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका धिक बाखार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 213 91 वर्ग फीट है, तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में मिथत है (और इसमे उपावह अनुसूची में और पूर्ण चय से विणत है), आपकार अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, के अधीन, तारीख जन, 1935

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब समा गवा प्रतिफन, निम्नलिश्वित उद्वदेय से उक्त अन्तरण विश्वास यो अभिक स्था से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण वे हुइ किसी भाव की बावत, अक्ट जीभीनयम के अभीन कर देने के अन्तरक की वायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; जीर/बा
- (क) एसी किसी आय या फिसी भने पा कस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती च्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा ने सिंह;

- श्री गोपाल दास एस्टेंट एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०,
 28, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली-110001 ।
 (अन्तरक)
 भैयसं रैलकन सिस्टम प्रा० लि० बी-253, ओखला
- 2. मैयर्स रैलकन सिस्टम प्रा० लि० बी-253, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली । (ःन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन से किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास सिश्चित में किये जा सकारी।

स्पव्यक्तिस्णः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

स्पेस नं ० 65-ए, तल खण्ड, ढा० गोपाल दास भवन; 28, बाराखम्बा रोड़, नई दिस्ली-110001, नादादी 213 94 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण प्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतक अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, वें', उक्त अभिनियम की भारा 269-च की दपधारा (1) चै अभीन, रिक्तिवित व्यक्तियों, बर्धाद्य ८——

तारीख: 21-1-1986

प्रकप नार्ड . दी . एन . एस . -----

क्षायकर क्ष्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्केशक) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दि ॥ १८४ जनवरी 1986

निर्देश गं० धार्ड० ए० मी०/एनग्०/1/37-ई है/6-85/ 1948--धनः, महो, शार्फ गी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मून्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी एं है, तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उथाबद्ध श्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से वणित है), आयकर श्रियिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रयीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पेत्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एमें बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दिल्ल

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाम की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधः के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीम, निम्निलिखित ध्यक्तियों, अधीत्:— श्री हरबंस सिह निर्मल पशुपिन्द सिह कीर 13वीं, पुसा रोड़, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मोहना लाल उटण लाल सचदेवा (एच० यू० एफ०) एस-154, ग्रेट॰ कैलाण-1, नई दिल्ला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्स संपरित को जर्जन को लिए काणवाहियां करता हुं।

उन्वस सम्परित के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी वर्षाय बाद में अभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से भिक्तसी व्यक्ति दुनारा;
- (बा) इस सूचना का राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अवत स्थानर सम्प्रतित में हितबब्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा, अभोहस्ताकारी की बात विविधत में किये जा सकी।

स्यच्छीकरण: -- इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अभे होगा को उत्त अध्याय में दिया गर्भ है।

प्रनुसुची

फ्लैट नं० 1313, स्कीपर टावर, 89, नेहरू पलैस, नई दिल्ली 444 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-111002

वारीख : 24-1-1986

प्रकल आहे. टी. एत. एस., -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

भायां लय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्ज १ रेंज-१० नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1986

निर्देश मं० प्राई० ए० मी० /एक्यू०/ 1/37-ईई/6-85/ 1849-~यतः, मुझे, अर्ट० पंरित राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आए वितर्कः सं० हे, यश को के जी मार्ग, वई दिल्ली में स्थित है (और इससे उक्तबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के विभिन्न हैं), आध्यकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिन्दा में आधकर अधिकित्म, 1961 के अर्धान नार्यकर मून, 1935

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एन्से दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एन्से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिबक रूप से कथित कही किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. अंसल प्रोपटीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, अंसल भवत, 16, के जी मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रनरक)

2. मैंसर्स प्राम बहुल, पी० सी० बहुल पोस्ट बाध्स नं० 20120, साउस, कवैत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कार्श्व भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

पसैट नं० 1203, श्रम्बादीप, 14, के० जी० मार्ग, नई दिस्ली 450 वर्ग फीट ।

> श्रारः पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 24-1-1986

माहर :

प्रकृष बाह् हो एन एक - - --

नायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वका

MIST TIME

कार्याचय , ब्रह्मयक वामकर वानुवर (विद्रांतिक)

श्रर्जन रेंज-1, श्रग्रवाल हाऊम 4/14ए श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-1/37 ईई०/6-85/ 1850--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21 है तथा जो बारखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपावह श्रनुपूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णात है), श्रायकर श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रीयकर श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रीयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 के श्रिष्ठीनतारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृख्य से कम के स्थमान पृतिकस के सिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास तने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार क्या जिल्ला का उचित बाबार क्या उच्चेत का अधिक का बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और उन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरक के सिए तब पाया क्या प्रतिकस, निम्मिसित उन्देश्य से उक्त जन्मरण निस्त के बासाविक रूप से क्या नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की धावत, उपत जिप-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म- (1) मैं ० गुजरा इस्टेटल प्रा० क्षि०, 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संजय विज सुपृत्त श्री एन० के० विज, श्री सन्दीप विज सुपृत्त एन० के० विज विज भवन, 10, मलका गंज, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्कन के संबंध में कोई मार्शप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष स्मक्तियाँ में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

स्पेण नं० 21, तल खण्ड, विजया बिल्डिंग नं० 7, बाराखम्भा रोड, नईदिल्ली नादादी 221.07 वर्गफोट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, श्वश्रवाल हाऊस 4/14ए, श्वासफ श्वली रोड, नई दिल्ली

दिनांक: 24-1-1986

प्रकर बाह् , हो , एष , एष : ----

नायकर मुश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ पारा 269-न (1) के मधीन सुपना

HERY GRAND

कार्याक्य, वहायक भावकर बायकर (निर्णक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-1/37 ईई०/6 84/ 1851---अनः मुझे, श्रार० पी० राजेश∎

नायकर लिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परकाश, 'उन्त मिथिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 89 है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रामकर श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर प्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृस्य से कम के सस्यमान प्रतिकत्त की सूछ अन्तरित की नृह है और मुझे यह विश्वास अरने का आरण है कि मणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ्स्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्त से एसे स्थ्यमान प्रतिपत्त का अन्तर्ह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शीम एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया अतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में पास्तीयक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुइ किलों बाय की बावर , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; बीर/वा
- (क) एंसी किसी अप या किसी धन या जन्य जारितयों को जिल्हों भारतीय सायकर जिल्हों भारतीय सायकर जिल्हों भारतीय सायकर जिल्हों भारतीय सायकर जिल्हों किया धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिलाने में स्विष्ण के किए:

कतः शव, उकत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, तबत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीन, निम्कतिबित स्विक्तयों, अधीत् ध--- (1) मैं गुजराल इस्टेंट प्रा० लि०, 17, बाराखम्भा रोड, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)

The state of the state of the

(2) श्रीमती उषा श्रानन्द पत्नी श्रीकृष्ण कुमार श्रानन्द भोर श्रन्य, श्रार०-837, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील ने 30 दिन की मंदिध, जो भी क्वर्ष्ट्य बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- [व] इद वृद्धा के उपवृत्त के प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- वृद्धा किया कम्म क्यक्ति वृद्धारा, नभांहरनाक्षरी के शांक क्यक्ति क्या सक्ते थे।

स्वध्यक्तिरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्यो का, को उक्स लिय-निवस के सभ्याय 20-क में परिसायत है, शही कर्य होगा, को उस अभ्याय में दिया नगः। है।

मनुसूची

स्पेश नं० 89, तल खण्ड, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली । तावादी 200 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक : 24-1-1986

प्रस्य बार्ड, टी, एन, एस ्न----

नायकर गीनिवम : 1961 (1961 का 43) की भारा 260-म (1) ने नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निदेण सं० भाई० ए० सी० /एक्यू०-1 6/85/1852--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को मह विख्यास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्वत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 0 16 है तथा जो बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रासक√ अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के उरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित क उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम । 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन् कर अधिनियम या अन् कर अधिनियम रा अन् प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीतः निम्निलिकत व्यक्तियों. अर्थातः :---- 8—506GI/85

(1) मैं॰ गुजनल इस्टेट प्रा॰ लि॰, 17, बाराखमभा रोख, नई दिल्ली।

(श्रम्तरक)

(2) श्री राज कुमार विज सुपुव श्री सन्त दास विज, विज भवत, 10, मलका गंज, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वे । सम्पस्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त रूपरित के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कर ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकरेंगे

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हा।

धनुसूची

स्पेश नं ० 16, तल खण्ड, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली । तादावी 221.07 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजें–1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राण्कत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-1/37 ईई०/6-85/ 1853--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० 64-ए है तथा जो बाराखम्भा रोड. नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विल्ली में श्रीरत है), ग्राय र अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के त्लाए;

जत: अब उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मैं० गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली। (भ्रान्तरक)
- (2) मिसेप गायत्री रूप चन्द, मिसेस चन्दर भगत्रान दास, 1, कस्तूरवा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्र्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अन्सुची

स्पेश नं० 64-ए, तल खण्ड, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्भा रोड, नई विल्ली। तादादी 219.4 वर्ग फीट।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-1-1986

प्रकप बार्ड, टी एन. एन. प्रमाणक

आयबर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-ध (1) को अधीन स्थन।

भारत बरकार

आर्थालय, सहायक भायकर शायकः (निरक्षिण) भार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 27 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-1/37ईई०/6-85/ 1854--श्रत: , मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ध्रीं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य ;,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिल्ला सं० 2576 वर्ग फीट है तथा जो बेलर्ड रोड, नई दिल्ला में स्थित है (स्रोर इपसे उपाबद्ध मनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर स्रधिनियम, 1961 के स्रधीन तारीख जून, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का पन्द्रह शितिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा से लिए; और/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं का, जिन्हों भागीय आयदन अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राष्ट्र भन-कर अधिनियम, राष्ट्र पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसारकार्ध अवस्ति ते तथा का किया चाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के लिए;

कतः तयः उक्त विधिनियमः, की धारा 269-गं के अनुसरणं भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-चं की उपधारा (1) वै के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :——

- (1) मेजर रभण कुमार गुप्ता सुपुत इतदर राम नारायण 22-ए, करनी नगर, नागनाची रोड, बी शिनेर और श्रन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री मीरा मल जैन मुपुत्र श्री लक्ष्मी चन्द जैन 88, गड़ोडिया मार्किट, दिल्ली ग्रीर ग्रन्य ।

(पन्तरिवी)

को यह तुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन वी लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भवंध मा कोडों भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्येंचित द्यारा ,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकति।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यस हैं।

अनुसूची

1/3 म्रिनभाज्य शेयर चह 0.059 एकड़ (2576 वर्ग फीट) क्लाक 90, प्लाट मं० 5, जाना जाता है 106, बेमर्ड रोड, नई दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

लारीख : 27-1-1986

मोहरः

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किलीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निदेश मं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/1/37 ईई०/6-85/ 1855---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेग,

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उप्तत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं है तथा जो कनाट पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उम्स्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सृष्टिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री नरेन्द्र श्रानन्द एच० यू० एफ० मिसेन निर्मल श्रानन्द रेखा श्रानन्द बेबी श्रानन्द, बेन् श्रानन्द, 101, कम्पीटेंट झाउस, एफ~14, कनाट प्लेम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रांमती श्राणा रानी रिवन्द्र नाथ गुप्ता विनीद गुप्ता, नील गुप्ता, रेखा गुप्ता. विनदु गुप्ता, फ्लैट नं 102, एवीजी भवन, एच 3, फनाट प्लेस नई दिल्ली 951.50 वर्ग फीट। के-4/19, माडल टाउन, दिल्ली- 9 (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यबाहिमां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजंन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख क्ष 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

फ्लॅंट नं० 102, एबीजी भवन, एच-3, कनाट पलेस, नई दिल्लो। 951.50 वर्ग फीट।

> म्राप्त पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई विस्सी

नारीख: 24-1-1985

मोहरः

प्रकप आहे. टी. एत. एस. -----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जागरः कामृक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज—1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 24 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-1/37 ईई०/6-85/ 1856- अतः मुझे, श्रार०पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी सं ० 1303 है तथा जो 14 के जी जार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इतमे उपाबद्ध स्नुभूची में स्रीर पूर्ण रूप में विलित है) स्रायक: स्रधिकारी के जार्यालय नई दिल्ली में भारतीय प्रायक: स्रिशिनियम 1961 के स्रश्रीत नारीख जून 1985

को प्रोंकत संपरित के डीयत नायार नृत्य से कम के अवनान प्रियम के तिए जन्तरित की नहीं हैं और भूके यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पर्तित का स्थित नायार स्था, उसके अवसान प्रतिकास के होते अवस्थान प्रतिकास के प्रमुद्ध प्रतिकास से बिथक है और अवस्थ (बंधरकों) बीर कंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्वेश्य में उनता अन्तरण लिखित में ने बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाचत, उक्क अप्रिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरण के दारिस्त में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा और/भा
- (म) एसी किसी बाय या किसी अन वा जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बामा चाहिए का कियान वे साध्य और विद्या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों. हों. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निकालिसित अक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं० ग्रंतल प्रोप एण्डट्रीए इण्डस्ट्रीज प्रा०िल० 115, ग्रंतल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री काणिम अली खान सुपुन्न श्री जुल्फिकार अलीखान नवाब द्वारा श्री एस० के० बोहरा एण्ड कम्पनी 32, रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग नई दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहिक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अर्थात ना उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बन्धि, जो भी जनकि यह में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्धत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

. स्कब्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर क्षित्रसम्बद्धे अभ्याप 20-क में करिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नगसची

फ्लैट नं० 1303 अम्बादीप, 14, के० जी० मार्ग; नई दिल्ली, 500 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, न**ई विस्ली**

दिनाक : 24 1-1986

प्र**क्ष बाह[®]. टी. एव. एस.----- (1) मै**० ग्रंपल प्रापटींज एं**ड** इण्डस्टीज प्रा० लि०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-। नई दिल्ली

नई विल्ली, विनाँक 24 जनवरी 1986

निवेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/37ईई०/6-85/1857--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो कें जो जा मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर अधिकारी के कार्या तथ नई दिल्ली में आपकर अधिकारी के श्रीन तारीख जून 1985 को पूर्वावत सम्पोत्त के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए च्य पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उच्च स्थ से उकत अन्तर कि निम्नलिखत उच्च से उकत अन्तर कि निम्नलिखत स्थ में को बत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संधुर्द किसी बाब की बाबत उक्त विध-विधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के बादित वें कमी करने या उससे बजने में सुविधा के निए: और/या
- (क) ऐसी किसी अंग या भन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था. छिपाने में मृतिभा वी किए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उबल अधिनियम की धारा 269-म थी उपधारा (1) के बधीन, निस्नसिक्ति व्यक्तिकों, सर्वात ड →

- (1) मैं अप्रंतल प्रापर्टीज एंड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन 16, के० जी० मार्ग नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- (2) सब डी० श्रहमद पत्नी श्री बी० डी० श्रहमद द्वारा एस० के० वोहरा एण्ड कम्पनी 32. रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्यन्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविध, जो भी वयिष बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पृतींकत व्यक्तियों में मैं किसी व्यक्ति ब्यावता;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अधें होगा, वो उस अध्याय में दिवा गया ही।

भगवाची

फ्लैट नं 1302, ग्रम्बादीप 14, के जी मार्ग, नई दिल्ली, 650 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

तारीख : 24-1-1986

मोहर 🔅

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रमः, सहायक बायकर वागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनां र 24 जनवरी 1986

निर्देश सं० आ**ई**० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/(-85/ 1858—-अत: मुझेआर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि अधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौप जिस्की सं० है तथा जो के जी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौप इससे उपादब अन्सूची में ग्रीप पूर्ण रूप ने विणात है) आयक्तर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्विकत संस्पत्ति को उचित बाजार सूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफात को लिए बंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यममान प्रतिफल का पत्तह अशिकत से प्रविक्त है और प्रकारक (व्यक्तरकों) भीर ध्रम्तरिकी (प्रकारितियों) के बीच ऐसे प्रकारक के सिए तब बाबा नवा प्रतिक्त क्या विक्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारक के सिए तब बाबा नवा प्रतिक्त क्या विक्तरितियों। के बीच ऐसे प्रकारक के सिए तब बाबा नवा प्रतिक्त क्या विक्तरितियों। के बीच ऐसे प्रकारक के सिए तब बाबा नवा प्रतिक्त क्या विक्तरित नहीं किया गया है :——

- (क) नंतरण संहुर किती नाय की नावतः, तकत निश्नियम के नशीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; वीष/वा
- (क) एंडी किसी जाय या किसी थन या जस्य वास्तियाँ को; जिन्हें भारतीय धायकर प्रक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधितियम, जा धन-कर जिथितियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती जुनारा प्रकट नहीं किल। गया थर या देशा वाना जातेर वार्ति में विश्व के किए।

सतः अकः तथा अभिभियमं का भारा 269-म की कन्यरण माँ, माँ, उक्त जिम्मिनियमं का भारा 269-म की उपभास (1) के अधीतः निम्मिनियतं व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीतर्म श्रीतल प्रीतर्दाचित्रा० लिमि० 175, श्रोसल भवा, 18, वे० जी० मार्ग नई दिल्ली।

(अन्त्रक्)

 श्रीप्रती समित्र अली खां भुपृक्षी नबाव जुल्फकार अली यां एसउ के० दोहरा एण्ड प्रम्पनी, 32, रीमल विक्डिंग, नई धिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 किन की जनिष्य का क्सेंबंधी व्यक्तियाँ वर मूचना की ताबीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाय मा समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति इवारा:
- (च) इस सूक्ष्मा के राजपा में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को धक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिमाधन हैं, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय औं जिस पद्या हैं।

धनुसूची

फ्लेट तं० 1301, अस्वादीण, 14, के० जी० मार्ग. नई दिल्ली नादावी 350 वर्ग फुट।

> आय०पी० राजेश पक्षम अधिकारी भहायक आयक्तर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जेस रेजि-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-1-198G

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के बभीन मुचना

मारत श्रदकार

कार्याभय, महायम नायकर प्रायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन गेंज-1, भई दिल्ली

भई दिल्ली, दिनांक 24 जभवरी, 1986

নিৰ্বিण सं০ আই০ গৃ০ सी০/দূল্যু০/1/37-**ইई**/6-85/ 1859——अत: **मुझं** জামত মী০ মাজীয়া

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- ज के कथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति नियमा स्वीकत स्वाचार मून्ल

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संव हैं तथा जो देव जी कि मार्ग, रा विष्म में
स्थित हैं (ग्रीप इससे उपाबद्ध अन्सूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित है) आयक्षर अधिकारी के जार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख जन, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य में कम के दश्यमान बितफस के लिए अन्तरित की गर्ध हैं अरि मफे यह विद्यार धरमें का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का अजिह अराप मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल ना प्रदेश निर्माण प्रतिफल ना अविद अराप प्रदेश प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एते बंतरण के लिए तय पान कम प्रविक्त का निम्नितियां कु विद्यार से अक्स अम्तरण निविद्या में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्तियां कां, फिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 192े (1922 का 11) वा जकत विधिनियम, या घण कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकतार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकेट नहीं किया वदा वा या सिवया काना काहिए था, तिलाने में स्विका के सिए;

बतः तथा, उक्त श्रीभिनिमध को शहा 269-व के विग्वरण वो, मी, उन्त अधिनियम को भारा 269-व को उपभारा (1) के विभीन, निम्नुलिचित व्यक्तियों, वर्धात् ह—-

- 1. में अर्थ अंशल अंशर्टीच एण्ड इन्ड्रेस्ट्रीच प्रा० लिमि० 115, अंशल भवत, 16, के० जी० माग, गई दिल्ली (असरक)
- श्री अनूर अग्रवाल डा० आए० के० अग्रवाल ए-11/19, वसंत विहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती

को यह सुषना बारी करके पुत्रोंक्त वंपत्ति के क्विक के किस कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिच, को भी जवित बाद में समाप्त होती हो, भी भी सर पूर्वोवरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीब ब 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा स्थाइस्ताक्षरी के वास सिक्ति में किए का सर्वों थे ।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याव में विका नवा है।

प्रनुसूषी

पलेट नं 102, अस्बादीप, 14, कें जिं जी मार्ग, नई दिल्ली, नादादी 450 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजेश सक्षम अधिकारी सक्षम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 24-1-1986

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस. ------

लायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) में नभीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/6—85/ 1860——अत: सुझे, आर० पी० राजेश.

हायकार निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) (चिस्ते इसके दशको प्रशात 'उस्त निर्धामयम' यहा नया ह"), की पारा 269-व के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्ताद करने का कारण ह" कि स्थानर सम्पत्ति चिसका अचित गामार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

प्रौर जिसकी स्० सं० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुमुची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जन, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृग्य से कम के क्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृग्य, उसके क्यमान प्रतिचन है, एसे क्यमान प्रविचन का पहुर प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितयों) के बीच एसे क्यारण के निक् तब पावा पवा प्रतिचन कम विश्वति उप्रविचत उप्रविचन के विश्वत कम के क्यार व्यवदेश के उन्तर कमारण निविचत में वास्त-विकार कम के क्यार व्यवदेश की कमारण निविचत में वास्त-विचत स्थार व्यवदेश की कमारण निवचत में वास्त-विचत स्थार व्यवदेश की कमारण निवचत में वास्त-विचत स्थार व्यवदेश की कमारण निवचत में वास्त-विचत स्थारण के स्थारण की स्थारण की कमारण निवचत स्थारण की स

- (क) जन्तरण वं हुई किसी बाव की बायत उपत नीच्-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या अससे बक्लो में सविभा के सिए; करि/श
- (क) एकी किसी नाव वा किसी थम वा जन्म जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय नाव-कर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उपत नीधनिवन, वा धव-कर वाँधनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के निकट:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जै अधीन : निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीत :——
9---506GI/85

ग. मैं० श्रंसल प्रोपर्टीज एन्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि०, 115, श्रंसल भवत, 16, बंग्जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 वेप को के मिच प्रा० लिमि०, 1—मी, वन्दना बिल्डिंग, 11, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्नरिसी)

को यह तृष्यना जारी करके पृत्रांक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया चुक करता है।

उनत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कवींच, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास निवास में कियू वा सकेंगे।

स्थळकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, दही वर्ष होगा औं उस मध्याय में दिया यहा है।

नगल्यी

पलट नं० 802, अम्झादीप 14, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली, 450 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारी**ख**: 24-1-1986

प्रकृत बार्ड . थी. एन. एव. अ-----

भागकर नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) में स्थीन क्वा

बारत सरकात

भक्षवास्त्रव, सहावक आयकार आयुक्त (विरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/6—85/ 1861——यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) जिसे इक्कों इसकों वरकात् 'उक्त निर्धानमां कहा गया है, की धारा 269-च को निर्धान सक्षेत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्ध जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/-क से निधक है

म्रांर जिसकी सं० हैं, तथा जो नेहरू पलेंम, नई दिल्ली में स्थित हैं (भौर इससे उपायद म्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए बंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उवके अवसान प्रतिफल के प्रवास करने के विश्व है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीज एसे बन्तरण के निष् तब पावा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आव की वाबस, उपस विधिनवन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में स्विधा के निगः सौर/या
- (क) देवी किसी नाम वा किसी पन या जन्य आस्तिया की, जिल्हों भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 ई1922 का 11) वा उक्त बौधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए पर क्रियाने में सुविधा के जिला

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /1) के अधीन, निम्निलि**सित व्यक्तियों, अधीत् :---** 1. श्री राहल दीवान एन्ड विकास दीवान, डी-32, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कुलवन्त सिह सुपुत अर्जुन सिह, 4, अन्डर हिले लेन, सिविल लाईन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को शह सूचना बारी करतो पूर्वोत्ता सम्परित के नर्जन के निष्ठ कार्यनाहियां करता हुं।

इक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस धूमना में प्रामपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूपना की तामीन से 30 दिन की नवधि, को भी बब्धि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति इवाय न्योइस्ताक्री के पाष विचित्र में किस का वर्केने।

स्वजीकरण:--- इसमें प्रवृत्त कर्मा श्रीह नयों का, यो उन्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होता, यो उस अध्याय में विका नवा हैं।

म्रन् सूची

माप नं० जी-3, तादादी 259 वर्ग फिट, 86, नेहरू पलैंग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 24-1-1986

शक्ष वार्¹्टी<u>. एन . इ</u>स्य अस्तर-सम्बद्धान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

धाउत बरकार

कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० ऋाई० ए० सी०/एक्यू०/37-ईई/6-85,/ 1862--यत: मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रशौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1501 है तथा जो प्रम्बादीन, 14 के० जी० मार्ग नई दिल्ली सें स्थित हैं (ग्राँग इससे उपाग्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रायकर ग्रिधिशारी के कार्यालय नई दिल्ली में भागतीय ग्रायकर ग्रीध-नियम 1961 के ग्रधीन नारीख जन 1985

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्म्य. उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पस, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्ताहम वे हुई किची नाम की नामल, अन्तर विश्वितम् के व्यक्ति कार दोने के न्त्युरक के नामित्य के अपनी करने ना वसके नम्पने में मुण्यात के निष्; मीडि/ना
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- मेंसर्स ग्रंसल प्रोपरटींज एण्ड इन्स्ड्र्ट्रीयल प्रा० लिमि० 115 ग्रंसल भवन 16 के० जी० मार्ग नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती किरन वधवान विनोद वधवान रक्ष्मी वच्चर एस-218 ग्रैटर कॅलाश-1 नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह त्यना थारी करने पृष्टित वस्पतिय ने वर्षन् थे जिल्ला कार्यमाहिया काला हो।

उन्त क्रमित् में न्वीन के तुम्बुम्भ में कोई भी बाखेब्:---

- [क] इस मुन्ता के राजपूत को प्रकारत की शाउँक से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनभि, यो भी जनभि नाम में जनस्य होती हो, के भीतर प्रांतर व्यक्तियों में से किसी स्मानित हनारा;
- (क) इक स्वता के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के शीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म स्थायत हवारा, जभोइस्ताकरी के याच सिचित में किसे वा क्योंने।

रचन्यक्रिया:-- इतमें प्रमुक्त धन्यों और पर्यों का, यो जनत अधित्वित के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होता यो उस अध्याय में पिया एया है।

मन्सूत्री

प्लैट नं० 1501 अम्बादीय 14: के० जी० मार्ग नई दिल्ली लगभग 580 वर्ग फीट।

> श्रार०पी० राजेश |सिक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

प्रथम बाद् <u>देशे. ए</u>व. एव. -----

शाक्षाप् निर्मित्तम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-च (1) के नधीय कुलना

MEG TRAIS

कार्यासय, बहायक बायकर बाव्यत (निर्दाक्क)

धर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1863—-यतः मझे, ग्रार० पी० राजेश

हायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रशास (उन्त निश्चिममा महा गया हैं), की भाग्न 269-च के नभीन तक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति चिसका अचित वाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्राँर जिसकी मं० पलेट नं० 604/56 है तथा जो नेहरू पलैस नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँगर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रायकर ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्राधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख जन 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित्त बाबार ब्रुच्य, ससके स्थ्यमान प्रतिकत से ऐसे स्थ्यमान प्रतिकत का पत्तह प्रतिशत से विभिन्न है और वंतरक (बंत्रकाँ) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ वाबा वया ब्रिटिफ्स निम्निवित स्वृत्वेष्ट्य से स्वत्व क्ष्यरण विविद्ध में नास्त्विक क्ष्य से स्थित वृद्धी किया व्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय का बावत, अक्ट नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य के कमी करने या अससे बचने में सुविद्या के सिद्द्य अंतर/या
- (व) ऐसी किसी नार वा किसी वन वा बन्न नास्तिनी की, चिन्ने नास्तिन नामकर निवित्तन, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ निवित्तनम, सा धन-कुछ निवित्तन, 1957 (1957 का 27) के स्कोचनार्थ अन्तिर्देशी बुवास प्रकट नहीं किया गया भा वा किया बावा नाहित् था, कियाने में सुविधा के स्विधा

नतः जय जनत अभिनियम की भारा 269-ग के जन्छक्य में, में, उनत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीतः विकासियिक व्यक्तियों, क्याँड क्रम्म

- 1. श्री प्रदीप मिलक 5-ए मिटों पार्क कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती परमजीत सिंह कौर 326 झील दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को वह सुभवा वाही करके पृष्टिक वंगरित के वर्षण के विद् कार्यवाहियां कालता हो।

क्यत बजारित ने भवीर ने समान्य में कोई सी बार्बाय ह---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज ते 45 किन की बरीभ या तत्संस्थनमी व्यक्तियों पर स्वना की तालीज से 30 दिन की नवीच, को भी जनिय नात में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यस्ति इसारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की रारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य स्थित ह्वारा क्योहस्ताक्षरी के राज विकास में किए का सकेंने।

स्थलनिकरण:—इसमें प्रमुक्त सन्तों और पर्यों का, जो क्लस अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिशायिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस सभ्याय में दिया ज्या है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 604, 56, नेहरू फ्लैंस नई दिल्ली क्षेत्रफ़ल 773 वर्ग फीट।

> म्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 29-1-1986

प्ररूप शाई, टी, एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/
1864---यत: मुझे, श्रार० पी० राजेश
आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो बेसमेंट नं० 3, 21, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुषी में भार पूर्ण रूप से विणित है), श्राय-कर श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनयम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत स' अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) देशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अत्र, उन्त जीभनियम की भारा 269-ग के जनुसरण कैं, मैं, उन्त अभिनियम की भारा 269 ख की उपधारा (1) के अभीन,, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री परमजीत सिंह डब्स्यू०-71 ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कमला गर्ग 33 एस० एफ० एस० हाउसिंग शेख सराय, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः ---इसमें प्रय्वत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

मिडल वसमटनं० 3, बाराखम्बारोड, नई दिल्ली निर्माना-धीन, लगभग 500 वर्ग फीट।

> स्रार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिली-110002

नारीख: 23-1-1986 मोहर:

मस्य भार्ये और एम् पुरस्त-----

बायकाउ अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के बचीन मुखना

शास्त्र चेरुकाङ

कार्यालय, लहायक मायमर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जतवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/1865—श्रत' मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विकास कारने के कारण हैं कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद अनु-मुची में पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन,

तारीखजून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति कं जीवत बाबार भूक्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, एसे बच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वेष से उच्त बंतरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी बाय की बाबत, उक्त वीधीयवन के अधीन कुछ देने के बन्तरक के वायित्व में कनी करने या उत्तसे बज़ने में सृविधा वी विष्; ब्हैंड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, वा धनकर विधिन्यम, वा धनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया वाना चाहिए था कियाने वो वृष्टिया वे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैसर्स श्रंसल श्रोपटींज एण्ड इडस्ट्रीज प्रा० लिमि० 115, श्रंसण भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2) श्री के० सत्यनारायण और श्रन्य ए-41, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्वरिती)

का वह बुधना धारी कारके पृश्नीका सम्मास की वर्जन के ज़िए कार्यगाहियां करता होत्।

सत्त् बन्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क), इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 1002, श्रम्बादीय, 14, के० जी० मार्ग नई दिल्ली 470 वर्ग फीट।

> श्र/२०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 23-1-1986

प्रकार मार्थ. टी. एव. एत. -----

record - Land - Tarana Maria

नाथनार निभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) वे अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायव आयकर वायुक्त (विर्दाक्ति)

अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1866—-यम: मुझे, आए० पी० राजेश

नायकर निभिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० है, तथा जो के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रांप इससे उपाबढ अनु-सूची में स्रीप पूर्ण रूप से विणित है), आयक्र अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयक्ष्य अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वेशित सक्ष्मीति के विषय बाबार मूक्य से कम के क्ष्ममान प्रतिकान के सिए अंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स सम्बद्धि क उपित बाबार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकान से, एक राग गान प्रतिकान का बन्द्रह प्रतिकात से मिषक हैं और बंता के (बं क्ष्मों) और बंदरिकी (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्थ के किस् क्ष्म पाना क्या बना प्रतिकान निम्नतिकात सक्ष्में क्षिका एका है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन; निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेंसर्स अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती मालिनी चीपड़ा झाँर अन्य द्वारा आप० चौपड़ा 52/60, एम० जी० रोड बम्बई-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षित सम्पत्ति के अर्जन के हरण कार्यवाहियां करहा हूं।

उक्त सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तार्याल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकन।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और कदो का, को उक्त विधिनियम के हैं साथ 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हंगा को उन्न अध्यास में दिया नया है।

वर्त्त्रची

पलैट नं० 801, अम्बादीप 14, के० जी० मार्ग नई दिल्ली। 345 वर्ग फीट।

> आर०पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 23-1-1986

भागकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43 को भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1867——यतः मुझे, आर० पी० राजेश

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो ने हरू पत्नैस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिमियम, 1961 के अधीन, तारीख जून. 1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति के टिजित नाजार मृत्य में कम के दृश्यमान इति जरू के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने कल कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार इंग्डर, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का इंग्डर प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय हाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वास में वास्तिषक अप से कथित नहीं क्या गया है है——

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजिस्स को कनी करने या उससे बचने में सुविधा से सिष्ट; और/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय जायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना भाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के जिए;

जतः शव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं,, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

- 1. मेप्तर्स श्रंगल श्रोनटींज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, श्रंगल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रिव कुमार वाहि एम-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबीध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

नग्स्पी

फ्लैट नं० 1407, 38 नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली 560 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

वक्त वार्ष_त हों. पुत्र_ा पुत्र _{प्रकारमध्या}

नातकर विधितियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत सुमना

शारत चढ्रकाड

कार्यासय, सहायक बावकर बायकत (निर्दाक्क)

अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1868—स्तः मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 715-ए, 98, नेहरू पलैस है तथा जो नेहरू पलैस नई दिस्ली में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की के अधीम, तारीख जून, 1985

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित वाजार भृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृद्य, उसके क्षयमान प्रतिकत से, एचे क्ष्यमान प्रतिकत का पन्ति विश्वास पन्ति के किए जिल्ला के पन्ति के विश्वास के पन्ति के विश्वास के विश्वास पाया क्या प्रतिकत , निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्त्रपम ने हुई कियी बाब की वाबत, शक्त विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के शक्षिरव को कियी करने या उससे गणने में सविधा संक्षित को कार/वा
- (थ) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या कस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त निभिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया पद्मा ना या किया जाना चाहिए था जिना में स्विधा के निए;

भव: वय, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 10—506GI/85 श्री हरिवन्द्र पाल शिह् मनचंदा ई-32, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बंद प्रकाश सुपुत्र राम लाल श्रांग अन्य बी-1/ 193, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्येप हन्न

- (क) इब स्थान के रावयन में प्रकावन की दारीय कें
 45 दिन की जनिथ या तत्वान्त्रभी स्थानितमें पर
 स्थान की दामील वे 30 दिन की अवधिः, को धीः
 ववधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्वारा;
- (क) इस मूचना के अवपन में क्रकावन की सारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकींने।

स्वकातिकरणः-इसमें प्रवृत्तः सन्यों गौर पद्यों का, भी उत्तक गौथीवयम, के संभ्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं संभी होनेन को उन्त संभ्याय में दिया गया हैं।

वर्त्त्वरे

फ्लैट नं० 715-ए, 98, नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली 576 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 23-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

जालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत क्रारका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जारेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी, 1986

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1869---यतः मझे, आर० पी० राजेण

ेक्कार अंगिरिययर, ३०६१ (१५६) कर ४३) विसरे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा }69-ख के नधीन सक्षान प्राधिकारी को वह विश्वास करने क कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित नावार मुस्य 1,00,000/- स. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 715. है तथा जो 98 नेहरू फ्लैस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपावड अनुसुषी में ग्रांर पूर्ण कर से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय मई दिल्ली में भारतीय अध्यक्तर अधिनियम: 1961 के अधीन तारीख ज्म, 1985

पी पूर्वोक्त सम्मरित के उपित दावार मृत्य से कम के अस्यवान प्रतिफल के निए संतरित की मर्द है और सुधी यह विश्वास भारते का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मुख्या, असकी अध्यक्षात प्रशिक्षका मा एकि प्रशासका प्रतिचाल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंधरकाँ) और बंतरिती (बन्हरिहिलाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के किए तम पाना बना श्रीत्यास, निम्नतिहित उद्योक्य वे उक्त वस्तरण विशिवत वे वासराजिक रूप में कविश नहीं किया क्या है उ---

- (क) मंतरण हे हुन्दें किसी नाव की दावता, उपय करिय-निवय में अभीन कर दोने में बंतरक के शायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बर/का
- (क) एंटी किसी नाव या किसी भन वा बल्ब आस्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त विधितियम, या धन-कर कांधनियम्. 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिली बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🖟 संभीत. जिस्तिवित व्य**वित्यों , सर्वात् ए**रू

1. सरदार जोगिनद्र सिंह भनचन्दा एफ०-32, साकेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती पूजा चौपड़ा ग्रीए अन्य 6/20, शांकि निकेतन भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है। 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविध, जो भी मेंबीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स कारिताओं में से कियी व्यक्ति दवाना
- (क) इस श्वाना के ट्रामपण में प्रकाशन की तारीच के 4.5 विन के भीतर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिक्ति में किए वा तकींचे।

विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिया नवा है।

नन्त्रची

फ्लेट नं 715, 98, नेहरू पर्लंस, नई दिस्ली नादादी 600 वर्ग फोट।

> आर० पी० राजेश सअम प्राधिकारी सहायक आयार आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जग रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

प्रकप बाइं. टी. एव. एक.-----

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनां र 23 जनवरी, 1986

निर्देस सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1870---अत:, मुझे, आर.० पी० 'राजेग,

जायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्थार जिल्ली सं० है पथा जो नेहरू प्लैस, गई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इसरो उनाबद्ध अनुसूची में स्थार पूर्ण कर में विणा है), आयार अधिकारी के कार्यावाय गई दिल्ली में भारतीय अधिकर अधिनियम, 1961 के विदेत नारीख जन, 1985

को प्रभीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयभान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितयों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उन्त अन्तरण मिलिक में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अम्बरण से हुई किसी आय की बावत, उबता नियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नत्य नास्तिनों को जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या धनकर निभिन्यम, या धनकर निभिन्यम, या धनकर निभिन्यम, या धनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना नाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

नतः तन, उन्त निधिनियम की भाषा 269-ग के निर्वेदण हैं, मैंं, उक्त निधिनियम की भाषा 269-व की स्पर्भाषा (1) के बधीन,, निम्निवित्त व्यक्तियों, संवद्धि ३ श्रीपती मधनी शाहुजा, सुपुत्री एच० एस० शाहुजा। एम-88, ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

 श्रीमती सुदर्शन दायणपानी तिल्ला राज दायर सी-3/ 11, रामा प्रसाद दास, दिल्ली।

(अन्तर्स्ती)

को यह सुचना घारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

इक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोड् भी आक्षेप हि—-

- (क) इस स्थान की राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध भो भी जबिध भाद में समाप्त होता हो, की भीतर पृथेक्ति व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किती अन्य स्थावत द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा तकोंगे।

स्याधीकरण:---ध्रमों प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग। जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

708, स्काईलार्क, बिल्डिंग, 60, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली; नादादी 752 वर्ग फीट।

आग्०पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

मोहरः

प्रकृत वार्षाः यो , युग् <u>। सुर्व सन्तर</u>=---क

नायकर मीधनियस, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

STREET, STREET

कार्यक्ष, सहायक बावकर बायुक्त (रिवासिक्त)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/1/367-ईई/6-85/ 1871——अत: म्हें, आर० पी० राजेश

मायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त सभिनियस' बहु क्या हैं), की धारा 269-सं के मधीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विकास करने का कारम हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- सं. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में ियत है (श्रीर इस उराबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अधिकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आधिकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त तम्परित के उर्देशत बाकार बुल्य से कम के दरक्षण प्रतिकत की पहें हैं और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से एसे क्रयमान प्रतिकल का चंद्रह प्रतिकात से विभक्त हैं और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाना प्रमा प्रतिकत, निम्मिनिकत सब्देश से उक्त अन्तरण मिनिकत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण ते हुई कियी नाय की बाबत उक्त अधि-भियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे कथने में सुविधा के लिए अपि/वा
- (च) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या जन्य आस्तियों नते, जिल्हें भारतीय नायकर निधित्त्रमा, 1922 (1922 का 11) या उत्तरा निधित्त्रमा, या धनकर निधित्त्रमा, 1957 (1957 का 27) के प्रकोण्यार्थ अन्तरिती प्याय प्रकट नहीं किया यहा या वा निकास वाना वाहिए था, कियाने के नुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुबरण ने, ने, उन्त नीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निक्लिनियम व्यक्तियों, अपनीय कं--- श्री पी० के० जैन एच० यू० एफ० श्रीर अन्य ई-179, कालकाजी, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरमीत सिंह भल्ला और अन्य भूरजीत भवन, राम नगर रोड, काशिपुर, जिला नैनीताल। (अन्तरिती)

को सूद्र क्ष्मार बाखी करूको पृथानिक सञ्जातित को अर्थन को निव कार्यनाहियां सुरू करका हु।

बच्च बन्दरित के बच्चेन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस ब्याग के रायपंत्र में प्रकाशन की दारीय के 45 दिन की व्यक्ति वा तत्सम्बर्गी व्यक्तित्यों द्व सूचवा की सावीय के 30 दिन की अवस्ति, के और व्यक्ति वास में स्वाप्त होती हो, के और प्रवित्त मनित्यों में से विस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (व) इब ब्यूमा के स्वयम मं प्रभावन की छाड़ींब् छं 45 विन के मीचर इक्त स्मावर सम्मित् में हिडबब्ध किवी बन्न स्थापत इवारा अभोइक्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा वकोंगे।

स्यक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पूर्वों का, थी उपक् अधिनियम, के शृभ्यास् 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होशा थी जस अध्यास में किया गया है।

पनुसूची

फ्लैट नं० 1322, 350 वर्ग फीट। 89, नेहरू फ्लैस नई दिल्ली।

> आर०पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 23-1-1986

प्रकृष बार्च ,दी ,यन ,प्रा ,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां जब , सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/६-85/1872—अतः, मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें श्रीक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी 4सी है तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (प्रांर इससे उपाबद अनुमूची में प्रांर पूर्ण रूप में विंगत है), आयऊर अधिकारी के कार्यालय में नई दिल्ली में भारतीय अयकर अधिनियम; 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रमान प्रतिफल से एसे ख्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक है से कीश त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिष्ट, और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिर्या को, जिन्हों भारतीय आय-कर किंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मेलर्स स्कंगार सैल्स प्रा० लि० 22, बाराखम्बा राष्ट्र, पर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

. 2. मास्टर रजन वर्ष वी० जी० आफ बी० के० वर्ष डी-371, डिफॉस कालोनी, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कः यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर रृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यापतः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पवाँ का, वो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 4, ग्राऊंड 4सी, 22 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, 150 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली. नई दिल्ली-110002

तारीख: 24-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली गई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी, 1986

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्पू०/1/37-ईई/G-85/ 1873—-अतः, म्से, आर० पी० गजेश,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० है तथा जो ालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है), आयकर अधिकारी के अधीलय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उषित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— में तसं गल क्सी चिल्डिमं प्रा० लिमि० फ्लैंट्स मं० 3. सुद चिल्डिम, तेल मिल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. ड.० केवन कुष्ण पाह्वा और अन्य, एम-26, ग्रैटर कौताल, भई दिल्ली-110048।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

▲पष्टीकरण:──इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया। गया है।

अनुसूची

फ्लोट सं० जी-3, तन खण्ड, एच-1, कालकाजी, अल्कानंद कम्युनिटी, 356 वर्ग फीट।

> आर०पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीब: 22-1-1986

माहर:

प्रथम बाह्^र. ही. एन. इस -----

काष्यार स्थितियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीत सुधना

माइत चड्नप्रद

कार्यातय, तहायक मायकर मायुक्त (निर्याक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रग्नवाल हाउम, 4/14 ए, श्रसफश्रली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०~1/37-ईई/6-85/ 1874---श्रतः, मुझे, श्रार० पी० राजेण.

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इववें इवके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

क्रौर जिसकी सं० 450 वर्ग फीट है तथा जो के ० जी० मार्ग, नई दिल्लो में स्थित है (क्रौर इससे उपाबद क्रनुसूची में क्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), क्रायकर क्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय क्रायकर क्रिधिनयम, 1961 के क्रिधीन, नारीख जून 1985

को पूर्णेक्त सम्पति के उचित बाबार मूझ्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह व्यवस्थ करने का कारण है कि वधावृत्रोंकत सम्परित का उचित बाजार मूझ्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह वितश्त से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीज एसे अंतरण के बीच तम पाम गमा प्रति-फस, निम्निसित उद्दोश्य से उनत अंतरण निष्कत में बास्य-

- (क) अन्तरण से हुई जिसी लाग की बाबतः, वक्त वीधिनयम से अधीन तर दोते के जन्तरक थें वादित्य हो कभी अदने या उससे अधने में सीवधां के सिए: बॉर/धा
- (क) एंसी किसी जाम या किसी धन वा अध्य आस्तिकों करों, जिन्हों भारतीय नाव-कर निधिनयमं, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का किया में सुनिधा के लिए;

बतः क्या, स्थत विधिनियम की धारा 269-न की बनुसरक थें, भें, स्पत अधिनियम की धारा 269-च की उपधास (1) के अधीर, निस्तिविक व्यक्तियों अधीर "---- में सर्व अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डम्ट्रीस प्रा० लिमि० 115, अंतल भवत, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुभाष बतला एच० यू० एफ० ई-23, पंचणील पार्फ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान आरी करके पृथितः सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त बम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हल्ला

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाभा की तामीन से 30 दिन की समिश, जो भी समिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्यें कर व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्रुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं क्यें होगा, को उस अध्याय में किना वस हैं।

धनुसूची

फ्लेट नं० 1001, 10वां खण्ड 14, के० जी० मार्गं, नई दिल्ली; 450 वर्ग फीट।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, अग्रवाल हाउस, 4/14 ए, आसफ श्रली टोड नई दिल्ली

सारीख: 22-1-1986

भक्क भार्च . सी . एक् . पुस् _{न्यू} ------

भारतकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-छ (1) के यभीन मुखना

माइक सङ्कार

कार्यांसय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, अग्नवाल हाउस,4/14ए श्रांसफ अली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1986

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37-ईई/6-85/ 1875—-श्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेण

सामकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकार 'उसत मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स से अभेन कक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने भा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 580 वर्ग फीट है तथा जो नेहरू पलैस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है), श्रायकर प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर प्रधिनियम 1961 वे श्रधीन, सारीख मई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच ऐसे बंजरण के किए तम पाया गया प्रतिक्रका, निम्मिनिश्चित उपुरक्ति से द्रथ्य मन्तरण कि जित में वास्त्रिक का निम्मिनिश्च उपुरक्ति से द्रथ्य मन्तरण कि जित में वास्त्रिक का निम्मिनिश्च उपुरक्ति से द्रथ्य मन्तरण कि जित में वास्त्रिक का निम्मिनिश्च उपुरक्ति से द्रथ्य मन्तरण कि जित में वास्त्रिक का निम्मिनिश्च परिविद्य से वास्त्रिक का निम्मिनिश्च का निम्मिनिश्य का निम्मिनिश्च का निम्मिनिश

- (क) वस्तरण वे धूर्य विश्वधी बाव की बावचा , उच्च विधिवयर के अभीन कार पोसे के अस्तरक के व्यक्तिया में कभी करने या उसते बचने के सुविधा वै किए। वीट/वा
- (क) एसी किसी शाम या किसी या वा नाम शासिकारी को जिन्हों भारतीय जायकार जिम्हिन्सन, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनयन, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कर 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविशा के जिया।

अष: क्व, उन्नत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बी, बी, धवत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीत, निक्तिखित व्यक्तियों, अभीत ३--- 1 मेसर्म श्रंसल प्रोपर्टीन एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमि 115, श्रसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री शरद गुलाठी सुपुत्र श्री हरअंस लाल गुलाठी 5/6, गोखले मार्ग, लखनऊ (यू०पी०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी अरके पूर्वेक्त सन्पर्ति से अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

क्क सम्मत्ति के क्यांग के संबंध में कोई भी नार्काय हरू

- (क) इस स्पना में राजपण में प्रकाशन की बारीच वें
 45 विन की सर्वीच या तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वा की बानील से 30 विन की बनीच, को की
 बनीच नाव में सनाप्त होतीं हो, नो बीठर कुनीचन
 कानिनायों में से किसी कावित बनारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में अन्याप की सार्थीय से 45 दिन के शीतर उच्च स्थानर संपत्ति में हितनस्थ चित्री अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताकरों के पाय सिचित में सिए या सकते।

रन्त्वीकरणः — इसमे प्रयुक्त सन्वीं और पश्ची का, को क्षका निधिनियमः, के नध्याय 20-क में परिशायिक हीं वहीं नमें होगा को उक्त क्षकान मीं विका नका हैं।

धनुसूची

फ्लेंट नं० 1310, 38, नेहरू फ्लैस, नई दिल्ली; 580 वर्ग फीट।

> स्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रेंज-1, श्रग्रवाल हाऊस 4/14ए,आसफअली रोड्ड नई दिल्ली-110002

सारीख: **22-1-198**6

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्तर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ३ 22 अनवरी 1986

निर्देश सं॰ ग्राई॰ ए॰ सि॰/१वयू॰/1/37-ईई/6-85/1877—श्रतः पृक्षे, श्रार॰ पी॰ राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/ र क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2000 वर्ग फीट है तथा जो ग्रेटर कैराग-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इतने उपायद श्रमुम्बी में श्रीर पूर्ण रूप से दिल्ला है), दाय र श्रिक्ष परीके बार्यातय नई दिल्ली में भारतीय ग्राय र तथि-नियम, 1961 के अधीन तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यक्षान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्व हैं और मृत्र का कि दावार करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का रिचय दावार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे द्ययमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हम से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दािच में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के जिए:

 श्री तादगर वलातीन सिंह वालिया, सी-1, ग्रेटर कैलाश-1 एनक्लेब, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीवती वानिया और अन्य ई-44, ग्रेटर कैलाण I, ए क्लेय, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वान करण करक पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए चन्नाहियां करता हा।

राज्य सक्र देन के वर्णन के सक्ताना की कोई भी आक्षेप ६—

- (फ) इस राचारा के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीख से 25 दिन की अनित मा तत्सम्बन्धी प्रिक्तियाँ पर राज्यना की तार्याल से 30 दिन की अविधि, जो भी उन्हें ... में रमान हांता हो के भीतर पूर्वेक्स व्यक्ति की मा से विभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस समाहा के राजणक के प्रकाशन की तारीख से 4 प किए में की पर उथन त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य माजित द्यारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाखिकरण:--इसमों प्रस्कत बन्दो और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क में परिभावित हो, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हो।

अनुसूची

सी-1, ग्रेटर कैनाय एक्क्लेब-1, नई दिल्ली, प्लाट 400 वर्ग गर।

> ग्रार० पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाव व्यायाचर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेजिना, नई दिल्ली

तारीन: 22-1-1986

भारत सरकार

कार्यालक, पक्षायक आयका आयक्त (निर्दास्क)

श्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ती, दिलां ३ 22 जावरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1878—श्रन: मुझे, शार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियात, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचल अवस्ति असी भारा 269- के अधीन असम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थानर सुरुत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,09,000, रह. सं अधिक ही

श्रीर िसकी मं० 420 वर्ग फीट है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पर्ण च्या ते जिल्हा है) आयर शिधिवारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन, नारीख जुन, 1985

को पृथिषक संपर्धित के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथा पृथिषत सस्पति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जार अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निक्तिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में बास्तविक हम से कथित नहीं पाया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (७) एमी किसी आय यह किसी क्ल या कन्य कास्तियाँ जिल्हा अपन्ति अपन्ति अपन्ति अपन्ति अपन्ति अपन्ति अपन्ति । १००१ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

ारिंग्धा को सिख;

श्रातः गंवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो. भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के सभान नियमी स्विकारी अधित :—

 धंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115, ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्लो।

(भ्रम्तरक)

कीचर कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन के० कि० रोड,
 32/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

का यह भूषना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थें
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी
 वादी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवेंक्स
 ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्याराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्य किसी अन्य स्थावत द्वार, अभोहस्ताक्षरी के पांच निचित में किए वा सकेंगे।

मन्स्ची

फ्लैट नं० यू० बी०~8, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिस्ली, 420 वर्गे फीट।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजीन रोज-1, नई दिल्ली

नारीख: 22-1-1986

मोहर 👍

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-1. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 22 जनवरी 1986

निर्देश सं अाई० ए० सी ०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1879--यत: मुझे, आर०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), को धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

मीर जिन्नि सं० 230 वर्ग फीट है, तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (म्रोर इनन उन्नायद्ध जनुसूचा में मार पूर्ण हन से वर्णित है) आय कर अधि जारी के आय किय नई दिल्ली में आय कर अधि नियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का- कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) ओर अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

जतः जय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, व्यथीत् :---

 स्कीपर सैल्ड प्रा० पि०, स्कंतपर भवस, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

2. एच० एस० लास्वा स्रोर अन्य, ई डी-58, टैगोर गार्डम, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूजाकत सम्पास के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकारान की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्त्री की व्यक्तियों पर क्षेत्र की तामें की 30 दिन की अवधि आ भी अवधि बाद में स्थान होती हो, या भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस प्राचा व राजाव प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भारतर अवत स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य क्यावन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित मो किए भा सकीयो।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रश्वन बच्दी तीर एतं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यही अर्थ होता जो तस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलैट यूबी०-ए, 22, बाराखम्ब रोड, नई दिल्ली 250 वर्ग फीट।

> आय० पी० राजेश सध्म जाधिकारी सहारका जातकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जेन हिंद-1 पद्दी दिल्ली-110002

तारीख: 22-1-1986

प्ररूप बाड'. टी. एस. एस. .----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

धारत बरकार

कार्वासव, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-!, नई | दल्ली

नई दिल्ली, दिनां 22 पपदरी 1986

निर्देश नं अई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/८-85/ 1880—यतः मुझे, आ२० पी० राजेस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का क्लरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पत्नैट नं० 703 वी है तथा की धाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इत्तर एक्स क्या क्रमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) जायकार क्षित्र की क्यांत्र नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1901 के बढ़ीन, सारीख जन. 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप में किथत नहीं किया गया है ..—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (य) एसी किसी अप या किसी भन या उत्त्य का स्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क श्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूविधा है दिसर;

का विषेत्र की भीता 269-ग के अनुसरक में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) स्कापर सैन्स प्रा० लि०, स्वी हर भवा, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जी ० एवं ० टी ० कारपोरेशन, 2/14, श्रंसारी रोड, दिखागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए या सकने।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, से उस अः य में दिया

श्रनुसूची

फ्लेंट नं० 708 बी, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 22-1-1986

प्रक्ष्य बाह्'. टो. एन. एस.....

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिवांक 22 ज वरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37ईई/६-85 1881—अत: मुझे, आए० पी० राजेश,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्कत विधिनियम कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम आविकारी कर, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,060/- राज्य हो

स्रोर जिनकी सं० 1300 वर्गफोंड है ज्या जो ग्रेटर कैलाध-1 नई दिल्लो में स्थित है (और इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), आयकर वाचे अर्थ के अधीन, सरीख जूह, 1985

- (क) जल्लारण संह्रित किया जाय की बावत उक्त स्थित पियन के ज्वान कर वर्ष के बन्दरक के वासिक हैं क्यों करने वा उससे दखन में सुविध, के सिंध, बीर या/
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धन- केर आधिनवन, 1937 (1937 का 27) के अग्रात्त प्रभारती प्रवार श्रुट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए था, खिपान में मुविधा ही बिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निन्धिक काक्तियों, अर्थात क्रिक

- (1) श्रीमित शशुन्तता देशी शैराफ, एस-533, ग्रेटर कैलाश-2, भई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार आनन्द, एस-533, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हा सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों हर स्चना को तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ट) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकोंग।

स्वष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिशा गया है।

बन्स्ची

यूनिट नं ● 1 (रियर पोरशन), ग्राउण्ड फ्लोर, एस-533, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, सादादी 1300 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश, मक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई हिन्सी

तारीख: 22-1-1986

मोहर ३

नक्स वार्ड दी .एन .एन्.युन्ववन्यव्यक्त

भागकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

अभित्य , सहावक भायकर गायकत (निरक्तिन) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 22 जनवरी, 1986

निवेश सं०आई०ए० सी० एक्यू०/1/37ईई/6-85/1883/-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार नृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जित्त ही सं० 9 बीबा ओ: 4 बिग्बा है तथा जो जौत पुर तहसी। अहरीती, नई विल्नो में ब्यित है (और इससे उपावद धनुसूची में प्रार पूर्ण व्या विल्ला हैं), रिजस्ट्रीला अधिकार के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्स करण अधिनियम, 1961 के अधीन, तार खज्न, 1985,

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत । जनत अधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक की शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा जे सिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अथ, सक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में में, उभत अधिनियम की भारा 269-म की उपभाय (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् दे—

(1) निसंज निर्मेश नेहरा, भे 367, न्यू राजिन्द्र मगर नाई दिल्ली।

(3f , s)

(2) श्री संजय जैन घौर अन्य, बी-19, पेटर कैलाफ-2, नई दिल्ली।

(प्रग्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के नर्वन के संबंध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन की सर्विध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिलक्ष किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए जा सकेंगें।

स्वव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उपत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

प्र**नुसूची**

कृषि भूमि 19 बीया 4 बिस्था खरारा नं ० 7/25, 20/5, 20/6 म्रोर 20/15, फार्म काटेल, गांव-जीनापूर, तहसील-मेहरोली, नई विज्ली।

> आर∙ पी० राजेश सक्ष्म प्राधिकारी सद्भायक भायकर धायुषः (िर्दक्षण) पर्जसर्देकन, नई दिस्सी

सारीख: 22-1-1986

प्रकर बाइ 🗸 ठील एनल पुरा ल्लान्यकारकारकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (र्हे के अभीत क्ष्यन

STEE STAN

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्दाक्ति)

नई दिल्ली, दिनौंक 22 जनवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सो० /एक्यू०/1/37ईई/6-85/ 1884-- अतः मुझे, श्रार० पो० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिन्नकी सं० है तथा जो बिजयवासन, विल्ली में स्थित है (धौर इपसे उपाबन प्रानुसूची में घौर पूर्ण-रूप से विल्ती है), आयकर घांधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर घांधनियम, 1961 के घांधन, तारीच जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म हैं और मुफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा नया प्रतिक क्य विश्विक जड़दांच्य से उक्त बन्तरण निविद्य के वास्त्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, निम्नसिवित व्यक्तियाँ, अव्यक्ति ⊯—

- (1) आसमिया आयरी इन्डस्ट्रीज, सि०, 11, ए० बी० सी० पारमा राम द्वाउस, 1, टालब्टाय मार्ग, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री प्रशोक साहनी, 112, सुन्दर नगर, नई दिल्ली। (प्रन्तरिती)

का यह ब्यमा वारी करके पृश्येषय सम्बन्धि के व्यंत् के विश्व कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध मा कोड़ाँ भी भाष्ट्रीय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अगिध या तत्संबंधी ब्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थानन सम्मत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकी।

स्पष्टीफरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 23 के में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

भाराटेंमेंट नं० 601 ब्लाक नं० ए, 6वीं फ्लौर शास्त्रीमया विहार, विभवासन, तह्सील मेहरौली, नई दिल्ली, तादाही 1440 वर्ग फीड ।

> धारः पीः राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 22-1-1986

प्रक्य आर्ड टो एन एस . -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बंधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 22 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/1885--श्रतः, मुझे, भ्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्लीर जितकी सं० 335 वर्ग फीट है, तथा जो नेहरू प्लैस, नई दिल्ली में स्थित है (श्लीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्लीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रायकर ग्रिधकारी के कार्यलय, नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य . उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरकः (अंतरकः) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंशरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित छक्द केय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के दन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्यिपाने में स्विधा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीर, निम्मितिस्टिर अभित्यों अधीर :--

- 1. विरेख कुमार जिंह जैनियपुर हाउस, मैनीपुर, बिहार (स्नन्तरक)
- रियल इन्वेस्टमेंट 76, धोलेश्वर गार्डन, जयपुर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त गंपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की राशीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म के पास कि हिरा में किस के पास कि है में किस के पास कि है से कि है से किस के पास कि है से किस के पास कि है से कि है से

-उसमी एडवत शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित है, तहीं पर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परैट नं० 419, 335वर्ग फीट । स्कीपर टावर, 89, मेहरू प्लैंज, नई दिल्लो ।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

श्रायांत्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली मई दिल्ली, विनौक 23 जनवरी 1986

निर्वेश सं॰ माई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/1/37-ईई/6-85/ 1886---मतः मुझे, मार॰ पी॰ राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धाजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिन्नकी सं० 1600 वर्ग फीट है. तथा जो बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इपसे उपायक्ष श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्गित है), श्रायकर श्रविकारी के कायिलय, नई दिल्ली में श्रायकर श्रविनियम, 1961 के श्रवीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

श्री कैलाशनाय एण्ड एसोसिएट 1006, कंजनजंगा,
 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रवनी कुमार पररीचा, 1, फ्लौरिना एस्टेट, बोट क्लब, पूना-110001 ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

श्रावासीय फ्लैट नं॰ 5-ए, चौथा खण्ड, बहुमंजिली ग्रुप् हाउसिंग स्कीम, नीलिंगिरी ग्रंपार्टमेंट, 9, बाराखम्बा रोड, नर्ह दिल्ली, तादादी 1600 वर्ग फीट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निर्राक्षण) मर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नतः नदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— —506GI/85

तारीख: 23-1-1986

१९४० व्यक्ति , तर्षे , **एवं , ६व** , नामाननमान

भाषकर अधिक्यक, 1951 (1961 का 43) की थारा 269-ध (1) के अभीन स्चना

शारत सपकार

कार्यालय, महायक आयकर श्रायकत (मिरीकाण) ग्राजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विजींक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई /6-85/ 1887-- अप: मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

मायकर लिविकार, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उनके लिका लिकामां काड़ा गया हुँ), की भारा 260-ल की क्षेत्रक अध्यक्ष प्रतिभक्ता की ग्रह विकास कारने का कारण ही जिक स्थावर सम्परित, जिसका सचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रह. से शिधक हैं

आंग जिलकी सं० 2900 वर्ग फीड है, तथा जो फ्लैंट नं० 5, सृजान पार्क, भाउथ नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अन्पूची में श्रीर पूर्ण च्य से विणित है), श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जुन, 1985

को प्रवेदिल समाने को लिया प्राइति प्राय में सप के द्रयमान वितास के लिए अस्तिरित को गई हैं और मुक्त यह विश्वास अस्त का का को हैं को प्राप्त का प्राप्त वालार करते का का का है कि अस्तिरित को सामान प्रतिकास में, एसं देश्यमान प्रतिकास के उन्द्रह प्रतियात से आधक है ब्रीर अंगरक (बंतरकों) और ब्रध-रित (बंगिकिट क्रि) को जीका को बंतरक के लिए नुव प्रभा स्था प्रतिकास कि जिल्ला कि सित व्हार्थ प्रतिकास के लिए नुव प्रभा स्था प्रतिकास कि जिल्ला से काथता बारतिकार कर से काथता नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्द िकसी आय की बाबत, उक्त प्राथिति में निर्धात का की विद्याल औ र प्राथिति में भागी, बार्स का उसके तथने भा स्वाधिक कार्यक और /बार
- (अ) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तिका हो। किस्तु भारतीय अपया अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै हास अन्य अधिनियम, वा पार्थ प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिए जा, कियाने में सविधा के खिलू के

अत: अभ, तक्त अधिनियम की भाग 269-ग के बर्सरण प भी, . अत श्रीधीनयभ की धारा 269-ल की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६--- 1श शौमा वाह्निज्य प्रतिष्ठान लिमि० 24, भार० एन० मुखर्जो रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

2श उषो एलो एड स्टील लिमि॰ 11, सूटरकीन स्ट्रीट, ुकलकसा ।

(मन्तरिती)

को बहु सुचना धारी करके पूर्वोक्त क्रम्पित् के बेर्चन के तिब भार्यगान्त्रियां शक अरहा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओब .----

- भक्ट) इक्ष स्थान के राजपण व प्रकासन की तारीण वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि स्पित्तयों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अविधि, को वी अधिथ बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर प्वींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वता के स्वपत्र में प्रकाशन की तारीचं चें उन्न दिल के भीतर इकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वास अभोहस्ताक्षरों के पांच सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण ह---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुसूची

प्लैट नं० 5, खण्ड 2, लगभग बना क्षेत्र 2000 वर्ग फीट प्रक्षीन ग्रुप हार्जिस स्कीम, प्रवीन ग्रुपार्टमेंट , साउथ, नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

प्रकृष बाह्य हो. एन. एए. -----

हायकर ज[धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन स्वता

प्रारत चहनात

कार्याजन, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देकिन)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

मई दिल्ली, दिलांक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/6-85/ 1888—यत:, मझे, आए० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पर्वात् 'उवत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्व 1,00,000/- रहा से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं े हैं, तथा जो नेहरू प्लैस, नई दिल्ली में

स्थार हैं (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रून से

विंगा हैं), आयजर अधिनारी के आर्यालय, नई दिरली में

आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985
को पूर्वें कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्रयमान
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृबंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से ऐसे दृश्यमान श्रीतफल का

गंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोदकों से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क जन्मरण में, ते, उक्त अधिनियम की धारा 259-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ह— धिम एण्ड एन(इव 5- √185, डब्ल्यू० इ० ए०, ाराव बाग, नई दिल्ली

(37979747)

2. श्री मनोज घष्टे सुपुत ते० पी० घष्टी जन्त्यू ०-१४, ग्रेटर कैलाध-1, नर्ष्ट दिल्ली

(अन्तरिसी)

को यह सूचना चारो करवी प्रावित एउपोछ अ क्यांच के निए कार्यवाहियां शरू करता हुई।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बर्धा व्यक्तिया पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वीक्त क्यिक्तियों मो से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशक यही तारीख से दिन के भीकर उक्त स्थावर स्मान्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार। अभोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त अब्बों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याद 20-कि.मो परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय मो दिया गया ही।

अनुसूची

बेसमेंट नं० 5, ७० एकाई, लार्क, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली भादादी 738 वर्ग फीट ।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आया उर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

प्रकृष जाई. ही. एम. एस. -----

जायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीखण) अर्जन रेंज-1. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-37-ई ई/685 1889——यस:, मुझे, आर० पी० राजेश,

नामकर अभिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. संअधिक है

भीर जिसकी सं बेसमेंट नं 7 है, तथा जो नेहरू पलेंट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृथ्य से कम के स्वयसार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारी बूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्य प्रतिकत से अभिक है और बंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकत निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण जिखित में बास्तिक क्य से कथित महीं किया गया है :—

- (क्श्रं अंतरण ते हुत् हैं किसी नाम की प्रवत, उक्त निभिन्निया की जभीन कर बोने के अंतरक जी वाणित्व में की काइने ना उक्त कार्य में सुनिजा के लिए, और/या
- (क) रोजी किसी नाम या किसी धन या अस्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना प्रतिहर रही किया गया या किया जाना प्रतिहर रही किया से जिल्हें

कत्र अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक्
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (†)
 के अधील विकासित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) सिह एण्ड समाद्वल, 5ए/185, ड॰स्यू० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गगः अरोड़ा, सूपुक्ष जीवजीव अरोड़ा, सी-६0 कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बच्च सम्परिए को अर्थन को सम्बन्ध में कोड़ों भी बाक्सेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिरयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति दुवारा 2
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से अह दिन के भीनर उन्न स्थानर साथान में दिसवस्थ किसी अना व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्लोगा, जो उस अध्याय में विशा विषा हैं।

वगृज्यी

बेंसमेंट नं ० 7, 60स्काई लाक, नेह्रूक जैस वर्ष विस्ती। सादावी 607 वर्गफीट।

> सारश्यी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आधुक्त (मिरीक्षण) वर्णम वें जबा, नहीं विश्वी

तारीख: 23-1-1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 है। 43) की भारत १९५५ है। की अधार मचना

शाहत मध्यार

कार्यालय, सहायक वायकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जनरें ज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांच 23 जावरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/८-85/ 1890—अत: मुझे, आर० पी० राजेश, नायकर जिथिनिया 1961 (1961) का एउट एनियं इसमें इसके प्रचात् 'जकत अधिनियम' कहा एका हैं। की धारा

1,00,000/- क से र्याया है । या जो नेतृक की ता है दिल्ली में स्थित है (श्रीर इत्तरे उपावद्ध धनुसुची में श्रीर पूर्णका से धणित है), एजिस्ट्री ति अधि परी के प्रायक्तिय, एई दिल्ली में पिरस्ट्री-करण, भारतीय है अधि वियम, उधीय, तारीय जूर, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित का ना मूल्य स क म के द्वस्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुके वह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्यायत संभान वर्ध अधिन का गी-का का निक्र कि स्थाप्यायत संभान वर्ध अधिन का निक्र की की एक कारण के निष्ध प्राया प्रतिकत, निक्नीलांबत स्ट्रिक्ट क्या से उक्त अन्तरण सिंबत विक्र की सामित कर विक्रम निक्री किया गया है अ-

- (क) अस्तरम् सं शुइं जिसी कार्ये की वास्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन में अधिया के िलए; जांद्य/या
- (छ) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य अगेस्तरा का जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था, डिपान भी अधिया के लिए;

बतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण जें, में: उक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (!) डे बभीन, निम्निसित व्यक्तियों हु स्थाति है— (1) श्री कुषवन्त सिंह सूपुत्र श्री अर्जन सिंह, 4, उएन्द्र-हिन लेन, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) नितेज राधा भल्ला पतिन सीता राम, जी-148, जासकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) उस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की भवीध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वर्षकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थिकत द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पाइ लिज्वत में किए वा सकींगे।

सम्बद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, वहीं वर्ष होगा को उस व्याय में विवा क्या हैं।

अन्सूची

शाप नं जी-5/59, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । तादादी 325 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी अर्जनरें जबा, नई दिल्ली

तारीख: 23-1-1986

प्रकप बार्च ही . एन , एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्

मारत बदकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रें ज-।, मई दिल्ली मई दिल्ली, विनांक 23 जनवरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०1/37ईई/6-85/ 1891—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० 180 वर्ग फीट, है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में रियत है (श्रोर इससे उपावद अनुभुची में श्रीर पुणेका से विणित है), रिजिल्ट्री इस्ती अधिकारी के कार्याक्य, कई दिल्ली में भारतीय मायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जून, 1985,

क्का पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ज्या अतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया प्या है 4—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-विवय के बधीन कर दोने के बंतरुक के धावित्व के कमी करने या उक्की क्यने में दुविधा के बिहु; बीक्क/का
- (च) एसी किसी जाम या किसी भग या जन्य जास्तियों का, चिन्ह जारतीय जायकार सिभिनिव्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या भग-कर सिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकेशनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था का किया वाचा चाहिए था, कियान में सुनिका के लिक्ट

बत: बब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाव द—

- (1) प्रगति कन्स्ट्रमजस्य क्यांनी देवि ाटावर 4 खण्ड. गीतला हाउ., 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री अजीत सिंह जुनेजा श्रीर अन्य, सी-35 सेक्टर ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी भी
 पास निश्चित में किए जा सफोंगे।

स्पटिकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, को उस् अध्याय वें विक सवा हैं।

मन्स्ची

बुक्ड फ्लैट्स 1216ए, बहुमंजिली इमारत, देविका टावर. 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। सादादी 180 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रें ज-1, नई दिस्सी

तारी**ख**: 23+1+1986

मोहर 🦿

एकम् वार्ष् औः **एन**् एक्-नन्रव्यवस्थान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचनः

BIRM BRANK

कार्यालय, सहायक जायकर जाय<mark>कत (निर्राक्षण)</mark>

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

ार्थ दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निर्वेस सं० 'गई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/6-85/ 1892---भागः, मुझे, शार० पी० राजेस,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- (क) बनारण संहुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विश्वियम के अशीन कार दोने की अन्तरक की दासित्य से अपनी कारने मा उक्त धकने में सुविधा के क्षिक, अर्थि, पर
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तिकों की, जिल्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 10 7 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

कतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण के, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अध्येत, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थातः :---

1र्था वृ । इन्टरप्राइसिस प्रा० विकिटेड. ई-4/15, झन्डेबालान, एक्सटेशन, नई दिल्ली ।

(धन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र सरूप अग्रघाल 18, टोडरमल, रोड़, अई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पृश्तीनत सम्पन्ति के वर्णन के किस् कार्यगाहियां करता हूं।

वच्छ बस्परिए के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी शासीए ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकारन की तारी ता ते कि 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वा कर क्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति इंदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तन स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रचक्क के करण:--इसमें प्रयुक्त सकते और बयों का, वा अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

18, दोडर मल रोड़, बंगाली मा।कट, न**ई दिल्ली, 434** वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) प्रर्जन रेंब-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा :-23-1-1988

क्रम्बकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत संग्कार

कार्वीस्थ, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रें ज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1936

िर्देग सं आई० ए० मी ०/एम्यू०/ १/३१ईई/उ-८८/ 1893---अतः मुझे, धार० पी० राजेशः,

अस्मकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिलं हममें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). जी भारा १०० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट ने 212 B हेनकुण्ड टावर है एका हो 90 कि कि किसकी सं दिल्ला में पिएए हैं (और इस्ते एका छ 'एएची में और पूर्ण-रूप से प्रतिस है), क्रायार 'बिसर्स के एकीएए, नहीं दिल्ली में पार्था क्रायात्र असी पान, 1961 सर्वत में बारीस के सारीख जून, 1985

को ववांधत सम्पत्ति के लोगा वालाय साथ र लाग का राजाल हितिकल के लिए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय एका एका प्रवा प्रतिकत, निम्निलिकत उद्देश्य से उन्तर अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से कांधत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुइं किती बाग वर्ग वावतः उत्त विधिनिधम के अभीत सन् दोत् के अनुनक्त का द्यार के में कमी करन या उसमें स्थन में मृतिका का विकास वार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिकियम (१९०७ (1922 का ।)) या उक्त अधिकियम या पाल्य अधिकियम, १५५७ (1957 का 27) को का मार्थ बैन्तिरती द्वांस प्रकट नहां किया वया का या किया बाना आहिए था छिपाने में मिन्दिश के सिस्

सतः स्व अक्त विधिनियम की धारा 269-न के अनकरक बै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा ः से बधीन, निकासिसस व्यक्तियों, अर्थात अ— (1) पातक हैं। और पुष्ट से किए, 29, **पुष्टान्यली-**प्राप्ति केंग्रिक सामग्रीकार, की दिल्ली ।

(अन्तरक)

(१) इन्यु ते ११, ईन-४/ , सम्मद संदा, एन्क्लेच, सई दिर्त्स। । (श्रन्तरिती)

को मह स्वता माणी शरके प्याँकन सम्माणिन के अर्जन के लिए कार्यवर्गना ताहाँ।

उक्त स परिता के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप :--

- कि इस काना ले राजधार में प्रकाशन की तारीस है निर्माण को निर्माण के राजधान की स्थानितरों पर स्वान को नायीज से ६८ दिन की क्योंध, जा भी इस्ति नार को स्थापन शांती हों, के भीतर प्रवेक्त का सो कार फिल्टी स्थीनत ह्वारा;
- (का) प्रमायभाषा के राज्या की प्रकाशन की तारीक के दार के किया के किया के किया के किया के प्रकार भगति के पास किया कर के प्रमाय के प्रमाय

स्वध्दीकरणः—इसमी एम्कर कार्डो और पर्दो का, जो उक्त विभिन्निम के अध्यार 20-क में परिभाषित हाँ. यहां अर्थ होंगा जा उक्त सध्याय में दिशा गया हाँ।

अनुमुची

> ार**० पी० राजेश** सक्षम प्राधिकारी सहाय एकासकार शत्युक्त (निर्राक्षण) धर्यंत रेंग्ना, न**ई दिल्ली**

वार्रक: 34-1-1936

मोहरः

प्रकष् कार्युः, टी., एकः, एकः, ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यांसय, सहायक वायकर आकृतत (निवीक्षण)

भ्रर्जनरें ज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवर्दे 1986

निर्वेण सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/37ईई/6-85/ 1894---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवस्तात उन्नेत मधिनियम कहा गया है), की भार 269-क के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाबार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 21/2 हैं, तथा जो जोर बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसहेसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प से विणित आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जूत 85,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके स्थ्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकत संप्रमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नीचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिनित में कार्तिक भाग में कीभत नहीं किया गया है कि

- (क) कन्तरण वे हुई किवीं वान की कांचतः, उत्तर व्यविद्युष के वंशीन कर दोने के बन्तर्रक के शिवाल में कवी करने ना उनके बचने में मुक्तिशा के लिए; श्रीय/या
- (क्) श्रेती किसी आव वा किसी थय वा अन्य आदिसकों को जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकाम अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया ना का किया जाना पाहिए था, क्रियाने में सविधा की किया।

भक्तः यम उस्त मिनियम की धारा 269-म की अनुसरम में. में: उस्त मिनियम की धारा 269-म की उपभावा (1) में क्यीन कार्यनियमों, सर्भत् १---13—506GI/85 (1) तेल् शाम जैन सुपुत धर्नाशाम जैन, 34, हकं वित-नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० के० जैन श्रीभमी संजू जैन पत्नी एम० के० जैन और श्रन्थ, निघासी--2943, कट्टा कुसल राथ, किनारी बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्ष्मी वह बुचना चारी करके पुनौक्त सम्पत्ति के वर्चन के जिल्ह कार्यनाहिकों करता हो।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप ह-

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थितयों में से किसी स्थित बुवाय;
- (व) इस स्वान के य्वपन में प्रकारन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वभोड्स्ताक्षरों के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकपुण :----इसमें प्रयुक्त सन्यों बीड पूर्वों का, यो जनत व्याधीनवस के वध्याय 20-क में पर्युक्षायित हैं, वहीं वर्ष होगा यो उस नध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

21/2, ग्रावामीय स्थान प्लाट नं० 375, वर्ग गज. 1 नं० 66, ब्लाफ नं० 172, जीरबाग, नई दिल्ली ।

> धार० पी० राजेस सक्षम प्राधिकारी महायक द्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंजना, नई दिल्ली

तारीख: 23-1-1986

मोहरः

प्रक्ष भादी.डी.एस.एस.,-----

पायकर ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थां जब , बहायक जायकर जायकत (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज-।, नई दिल्ली

नद्री दिल्ली, विनांक 23 जनवरी, 1986

निवेंग सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/6-85/ 1895—भास: मुझे, भार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- का से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव D-320 है तथा जो डिफैंस कालोनी
नईदिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूषी में और पूर्णक्ष
से बांगत है), भ्रायकर भ्रंधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भ्रायकर धिनियम, 1916) के श्रधीन, तारीख जून, 1985
को पूर्वेक्सि सम्पित्त के उषित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्सि सम्पत्ति का उषित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरितयों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--[

- (क) अन्तरण से हुक्क किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-मं कं बन्सरण को, की उक्त विभिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) के बंधीन, निम्मिलीयत व्यक्तियमी, वर्षात् क्रम्म

- (1) श्रीमती कौशस्या डोगरा पत्नी स्व ० ओ० पी० डोगरा, द्वारा देश राज डोगरा, पुंज तीर्थ, जम्मू संवर्द। (ग्रन्तरक)
- (2) डा० ग्रजांक नाथ भागेषा सुपुत्र एच० एन० भागेष, और ग्रन्य, मी-49, डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह त्याना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

डी-320, डिफेंस मालोनी, नई विल्ली । तादादी 325 वर्गगत।

श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-।, नई दिल्ली

तारीख: 23-1-1986

मोहर 🛭

प्रकृत नाइ. टी. एन. एस. ------

वासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . बारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/1896--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्ष्णें सिके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका विषय वाजात सूखें 1.00.000/- रु. से अधिक हैं से उपावद अनुसुधी में ग्रीर जिसकी मं० 450 वर्ग फिट है, तथा जो नेद्वच प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसुधी में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रायकर श्रधिवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, सारीख जुन, 1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते अचने में सुविधा के तिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः जब, जसक अधिनियम की भारा 269-भ के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस क्योक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री राकेश जैंन, एस० 341, बेटर फैलाश-1; नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्री बिनोद कुमार दसरथ श्रौर श्रन्य, डी-121; डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(प्रसरिती)

को यह त्यना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्द स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए णा सकोंगे।

स्पळकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभावित है वहीं वर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिवा गया है।

अपुत्रची

पलैट नं र 102, प्रथम खन्छ कुणल हाउस, 39, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 450 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुवत (निरोक्षण) ग्रर्जेन रेंजें-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 23-1~1986

भारत संरकार

कार्यासय, सहायक जायकर मानुक्त (निरोक्तक)

प्रजंन रेंज-1, नई दिस्ली नई दिस्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/1/37-ईई/6-85/1897--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् . 'उक्त मिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह 'वश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचितः वाजार भूस्य 1.00,000/-रा. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० है, तथा जो के उ जा मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रन्**स्ची** में श्रीर पूर्ण और इसमे उपावन से वर्णित है), - श्रायहर प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीय तारीख जन, 85 का पृथिक्त सम्पत्ति को उचित काजार मृत्य सं कम को बस्यमान प्र^क्षकद के लिए अन्तरित की ग**र्द है और मु**भ्ने यह दिश्वात रुक्ते कः कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिदात से अधिक है भीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अतिरिधियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पथा गया प्रतिफस, िनम्निरिक्षत अद्यक्ष्य से अक्त अंतरण मिक्कित में बास्तुविक कप से कथित नहीं किया गया 💅 ;---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दर्शियल को कभी करने या उससे बबने में सुविधा
- (म) एसी किसी भाग या किसी भन वा जन्य भारितयों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अभि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गिर्धानयम, या भजकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विष्याने में स्विभा श्रे किए:

शंतः अने, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण या मी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (५० क अधीन, मिल्लीनिश्रत व्यक्तियों, अभीत् हि— मिस्त तन् गुप्ता यू/जी जे० सी० गुप्ता, 96, माडल बस्ती, नई विल्ली।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती रीतू मीन पत्नी श्रवनी मदन शन्य, एस एफ एफ०-17, तल खण्ड, कालकाजी, रिग रोड़, नई दिल्ली।

को यह सूचना चारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्चन को सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हित-क्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिला में किए वा सकींगी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सच्चों बीर पदों का, को सकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्दरी

फ्लैट नं २ 201, 14, कस्तूरका गांधी मार्ग, भई दिल्ली सादादी 400 दर्ग फिट।

> स्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

सारीख: 23-1-1986

मुक्त नार्षे हों । हुन् । हुन् अल्लाक

वायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

बार्क चरपके

कार्याल्य, सङ्ग्रिक मायकार नास्त्रक्ष (विरोक्त)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्वि०, 1/37-ईई/6-85/ 1898--- ग्रत, मुझे, ग्रार० णी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे दसमें इसमें एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1.00000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी मं० है, तथा जो ग्रेटर कैलाम-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद प्रमुस्नी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वाकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की वावत, उपत विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे वा उपछे बचने में सुनिया के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिषाने में सृष्धा के सिए;

कतः अव, सकत विधिनियम की भारा 269-न भी अनुसरम भं, भं, उकत अधिवियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री ग्ती मरोन चड्डा पत्नी जय राम चड्डा, केशर सर्विम स्टेशन, जी० टी० रोड़, जालंधर।

(ग्रन्तरक)

2 श्री राकेण जैन सुपुत्र टेक चन्द्र जैन, 40, हनुमान राह, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह ब्रूचभा धारी करके पृत्रांक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

बन्त सम्भीता से बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की शारीय से 45 हिन की अविधि ना सर्वाज्यनी स्वतितकों दर त्यमा की तानील से 30 दिन की नगीन, को भी करीय बाद में समाप्त होती हो, के भंतर प्रमेंका क्रिक्सों में वे किसी स्वतित स्वाराह
- (क) प्र स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवबृध् किसी बम्म अमित इवारा वधोइस्ताक ही जी वास शिक्त में किए का सकेंगे।

स्पथ्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्यार में दिया गया है।

पन्यूची

भ्रावासीय व्लाट नं० एस-515, जी० के०-2, नई दिल्ली, तासादी 550 वर्ग गजर

> श्रार० पो० राजेश मध्य प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-1-1986

मोष्टर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आमुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे ज्याबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्थ से वर्णित है), श्रायकर ग्रिधकारी के वार्यालय; नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के ग्रिधीन, सारीख जुन, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री बुज मोहन, सम्बदेश 130, गोल्फ लिंक नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नीरभ खोसला, 4727, क्लाथ मार्किट, नई फिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्सूची

पलैट नं० 1323, स्कीपर टावर, 89, नेह्रू प्लेस, नई दिल्ली, सादादी 385 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 23-1-1986

मोहर 🛭

प्रकार बाह्य , हाँ , एवं , एवं , 🗷 - 🕒

मान्तर म्पिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 प(1) के स्पीन सूचना

MISS SECTION

कार्वाचन, तहायक नायकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जम रेंज-1, त**ई दिल्ली** न**ई** दिल्ली, दिमोक 23 जनवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी ०/ए स्यू०/1/?7—ईई/6—85/1900——अस: मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इतमें इसके बश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारत 269 व को अधीन तक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उणित वाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० हैं , तथा जो नेहरू प्लेस' नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), आयकर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख ज्ञ, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्वयंगत प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्छ है जोर मृश गृह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उक्षके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निविद्य में वास्तविक रूप क्य से क्यिन वहीं किया एसा है कि

- (को अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत उक्त अभिनियम् के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिल्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चान्निए था जिल्लानं में स्थिया के सिए;

बतः बव, उस्त जिथिनियम की भारा 269-व की अन्वर्य जे, में, उस्त जिथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के उप्रोत, निम्नतिश्वित व्यक्तियों,, अर्थात् क्ष-- मै० अणोक आफ्सीजन प्रा० लिमि०, 505, स्माई लाइन, मकान नं० 85, नेहरू लिस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. गुन्दा एस्टेट्स, 12/1—बी०, लीन्डसे स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए था सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

प्रमुखी

फ्लैट नं० 505; स्काईलाईन हाउस; 85, नेहरू प्लेस; नई दिल्ली, कादादी 641 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीव: 23-1-1986

प्रकप बाइ .टी. एन . एक . ------

कारकार विधिनित्रज, 1961 (1961 का 43) नी भारा 289-न (1) के अभीम सुमाना

नारत चरकार

कार्याजय, बङ्गायक भावकर भावक्त (गिरीक्रण)

अर्थन रेंज-1, म**र्ष** विल्ली नर्ष्ट दिल्ली, दिनांक 23 जनवर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एतयू०/1/37~\$\$/6-85/ 1901—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्वे क्लार्य हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित याचार अक्ष्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी गं है, तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में बणित हैं), आयक्तर अधिकारी के कार्याला, नई दिल्ली में भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन, जरीख जून 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मूख्य से कम के जावनान वितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्य, असके दृश्यमाम प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्दृश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त माना प्रतिफल माना कि सिक्त से सामा स्था है :---

- (क) अन्तरक से हुई फिली आब की, बाबत, उन्तर अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उसते क्यने में सुविधा के शिष्ट; और/का
- (क) इसी किसी साम या किसी भन या वन्त नास्तिनों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनिनम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, ना भग- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्दिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना नाहिए ना, जिपाने में तुनिधा के लिए;

बर्सः वंब, उपरा निवित्तियम की भारा 269-ग के नमुत्तरण की, भी, उपरा विभित्तियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की सभीता, तिम्निविद्यत न्यक्तियों, वर्षाम् स— 1. मैं० कैব।জ সেখ দৃশ্ड एसोसियेट्स, 1006, कच जंगा 18, बाराखम्बा रोड़, नई दिस्ली। (अन्तरक)

2. श्री डी० आर० गर्भा, एच० यू० एफ०, डब्ल्यू० 129, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां सुक करता हो।

क्यत सम्मति के अर्थन के सम्मन्थ में कोई की कार्यप :~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सनीच नाय में समाज होती हो, के भीतर प्योंक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुने,
- (व) इसस्यान के राज्यका में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिछबस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पाच किसित में किए का सक्तीन।

रनव्यक्तिरण:--इतर्ने प्रवृषत स्वां अरि वर्षे का, यो अवस् विधिनियस, से वध्याय 20-क में परिभावित इ, मही अर्थ होना यो उस सम्बाद में दिस्स नवा है.

अनुसूची

पलैट नं० 9, दुनरा खन्ड, 500 वर्ग किए। उहुमं जिली कामिक्षियल बिल्डिंग, अर्थनां अल, 19 बारालम्बा रोड़, नई दिल्ली।

स्नार० पी० राजेश गजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज—1, विल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीच: 23-1-1986

इस्य बाइ .टी.एन.एव. .----

भागकार आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीत नृजना

शारवं सरकार

कार्यावय, सहायज नायकर बावुक्य (निरीक्क)

अर्जन रेंज-1. नई विस्ली

नई दिल्लो, दिनांक 23 जनवरी 1986

निकेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 1903---अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

नायकर जिथिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्ग्रांर जिनकी संब मी<u>- १</u>६, ₿, तथ। श्रीवला इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनसची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), आयहर अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, क्षारीख जन, 1985 को पूर्वोच्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूच्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के सिए वस्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि गमापनींक्त सम्पत्ति का समित बासार **ब्र**म्प_ः उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का नंबह अतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे कन्तरच के सिए तब शया गया प्रति-कन निकासिकित उद्योग से उस्त नंतरण निस्ति में बास्तिथिक 🤛 से फीथत नहीं किया गया 🚅 :----

- (क) सम्बद्ध वं हुई चिक्री बाव की बाबध कक्ष स्थितिकत के स्वीत् कर दोने के सम्बद्ध के दावित्य में कती करने वा उसके बचने में मृतिथा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य कास्तिबों की, जिन्हों भारतीय आय-कार श्रीक्षिता, 1922 (1922 का 11) वा उक्त किशिनवम, श्रा भनकर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने जे स्विभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण वों, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (१) वै वधीन मिल्लीर रैकत व्यक्तियों, वर्धात :— 14—506GI/85 श्री नगा श्रम पहारी श्रीर अभिव बहारी, जी-39, ईस्ट आफ कैलाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री देविन्दर कुमार चौपज़, 60/20, प्रहल।द रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के कर्णन के संबंध में कोई भी कार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स करिनयों में से किसी स्पवित बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की सारीय तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्यव्हिशकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिसा नगा है.

बन्स्ची

सी-4.6, श्रीलला इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई विश्ली।

आर० पी० राजेश नक्षम प्राधिकारी महायर आयक्त आयुक: (विरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई विल्ली-1:0002

भारीख: 23-1-1986

प्रकार आहे. टी. एवं. एवं. जनवनका अन्य

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन मूचमा

नारत प्रस्कार

कार्यासम्। बद्धायम मानवर मानुकत (विरोक्तम)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37—ईई/6-85/1904---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इक्कों इसके प्रभात् 'उन्त अधिनियम' कहा नवा ही, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, विस्का उपित बाखार मुस्ब 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 22, है, तथा जो बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाश्रद अन्स्ची में भ्रीर पूर्ण ६० में बर्णित है), आयकर के कार्यात्रय, नई दिल्ली में भारतीय आय हर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जुन, 1985 को पूर्वोक्त बर्म्यक्त को उचित गाजार सुरुष को कम के आवजान प्रीतपन्न को निष् जन्तरित की गर्द है बीर मुख्ये कह विश्वनक्त करने का कारण है कि वचाप्तांक्त संगीति का अधिक वाकार भूरूप, उसके अस्यमान प्रतिकत से, एसे अन्यसान प्रतिकत का वंब्रह प्रतिकत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कीर अंतरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एके बन्दरण के किए तब पाया गया प्रति-क्रम निपनस्थित उक्केक से उक्त सम्बद्ध क्रिकेट के पास्तु-विक कर वे कथित नहीं किया क्या है उ---

- (का) मन्तरण से हुन्द्रों के सी जाय को बाबल उक्क व्यक्ति विश्व निवस्थ के अधीय कर की को पानक के वामित्व में क्यी करूबे या स्थ्य अपन सं शुक्रिय के जिल्हा सर्वित्व
- (अ) एसी किसी बाय या किसी थन या कन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जान-कर अभिनिधम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अस्तियक, पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः सब उनतः विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण मो, मो, उनन अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, नर्थात् :--- मैं० केसिकल्स एण्ड मिनरल्स डिस्ट्रोन्यूशनटरस ग्रायात एजेन्सी डिवीजन), 48, रोजमेरी लेन, हावड़ा।

(अन्धरक)

 मिसेस चांद रानी गम्भीर पत्नी बेद प्रकाण गंभीर 6, रोजमेरी लेन, हावड़ा।

(अन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुई।

ब कर सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाकोर :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जनीथ या तत्संबंधी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो और जनीथ नाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए जा कर्जने।

स्वकाकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों बीर पदों का, की उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

भनुसूची

धरातल खान्ड, 22 बाराखम्बा रोड़, भई दिल्ली, 2000 वर्ग फिटा

> आर० थी० राजेश सक्षम पाधिकारी सदायक आयकर आयुक्त (निशीधण) अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नेई दिल्ली—110002

तारीख: 23-1-1986

प्रक्ष **वार्व** .टी <u>.</u>एन . एव 🐰 -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत तरुकाह

कार्यास्य . सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिरुली

नई दिल्ली दिसांक 23 जनवरी 1986

निदेश मं० म्राई० ए० पी० एक्यू $_{I}$ $_{I}$

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके ध्रथात् 'उक्त समिनियम' जहा गया है), की धारा 269-व के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो फ्लैंट नं० 121, 21, बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे ज़पाँछ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्राधकारी के कार्यालय, नई दिख्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के अधीन कारीख जुन 1985

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यनाव शिक क के लिए अन्तरित की गए हैं जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पान गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्थ हों कभी करने वा उचसे बचने में सुविधा के लिए: बीह-'ा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन वा अन्य बास्तिकों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना काहिए था, स्थिपने में बृदिका वै सिए।

सतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के वनुसरक हो. हो, उस्त विधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) के चरीन निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्धात् ॥ (1) शिव कपूर जोगिन्द्र कपूर /2) सनमनेखान रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित कमला देवी श्रीमित हेम लता शर्मा श्रालोक शर्मी ब्लाक ए पाकिट सी-1 फ्लोट नं 145-बी शामीमार बाग दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन की नविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावित स्थावित इंगारा;
- (ब) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 121, 21 वाराखम्बा गाँड, तई दिल्ली 360 वर्ग फिटा

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) श्रजंन रेज-) दिल्ली, नई दिल्ली

तारोख : 23-1-1986 मोहर: प्रकार महर्ग, दी, एगा, एखान - ॥ ॥ ॥ ॥

बाय ३ ४ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ्राः ३ ६ (१) के त्रभीव सुचना

भारत बरकांड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 23 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई०ए०मी/ए यू०/1/37ईई/6-85/1906— →-ग्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० हैं ज्या जा श्रावासीय फ्लैट क्वां फ्लोर, नीतिगिर अन्तर्टमेंट, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रायकर अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के अधीन नारीख जून 1985। को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का फ्लूह प्रांत्रशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एांसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नानियत तद्वरेष से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तिविक स्प के लिए तय पाया गया प्रतिक का का का का से का स्वार्थ के लिए तय पाया गया प्रतिक का का से का से का से का स्वार्थ का से का से का से बास्तिविक स्प के लिए तय पाया गया प्रतिक का पाया से का से

- (क) अन्तर्ण ने हुई फिसी मांस की बावर, सकर क्रांधानसम्बद्ध के बधीन कार बीन के बन्तरक के बावित्य में कभी कारने या प्रशासिक में मुविधा के लिए, मीर/धा
- (ं) श्रंसी किसी जाव या किसी भन य जन्म जास्तियों वर्ग, जिन्हों भारतीय अगय-व्याप निभाग्यम, 1920 (1922 को 11) या उक्त कोभनियम, धा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गाम था या किया जाना जाहिए था, स्क्रियानों में स्विधा की किया

अतः जवः. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, प', उक्त ऑधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क वर्धल, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित :—

- (1) कैलाश नाथ एंड एसोस्पिट्स 1006 कंतवनजंगा. 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।
 - (ग्रन्तरक)
 - 2) केण्टन एस०पी० ग्रानन्द ग्रौर ग्रन्म 13/448, सुन्दर विह्नार, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त बम्परित के अर्थन हैं संबंध हो काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण तो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबीध, जो भी नविध बाद में सजाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्ड न्यांक्तया में से कि.पी. न्यांक्त द्यारा;
- (क) अस स्थान क राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खाने 45 हिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्भ किसी वस्य व्यक्ति हुपारा, वभोह्स्ताश्चरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया इं।

जन्सूची

ग्रावासीय फ्लैटस 6वी खन्ड ग्रौर कार पार्किण, बहु-गंजिलि ग्रुप हाउसिण स्कीम, नीर्लाणरी ग्रपःर्टमेंट, 9, बारा— खम्बा रोड़, नई दिल्ली 1600 वर्ग फीट।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23--1--1986 मोहर प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आवृक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 फ़रवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी॰/एम्यू/1/37ईई/6-85/ 1906-ए--- श्रतः मुझे श्रारः पी० राजेश

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 12 बीधा 4 विश्वास है तथा जो ग्राम जोनापुर तहसील महरोली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांश इससे उधाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय साहायक श्राप्यकर ग्राप्यक निरीक्षी में भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम 1908, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीर, निम्निनिखत व्यक्तियों, अर्थात् — (1) में श्रहुजा फ़र्नीचर प्रा० लिं० मन्दिर मार्ग, नर्ड दिल्ली ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री जिरेश स्रहूजा िता श्री स्रो० पी० सहूजी डब्लयू-79ए सेटर केलाभ-1 नई दिल्ली (स्रन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्णे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि 12 बीधा 4 विष्वास मुस्तातिल संख्या 79 किला सं ० 12,2 (1-2), 20,1 (2-1) 18 (4-5) स्त्रीर 19 (-16) स्राम जीनापुर तहसील मेह्रौती, नई दिल्ली।

श्रार० पी० 'जिश सहायक श्रायकर श्रायका (िरीक्षण) श्राजन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक 3⊢2--1986 मीहर

प्रक्ष बाई.डी.एन.एड.-----

भायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुकता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एम्यू 1 एस श्रार-3 6-85 91--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य

भौर जिल्ली सं० है तथा जो एफ-67 लाल ताजी नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबस अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बण्णि है), रजीस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908, (1908 (16) के अधीन तारीख जूग 85

कर पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्वास से अधिक है बौर बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के किए; अर्र्ट्रिया
- (अ) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हां भारतीय शायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया अपना वाहिए था, छिनाने में सुविधा के सिए;

चतः अचे, तक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरक को, भे, उसत विधिनियम की धारा 269-म वती उपधारा (1) को अधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात ः--- कैलाग चन्द तेनेजा एफ-138, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

ग्रन्तरक)

2) मियलेश रानी पत्नी रिमन्द्र दास ई--119, कानका जी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एफ-67, कालका जो नई दिल्ली 200 वर्ग गज।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेज-1, नहंदिल्ली

रिनां ह : 27-1-1986 मोहर : प्ररूप आहें टी.एम.एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहासक भावकार आयुक्त (भिरीक्षण) श्रजन रेंज-1, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निदेश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू०/ 1/एस० श्रार-1/6-85/ 92-श्रतः मुझे, श्रारं० पी० राजेश,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्यात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्वापर सम्मत्ति, विसका उचित बाधार मृख्य 1,00,000/- स. से अधिक हैं

श्रौर जिसकों सं० है, तथा जो गांव भेंथल, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बरवजान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृष्टित सम्पत्ति का उचित कावार मूल्य, उसके बरवमान प्रतिफल से, ऐसे बश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और वंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गरा प्रतिफल निम्मसिवित उद्देश्य से अथत अंतरण सिवित में वास्तिक कर से कीथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई भिन्नी शाय की नायक, उत्तर विधिनियम के सभीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एती किसी सार वा किसी भन या कम्य बास्तिनों को, चिन्हों भारतीय शाय-कार निर्धानयन, 1922 (1922 का 11) या उपत निभनवन, या भन-कर निर्धानायन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया चा सा किया चाना चाहिए था, कियाने में त्विभा सविधा को किए;

कतः अवश्, **बन्तः विधिनियमं की भारा** 269-नं **के बन्नरण** क्षें, में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती घर बहारी पत्नी रतन सिंह, निवासी गांव भर्षल, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. इम्पल्स इण्डिया प्रा० लिमि॰, बं-12, निजामुद्दोन बेस्ट, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुकता बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां सुरु करवा हुएं।

बक्त तन्गील के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रोप इन्स

- (क) इस भूषण के राष्यत्र में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की जनिय मा श्रदसंबंधी व्यक्तियों पर सूष्या की शामील से 30 दिन की सर्वधि, को भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के औत्तर जनत स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभरी के पास सिरीचत में किए वा सकते:

स्वय्यक्रिरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्यो का यो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्य होता, को उस अध्याय में दिका नवा है।

अनुसूची

कृषि भूमि 18 बीघा श्रीर 16 बिस्वा एम० एच० 23, किला नं० 18 (4-14), 19(4-16), 20/1/1(1-8), 22/2 (3-2), 23 (4-16), गांव भर्षल तहसील महरौली, नई दिल्ली, द्यूब बैल समेत।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंजे-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायां सम्, सहायक आयं कर आयं क्स (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. ते अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० है, तथा जो एन० डी० एस० ई०, पार्ट-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बॅणित है), रजिस्ट्री-करण ग्रिधिकारी में गार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ने स्वयंगान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उलके उदयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का भवह प्रतिकास से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के की एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलितित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक एप में की शत नहीं किया गया है:—

- (को) अन्तरण से हुइ किसी एख़ की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या जिसी धन या अन्य जास्सियों को जिन्हों भारतीर पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूजिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- श्रंत सम्यप सिंह संधू सुपुत्र मेहर सिंह, ई-82, साउथ एक्सटेंगन, पार्ट-1, नई दिल्ली और अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मीना खन्ना पत्नी रमेश दास खन्ना और श्रन्य

25, श्रंसार। रोड़, दरिया गंज, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

कों सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्जन के लिए कार्ववाहियां करता है।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशक्षन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इगर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अगृस्ची

जी-7, लाउथ एक्सटेंशन-1, मार्बिट, नई दिल्ली, नादादी-250 वर्ग गज।

> श्रार० पो० राजेश ममक्ष प्रघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-1-1986

मोहरः

प्ररूप बाह्^र्टी, पुन_े पुन_े कार्यकार

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मेपीन स्पना

भारत संस्कार

भार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)
श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ला
नई िल्ला, दिनांक 27 जनवरी 1986
निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/

114क सुर आहर एउ सामुस्यूम् 114क आहर अंदिर है। 6-8/5,97द्रत: मुझे, श्रार० पीठ राजेश, 1यकर अंदिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर

रायकर अंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संज है, तथा जो डिफेंस कालोगा, नई दिल्लो में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगा है) एजिस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यात्रय, नई दिल्लो में भारतीय रिक्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्विवह सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बासार शृह्य उपके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ठ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तम पामा नमा प्रतिकृत का विश्वास के निए तम पामा नमा प्रतिकृत से किया नमा है है—

- (क) बन्तरण वे हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्षने में सुविध. के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनक स्अधिनियम, वा धनक स्अधिनियम, वा धनक स्अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्निभा के लिए;

अप्त: अप्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण भे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अधीत :---15—506G1/85

 पुरासंध इंजिनियरिंग ध्रम्यनः, द्वारा पार्टन भवनदीय पुरासुपुत्र जीत एय पुराः, सो-4, पमपोश इंक्यलेव, नई दिल्ला।

(ऋन्तरक)

 श्रा नरेग मिलल मुपुत्र स्वर्गीय डा० श्रारं राजपूत, निवासा ए-273, डिकेंड दालोनंत, नई दिल्ला। (श्रन्तरिता)

का कु स्थान धारी करके पूर्वीक्त तम्पीति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हु।

तक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कार्य भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्नवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिस्ति में किए जा सकी।

स्थळीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसुची

प्रोपर्टी नं ए-273, डिफेंड कालोना, नई दिल्ली, तादादा 217 वर्ग गज।

> श्चार० पो० **राजेण** सक्षम प्राधिकारो सहासक श्रायकर श्चायुक्त (निरंक्षण) श्रजेन रोज-1, दिल्लो, नई दिल्ला-110002

तारीख: 27-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986 निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० धार०-3/ 6-85/98--शतः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० है, तथा जो लाजपन नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूका में श्रीर पूर्ण का से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के जार्याजय, नई दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रावारण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षण में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिनिस्त में बास्तिक कप से किथा मुझी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? बीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाब वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिचाने में सुविधा अ लिए;

बतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वी, वी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की बधीन, निम्नीलिशित व्यक्तियों, वर्धात् :--- जगदीम लाल सुपुत्र होतू राम, निवासी 2-सी/
 161, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

2. श्री मनोज कुमार मुपुत्र स्वर्गीय चुन्ती लाउ भीर इन्य, II-एफ-99, लाजपत नगर, नई दिल्ला ! (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाणन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर प्वेकिंग ब्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त कृष्टां और पदों का, जो उकत कृषिनियमः, के अध्याय 20-क में पिश्शीचत हैं, वहीं अर्थ हु। या जो उस कंग्रा का स्याही।

मनुसूची

प्रोपटी नं० 2—सं/161, लाजपत नगर, नई दिल्ली, ताबादी 100 वर्ग गज।

द्यार० पी० राजेश सक्षम प्राधिनारी सद्यायक धायकर द्यामुक्त (निर्¦क्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिस्सी-110002

तारीख: `27-1-1986

प्रकार बाह्य देश धन् प्रकार सम्मान सम्मान

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) 💐 मभीन सम्बन्ध

भारत सरकार कार्यालय, सहादक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निदेश सं० माई० ए० सी ० एक्यू ० । 1 । एस० मार० - 3 । 6-85 | 99-प्रत मुझे, मार० पी० राजेश

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्ली सं है है एया जो जंगपुर, भोगल, नई दिल्ली में स्पिए हैं (श्रीर इल्ले उलाबद्ध अनसुवी सें श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिल्ट्रीकर्ता श्रीध करी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिल्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधी रोरीब जून, 1985

को पूर्विन्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विन्त सम्पत्ति का उचित क्षाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जल्दरण से हुई किसी नाम की वाबद, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को द्यिस्थ में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा की ख़िए; आदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती िरन रानी पत्नी श्री देवराज, 25, सुन्दर नगर, मार्निट फ्लैट्स, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

(2) श्रीमती विद्यावती गुरुरेजा पत्नी सायरा चंद नुकरेजा भौर श्रंजना कुकरेजा पत्नी श्री राज कुमार कुरुरेजा, निवासी 752, मथुरा रोड, जगपुरा, नई दिल्ली। (श्रन्यरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिमां करता हूं।

स्वत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन करी अविधि, आ शी सी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा.
- (च) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त गिंधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया यहाँ है।

बन्सूची

प्रापर्टी एम॰ पी॰ एल॰ नं॰ 119/2, खसरानं॰ प्लाट नं॰ 830 ग्रोर 831 तादावी 342 वर्ग गज, जंगपुरा, भोनल, नई दिल्ली ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधि गरी सहायक म्राय १८ मायुक्त (िरीक्षण) मर्जन रेज-1, दिल्ली, गई दिल्ली-110002

सारीबा : 27-1-1986

प्रस्प भार्त ही, एम, एम, अन्यत्मन्त्रम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासमः, सहायक सामकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंन-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक् 27 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/6-85/ 190-अतः मुझे, आर० पी० राजेश

गायकर गिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उन्नत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिमका जिसका गाजार मूल्य 1.00.000/- रा. में अधिक हैं

भीर जिन्नकी संव है तथा जो ग्रेंटर कैलाज, नई दिल्ली, पार्ट-1 में स्थित है (भीर इसने उपायत प्रमुची में भीर पूर्ण का से विजिन्न है), रिजिन्द्री रिता भिष्टि है के दार्यालय, नई दिल्ली में रिजिन्द्री रिता भिष्टि में 1908 (1908 का 16) के भिष्टी तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल सं ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण जिल्ला में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्रा है रू

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत सकत आंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्क में कभी करने या उसमे सकते में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां की, जिन्हां भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच-अधि अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिवाने में सुविभाः के

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती चन्द्रकात पत्नी श्री श्रशोक कुमार ए-6, रिंग रोड, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली ।

(मन्द्रक)

(2) श्री शरदचन्त्र गुप्ता सुपुत श्री विमल चन्द्रा ग्रीर शकुन्तला देवी 22, श्री राम रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्त्'ाती)

को यह स्थाना बारी कारके पूर्वोक्त संपरित क्रंबर्धन के सिद्ध कार्यवाहिया कुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्जप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख इं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वोक्त स्यत्रितयों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाअर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याख्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त सिंधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रावासीय पुनिट तल खण्ड, एस-462, ग्रेटर कैलाम-1, नई दिल्ली प्रविभाज्य प्रौर व्यक्तिगत प्रौर इमााणि बल (33.1/3%)।

श्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→1, दिल्ली, नई दिल्ली⊶110002

वारीख: 27-1-1986

मांहर :

प्रकार वार्षे हो . एन . एस . -----

भागकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना नारह सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचत बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रेटर कैला श → 1, नई बिल्ली में स्थित है (भीट इससे उपाबद्ध अनुसूची से भीट पूर्ण क्य से विल्ली है), रिस्ट्री हर्ता अधि । रि के नार्यालय, नई बिल्ली में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन तारीख जून, 1985

की पूर्वीक्श सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्ष निम्निसित उद्योख से उक्त कन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण वंड्राइं किसी बाब की बावत, उक्त बाधिनियंत्र के अभीन कर दोने के मन्तरक के बाधित्य में कभी करने या उन्नसे वचने मी सुविधा वी सिद्ध; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्व विश्व के प्रयोजनीय जन्तरितों बुवारा प्रकट नहीं नियम गया था या किया जाना जाहिए जा, क्रियानं पर क्षिणा के विष्य विषयः

कतः वा , उक्त विधिनयम, की भारा 269-म के वन्त्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए ।० पी० ग्रानन्द सुपुत श्री एम० ग्राप० ग्रानन्द बी-351, न्यूफों ६ स्लोनी, नई दिस्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जें० राय बदा सुपुत स्वर्णीय हराराज वका और नीना एडवर्ड श्री मार्क एडवर्ड, निवासी सी-26, ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली।

(श्रन्द्रशिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः सै अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उच्च सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी काओप :--

- (क) इस सूचता को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्थादनीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हा, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गणा है।

बन्स्ची

प्रापर्टी 1/5, घोसर, प्राप्टी नं० 270, ब्लाए वी ग्रेटर कैलाम ± 1 , नई दिल्ली ।

भ्राट० पी० राजेश सक्षम प्राधि गरी सहायात श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, 110002

त्रीख : 27-1-1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एत्यू०/ 1/एस० आर०-3/ 6-85/103--अत: मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पदलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 2:69-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वशरण हुं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुं

भीर भित्रकी संव है तथा जो ग्रेटर कैलाया-1, नई दिल्ली सें स्थित है (भीर इतने उपाबद्ध अनुसूत्री में भीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिस्ट्री सी अधि तरी के वार्यालय, नई दिल्ली में रिनिस्ट्री सरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर दारीख जून, 1985

को प्वांक्त संपत्ति के उनित बाजार मृत्य म कम के श्रथमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल को पन्दह शितात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (गंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अवत अंतरण लिखित में विश्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण सं हुई किसी भाग की गागत अल्स विधिनियम के बधीन कर दोने के गन्तरक वं दारियत्व में कभी कारने या नासने दानने में सृविधः के नित्त वर्षने या
- (भी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑंभीनयम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1)57 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया उत्ता चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;
- ा. अब, उक्त अभिनियम की नास 269-ण की अनुसरुण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) ल अपन्न, निम्निलि**यित व्यक्तियों**त अभीत डिच्ल

- (1) श्री कें० के० श्राहुआ पत्नी श्री एक्ष० के० श्राहूआ और एक्ष० के० श्राहूआ, सुपुत्र श्री श्राह्य एल० श्राहूआ, निवासी सी-3, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री डी० सी० घटर्जी सुपृत स्वर्गीय एस० के० घटर्जी एण्ड एन० चटर्जी पत्नी 27/32, घोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली 110060 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कामकाहियां करता हूं॥

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाश्रेष अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्तयों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण :---इसमें प्रमुक्त सम्बों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हुँ।

मन्त्रभी

धूतरा खण्ड (फण्ट पोरशन) एन-115, ग्रेटर कैलाग्र-1, नई दिल्ली, 800 वर्ग फीट ।

भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, दिल्ली नई ्रिदल्ली⊶110002

वारीख : 27-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें ज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०1/37ईई/6-85/ 104-फ्रत: मुहे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर िस्की सं० हैं तथा जो ग्रेटर कैलागा-2, नई दिस्की में स्थित हैं (फीर इससे स्प कह धन्द्र में में म्रॉ प पूर्ण-रूप से विकि हैं), रिवर्ट्र वां शक्ति वां में कारतीय रिजर्ट्र वां शक्ति में भारतीय रिजर्ट्र वां का शक्ति में भारतीय रिजर्ट्र वां का शक्ति ज्ञान, 1985

को पूर्वेक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजीर पूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की धायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) है अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, कथीन निम्मलिखित व्यक्तियों, कथीन

- (1) श्री सविन्द्र रिष्ट, ई-599, ग्रेटर के लाग-2, नई दिस्ती (अस्तरक)
- (1) अनी के॰ मैं भ्यू द्वारा एखर इण्डिया हिमालय हाउस, 23, बस्तूरका गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए दा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बीज का पोरशन का फ्लेट प्रथम खण्ड एस-473, ग्रेटर कैलाग, -2, नई दिल्ली 2 बैंड रून्य, स्नानागार किचन ड्राइंग डाइनिंग, 1/9, श्रविभाज्य केयर प्लाट तादादी 557 वर्ग गण 1 (462. 3 वर्ग गण)।

श्यार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायस धायकर मायुक्त (निरीक्षण) शजन रें जना, नई दिल्ली

बारीख: 27-1-1988

प्ररूप आर्ध टी. एन. एस.-----

काच अर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

फर्जन रें ज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांबः 30 जनवरी, 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०इ.१२०-3/6-85/105---प्रतः मुद्दे, इ.१२० पी० राजेश, शयकर व्यक्तित्वम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अभके पण्यात 'उक्त व्यक्तिग्रम' कहा गया हैं), की धारा १६९-व से व्यक्ति सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृल्य 1.00 000/- रु. से क्षिक्त हैं

- (क) बंधरण मं हुई किसी बाय की बक्धतः, उबक ऑक्टिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे दक्षने में सुविधा के लिए; और था
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ब्रन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ लंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था था किया जाना बाहिए था स्थिपाने में मुर्विधा के लिए,

जितः, धव, उक्त जोधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की रूपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ⊯-- (1') श्री रोशन लात मदान सुपुत्र ते तिया राम मदान एच 54ए, दालकाजी, नई दिल्ली ।

(प्रत्तरक)

(2) बीर गर्ग सुपुत्र क्षण प्रशास गर्ग ओर अन्य एच० 134 कालकाजी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सन्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाव विकास में क्या का कार्य ।

स्पाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्यों का, को उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं। है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

एत-13ए, 100 वर्गगत 1 का कार्जा, नई दिल्ली ।

भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, नई विस्ली

सारीख: 30-1-1986

त्रक्ष्य बाह्री. टी. एन. एवं. ------

नावकर निधानयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय , तहायक भागवत भागुक्त (निर्दोक्तन)

मर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1986

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस० शार०-3/ 6-85/107--श्रत: मझे, भार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन, 1985

को प्योंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दबर्गान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुप, उसके दब्यमान प्रतिफल से, एसे दब्यमान प्रतिफल का रम्बद् प्रतिकत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार ब्रुप्टरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नतिचित्त उद्योदय से उदल अन्तरण किश्वार में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए---

- (क) जन्तरण से इंडर फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के बातरक के दायिख्य में कमी करने या उग्य बनने में स्विध्य के नाए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किली भन या अन्य जास्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27' ने प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के किए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 259-भ की स्वधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमित निरूपम जैन पत्नि ग्रशोक जैन, निवासी— ई-207, एटोरनो श्रशोक जैन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुलजारी खन्ना सुपुत्र डी॰सी खन्ना, निवासी--एम-150 ग्रेटर कैलाश-2 नई विस्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के कर्बन के संबंध में कोई कार्क्ष :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाक्षन की तारीच से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां हो से किसी व्यक्तियां हो से किसी व्यक्ति व्यक्तियां हो से किसी हो है से किसी हो से किसी हो से किसी हो है से किसी हो है से किसी हो से किसी हो
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थिवत इंकारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में से किए जा सकेंगे।

हनक्कीकरण:--- इसमें प्रयूक्त सन्धें नीर पदों का, वो सन्त अभिनियन, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं सर्थ होगा वो उस सभ्याय में विशा बदा है।

धनुसूची

यूनिट नं० सी०, बरसाती फ्लोर, ¶प्रोपर्टी का भाग, नं० एस० 328, तादादी 300 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> स्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिवारी सहायक स्नायकर स्नायक्षम (निरीक्षण) सर्जनरेंज-I, नई दिल्ली

सारीख: 27-1-1986

मोहरः

प्रकप आर्धः दी. एन. एस. ------

मायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2/19 च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्णालय, उक्कथक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1986 निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एवपू०/1/एस०म्रार०-3/ 6-85/110--यतः मझे, धार० पी० राजेण,

जामकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमे इसके परमात् 'उच्च अधिनिषय' कहा यता ह")., की भाषा 269-स के वभीन सक्रम प्राभिकारी को, यह विक्वास करने का अन्दर्ग है कि स्थावर कम्पत्ति विश्वका उचित बाबार मृख्य),00,000/- रु. से अभिक **ड**ै

ध्रौर जिस्की मं० है भया जो पेटर-कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के बार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1985,

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाबार मृत्य संकम के उत्पन्नान अविश्वप्यक्त के लिए जन्तरित की गर्दहै और मुझेयह थिक्याल करमें का कारण है कि संभापनोंक्त संपत्ति का उचित नाजार भुरूप, उसको दश्यमान प्रतिकाल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बम्सरिली (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिक्षत निम्मिलियित उन्नवंश्य से उन्त सम्तरण निचित में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया बना है :----

- (क) बन्तरम से हुई किसी नाम की बावत सबत अधि-मिनन से नपीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उनसे बचने में सुविधा के लिए; बीर/ग
- (क) एंसी किनी बाव या किसी धन या अन्य जास्तियों को, पिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-**कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) को** प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किस्या जाना चाहिए था, छिपाने में सकिक्षा ने निए;
- अन्तः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, मी, उक्त अभिनियम की धादा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् 🆫 🚗

- (1) श्री हरवंस लाल कैथ स्पृत ग्रम्र नाथ कैथ, ई-128 मोहग्मक पूर, नजदीक श्रार० के० पूरम, नई दिल्ली। (फन्सरक)
- (2) श्री निशा सिंह परिन विलीप सिंह निवासी- ए-238, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली वर्तमान एस-350, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ! (भन्तरिती)

नके यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्पत्ति के क्यून के सम्बन्ध में कोर्ड भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीचा को 45 बिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (बा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी सं पास सिचित में किए जा सकेंगे।

लक्षीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, विभिन्नियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही नर्भ होगा का उस नभ्याय में दिया चया हुरै।

धनुपूची

तल काड प्रोपर्टी नं० एप-350, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली 33।

> भार० यो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ऋायकर ऋाय्वत (निरीक्षण) फ्रार्जन रें ज-, नई दिल्ली

तारीख : 27-1-1986

मोहर.

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-I, नई विस्स्ती

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनभरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एत्रयू०/1/एस०ग्रार०/-3/ 6-85/111---यतः मुझे, आर० पी० राजेग,

बायक र मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्वात् 'सकत् निधिन्यम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00:000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० है तथा जो येटर कैलाए-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उभसे उपाबक सनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से बणित है), रिजिस्ट्री ति श्रीधकारी के बार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधान, तारीक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित भाषार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अप्तिरित की गई है और मृद्धं यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाषार मृत्य, ससके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिसी (अम्तरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए, और/बा
- (क) एली किमी बाय या किसी धन या कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनेयस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कार जिधिनियस, 1957 (1')57 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा था या किया जाना चाहिए था, जिलाने वे सीटिशा के लिए;

च्चः ध्वः, ज्ञन्त अधिनियम की धारा 2**६९ व के अनुबरण** भें, मेंं, उच्य अधिनियम की धारा 269-च करिस्त्रपाला (ा) के स्थीन, निम्नदिखित व्यक्तियों, अथोंत् :— (1) श्री हरबन्स लाल कैथ सुपुरु स्व० ग्रमर नाथ तैथ, ई-128, मोहम्मद पुर, नजदीव श्राप्त के० पुरम, सेवटर-1, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरः)

(2) श्री मनजीत सिंह पिन एस० डोस, 187-ए, डी॰डी॰ए॰ पलेट, राजोरी गार्डन, नई दिन्सी। (अन्सरिटी)

का सह सूचना बारी कारके पृत्रोक्त सम्मत्ति के नर्चन के सिक् कार्यज्ञातियां कारता हुई।

इक्त सम्बन्धि के क्ष्मिन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिंच से 45 दिन की जबिंध या सर्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाइ सिरोबत में किसे वा क्कीन।

स्वक्योकरण: ----इसमे प्रयूक्त शक्यों और पयों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित्र हीं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विधा नवा है।

वन्स्ची

प्रथम खण्ड का एक हिस्सा प्लाट नं० 350, ब्लाक ए५०, तादादी 300 धर्म गज ग्रेटर कैनाण-2, नई दिन्ली।

श्चार० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चापुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-I,नई दिल्ली

तारीख: 28-1-1986

प्रकृष बाह्य ही हम . एस -------

श्राप्तकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-च (1) के वभीत स्था

भारत बारकार

कार्याचन , तहायच नायच र नान्त्व (निर्देशाण)

श्चर्णन रेंज-।, नई दिल्ली नई दिन्ली, दिनांक 27 वनकरी 1986 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्प्०/1/एस०आर०-3/ 6-85/112--श्चरः मुझे, श्वार० पी० राजेश,

गायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मन्य 1,00,000/- रु. रो अधिक है

घौर जिसकी सं है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में और पर्ण-रुप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी वे कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीवरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से बिथक है और बंतरक (बंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पाया गया श्रतिफल, निम्नसिचित उद्योग से उक्त अन्तरण निमित्त के बास्तियक रूप से कर्षित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावते, सक्त सीधानयम के ज्योन कार दोन के जन्तरक के दामित्थ में कभी करने या उत्तस अवने में लुकिए के मिद्द: बहु/बा
- (व) ऐसी किसी अप ना किसी धन या जन्य नास्तियां करें, जिन्हों भारतीय नामकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

बतः १व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै-अनुसरण में, भी जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय, निम्निएकिए व्यस्तिकः अर्थातः :—- (1) श्री अजय कपूर सुपूत स्थाम लाल कपूर, शाप नं० 6 ए, यभवंत पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

(2) गलपति एकनपोट लि, जी-30, महिजिद

नई दिल्ली

(भ्रन्नरिती)

का अड सुचना वारी करके व्यक्ति सम्पत्ति के अवंश के सिध् कार्यमहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाद निवित में किए वा सकेंगे।

स्वच्यक्ति एक: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वां उक्त विभिन्नियम के बच्चाव 20 क में वरिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को अध्यान में दिवा गवा ही।

वन्स्ची

आवासीय रोट 2 खन्ड पलाट रंग 18, स्लाव ए०० 300 वर्ष गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार ग्रायुक्त (विशेक्षण) श्रर्जनरें जः 1ृन्ही दिल्ली

त्तानीख : 27-1-1986

मोहर ग

प्रस्पः बाद्"ु टी. एवं, एवं. - - - - -

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) धर्जन रें अ-1, नई दिस्सी

नई दिल्लो, दिनांक 27 जनवरी 1983

श्राई० ए० सी०/ए≆यू०/1/एस०इतर-3/ निर्देश सं०

७-85/113---यतः मुघे, श्रार० पी० राजेश, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकास् 'जक्त अधिनियत्र' कहा गया हैं), की धारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका दिचन वाजार मृत्य

1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै

है तथा जे ग्रेटर कैलाश-2, भीर जिसकी संव नई जिल्ली में स्थित है (और इलसे उपाबद श्रनुसूरी में श्रीर पूर्णल हम से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्भा श्रशिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1998 (1908 वर्ग 16) के द्रधीन तंत्रीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उड़ित बाजार मृत्य ते कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्के यह विकास अरने का कारण है कि युवापुर्वोक्त संयुक्ति का उचित् वाबा**र** मृल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एम्यमान प्रतिफल् का पल्डाड प्रतिशत से विभिक**ड़ी वाँद वन्तरक (बन्तरकाँ) औ**र अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच शंचे अन्तरण के लिए तब रावा गया प्रतिकास निम्मसिखित सबुधोस्य हे सम्त बन्तरण विद्वित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया नवा हूँ ह—

- (क) अन्तरण संहुई किबीआय की बाबत उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ना
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तियों का. जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली वृद्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाते में सुविदा के सिए;

(1) भी अवय कपूर सुपूर की भ्यांम लाल कपूर, निवासी-60, यश्चांन पंत्रेस, नई विन्छो।

(अन्तरक)

(2) श्रोमित शंजना बनर्जी परिन शंकर बनर्जी, निवासी-6वी. पुष्पा ऋषाटमेंट, 63ए, क्राइउ स्दीट. कलक≾ा, थहां का पता—नी० 2/50. किंदबई नगर नई दिल्ली १ (ऋन्तरिती)

को वह सुपना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता 👣 ।

अवत बम्परित के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस श्वना के राज्यत्र में प्रकादन की दारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना को तामील में २० दिन की अवधि, अर्थ भी अविभि बाद में सम्पन्त होती हो, के भीतर पूर्वो**क्त** व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- 💶) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 🕏 45 दिन को भी रर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बबुभ किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी अहे पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इराचे प्रयक्त शन्दों और पदों का, जो उक्क विधान्यम के बन्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी कुर्भ होगा को उस अभ्याय में विया न्या 💕 ।

मन्त्रची

प्रथम खण्ड प्लाट नं० 18, ब्लाक एस, 300 वर्ग गज, ग्रेटर-कैलाश,-2, नई दिल्ली में बनाहै।

> ग्रार० पी० गजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रन्थ (निरक्षिण) भ्रजन रें त-1, नई दिल्ली

जल: अब, उच्छ वीधीनयम की धारा 269-व की वन्तरण , मैं, उक्स कथिनियम की भारा 2,69-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित म्यम्तियाँ, अर्थात् :---

न रीखा: 27-1-1986

मीहर :

हरूप वार्ष , ही , एवं , एस , "न्यान्यन्यन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीद दुष्ता

गारत वरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० प्रार०-3/6-85/114--प्रतः मुझे प्रार० पी० राजेश नायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अपिनयम' कहा गया ही, की धारा 269-च के नधीन, तक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो ग्रेटर कैलाश

—2 नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची

में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के
इत्यालिय नई दिल्ली सें भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के
इत्यालिय नई दिल्ली सें भारतीय रिजस्ट्रीक्रण ग्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाम

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह

पण्डल प्रतिपत्ति से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दिश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में

वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्मरण्यं से हुन्द्र कियों बाय की वावत , बन्ध मीर्थितयंथं में समीर कर दोने की वच्चरक में बायित्थं में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- ेल पंगी किसी बाब मा किसी भन वा वस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अभिनियम या भर-कर अभिनियम या भर-कर अभिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिका के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरक में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपधारा (1) को क्रोजन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री अजय क्यूर सुपुत याम लाल क्यूर, निवासी 6-ए, घाण्वंत पैलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज बुद्ध राजा पत्नी विजय बुद्धराजा श्रीर विजय बुद्धराजा सुप्रत्न राम प्रकाश बुद्ध- राजा, निवासी 98, कमला भ्राथफ भ्राली रोड़, नई विल्ली।

(भन्तरिती)

को यह तुर्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्त्रम्थण्थी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की क्वीध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रविकारों में से किसी स्पवित द्वारा;
- (वं) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दिसबर्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस का सकींगे।

राध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा वसा है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 18, ब्लाक एस, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, दिल्ली, नई दिल्ली −110002

तारीख ' 27-1-1986 मोहर •

प्रकृत वाही, ही . यून . यून . ------

काश्कर कांचित्रक, 1961 (1961 का 43) करें गरा 269-च (1) के अभीत स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

श्रीर जिसकी मं० है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित (श्रीर इसमें उपाबद यनु- सुची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोंकत कम्परित के उचित बाचार मृख्य से कम के स्वमान शितफन के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाचार मृख्य, उसके बश्चमान प्रतिफल ते, एसे दस्यमान प्रतिफल का बन्तर शिरक्त स्थापूर्वोंकत सम्पत्ति का जिल्ला का बन्तर शिरक्त है और बस्यमान प्रतिफल का बन्तर शिरक्त से विश्वास के स्थापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाचार मृख्य, उसके बश्चमान प्रतिफल ते, एसे दस्यमान प्रतिफल का बन्तर शिरक्त संविधित से विधिक है और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेंच्य से उचित बन्तरण विधित में बास्तरिक रूप से सियत नहीं किया चवा है :—

- (क) अन्तरण ते हुंद्र फिबी बाब की, बाबत, शक्त - विधिनयन के बभीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिद्द; और/वा
- (क) इसी जिल्ही साम या किसी धन ना अन्य साहिता को जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया का वा किया जाना साहिए था, कियाने में तुमिधा भीलिए;

अतः अड, उक्त अडिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ब्रो, सा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, विधननिर्देशक काविकारों, अर्जाक प्रस्ता 1 श्री अक्त कुमार बी० पुरानिल, ए-439, डिकेंस कालोी, नई दिल्मी।

(अन्तरक्)

2 मैं० चंद ान्द्रकटर प्रा० लिमि०, 1206, सूर्या ्रिन बिल्डिंग, के जी० माधनी मार्ग, नई दिल्ली।

(म्रन्यरिती)

का वह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सञ्मत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उपल सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नी आकीप :---

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की हारीक के 45 विन की अवित्र या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 विन की अमिथि, जो भी अवित्र मांव में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेषस स्वयित्यों में किसी क्वतित इवास;
- (क) इतसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित क्षे भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित क्षे किसी कन्य क्ष्यक्ति इतास अधोहरताक्षण के फीच तिस्ति में किए का सकीं।

स्पन्धीकरण: ----इसमें प्रमुक्त कन्धों जरि पर्यों का, जो उनक्ष जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सभ होना को उस अध्याय में विमा नया हैं:

श्रन्सूची।

फ्लट नं० 124, ब्लावः ई, एम० जी० 250 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, दिस्ली, नई दिस्ली-110002

वारीख: 27-1-1985

मोहर।

प्रक्य भार्द्, दी. एन. एस. त त - ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत शहकार

कर्मानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्वि०/1/एस० ग्रार०─3/ 6—85/116—ल्ब्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश एक्टर- क्रिक्सिएस - 1061 (1061 का 42) जिसे हससे

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्रसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), के भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है, तथा जो ग्रेटर कैलाश -1, नई दिल्ली में भारतीय स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रमुश्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधि-कारी के लार्यालय, नई दिल्ली सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, वारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्लरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्यपूर्वोक्त लंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिब में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुन्दे किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी अरने या सबचे यक्कने हैं ब्रिया के लिए। मीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया के स्तिर;

बात: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के बनुसरण ब्रॉ., मीं, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ल कारीय निस्त्रित **व्यक्तियो**ं, क्षशीत् च—— 17—506GI/85 1. श्री दलीप सिंह सुपुत गुरदीप सिंह, सी-5, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली द्वारा सुशीला कुमारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देव दत्त शर्मा पुत्र दौलिता राम, 22-बी, पार्क लेंन रोड़, डिफ़ेन-11, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बन्मीस के बर्जन के संबंध में कोई औ नाबोब ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों स्पिक्तयों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की नविध जो औं नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीन्द्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्यक्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा समीगे।

स्यव्यक्तिरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नेवा है।

धनुसूची

प्लाट र्न० 244, झ्लाक एस० वादावी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाभ−2, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज−1, दिल्ली, नई दिल्ली~11000

तारीख: 27—1—1986

मोहरः

श्रुक्तम् अत्रक्षाः । तत्रः । एवः । एकः ।

भाषकर मरिविषयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन स्वयंग

बार्क बर्ज्या

कार्यालय महायक कार्यकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्वि०/1/ए८० श्रार०-3/ 6-85/117--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' व्यहा गया हूँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं हैं, उथा जो ग्रेटर कैलाश

-2. नई बिल्ली में स्थित हैं (श्रीण इससे उपावद्ध अनुसूची
में श्रोर पूर्ण कर से विणित हैं), रिजस्ट्रीइति श्रीध ारी के
आर्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीइति श्रीध ारी के
आर्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीइत्स श्रीध ारी के
अधीन, तारीख जून, 1985
की वृंबीवत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान
विशाय के लिए जन्मरिस को गई हैं और मुम्में मह विश्वास
कर्म का मारण हैं कि मथापूर्वेक्स सम्मत्ति का जिनत बाजार
वास अर्थ का मारण हैं कि मथापूर्वेक्स सम्मत्ति का जिनत बाजार
वास अर्थ का मारण हैं कि मथापूर्वेक्स सम्मत्ति का जिनत बाजार
वास अर्थ का मारण हैं कि मथापूर्वेक्स सम्मत्ति का जिनत बाजार
वास अर्थ का मारण हैं कि मथापूर्वेक्स सम्मत्ति का जिनत बाजार
वास का अर्थ का स्वास हैं और मतरक (अंतरको) और अतिरित्ती
(जन्मरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया
वित्रम किमानिस अन्निक महीं किया गया हैं :---

- (क) जन्तरक सं हुई किसी बाग की बाबत, उक्त श्रीपनियभ के जभीन कार दोने के अन्तरक के बार्ययस्थ में कमी करने वा उच्च वचने में जुनिधा स्टलिए और/मा
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या अप्रतन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ए अप्रतन्तर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) ए अप्रतन्तर अधिनियम, अप्रतार प्रकार करें किया अप्रतार प्रकार के विकास के लिए;

प्रत प्रकृत सक्त सामिनियम, को भारा 269-न में अनुसर्थ ्र की, उन्त को धीनियम की धारा 269-च की उर्देशरा (1) दक्षेच विकास स्वित्त स्वित्ताओं, सर्थात :—— श्रीमती अमीता सट्यस्तिया, सीच52, क्लोमी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रेमन कुकरेजा, 65, ग्राजन्द लोफ, गई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का बहु सुचना चारी कारकं प्जॉबन सपरित के अजन के लिए जार्यवाहिया करता हो।

उच्छ सम्परित के अभाव के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:- -

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीय धं 45 वित्र को कन्मिया उत्संबंधी काक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 वित की व्यवधि को भी स्वरीध कार के सकत्त्व होती हो, के बीतर पूर्वों कर व्यक्तियों के ते किसी व्यक्ति इसाराः;
- (क) इस सूचन को राजपण हो प्रकाशन की शारीक में 45 किन को भीतर जनत स्थावर संपरित मो हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा, क्योहस्ताक्षरी के पास निश्चित मों किए का सकींगे।

स्थळकिरण: --इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्से जिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, पर्ी नश्री हाला पाउस अध्याय में दिया। स्था है।

अन्मकी

प्लाट एस-428, ग्रेटर थैलाश, -2, नई दिल्ली, तहादी 556 वर्ग गज।

ग्रांर० पी० राजेश ःक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन जेव-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 27--1--1986

प्ररूप आर्ह.टी. एन. एस. -----

শাম সং নাগিন কে, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भा (1) के भाषीन सुचना

भारत सरकार

नप्रयोज्ञय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

श्रजन रोज-1, नई दिल्ली **नई दि**ल्ली, दिनांक 27 जनवरो, 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 118----श्रत मुझे, श्रार० ी० राजेश,

बावकर अभिनियम, 196; (1961 का 43) (जिसे ध्रासें इससें दससें वस्थात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारः 269-व के सभीन सभाग्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नामार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिल्ही गंड एएड 350 है, तथा जो ग्रैटर कैलास-2 नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इपसे उपावक अनुसुधी में स्रोर पूर्ण रूप मे बणित है) रिवस्ट्रीयर्का अधिकारी के ार्थालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, कारीस जून, 1985

को प्यांक्त तस्परित के अधित याजार मृत के कन के करवान श्रीतफन के लिए बंतरित को गई है और मृत्रे यह विद्वास अरवे कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य इसके कन्नियान प्रतिफाल से, एसे रस्यभान प्रतिफाल का यन्दश् शिवस्त से विभिन्न है बीर बन्तरक (बंतरकी) बीर संवरितो (अन्तरितियाँ) के बीच ग्रेंसे अन्तरण के विद्या तथ याथा गर्म प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित मो बास्तविक क्ष्य से किया नहीं किया नगर है

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उन्त अभिनियम के अभीन कर दान के अन्तर्क के बायित्व में क्शी करने या उसमे गर्यने के मुख्यित के सिए: बार्र/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी तस या अन्य कर्तास्त्रार्थं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या त्रास्त्रा अपिनियम, या अन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना साहिए था, किथात माँ स्विधा वे किया

कतः कैंक, उक्त जीशिनियम की भाग २०१८ में कात्राप कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हरवंस लाल कथा सुपुत्र स्वर्शीय प्रमार सथा कथा ई-128, मोहम्मदपुर, नगदीक श्रार०के० पुरम, नई दिल्ली।

(बन्तर ह)

2 श्रीमती एच० एस० वाधवा पत्नी डा० एन० ही० वधवा 557, जहिनपुर, महरीली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के . किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस स्वान के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी त्यवित्तयों पर स्वान की तामील सं 30 दिन की वर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्विकत ह्वारा अथोहस्ताक्षरी क णक्ष विचित्त में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, की अध्यः अधिनियम, के अध्याय 20-के में विशेषण ही, कही गर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा ही।

अनुसूची

एस०-350, ताबादी 300 वग गज ग्रैटर कैलाण-2 नई दिल्ली दुसरी मंजिल।

> आर०पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कर्नेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-1-1986

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.,-----

गायकर र्जाभनियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा भारा 269-म (1) के नभीन स्मा

नार्य प्रकार

कार्यासय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

% जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विभांक 27 जनवरी, 1986

निर्देश सं० क्राई० ए० सी०/एस्य्०/1/37-ईई/6-85/ 119—क्रम. सुझे द्वार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- खं के बभीन सक्षम प्राधिकारों को उह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ंग्रीर जिसकी सं नं एस 328 है तथा जो ग्रैटर कैलाग 2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर एण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जून, 1985 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्थमान प्रतिफल को एसे इस्थमान प्रतिफल के प्रतिकृत की गई है और अन्तरका (अन्तरका) और

अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए इस

नाया गया प्रतिकास, निम्नीनिया उन्हर्यस्य से उत्तर अस्तरूक

क्षिप्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय जी वानवा, वक्त वीपतिवृत् से वृत्तीय तक धेने ली अन्वत्रक की वानित्य में कभी करने या सबसे वृत्तमें में वृत्तिया के सिए; और/भा
- (ख) एसी किसी नाम का किसी भन वा अन्य शास्तिकों को, जिन्हों बारतीय शाय-कर मिशिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ते अधिनियम, वा यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधायनार्थ जन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया याना चाहिए वा, कियाने में सुनिया के शिए:

मत: क्रश्न. संचत निधीनयम की भारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—- श्रीमती निरुपम जैन नी श्रशोक जन ई-207, ग्रेंटर कैलाई-1, नई दिल्ली ग्रारा जनरल अटोरनी अशोक जैन।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती इंदू शर्मा त्ली जी० के० शर्मा श्रीर श्रमुं देवी पन्ती श्रार० कैंट 510, डबल स्टोरी न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु कुमना बारी कारके पूर्वोक्त संयोज के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हो।

ड क्य बंदरित के अर्थन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ब 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सर्कांदे।

स्पष्टिकरण:---इतमें प्रयुक्त कन्यों कीर पर्यों का, जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिनः वस है।

वन्त्र्यी

यूनिट ए, तन खण्ड, प्रागर्टी नं० एस०-328; ताबादी 2700 वर्गे फीट ग्रैटर कैलाग-2, टिस्सी।

भ्रार० यी० राजेश स्वक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-1-1986

प्रस्य कार्ड. टी., एन., एस. -----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थाना

भारत सरकार कार्याजन, सङ्गायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

प्रजीन रेंज \cdot 1. नई विल्ली नई दिल्ली, दिन † छ 27 जनवरी 1986 निर्देश सं० प्राई० ए० सी \circ /एक् π ू \circ /1/37-ईई/6-85/120—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ता, जिसका उचित वाकार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव प्लेट नंव एसव-188 है तथा जो ग्रैटर कैलाश में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधनारी के कार्यालय नई दिल्ली में शारतीय रिजस्ट्रीवरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंकरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण वे हुई कियों नाम की वास्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे अवने में मुविधा के निए; और/श
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तिकों को बिन्हुं भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः मब, उक्त मधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त मधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री जं. डी. वर्मा, सतीश वर्मा, एच-।।2, कनाट प्यस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निरुपम जैन , इ*-207 , ग्रंटर कोलाश-2 , नई दिल्ली। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए क प्रवाहिया करता हो।

उक्स सम्पर्सित की अर्जन की सम्बन्ध मा की ही भी आक्षीप :--

- (क) एवं क्षाना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों की उन्हें की लाकिन कारात.
- (स) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में विया गया है।

धन्<u>ध</u>ची

'लाट न० एम०-188, ग्रैटर कैलाश -2, नई दिल्ली 300 वर्ग गज।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रोंन-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 27-1-19**8**6

प्रकृष बाह् 🕝 🞜 😅 हुइ 🚥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

बायक र आधिनियम, 1961 (1961 की 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन शक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रथावर सम्पत्ति, विसका उपनित प्राधार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रीर जिन्की लाजपन नगर-3 नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इनसे उपायद महुमुनी में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रिकर्ता स्रिधिकारी के पार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 वा 18) के द्रधीन, तारीख जून 1985

का प्यांक्त संपंति के उचित आबार मृत्य सं कम कं दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निक्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बासिवक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) बन्ताहरू संहुद्ध किसी बाय की बायस्य, उनस्य विष्टित्तवत्र के जभीत कर दोने के बंसरक के वासित्य वो कसी बार्य वा सबसे बचने में बृषिया के लिए; ब्रीर/मा
- (७) ऐसी किसी जाव वा किसी थव वा क्या जासिसकों का, जिन्हों भारतीय जायकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) वा जनत जिथितियम, या भनकर विभिन्नयम, या भनकर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ जन्तरिकी दुसारा प्रकट नहीं किया स्या भारा किया जाना जाहिए था, कियाने में मुलिया के जिद्दाः

बत: अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए को कन्करण को, भी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए की उपभारा (1) के वृभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्णत के-- 1. श्री श्रोम प्रकाण भर खन्नः 7, कुर है, लन्दस एक 20, यु० केल।

(क्रन्तरक्)

2. श्री प्रहलाद गांभी ग्रौर कृषना लाल गांधी 12, भिरोजगांधी रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्णम् के सिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर सम्बन्धि के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की ताशीस सं 45 दिन की सविधि या तत्त्वंची स्पित्वमों पुर सूचना की तामीस से 30 दिन की नवीथ, जो भी नवीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पेक्तियों में से किसी स्पयित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन करें तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपीत्न में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अन्तहत्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्की में।

स्थायतीकरण: --इसमी प्रमुक्त शब्दों भीत पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता तो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूचा

गो० पी०-12, एन० एच०-3, लाअपत नगर-3, नई दिल्ली-24, क्षेत्रफल 788'4 हजमा 6'6 वर्ण गज।

> ग्रार०पी० राजेग सक्षय प्राधियारी सक्षायक श्रायकर ग्रायवस (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली, उर्द दिल्ली-110002

नारीख: 27-1-1986

प्रकृष साइ ती. एक एखा. -----

भायकार पीर्भानियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १५००-७ (१) के विधीन मुखना

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी //एक्यू०/1/37-ईई/6-85/ 22—श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम जिल्ला मधिनियम कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाणार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक ही

श्रीर जिसकी गं० प्लाट नं० 18, ब्लाक एस० है तथा जो ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रान्मूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता शिश्कारी के व्यक्तिय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्य यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंकित अपिता का उपिया अपिर मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण कैन्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण कैन्या गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आध की गावस, तकत अधिनियम के सधीन कर दंते के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या तससे बचले में स्थिश के सिए: अपि/का
- (ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की विन्ही धारतीय प्रायकार जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्त जिभीनयम, या अन-धर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जारा नरिति या या, किया जारा नरिति या, विश्वपत्ती में मुविधा ने जा

अत अत्त. उक्त अधिनियम की धारा 269-म **को बन्सरभ** मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतियित व्यक्तियों अधीन :- छा० छत्तर ित्यानंद श्रीप संग (एच०य० एफ०) मीडिश्ल ालोज केमपस, कालियर, बनंमान हेम-गृष्ट गलोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरङ्)

2. श्री स्तेह्शाह् सुपुत िशाद शाह् निवासी एम-18, ग्रैटर कैनाश-1, नई दिन्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

नक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में शोड़ों भी अहारिय :----

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा.
- (क) इस सूचना के टाय्यूयू में प्रकारन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगिल्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास निर्मित्त में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 का में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

प्रथम भ्रीर दूसरा खण्ड, प्लाट नं० 18, ब्लाक एम. वादादी 500 वर्ष गज्ज, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेण अक्षम प्राधिकारी

सह्।यक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखाः: 27-1-1986

मोहरः

प्रारूप आहूरे. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ए यू०/1/367-ईई/6-85/ 123---श्रत मझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) तिंचसे इसमें इसमें इसमें दरकात् (इसत जीवनियम का सक्त पना ही), अही भारत 269-क से नभीन सक्षम प्रतिभक्तरी को बहु विकास करने का कारण है कि स्थानर पन्तित्व, विकास उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं फ्लाट नं बी-231 है तथा ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रमुसुची में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधितारी के तार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्ष्त संयक्ति के जीवत वाकार ब्रूक्य से कम के स्थानान प्रतिश्वन के सिए अंतरित की गई है और ब्रुक्स सह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संभ्यक्ति का उचित वाजार मुख्य उसके स्थामान प्रतिश्वस सं, इंबे स्थाना प्रतिश्वस का वन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और वन्तरक (बन्बरका) और अन्वरिती (बन्तरिशियाँ) के बीच होते अन्वरूप के सिए तथ् पाया यथा प्रतिश्वास, निश्नितिश्वस उद्देश्य से स्वत्त बन्तरक निर्मिश भें जास्तविक कथ से कथित नहीं किया यहा है कि

- (क) न्त्रूरण से हुई कि बी बाव की वावत, अक्ष अधिनियम से सभीन कार को के बन्धरक से वासित्य में कभी करने वा बच्चे बचने में बृधिका के लिए; बीर/ना
- (क) ऐसी किसी जान वा किसी भन वा अन्त आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय कायतार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपना परिधानियम, रा प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकार नहीं दिया गरा वा या किया जाना बाहिए था, स्थिन में भूतिया वी लिए:

जतः असः, उदा अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिगित व्यक्तियों, अर्थातः :--

 श्री हरजीत लिए सुपुत स्थापि गृथवाचन सिंह 9-ए, माडल टाउन, फगवाडा।

(भ्रन्तुरक्)

 श्री एन० एल० यहुगल यपुत्र स्वर्गीय लाला लाहौरी बी-1, थापुर जालोनी, फगवाङ्ग।

(भ्रन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त्र में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रव्यावन की दालीब से 45 विन की कार्याय या दर्श्वचेषः व्यापित्वा पृष्ठ स्थान की वार्याम के 30 विक की वार्याय, की की कार्याय को वार्याय होती हो, ने भीतार प्रविचत कार्याय में वी व्याप्त होती हो, ने भीतार प्रविचत कार्यायमां में वी व्याप्त कार्याय प्रवास;
- (स) रून सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के जीतर उक्त रूथावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निस्ति में किए जा सकेंगे।

मन्स्चो

प्रोपटींज नं० बी-231, ग्रैटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

न्नार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (सिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-1-1986

प्रकपः बार्डः ठीः, एसः, एकः, -----

भायकर जिथितियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

शारत संस्कान

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1986

िनर्देश सं० ग्राई० - ए०सी०/एक्यू०/I/- एस० ग्रार०-/2 6-85/126—-ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश ⊓यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो एन-10 ग्रैटर कैलाण-I नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वित्ति है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध हारी के लार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, नारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रितिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की वायत्, उपत् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के टर्शयत्य में कभी कार्त या उससे वचने में सुविधा क लिए, और/या
- (क) ऐसी किही बाब या किसी वन या कम्य वास्तियाँ यहां जिल्हों भारतीय अहकतर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, कियाने में सुनिया औ लिए;

 मेजर अनरल प्रेम नाथ साहनी एम-10, ग्रैटर कैलाण 1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रनिल नेठ श्रीमती मधू नेठ मांस्टर बरुन नेठ ग्रीर मुख्न नेठ, बी-1, धैलाण श्रपार्टमेंट, नई. दिल्ली।

(श्रन्त्रिती)

को यह सुचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

डक्त संपत्ति के कर्पन के संघंध में कोई भी बाक्रीय हा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (व) इंच स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड तिविक्त में किए या तक में।

स्थाकीकरणः — इसमें प्रयुक्त सथ्यों और पदौं का, ओ उप्पक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कथं होगा. ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मन्द्रची

फी होल्ड कालोनी, ग्रैटर कैलाश-1. नई दिल्ली-110048 तावादी बना हुआ 2300 वर्ग फ़ीट।

> आर०पी०राजेश नक्षम श्राधनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्राजेन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मारीख: 27-1-1986

पक्ष भार्द . टा . एव . एस . ------

बायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्**व**ा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/6-85/127---आहः मुझे आर० पी० राजेश बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एमड़े पासल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का गरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

प्रोर जिसकी सं० डी-423 है तथा जो डिफेंस वालोनी, नई विल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपालद अनुसूची में ग्रार पूर्ण क्य से विल्ली है), रिजस्ट्रीक्ती अधिवारी के वार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन वारीक जन 1985

1.00,000/- रत. से अधिक है

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रव्यमान पतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप में कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व भी कभी करने या उससे बचाने में सृविधा प्रियस्त के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाव वा किसी धन या बन्ध आस्तियों को फिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिपाने में मृतिधा के लिए;

क्षतः क्षत्र, उत्तर **विधितियम की धारा** 269-म की बन्नरण पी. भी तक्त अ**धिनियम की धारा** 269-म की उपधारा (1) च अधीर निम्मी, किन, व्यक्तियों, अधीत :——

- 1. भी पास गुमार बहुत (बिंग टमांडर) रिटायर्ड नं० 2 रविरा मेरिन डाइव बम्बई-400020। (ग्रन्टरक)
- 2. श्री दिनेश कुमार जैन एम० यू० एफ० डी-423. डिक्रेंन ालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के फिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ः---

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार
- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कीय

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशादिक हाँ वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

डी०-423 डिफेंग ऋलोनी, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रवितारी सहायक श्रायद्वर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 27-1-1986

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्**यत (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, न**ई** दल्लो

नई दिल्ली, दिनाँक 27 जनवरी, 1986

निर्देण सं० श्राई० ए० मी०/एक्य्/1/एस० श्रार०-3/6-85/129--यतः मुझे श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० बो-109 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्य ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता श्रिधिशारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का

16) के स्रधीन नारीख गृन 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पहुंह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियो , अर्थात् :--- (1) श्रो रिविन्द्र श्रलाग पत्नी सरदार निवद्ग सिंह, निवासी सी-48, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) वृज मोहन लाल एण्ड एमोसिएटस (एओपी), द्वारा भुमन काँत, सुपुत्र श्री ब्जमोहन लाल गुंजराल, निवासी 26, माडल टाउन, लिधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस ग्लग के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक्करणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्रोपर्टी नं० बी-109, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली तादादी 1000 वर्ग गज

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज∼1, नई दिल्ली

दिनौंक : 27-1-1936

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० एक्यू/1/एस० प्रार०-3/6-85/124--यतः मुझे, प्रार० पी० राजण भायकर अधिनिसम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनिसम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं अधिर जिनकी सं० 200 वर्ण गर्ज है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है) रजिस्होकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय

नई दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख जून 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रिक्तित के लिए अन्दरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने
का थारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे
अवस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है
और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्याँ) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितत
उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथिख
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, जिएनो में सुविधा के लिए;

कतः सक, जस्त सधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तिसवीं, अथित, — (1) शिव कुमार सुपुत्र स्वर्गीय नारायण दास
 2-ई/23, लाजपत नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) दयाल भ्रोप्टिकल्स,
2-डी /33 लाजपत नगर,
नई दिल्ली, द्वारा पार्टनर दयाल दास,
सुपुत्र श्री नेभ राज कालरा,
निवासी सी-1, ग्रेटर कैलाण,
नई दिल्ली एन्कलेब-2

(श्रप्तरितौ)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्भात्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितः द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुखी

प्रोपर्टी नं० 2-ई/25, साजपत नगर, नई विल्ली, तादादी 200 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश अक्षम प्राधिकारी सहायकग्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼1, नई दिल्ली

दिनाँक : 27-1-1986

तका बार्च हो. एन्, व्यं .---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन शुच्या

श्रारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 27 जनवरी, 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु०/1/एस० म्रार०-3/ 6-85/128--यतः मुझे, म्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० क्षेत्रफल 1738 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जून 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक इंप से किया गया इं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपन सिध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए स्नार/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों कों, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केरीबए;

जत: जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नतिसित व्यक्तिसमें, जर्थात् ह— (1) ग्रमर हाउन विल्डर्स, बो-47, द्वारा एटोर्नी श्री बी बी ग्रग्रवाल, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) नन्द लाल सुपुत्र इकबाल , निवासी सी-746, यु फ्रेन्डस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी अरके पृत्र कत सम्वित्त को अर्थार को लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जयत राम्या रह के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वविध बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ध्यिपतयों में से दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तांरीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्त में किए वा सकने।

भ्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू ची

तादाद्री 1738 वर्ग फीट, (लान समेत) ई-544, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनाँक : 27-1-1986

प्रकथ बाहाँ ही. एस. एस. ------

जायभार जिथितियेक, 1961 (196; का 43) की धारा 269-ज (।) के अधीन स्थनः

प्रारत चहुकार

कार्यासय, सहायक शायकर आवृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु/2/37ईई/6-85/704 यत: मुझे, म्रार० पी० राजेश

नायकर मिधिनियम, 1361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिकित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित अखार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं रिषेश नं 1 बेसमेंट फ्लोर, है तथा जो सम्माट भवन, प्लाट नं 7, 8 ग्रीर 9 रनजीत नगर, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यात्रय नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन नारीख जून, 1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिनियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की, अनुसरण काँ, मीँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (।) से सुधीनः निम्मिणियसं व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री म्रार० मी० सूद एण्ड कम्पनी लि०, इरोस निनेमा, बिल्डिंग, जंग पुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली- 14

(ग्रन्तरक)

(2) म्राई० डी० क्वात्रा, सुपुत्र एस सरुप सिंह, जे-31, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

की कह स्वन। जारी करके प्राजन सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवादियां करता हो।

सक्त सम्पत्ति को तर्पन को सम्बन्ध मां कोड़ी भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

मन्सूची

स्पेस नं ० 1, बेामेंट फ्लीर, सम्बाट भवन, प्लाट नं ० ए-७, 8, 9 रनजीत नगर, कम्मुनिटी सेंटर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 517 वर्ग फीट लीज होल्ड।

श्चार० पी० राजेण नक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाँक : 3-2-1986

प्रकृप बार्ड . ट. एम. एक. - - ---

बरवभस्र अधिनियस, 1965 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के लधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक वायकर आध्वत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज्य 2, सुई दिहर्ला

नई दिल्ली, दिलांक 3 फरवरी, 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी० एक्य/2/37ईई/*६*--85/705 धनः मुझे शार० ती पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनंत जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा-269-क के अधीन सम्भम प्रक्रिकारी को, यह विश्वान कारन का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदिन बाजार मृन्य 1,00,090/- क. से अधिक हो

और िसकी संव प्रविधारिक विद्या 33, 43, है हथा जो इमें मीटिए नंव 43, राजिस्तारी हैं हैं किली में स्थित हैं (ऑड इमरी प्राव्या पनुसूची में और पर्ण राम से विषय है) प्रविस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यावध एई विल्ली में रिजिस्ट्री-करण अधिनिसम 1961 के अधीत नार्य जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृस्य में कम के अवभाव इतिकल के लिए बस्तरित की गई हैं जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार गृस्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकस का पन्द्रह प्रतिकात सं क्षिक हैं और बन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें बन्तरण के निए तय गाया गया प्रतिकल, निम्निनिक्ति अद्योषय के उक्त बन्तरक निचित्त में नास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण सं हुई फिसी आप की बाबत उक्त अभिनियम के अभीण कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे अचने में श्रीविधा की नगः, और/बा
- (क) एले किसी बाय या किसी धन या अन्य अपितयों की विमहं भारतीय आयकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के किए;

भव: भव, जनत पश्चिमियम की भारा 269-भ के जन्मरण में, में, उत्तम जिथिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मानिखित व्यक्तियों, वशीत्:---

(1) आई० एमः मुन्दे । सिह भिरादा भूपित्व सिंह भिल्ला, पृथ्वीपाल सिंह भिल्ला, पात्रतीय सिंह भिल्ला, त्रीवर्ण सिंह भिल्ला, 43, पात्रपुर शोव, सिरिल लाइल्म, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) जय कियन दाम निवास, ए-- 7/7, राना प्रताप वाग, दिल्ली।

(घटारिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेचित सम्पत्ति के अर्जन के सिग्ध कार्यवाहियां भूक करता हुं।

वक्त सम्मत्ति के बर्जन के कम्पन्थ में कोई भी बार्क्षण :---

- (क) इस स्वाम के प्रवास में प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीन से 30 दिन की स्वाधि, वो भी अविधि नाम में समान्य होती हो, के भीतार प्रविधन व्यक्तियां जा में किसी 12 : वारास.
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संम्यत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यापित द्वारा अधोहन्ताधारी के पास लिखिल में थिए व: मकोंगे।

स्थळ्टीकरण .—इसमा प्रमुद्ध शन्धा और पता आ, जर्ग उवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

यनसूची

श्रविमाज्य योयर 334115 वर्ष मीटर नं० 43, राष्पुर रोड़, सिविल लाइन्स, दिल्लील-110054

> ापण पंजि पाजेण संक्षम वाधिकारी समायक शाक्षको धायुक्त (किर्व क्षण) धार्व केंट्रिट, संद्वी दिल्ली

दिनांक : 3-·2-·1986

प्रकथ भाड^क ्षी. एवं. एसं. नवन-नवस्थ

काम कर लॉथनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-व (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रार्चण रेज-८५ एडी फिल्ली

नई विल्लंं, विन्तंक 3 फरवरी, 1986

निदेश एं० पाई० एभी० एक्यू/2/3755/6--- श्रहाः मुझे शाय० पी० अञ्चेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

औं जिसकी संव पाउ संव 104 है जबा की प्रथम राज्य ही जी जी प्रथम राज्य ही जी जा जिस्सा के प्रयम राज्य ही जी जिस्सा है (फ्रांट इससे इपाबद अनुसूर्य में ऑस पर्य हम से प्रणित है) जिस्ही वर्स फ्रिक्सिंग के कार्यालय परि दिल्ली में आध्वार अधिनियम 196 के प्रथम राज्य हम हम 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिकाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण दिलिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (फ) सन्तरण से हुएं किसी बाब की शख्त, राजक सिमियंत्र के बंबीन कर दोने के झन्तरफ खें दायित्व में सभी करने या उससे बणते के सुधिबा के लिए; सौर/या
- (क) एंसी किसी बाग या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय कायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त बधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यायनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया काना काहिए बा, क्रियान में नृष्यिभा के लिए;

सतः त्रव उक्त समितियम की भारा १६०-स के असुमरण पा, भी, उक्त अधिनियम की भारा १६९-म की उपभारा (1) इं श्रेमीट निज्नसिसित क्रिक्तिमाँ, वर्षाक ध्रेस्स

- (1) मनीर प्रेमार्टी : एन्ड इन्डर्स्ट्रांच वि० ;
 102-103, राजा हाउम,
 30-31, सेनक प्लेस, नई दिल्ली ।
 (पर एक)
- (2) भनाज मिलिक,
 बी-15, ग्रीन पार्थ, एक्सटेंभन,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के सिए आर्जविष्ठियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की शामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए का सक्ति।

स्पथ्डीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अभिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा वो उस अभ्याय में दिवा सवा है।

अन्सूची

फ्लेट नं ० 104, लगभग क्षेत्रफल 495 वर्ग फीट 1, प्रथम खन्ड, प्लाट नं ० बं $\sim 1/2$, भाजादपुर कर लेक्स , नैर्न बाल बाग, दिल्ली , लीज होल्ड ।

धार०र्पा० पानेश सक्षन प्राप्तिकारी सहाग्रात पानकार जासुका (किंश्वण) श्रानेत रेंज⊶2, नई दिल्ली

विनांक : 3 · 2-1986

शक्य बाहे. टी. व्य. **१थ**्मण्यक्य

नायकड विधित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने व्योग स्मान

STATE STATE

कार्यालय, सहायक बायक र बाय्क्स (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरचरी, 1986

निदेश मं० श्राई० ए० मी० एस्या 2/37ईई/6--85/707----श्रतः मझे श्राप्र पी० राजेश

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. स आयक हुं
और जिसकी संक फलेट लंक 310 है तथा जो तीसरा खन्छ, प्लाट नंक वी-1/2 प्राजादपुर समिशियल हाउस, वई दिल्ली में स्थित हैं (और इसके उपायद निसूची में और पूर्णक्य में कणित हैं) रिजस्ट्रीकर्नी प्रधिकर्नी प्रशिकारी के कार्यालय वई दिल्ली में पार्तीय श्राय एकाधितियम 1961 के प्रधीत नारीख जून 1985 को पूर्वोक्त संपरित के उन्ति बाजार मुख्य से कम के स्थमाय प्रतिकास को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास प्रतिकास को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उन्ति बाजार बुक्त उसके स्थमाय प्रतिकास के स्थमाय प्रतिकास के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उन्ति बाजार बुक्त उसके स्थमाय प्रतिकास के लिए बन्तरित को एका स्थमाय प्रतिकास का स्थाप प्रविकास का स्थाप के स्थमाय प्रतिकास का स्थित का स्थाप का स्थाप की स्थाप के स्थाप वीकास है और नन्तरक (बन्तरक) नीर बन्तरित (अन्तरित का स्थाप की स्थाप का स्

में बास्ती बक रूप से कथित नहीं किया पया है ---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की पायता, जनत जीभिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक औ द्यायरण में कभी करने या उससे व्यवने में सुविधा कंकिए: जॉर/या
- (क) एथी किसी काय या किसी बन या अन्य आसिता को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा प्रकृत अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरित वृद्धार प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपान में सुविधा के निष्:

क्सः अथ , जवत अधिनियम की मारा 269-य की समुद्धरक हों , जों , जवत लीपीनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के बामीन जिल्लाजित काविनालों समृत् क्ष्मान 19 —506GI/85 (1) भनेर प्रोपर्टीज एन्ड इन्डस्ट्रं ज लि०, 102-103, राज हाउस, 30-3', नेहरु फ्लेस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री नरेण भन्डारी, सुपुत्र नय्यर णमी हीजरी सराफा, लुधियाना (पंजाब)

(अन्तरिती)

कार्य वह मुखना आरी करनी प्यानित संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आहे भी नास्तंप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की अधीभ मा तत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर स्थान की लामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

च्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस ें खाय में विया गमा हैं।

प्रनुसूची

फ्लेट नं 310,तीसरा खन्छ, क्षेत्रफल 350 वर्ग फीट, ज्लाट नै बी-1/2, श्राजावपुर नम्पलेक्स लीज होल्ड ।

ग्रार० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रापैन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 3-2-1986

प्रकृष शाहा है . वर्ष , एस , मन्यवन्यान्यवन्यन

कायकार कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंग-2 नई दिल्ली

नई दिल्ला दिनांक 3 फरत्ररी 1986

निदेश मं० छ।ई० ए० चाँ० प्रस्यु०। २, ३७ईई, ६- ८५। ७०५--थन: सुझे, श्रार० पी० राजेश

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्यामें हमके प्रकार 'उन्त सिपिनियम' कहा गया हैं), कों भाषा 200-राजे अधीन अधार आधिकारी को, यह विश्वास करने अस्तारण में कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 1,00,000/- राज से अधिक है

श्रीः जिसकी स० है तथा जो मुलतानी डाँडा, पहाडगंज, नई (उल्ली: में थिए) हे (ऑग इसण उपावड श्रृपुचा में और पूर्ण का से दिल्ली: में थिए। है (अंग इसण उपावड श्रृपुचा में और पूर्ण का से दिल्ली: में भारती। अल्ला अधितियम 1961 के श्रधीन तारीख जून 1985

्रवीयत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान भौतफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृत्रे अलने का कारण है कि मभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्ण, उमके असमान प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का रूप्यूह प्रतिकास से स्विक है बीर अन्तरक (जन्तरका) कीर अस्तिरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एरे जन्तरण के जिए सम राजा गरा प्रतिफल कियालित उच्चरेष से उच्च अन्तरण रूप्यूष्ट के स्वर्ग क्या के स्वीवस्त जन्तर से स्वर्ग कराइ

- हराई करकरण हो हुन्तर फिल्मी भारत की नाक्षम जलत निष विकास के अधीन हराद वांगे की अध्वयक के काविरण वो कवी करने या कराने नवाने वो वृत्तिभा के विष्य; अहर/प्रत

लत: जब उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्रोब , निम्मिकिष्ति व्यक्तियम समित (1) कुण्णा देवी श्री गंगा राम, राम प्रदाश, रामजी दास, चमन लाल मनोहल लाल जगदीण नाल, निवास: 9399/9, मुल्तानी ढांडा, पहाडगंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाण, निवासी 820%/6, मुल्लानी ढाडा, पहाडगंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को नह कुणना चारी करने प्यॉक्त सन्यत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियों करता हों:

अपन सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस ब्रुचना के याजवन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की धनीय ना तत्त्वकारणी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की ब्रुचिय, को भी वसीय वाद में समान्य होती हो. के भीतर पूजेंगा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थाय;
- (क) इस धूजना भी राजधन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनक स्थानर सम्पत्ति में दिवनक्ष किसी अन्य अविन्तु ब्लाय अधोहस्ताक्षरी के बाद किसिस में किस का करोंने ।

श्रनुस्ता

9399/9, मुहनानी ढाष्ट्रा पहाडगंज, ाई विर्ह्मा लीज होल्ड, 1500 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 3-2-1986

प्रकृष शाही, ही, एन्, पुर्व .-----

भायकर नीभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की पारी 269-म (1) के नभीन सुचना

बाइव बडका

कार्यात्रय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाशक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला नईदिल्ली दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेण सं० आई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6—85/709 अत: मुझे आ"० पी० राजेंश

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परफात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिपकी सं० पलैट नं० 107 है तथा जो प्रथम खण्ड, प्लाट नं० बी-1/2, श्राजादपुर जमणियल कम्पलेवस, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपम उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1901 के अधीन तारीच जन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाय की वाबत उक्त निध-भिवस के अधीन कहु दोने की अन्तर्क के ताबित्व में कमी करने वा उक्त विश्वन में सुविधा की सिए, नार/या
- (क) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या के आ अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्लाने में सुविभा र तिरा;

जतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विकासिकित व्यक्तिकारों अधीय क्र---

- (1) भनोट प्रापटींज एण्ड एण्डल्ट्रीज लि०, 102, 103, राजा हाउत, 30-31, नेहरु हाउस, नई दिल्ली।
 - (अन्तर्भः)
- (2) एस० एस० चावला, ए-92, गुजरावाला टाउन फेस-1, दिल्ली-110007

(अन्तरिती)

को यह स्थान चारी करको पुर्वाकर सम्पाल क जान के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्क सम्पत्ति के क्षेत्र के सम्बन्ध में काल भी काल ५ .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति क्वार
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीण सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपांत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, बही अर्थ होगा थो जस अध्याय में दिया स्या है।

वन्स्यी

पलेट ने० 107, लगभग 455 वर्ग फीट, प्रथम खन्ड, प्लाट नं० बी-1/2, आजादपुर कर्माणयल कम्पलेक्म, नेनीवाला बाग, दिल्ल लिज होल्ड ।

आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 3-2-1986

प्ररूप नाइं्टी एन एस .------

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिख्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 फरवरी, 1986

निदेश मं० आई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6-85/710 अत: भुझे आर० पी० राजेण

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नियम परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- का से अधिक है

भीर जिल्ला सं० एफ एफ 204/दूमरा खन्ड है तथा जो प्लाट नं० 6, कीरि नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड़ अनुमूची में और पूर्ण एक से विणित है) पिनिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख जून 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के काबित्व में कभी करने या उससे क्यने में स्विधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आहितायों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

बतः नव, उक्त नीभीनवन की भारा 269-ए की अनुवरण में, में, उक्त जीभीनवन की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, मधीत् १--- (1) हकुमत राय एन्ड एसोसिएटस प्रा० लि०, सी-2/4, कमिशयल शोधिम सेंटर, अशोक विहार फेस-2, दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) ग्रन्जू आर० भौहान, 8-मी माल्वा मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासपे उ---

- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्यविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 किन के भीतर उक्त ल्यावर सम्पत्ति में हिए-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिम्बित में किए का सकींगे।

स्वाकिरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों सौर पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, को कन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया नेवा हैं।

वयुक्ती

एफ० एफ०-204/दूसरा खन्ड, प्ताट नं० 6, कीर्ती नगर, विल्ली लोकल प्रापिंग सेंटर, दिल्ली 253 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 3-2-1986

मोहर

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

वायकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की वायकार 269-व (1) के स्वीद क्षा

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जावकर बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 फण्यरी, 1986

िर्देश सं० পাई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6∼85/711— জাব: मुझे আবত পী০ ধাজীগ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सभम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने कह कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं ० एफ एफ 203/दूरारा खन्ड है तथा जो प्लाट नं ० ८, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुमूची में श्रीर पूर्ण कर से यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ए।यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम नारीख जुन 1985

को पूर्वोधस संपित्त को उधित नाजार मुस्य से कम के व्यवसाय असिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य, उसके क्ष्रयभान प्रतिफल से, ए हे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अपिक ही भीर अन्तरक (बन्तरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे बन्तरण के लिए तम नाया गया प्रतिक का निम्निसियित उद्विषय से उच्त क्यारण निवित में नास्त-विक कम से काथित नहीं किया नया है

- (क) बन्बारण से हुन् विन्धी बाद की बन्दत, उपर वर्षिशीनयम के बचीन कर दमें के बन्दारक की दावित्य में कभी कड़ने वा उत्तसे बज़ने में सुनिधा वो सिए; बड़ि/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयो था वा किया चाला चाहिए था क्याने में सुविधा के लिए;

गतः जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हफ्नुमत शाय एसोशिएटस प्रा० लि०, सी-2/4, कमिश्रयल शार्षिण सेंटर, अशोक विहार, फैस-2, विल्ली।

(अन्तरक)

(2) जै० एल० मल्होत्रा,8/25, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विष की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, ओ भी नविध नाव में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्विका काविसामों में से किसी ध्यक्ति कुमारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में दिसवद्ध फिसी बन्य स्थावत इवारा जश्जेब्स्ताझरी के पास सिक्ति में किए जा मुकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया हैं।

अनुसूची

एफ एफ 203/दूमरा खन्ड, प्याट नं० 6, कीर्ती मगर, लोकल गापिंग सेंटर नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 3-2-1986

मोहर 🕄

प्रकम बाई : दी. एव. एव : ------

बायकारु विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 3 फरवरी, 1986

चिर्वेण सं० आई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6—85/712— अन: मुझे आप० पी० पाजेण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ठांर जिसकी सं० पलेंट नं० वी-7 ष्रांप 8/इन्टर-5/है ध्या जो रनजीत भगर, कम्युनिटी मेटर, नई दिख्ली में स्थित हैं (ष्रांप इसने उनाबड अनुमूचों में ग्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को प्वेंक्स सम्मित्त के उषित बाजार मृश्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने को कारण ही कि यथापूर्वोंक्स संपर्तित का उषित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए स्य पाया गया प्रिफाल, निम्नीनिवित उद्वेद्य से उक्स कन्तरण निवित्त में अस्तिक कप ने कियत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से लुई किसी आय की बाबत, उक्स बिधिनियम से बधीन कर देने के अन्तरक वो दाधिरल में कमी करने या तससे बचने में सुविधा को लिए; बांड/बा
- (क) एसी किसी आग या किसी भन या अस्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा भन-कर रूपिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अर रिती द्वारा प्रकट वहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिका

सतः अब, उत्तर नियमियम की पारा 269-व नी अनुसरक मे, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डून अपार्टमेंट प्रा० लि०, एम०-70,ग्रेटर कैलाश-1, मार्कीट नई दिल्ली-110048

(अन्तिनिती)

(2) ज्योति हेनिंग कारपोरणन, 114, प्रमंत्र भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्दर्भारती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्षन के निव् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीध या तस्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्भिवित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वसा है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं ० बी-7 स्रोर 8/ईन्टर -5, नजीत नगर, कप्युनिटी नई दिल्ली लोज होल्ड, 639 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 3-2-1986

प्रकार वार्ष छ हो। हम्ब हुन्। । । । । । ।

भावकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के भवीन ब्यूना

नाउत् बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $% \frac{1}{2} = \frac{$

निदेश सं० ब्राई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6-95/713 श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 208, प्रथम खन्ड है तथा जो बी/2389 कृत्ता शाहजी चावड़ी बाजार दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कृष में बिणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1901 के श्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया शित-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ने हुइ किसी बाव की बावत, छक्छ वीधनिक्य के बधीन कर दोने में बन्तक्षक के खिन्स में कभी करने वा बच्चे बचने में बुविचा में जिए; मीड़/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनयन, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियन, या चनकर विभिन्नन, या चनकर विभिन्नन, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना वाहिए था, कियाने में बृविधा वो विक्राः

नवः मधः, उन्त विधितियमं की धारा 269-न के अन्वर्थ में, में. सक्त विधितयमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के व्योग, निस्ममिकित व्यक्तियों, वर्षात् ४००(1) श्रत्पाइन प्रोपर्टी ग्रा० लि०, वी/2389, कृत्ता चावडी शाहजी बाजार, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मोही राम सुपुत्र श्रमा राम शर्मा, सी-10/4, माडल टाउन, दिल्ली ग्रौर श्री जयदेव गर्ग, पूत्र श्री माँगे राम ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना बारी फरके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यगिहियां करवा हुएं।

क्ष्मत सन्तरित के वर्षन के सन्तरभ में कोई भी आक्षप ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभिया तस्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्श व्यक्तिकों में से किसी स्थितत हुवाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्पीकरण: --इसमें प्रमुक्त धन्मों और पर्यो का, को उत्रध अभिनियत के लभ्याय 20-क में प्रिशाणित है, यही नर्श होगा, को उस धभ्याय में विधा घटा है।

मन्स्ची

प्रोपर्टी का भाग रम नं० 208, कारपीट क्षेत्रफल 100 वर्ग फीट प्रथम खन्ड प्रापर्टी वी/2389, छन्ना णाहजी चौवड़ी बागार, दिल्ली फी होल्ड।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 क्**र दिल्ली**

दिनाँक : 3−2−1986

मोह्नर :

प्ररूप बाही, टी. एन. एस. ५----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्पना

नारत सरकार

काशीयन, राष्ट्रामक जामकार जागृक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निदेश मं० श्राई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6-85/714⊸न्थ्रनः मुझे श्रार०पी० राजेण

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें दश्यात् 'उनत मिथिनियम' कहा गया हैं)., की बारा 269-स के अधीन अधाम प्रापिकारों को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं 2 तलखण्ड, है तथा जो प्रापटी 5/2389, कटना शाहजी चावडी बाजार दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपायद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण कर से बणित

है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जुन 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्ति संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के भग्रह प्रतिशत से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरका) और अग्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पास ग्या प्रतिभाज, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिल्लाक के निए तथ कार्य ग्रां प्रतिभाज, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि निए तथ कार्य के व्यवस्था के व्यवस्था कार्य कार्य के कार्य कार्य के विश्वस्था के व्यवस्था कार्य कार्य

- (क) जीतरण ते हुई किसी आव की वावत, उनत शिक्षित्रय के अधीन कर वेते के जन्तरक से वायित्व में कमी करके या उत्तरे अचने में सुविधा के लिए; थार/या
- (क) एसी किसी माम या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा से आए;

कतः जब, उच्त विधिनियम की धारा 269-ग के बगुकरम् मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिधित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) अल्पाइन प्रोपर्टीस प्रा० लि०, वी/2389, कृता गाहजी चावड़ी बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) पवन कुमार जैन, सुपुत्र वाल चन्द निवासी एच∼24, प्योति नगर, लीनी रोड़ शाहदरा श्रौर श्रन्य।

(अन्तरिती)

को वह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

चक्त संपत्ति के धर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन कि खबर्ध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरमची

प्रोपर्टीज का भाग नं० 2 कारपीट क्षेत्रफल 23 वर्ग फीट धरातल खन्ड प्रोपर्टी वी/2389 छोटा गाहजी चौबड़ी बाजार दिल्ली । फी होल्ड ।

> श्रार.० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनौंक : 3-2-1986

प्रक्य बाह्र . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० माई० ए० सी०/ एक्यु०/2/37ईई/6~85/ 715--म्रतः मुझे भ्रार०पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 311 है तथा जो सिंडोकेट हाउस, प्लाट नं० 3, श्रोस्ड रोहतक रोड़, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाग्रज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वा कि सम्पत्ति के प्रियत बाबार बूक्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से एसे अयमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया जमा प्रतिफल, निम्निसिवित उद्योग्य से उच्त बन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित महीं जिला नवा है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की गावत, उब्स्य अधिनियस के अधीन कर्द दोने के बन्तरक के बाबित्स में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा से सिष्टा बीड/बा
- (वा) एसी किसी आय या किसी थन या बन्य बारितयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्षीन. निम्निसिक्त अधिनायों, अधीत् ६—— 20—506 GI/85

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटरस यूबी-1, श्रंसल भवन, 16, के० जी० गाँधो मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) हर्नेमत छिड्डर एन्ड मिसेस शारदा छावड़ा, पत्नी श्री सूरज नारायन छावड़ा, 5/19, प्रथम खन्ड, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

(भ्रन्तरिती)

भी वह स्वना कारी करके पुनोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के विश्व कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र कृषना की तानील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वध्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पद्यों का, जो उक्त विभिनियम के बंध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया वर्षा है [3]

प्रनुसूची

स्पेम नं० 311, तीसरा खन्ड, सिंडीकेट हाउम, प्लाट नं० 3, स्रोल्ड रोड़, दिल्ली, तादादी 256 वर्गफीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-2, नई दिल्ली

दिनौंक: 3-2-1986

प्ररूप बाहै .टी. एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० माई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6~85/716 मत: मुझे बार० पी० राजेश

वाषकर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं अविभाज्य ग्रेयर है तथा जो 485 वर्ग मीटर, 43 राजपुर रोड़, सिविल लाईन्स दिल्ली में स्थित है (ब्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विणल है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जुन 85

को पूर्वोक्या सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के राष्यमान प्रतिक्रत को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके राष्यमान प्रतिफल से, ऐसे राष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की अवर उसत अधिनियम के अधीन कर दन के अवरक अ बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ भी सम्भारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अधील् (1) भुखबेन सिंह मिलक, भूपिन्द्र सिंह मिलक पृथ्वी पाल सिंह मिलक, दलजीत सिंह, कंवरजीत सिंह 43, राजपुर, रोड़ सिधिल लाईन्स, नई दिल्ली-110054

(मन्तरक)

(2) राज गुप्ता, बी - 1/19, भशोक विहार फेस-2, दिल्ली।

(अक्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-चित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंबंधि

म्रविभाज्य गेथर 485 मीटर प्रीमस न० 43, राजपुर रोड सिविल लाइन्स दिल्ली बिल्डिंग बनी 1909

> न्नार० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-- 2, नई दिल्ली

दिनौंक : 3 **- 2 -** 1986

प्ररूप आर्ड: टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्युo/2/37ईई/6-85/717 श्रतः मुझें श्रार० पी० राजश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संश्राहपुर रोड़ है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित

है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मुखबेन सिंह मिलिक,
भृपिन्त्र सिंह मिलिक, पृथ्वी पाल सिंह मिलिक,
बलजीस सिंह भौर कंवरजीत सिंह मिलिक,
43, राजपुर रोड़, नई विल्ली,
सिविल लाईन्स।

(मन्सरक)

(2) श्रानामा गुप्ता बी⊸1/19, श्रमोक निहार, विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रविभाज्य शेयर 250.83 वर्ग मीटर नं० 43, राजपुर रोड, भिविल लाईन्न किल्लो।

> श्रीर० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रान रूप श्रीसक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनौक: 3-2-1986

मोहर 👉

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)
अर्जन रेंज~ 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निर्देण सं० प्राई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6-85/718--प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भौर जिसकी सं० 43, राजपुर रोड़ है तथा जो नई दिल्ली
सिविल लाईन्स में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विलित हैं) रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के
कार्यान्य नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961
के श्रीन तारीख जून 1985

को पूर्विक्त संपर्धित के उमित बाजार मूल्य रे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त संपर्धित का उम्बत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यम न प्रतिफल का बन्त्रह रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कं बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मुखबेन सिंह मिलिक, भूपिन्दर सिंह मिलिक पृथ्वीपाल सिंह मिलिक, बलजीत सिंह मिलिक कंवरजीत सिंह मिलिक 43 राजपुर रोड़ सिविल लाईन्स नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) द्युब मेल्स प्रा० लि० 2880 बजार सिकरी वालान होजखास दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्यी

म्रविभाज्य शेयर 334.45 वर्गमीटर नं० 43 राजपुर रोड़ मिविल लाईनिस रोड़ नई दिल्ची फी होल्ड।

> श्रार० पी'० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे⊷2, नई दिल्ली

दिनाँक: 3-2-1986

इक्य बार्ड . टी . एन . एस ------

सामकर समितियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्पना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दालन)

म्प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली,दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यु०/2/37ईई/6-85/719-श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 43, राजपुर राष्ट्र है तथा जो सिविल लाइंस रोइ, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जून 1985

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरच के लिए उन नाया गया प्रतिक्कस, निम्नसिश्ति उद्वर्षय से उच्च बन्तरण सिश्चित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विश्वित्रक की अधीन कर दोने के वृत्युक की दावित्य में कनी करवे वा उच्च वच्च के पुणिया के तिया; व्यक्तिया
- (क) एवी किसी नाव वा किसी थन वा बन्य वास्तिवीं को विन्दू भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा वृक्कर बहुँचिनियम, 1957 (1957 का 27) से मुख्यवार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्वा था या किया बासा चाहिए था, कियाने में वृत्विश से निव्द;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुखबेन सिंह मिलिक, पृथ्वी पाल सिंह लमिक बलजीत सिंह मिलिक, कंवर जीत मिह मिलिक. 43 राजपुर रोड़ सिविल लाइंस रोड़ दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) बृज बिहारी गुप्ता 1/51 स्रमीक विहार दिल्ली स्रौर मीना द्रीवान एच-2/22, माझल टाउन दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुएं।

ब बत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह---

- (क) ास सचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्याक्तयों पर क्ष्मता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति । पिकसी में से किसी म्यासित ब्यारा;
- (क्यों अस द्वना के राजपन में त्रकासन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हि तबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोगें।

स्वच्योकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस बच्चाय में दिया गया

अनुसूची

स्रविभाभ्य शेयर 585 वर्ग मीटर नं० 43 राजपुर रोड़, सिविल लाइन्म रोड़, दिल्ली-110054

> स्नार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाँक: 3-·2--1986

प्रकृष बाह्", टी. एन. एस. . ------

भायकर व्यक्तिग्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को नवीन मुख्या

नार्व बहुन्तर

काश्रीवयः, तहायक वाधकर वायुक्त (निर्दीक्षण)

म्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु०|2|37**ईई**|6**∽85|780** भ्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी धारा 269-इ से अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है जि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 43, राजपुर रोष्ट्र है तथा जो सिविल लाइंस रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीअर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख जून 1985

को पूर्वेक्स सम्परित से जिल्दा बाबार मून्य से कम की वस्त्रज्ञान शिक्षक के लिए अन्तरित की गर्वे हैं और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार शूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल का पल्चह प्रतिकृत से निभक है जीर नंतरक (नंतरकों) नीर नंतरिश्वी (बन्तरिश्वियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तब पाया नवा प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिवित में इस्तिबृक्ष क्य वे कृष्यित नहीं दिक्ता गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई हैंकती जाय की बावत उपल आरेष-विद्यंत के स्वीप कड़ दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी मदाने ना कड़के बज़ने में बृष्टिभा के जिए और/बा
- ्च) देशी किसी नाव या निश्ती धन या नत्य आस्तियों कर्ती, जिन्हें भारतीय नाय्कड को धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वन्तिद्वी द्वारा प्रकट नहीं किया न्या धा वा किया असा आहिए था, कियाने में वृत्या से शिक्ट

अत: अव, उच्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उच्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तितमों, अर्थात्:--- (1) श्रीएस० मुख्यानियासिहमिलक, गुपिन्दर सिंह मिलक, पृथ्वी पाल सिंह मिलिक, दलजीत सिंह कंबर जीत सिंह मिलिक, 43, राजपुर रोड़, सिविल लाइन्स, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) गिरि राज गुप्ता, ई- 1/2, श्रणोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाही करता हूं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की जनिय का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की व्यक्ति, को भी जनिय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (थ) इस तूमना के राज्यन में प्रकाबन की शारीय थे 45 दिन के भीत्रु उक्त स्थावर संपत्ति में दिस-क्यूप किसी अन्य कांच्य ब्यारा नभोहस्ताकरी के पास सिविस में किए या स्कोंने।

स्पाक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्दों का, जो उक्त व्यक्तिका के बच्चाल 20-क में परिभाषिक हैं, बही वर्ष होगा को उस बच्चाय में विका नवा है।

अनुसूची

श्रविभाज्य शेयर 250.83 वर्ग मीटर नं० '34राजपुर रोड, सिविल लाइंग रोड, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ("नरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नईदिल्ली

दिनाँक : 3-2-1986

प्रकृप भारती, शी. एवं. एकं. ----

णायकर शिधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन स्चमा

नारत तरमार

कार्यानय , बहायक मानकर मानुक्त (निर्देशक)

अर्जम रेंज-2, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनाक 3 फरवरी, 1986 मिदेंश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/6-85/721 अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट सी-6 बैंक हाउस है तथा जो 21, राजिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय गई दिल्ली में भारतीय अधिनियम 1961 के अधीन तारीख गुन 1985

- (का) बन्तप्रक ते हुन्दं किसी बाय की बावंड, क्या विविद्यक के वधीन कह दोने के बन्दाहक के स्वीतस्य में कभी कहने वा उसके बचने में स्विधा के क्यि; नीर/वा
- (थ) एंसी किसी बाब या किसी वन या बन्न कारिसारों की, जिन्हें भारतीन सामकर विभिनियम, 1923 (1922 का 11) या उनत् वृधिनियम, या वन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती इतार प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना था, कियाने में बुविधा के सिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण नै, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्मिलिकित स्थितियों, सर्थात् ध—- (1) सुभाष विनटर जयरथ, सी-86, डिकोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आई० डी० क्वाबा जे-31, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जायी करको पूर्वोक्स संपत्ति को जर्बन के सिए कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त संवत्ति को वर्णन को संबंध में काही भी नावीय :---

- (६) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी क्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसात में किए वा सकेंगे।

स्वयाकिरण:—इसमे प्रयुक्त सम्बाँ भीर पर्यों का, शो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कर्माणयल आफिस फ्लेट नं० 6, बैक हाउस,गाजिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली, 8 स्टोरी मंजिल, फ्लेट क्षेत्रफल 100 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिस्सी

दिभांक : 3-2-1986

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस. -----

लागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/6−85/ 722---अत: मुझे, आ२० पी० राजेश,

क्लायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रकास् 'छयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थानर संपीध जिसका उच्चित बाजार मूख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

म्रांर जिसकी सं० 47/17 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणि। है) एजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्याक्य नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्विक्त संस्थित के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यमान जीतका सं लिए जतिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित वाजार ब्रुच, असके द्वयमान प्रतिफल से, एोसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार ने अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के बाक्तिय में कनी करने वा उक्त बचने में तृषिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

(1) हरोग सुरुव स्वर्गीय राम गोविन्द राम भाटिया, 47/17, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्भर क)

(2) आणा श्ररोड़ा, पत्नी कें ० जे ० अरोड़ा, 2/47, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---ध्समें प्रयुक्त क्षक्वों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

मान नं॰ 47/17, ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली, लीज होल्ड 200 वर्गगज सरहार द्वारा बनाई प्रापर्टी ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अय, उक्त अधिमियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, हजत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलीवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनां ह : 3-2-1986

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की ंग 269-व (1) के नभीन सुचना

नारत प्रश्यार

कार्यालय, सहायक बायकर बावुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० स्राई० ए● सी०/एक्यू०/2/37-इइ/6-85/723-यतः, मुझे, स्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रुट्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स्पेस सं० 120 प्रथम खण्ड, है तथा जो सिडीकेट हाउस, फाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का अधित बाजार बृज्य. उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष् सब शाक्षा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की आवत, उसके अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे दचने में जुनिया के जिए; बार बा/
- (कः एसी किसी बाब या किसी वन वा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21—506 GI/85

(1) एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यूबी-1, ग्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सीमा केशर एण्ड सुधा दत्ता हारा जे० के० मैडिकोस इन्द्रापुरी ताजपुर रोड़, लुधियाना (पंजाब)।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना बाह्री काहके प्रशिवस संपत्ति के वर्णन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानत स्वासः;
- (वा) इस सुवाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध, किसी जन्म क्यक्ति इवारा नथोहस्ताक्षरी के शक्त जिल्ला में किए वा सकाये।

स्थान्द्रीकरणः --इसमें प्रबुक्त कव्यों और पदों का, यो उक्त विधिनयम को वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उक्क कथ्याय में दिवा गया है।

वन्युका

स्पेत नं । 120 , प्रथम खण्ड, निडीकेट हाउत, प्लाट नं । 3, श्रोल्ड रोह्य रोड, दिल्ली सुपर बिल्ट 320 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्रावि नारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-2-1986

क्षा बार् । ब्रांट सुन्द प्राट -----

कार्यकार व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीत सूच्या

कार्यांत्रण, सङ्घायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

म**ई दिल्ली, दिमां**क 3 **फ**रवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/2/37इइ/6-85/724---यत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

जायकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 43, राजपुर रोड है तथा जो सिविल लाइन्स दिल्ली है 110054 में स्थित है (ग्राँग इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँग पूर्ण का से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मुख्य से कर के रहयमान वितिक्षत के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार बृत्य, उसके दृदयमान प्रतिकास से एसे दृदयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रोत्तात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण किचित में बास्तिका एस से किसत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण संहर्ष किसी शय का गावा, उक्त अधिनियम के जभीत कर दोने क अन्तरक के वावित्य में कानी कारने या उन्तरे वण्णे में सूर्विका के लिए; जीर/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को जिन्हों

कतः अय, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के अमृसरण वें, में, सक्त विधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- (1) मुखबेन सिंह मिलिक,
 भृषिन्द्र सिंह मिलिक,
 पृथ्वी पाल शिंह मिलिक,
 दलजीन सिंह मिलिक और
 कंवरजीत सिंह मिलिक,
 43, राजपुर रोड, सिविल लाइन्स, दिख्ली।
 (अन्तरक)
- (2) परम राम गुष्ता, निवासी ६-11/22,अमोक विहार-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना बाटी करके पूर्वोक्त कमित के वर्षन के निव कार्यनाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप रू-

- (क) इस त्यना के रायपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृत्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पायां करण :---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्यात में विमा गया है।

अनुसूची

अविभाष्य शेयर 485 वर्ग मीटर नं० 43, राजपुर रोज, सावल सावन्स, दिल्ली-110054---फी होस्ड।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**जैन रें**ज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 3-2-1986

बच्य बार्चु ही, पुष्, पुष्, अवस्त

बारशंकर निमितियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) में स्पीप स्थमा

THE PERSON

कार्यात्व, बद्दाम्क नायकर मायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/6-85/ 725--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धास 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आन कारण है कि स्थापर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ-एक-101/प्रथम खन्ड है तथा जो प्लाट नं० 6, कीर्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्री~ कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मूल्य से कन के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी नाम की नामछ अन्तर अधिनियम के जभीन कर वाने के अस्तरक के खरियल में कनी करने या उत्तने मधने में स्विधा के लिए; भीर/या
- (थ) द्वेसी किसी अब वा किसी वन वा बन्व वास्तिवां को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अवाबनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना धा वा किया वाना वाहिए था, कियाने कें वृतिथा औं किए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कें अधीर, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) मैं ० हुमत राय एण्ड एसोसिएद्स प्रा० लि०, सी-2/4, कर्माशयल सेन्टर ग्रगोक विहार, फेश-2, विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० कमला एयर प्रोडक्टस, जी-74, कीर्ति नगर, नई विरूली ।

(भन्तरिती)

को यह स्वना कारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

क्या कमरित के वर्षन के कमरूप भी आहे भी बाह्यें 🏣

- (क), इस ब्युना के उपक्षम के प्रकारण की वासीय है 48 दिन की जनभि वा तत्सम्बन्दी व्यक्तियों पर स्कार की तासीस से 30 दिन की संवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एफ एफ ~102 प्रथम बन्ध प्लाट नं० 6, कीति नगर, लोकल शायिग सेन्टर, नुरर मेन्टर, सुदर एरिया 300 वर्ग फीट 1 लीज होल्ड ।

> ग्रार० पी० राजेण ाशम पाक्षिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षा) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: : 3··2-1986

प्रकल बाह्र दी. एन . एन : ------

नावशर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-% (1) के संधीन सूचनः

भारत रहकाउ

काशीनन, बहानक क्षेत्रक र नाम्बद (निर्माणन)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 3 फरवरी 1986 निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/6/85/726~-ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण

अपनकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रज्ञात 'तनक अभिनियम' कहा गया हैं।, की भार 269-च के अभीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिल्ला त्रांचत आजार मृत्य 1.00,000/- 75 से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ एफ 101 प्रथम खण्ड है तथा जो प्लाट नं० 6, कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे आयकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख जून, 1935

को पृथिकित सम्पत्ति के जिन्त बाबार मृत्य से कप के ६२यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निरवास करके का कारण है कि मशापूर्विक्य सम्बद्धि कम उचित वाचार बृत्य, उनके अव्यवान प्रतिफल से एसे अववान शिक्कत का बन्द्रह प्रतिशत से लीधक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पत्मा गया प्रति-कल निम्निलिखित उच्छोपम में उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कशित रही निया गया है ——

- [क] अल्प्स्थ से हुई किसी बाब की गायत, उक्त वीधीनश्रम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में क्यी करने वा उक्त वक्ते में सुविधा के लिए; लीट/या
- (च) इस्ते किसी आय या किसी भन मा ल्या आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिति तक, 1922 (1927 का 11) वा उक्त आंगिनवन, या धनकर अभितियमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) मैं ० हकुमत राय एण्ड एसोनिएट्स प्रा० लि०, सी-4/कम्युनिटी सेन्टर, श्रशोक विहार-2, दिल्ली-32:1

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० ग्रार० हब, मकान नं० 8,
 रोड नं० 4, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरिती)

को अह सुवारा आर्थ करके पृथीलत सम्मास्ति के वर्षन को लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

जक्त कर्मात्त भे वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी वाध्येष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की बनीय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वत्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोकत व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोकत
- विश्व वृत्रका के राज्यन के अकावन की शारीन के 46 विश्व के डीजर क्या स्थानर कम्मीता के दिस्त्यव्य विश्वी कृष्य अनुविद्य दुवारा क्योंद्रस्थाकरी के पास क्षितिस के जिस् का बकीने श

त्रकृतकरणः --इसमें प्रमुक्त कन्यों अरिश्वों का, वा कन्य विधिनयन के अध्यास 20-क में परिशापित हीं,, शहो अर्थ होगा को सम अध्यास में दिला का ही।

मनुमुची

एक एफ 101 प्रथम खण्ड प्लाट नं० 6, कीर्ति नगर, लोकल शापिंग निस्टर, नई दिल्ली नादाद्री 294 वर्ग फोट।

> ग्नार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

भक्तः भा उन्त अधिनियम की भारा 269-व की जन्मरण मों, मों, प्रकृत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीत, निम्निचिक्त व्यक्तिमों, अर्थात् :--

तारीख : 3-2-1986

Windowski to Company to the control of the control

प्रकम बाइ . टी . ब्ल . एस . ------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिर्दाफ 3 फरवरी 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण 'इ' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्प्रीर जिसकी स० बी० एफ०- 2 बेममेंट फ्लोर है तथा जो लाट नं० 6, कीनि तगर, लोकल शापिंग सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विलित है), रिजस्ट्री ध्री श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रीकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीम तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्निसित उद्विस्य से उक्त अंतरण निचित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बंधने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के लिए;

क्तः श्व, उक्त सीभीनयम की भारा 269-ग के बन्सरण कों, में, उक्त जीधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे बभीन, जिम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मैं ० हक्युमत राय एण्ड एसोसिएट्स प्रा० लि०, सो - 2/4, कमिशियल गार्पिंग सेन्टर, प्राणोक्त विहार- 2, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) सत्या भूषण वधवा, 9/49-ए, इण्डस्ट्रियल एरिया, क्रोर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को भर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ;----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्याक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — १ समे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उन्नत अधि-नियम के अध्यात 20-क में परिभाषित है, श्रद्धी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

श्चनुसुची

बी० एफ०- 21 बेसमेंट फ्लोर प्लाट नं० 6, कीिंग्नगर, लोक्स गापिंग मेंट्र, मई दिल्ली सुपर एरिया 115 वर्ग फीट सीज होसड़।

> श्रार० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीख : 3 2-1986

प्राक्ष आई. टी. इन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल**य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)**श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 3 जनवरी 1986
निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/6-85/728--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी० एफ० 1 बेंसमेंट खण्ड, प्लाट नं० 6 है तथा कीर्ति नगर, लोकल भाषिंग सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में श्रायकरश्रधिनियम, 1961 के श्रधीत तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त औधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं व हकुमत राय एण्ड एसोगिएटस प्राव्ह लिव, सी 4, कम्युनिटी शापिंग सेन्टर, श्रशोक विहार, दिल्ली 32 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० सेठी सुनील करपनी, एच 86, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ते 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

बी० एक १ बैसमेंट फ्लोर लाट नं० ६, कीर्ति नगर, शापिंग मेन्टर, नई दिल्ली 310 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सद्धम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

तारी**ख** : 3-2-1986

प्रक्ष बार्ष: ही. एप. एस्.----

बाय्यक ग्रॉप्नियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-प (1) वे गंधीन ब्या**न

FIELD SERVE

कार्याजन, तहायक वायकार वायुक्त (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज-ं2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निवेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०/2/37 ईई०/6-85/729--अतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संवीत्व विज्ञा उजिल वाकार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० एस० पी० 2, दूसरा खण्ड प्लाट नं० 2, ब्लाक एच, श्रार० सी० एस० है तथा जो श्रशोक विहार, पार्ट-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबक्क श्रन् मूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वेक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुर्भे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उध्योध्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक हप में अध्यत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बारिस्क में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कम भा या किया जाना धाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के कथीन निम्मतिचित् व्यक्तियों अधित् ह--- (1) मैं ० हकुमत राय एण्ड एसोसिएट्स प्रा० लि०, सी~2/4, णापिंग सेन्टर, श्रशोक विहार, फेय-2, नई दिल्ली-52।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल एच० यू० एफ० द्वारा श्रार० एल० गुप्ता सुपुत्र श्री देवा सिंह, नियासी श्राई० ए० 63-बी, श्रशोक विहार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत सम्बन्धि को नर्जन को संबंध जो कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ब) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिस्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

नन्त्ची

एस० एफ० नं० 2, दूसरा खण्ड, ब्लाट नं० 2, ब्लाक एच० ग्रार० सी० एस०, प्रशोक विहार फेस-1, दिल्ली-52 ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 3-2-1986

प्रकथ बाइं.टी. एम. एस. -----

बायकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारु 269-व (1) के नवीन स्वया

भारतः सरकात्र

कार्यालय, तहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/2/37 ईई०/6-85
730--प्रतः मुझे, ध्राप् पी० राजेश
बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विधि इसके इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा
269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थाप् कव्यति, जिनस्था दिश्वार गृज्य १,00,000/-छ से अधिक है और जिनकी सं० एस० एफ-3, दुसरा खण्ड, ज्लाद नं० 2.

ग्रीर जिनकी सं० एस० एफ-3, दूसरा खण्ड, प्लाट नं० 2, बलाक है तथा जो प्रशोध विहार, एस० एस० सी० दिल्ली-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के नार्यालय, नई दिल्ली में आयकर अधिनयम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985 को पूर्वें के सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रस्थमान प्रतिकृत को गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंक्र भित्र से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितकों) के बीच एवं अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितकों) के बीच एवं अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितकों) के बीच एवं अन्तरक (अन्तरकों) के बीच एवं अन्तरक (अन्तरकों) को स्वाधिक के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तारण से हुन निजी भाग की वानता, उपय वरिष्युक्त भी वशीप शह वर्ष में अन्तरक के वादित्य में क्यी करने वा वसने मचार्थ में शृतिभा के सिए; और/मा
- (वा) होती कियों नाम वा जिया वृत्या सम्ब आदिएकी करों, जिन्हें आहरीय वाय-सह विभिन्नय, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिन्नियम, या धनकर वृत्यिनियम, या धनकर वृत्यिनियम, 1957 (1957 का 27) हो अयोजनार्थ सन्दर्शिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिये था. कियान में स्विका की विद्राः

सत ११व, उक्त विधिनियम की भाग 269-म के वनुसरम था, भी, रमत विधिनियम की भाग 269-न की उपभाग (1) क विधीन, तिम्मिनियित सामितवीं विभीत :--- (2) मैं ० हर्मिश राय एण्ड एसोमिएट्स प्रा० लि०, मी-2/4, गापिंग सेन्टर प्रशोक विहार, फेस-2, दिल्ली-52

TO THE THE PARTY OF THE PARTY O

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल गुप्ता श्रौर श्री श्रार० एल० गुप्ता, श्राई०-ए, 63, बो श्रशोक विहार, दिल्ली- 52। (श्रन्तरिती)

वा वह शूचना भारी करके पृत्रांक्य सम्पृत्य के वर्षन के किए कार्यमाहियां करता हों ॥

क्या बुम्पृतिस के बर्धन के सम्बन्ध में कोई सी बार्काप:---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकायन की तारीच से 45 दिवा की व्यक्ति या तस्त्रावाची व्यक्तियों कर स्थान की दासीच से 30 दिन की संविध, को भी वंशिय बाद में समाप्त होती हो, को भीवर प्राविस व्यक्तियों में से किसी स्थानक क्थाशा?
- (थ) इस सूचाना को राज्यम में प्रकाशन की शारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म का किस इसारा ज्याहरताकारों के नाल सिचित में किस वा सकोने।

स्वाचिक्य का अपनिषय के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिका म्या हैं ...

अनुसूची

एस० एफ-3, दूसरा खण्ड प्लाट नं० 2, एच ब्लाक, श्रशोक बिहार, एल० एस० सी०, दिल्ली-52।

> त्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 3-2-1986

प्रस्य कर्ता, टी. एव. एष.------

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत तरकार

कार्बासय, सहायक जायकर नामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/37 ईई०/6-85/ 1731--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व से अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० एफ-4, दूसरा खण्ड, प्लाट नं० 2, एच ब्ला ह एल० एस० सी० दिल्ली-52 है तथा जो श्रणोक विहार, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985

को प्वें कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वें कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेदिय से उक्त जंतरण सिचित में वास्तविक क्या से किवत नहीं किया गया है है—

- (क) नंतरण ते हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिस्य में अभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी भन रहे स्पृष्ट प्रास्तिएएं की, जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए।

बतः जवः, उमत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुतरम जो, मो, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधिक भिन्निकिन् अधिक्याएः, जधाति —— 22—506G1/85 (1) मैं० हकुमत राय एसोसिएट्स प्रा० ति०, सी/2-4, शापिंग सेन्टर श्रशोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती पद्मा गुन्ता पत्नी श्री श्रार० एन० गुन्ता, 1/ए/63-बी, श्रशोक विहार, फेस-1, विल्ली-52 ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जयत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हुन्स

- (कां) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धं 45 विन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वान की तामील से 30 विन की अन्तिथ, को भी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्ति सिं किस में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एफ० 4, दूसरा खण्ड, प्लाट नं० 2, एच० टलाक, एल० एस० सी० अशोक विहार, दिल्ली – 52 । 218 स्के० फीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मारीखा : 3-2-1986

and the state of t

प्ररूप आर्च.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत बरकार

कार्यालय, स**हा**यक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निदेश मं० धाई० ए० मी०/एक्यू०/2/37 ईई/6~85/732~-अनः मुझे, श्रार० पी० राजेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 265-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं। ग्रीमिनकी सं० बी० पी० 104 है तथा जो शालीमार वाग,

ग्रीरिंगियकी संव वीव पीव 104 है तथा जो णालीमार वाग, विल्ली - 52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुपूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रात्मफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का व्यारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वाद से अधिक और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंच्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सं किए:

अत: अब, अबत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण सो, मौ अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारत (१) हो अधीन निमनिविक्ति अधिकतारों, अधीन निमनिविक्ति अधीन (1) श्री तस्त राम प्रातन्य 3327, गली प्रधान वाली, ग्रायंपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा सर्ताण कुमार एण्ड ग्रानन्द कुमार 1/242, गलो पंजा शरीफ, कश्मीरी गेट, दिल्ली-6। (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्के में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ग्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

ग्र**म्**सूची

श्रन्**स्**ची

्लाट नं० बी० पी०-104, शालीमार बाग, दिल्ली-52 लीज होल्ड । 126 स्फ० मीटर ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोज-2, नई हिस्सी

दिनौंक: 3-2-1986

मो*हर*ः

प्रक्ष भाई. टी. एन. एस. -----

बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-व (1) कै अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौं हु 3 फरवरी 1986 निदेश सं० श्चाई० ए० मी०/एक्यू०/2/37 ईई०/6--85/ 733---श्चतः मुझे, श्चार० पी० राजेण,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रध्यात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हैं। जिल्हासन सम्पर्धित, जिस्तार उद्यित साआर म्ह्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० एन० एफ - 1 है तथा जो दूपरा खण्ड, प्लाट नं० 2, श्रमांक विहार, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधीन तारीख जून, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित नाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिपन्न के लिए अंति रत को पह है और मूक्ते यह निह्नात करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उभित शाबार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का प्रमुद्ध प्रतिपत्त से अभिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरिश्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिपत्त कल निम्मालिक उद्वरिय से उक्त अंतरण सिक्ति में वास्त-विक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दाने की अत्रक की वायित्व ने कामी कारने या उत्तक क्यों क्विया के लिए: और/था
- (क) ऐसी किसी आय ए किसी धन या जन्य आस्तियों कर्ता, फिल्हा भारतोय टेंचल जो प्राप्तियं , 1992 (1992 का १९) था चलक श्रीधनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया बागा वाहिए या, क्रियाने में कृषिना वे विष्

बत:, बंब, डाक्स विभिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण मो, भी तकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) है बचीन, निम्नीजिखित स्पेक्तियों, समित् :---

- (1) श्रो राकेण गुज्ता सुपृत श्री के० सो० गुप्ता, 862/6, मेन बाजार, मेहरौली रोड, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हकुमत राय एण्ड एसोसिएट्म प्रा० लि०, 5228/2, श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के भिन्न कार्यवाहिलों करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्योक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिप बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवास अधिहरका के क्षे पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्यक्कीकरण --- इसमें प्रयास्त शन्दों का एक स्व स्थाप का का स्थाप का स्थाप का प्रयास के सम्याद 20-क में परिस्थापिक की स्थाप को स्थाप की स्

4444

एम० एफ० दूतरा खण्ड, न्लाट नं० 2, एच ब्लाक, श्रहोक विहार, एन० एस० मी०, दिल्ली—52 ।

> न्नार० पी० राजेण सक्षम प्राधि जरी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 3-2-1986 माहर

प्रस्य बार्च , धी , ह्रुच , प्रच , मननन्त्रक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के भाषीन कृषना

नारत बरकार

कार्याजय, सहायक वायकर बायक्त (निक्तिका) अर्जन रेंण-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 फरवरी 1986 निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 **ईई०/७-85/** 734---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर सिंधानसम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें ध्रसके पश्चात् 'उनत सिंधिनसम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/-ऊ. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी मं० एफ एफ 104 है तथा जो प्रथम खण्ड नं० 6, कीर्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में आयकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख जून, 1985

ां पृशेंक्स सम्पत्ति के रिवित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गड़ा प्रतिफ ल्लीम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गड़ा है:——

- (क्र) अन्तरण को हुई किथी नाम की वावधा, उनत अभिनियम को अभीन कर दाने को अन्तरक को वाक्तिय में कनी करने या उच्चत वचाने में सुविधा को सिष्; और/वा
- (क्ट) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को बिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन धनकर अधिनियम, या धन धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ० हकुमत राय एण्ड एसोसिएट्स प्रा० लि०, सी-2/4, कर्माशयल शापिंग सेन्टर, श्रशोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(श्रन्तर्क)

(2) केंपसन इंजीनियरिंग जी-74, प्रथम खण्ड, ज्लाट नं० 6, कीर्ति नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्रोप :-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के शास निस्ति में किए जा सकोंगे।

त्नव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त व्यक्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस वध्याय में क्या गया है।

मन्सूची

एफ० एफ० 104, प्रथम खण्ड, प्लाट नं० 6, कीति नगर, दिल्ली।

> श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 3-2-1986

प्रस्य बाइ .टी.एस.एस.-----

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नभीन सुचना

शारत सरकार

कार्यातय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाँक 3 फरवरी 1986

मिदेण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/6-85/ 735--म्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उसत अधिनियम' बहु। गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका निवत बाबार मृत्य 1,00,000/-एं. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एफ एफ 103 है तथा प्रथम खण्ड प्लाट नं 6, कीनि नगर, लोकल शापिंग सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपायड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 के श्रीधीन तारीख जून, 1985 को प्राक्तर सम्पास के जीवत बाजार मृत्य स कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि एसे किया गया है :--

- (क) बन्धरण से हुइ किसी साम की बावत उक्त स्थित नियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के शायित्य में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए; सरि/या
- (ण) एसी किसी जार या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) ► अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थींष् ६—

- (1) मैं ० हकुमत राय एण्ड एसो(सएट्स प्रा० लि०, सी-2/4, कर्माणयल शापिंग सेन्टर, प्रशोक विहार, फेस-2, दिल्ली-52। (अन्तरक)
- (2) मैं० अनील इतेक्ट्रोडस, जी-74, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह सुचना जारों करक पृथाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अवधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी जबिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्टि व्यक्तियों में के किसी त्यक्ति द्वारा;
- (स) ५५ स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्पट्टिकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में विस्था सवा है।

अनुसूची

एफ० एफ० 103, प्रथम खण्ड, ज्वाद नं० 6, कीति नगर, लोकल जार्मिंग सेन्टर, नई दिल्ली। 330 स्कॅ० फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्राप्कत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, नई दिल्ली

तारीख : 3-2-1986

प्रारूप आर्द्रः टी. एस एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नभीन सुचना

भारत सरकात

कार्थालय., सहायक भायकर भायकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज; 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निदेण गं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/6-85/736—म्प्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आवकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च क अभीन सभाम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अोल्ड रोहतक रोड है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्री क्वी श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधितियम, 1961 के श्रिधीन तारीखू जून, 1985

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाबार मून्य सं कम के दृश्यमाम प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास कारते का कमरण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूच्या, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से एसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच दृष्टे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्त-जिं क्य से किथत नहीं किया क्या है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंसरक के दायित्य में अभी करने या उससे यचने में सुकिभा के लिए; और/बा
- (वा) इती किसी आव वा किसी भन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं० एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स यू० बी०-1, श्रांसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री हरविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हरिजन्द्र सिंह, सर्कल रोड, देहरादून 248001। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व है**45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

स्पेय नं० 301, तीयरा खण्ड, सिंडीकेट हाउस, प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहनक रोड, दिल्ली 335 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे–2, नई दिल्ली

तारीख . 3-2-1986 मोहर: प्रकल आइं.की.एन.एरु.----

क्षायकार आधिनियम, 1961 (1961 ला 23) का छन। **269-म (1) के बधीन मुख्या**

भारत धरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनां है 3 फ़रवरी 1986

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू० 2/37 ईई० 6-85 737--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश बायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मुख्य

1,00 000/- स्त. से अधिक है भ्रौर जिल्ली लं॰ 1 4, धरतिल खण्ड है तथा जो 2524.84 वर्ग फीट प्रथम खण्ड, ग्रीर वरणाती 905.20 वर्ग फीट में स्थित है (ग्रांग इतम उपाबद अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीयर्ता ग्रिधितःरी के ार्यालय, नई दिल्ली में भ्रायक्र स्रधिनियम, 1961 के स्रधीन तारीख जुन, 1985 **को** पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य संकम के **उपय**मान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्क है करने का विश्वास यह कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके सरमान प्रतिफल सं ए'से इष्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अपिका **है और** अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तिरिती (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुदोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से कथित वहीं किया गया है:---

- (पां नामाण्यः संहार क्रिसी काय की शायत्, वावकः शांक्षितसम् के जनीत् अर दोने के बंतरक के नामितक या कमी करले या बसले नामने मां सुविधा के जिए। शास्त्रीया
- (बा) एसी किसी बाय यह किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार बीधनियम, 1922 (1922 का 11) यह उन्नत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं कियर गया था या किया बाना काहिए था, छिपाने में मुनिशा की खिए,

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निमालिस्ति व्यक्तिसयों, अधीत्:-- (1) श्री धिव भागंच सुपुत श्री केणव दत्त, 7/8, रूप नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार भागंत्र सुप्रत्न . श्री केणव दत्त भागर्ज. 7/8, रूप नगर दिल्ली-7 ।

(ग्रन्तिरती)

को बहु सुषमा बारी शर्रकं पूर्वीक्ष सम्यक्ति के नर्जन के सिए कार्यवाहिमां करता हु .

उन्ह सम्पत्ति के कर्णन का सम्बन्ध में काहा था बार्जप

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से
 45 रिन की अविधि या तत्स्विधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामीन से 30 दिन की अविधि जो भी
 नविध याद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे कि
 स्विक्तयों में से किसी अविकास
- (वा) इस सुचन के रावपत्र में प्रकाशन को तार कि र 45 विन क भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य स्थानित त्वारा, नथोहस्ताकारी के पाद निविद्यत में किस् वा सकींचे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ज्ञिया है।

अनुसूची

1 4, णेयर ग्र**वि**भाज्य णेयर मकाल नं० 7/8, रूप नगर, विल्ली-- 7 ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶2, नई दिल्ली

त्रीख : 3−2−1986

मोहर '

प्रकृष् आह्रौ.टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्मन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 3 फ़रवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० मी० एस्पू०/2/37 ईई०/6-85/ 738---ग्रत मुझे, ग्राए० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिस्की सं स्पेस नं 2, दूसरा खण्ड है तथा जो अनुपम भवत, ए 1/3, नैनीयाला बाग आजादपुर, दिल्ली 434 वर्ग फीट में स्थित है (और इसमे उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री र्ता यिश्वारी के कार्यालय, नई दिल्ली में अन्य रूर आधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के के लिए;

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के आ कर। बो, मी, उक्त बिधिनियम की भारा 269-म की अपकर (१, के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् :--- (1) मैं आर० सी० सूद एण्ड कम्पनी लिमिटेड, इरोज सिनमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(म्रन्तरह)

(2) श्री राजेश खुए मुप्रव स्वर्गीय एम० एल० चुग, एण्ड मुमित चुग पत्नी श्री राजेश चुग, 217, भारत नगर दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त हारोती हो, के भीतर पूर्वोंक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 बिंग के भीतर पूर्विक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

स्पेश नं 2, दूसरा खण्ड स्रनुषम भवन, ब्ला टनं 0 ए-1/3, नैनीबाल बाग, श्राजादपुर, दिल्ली 434 वर्ग फ़ीट 0

ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजन रेजेंच2, नई दिल्ली

तारीख : 3-2-1986 मोह्रः : प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एसं. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 3 फरवरी 1986

कायकर कांधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'जन्म चिनियम' कहा क्या हैं। की धारा 269-ल की अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी संख्या 96, वर्ग फीट है तथा जो जावड़ी बजार, दिस्ली में स्थित (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के सायांचय नई दिल्ली में भारतीय भागकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुन 1985

करे पृथेकित सम्यान के लिखत बाजार मृत्य में कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्स सम्यान का जीवन माजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहाई किसी अध्य की लावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किन्ती धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--23---506 GI/85

- (1) म्रत्सहम प्रोपटींच प्रा० लिमि० बी_/ 2389, छोटा जहुजी चावड़ी, बाजार, दिल्ली (श्रन्वरक)
- (2) श्री नरेश महाजन सुपुत बी० श्रार० महाजन 454, फ़ेक्ष-2, मौहाली पॅजाब (श्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र हैं प्रकारक की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में जावान भी तारीन से 45 दिन के भीतर उकत स्थापर राम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरण:—इसमें प्रश्नक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमुची

प्रापर्टी का हिस्सा एम नं० 207 बारपोट एरिया 9 6 वर्ग प्रथम खन्ड वी/2389 छोटा शाहजी चावड़ी बाजार दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहाय अप्यारश्रासुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, दिल्ली, नई दिली-110002

वारीख 1 3-2-86 मोहर 1 प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-% के सधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली ठारीख 3फ़रवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी॰ एक्यु० | 2/37ईई | 6-85 | 741 अतः मुझे --ग्रार० पी० राजेश

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या एच-211 है तथा जो म्रामोक विहार-1 दिल्ली से स्थित है (मोर इससे अबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञ है), रिजिस्ट्रीलर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय म्रायकर अधिकियम 1961 के म्रधीन तारीख जून 1985 को प्वोंक्स सम्पत्ति के जिचन बाजार मृत्य स कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विद्याम करने का कारण है कि मथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्स प्रतिकात से अधिक है और अंतरकों) और अंतरिती किया एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित अब्देश्य से उसने बन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किया क्या है:---

- (क) स्थलारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्य मा कसी उसते या उससे रायन म सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं जिसा गया था वा किया जान आहए था छिपाने मा सरिक्श के निए;

कर वर उच्छ अधिनियम की धारा 269-ए को अपूरातः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) क्लावती इन्डी-3ए प्रीवसपुरा दिल्ली-34 (भग्वरक)
- (2) श्री साविली बाई एच-211, अशोक विहार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहिएां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे क्रिस स्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रम्ची

प्रापर्टी न'० एच-21 1, प्रशोक्ष विहार-1, क्षिल्ली 228.7 वर्ग गज। सिगल स्टोरी।

श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (लिरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

कारीख : 3-2-1986

प्ररूप आह्र⁴.टी.एन.एस.~----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, धारीख 6 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० माई० ए० सी । एक्यू । 2 । एस० मा ४०- 1 । 6— 85 | 81 — मत: मुझे म्रार० पी० राजेश

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 21-बी है तथा जो श्री राम रोड सिविल लाइन दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री हर्ता श्रिधिशारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीशरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 18) के श्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहु प्रतिचात सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नालिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हम से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

ात. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को अनुसरण ता, माँ, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को सभीन, जिल्लामिकक व्यक्तियों, सर्थात् ध---

- (1) श्रीमती एमला देवी पत्नी स्व० श्री प्रेम लाल निवासी - 6 श्रन्डर हिल लेन सिविल लाइन दिल्ली (2) श्रीमती दया बती पत्नी श्री विजय दयाल, निवासी 2/2 नालप्ता जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ सुणरियर फ़्रेबीक्स, 16/71-ए सिविल लाइन, कानपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया अरता हू।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिएं। में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वद्ध किस। अन्य व्यायत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त घड्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गमा है।

अस्मुची

एक डबल स्टोरी महान प्लाट नं 21-बी, श्रीराम रोड, सिबिल लाइन, दिल्ली, तादाबी 27 ल वर्ग मीटर।

> म्रार० पी० राजेश स्थाम स्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिली, नई दिली-110002।

तारीख*ं 6-2*-88 मोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तोरीख 6 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी शृष्वयू०/ 2/एस-आर-1/6-85/-82--- अतः मुझे आर० पी० राजेश

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चाप् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 29, ब्लाख सी' है तथा जो काटेज रोड, अन्वर्ग नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे अनुसूची में पूर्ण ब्लास्ट से अणित है), राजस्ट्री ति अधिकारीके कार्यालय, नई दिल्ली में भारतान राजिस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) ने अधीन तारीख जुन 1985

- को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्टें वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सें, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अर!: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कुलबीप सिंह सैनी श्रीर शादर्स निवासी ई-11 महाराजा रनजींत सिंह रोड श्रादर्श नगर दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनभारी देवी परनी स्व० श्री विशम्बर दयाल निवासी-ई-38 महाराजा रनजीत सिंह रोड शादर्श नगर दिल्ली-33।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्वित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन् सूची

प्लाट नं० 29 ब्लाक 'सी' काटेज रोड **मादशं नगर** दिल्ली तादादी 422 वर्ग गज फी-होल्ड

> भारः पीः राजेश सक्षम प्रधिशारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-2-88

प्रकप आहु . टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकात

कार्यालय, सङ्घायक जायकार जायुक्त (किरीक्षाक)

मर्जनरें ज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, बिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/6~85/-83—आतः मुझे, आर०पी० ४।जेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी संख्या ए-1/8 है तथा जो राना प्रताप बाग दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्द्रीति श्रिधितारी के नार्या घर दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन सारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के की एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवायनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा वे शिवः

कतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के वनुसरण कें, केंं, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की संपंधारा (1) कें वधीन, निम्नस्थितित व्यक्तिकों, वर्धात् स— (1) श्री हरबंस लाल सुपुत्र स्व० श्री ज्योती राम निवासी-12/347 राना प्रताप बाग दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोनाल दास गुण्ता सुपुत श्री हरी राम गुण्ता निवासी 1180 मोहल्ला इमली, कुचा पाती राम, बाजार सीता राम, दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास बिक्ति में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त वर्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका नया हैं।

वनसूची

फी-होल्ड उत्तरी भाग, प्रो० नं० ए-1/8 राना प्रताप थाग, दिल्ली, दादादी-100 वर्ग गज, एरिया भाम सधोरा कलां, राज्य दिल्ली

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मावकर मायुक्त (किरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 6-2-86

प्रस्प आहे.टी.एन.एस.------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) चै वधीन सकता

भारत सरकार

क्लबिनिय, अहायक वासकर वः एक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंज-2, नई टिल्मी

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/2/एस-आर-1/6-85/-84-—अत: मुझे, आर०पी० राजेश

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिस्की सब्धा प्लाट नं० 43, रोड नं० 7, है स्था जो पंजाबी बाग, मई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनु-सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून 1985

क प्वेषित सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृक्ष, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) बार अंतरिती (अन्तरितयों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाक गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्योग से उक्त अम्तरण निम्निक केंग के किथा भहीं किया गया है हैं—

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्ययित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा को सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कलरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए ना, स्थिनने में सुविधा के निए;

बत: बच, उनत विधिनयम की धारा 269-न के बनुसरन को, मी, उनत विधिनयम की धारा 269-व की उपभारा (1) को बचीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ३ -- (1) श्री मुनक राज लखनारा सुपुत्र लाला अमर चन्द्र, निवासी 23/84 तिज्ञहमगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) गांनतो इन्द्रा नन्तो वेत्री नती नित्रू नान समी, निवासी 9/3, श्रोकार नगर, सी नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सुकना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन की जिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच बं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रनुसूची

प्रो॰ नं॰ प्लाटनं॰ 43, गली/रोडनं॰ 7, पत्राबी बाप, नहैं दिल्ली, एरिया तादादी-280. 24 वर्ग गण

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बाभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

गिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०/1/6-85/85—आः: मुझे भार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर िसकी संख्या 6/6 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली में स्थि। है (मीर इससे उपाद्यत अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीनर्ता अधिकारी के वार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जुन 1985

को पूर्योक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

- (1) श्री देश राज /6 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली (अकार ह)
- (2) श्रीदशी प्रोमिला ब्हेजा, (2) अशोक रहेजा निकासी— (2) डल्यू-1, बेस्ट पटेल नगर, मई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्रो० नं० 6/6 इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, (लिज होन्डी)

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विल्ली, भई दिल्ली-110002 ।

तारीख: 6-2-1986

मोहर 🛭

प्ररूप बाहै, टी. एन: एस्. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (जिरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली मई दिल्ली, सारीख 6 फरवरी 1986

भिवेषि सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/6-85/86--आ: मुझे, आए०पी० राजेश,

भागकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका तिवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिल्ली संख्या 26/104 है तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में रिथत है (म्रीप इससे उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से दिल्ली है) एजिएट्री नतीं अधिनारी के नायित्य, एई दिल्ली में भारतीय रिजन्ट्री नरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफात को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भाज्य, अथके क्ष्ममान प्रतिफात से एमे क्ष्यमान प्रतिफात का पन्द्रह प्रशिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के धायित्व में कमी करनी या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- को एोसी किसी आय या किन्से धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता एवारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मिष्णा वे लिए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम क्ष्री धारा 269-थ की उपाणा (1) से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ;— (1) श्रीमती चम्या, तिवासी-सी-247, डिफॉस का लेती, नहीं दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्तित मेहरा (2) धर्मी मेहरा, निवासी-25/92 शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्थाल के अर्थन के सिए करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के मंत्रंथ में कौड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वं 45 दिन की अविधि ए राज्यस्वन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

1/5 हिस्से मकान नं० 26/104 शक्ती नगर, दिस्ली, फी-होस्ब

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्रकृत बाह्र हो. एवं एक . ------

नामकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) कर्री भारा 269-ख़ (1) को नभीन सूचना

मानद संस्थाप

कार्यासय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीसन)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/-6-85/87---अत: मुझे आर०पी०राजेश

लागकर निर्मितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उनस निर्मित्रमा' महा एका हैं), की भारा 269-च के नेथीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह निष्मास करने का कारण है कि स्थानर सम्बन्धि, जिसका अभित बाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से निषक हैं

ग्रोर जिसकी संख्या 26/104 है तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाध्य अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के आवशाध बितकल के लिए अंतरित की नई है और मुक्के वह विश्वाध करने का आरण है कि संभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके द्वसमान प्रतिफल से, एके असमान प्रतिफल का पन्त्रह भित्रफल से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेषम से उचित अन्तरण सिविष्ठ के बास्तिक कप से कर्षिक नहीं किया पांचा है।

- (क) न्यारण सं हुई किसी बाव की वावसः, करव वार्थित्वम् के नवीत् कार वाने के व्यवस्था के वारित्व में कती करने ना बचवे वचने में बृधिका वे निष्: बीर/वा
- (ण) ऐसी किसी नाव का भिन्नी क्य का दाल्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या भनकर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था मा किया बाश चाहिए था, जिल्लाने में जुनिया के किए,

(1) श्रीमती पदमा मलहोता पत्नी श्री रोशम लाल मलहोता, निवासी बी-24, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशी मेहरा (2) मास्टर नितन मेहरा, निवासी 25/32 शक्ती नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां सुक करता हूं ।

बक्त समिति के वर्षन के तंबंध में कोई भी मार्बंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्रिक्सों में से किसी व्यक्ति ब्राइः
- (क) इस सूचना के कायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उनक स्थायर सम्पत्ति में हित-म्यूप किसी बन्ध स्थीतत युवारा, स्थाहस्ताकरी में पास मिथिस में किए का सकेंगे।

स्वकातिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तित्यम, के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याव में दिया नवा हैं।

मनुसूची

1/5 हिस्पे प्रो० नं० 26/104, णक्तो नगर, दिल्ली, फीह्रोल्ड

आर० पी० राजेश राक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः लव, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग में वन्सरण वें, मं, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्लिसित व्यक्तिवों, वर्धात् :----24---506GI/85

नारीख: 6-2-1986

प्रकृत बार्ड . टॉ. वृत् . वृत्

and the same and sam

लामकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) में सपीन सूचना

भारत वरकार

कार्याजयः तहामक जावकर बाब्क्स (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 6 फरवरी 1986

निर्देश पट० अ(ई० ए० मी०/एवयु०/ः/एम० आ४०-।/5-85/-88--अन: मझे आ४० पी राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/ ं से अधिक है

स्रीर शितकी संख्या 20/104 है या जो जिल्ल भार, विल्ली में स्थि। है (स्रीर इसने उपावद अनुसूची में पूर्ण कर में वर्णित है), रिल्क्ट्री लि अधिकारी के अर्थालय दिल्ली में भारतीय रिजर्ड़ी अर्थ अधिक्यम, 1908 (1908 ला. 16) के अधीक, वारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्बंधि के उचित बाजार मूख्य से कम के क्रयमान गितकान को लिए अन्तरित की गई है कि मूझें यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित दाखार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल के जन्द्र विश्वात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे क्रयमान के किए का स्थाप मा प्रतिफात. निम्नितियत अध्योष से उभत क्रयारण निम्नितिया में वास्तरिक क्रय से क्रयारण निम्निता में वास्तरिक क्रय से क्रयारण निम्निता में वास्तरिक क्रय से क्रयारण निम्निता में वास्तरिक क्रय से क्रयारण नहीं किया यथा है र

- (क) म-०२ण से हुई सिक्ती नाम की ।।अल, अक्टर निधिनियम के नशीप कर दोनें के अन्तरक के नामित्व में कमी करने वा उन्तरे प्रवृद्धिक अधिका के निष्; और्/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों यह जिन्हों भारतीय जाय-कर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्टरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा औ सिक्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर, रिम्टिहिलन व्यक्तियों, सर्थात उक्क (1) वीति हि ज्यानि मयु पत्नीश्री मदन गोपाल, निवासी-639 हाजीतग बोर्ड अवाग

THE TRACK OF SECOND AND THE SECOND SE

(अन्तर्क)

(2) श्रीमतो अजी मेहरा श्रीर माल्टर निवन मेहरा, निवासी 25/92 शक्ती नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के फि कार्यवाहियों करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नासंप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिथ या तत्सं कंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक विभागियम, को अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

नम्स्ची

1/5 भाग, प्रो० नं० 26/104 णक्ति भगर, दिल्ली, फी-होस्ड

> आर० पी० राजेश यक्षमः अधिकारी महायक आयक्ष श्रायुक्तः (निरीक्ष) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110002 ।

मारी**ख**: 3--2--86

ಹಾಗಾ ಚರ್ಚಾಗವಾರು ಎಂದು ಕ್ರಾಮಾನಿ ಬ್ಯಾಪಾರ್ ಪ್ರವ

प्ररूप बाइं.टी.एन.एच.-----

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँ रु ६ फ प्वरी 1986

निद्रेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम-आर-1/6-85/-89∼-अतः मुझे, आर०पी०राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियत' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 26/104 है तथा जो जाक्तो नगर, दिल्ली में स्थित है (ब्रीर इतने उराबढ़ श्रत्भुवो में पूर्ण का संवर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय नारीख जुन 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (जंसरकों) और अंत-रिली (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिशियात उद्धेदेय से अक्स अंतरण शिथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जंतरण से हुई किसी गाय की बायत, सक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते यचने में सुविधा के निए; भरि⁄या 🧸
- (च) एेसी किसी बाय मा किसी भन या जन्य बास्तियाँ को जिन्ही भारतीय नामकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अभिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती बीना गुलाटी, निवासी 68-ई, कमला नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती शशी भेहरा (2) मास्टर नितीन मेहरा, निवासी 25/92 णक्ती नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्जींध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित डै, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

1/5 भाग, मकान नं० 26/104 शक्तो नगर, दिल्ली

म्रार०पो० राजेश ाक्षम श्रिधकारी सहायक स्नायकर ऋायुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बतः मन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, इक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बन्नीए, निक्किसियात स्ववित्तयों, वर्णात् 🕾

तारीख: 6-2-86

मोहरः

प्रास्म आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269 च (1) को वधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सङ्घायक बामकर बाबुक्त (निर्रोक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/2/एस० श्रार०-1/6-85/-90→-श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य।,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 26/104, है तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता रीख जून 1985

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एोसे दृष्यमान प्रतिफल को विन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अंतरण सिकिस में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक का दावित्व में कनी करने वा उसके बचने में सुविधा के सिद्ध; और/वा
- (क) एोती किसी बाथ या किसी घन वा अन्य अस्सियों को, जिन्ही भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया नवा था वा किया वाना चारिक्य वा, दिवाने में व्यविधा के सिव;

नतः सव, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती विमला देवी, निवासी 26/104, शक्ती नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भागी मेहरा (2) मास्टर निनीन मेहरा, निवासी 25/82, शक्ती नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

जनत कम्पति के नर्जन के संबंध में कोई भी नामीप अ

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यांक्तया पर स्थान की तासील से 30 दिन की अवधि, खाँभा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकेंगे।

लक्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो सब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, थो उस अध्याम में विमा सक.

मनुसूची

1/5 भाग, मकान नं० 26/104, शक्ती नगर, दिल्ली, फ्री-होल्ड

ग्राग्व पीव राजेण नक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एन-आर-1/6-85/-91---अतः मुझे,आर०पी०राजेण,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं इति। 13, ब्लाक 'डी' है तथा जो मत्यवती नगर, सधोरा कर्नों, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधारी के कार्याजय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दृश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निणिखित मिलिसों, अर्थात् — (1) श्री तारा वती पत्नी महेन्द्र कुमार, निवासी 4228 श्रार्था पुरा, सब्जी मन्डी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राकेण कपूर सुपुत्र श्री णोरी लाल कपूर, निवासी 10185 नवाब गंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर राज्यति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाटनं 13, ≆लाक 'डी' तादादी 150 वर्ग गण सत्यवती नगर, एरियाग्राम सधोरा कलौं, दिल्ली खमरानं 66, 88, 89, 92, 93 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 106 श्रोप 103, 104, 105, और 107, फी-होल्ड

> आर० पी० राजेण पक्षम श्रीधकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख **।** 6--2--86 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस . -----

आयक र अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रोज-४, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक ६ फरवरी 1986

निर्देश मं० ऋदि० ए० मं/०/2/एस-ऋर-1/6-85/82----ऋतः मझे ऋर्णि० भनेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 26, ब्लाक हैं है तथा जो आदर्श नगर, दिलतें। में स्थित हैं (और इसने जयादि अनुसूची में पूर्ण रूप में बर्णित है), जीजम्द्रीकर्ता अधिदारों के बार्यालय दिस्ती में भा तीय जीजम्द्रीतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तार्जाख जून-1985

का प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19>2) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) कें अधीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ओम प्रकाश नने । अपुत्र स्व० श्री ह्यारी लाल तनेजा, निवासी 1800 साहन गंज, मन्जी मन्डी, दिल्ली, और श्री सतीण चन्दर सुपुत श्री ह्यारी लाल निवासी 84/16, केनल पार्क आजाद पुर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० प्रार० कालिया मुपुत्र श्री अभर नाथ कालिया, निवामी बी-2/6ए, माडल टाउन, दिल्ली-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्यव्यक्तिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिकाणित है, वही अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय में विया । गया है।

अनुसूची

1 1/2 विजिली मकात नं ० 26, ब्लाक 'ई' सुर्शाला मार्गं एरिया तादादी 150 वर्ग गत, स्थापित ग्राम-भरोला कालोनी, ग्रादर्ण नगर, दिल्ली, खसरा नः 262/258/217/4, 35, 36, 38, और 263/258/217/4, फी होल्ड

> श्रारः पंति राजेश स्थान प्राध ारी भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

दिनांक ' 6-2-1986

परूप बाहाँ, टौ. एत. एत.

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

भाषांत्र नहात्रक एयल्डर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजी रोज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनोदा ६ फाष्ट्री 1986
निर्देश संरु आईरु एरु मीं शुएक्ष्यूर् श्रीपसर आएरु-1/6—
85/93---आतः मुझे आरु रुपीर राजेश

कावकार अधिनियस, 1961 (1961 का 42) (त्रिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मुख्या 4633, 19-ए, है तथा जो अंसारी रोड, विरुप्त में गे, नई दिल्ला में स्थित है (ऑग इसमे उपाबद अन्मूर्चा में पूर्ण रूप से विणित है), जिल्द्रीलर्वा अधिवारी के वार्यावय विल्ली में भारतीय विज्ञाहीकरण अधिवास, 1908 (1908 वा 16) के अधीन वारीख जुन 1985

को पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के जबमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वाम करने का कारण है कि यथाप्वेकित संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके ज्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक से सिए तविपाया नचा प्रतिफल, निम्निक्षितिया उद्देश्य से उन्त अन्तरण मिनिक्त में कर निम्निक स्पार्थ क्षित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण साह्यां कि ती काथ की बाबत जावत आधि-निष्म के वर्षीय कार दान के बन्तरक के दासित्य को कभी करने वा जकते बचाने में जुविका की सिको
- (क) एरेरी किसी आय या किसी भन या बन्व आस्तिक्षी करी, विन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1932 की 11) के उन्देश अधिरायम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयाजनाओं अन्तरिसी दवारा प्रकट नहाँ । काम नथा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूनिधा व जिल्हे;

- (1) मैं० शाला द्रेष्ठमं, 2678 तर्र मण्या, विस्ली, वारा मनीण चन्द गुप्ता भुपुत्र श्री हरीण चन्द गुप्ता, श्री गाला कुमार जैन, श्री शाला कुमार जैन, गुपुत्र श्री व्यव्या पैन श्री श्रापुत्र गुप्ता सुपुत्र श्री मनीण पन्द गुप्ता और मंग्रथ जैन सुपुत्र श्री शाला कुमार जैन भागीवार जिनासी-7/3 विष्या गोला नई दिल्ली (श्रन्तास्त)
- (2) मैं० एस० बी० पी० कन्स्ल्टैन्ट एन्ड इन्जीनियर्स प्रा० लि० 4/45 रूप नगर, दिल्ली, द्वाराश्री छार० के० गुप्ता सुपुत्र श्री मूल चन्द गुप्ता मैनेजिंग डाईरेक्टर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजेंक्स सम्यन्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त संपर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशत की तारींच कै 45 विन की अविध या उत्संतरीं प्रस्माना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति अवारा:
- (च) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिआवित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस सध्याय में दिया गवा हैं।

यग्त्यीं

सामने का भाग अन्डर बेसमेंट तादादी 1290 वर्ग फीट प्रो० न० 4633, 19 ए, दरिया गंज, असारी रोड, नई दिल्ली फी-होल्ड ।

> आग० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त भिश्वित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नांशिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 6-2-1986

प्ररूप नार्चार टर्चे । **एक् , प्रक**ाननात्रक

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मुचता

नारव जरकार

कार्यासय, सहामक वायकर काय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देण मं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस-म्रार-1/6--85/ 94---श्रत: मुझे म्रार०पी० राजेण

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गवा है'), की भारा 269-च के ब्रंभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिनत बन्नार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4633, 19-ए, है तथा जो अंसारी रोड, दिस्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त एम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकास अधिक है और अंतरक (मन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरिक्षों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम गया गया प्रतिफल, निम्मितिबत उच्चेष्य से उपत अंतरण लिखत में अस्तिक रूप से किया नहीं किया मना है है—

- (क) जन्तरण से हुई किती साम की बाक्त, उक्त अधिनियम के स्थीन कड़ दोने से सम्तदक की वादित्य में ककी ककी या उन्नते बचने में स्वित्य में सिए; आंट्र/मा
- (भ) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य जास्तियाँ म जिल्हा सारतीय अपान्ति प्रिधिनयम, 1922 (1927 सा ११) स ज्ञात गाँधनियम, अध् धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विभा के लिए,

अत. अब, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं० िल इन्नोरियम, 3679, धावरी बाजार विस्ता, अस्त-अभिनती शकुरतला गुप्ता परनी श्री मतीण घरव गुप्ता, श्राम्ब कुमार जैन सुपुत्र श्री ज्यान तैर प्राप्तोय कुमार जैन सुपुत्र श्री दयान जैन, निवामी 7/3 दरिया गंज, नई दिल्ली
- (2) मैं पुस्तक महल 6686 खारी बावली, दिल्ली द्वारा श्री राम श्रवतार गुण्ता सुपुत्र श्री मूल चन्द गुण्ता, निवासी 7/26 रूप नगर, दिल्ली (श्रव्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रशंकत सन्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृति के स्वन् के संबंध में कोई भी नाम्रोप ए--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवृधि याद में समान्त होती हो, के भीतर पृषेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया
- (व) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश से 45 विष के श्रीस्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृष्ण विश्वी जन्म व्यक्ति वृत्वारा, वृशोहस्ताकारी के प्रास् शिवित में किए वा स्कोन।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रवृक्त सन्दों भीर पदों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया पंचा है।

प्रनुसूची

सामग्री का भाग अन्हर बेसमेंट तादादी 1250 वर्ग फीट, प्रो० नं० 4633. 19-ए, श्रंमारी रोड, दिखागंज नई दिल्ली, फी होल्ड

> शार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नागीख: 6-2-1986

प्रकप मार्च टी.एन.एस.-----

बाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरचरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एषयू०/2/एस-आर-1/6-85/ 95----अतः मझे, आर०पी० राजेण,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नायार मृज्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी संख्या एफ-187 है तथा जो मान सरोधर गाइन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूर्च में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजर्स्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजर्ट्रीकरण अधिलियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनेंक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल से श्रेश विल्तरिक (सन्तरकों) नौर अन्तरित (सन्तरितयों) के नीच एसे जन्तरण के सिए तम प्रामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उच्च सन्तरण निवास में नास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोगे के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी नाव या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधान. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
5—506 G1/85

(1) श्रीमती पुरामा नागपाल परिनी श्री भाजपत राय नागपाल निवासी एफ। १८७ मान सरीवर गार्डेन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमीन कार पत्नी एम० सेवा सिंह निवासी 3/107 रमेण नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीयत कम्मीत के बर्जन के तिछु कार्यवाही शुरू करता हुं।

उपन उम्मरित को अधीन को जन्मण में काँदी भी गानोप :---

- (क) इस स्वान के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की बर्गीय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताजीत से 30 दिन की नगीय, यो भी व्यक्ति नाय में समाप्त होती हो, से भीतर प्रोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के शीएड़ उक्त स्थायर संपत्ति में विश्व क्ष्मिय स्थायर संपत्ति में विश्व क्ष्मिय स्थायर संपत्ति में विश्व स्थायर संपत्ति में विश्व सामा क्ष्मिय स्थायर संपत्ति में विश्व सामा क्ष्मिय स्थायर स्याय स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थाय स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थायर स्थाय स्थायर स्थायर स

क्षाकीकरण:--इसमें प्रवृक्त बन्यों और वदों का, को उक्क वरिविवस के कथाय 20-क में परिभारिकत इं, बड़ी कर्ष होगा, को उस कथाय में विद्या नया है।

एक मिगल स्टोरी मकात प्लाट त० एक/187 मान सरोवर गार्डेन नई दिल्ली

> श्वारः पी० राजेण सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (मिरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 6-2-1986

श्रहण कार्ष. टी. एन. ५स.

भाषकर मणिक्यन, 1961 (1961 का 43) की अपन 969-थ (1) के बामीन स्पना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर वाय्वत (निरीक्षक)

श्रजैन रोंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सीः । एक्यू०। २। एस-प्रार-1, ६-85।-86--- ग्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिनकी मंख्या 3,112, है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में न्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची सें पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीयती श्रधियारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जन-1985

का पर्नोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के लिए पन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निष्टवास का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाचार मृत्य उसके राश्यमान प्रतिकास से, होते दश्यमान प्रतिकास के पंग्रह प्रतिचात से विचक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निविखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निक्षित में दाक्तिक क्य से कथित नहीं किया नहा है कि

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के अधिक्षण में किसी क्यूम या उसने बचने में नृतिभा के विष्; और/वा
- (य) वृधी किसी नाथ या जिस्सी यम या क्षम वास्तियों को, विम्ही नारबीय नाथकर निश्तित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उपल निश्तियम, का शतकर निश्तियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रयोजनार्थ अन्तरियी व्यारा प्रकट नहीं किया यस था या किया जाना चाहिए था, हिमाने में वृत्तिया के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अकीय जिल्लीकीका व्यक्तियों प्रश्नीत् क्रम्म (1) श्री तमन लाल मुपुत श्री हरी जन्द, निवासी-3, 112 रमेश नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पथन कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री दुर्गा दास श्रीर श्रीमती सुभ शर्मा पत्नी श्री पवन कुमार, दोनों निवासी 3/127 रमेश नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाधन की तारीं से 45 दिन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्ड) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस नै 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्वकारकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जा सकत जीवनिवस, के बच्चाव 20-क में परिमाणित ही, बह्वी जर्भ होना को उस मध्याप में विवस गया है।

अनुसूची

मान्त्व मं० 3/112 रमेश नगर, नई दिल्ली, लिज होल्ड वादादी 100 वर्ग गज

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिणारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रोज-2, दिस्ली, नई दिल्ली-110002

दिनो ह : 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी ाएलयू०/2/एस-आर-1/6-85/-97—स्त्राः मुझे, आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 17-बी, 19-ए, हमला नगर, है तथा जो 1 कोहलापुर रोड, महाबीर गंज दिक्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में पूर्ण कर से निर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के ार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन वारीख जुन-85

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब उप्तरं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री देश राज सुपुत्र स्व० श्री मोहन लाख बजाज, निवासी ए-131, गंजरानवाला टाउन, दिल्ली । (श्रन्दरुष्ट)
- (2) श्री विषित कुम।र जैन, गोदिलया हुन्ना सुपुत्र श्री राम चन्दर, श्री वीएउ कुमार सुपुत्र श्री सुमत प्रकाश, निवासी-5166 कोल्ह्वापुर रोड, कमला नगर, दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

3-स्टोरी बिल्डिंग भूमि तादादी 169.5 वर्ग गज, प्लाट नं० 17-बी, 19-ए वसला नगर, स्थापित--नादनं सीटी एक्सटेंशन योजना, 1-कोल्हापूर रोड, महाबिर गंज, सब्जी मंडी, वार्ड नं० 12, दिल्ली ।

> श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ਨੀਵੀਂ : 6-2-1986

प्रसम बाह् , टी. एन., एक्., प्रकार

नायफर नीभागितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के नभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी, 1986

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० एक्यू ० | 2 | एस-ग्रार-1 | 6-85 | 98--ग्रत सुझे ग्रार०पी० राजेश,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पार 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कि श्या हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौई जिसकी संख्या सी-5/22, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (फ्राँर इसमे उपाबत प्रनुमृची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली से भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथान्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से., एसे स्थममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अम्तरण निवृत्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्धक्ष्म वं हुई किवीं बाब की बावत, उनका अधितियम् चे वृत्तीच् कर दोने में बृत्तुरक के स्वतिरम् में क्ष्मी करने या स्वत्तं व्याने में सुनिधा के हैंक्ट्; बॉप/या
- (व) एते किसी नाव वा किसी धन वा नाव नारितवों को किन्हें भारतीय नावकर निपितवम, 1922 (1922 को 11) वा उन्तु निप्तिवम, वा धन-अन्त्र निपितवम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोचनार्थ नम्त्रिती व्वाद्य प्रकट पहीं किया नया था या किया जाना शाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए !

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री श्राजित सिंह साहनी (2) एस॰ चरनजित सिंह श्रीर (3) श्री तेजिन्दर सिंह साहनी सुप्रतगन श्री श्राजित सिंह साहनी निवासी सी-5/22 मोडल टाउन दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रचला मलहोत्रा पत्नीश्री राजेश मलहोत्रा (2) श्री राजेश मलहोत्रा सुपत्न श्री गुरदोता मल; दोनों निवासी के-4, माडल टाउन, दिल्ली

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक सम्परित के अर्जन के जिह कार्यवाहियां शुरू करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौध से 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूजना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी जबिभ माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास,
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयंक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त विभिन्दम के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया वस है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 22 ब्लाक भी-5 तादादी 272 वर्ग गज (बराबर 227.427 वर्ग मीटर) माञ्चल टाउन, दिल्ली; एरिया मलिकपुर छावनी दिल्ली

श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीषा : 6-2-1986

प्रकार वार्ष्ट्री, देवी, एक्, एक ु------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन सुबना

नारत बहुत्वार

कार्याजय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/2,एस० म्रार०-1/6-85/99---मत मुझे, म्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,30,030/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सी-1/1 श्रीवराय श्रपार्टमेंट हैं तथा जो शाम नाथमार्ग, सिवल लाईन, में स्थित है (श्रीर उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री एती श्रीधकारी के सार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्य प्रविद्यत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्दोष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसा आग या किसी भन या बन्य शास्तियों की, विन्हें भारतीय नाय-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना आहिए था, छिपान में दिवस के किया

बतः वंब उक्त विधिनियम की धारा 269-म के शनुभरक को, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अवस्थित ह— (1) मैं० व इस्ट इस्डिया होटरस वि० 7-काम नाथ मार्ग, दिल्ली-54

(भ्रन्धर्क)

(2) श्री मोहन सिंह स्रोवर य, श्रोबराय फ़ार्म, विजवाशन नई दिल्ली-37

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त स्थ्यति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पृबंकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित ब्वारा:
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की प्रारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित मों किए का सकोंगे।

स्थळिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदौं की, वो उन्नल अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में विद्या गया है।

ननस्ची

सी-1/1 ग्रांबराय ग्रथार्टसेंट, 2 शाम नाथ मार्ग, सिविल लाइन, दिल्ली, फी होल्ड, तादादी 2150 वर्ग फीट

> स्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्नक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-2-1986

THE RIGHT ST. THE STEEL STORESTONE

नावकर मिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्वना

भारत सरकान

कार्यासय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरप्ररी 1986

निर्देण सं० आई० ए० सीक्ष्प्यूकृ 2 एस-प्रार- 1,6-85/-100---प्रतः मुझे भारकपीक राजेण,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् जन्म अधिनियम' कहा गया ह") की धारा 269-व के नधीन सक्षान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारने ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मुख्य

1,00,000/- स. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संख्या एच-3/12, प्रो० नं० 4, है तथा जो माछल टाउन, दिल्ला में स्थित है (और इससे उपायद प्रनुसूची में पूर्ण रूप में विजित है), रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख जुन 1985

को पृथिनित सम्पत्ति के उचित थाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकान के लिए जन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास कारत वा कारण हैं कि यथायूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषम से उचत अन्तरण मिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) जन्तरक सं हुई किसी शाय की गायता, उसत् विधिनियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे स्थाने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आय-वार जिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनद अधिनियम, या धन-अ-अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रवोचनार्थ अनुवारिती इसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

संत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री तित्राधात्र भासीत श्री श्रीम प्रकाण भासीन, श्री भगदीण लाल भागीन, तियामी-सी-1/3डी-111, माइन टाउन, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अरदा श्राह्मजा, निवासी एम-3/12 माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) ह्व क्यमा के सक्षम में प्रकाशन की ताहींब के 45 दिन की ब्वहींब वा तरहान्त्रमी व्यवस्था पर क्यमा की तामील से 30 दिन की व्यविष् जो भी व्यविष् बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्व कर व्यविष्यों में से किसी व्यवस्य ब्वारा;
- (क) ्स सुचना के राजपत्र मां विकास की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास लिकित मा किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दा का ओ उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, का उस अध्याय के दिया प्रया हैं।

मन्स्ची

भाग-मार्क नं० 4, ग्राउन्ड फ्लोर, प्रो० नं० एच-3/12, माडल टाउन, दिल्ली, तादादी 107 वर्ग गण, फ्री होल्ड

> श्वार० पी० राज्यश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-86

प्रस्म लाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्जालय सद्रायक आयक्त **कायक्त (निर्याक्रण)** धर्जनरोंज 2-, नाई दिल्ली

तर्ड दिल्ली, दिनांक 6 फरमरी 1986

निर्देग स० आई० ए० सी०/एम्यू०/2/एस० आर०-1/6-85/101---शतः मुझे आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्मत्ति, चिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एच-3/12, र तथा जो मानल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में बाणत है), रिवर्स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिवर्स्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वेक्स तम्पत्ति के उचित बाजार कृत्य से कव को बक्सकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुकों यह विक्वास करने का कारण है

कि सभापूर्वोक्त सम्बद्धित का उचित बाजार मूल्य, उसके बच्च-मान प्रतिफल से, एमें क्वमान प्रतिफल का पण्ड्रह प्रतिशत से लोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निकन-निक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्छ जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ग्रीयत्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी बाम मा किसी धन या अन्य मास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नश्री किया गया था या किया जाना अधिहर था छिपाने में अधिना और लिए।

ज्य प्रभः, उक्त द्राधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण इ., में उक्त अधिनियम की धारा ∡39-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री तिलक राम भागीन श्री ओम प्रशाण भामीन, श्री जगदीण लाल भामीन, निषामी-मी-1, उडी-111, माइल टाउप, दिल्ली:

(श्रन्सरकः)

(2) श्री श्रणोय कुमारः, निवासी एच-3, 12, माङ्गल टाउन, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

नो बहु सुचना चारी करके पुर्वोक्त तत्र्यात्त के जर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रश्न स्थान की तामीस से 30 दिन की समीध, जो भी समीध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधार;
- (व) इस स्वना के प्राथपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिस्सवूब किसी वन्त व्यक्ति हवारा अभोहस्ताकरी के पांच के किस जा सकेंगे।

स्वच्यीकरण :---वसमें प्रयुक्त सच्ची बीर पदों का, जो अवस्य विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्ष होगा, को उस अध्यास में दिन्ह नया है :

MARKET TO

भाग मार्क नं । 12, दूसरी मंजिल, प्रो० नं एच-3, 12, माडल टाउन, दिल्ली, नादादी । 107 वर्ग गज, फी होस्ड

> आए० पी० राजेण सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीका: 6-2-1986

प्ररूप आहुं. टं(. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंत रेंज-2. शई विल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश मं० पाई० ए० भी०एक्यू/2/एस-प्रार-1/6-85/102 ---श्रतः मुझे शार्णपी० राजेश,

णायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'इन्द्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्षास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिमका उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एच-3/12, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से चाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रायमान श्रीतक्त के लिए अन्तरित की पूर्व है और मृत्रों वह विश्वत्व करने का कारण है कि वश्वापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिक्रल से एसे द्रायमान प्रतिक्रल का पंद्रह प्रतिद्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निप्नितिस्त उद्योध्य से उक्क अन्तरण कि लिए ते में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बनारण से हुए जिसी बाव की बावस उनस बाँगुनियून के बर्णीन कर दोने के अन्तरक कें श्रीवरण में कभी करने या उसने बचने में गृणिया के किए; और/का
- (प) एवी किसी बाद या किसी धन वा बन्न वास्तिकों को, विन्हें भारतीय जायका अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर विधिनयम, का धनकर विधिनयम, का धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना शाहिए था छियाने में सरिया के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) श्री दिलक राज भार्सात, श्री ओम प्रकाण भार्मात, श्री जगदीण लाल भार्मीत, निवासी मी-1/3डी→111, माइल टाउन, दिस्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मान कंबर नामानी और श्रीमती जमना देवी मोमानी, निवासी-एच-3/12 माइल टाउन, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की कविथ, जो भी जविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति चुनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकत्ये।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ध्यों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याम 26-क में बचा गरिशहितत ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याम में विया गया ही।

जन्स्ची

भाग मार्क नं० 11, प्रो० नं० एच-3/12 माङल टाउन, दिल्ली, दूसरी मंजिल, तादादी 107 वर्ग गज, फी होल्ड

> श्रार० पी० राजेण मक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखा: 6-2-86

अरूप नाइर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरचरी 1986

निर्देण मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 1/6→ 85/103---शतः मुझो, थार०पी० राजेश,

ू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या 25/2 है तथा जो श्रादर्श नगर, स्वरन सिंह गेड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे बाणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

फो पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और एके यह थिस्वास करने का कारण है

क यथा पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए अर्थर/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन का अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, खिपने में सुविध के सिन्हः

(1) श्रीमती लिलता जयमान पत्नी श्री रघुवर दयाल जयमान, निवासी 407 श्रपर श्रानन्द पर्वत, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री चरनजी लाल सुपुत्र स्व० श्री मूल चन्द, निघासी ग्राम किलोध, नहसील जिला रोहतक (हरियाना)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के कर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (कां) इस सूचना के राजपण में श्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरणः —- इतमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या गया है।

गन्स्यी

ण्लाट नं० 25, जो नं० 25/2, तादादी 200 वर्ग गज, खसरा नं० 35, 36, 38, 262/258/217/4 एरिया ग्राम भरौला, श्रादर्श नगर, स्थरन सिंह रोड, दिस्ली

श्रार० पी० राजेण सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1100021

तारीख : 6-2-86

मोहरः

प्रकार वाही, की तुन्, प्रकार कार्य

जायकड ज्भिनियम, 1981 (1961 क 43) की भारत 269-च (1) के जभीन सुभवा

शाम् प्रकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 फरवरी, 1986

धायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात (उचत निधित्तयमें कहा नया हैं), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित बाजार जुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 313/63-सी, है तथा जो श्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1958 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूक्य से कान के अध्यक्षण प्रतिफल के सिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने के कारण है कि यथाए वींक्त संपर्तित का उचित बाजार मूक्य, उनके दश्यमान प्रतिफल का पंत्र हु प्रतिचत से विभक्त हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीस्थित उद्योक्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय को उन्त , उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा में जिए; बरि/बा
- (सं) एसी किसी बाय वा किसी वन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा से विद्या

नतः नव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उन्त अधिनियम की धारा-269-व की उपभारा (1) दे अधीन, निम्हिनिकित स्यक्तियों, अधीन क्रिक

(1) श्री णमणोर बहादुर सुपुत्र श्री दीवान चन्द,, मकान नं० 313/63-सी, श्रानन्द नगर, श्रील्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेण कुमार ग्रौर बालू राम, सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायन, निवासी-- 1215/83, शान्सी नगर, वी-नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुई।

जबत बम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि मा तास्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हाँ।

मकान नं० 313/63-सी, (ग्राधा भाग) तावादी 100 वर्ग गण, भ्रोल्ड रोहतक रोड, भ्रानन्द नगर, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेज-2, नई दिल्ली

तारी**व** : 6-2-1986

प्रकप आहें टी.एन एस .------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-1/ 6-85/105---श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 313/63-सी, है तथा जें। ग्रोल्ड रोहतक रोड, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1985,

को पृत्तीक्क सम्पत्ति को जिस्त बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गर्द है और मफ्रेयह विश्वास करने का कारण है

कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्क्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देव से उक्त जन्तरण लिखित में नास्तिनक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा में सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बभीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शमशेर बहातुर तवाकली सुपुन्न श्री दीवान चन्द, निवासी-313/63-सी, ग्रानन्द नगर, ग्रोल्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार ग्रीर सुरेग मुपुत श्री लक्ष्मी नारायन, निवासी—- 363/61-के, ग्रानन्द नगर, ग्रील्ड रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्षं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्रा-बक्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्स्ची

म ग्रान नं ० 3 । 3/63-तो, ग्रील्ड रोहत् ग्राट, श्रानन्द नगर, नई दिल्लो, नाशकी-100 वर्गगण ।

> श्चारः पी० राजेण नक्षम प्राधिकारी यहाब ह स्रागकर सः एकर (निरोक्षण) स्रजंन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 6-2-1986

मंहर:

प्रकृष नाहु दी . एव , एस . - >- - - - - - -

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) स्वी भारा 269-म (1) के सभीन कुमरा

भारत सहस्रह

कार्भावय, बहुमक बामकर बाग्कत (भिरक्षिण) ग्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-1/6-85/106--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उन्तर निधिनियम' कहा नया हैं), की नारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से निधक है

प्रौर जिनकी सं ० 23/4 है तथा जो मक्ती नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिश्त श्रिकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 85 की पूर्णेंदित सम्पत्ति के उचित बाचार मूस्य से कम के क्यमां प्रतिकत के निष्य बन्तरित की नहीं है बीर मूझे यह विकास करने का कारण है कि वचाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित बाचार मूस्य से कम के क्यमां श्रीतिकत के कारण है कि वचाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित बाचार करने का कारण है कि वचाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित बाचार कृत्व, उत्ते क्रियमान प्रतिकत है, ऐसे क्लाण व प्रतिकत का पहित्र बाचार प्रतिकत से अधित का कारण है कि वचाप्योंक्त संगर (बंतरक) और बंदरित (अन्तरिवाम) के बीच एसे अंतरण के बिद्द तय प्रधा नवा प्रतिकत , निम्निविधित स्वृद्धिय से स्वत्र बंदरण विधित में वारण का कि कि वारण की बिद्द तय प्रधा नवा प्रतिकत , निम्निविधित स्वृद्धिय से स्वत्र बंदरण विधित्त में वारण की बिद्द तय विधित में वारण विधित के विधित के विधित का विधित का कि विधित में विधित का विधित में विधित महीं किया गया है है—

- (व) बन्तरंग संहुदं किसी बाग की बाबस, उब्स बिधिनवंग के बधीन कार दोने के अन्तरंक के बावित्य में कभी करने वा जलसं स्वनं में सुविधा के निष्; आद/मा
- (व) एंसी किसी काम या किसी धन या तन्य जास्तियों की, विन्हें आरसीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तर सिधिनियम, वा धव-कार सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तिरती द्वारा प्रकट हीं किया बया या विगा बाना चाहिए द्या, क्रिय रेगों श्रुतिका वे विक्:

नतः सन, उपत अधिनिनम नाँ गरा 269-ा सं वनुवरभ में, में, उपत अधिनिनम की धारा 269-म की उपनारा (1) कूँ स्थीन : निकासिकित अधिनत्वों, स्थादि स—-

- (1) श्री गोवर्धन लाल चड्ढा सुपुत्र श्री एस० एम० चड्ढा ग्रीर मोहन चड्ढा, मुपुत्र श्री जी० एल० चड्ढा, निवासी—-53/22, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित शान्ती चढ्ढा परित श्री बल्देव राज, श्रीमिति तिरन चड्ढा, परित ललीत चड्ढा श्रीमिति रेनु चड्ढा परित गोपाल चड्ढा, निवासी—नं 23/4 शक्ति नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ भी जाओप :---

- (क) इस सुचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीध सं 45 दिन की जनिध या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतक व्यक्तियों में से कि सी स्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राचपत्र में त्रकाशन की सारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-त्रवृथ किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ज्यक्कीकरण :—-इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का., जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में दिशाधित हैं, नहीं नर्थ होगा थो उस अध्याय में दिश नवा हैं.

वर्ष्य

प्रो० नं० 23/4, एरिया तादादी 731.85 वर्ग गण, ग्राम्-पाती सधोरा कलां, ग्राबादी शक्ति नगर, दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंनरें ज-2, नई दिल्ली

नारीख : 6-2-1986

इक्न बाइं, टी, एन, एक्स्स - - -- -

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुवना

मारत् सरकार

कार्यालय, सङ्घायक जानकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एव०ग्रार०-1/ 6-85/107----ग्रन: मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 75/7, वर्ग-'डी' है तथा जो पंगबी बाग, ग्राम-बगई दारापुर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1985,

को पूर्वीक्स सम्मत्ति के उचित वाबार मून्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विषयस अनुने का अगरण है कि समापूर्वीक्त सम्पत्ति का अग्वित वाबार मूक्य, उसके ध्रममान प्रतिफल को एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना अमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण विधित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई निक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा अधिक: और/भा
- (क) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के वधीन, निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री विद्या भूषन सूरी, सुपुत्र श्री सीताराम सूरी, निवासी--7.5/7, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(यन्तरक)

(2) श्री राम तीरथ ग्रौर (2) श्री राजेश कुमार मुपुत श्री जगननाथ गोयल, निवासी--36, ग्रशोक पार्क, भेन रोहतक रोड, दिल्ली।

(श्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सरीख से 45 दिन की बबीच या तत्संबंधी अधिक्षयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बबीच को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्युध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिल्हा के किए या सकतें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धा का, को जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परेशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जक अध्याय में विया गया हैं।

पन्स्या

प्रो० नं० 75, रोड, नं० 7, वर्ग-'डी', पंजाश्री बाग, एरिया, ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली, तादादी 280.24 वर्ग गज।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकार श्रायका (निाक्षण) श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

सारीख: 6-2-1986

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के अधीन मृचना

भ/रत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर नाथ्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/6-85/108--अनः मुझे, आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिस ही सं० 4694, 21ए है तथा जो दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के खबमान प्रतिफल के शैलए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खबमान प्रतिफल से, एसे खब्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण के हुई किसी आय कां/ वागत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनिध्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के जिए;

- (1) मैं० सुमेर चन्द जैन (एन०यू०एफ०) द्वारा श्री सुमेर चन्द जैन, सूषुत्र श्री गन्मा लाल जैन, निवासी— 4694, 21ए, ग्रंसारी रोंड, दिरया गंज, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री मुकेश कुमार अग्रवाल (एच०य्०एफ०), द्वारा श्री मुकेश कुमार अग्रवाल सूपुत्र श्री एस० पी० अग्रवाल, निवासी——नं० 18, दरिया गंज, नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मत्त के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की जविध या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति श्वारा;
- (ण) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका स्पान स्थान सम्बाधित का को उन्त बाधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

STEEL!

साउदर्न भाग ग्राउण्ड फ्लोर प्रो० नं० 4694, 21ए-, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादादी 832 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अंत: अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित क्यक्तियों, अधील क्ष--

तारीख: 6-2-1986

महिर:

प्रकल बाही, दी, एवं, एवं, हस्त्राप्त

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन क्वना

मारत सरकार

कार्यातय, तहायक बावकर बाय्वस (विराह्मिक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनंक 6 फरवरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सु०/2/एस०आ४०-1/ 6-85/109——अन: मृझे, आर० पी०राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृख्य

¹,00,000 /- रः से अधिक हैं

स्रौप जियकी सं० एफ 3/11, माडल टाउन है तथा जो दिल्ली में स्थित है (भ्रौप इसमे उपाबक अनुसुची में भ्रौप पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीप्ती अधि हारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जन, 1985,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रतिक्रस के सिए अन्तरित की गई है और मुन्ने वह विश्वाल करने का कारण है कि वयहमूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकाों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय गवा गया प्रतिफल, निम्निसित्तत उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आज की बावरि, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी नियः; जरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उं अ विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे किए:

अत: अव. उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री पराम युन्दर खन्या श्रीर श्रीमिति कैयाणवती खन्ना नियासी—-एफ-3/11, माडल टाउन, दिल्ली । (अन्तर क्र)

(2) श्री यश पाल, श्रीमति कृष्णा गुप्ता, दोनों निवासी-टी-11/6, माडल टाउन, विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्व क्ता सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यगोडियां करता हुं।

ब कर सम्मरित के कर्पन के तंत्रंभ में कोई भी शासेंच :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 किन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की सामीर से 30 दिन की अविधि, को भी जबिंध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिक्कों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ट के किसे कर सकती।

स्वकाकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पट का, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया ही।

नन्स्यी

प्रो० नं० एफ-3/11, माडल टाउन, दिल्ली, तादादी 291.66 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम श्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीख: 6-2-1986

प्रका शहा. सी. एवं , एतं , ------

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरुकाड कµर्याजन, सहायक जायकर बायकत (विद्वीक्तक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० आर० -1/6-85/110---अत: मुझे, आग० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- उन्तरं संब्धिक ही

धार जिस्ती सं० प्लाट नं० 144, है तथा जो ब्लाक 'सी' मान-स्रोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (प्रार इसमें उपाबद अनुभूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्का अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीयरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जूम, 1985,

घ पुर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान अन्सरिप्त क्रि गप्र रितफल के लिए मुभ्ते यष्ट विद्वास करने **3**(1) कारण ह यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल., निभ्निलिखत उबुद्रदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) मृन्तप्रस वे हुई किशी बाग की नावत, उचत विधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एति किसी वस्य वा किसी धन या वस्य आरितयां को, जिन्हें आरक्षीय वाय-कर अिपनियम, 1922 (1922 का 18) वा उक्का अधिनियम, मा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती बुवार प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में बुविधा के लिए;

(1) श्री बुबी प्रकाण वाली सुपुत्र श्री आर० कांणी राम-बाली, निवासी—-1/6, इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफ-गढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित शारदा देवी खण्डेलवाल, पत्नि श्री किणन लाल खण्डेलवाल, निवासी—बी-/38-ए, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के बर्चन के संबंध में कार्य भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारण;
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए अ स्थानि।

स्थळ्डीकरण: -- इसमें प्रमुक्त सम्बां और पदां का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित, हं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

धनुस्ची

प्लाट नं० 144, तादादी 300 वर्ग गज, ब्लाक 'सो', मान-सरोवर गार्बन, एरिया, ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

अथ अप, उच्न विभिन्न की धारा 269-न को अनुसरण को, क्षेत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिकिस व्यक्तिकों, प्रविद्य क्षान्त

नारी**जः**: 6-2-19**86**

इक्ष बाहे. टी. एवं: एवं: -----

बावकर बीधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यान्त्र, सहायक भावकार नायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिशांक 6 फरवरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस०आर०-1/ 111—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर स्थापित, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं रु डी-45 है तथा जे ज्नाक 'डी', मानसरोबर, गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1985,

को पूर्वोक्त बन्धित के बिकत बाजार मून्य से कन के अवजान प्रविकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विवकास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकास से, एते अवग्रान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितमों) को बीच एसे बंदरण के किए तम पाम बंदा प्रक्षिकत, निम्मिनिविद उद्देश से उच्त अन्तर्य किंतिक में बास्तविक रूप में कीयन नहीं किया गया है हु—

- (क) नन्त्रण ते हुई जिली भाग की बावसे, उनस् श्रीपित्रण के ब्रुपीत काह दोने के संबद्धक के बाजित्य में कामी कार्य में बावसे बचने के ब्रुपिश के जिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियक, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियक, या धन-कर विधिनियक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री अनिल कुमार सतीता सूपुत्र डा० ए० सी० सतीना, निवासी-ए-125, जारदापुरी, भई दिल्ली।
- (2) श्री रामजीदास सुपुत्र श्री अमीर चन्द, निवासी—— 1/14, विस्वास नगर, णाहदरा, दिल्ली -32 (अन्तरिती)

को वह इज़बा जाड़ी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के भवंग के सिए कार्यवाहियों कुक करना हो।

सम्बद्ध सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस त्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील हे 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाम में समाच्य होती हो, के भीत्र पूर्वोंक्ड व्यक्तिकों में हैं किसी व्यक्तिय हुवाएं;
- (क) इस सूचना के रावक्त में प्रकाशन की तारीब से 45 किन के भीतर जनत स्थान्द सम्पत्ति में हित-वृक्ष्य किसी व्यक्ति क्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास हैतिबात में किए वा तकोंगे।

स्वकाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पर्यों का, जो उसक जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्थ होंगा, जो उस अध्याय के विका नथा ही।

अनुसूची

प्लाट नं ० 45, ब्लाक 'डी', तादादी 403 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डन, नई विल्ली, आबादी ग्राम-बसई दारापूर, दिल्ली, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, नर्ष दिल्ली

बतः बब, स्वतः जीभिनियम की भाषा 269-म के अनुतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की उपभाषा (1) भे अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---27---626GI/85

सारीख: 6-2-1986

प्रकृषः वार्षः ही . इन्. एस :-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याध्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्ष्ण)

श्वर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/ 6-85/112---श्रतः गुद्दो, आर० पी० राजेश,

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकाद 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० 43, ब्लाक 'ई' है तथा जो मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन तारीख जुन 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के उचित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्स वन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पृस्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से, एसे इश्यमान प्रतिकाल का बाबा गया प्रतिकाल निम्नीलिखित उच्चरेक में स्थाप स्तरका कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य सिसिस्त में बान्तिविक कम से कि बात नहीं कि बा नवा हैं:—

- (क) अन्तरण में हुर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तिवाँ फा, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, बा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के बिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. रुक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) जे लशीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—-

- 1. श्री एस० इन्दर पाल शिह सुप्रत श्री गुरचरन सिंह नियामी जे~5/165 राजोरी गार्डेन नई दिल्ली। (प्रन्तरक)
- 2. श्री विनोध विरमानी सुप्रव श्री जे० एल० विरमानी श्रीमती साविता विष्मानी पत्नी श्री विनोद विरमानी निवासी 33-बी पूसा रोड़ नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त स्ट्रांसि के वर्षन की संबंध में कोई भी वाक्षेप ट--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की क्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस पूचमा के राजपण में प्रकाशम की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध विकत ब्वारा अधोहस्ट्याक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० नं० 43, ब्लाक 'ई' मानसरोबर गार्डेन, नई दिल्ली, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली, वादादी 300 वर्ग गज।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी राहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एत्यू०/2/एस०—म्रार०—1/ 6─85/113——म्रन: मझे, म्रार० पी० राजेश,

ग्रीर जिसकी सं० 4233/1 श्रीतारी रोड़, है तथा जो दिर्या गंज, नई दिल्ली सेंस्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रमुखी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का बल्तह प्रतिशत से भूभिक है और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम निम्नसिविस उद्देश्य डं उक्त अंतरण निम्नतिक क्रम वे क्षित वहीं किया नवा है क्रम

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आय की सक्त, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्य में करने या उससे अधने मी लिया के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बव, उक्त विधितियमं की धारा १६९०म के अनुसरण बाँ, बाँ, अक्त विधितियमं की धारा २६९०म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात् ६०००

- ा श्री केशे दास भूटानी सुपुत्र स्व० श्री राम वन्दर, निवासी एन-138, पंचशील पाक, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जमराव सिंह सुपुत स्व० श्री जुगराज मल चौरसिया, निवासी-77-श्याम लाल रोड़, दरिया गंज-नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पृतित को अर्जन को सम्बन्ध मी काई। भी लाओप:---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी हुई 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारह ।
- (ख) इ.स. मूचना के राजपत्र मी अकाक्षत की राजाब म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्ति मो हिल्लाबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिए व.मो जिए वा मकेंगे ।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधा हैं।

रन सची

इन्टायर ग्राउण्ड फ्लोर मैंजनीन फ्लोर के साथ दो कमरा डब्ल्यू/सी सामने का भाग पहली मंजिल तादादी 163.5 वर्ग गज, टोटल भूमि 326.6 वर्ग गज, बिल्डिंग नं० 4233/1, श्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली।

> स्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

.to-as same

प्ररूप नाइ .टी. एन एस . -----

बायध्यः अरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-धार०-1/ 6-85/114--ध्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

जायकर आधानयम 1961 (1961 का 43) (जिस इसम पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

1,00,000/- रु. से बिधक हैं

श्रीप जिसकी स० 4233/1 हैं तथा जो अंसारी रोड़, दिर्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इस से उपाबद्ध श्रनुसुषी में श्रीप पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के आर्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वक्स संस्पत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एोसे द्रियमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल में सिनिवार उष्योग से उक्त अन्तरण मिखत में वास्तिवक रूप से कांग्रत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; मार/या
- (ख) पंसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ब, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इ अभीन, निम्हिशिका शिक्तियों, अमृत् ॥—

- श्री केशो दास भूटानी सुपृत स्व० श्री राम चन्दर, निवासी एन-138, पंचशील पार्क, नई दिल्ली-17 (श्रन्तरक)
- श्रीमती एस० के० ग्रग्रवाल, पत्नी श्री बी० एस० ग्रग्रवाल, निवासी-116-स्टेट बेंक कालोनी, नियर-राना प्रताप बाग, दिल्ली-7। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4-कमरा किचन लोबी, बालकोनी, डब्स्यू/सी घ्रौर खुला कोर्टयार्ड पीछे का भाग, दूसरी मंजिल के साथ खुला टरेस के साथ एक रूम, स्टोर, तादादी 54.43 वर्ग गज, टोटल, भूमि 326.6 वर्ग गज, बिल्डिंग नं० 4233/1, श्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-2-1986

ब्रह्म <u>ब्राह्मे हो एन् एक ; -----</u>

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-अ (1) के नधीन सुचना

STATE STATE

कार्याजन,, बहायक जानकर जायुक्त (निद्रीक्षण),

म्रर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्वेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 6-85/115--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 4233/1 है तथा जो ग्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूवी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाडार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मसिचित उद्देष्य से उक्त अंतरण सिचित के बास्तविक रूप से सामित महीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अंतरक के वादित्य में कभी करने था इतने वचने में तृतिथा में सिए; बॉट/या
- (क) एंसं किसी अध्य मा किसी धन मा बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्त स्पक्तियों न स्पति ध— 1. श्री केशो दास भुटानी सुपुत्र स्व० श्री चन्दर, निवासी-एन-138, पंचशील पार्क, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

थी विजय राज सुराना सुप्रत श्री मही पाल सुराना, निवासी-109, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ३--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पट्ड सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थानित स्थानित स्वादा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औं पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमें के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

जन्युः बी

3-फ़मरा ,बाथ रूम श्रीर डब्ल्यू/सी बरानडा श्रीर बाल-कोनी सामने के तरफ़, धुसरी मंजिल तावादी 43.44वर्ग गज, टोटल भूमि 326.6 वर्ग गज, बिल्डिंग नं० 4233/11, श्रंस।री रोड़, दरिया गंज, नई दिस्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

तारीख: 6-2-1986

नोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 2,एस० श्रार०-1/ 6-85,116--अतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 4233/1 है, तथा जो श्रसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिकाम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चंत्र्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- श्री केणो दास भुटानी पुत्र स्व० श्री राम चन्दर, निवासी एन~138, पंचशील पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री विजय वर्धन दागा सुपत्न स्व० श्री दगा, निवासी 4233/1, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्की

5-कमरा, किचन, टावलेट, बालकानी, ग्रीर खुला कोर्ट-यार्ड सामने का भाग, के साथ ग्राध रूम के सामने के भाग, बिल्डिंग तादादी 65.31 वर्ग गंज बिल्डिंग नं० 4233/1, ग्रसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज−2, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

धारीख: 6-2-1986

त्रक्ष आहें. टी. एम्. एखं : --::-----

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

बार्ड पहलार

कार्याज्ञ , तहावक आयकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेजल2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986 निदेश सं अहि ए० सी । एक्यू । 2/एस० आर०-1/

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,600/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 8304 प्रा० न० 30 है तथा जो राम सरूप बिल्डिंग, रोशनारा रोड़, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-2 दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अतरित की गर्ड हैं निर मुक्ते यह निक्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल 🖘 पन्त्रह प्रतिकात से अरिथक हैं। जीर अंतरक (अंतरकों) जीर अंत-रिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्त निम्ननिवित उद्धे हेंग सं उक्त अंतरण निवित वों वास्तविक रूप से करिन्तु नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुव्द किसी आय की **बावत, उक्त** अधिनियम के अभीन कर दोने के मन्तरक के दावित्व में कभी भरने या उससे बजने में स्विधा के लिए: और/बा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तिकों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त करियोजनम, वा भन-कर विधितिवर्ग, 1957 (1957 को 27) से प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सकिथा चे जिए ।

अतः जब उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग क्षेत्रन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 769-म की उपभारा (1) वो बधीन, निम्लीनिवत व्यक्तियो, वर्णात १----

- 1. श्रीमती संचियता सैनी पत्नी श्री रामेश सैनी, द्वारा श्री रामेश सैनी, ऋहानी निवासी सी-19, सफ़दरजग इन्क्लेंब डेबलपसेंट एरिया, नई दिल्ली।
- (1) श्री विजेन्दर कुम।र जैन, (2) श्री सुरेश कुमार जैन, (3) श्री राजीव कुमार जैन, सभी पुत्रगण श्री समन्दर लाल जैन, निवासी 3338/ 239, निवर हंसपृष्ट् गुरुद्वारा वीनगर, दिल्ली, (4) श्री समन्दर लाल जैन सुप्रत श्री फ़िरोजी लाल जैन, निवासी मकान नं० 401, राजबान बाग बाजार मेरठ केंट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

डक्ट शम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के हाचपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जुनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पुर जुषना कर्षें तामील से 30 दिन की जविभ, पी भी जनिभुनाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स न्यन्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा तकोंगे।

श्यक्कीकरण:---इक्तमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्दमं से बध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुरी वर्ष होगा को उस वश्याय में दिवा नवा 🗗 ।

नगस्त्री

डबल स्टोरी बिल्डिंग नं० 8304, प्रा० 30 राम सुरूप बिल्डिंग, रोशनारा रोड्, सब्जी मंडी, दिल्ली, तादादी 82.00 वर्ग गज।

> श्रार० पी० राजेश यक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986 मोहरिध

प्रकप आहाँ. टी. एन. एस. -----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-में (1) में मेपीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एतपू०/2/एत० श्रार०-1/6-85/118—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (चिर्च इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिरियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संव जे-155, राजोरी गार्डेन, हैं तथा जो नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीधर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985 को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सं कम के दस्तमन प्रतिकल के जिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित

भीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के

बीच एसे बन्हरण के सिए तम प्रमा न्या प्रतिकस्त, निम्निनिश्वत

उब्बद्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप त कथित

शचार भूक्य, उसके दश्यभान

इस्यभान प्रतिकल के बन्द्रह

नहीं किया यथा हुँ ः---

(क) सन्तरण से हुई किसी लाग की बाबता, भक्त आधिनियम से अधीन कर बोने के अन्तरक थे बायित्व में कर्मी करने या उसके बचने में सुविका के किछ; और/मा

प्रतिफल

प्रतिकतः सं

15034

(क) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के जिल्हा

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की मारा 269-मं की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों. अर्थातः :---- 1. श्री भाग मल पाल सुपुत्र श्री भोला राम निवासी-ज-155 राजोरी गाउँन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोरी चन्द सुपुत श्री राम चन्द श्रीर श्री निरिन्दर मिह सुपुत श्री सोरीचन्द निवासी बी-2/209 पश्चिम विहार दिल्ली वर्तमान-जे-155; राजोरी राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियी कक्का है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पत्रों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुस्ची

मकान नं० जे-155, ताबाद 300 वर्ग गंज, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, ग्राम बसई दारा पुर, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज−2, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

नारीख: 6-2-1986

मोहर '

भक्त बाह[्]ं टी. एव_ं एवं_ः ---वटका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फ़रवरी 1986 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्चाई०-1/ 6-85/119--श्चतः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इस

म्रोर जिसकी सं० 190214 है तथा जो 1 गनेश पुरा, ग्राम चौकड़ी, मुबारिका बाद, दिस्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिवारी के सार्यालय, दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के ग्रिधीन, वारीफ जून 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिपान के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभापुर्वेक्त कम्मत्ति का अधिक बाजार कृष्य, सनके स्थमान प्रतिपत्त से एसे स्थवनान प्रतिपत्त से प्रमुद्ध तिस्थत से बीचक है बीच बंचरक (संतरकों) बीच करिती (संति।तियों) के बीच एसे बन्दरन से निए तम पाना पना प्रति-सम मिलनीनिस स्वाप्ति से बन्दरित के सिए तम पाना पना प्रति-सम में किया गई किया में कार्यों क्या में कार्यों कार्यों क्या में कार्यों क्या में कार्यों कार्यो

(क) कन्तरण सं हुन्द जिल्ही जाण की शायक करना नांग-नियंश के जभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा की निए

इंसी शिक्सी बान वा किसी वस् वा बन्स् वास्तिकों की, किन्तुं नारतीय नावकर विधिनवन, 1922 (1922 की 11) वा अक्त विधिनवन, दा भन-सार अधिनवन, 1957 (1957 का 27) वे अवोधनार्य नन्तरिती व्यास्त प्रकट नहीं किया न्या वा वा विश्वा अधा पाड़िए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- 28 -- 506 GI/85

- 1. श्री लिलो हं बन्द सुपुत श्री ठःकुर दास निवासी सी-1/59 श्रणोश विहार भाग-2 दिल्ली-52। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरला जैन पत्नी श्री रमेश चन्द जैन (2) श्रीमती सुधा जन पत्नी श्री महेश चन्द जैन (3) श्रीमती मीना जैन पत्नी श्री दिनेश चन्द जैन श्री चाकरेश जैन सुपुत्त स्व० श्री चाखराज जैन सभी नियासी 43-ए, कुत्तब रोड़ नियर शिय शिक्त मंदिर, नेलीवारा दिल्ली। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के सिद्ध कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उनत संपर्तित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्सूची

ढाई मंजिला बिल्डिंग तादादी 110.00 वर्ग गंज, प्लाट नं 1902/41 (224) खसरा नं 568/110 खाता नं 1, गनेम पुरा, ग्राम चौकड़ी, मुबारिका, दिल्ली~ 35।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6--2-1986

मोहर

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयवार आयवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली कई दिल्ली, दिलांस ६ फरवरी 1986

िखेश में आई० ए० सी०/एक्यूर/2/ए८० आ५०-1/ ८--85/120---अ: मुझे, आर० पी० शहेश, सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

हमळ राचाल 'उक्ट अधिरियम' कहा गमा ह', 'ती धारा 200-ध को अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह रिश्वाय करने का 200-2 विक स्थावर एम्परित, जिसका एषित प्राधार मुला 1.00 000 रा. में अधिक है

र्वंा जिल्ली सं० 25, ब्लाक पूमा है, एया जो राजोरी गाड़ी, एई दिल्ली में स्थित हैं (ब्रांट इससे उपाद इन्मूची में शीए पूर्ण ब्ला के जिल्ली हैं), जिल्ली जी जीश की आर्याला, जिल्ली में भारतीय रिक्टी रण अधिपयम,

1908 (1908 व 36) के अधिक, भारीख जून, 1985 के विशेष सम्बंधि के उपित शाद्रार मुख्य के क्रम के क्ष्मभान प्रतिकार के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अतरे का कारण है कि मभाग्योंकर सम्पत्ति का उपित आवार मृद्य असी इस्तमान प्रतिकार के रिपे द्वममान प्रतिकार का लेखा भोगे के प्राथम प्रतिकार के रिपे द्वममान प्रतिकार का लेखा भोगे के प्राथम प्रतिकार के साथ प्राथम के प्रतिकार के साथ स्थाप प्रथम प्रतिकार के प्रतिकार के प्राथम के साथ प्राथम के प्रतिकार के

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्ही आरतीय आयक्य अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उनका अधिनियम, या अन्यर अधिनियम, या अन्यर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के शिरा:

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म को उपधारा (1) के अधी . नियनिस्मिन व्यक्तिस्मां, अर्थात :---- श्री गिल्हारी जान सम्ला सुपुत्र श्री राम चन्द नगत, निवासी (317%) विश्वस्य रोड्, मोरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सूभाण मिल ह सूपृत्र श्री राम हाथ मिलक, निवासी ए० मी०-25, टेंगीर गार्डेन, नई फिल्ली। (अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अज्ञान के सर्वात्र में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति ध्वारा, अश्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में विग्र जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त जब्बों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में पिन्भातित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

प्लाट न० 23, ब्लाक 'एम', तादादी 200 वर्ग गज, राजोरी गार्डेन, भई दिल्ली, ग्राम बाई दाश पुर, मई दिल्ली।

> शाय० पी० राजेण - भाग प्राधि गरी सहायण आयक्षशत्रायुद्द (फिरीक्षण) भानेत रोग-2, फिल्फी, फर्ड दिल्ली⊶110001

त्तारीख: 6-2-1986

माहर:

प्रक्ष बाह्र .टी. एन. एस. -----

भारकर वर्षभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, पई दिल्ली प**ई** दिल्ली, दिपहें∂ 6 फरवरी 1986

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आ४०-1/ 6~85/121--अत: मुझे, आ४० पी० पाजेश,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं ० 186, ज्ला । 'सी' है तथा जो साधनरोवर गाईंग, नई दिल्ली में स्थि। है (श्रीर इस्ते उत्तबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप न विणित है), अजिस्ट्री ती अधिकारों के गार्थातथा, दिल्ली में सीत्रस्ट्री एण (विशिधम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, भारीख जुन, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति क उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गर्ब हो और भूके यह निष्यास करने का कारण हो कि यथापूर्विकत समितिक को लिखन सत्याल करून असमित का प्रतिकृत सत्याल असमित का प्रतिकृत स्वाप्त प्रतिकृत से प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिक्त अन्तरिकों अन्तरिकों (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आग की, बावस, उक्त बिधानियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; और/धा
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

वतः जव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बनवता राज जुनेना भूपुत्र श्री त्राप्त एक एक पुतेना, सुनना एवं प्रतारण अधिकरी, नेपाना बाटापिक गार्डेंग, लखनक, यून पीन एन ग्रीन, लखनक। पार मिन कालोनी, नियाद गंज, लखनक।
- 2. ऑ। एउ० मोहिन्दर किट सुपन्न औ। एछन निह आर श्रीमती जिल्लीए कीए पत्नी एउ० मोहिन्छ सिंह, विवासी-—3929/2139, न्नी नगर, कन्हैया नगर, दिल्ली-35।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अर्वाभ या तत्संबंधी व्यक्तिता पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मुखना क राजपश मा प्रकाशन की तार्शम रा 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संगीत में प्रित्यूच किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के प्रम तिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहैं

अनुसूची

ण्ताट नं० 186, ब्लाज 'सी', तादादी 220 वर्ष गण, खसरा नं० 2329, मापसरीवर गार्डेन, नई दिल्ली।

> आए० पी० राजेश ,क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्रकार कार्ड को . पुन . पूछ . ------

अप्यक्तर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०--1/6-85/122--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-च के अधीम सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एलः 0/79, कीर्नि जगर है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीय तो अधिवारी के नार्थालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीय रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख जून, 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से काम के क्षणमान प्रतिकाश के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ वह विश्वास कारने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पूल्य, उसके क्षण्यान प्रतिकाल में, एमें क्षण्यान परिष्ठत का पल्यह प्रतिकात से निभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरक के जिए तब पाया नया प्रतिक क्ष निम्मिश्चित उद्वेष्य से देवत बंतरण विविद्य में बास्त्रिक क्ष से क्षिक वहीं किया नवा है हैं—

- (क) अन्वारण संहुदै किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अभीग, निक्तिसित अधिकार्णे सर्थात :— श्रीमती स्वरत काँप पत्नी स्व० श्रो सोहन सिंह, निवासी, एम-2, लाजपत नगर,-111, नई दिल्ली।

(अन्तरफ)

2. श्रीमती रिता आमन्द पत्नी श्री सुशील कुमार आमन्द निवासी 25/46-47, वेस्ट पटेल नगर, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्विक्त सञ्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत बम्परित के धर्मन के संबंध में कोई भी बाधरेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्वी

प्रो॰ नं॰ एल/79, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-86

प्रकृष नार्षः हो। एनः एवः -----

आयकर अधिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

मास्त बरकार

कार्यातय, तहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश मं अाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आए०-2/

6-85/123--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार स्थव 1,00,000/- रा. से अभिक है

प्रौप जिनकी मं 24 है तथा जो सिविल लाईन अलीपुर रोड़, दिल्ली में स्थि। है (प्रांप इसने जलाबद्ध अनुसूची में प्रोप पूर्ण का में विणान है), पिजस्द्री क्ली अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय अधिकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम को स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, बसके दरमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण को लिए तम पामा गवा प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में सस्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिद्।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निकालिकित व्यक्तियों, अधित :---

- श्रीमती शकुनाला सुपुत्री श्री मुरारी लाल पोपली पत्नी श्री सचदेव, निवासी 24, अलीपुर रोड़, फ्लेंग स्टाफ मार्ग, सिविल लाईन, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शिण बाला पत्नी श्री बी० डी० खेरा, निवासी 5-सी, /11, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब क्य सम्परित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीव से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी व्यक्तियों से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिवा क्या है।

बन्स्की

बंगला नं० 24, एरिया 497 वर्ग गर्ज, खसरा नं० 371, सिविल लाईन, अलीपुर रोड, दिख्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, पद्दी दिल्ली-110003

वारीख: 6-2-1986

प्रकप नाहाँ, टी. एन. एस., ------

जायकर अभिक्तिः 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बचीन तुव्वा

भारत मरकार

फायोनेय, सहायक भावकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-2; नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० शाई० ए० सी०/एकपू०/2/एस० श्रार०-1/6-85/124--शतः मुझे, श्रार० पं७० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० मी-33, हैं तथा जो काटेंग्र रोडे, शहर्ष नगर, दिल्ला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्रा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रांकित श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्लों में भारताय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मारीक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान भौतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का प्रमुद्ध प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है 6—

- (क) श्रारम् वं हूपं विश्वी शाय की वायत उक्त सिंपित्यन के स्थीन क्रार वर्ण के बरुरक औ ख्यित्व में कमी करने ना उसके वस्त्र में सुनिधा के लिए; बॉड़/बा
- (च) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर जिथिनवस, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, फिलाने वे स्थिभा के जिए;

अतः वर्वः, उक्तः अभिनियमं की भारा 269-त की अनुसर्धः मं, में अक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री इन्दरजीत अग्रवाल, श्रीम्ती श्रीनता अग्रवाल, श्री हरीण चन्दर गर्ग श्रीर श्रीमती कमला, निवासी को-1, महात्मा गांधी रोड, श्रादर्श नगर, दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुणील रानी और श्री राजन कुमार गुप्ता निवास। 9, अमर निवास, मोहल्ला परताप गढ जःमू तबी, (जें० ग्री के०)।

(ग्रन्तरिती)

महें वह वृष्यना चाड़ी करके नृजानिक सम्मृतित के वर्षात के निध्य कार्यगाडियां करता हो।

क्क कम्हित के वर्णन के सम्बन्ध में सोई भी कामोत:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति बुगरा अधोहस्ताक्षरी के पाक्ष किसी तमें किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम्, से अध्याय 20-क में पृरिशाधिक इ, यही वर्ष होगा थां उस अध्याय में दिया। गमा है।

धनुसूची

लाट नं० मी-33, काटेज रोड, ब्रादर्श नगर, दिल्ली, ताबादी-422.22 वर्ग गज।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सक्षयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ला--110002

सारी**ख:** 6-2-1986

प्रकृपः नाष्ट्रीः द्वाः एतः एस् . ~ - - -

भागकर है विवयस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बसीन स्वना

भारत सरकार

क्यमंत्रमः, सहायक गायकर आयुक्त (विरीक्षण) श्रजन रेंज-2, नई दिल्लं:

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवर् 1986

निदेश सं० आई० ए० मा०/एवय०/2/एस० प्रार०-1/ 🚅 6-85/125--- श्रनः मुझे, श्रार**० प**्० राजेश. अध्यक्तर अविधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें • इसके परचात 'लक्त अभिनियम' कहा गया **है), की भार** 269-स के गधीन भक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं भौर जिल्हा मं० 16-ए, रोड नं० 32 है, तथा जी पंजाबी बाग, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबढ़ ग्रन्सूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिक्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीक जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के इन्यभान गौतफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मुखे वह विश्वास कारने का कारण ही कि ग्यापसींबर संपत्ति का उपित बाबार श्रम्य, समके कारमान प्रतिपात में, प्रेसे कायमान प्रतिफल का शन्दह प्रतियात से विधिक है बौर बन्तरक (बन्तरकों) बौर वंत-ेरती (अंतरिक्किं) के नीच एंगे अन्तरण के निए तय पाया गुगा

> (क) नभारण से शुर्व किसी नाव की बावव, उन्तर विधितक्य के क्यीन कार को के कमारक के वामित्व के कभी कारने या उनसे वसने में स्विभा के लिए; वरि/वा

अतिफल, मिम्निलिखत उद्बोश्य से उक्त अन्तरण सिविश में

भारतीयक रूप से कथिया नहीं किया गया है ए---

ए) एको किसी आय वा किसी धन या बस्य बारिएकों को, धिन्हों भारतीय बायकर विभिन्नया, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की मगरियम) जनकिया किया प्रयाद गहीं भिन्नया एका वा विभाग की स्थाद की स्थाप की स्

सतः अस, उक्त विधितियम क्षी भारा 269-ए को अनुसरक अँ, भँ तक्त कीभिनिकक की भग्य ऐ60-ए की एककाण (।्रैं को सभीत निम्नसिखित व्यक्तियों, सर्भात् ः--- 1. श्री विनीत क्रुणना रोहनगः सुपुत्र श्री कुमार क्रुणना रोहनगः, निवासी मनान नं 40/7, यरीणता रोड, बलवक्ता—31।

(भ्रन्तरक)

2 श्रींभिनी मंजू गुप्ता पत्ता श्री जे० के० गुप्ता, निवासी 15/29, पंजाबी बाग, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

ना वह सूचना चारी करके प्योंकत सभ्यत्ति से अर्जन के फिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत तम्बत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स अविश्वां में से कि की व्यक्ति प्रवास,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिल-बबूध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात किस्ति को किए मा सकर्ष।

स्वश्राकरण :----इसमी प्रयुक्त शब्दों शाँर पदीं का, भी अक्छ अधिनिध्या, की अध्यात १,००० मा पीटासीयत है, वहीं मर्थ होंगा, जो उस सम्याय मी विगा स्वा है।

मन्स्धी

प्लाट नं० 16-ए, रोड़ नं० 32, पंजानी बाग, नई दिल्लो, एरिया 279.55 वर्ग गज।

> भार० पो० राजेग सक्षम प्राधिकार, सहायक ग्रायकर ग्राप्कत (निर्देशण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली; नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्रकल काइ. टी. एन. एसं. -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्तक)

भ्रजेंन रेज-2, नई दिल्पी नई दिल्ला, दिनांज 6 भरवरी 1986

तिदेश सं० श्राई० ए० सो०/एवयू०/2/एस० श्रार०-1/ 6-85/126-अनः मसे, श्रार० पी० राजेण,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारी 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की सं० 22, श्रां राम रोड, है तथा जो श्रीराम रोड, सिविल लाईन्स, दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रान्वर्ता श्रीधकार, के जायित्य, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियोन, सारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत जक्त विध-विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दावित्व में कभी करने मा उससे मचने में सुविधा के विद;
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को या किया जाना बाहिए था, खिपाने में मुविधा के सिए; और/या

कतः शवः, उकतः अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री शारत चन्त्रा गुप्ता सुगृत्र श्री विमल चन्द्रा,
 श्रीयती शकुन्तला देवी पक्ती श्री विमल चन्द्रा, दोनों निवास: 22, श्रीराम रोड, सिविल लाइन, दिल्ली।

(अन्तरःः)

2. (1) श्रा विरेन्द्र कुमार जैन, शजेन्द्र कुमार जैन, भरत कुमार जैन, नरेन्द्रर कुमार जैन, सुपुत्रगण श्री श्राजित प्रसाद जैन, निवासी 22, श्राराम रोड़, दिल्ली और सुरेन्द्र कुमार जैन सुपुत्र श्री श्राजित प्रसाद जैन, निवासी 2943, गटरा खुस्साल राव, किनारी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्परित के अर्थन के जिस् भार्यशहिमां करता हो।

उक्त सम्बन्धि के मर्थन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर्न तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

नन्त्रभी

बना हुम्रा प्रोपटौँ (प्रानी निर्मित) पूरा भवन टेनेन्ट, एक मंजिली 1400 वर्ग गत, 22 श्राराम रोइ, सिविल लाइन, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्रःधिकार, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

सारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बलाकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्थासय, सहावक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंग-2, नई दिल्लो नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० अई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 6-85/128-अत: मुझे, आर० पो० राजेश,

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः जिस्त सभिनियसं कहा गया है), की भाषा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वाद कारने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकों सं० 37/7, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्री ति श्रीधकारी वे कार्यालय, दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीफ जुन, 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल को सिए अंतरित की गई है और बुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार बृत्य, उसके खश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय स्य पाया गया प्रतिकाल निम्निसित्ति उक्ष्यक से उन्त अन्तरण सिवित में स्टानिक क्या में क्षिण नहीं किया गया है:--

- (क्ष्युं) अन्तरण संहुई किन्द्री अस्य कर योगे यासता, उक्षत अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरण के द्यासिक में ख्रमी करने या उसके वक्कों के द्विधा के क्षिप्र; क्षेद्रा/अप
- (क) एंसी जिली बाब वा किली भन या जन्म बास्तिवों को, जिल्ह भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विश्वतिक्रम, या भन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोचनार्थ जन्मारती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना को हुए या, छिपान के स्विधा के लिए;

 श्रामती मोहिनी देवो, निवासी 37/7, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2 श्रा केवल कुशन व मधु चढा, निवासी 37/7, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जनत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन की अविधि. या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिंखित में किए वा सकेंगे।

स्वकारिकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा पदा हैं।

अनुसूची

मवाटर नं० 37/7, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर्शक्षण) श्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

इक्य बाइ ् हो. एव. एव. ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के नंधीन सूचना

शारत बर्डका

कार्यात्रय, सहायक बायकर बायक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर.०-1/6-85/129--अत: मुझ, आर० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एच-77, कीर्ति नगर, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्सा अधिकारी के वार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीवरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वस्तान इतिफल के निए अन्तिरत की गई है और मृत्रे वह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाचार भृत्य, उसके द्वस्तान प्रतिफल से, ऐसे द्वस्तमान प्रतिफल के जन्द्र प्रतिकृत से विधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितिसों) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तब वाया जवा प्रतिक कम निम्नसिचित उद्देश्य से उच्य बन्तरण सिचित में बास्तिबक का से कथित नहीं किया बना है है—

- (क) नंतरम से हुई किसी नाग की दावत, उसते वीधीनगर के उधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्य में कभी करने मा सबसे यसने भी सुविधा के लिए, वीध/वा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा वन्य व्यक्तियाँ को विन्हें भारतीय वावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोवधार्य बन्तरिती ब्वास प्रकट वहीं किया प्रवा वा विका काना वाहिए वा, किसाने में कृतिधा के निका;

कतः सब, उस्त सीधीनयमं की धारा 269-म के बन्सरण को, मी, उक्त सीधीनयमं की धारा 269-म की संपधारा (1) के संधीन, निर्मातिकत स्पव्तियों, संधीत् हर क 1. श्री आर० एस० अरोड़ा स्पुत स्व० श्री के० एल० अरोड़ा, निवासी 46/10, ईस्ट पटल नगर, नई दिल्ली, आर० पी० अरोड़ा स्पुत स्व० श्री के० एल० ग्ररोड़ा, निवासी ए-1/193, पण्चिम विहार, नई दिल्ली, ए० के० अरोड़ा, स्पुत स्व० श्री के० एल० अरोड़ा, निवासी जे-63, कीर्ति नगर, नई दिल्ली, पी० के० अरोड़ा, स्पुत स्व० श्री के० एल० अरोड़ा, निवासी ग्री-3/186, पश्चिम विहार, नई दिल्ली। (अन्तरक)

 श्री ग्रोम प्रकाश साहनी सूपुत्र स्व० अचरज राम साहनी, निवासी एच-77, कीति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सुचना चारी करने पूर्वोन्स सम्मृतिस के नर्जन से तिर् कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासंध:--

- (क) इस त्यान के रायपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की वर्गीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की दानीन से 30 दिन की सर्वीं , को भी नर्वां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना की राज्यभ में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- किसी बन्य कावित इवारा जथोहरताशरी के पास विविध में किया वा बकेंगे।

स्पन्धीकर्षाः ----इतमें प्रयुक्त बन्धों बौर पन्धे का, वो उपत बीधीनयम, के ब्रध्याव 20-क में परिभाषित है वहीं प्रयं होना यो उस प्रस्थाय में विका गया है ।।

नन्स्यी

2-1/2 मंजिला मकाम नं॰ एच-77, नावावी 266.66 वर्ग गज, कीर्ति मगर, नई दिल्ली।

> आर० पी०' राजेश सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 6-2-1986

इक्स बाइ ्टी.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत सहस्वर

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, भई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर०-1/ 6-85/130--अत: मुझ, आर० पी० राजेग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारां 269-च रहे लभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीण जिसकी सं 16 क्लाक 'एल' है तथा जो राजोरी गार्डीन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद अनुसुची में श्रीण पूर्ण क्या में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भागतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान श्रीतफल को एसे इत्तरका श्रीतफल का प्रवह श्रीतिका स्थापन श्रीतफल का प्रवह श्रीतिका से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिता (अन्तरिता का) की की पाया के निस्तरिता से विश्व करने से उचित कन्तरण कि प्रवास का श्रीतफल का प्रविक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिता से वास्तिविक क्या से किया गया है :——

- (%) अन्तरण वं हुइ किसी वाव की वावण, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कार अब वसत अधिनियम का भारा 269-ए के अनुसरण मां, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बेद प्रकाश, श्री प्रेम प्रकाश सूपुत्रश्री नाथा राम श्रीर श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री कृशम नाल निवासी, 7~130 सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ता सूरी पत्नी श्री ज० पी० सूरी श्रौर श्री जे० पी० सूरी सुपुत्र स्व० श्री देश राज सूरी तथा अभिभावक है दो माइनर सूपुत्र मास्टर अनिल सूरी श्रौर मास्टर विवेज सूरी, सभी भिवासी जे-6/32, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके प्रांक्त सम्मत्ति के अर्थन के मिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्ताट नं० 16, अलाक 'एल' नादादी 557.5 वर्ग गज, राजोरी गार्डेम, मई दिल्ली, ग्राम बसई दारा पुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जिन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्रकप नाइंड टीड पुन्ड स्थाड ------

जाबकार-जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के नभीत्-सूचना

RIZE ARMIE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 6 फरवरी 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/6-85/131--अत: मुझे; आर० पी० राजेश,

मानकर मौंपीनवम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें व्यक्त व्यक्ति व्यक्त विधीनवर्ग कहा प्रवा है), की धारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारों को वह विकास करने का कारण है कि त्यावर सम्पत्ति, जिब्ह्या उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 83 है तथा जो राजा गार्डन, भई दिल्ली नजफ गढ़ रोड़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुनी में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के चिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करते का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से विभिक्त है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया ब्रिक्त , निश्नोनिवित उद्योग्य से उस्त बन्तरण सिवित में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है के—

- (क) संतरण से हुई किसी बाव की वावस, अवस्थ अधिनिवृत् के वधीन कर दोने के संतरक के दायित में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के निय; और/वा
- (क) वृती किसी बाव वा किसी वन वा बन्ध वास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, था भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया चाला चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

सत्तक्ष जब, उन्त जीभनियम की भारा 269-न के बन्तरण कें, में, उन्त जीभनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्निसियत स्थलितजों, जभति ७ ज

- 1. श्री प्यारे लाल राना सुपुत श्री मुकन्द लाल निावासी आर० ए-39, इन्दरपुरी, नई दिल्ली, जी० ए० उनको पत्नी श्रीमती कमलेग राना, सुपुत्नी श्री जससवन्त राम, निवासी-916, स्टेंट फोर्ड रोइ, स्वार्क होल, बरमिंगम किटी (यू० के०)। (अन्तरक)
- 2. श्री रिवन्दर कुमार (2) सूधीर कुमार सुपुत्र श्री श्री राधे किशन, निवासी 83, राजा गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त बुम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ब्रविष, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाब;
- (क) इस स्वता के एजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनक स्थानर सम्पत्ति में दितनवृष् किसी अन्य स्थानत द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के बाब लिकित में किसे जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उनस् विभिन्तम के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस वश्याय में दिन। वना है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी प्रो नं० 83, भूमि का खन्छ, तादादी 266. 2/3 वर्ग गज, राजा गार्डन, नजफ गढ़ रोड़, एरिया ग्राम बसई दारा पुर, दिल्ली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्रकल बाई. टी. एन. एस. -----

कायकर आभानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन शूलना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, वर्ष दिल्ली नई जिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/3/एस० आर०-2/6-86/2619--37: मुझ, सुनीत चोपड़ा,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परमात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांग जिनकी में० सी 89, हरी नगर, खनरा नं० 533, है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रांर इसमें उपाबड़ अपुर्वी में प्रांग पूर्ण कर से विणा। है), गितस्ट्री नि अधि- कारी के कार्योग, दिल्ली में भागतीय र्जिन्ट्री प्रणा अधि- जियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985

करं पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार बृह्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई डै और मुफ्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बिक्ल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण हिक्कित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बच्ने में स्विधा के जिए। और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधनियम, या धनकर निधनियम, या धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-तार्थ नन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना जाहिए जा, कियाने में स्विधा के निए;

जत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कों, भीं, उक्त अभिनियस की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिओं, सर्थात् ६—-

- 1. श्री सूनाष मदान, पुत्र श्री इन्द्रजीत मदान, पता---जे-192, पश्चिम विहार, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री शाहिब राम अरोड़ा, ए-119, हरी नगर, क्लाक टावर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में आहे भी बाक्षेप उ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी न्यिक्तयों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्योक्ति व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति सुकार;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंब।

स्थव्यक्तिकरण: ----इसमाँ प्रयाजित काव्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। स्या है ।

नन्स्ची

प्लाट नं० सी-39, 220 वर्ग गज (60 33) खसरा नं० 533, हरी नगर सी ब्लाय, नई दिल्ली ग्राम जिहार ग्राम, दिल्ली।

> सुनील चोगड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 7-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस . -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्राण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०-2/6-85/2620-श्रतः मुझे, सुनील जीपड़ा,

नायक है विधिनयम 1961 (1961 का 42) (जिसे इसवें इसकें प्रकार, 'उसते विधिन्तम' सहा नया हैं), भी भारत (269-च को संधीन स्थान प्रतिभक्तरी को यह विद्यास करने का काइन हैं कि स्थानर सम्पन्ति विस्ता उचित् वाचार मूल्य 1,00,000/- का से नीधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 21 बीघा 11 बिस्वास है तथा जो खसरा नं० 30/21, 39/1, 31/25, 38/5, 6/1, 7/1 4/2 ग्रीर 4/7, ग्राम रतहोली, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्राहर्ता श्रीधारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधान, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवां) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में भास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण यं सूर्य दिश्वती आम् की वाल्याः। काल्य अपित्रवृत्व से स्पीत कुट योगे के अन्यक्रक से यहित्या में कृती कहते वा अन्नत्ते वर्षे में अपित्रक से सिए; मुडि/या
- (क) एसी किसी आम ना किसी भन ना सम्य शाहिस्तकों का, जिल्हां भारतीय साय-कर विधिनितक, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनितक, ना धनकर बिचिन्यक, ना धनकर बिचिन्यक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तिहिती हुतारा कुकट नहीं किया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए?

अतः अव, अक्त जिभिनियम कर्ते भारा 269-ग के अपूतरण मं, मंं, उक्त जिभिनियम कर्ते भारा 269-म की उपभारा (1) के अभिन, निम्मलिखित ज्ञिकारों अभाव ६---

- 1. सवश्री मागे राम करतार सिंह और नारावण सिंह, श्री छाजू सिंह, पत —ग्राम रनहोला, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री मोहन कुमार गर्ग पुत्र श्री के० सी० गर्ग, पता—सी-16, भगवानदास नगर, दिल्ला, (2) श्री भगवान सिंह पुत्र श्री हरदवारी लाल पता—ए-24, एल० श्राई० जी० कालोनी, नई दिल्ली (3) श्री नरेण कुमार पुत्र श्री देवी राम श्रीर (4) श्री सतपाल सिंह, पुत्र श्री देवी राम दोनों का पता ग्राम मुन्दका, दिल्ली। (अन्तरिती)

को सह सूचना कारी करको पृशीकत सपत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहिमां चुर्व करता हुई।

उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बद्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच सं 45 विन की वन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचन की तामील से 30 दिन की वन्धि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सि<u>चित में</u> किए जा सर्कोंगे।

स्पष्किरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उनत आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा है, अहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गुवा है।

अनुसूची

लैंग्ड 21 बीघा 11 बिस्वा खसरा नं० 30/21, 39/1, 31/25, 38/5, 6/1, 7/1, 4/2 और 4/7 ग्राम रनहोला, दिस्ली।

सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॉज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 29-1-1986

प्ररूप आहें दी एन एवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, महामक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज~3, नई दिल्ली
नई दिल्ली; दिनांक 7 फरवरी: 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-2/6-85/2621—श्रनः मुझे, सुन,ल चोपड़ा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्त 1,00,000/- २०. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 27 रोड़, 54, पंजाबी बाग है सथा जो दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसुकी में श्रीर एणें रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिष्टकारी के बायलिय, दिल्ला में स्थित है भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम, 1908

(1908 द्या 16) के छोन, तारिश्व जून, 1985 को पर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के क्यामान प्रतिण्य के उपित बाजार मृस्य से कम के क्यामान प्रतिण्य के किया अन्तिरत की गई है और मृझे यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाबार क्या का उपके दरसमान प्रतिफल से एसे स्वयंवान प्रतिफल का पंदह प्रतिपाल से विकास के विकास के विवास के विवा

- (क्ट) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत बिध-नियम के बधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;
- ा अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. भें उन्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभी। निम्नलिखिस व्यक्तियों. अभीत ह

 श्र₁ जोगिन्द्र सि_ए, पता—2/70, पंताकः वाग, दिल्ला।

(भ्रन्तरक्ष)

2. श्रांभता कमलेश श्रलूंग, पता--30/27, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिता)

का यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तागल से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थाकरणः—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है...

धनुसूची

सम्पत्ति नं० 27, रोड़ नं० 54, क्लास 'डो', पंजाबी श्वाग, दिल्ली।

> सुनीन चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-3, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

सारीख: 7-2-1986

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन त्वका

कार्यांसय, सहावक बायकर वायकत (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्विं। अंपर०-2/ 6-85/2622-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भागकर निर्मानम्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उनके निर्मानमम्' कहा कता ही), की भाग 269-च के निर्मान समान प्राधिकारणें को वह निरमास करने का फारन है कि स्थावर सम्मारित, विस्ता क्षिक बाबार भूका 1,00,000/- सं. से निर्मा है

ग्रौर जिसकी सं० 5 एन० डब्ल्यू० ए० फ्लैंट नं० 11 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरणज श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारख जून, 1985

को वृशेषित सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य से कम से कम करयमान प्रतिकल के निए अन्तरित की यह है और मुझे वह विश्वास करने कारण है स्थापृत्रेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में सास्त्रीयक रूप से कीथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) वन्त्रात्त वे हुन्ने हिक्की बाद की वायक, काव वीपनिवृद्ध के मुनीब् कह बोने के बन्दाहक के बाहित्त्व में कनी कहने वा बक्की वृद्यने में बृद्यिना के (ब्रह्म; बहि/बा
- (च) एंकी किसी बाव या किसी भन या कत्य आस्तियाँ की, जिल्हें भारतीय नाव-कर बीधनियम, 1922 श्री 1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा वन-कर बीधनियम, वा वन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री वनवारी लाल टान, निवासी डबब्ल्चे ०जे जेड-220, रोहनक रोड़, मादीपुर, दिल्ली, जनरल पश्चिम जटेल नगर, वर्ष दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हंस राज भाटिषा, निवासी 5725, मेन रोड़, सदर बाजर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

4. मेसर्स पाल मोहत कन्स्ट्रक्णन क०, कार्यालय स्थित 6/4792, चांदनी चौक, दिल्ली, इसके भागीदार के द्वारा स० मनमोहन सिंह सुपुत्र सरदार श्रायाब राम।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोव हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी कारके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्धन के निए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के रायान में प्रकावन की तारीय से 45 दिन की सविध मा तत्त्रंवंधी व्यक्तियों पर मृत्यना की तामीस से 30 दिन की नविध, को भी सविध बाद में सनाय्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्स कहिन्नवों में से किसी कदिन बुनारा;
- (व) इस सूचना के राज्यपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्तववृध् किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास विविध के किए था सकेंगे!

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

वन्स्यो

फलैट मं० पाल मोहन अपार्टमेंट, लगाट सं० 5 एन० डब्लयू० ए० पंजाबी बाग गाँव मादीपुर दिल्ली, क्षेत्र -112 वर्ग मीटर।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (सिरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीख: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एंन.एस.-----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंब-3, नई दिस्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 फालरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/8/एस० श्रर०--2/ 6--85/2623---श्रतः मुझे, भुनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करन का कारण हैं कि स्थावर संशीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

अंटि जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, डुप्लेक्स लेक्टर है तथा जो ऐंड क्षपर ग्राउण्ड फ्लोर विथ ए टुपर एिटा काफ 1.15 वर्ग मीटर्स, 125 वर्ग फिट इन द पाल मीहल सी क्षप्राटेमेंट्स पंजावी वाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिप्पर्ट कर्ता व्यक्ति कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिल्ड्र कर्ता व्यक्तिसम, 1903 (1903 का 6) के अधीन, तारीख जून, 1935

का पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन नियनत्विकत व्यक्तियों, अर्थात् :---30—506GI/85 1. श्री व (यारी लाल टडा पुत्र श्री विश्व नाय टंडन, पता डब्ल्यू० जेड०--220, रोहतक रोड़, मादीपुर, दिल्ली द्वारा जी० ए० श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री शेर सिंह, पता बी--10, बेस्ट पटेल नगर, गई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2. नेसर्व पाल मोहा कल्ल्ड्रकान कप्पती, 6,4792, चावती चीका विस्ती भूमियारों के हारा, श्री मन-मोहन सिंह पुत्र श्री काराणम औह िं र राम-एनकप कठका, पूत्र सर्वश्री बीं एसर कबर, पाल-9, पाल मोहा कपार्टश्रे,स, 5, नार्थ वेस्ट पीजार्वा बाग, गई विस्ती।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **वर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **बे**45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों **दर**सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, **जो औं**अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी से पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में वथा परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिवा गया है।

अनुसची

फ्लैंट नं० 9, प्लेक्स लोधर एण्ड श्रपर ग्राउण्ड फ्लोर, सुपर एच्टिश श्रोफ 115 वर्ष मीटन् 1255 वर्ग फिट श्राम द पाल मोहन सी श्रपामेंटेंट्स, पंजाबं बाग, नई दिल्ली।

्रनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेज-3, दिल्ली, सई दिल्ली-110002

वारीख: 7--2-1986

माहर:

प्रारूप आर्च टी. एन . पास

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सुचना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक भायक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० ग्रार०-2/6-85/2624-- ग्रसः भूमे, सुनील घोण्डा,

अवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- कि. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० डब्ल्यू० जेड० 39 है तथा जो वीरेन्द्र नगर, नई दिल्ली ग्राम तिहार में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्री-कर्ता श्रिधितारी के दार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्परित का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रसिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तम पाया गया प्रतिभत्त, निम्निशित उद्देश्य से उक्ते अंतरण जिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; और/सर
- (क) एमी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोक्तः :--- श्री प्रमर सिंह पृत्र क्रतार सिंह, पता-डक्स्यू० जेड-39, वीरेन्द्र नगर, नई दिल्ली

मन्तर १)

2. श्री देश राज सल्जा पृत्न श्री वजीर घन्द सञ्जा पता 23/21, ईस्ट पटेल नगर, मार्कट, नई दिस्सी।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को सर्पन के सरहरूथ में कार्ड भी बाओव :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी वन में किए या सकेंगे।

स्पच्छिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनस्ची

हाउस नं० डडस्यू० जेड-39 (वीजी/192) 200 वर्ग गज वीरेन्द्र नगर, नई दिल्ली, ग्राम विहार।

> सुनील वोण्डा पक्षम प्राधिकारी हैं एयक्ट (निरीक्षण)

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-2-1986

प्रकृप बार्चाः टी. एन. एस. ------

भायकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) से सभीन सचना

भारत तरकाइ

नार्वासय, सहायक नायकर बाब्क्त (निर्द्रीक्षण)

भ्रजन रेंज~3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 फ़रवरी 1986

निषेश स० श्राई० ए० सी०/एक्य्/3/एस० श्रार०-2/ 6-85/2625--श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया 🗗), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य

1.00.000 ∕- रु. से अधिक **है**

भौर जिसकी सं० **बी**−158 **है तथा** जो फ़तेह नगर, तिहार, नई दिल्ली सें स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध मनुभूषी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख जून, 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योध्य से उक्त मन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दारभ संहूर्य किसी बाग की बावस, उच्छ विधिनियम में अधीन कर देने के ननारक के शायित्य मं कमी करने या उससे वचने में सविधा कं निए; बरि/या
- (वा) एंसी किवर भाग ना किसी भन ना अन्य नास्तियाँ कार जिल्हा भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या भनकर विचित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

1. श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री सन्त स्हि बी-158, फ़तेह नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तु रकः)

2. श्री करतार किंह पुत्र श्री लाल सिंह, गता-14/ 6196, नवाब रोड़, बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

भ्रन्त(रती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वाक्तः सभ्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचनाको तामील से 30 दिन की अविधि, जां भौ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस ्ताके राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन के भौतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध **किसी अन्य व्यक्ति दशायः अधोह**स्ताक्षरी के पाप्त सिचित में किए जा सकों में ।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 2) क में यथा एरि-भावित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

श्रनुभूची

निर्मित सम्पत्ति न० बी~158, भूमि 183.1/33 वर्ग गंज, खसरा न० 477, फ़तेह नगर, ग्राम विहार, नई **विल्ली** ।

> स्नील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

क्तः भव, उक्त वृधिनियम् का भारा 269-व के वन्सरव में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत्:--

तारीख: 12-2-1986

शक्य बार्च .टी .एन .एस . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांच 29 जनवरी 1986

निदेश स० ग्राई० ए० सी ाण्नयू/3/एस० भाई०-2/6--85/2626--श्रतः मुझे, सुनील चो छा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूस्य 1,00,000/- रुठ से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी साठ जे-5/52 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली सें स्थित है (श्रीर इप्तसं उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीवर्ता श्रांधनारी के कार्यावय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रांधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1985 का पूर्वाबत सम्मति के उत्तिक बाजार मृत्य से की के दरयमान श्रितकत के लिए अन्तरित की गई ही और मुभी यह विश्वास करने का कारण ही

िक यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्ययमान अतिफल सं, ऐसे द्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित अब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा से सिष्ट; आर/या
- (७) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः, अत्र, उकतः अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण भो, भी, उक्त औधानयम की धारा 269- व की उपभारः (1) कृ अधान, अन्निसिक्त व्यक्तियों, सर्थाक :--- श्रीमती म₁न कौर पत्नी श्री इन्द्र सिंह, पता-जे-5/52, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री संपा राम नरूला पुत श्री सेत राम, श्रीमती गुरचरन कौर पत्नी श्री गुरचरण हिंह, श्रीमती जय कौर पत्नी श्री सेवा राम भौर श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री सेवा राम नरूला, पता-टी-298, श्रहाता किंदारा, दिल्ली-6।

(म्रन्विसी)

को यह सूचना जारा करके पृथ्नेवत सम्पत्ति क अध्यम के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबभ में काई भी आक्रम :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त हाती हुं, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किमी क्यों का अविध;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास क्षिरत में किए जा सकों।

स्वष्टिकरणः ---- इसमा प्रयुक्त शब्दा और यदा का, जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० जे-5/52, राजौरी गार्डन, ग्राम क्षेत्र सातरपुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली 160 वर्ग गज।

> सुनील चोपड़ा उक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज→3, दिल्ली, नई दिल्ली→110002

वारी**व: 29-1-1986**

मोहरः

प्रकथ मार्घ .टी.एन एस . ------

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६9 व (१) के अपीन स्थना

शारत सरकारु

काबासक, सहाकक कावकद्र कामृक्य (निर्दाक्षण)

भ्राजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांः 4 फ़रवरी 1986

निदेश स० आई० ए० सी०/एमपू०/3/एस० आर०-2/ ⁸ 6-85/2627--अतः मुझे, सुनील चोएड़ा,

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचालु 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिस्की त० जें ⊢3/76 - बी है, तथा जो राजोरी ग.र्डन, नई दिल्ली से स्थित है (श्रीए इससे उपाबद श्रनुब सूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री ति अधि ती के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 दा 16) के प्रधीन, तारीख जून,

को पूर्णीक्त सम्पन्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आरि अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नका प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण नि**खित** 🗚 बास्तविक रूप से कप्थित नहीं किया गया 🎉 ----

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अन्तः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्विष्ठ व्यक्तियों, वर्थात :---

1. श्रीमती प्राध्यवती उत्नी स्थ० श्री महन्द्र लाल खन्ना, पता-12/73, बी, तिलक नगर, नर्ध दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वजीर चन्द वोहरा श्रीर (2) श्री राज कुमार बोहरा, दोनों पुत्र श्री रोशन लाल बोहरा, दोनों ा पवा जे-3/70, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिसी)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधिः, जो भी बविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियाँ में ने किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्थनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास निमित में किए जा सकींगे।

ल्लाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम की लक्ष्माय 20-क में परिशामित हैं, बहां अर्थ द्र≀ण घा उस अध्याय में विया गया है ।

धनुसूची

जे-3/70-बी, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, 160 वर्ग गज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीक: 4-2-1986

प्रकल आई.डी.एन.एस.-----

नावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत स्वता

भारत तरकार

कार्यांक्य, सहायक नामकर नाम्क्त (निरीक्षक)

अजैन रज-3, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्वेश स॰ आई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/3/एस॰/आ२०-2/ 6-85/2628--अतः मुझे, सूनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्मात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य

1,00,000/- कः से अधिक हैं और जिसकी सं० जें-3/100 हैं, तथा जो राजोरी गार्शन, नहीं विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुकी में भीर पूर्ण रूप से विल्ली में भारतीय रिकस्ट्री ग्रंग अधिकारी के नार्यानय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिकस्ट्री ग्रंग अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीं जूर, 1985 को पूर्णें सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदंस अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए।
- नट. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण के, में, उक्का अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)

- 1. श्री गतमन राय बुझराजा पुत्र श्री रनजोत तिह बुधराजा पता जे-6/69, राजौरी गार्डन, नई दिल्लो ऐंड अटारनो आफ श्री अगोक कुमार बुधराजा पुत्र श्री रनजीत सिंह ग्रीर (2) श्री गया: सून्दर पुत्र श्री न्नजीत सिंह बुधराजा, पता जे-6/68, राजौरी गार्डन, नई बिल्लो। (२१ :)
- 2. श्रीमती भूपेन्द्र कोर पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह पता टी-337, श्रहाता कादरा नारा हिन्दू रात्र दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्पेक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पेक्तियों में से किसी स्पेक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारी कर 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन के बिक किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों वा, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषिष्ठ है, यही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी हाउस नं० जै-3/100, 'जोरी गाउँन, नई दिल्ली एरिया आफ ग्राम सातरपुर दिल्ली एरिया 160 वर्ग गज।

भूनील खोपझा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिस्ली, मई दिल्ली-110002

दिनांक: 29~1-1986

प्ररूप बाद . टी. एन. एक .----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए०/3/एस० आर०-2/ 6-85/2629--अतः मुझे, सूनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

1.,00,000/- र. स आधक ह

भौर जिसकी सं० ई~ए→168, हाफ भाग ईए→169 है,
सथा जो ग्रा० नारायणा, नई दिल्ली आफइंद्रपुरी एक्स०
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसुची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिंग्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिंग्ट्रीकरण अधिकियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत निम्नीलिकित अधिकारों, अधीत क्रिक 1. श्रीमती केसर कीर ग्रांर श्रीमती बेन्स कोर विश्ववा स्व० श्री गुरचरन सिंह दोनों के पता म ताम नं० 984, णिवाजी स्ट्रीट, करोल वाग, नई दिस्ती।

(अस्तर हा)

2. श्री जे० के० गोयल पुत्र श्रो आर० पी० गोयल, पता ई-ए 126, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली-12। (अन्तरिती)

3. श्री गजराज सिंह पुत्र श्री भोला सिंह एवं अस्य। (वह अ्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्साक्षरी के पाल सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्का अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिशाविका हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है।

मनुसूची.

प्ताट बयरिंग नं० ईए-168, स्रोर आधा भाग नं० ईए-169, मेंसूरिंग 300 वर्ग गज (45' 60') साम नारायणा आबादी इन्द्रपुरी एक्स० कालोनी, नई दिल्ली-12।

> नूनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मारीख: 29-1-1986

प्रक्ष्य बाह्र : दी. एत. एस्. - ४ = - ४-

नायभार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की नाज़ 264-य (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसक, सहारकः अयमार आक्रकत (निरीकाण) अर्जन रेंच-3, भई दिल्ली

नई दिल्ली, दिर्भाक 7 फरवरी /1986

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-2/ 6~85/2630--अन: मुझे, सुनील चेशङा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्मित, जिसका उन्नित बाजार मृल्य 1,00,000/ रु से अधिक है

श्रीरं नित्रको सं० 60, निवाजी पार्क, ग्राम मादीपुर है तथा जो जिल्ली में जिया है (श्रीर इत्ती उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है), रिक्ट्यी ति अधितारी के साथी जिस, निर्दे जिल्ली में भारतीय रिज्टी का श्रीय का 1995

(1908 का 13) के अधीत, वारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विद्यम्य का का का प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विद्यम्य का का का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकल का प्रतिकल में अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एों अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित इंदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त रुधिनिष्ण के अभीन सर धने के प्रस्तरक के झाँकनक हो प्रक्री भूकने भागकों क्याने में त्रिवाम के जिल्ला रुप्त स
- अर्थ शिल्ली आय वा किसी धन वा जन्म आस्तिवाँ कर्ते; जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 कर्ते अधिनियम; पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिया.

अतः अस्त, उदत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, भी, उदत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधितः— ा. श्री सोहन निष्ठ० पुत्र तेजा सिंह, पता−37/26, ईस्ट नटेन भगर, भई दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. श्री भवीत कुमार मलहोता पुत्र धिव कुमार मण्**होता,** पता—एच० 83, धिवाजी पार्क, मई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पर्तित के जर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई भी बाक्षेप :-- 🦼

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो. की भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रशास:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

ं फी होल्ड प्लब्द अफ लैन्ड प्लाट नं० 60, एन० ब्लाक एच०, 242.8/10, वर्ग गज, शिवाजी पार्क, क्षे**श ग्राम** मादीपुर, दिल्ली रुटेट, दिल्ली।

> मुनील घोपड़ा ातम प्राधि तारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारी**ख:** 7-2-1986

पारूप आई. ती एन एस 👵 👵

अध्यक्तर अधिनियम | 1961 (1961 कि. 43) श्री की धारा 269 ध (1) के अधीन अस्टन

कार्यात्वः, सह्यकः अधिकः आकृतः (जिनीसन)

अर्जन रेन-2, नई दिल्ली

मई हिल्ली, दिलों ३ १३ फरवरी 1986

निवेश सं काई एवं सी /एनपूर्व/3/एतव अपरा-2/6-85/2631--ातः मुझे, सुनी चिल्डा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का का का का का कर स्थान का अधिक है।

भीर जिलाकी संव सी-11, है तथा जो छण्या पार्क, धिले । पोसन्गीपुर, दिल्ली में लिया है (भ्रोस इस्ते छोलबस प्रमृत्वी में विणाः है), तिह्ही सी तथि सी के तथि सार्वास दिल्ली में भारतीन प्रतिदृत्ति ए विधितम, 1908 (1908 जा 16) के अधीत, तिल्ल जूत, 1985

की प्यंक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के उत्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यद्यार्थिक एप्ये र कर प्रित्य कार मृद्ध, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से, एमें द्राव्यमान प्रतिफाल के प्रतिफात में अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार) कार व्यवास्ती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उत्वदिया में एक्त अन्तरण विकित्स में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरक में हुई फिसी यहा की मन्तरक के विधिन्यम के लगीन कर बने के मन्तरक के विधिन्य में कमी करने था उससे तथने के सिवधा है। किए की विधान के वि
- (क) एसे किसी आग मा किसी भन मा अन्य कारिनको की जिन्हों भारतीय आय कर अधिन्छ , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम् , मा अप कर अधिनयम् , मा अप कर अधिनयम् , 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ अन्ति की वृद्धारा पकट नहीं किया । व्या या जिया अपना साहिए था , छिपार ज ए एक पर के जिए:

अतः अस, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के, अनुरुष ने, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (।) के अधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--31—506GI/85 श्री दिवाण गामिय मेत्वा पृक्ष गुरुनारायण मेह्ता प्रमानन 125, प्रायेष्ट ए अल्ख्यानचा, यालकाजी, मई विक्ली।

(अन्सरक)

2. श्री हरीण चन्द्र कोचण ऐंड चन्द्र मोहम कोचर पुत्र एवल भागल कोचण दोनों का पक्षा, सी-20 ए, अल्ल्य एसक्टिय एक टेंग्स, अजंता टाकीज के पाल, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

खबत सम्प्रोतः के मर्जन ही सम्बन्ध हो कीवा भी बाक्षेप ट---

- (क) इस स्थान के राजणन में पकाजन की तारी पे र दिल की अवधि या तत्सरकाशी स्वित्तसों पर मुक्ता की तामील में 30 दिन की स्विध, जो भी नामित जान में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिकारों भी में फिली व्यक्ति वनारा;
- (स) इस न्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायन सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस्त्र निस्ति में किए जा सकी ने।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं लर्थ होंगर भी उस सभ्याय में विका गया हैं।

प्रनुसूची

सी-11, 450 वर्ग गज, कृष्णा पार्क, ग्राम पोसनगपुर, खसरा नं 5/16, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा रक्षम प्राधिकारी राह्मका आस्ट्रां आयुक्त (विरीक्षण) अर्जीक्ष रेज-3, दिल्ली, वर्ष दिल्ली-110002

電荷表: 12-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज १, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आदे० ए० सी ०/एक्यू ०/3/ एस० सा४० 72/ 6-85/2632--श्रस., मुझे, सुनील चोपड़ा,

नामकर निर्मित्तवस, 1961 (1961 का 43) धीकते इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सकाम शाधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विनका उचित वाणार म्स्व 1,∪1/,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिलकी सं 0 146, किला तं 0 25/1, विष्णु गार्क है, तथा को नई विल्ली में स्थित है (शीर इलावे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णि। है), भिर्म्हकर्ता अधिकारी के वार्यालय, नइ तिरुला में रिजिन्द्री, एण अधिनियन, 1908 (1908 रा 13) के अधीन, तारीख जुन, 1985

स्तं पूर्णोक्त संपरित के उपित बाधार मृत्य सं स्त्र के स्वयमान बितकत के तिए कलारित की नहीं हैं और मुखे यह विध्वाद करने का कारण है कि मणापूर्णेक्त नागरित का उचित बाजार मृज्य, उन्नमें क्यमान प्रतिप्रस की, एसे प्रश्यमान प्रतिप्रस का पंस्त विकाद से विध्वा है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिजी (अन्तरित्वों) के बीण एसे अन्तरण के तिए तब पाता एमा और-का विकाद उपनिवास उपनिवास में उपनिवास कर कि निवास में मान्यिक रूप से किंग्स नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दाधित्व में क्यों करने या उत्तर घणन में मुर्गिया के लिख, करि/याः
- (च) ऐसी किसी बात या किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, चिन्हें भारतीय बातकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोकतार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं सिन्ध एया धा या फिला जाना काहिए धा कियाने हैं हरिका के सिक्

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अधिगरा (॥) के अधीम कियानिता व्यक्तियों, अधीत :---

() शिव त नाग बारा पुत्र श्री पंडित किशन चन्दे बत्तरा पता-146 विष्णु गार्डन, नई दिस्सी।

(अन्सरक्)

(2) श्रीमित सुरजीत कोर पत्नि श्री मुलदीप सिंह, पका— ई 17, मान सरोवर पार्थ, णाईवरा, दिल्ली -32 (अन्तरिती)

को यह सुधना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यशाहिमां करता हुं।

उनक राज्यकि से अर्थन् के सम्बन्ध में सार्व भी मार्क्याः---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और विधि वाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुदाय;
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावार शम्पत्ति में हित-बद्दण किसी मन्य स्थिति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाष निवित में किए वा हकोंने ।

स्थलकी करणः --- इसमें प्रयुक्त शर्म और पदों का को उक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

नन्स्वी

है। उस न० 146, 'लाट नं० 146, भूमि 150 वर्गेनंगज किया नं० 25/1, रैक्ट नं० 35, ग्राम ख्याला दिल्ली स्टेट आबादी विष्णु गार्डम, नई दिल्ली 18

> सुनील चोग इं। जिस्म प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, नई विल्ली 110002

तारीख: 7 2-1986

प्रकृष्ट, बाष्ट्र³, टी. प्रप्त. प्रस्ता, कार्यक

श्राप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-श (1) के अधीन स्थाना

भारत प्रकाह

कार्यासय, महायक भायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रु ७ एरवरी, 1986

निवेश सं० आई० ए०सी०/एवयू०/१/एरा०आ४०-१/ ७/85/2633,-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उण्णिण बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

र्मार जिसकी सं० 4वीं/16 है तथा जो तिलक नगर, वह दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में मौर पूर्ण त्य में विष्ति है), रिजरद्रीयार्ता अधिकारी के नार्याक्य, नई दिल्ली भारतीय रिजस्ट्रीयरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारील जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के क्ष्यमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का बल्लाइ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ट) हीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नतिचित उद्देश्य से उन्तर अंतरण मिनियत में बास्तविक रूप से कथित 48ीं किया गया है :—

- (क) असरण से हुन्द्रं किसी नाय की बान्स, समय अपिटिन्द्रभ भी अपिन कुछ दोने भी अन्तरक के शामित्य में कभी करमें या उससे अपने में सुनित्तः के विष्युः बहित्या
- (स) ृत्ती किसी बाय था किसी थण या अन्य बास्तियाँ अर्थ, जिन्ही भारतीय बाय-कर विधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधीनयम, या थल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रकार भा या किया जाना जाहिए था, कियाने यो प्रविकास के लिए;

नतः सन्, उनतः निधनियमं कौ धारा 269-गं के जनुसरण सैं, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के उपीण निम्निसिन्तित व्यक्तियों, नर्थात् :---

- (1) श्रीमा। एमिल कोह्लो परिन स्व० श्री मनोह : लाल कोहली, जा-48/17, तिलक नगर, वई दिस्ली । (अनारक)
- (2) श्रीमिति पुष्पा सठी गरिन श्री राजिन्द्र स्ठी. पता-डब्स्यू० जेड-140, बिनोरा मार्कीट, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किक कार्यगाहियां सूक करता हूं।

उपत्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेंप ड----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर जन्म स्थावर सम्परित में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

ल्क्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्क जीधनियम के जभ्याय 20-क में पीरक्रतिषद्ध ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया दी।

अनुसूची

सरकारी निर्मित भवन न ० 4वी/16, तिलक नगर, नई विल्ली।

> सुनील चोपड़ा यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली 110002

मारीख: 7-2-1986

प्रस्तप बाह¹. टी. एव. एसं क्लान्स कर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचनः

भारत सरकार

कायां सम्बाधक आयं कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- दिनां उ. 13 फरावरी, 1986

निदेग सं० आई० ए०पी । (त्रू०/3/एउ० अस्०-2/6/85/2634—अस: मुझे, सुनी । चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकार्य को यह विश्वास करते का कारण ही कि स्थान के लिए कार्य के कारण ही कि स्थान के लिए कार्य कार्य के लिए कार्य के लिए कार्य के लिए कार्य के लिए कार्य कार्य कार कार्य के लिए कार्य के लिए कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

श्रीर जिमकी सं० एस-49 हैं ाथा जो भाजांसी गार्डा, गई शिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जारबाद सनुसूची में आप पूर्ण कर के दर्शित हैं), रिजिस्ट्री क्रिती अधिकारों के कार्यालय, गई किरलों में भर तीय रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम. 1908 (1906 T 10) के वर्धित तारीख जुन, 1935,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त के किए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके दश्यमान प्रतिफल से एरो दश्यमान प्रतिफल का प्रत्य का प्रतिकत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) बोर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एक अन्तरण के लिए तय नावा गया प्रतिकत्त, निम्नसिकित उच्चेष्य से उच्न अन्तरण के लिए त्य नावा गया प्रतिकत्त स्व से कांचत संवीक्त में नावा का प्रतिकत्त स्व से कांचत नावा स्व स्व

- (क) वन्तरण वं हुएं किसी याथ की शवत, शक्त विधित्यम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या यात्र अभव आ यांक्रिक के लिए; और/मा
- (भ) एसी किसी अस ए किसी पर ए कर्न करिन्दर की तुन्दर की तुन्दर की , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम स्व भनकार ऑधिनियम, 1967 (1957 कि 27) के प्राप्यकार्थ अवस्थिती बुवारा अवाड एहीं बिह्म गया भा या किया जाना चाहिए था खिलाने की सुविधा के निए,

वर्तः वर्ष अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के चन्सरण वर्ते, में उक्त अभिनियम की धारा 26⊍-ध की उपधारा (1) वे अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री ित पाल सृपुत्र भी तोबाधाम, मकान नं व डक्ट्यू० अंड, 75, गांव-तरायना, दिल्ली ! (अन्तरक)
- (2) श्रो ্রেড बीত ামিচামে, দিবাसी -জীত/82, দ্যাযন ৰিৱাহ, দই হিল্লো । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

अबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारींच से राजपित का किया के कासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स क्यिन्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्स्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रमुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजान नं ० एस-४१, राजौरी गाडँन, नई दिल्ली ।

सुनील चौपडा मक्षम प्राधिकारी महायह आयहर आयुका (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्लो 110002

सारीख : 13-2-1986

प्रकृत साहा सी, एस, एस, ०००

भावकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जनरें ज, ५ई दिल्ली

मई दिल्ली, दिएएंक ए फरवारी, 1986

निदेश सं० शाई० ए० सो०/एवयू०/एउ०भार०-२/७-85 2635--अतः मुझे, सुनीः चंगडा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' लहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह दिश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका निधत बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से निधक है

स्रीर जिल्ली सं ० ए-114, खलाल तं ० ६/19, संसामार्डन, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (चौर इस र उपायह अनुपूर्वी में सोर पूर्णेक्प से विणित है), र जिल्ही तो विधित्तरी के कायि य नई दिल्लो में भागतीय पिल्ही लिए क्यिनियम, 1908 (1908 ता 16) के स्थिति, भागीस ज्या, 1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति को अचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि गर्थ पूर्वित अप्राप्त के एकिन अप्राप्त मूल्य उसको कारण है कि गर्थ पूर्वित अप्राप्त के एकिन अप्राप्त मूल्य उसको कारण है कि गर्थ पूर्वित के एकि अप्राप्त के अभिक्त है और अंतरिकी (अंतरिकार) और अंतरिकी (अंतरिकार) अप्राप्त के बीच एने अन्तरूप के निष्ण द्वय पाया नया प्रीप्त कस, निम्निलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरूप सिखित में वास्त्विक क्य से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तर्भ संहुई किसी बाय की बायस स्थाप मधि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; अक्टिया
- (च) एसी किसी नाव ना किसी भग ना अन्य नास्तियों को, जिन्हों का जीव आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उन्ता निधिनियम, या चून कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) चे प्रयाजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना वाहिए वा, कियाने में स्विधी से सिध.

्यः अ४. अक्ष वॉशीक्ष्य की परश ३६७-व की अनुवरण भी, भी, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) श्री गुरुईत जिल्लामुक्त भाग विहासा—आई० ए० 4 : १० सा स्थान, उर्द दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) प्रीतिती उर्राप्त कारा घरनी पूर्व प्राणं, पर्ता 730, गली गुरू प्रात्य, फार रोड, करोल बाग, मई दिल्ली।

(अर्किस्ती)

को बहु सूचमा बारों कारके धर्मातक जन्मक के लक्षक के जिल् कार्यवाहियां करता हुण्।

रमत सम्पत्ति को अर्जन को मध्यनम से काई भी शाक्ष्य:---

- (क) इस सुमना ल गाजपाल सो प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अवधि या जल्यापनधी त्यिक्तियों पर सुचना की हामीन स 3(1) दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, की भीतर ध्वाँ की स्थावित द्यारा;
- (त) इस स्वान क राजपाव में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य क्येक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद सिश्चित में किए जा अव्योध

स्पष्टोकरणः ---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में िका गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं०ए०-114200 वर्गे गल, खसरा नं० 6/19, ग्राम--पोसंगी पुर, आबादी शंजर गार्डंब, भई दिल्ली।

> सुनील चोनड़ा नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जभरें ज, नई दिल्ली

तारीख: 31-7-986

ETT KIE', E', ET, ET, THE , THE PROPERTY AND A

बायकार विधितिसभ, 1961 (1961 का 43) की धाउर 269-भ (1) वै अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सङ्घायक भावकर नायुक्त (निरीक्षण)

पर्जंन रेंज-3 मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनौंक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/3/एस॰ भार-2/6-85/2637----मतः मुझे, सुनीत चोपड़ा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसमें प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की बाध 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरम हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० ए-107 है. तथा जो ग्राम तिहार आबादी फतह नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची घौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का

16) के प्रधीन लारीख जून 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के शिवत वाजार मूक्य से कम के शब्यमान
वितास के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मूझे यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
बूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकत्त सं एसे क्रयमान प्रतिकत का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अध्यासन प्रतिकत का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अध्यासन प्रतिकत का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अध्यासन प्रतिकत का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अध्यासन प्रतिकत का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अध्यासन का
वाद्य स्थान स

- (क) अन्तरण वे शुद्र कियाँ वाय की वायत ; एका वीधिनयन के अधीन कर देने के वन्तरक वी वार्टिक्स में कमी करने वा कहते मुख्ये में वृत्तिया ने हिस्स; क्षीय/वा
- (क) प्रेती किसी जान ना तिस्ती थण ना अल्ल जारितकों को, विस्ते भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत जिथिनियम, या थणकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रजोधनार्थ बन्तरिती इवारा प्रभट नहीं किला नवा वा वा किया वाना वाहिए वा कियाने से प्रतिका के विस्ता के तिस्तु।

नतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के वनुसरण वा, वा, उक्त विधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) वं वर्धन विकास करियानों स्वर्धात हुन्स श्री खो० के० सूरी पुत्र श्री एफ० सी० सूरी पता ए-107
 फतेह नगर नई दिल्ली ध्रभी का नं० 94/15
 शिवाजी पार्क, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

2. श्री प्राभजीत सिहं पुत्र स्व० श्री विलोचन सिहं पता ए-107, फतेह नगर (तिहार) नई दिल्ली

(मन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्घन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द् बम्परित् के वर्जन में स्टबन्ध में खोड़ों भी नाकों। :--

- (क) ६ स स्वया के राजपण में प्रकातन की ताराध स 45 दिन की अवधिया त्रसम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वता की ठामील से 30 दिन की जनधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतद्व प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ठारीक स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्यबहुष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवित में किए था सकोंगे।

स्वक्योकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिसा ववा है।

वन्स्ची

जायदाद नं ० ए-107, निर्मित 1511/2 वर्ग गण (3371/2 411/2) खसरा नं ० 607 धौर 608 ग्राम तिहार में धाबादी क्षेत्र फतेह नगर, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रें ज-3, नई दिल्ली-110002

शारीच: 12-2-1986

प्रक्ष वादी टी पूर्व प्रवाहतरण्य

भायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन सूचना

भारत संस्कार

भागांतम, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रैंज नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनौंक 14 फरवरी 1986

निर्धेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार०-2/ 6-85/2636--श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार ज्व्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

स्रौर जिनकी सं० ईए-69 है तथा ओ इन्द्रपुरी नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इनसे उनाबद्ध स्ननुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है) रजिस्ट्रोक्ती स्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण स्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून 1985

को पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वान करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिणा से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक का तम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक का निम्निशिवत उद्वेदश्य से उक्त अन्तरण कि कि में अल्य-

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की पावल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भने या अस्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्ष्मकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना बाहिए था, किपाने में मुविधा के लिए?

अत: आर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग ली उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्वी सुरेन्द्र मोहन भाटिया पुत्र श्वी हंस राज भाटिया पता-25/24 घोल्ध राजेन्द्र नगर नई दिल्लो। (धन्तरक)
- (2) श्री बाबू लाल पुत्र श्री जायू मल सेथिया. पता 285(जी० बी० रोक दिल्ली।

(मन्तरिती)

का वह सुचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

क्ष्मत संपत्ति को वर्षन के संबंध में कोई भी वास्त्रेय :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविभ वा तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को बी अविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी बन्य स्थानित द्यारा वशोहस्ताक्षरी के बाब निवित में किए का सकोंने।

रचव्यक्तियण:---द्समें प्रयुक्त शब्दी बीर पत्रों का, वा अवस विभिन्तियक, को बाध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध द्वांगा को जल कथ्याम में विका गया ही।

नगत्त्री

प्रापर्टी नं ० ६० ए०-69 इन्द्र पूरी नई दिल्ली।

सुनील टोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंग नई दिल्ली

सारीख : 14-2-1986

· . -..------

प्ररूप बाई.टी.एट.एट....

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनौं। 14 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /गुस्यू०/ अ/एव० श्रार०/ 6-85/1109--श्रतः सुझे, सुनील वी।हा,

गणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मिक परेचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 164-क के अधीन रक्षण मिल्जाने भिष्ठ कि व्याम करने का भरण हैं कि स्थायर अपिन, िजनमा समित बाजार मृख्य 100,000/- रह. में अधिक हैं

धीर जिनकी सं० 7 ब्लाउ आर है तथा जो है। ज खान एक्केब नई दिल्लों में स्थित हैं (और इन्ते उत्तबद्ध अनुम्दी में और पूर्ण-रूप से विभिन्न है) रिभिन्नों तो शिक्षितारों के नार्थालय नई दिल्ली में भारतीय रिम्ट्रों एरण अधिकान, 1908 (1908 वा 16) के अधोन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है

श्रीर स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोख्न राज्यास्त का उचित बाजार मन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (संतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए: और/या

भारा अब अभित अधिनियम की भारा 269-न के भाग... भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, िम्लिनियत व्यक्तियों, संधीत है——

- (1) श्रीनित जाहिरा श्रोति राय, परित श्रीपत राय, पता--121. नवजीवन बिहार, नई दिल्ली । (धन्तरक)
- (2) श्रोमित णबनम मोहम्मर पत्ति मोहस्मद श्रब्दुला, श्रलगाज, पता--38, जोर बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृश्तीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के शंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना : राजपुर मा प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें अय्वत शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय है दिया गया हैं।

श्रन्भुची

ढाई मंजिला महान प्लाट नं० 7, ब्लाक श्रार० 416 वर्ग मीटर् होज खात एन्क्लैब नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III नद्दी विल्लो

तारीय : 14-2-1986

प्रकृष बाइं.टी. एन. एस. ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनौंक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० /3/एस० श्रार-3/6-85/1111--श्रवः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 1269- च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिनको सं० 7/40 श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसके उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय जिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उल्लामन मितकल के लिए बन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल है, एसे देश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंसरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चब्रवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (ग्र) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की बाबस, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय गा किसी भग या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः कव, उक्त विधिनियभ की भारा 269-ग के बनुतरण में, मैं उक्त निधिनयभ की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभी विध्वलितित व्यक्तियों, अर्थीत् कका 32—506 GI/85

- (1) श्रीमिति निर्मला श्रायौँ पहिन श्री एस० पी० श्रायौ, पता-7/40 श्रोच्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री अशांक कुमार पुत्र श्री चमन लाल पता-7/10 श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्िक के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षप :--

- (क) इत स्वा के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की सबीध या तस्सन्त्रभी म्यक्तिमाँ धर सुचना की तालीस से 30 दिन की बस्थि, जो भी बसीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिठ-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंने।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूच#

7/40 स्रोल्ड राजेन्द्र नगर; नई दिल्ली ।

सुनील चोपका मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-2-1986

प्ररूप नाहर् . ही . एन . एस . -----

भावकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचरा

गारत तरका

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी ाएक्यू ा 3ाएस० ग्रार-3ा 6-85। 1112—यतः, मुझे, सुनील घोषड़ा,

शायकर लॉमिसियम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त की भिनयम' आहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी जो यह निक्कास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्मति, जिनस्त जीवत बाकार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1225 से 1230 श्रीर 1259 गली नं० 4 हैं। तथा जो नार्शिनाला, वर्राल बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्ड़-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रध-न, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूळा ने कम के व्यवस्थान प्रियाल के लिए जन्तिरत की यहाँ हैं और मुझे यह विश्वस्थ करने का कारण हैं कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाकर भूष्य, इसके व्यवस्था प्रतिक्ता है, एसे व्यवस्थ प्रविक्त का पंसह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिसित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरूण सं हुई किसी बाय की वागतः, उनस विभिन्नव के अभीत कर दोने के अंतरक वे याजिस्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा वे लिए; वरि/वा
- (था) एया किसी आय या किसी पन या बन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा ककट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- (1) श्री मुरजीत सिंह सी-9, राजौरी गार्डन, नई दिल्ला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुदर्शन कुमार पता-40/566, नई मोती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचका चारी करके पृथाकित सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां कच्छा है।

उक्त संपरित को क्षीन के सम्बन्ध में कोई थी अपनेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपंत्रि में हिनबक्ष किसी उन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्वष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुरै, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नम्मची

जायदाद नं० 1225 से 1230 ग्रीर 1259, गली नं० 4, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, नई दिल्ली

तारीख: 12-2-1986

प्रक्रम बाइ ें ही. एवं. एस . -----

भायकर व्यापिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के अभीन स्थाना

शार्ट परकार

कार्याक्षय , सहायक भागकर बायुक्त (नि<u>र्</u>दीकण)

म्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फ़रवरी 1986

निर्दोण सं० प्राई० ए० सी० /एस्यू०3/एस० प्रार०-3/ 6-85/1121—अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर र्जाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित वाकार मस्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संव 16/4010-11, प्लाट नंव 3098/2314/
1, है तथा जो खसरा नंव 3531/3098, करोल बाग, गई - दिल्ली में स्थित है (प्रौर इन्से उपावड अनुसुची में प्रौर पूर्णकर से विणित है), रिजिस्ट्रीतित्र प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीतिरण अधिकियम, 1908 (1908 को 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से काम के जन्मनाम प्रतिफल के लिए अंतोरत की नर्द

हैं और मुक्ते यह जिस्तास करने का कारण हो कि सभाप्ताकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह गितमत से अधिक हैं और भतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्योग के अध्य प्रतिका के स्वाप्ति प्रतिका प्रतिका के स्वाप्तिका प्रतिका प्रतिका के स्वाप्तिका प्रतिका के स्वाप्तिका के स्वाप्तिका प्रतिका के स्वाप्तिका स्वाप्तिका के स्वाप्तिका स्वाप्

- (क) जन्तरण ते हुई किसी भाग की बाबत, क्यत शिथ-नियम के अभीन कर देने के जंतरक को काहिक्स में कमी करने या उत्तसे बड़ने में सुविधा के किए; बाँट/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या कसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चे शिए;

जत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, तैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उक्थारा (1), के अभीग, गिम्मजिक्ति व्यक्तियों अर्थां का (1) श्री विकम सिंह सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह, निवासी— 4010-11 गली नं० 33, रैगरपुरा , करोल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1.श्रीमित घोला देवी पत्नि श्री माधोलाल 2. नरेश कुमार 3. सुदेश कुमार, 4. श्री जय किशोर निवासी—32/3096, रैगरपुरा, करोलबाग, निर्द दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षम के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सन्पत्ति के वर्णन में सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ५- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तिकों में से किसी व्यक्तित वृवादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा जधाहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में किया गया है।

प्रनुसूची

प्रापर्टी सं० 16/4010 11, प्लाट नं० 3098/2314/7, खसरा सं० 3531/3098, गली नं० 33, ब्लाक प्राई० रैगरपुरा, डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेज, नई दिस्सी

वारीख: 14-2-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.,-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज, वई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ए 3 जनवरी 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०३/एस०ग्रार-३/ 6-85/ 1113-ग्रतः पुझे, मुनील चोरङ्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. के अधिक है

श्रांर जिसकी मं । 8ए/8 है तथा जो श्रांत्र भाजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इसके उपाग्रद्ध श्रा धुष्यी में श्रांग पूर्णस्प से विधित है), रिजस्ट्रीयती श्रिधि हो के यार्थलया नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ए। 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985,

मूर्य पूर्वा क्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्थारक की वाजित्य में कमी करने या उत्तर्ध बचने में तृतिधा के किए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निक्नार्लीसत व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री एम० के० महता पुत स्व० श्री प्रभू दथाल, पढ़ा-नं० 8ए 8, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली द्वारा नरेन्द्र कुमार चड्डा पुत्र श्री चमन लाल पड्डा पढ़ा-14/2352, वेदेनपुरा, करोल बाग, नई , दिल्ली जी० ए०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चानन लाल चड्डा पुत्र श्री ज्ञान चन्द चड्डा पता-एम-14/2352, बेदेनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूधना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 80/8, स्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, भूमि 85.9 वर्गगज।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायक्र श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रैंज, नई दिल्ली ।

तारीख : 30-1-1986 मोहर : प्ररूप बाह्र¹.टी.एस.एस.-----

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अर्धान सुचना

भारत संरकार

कार्यालप, तहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ब्राई० ए० मी० एक्यू०/3/एस०/ब्राए०-3/ 6-85/1114—ब्रातः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रुसे अधिक है

स्रोर जिसकी संव 27/56 है तथा जो पार्क एरिया, तरोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण-च्य से विणित है), रिजर्ड़ी स्त्रीं स्रियक्तिरी के टार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रविस्थिम, 1908 (1908 सा 16) के श्रवीन, तारीख जन, 1985,

करं पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने को आरण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविश्व को बास्तविक रूप से क्रिथत वहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम की अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उद्धरे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तिरिती इवारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिक्;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अपित, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ■—— (1) 1. लखजीत पिंह पुत्र एपा० बीर पिंह, 2. वीरेन्द्र जिह पुत्र लखजीत सिंह पिता एवं द्वारा श्राटारनी श्री लखजीत सिंह पता—27, पार्क एरिया, करोल-बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरह)

(2) 1. श्रीमिति सहप रानी पत्नि श्री के० सी० शर्मा,
2. राज पान गर्मा, 3. विजय पान शर्मा सभी
पुत्र श्री के० मी० गर्मा, पता—27, पार्क एरिया,
परोल वाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

निर्मित म शन नं० 27, ब्लाक नं० 56, पार्क एरिया, करोल-वाग, नई दिल्ली । 1288 वर्ग गज ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 14-2-1986

मरेडर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 30 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार० 3/6-85/ 1118—यत:, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर मिर्पानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है विश्वा जो प्रोटल राजिन वापर

श्रौर जिसकी सं० 4 बी/7 है, तथा जो श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) इति किली नाव वा किली भन वा अस्व आस्तिवों को . जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- श्री पूरन चन्द धवन पुत्र श्री राम िक्सन धवन, पता 8/5, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री बाल कियान सूद पुत्र

(2) श्रीमती पूरन सूद पुत्र बाल किणन सूद दोनों का पता-- 4 बी / 7, भ्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मनुष्यी

जायदाद नं० 4-बी, 7, भोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

सुनील चोवड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 30-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयवार अधिपियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

बार्याजय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली दिनौंक 30 जनवरी 1986 निद्रोंग मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/ए म० श्रार० 3/8/85 1116- --यतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इचने इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/~ रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 950 है तथा जो गली मन्दिर वाली मेन बाजार पहाड़ गंज नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (190 का 16) के अधीन तारीख जुन 1985

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिश्चित क्यक्तियों, अभित् :---

 श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा पुत्र श्री टी० टी० शर्मा श्रीर श्रीमती धर्मा देवी श्री जी० टी० शर्मा पता क मकान नं० 950 गली मन्दिर वाली मेन बाजार पहाइ गंज नई दिल्ली

(भ्रन्सरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री राम नाथ श्रीमती संगीता रानी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र पता मकान---नं० 3386 गली हिर मन्दिर मार्ग पहाइ गंज. नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करूर करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों ६८ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ल 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 950. 100 वर्ग गण स्थित गली मन्दिर वाली मेन बाजार, पहाइ गंज, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा नक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंग 3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 30-1-1986

एक्ट कार्ड्ड की हु **एए** हु क्या _{पुर} न स सनन्त

भाग्भतु म्रिनियम्, 1961 (1961 मा 43) की भाग् 269-म् (1) में अभीन स्थान

बाइव बड्रमा

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली दिनाँक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी००/एक्यू०/3/एस० ग्रार० 2/ 6-85/1115-यतः मुझे सुनील चेपाडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), का भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उभित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० संपत्ति नं० 1315 1316 से 1322 है तथा जो सन्गतराणन पहाड़ गंज बार्ड नं० 15. नई दिल्ली में स्थिन है (न्नौर इसने उपावद्ध अनुपूची में न्नौर पूर्ण कर से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती न्निधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण न्निधिनयम. 1908 (1908 का 16) के न्नधीन नारीख जून 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिनित उपस्थित से उच्च मन्द्रण विश्वत में पास्त्रीक कन ने कवित नहीं किया प्रसा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा स्टेक्सिए; सौर/मा
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उथ्य अभिनियम, वा भ्य-कुद अभिनियम, 1957 (1957 का 27) वी अवाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा विकास जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

भतः अब उक्त अभिनियम का भाष 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) से अभीन, निक्निनियित व्यक्तिमों, वर्मात् ६---

- श्रो लाला श्रो राम पुत्र श्रा राम चन्द पता 4775
 मेन बागार पहाड़गंज नई दिल्लो⊸-कर्त्ता एच० यू० एफ० ।
- 2 (1) श्रोमती उगान्ती देवी पत्नी श्रो रघुनन्दन दास पता—-8746 नं० 14-बी निधीपुरा करोल बाग नई दिल्ली।
 - (2) श्रामती भोला देवो पत्नो श्रा मोहन लाल पता— 8563. श्रराका गत रोड़ः राम नगर. पहाड़ गंज. नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यनाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध मों कांचे भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीच ते 45 दिन की अवधि या एत्सम्बन्धी स्थितवाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितवाँ में से फिसी स्थित द्वादा;
- (क) इ.स. स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्मब्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त कंट्यों और वर्षों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो सस अध्याय में विवा नया है।

बन्स्ची

एक मंजिला भवन निर्मित भूमि 612.00 वर्ग गज जायदाद नं पार्ट 1315, 1316 से 1322 मन्गनराणन पहाड़ गंज वार्ड नं 15. नई दिल्ली ।

> सुनील चोपडा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. दिल्ली नई दिल्ली 110002

तारीखा : 12-2-1986

प्ररूप शाई.टीं.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 30 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०श्रार० 3/6-85/ 1120--यतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.00,000/- रा. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी 89 है, तथा जो साऊथ एक्मटेनणन पार्ट 2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रहे प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गम्तिक स्था में शिथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, जायकार जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा ने रिनार

अस: शक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीत्:—— 33—506GI/85

- श्रीमती बिमला रानी कपूर पत्नी श्री गुरशरन दास
 कपूर पता--सी 41, स्वामी नगर, नई दिल्ली
 - (2) श्रीमती राज मोहिनी पत्नी श्री सन्त धास पता सी 40, स्वामी नगर, नई दिल्ली
 - (3) श्रीमती कमला रानी परनी श्री दया प्रकाश पतासी 39, स्वामी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 मैसर्स चन्द्रा एजेन्सीज, 17, कन्टीभेन्टल प्रनैक्स कनाट प्लेस, नई दिल्ली बारा मैनेजिंग डाइरेकटर श्री के० एल० खन्ना पना--बी.113, विवेक विहार, दिल्ली 32

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तालील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवास में किए जा सकोंगे।

स्पञ्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

2 है मंजिला भवन नं० सी-89, साऊथ एक नटेन्शन पार्ट-2, नई दिल्ली स्लाट एरिया 500 वर्ग गज ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्लां, नई दिल्लां-110002

नारीखं : 30-1-1986

द्धावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

STEEL STEELT

भार्यास्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 17 फरवरी, 1986

निर्देण सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०3/एम० ग्रार०-3/ 6-85/1122--अतः मझे, स्नील चोपड़ा शायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्यक परकात् 'खयश अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अभीन संकार प्राधिकारी की, भट्ट विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर **सं**परित जिस**का स्वित** काउनर मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक **है** श्रौर जिनकी सं० डी-146 है तथा जो न्यु राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 नई दिल्ली में का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के धरयमान प्रीमफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि यभापनींक्त संशास्त का उचित **बा**धार कृष्य, असके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का

पन्द्रहः प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पासा गया प्रतिन कल, तिस्तिविद्याण उदयोगय से सकत का रूप सिचित में बाब्त-

विक ७५ संकथित नहीं विकास सका 🕊 🖫

- (क) अन्तरण से हाई कि.मी आब की नावत, उचत विधि-नियम के बधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या अमर्ग बचने में मुनिधा के नियम बौर/वा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निक्:

लत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम को धारा 209-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मानिस्तिन व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- 1. श्री गाम लाल धवन, एफ०-1 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रो प्रकाण टेकचन्दानी श्रीमती जया टेकचन्दानी निवासी 18/10, ग्रोल्ड राजिन्द्र नगर नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्सि के वर्षन के सिख् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासपे:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को सारीच से 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की उत्तीस से 30 विन की स्थान, जो भी जनिय नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत इसाध;
- (क) इंग्र त्याना की राज्यान में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-बह्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किस जा सकोंगे !

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यश है।

≋न संचि

सरकार द्वारा निर्मित प्रापर्टी संख्या डी-146 न्यु रिजन्द्र नगर, नई दिल्ली।

> मुनोल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी भहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 17-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायः र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 30 जनवरी, 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एम० श्रार०-3/ 6-85/1123--श्रत: मुझे सुनील चोपड़ा

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एल०-7 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली में स्थितहै (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण कप स वर्णित है) रजिस्द्रीकरती श्रीधकारी केकार्यालय

नई दिल्लो में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1903 का 16) के ग्रिधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वेक्त संयक्ति का उभित बाबार मृत्य से कब के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरवमान श्रीतफल से, एसे अस्यमान श्रीतफल का पंद्रह श्रीतखत से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच होते अन्तरण के सिए तब पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखित खब्देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुइ किसी भाग की बाबस, उक्त अधिकियम के अभीन कर दोने के जन्तरक औ बाबित्य में कभी करमें या उससे वचने में मुविधा के सिद्ध; जॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अस्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय नामकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

बतः धवः, उक्त विधिनिवस की भारा 269-ग के वनुवरण तो, तो, उक्त विभिनियत की भारा 269-व की उपभारः (1) वे वभीन, निकासिकित व्यक्तिवीं, वक्ति थ—- मेसर्स शेवंग प्राइवट लिमिटेड, एम-64, ग्रेट / कैलाश-1 नई दिल्ली ब्रारा डायरेक्टर श्री कमल कौल।

(ग्रन्तरक)

 मेतर्स ग्रीन बैली एग्री मिलस लिभिटेड डी-58, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली-110065।

(भ्रन्तरिती)

को मह बुचना बादी करके पूर्णक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिः कार्यवाहिमां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 15 दिन की जबिध मा तत्संबंधी व्यक्तिमों पर तृचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठं कर व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश क 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पाकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्का और पर्वो का ओ स्वक्ष अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकास भया है।

रम प्राप्ती

निर्मित भवन नं० एल-7, 187 वर्ग गण, ग्रीन पार्क एक्स० नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-1-1986

स्क्य बाह्". ट\ पुर - एस ------

धारकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) ने नधीन क्वता

HILD STREET

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 फरवरी 1986

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/3/एस० श्रार०-3/ 6-8 5/1126--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके परवात् 'जनत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित् वाकार मृन्द 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एच-15/3, है, तथा जो मालबीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 190 8 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

नी पूर्वियत बम्मीता के उचित बाजार मून्य से कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का (न्यह अन्तिजल में मधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिकी (अन्तिर्शितमों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सय पावा गवा प्रति-फ विनिन्निजिसित उद्वेदर से उचत अंतरण सिचित में वास्तिवक क्य ६ कवित नहीं किवा ववा है ए--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त यिविवय के व्योग, कर योगे के वस्तरक के वाधित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के छिए; सरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सीवाभ के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुस्रक में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अधीत, :—

- 1. (1) श्री वरयाम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह श्रौर
 - (2) श्रीमती जसपाल कोर पत्नी श्री वरयाम सिंह पता--बी-341, न्यू फड़स कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री श्री जुगल थक्षांर फरमाह।

- (2) श्री नन्दे किशोर फरमाहदोनों पुत्र श्री रतन चन्द ग्रौर
- (3) श्रीमती सरोज रानी फरमाह पत्नी श्री श्रिमिती कुमार फरमाह सभी का पता—— जे-108, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, न्यू दिल्ली द्वारा ड्यूटी कन्सटीट्रटेड घटारनी सत्य प्रकाण पुत्र खुशी राम पता जे-108, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वेष्प किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

प्रापर्टी नं० ए०-9, एन० डी० एस० ई० पार्ट-2, नई दिल्ली क्षेत्रफल 300 वर्ग गज ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप् आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-3, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 7 फरवरी, 1986
निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०-3/
३ 6-85/1124--ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे गरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य
1,00,000/- रु. में अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० ए-9 हैं तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट2, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रांकर्ती अधिकारी के

2, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यांलय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, का 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

अधि हरनाम सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह पता— मंडी फूल डी॰ भटिशा (पंजाब) न्यू॰ एच-15/3, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मदन लाल राठी पुत्र श्री बाल किशन राठी पतः एच० 16/1, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्भाषा को नर्बन के प्रस् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्परित के वर्षन के सम्भन्न में कोई भी वासप ः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशम को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हितबद्ध फिसी कृत्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए का सकीये।

स्थव्दीकरण. — - ५ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित दी, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया कुदा है।

annual th

निर्मित जायदाद नं० एच-15/3, 1001 वर्ग गज मालवीय नगर स्थित, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्रक्य बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के मधीन सुधना

वारत स्टालन

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक, 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० मी ०/एक्यू०/3/एउ० श्रार०-3/ 6-85/1128—श्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिाम' कहा गा है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9-ए/13 है तथा जो छब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के श्रधीन, तारीख जुन, 1985

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (क्रन्तरिक्यों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया समा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उच्त कन्तरण सिखिड बास्तिवक रूप में करियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुइ किसी बाय की बाबत उक्त बाधिल नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में क्यी करवे वा अससे वचने में सुविभा के लिए; आहे./या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन बा जन्य करिस्तमों की, विन्हें भारतीय बादकर अध्िर्तन्यमः. 1922 (1922 का 11) या उक्त किर्नियंसः, वा भन्न कर विभिन्नियमः, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जियाने के श्रिका विराण की सिए; वार/वा

सतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण कें, कें, सक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन निस्तीसिकत व्यक्तियों वर्धात :--- मैंसर्स प्रकाश वती भॉला पत्नी स्व० श्री यू० ग्रार० विह भोला पता— 9-ए/13, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विमल वर्मी पुत्र श्री णामजी वर्मा 7ए/8 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वनित सम्मृतित के वर्षन के तिथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

धनुषुषी

प्रापर्टी मुनीसीपल नं० 9-ए/13, डब्ल्यू०ई० ए०, करोल भाग, नई दिल्ली 161 वर्ग गण, खसरा नं० 889/761।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंद रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-3/ 6-85/1129⊸श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- छः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० श्रार-776, न्यू राजेन्द्र नगर है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),

र्जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक एप से किया गया है :——

- (क) अतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धारित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर: निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीर :--- श्री ज्ञान चन्द खट्टर जै-389, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमत्। राज भाष्टिया पता---2465, सुभाप नगर, करोग बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्तित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तीकरण: -- इसनो प्रयावत शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभा-है, यही अर्थ होना ओ उन्ह अध्याय मे दिया गमा है।

अ**नुसूच**ि

धार०-776, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा ेअम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, दिल्लो, नई दिल्ली -110002

तारीख: 4-2-1986

प्रारूप आहें टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (पिरीक्रण)

प्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 फरवरी 1986

निर्वेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एम० श्रार०-3/ 6-85/1130~-श्रतः मुझे, सुनील चोगड़ा,

शायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिवः है

श्रौर जिसकी सं० 4 डी ०/32 है तथा जो श्रोल्ड राजेन्द्र नगर में स्थित हैं (ग्राँग इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के उच्चयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्भे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नक्षी किया गया है:——

- (क) अन्तरण मंहुर्म िकसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; श्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अबे अधीर मिन्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ं--- श्री विनोद बहुल एवं बोरेन्द्र बहुन द्वारा जनरल एटारनी श्री प्रकाण सी० खुराना 56, रामनगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रूप नारायण श्रधलखा पुत्न श्री बहादुर चंद श्रधलखा 4-डी/32, श्रील्ड राजेन्द्र नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह ।सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य अ्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्पर्काकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

निर्मित भवन नं० 4-डी/32, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली/110002

नारीख: 4-2-1986

प्रकर बाह्र हो हुन् पुरु जनवरनामान

अधिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारत 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत शतकार

भावनिय, सङ्गायक नावकर आगुरक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 फरवरी 1986 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० प्रार०-3/ 6-85/1451-- ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बावकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसकों इसकों परकात 'उक्त अभिनियम' कहा क्या है। की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1.00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० 626/3 पुराना, नया नं० 9/6425 हैं। तथा जो मुकर्जी गली, गाँधी नगर, दिल्ली-31 में स्थित हैं। (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि विश्वास करने का कारण है कि विश्वास सम्परित का उषित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिकाल के एन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नितिचित संब्वित से उक्त अन्तरण निम्नितिच्या में कारमित कर से कारमित कार

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उकसे बचने में सुविधा के लिए: करि/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्योजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाने जातिहुए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम औं भाग 269-ग के जनुसरण मो, मी, उत्र अधिनियम की धर 269-घ की रमधारा (1) के अधीन निम्निसिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 34 —506GI/85 श्रीमती मीना व्कुमारी पत्नी श्री रमेण घन्द पता--152-ई०ई कमला नगर, विल्ली-7।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री हंस राज पुत्र श्री श्रात्मा राम।
 - (2) श्री सतपाल पुत्र हंस राज।
 - (3) श्रीमती भगवती पत्नी श्री तेज प्रकाश।
 - (4) श्री सूरज प्रकाश पुत्र श्री तेज प्रकाश मकान नं∘ 626/3 (पुरानी) नया नं∘ 9/6425, मुकर्जी गली, गौंधी नगर, दिल्ली-31।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकासन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे

स्वध्यक्तिश्वरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-शावित है, वहीं वर्ष होगा के उस अध्याय में दिया गया है।

धन्मूची

पुराता मकान गं० 626/3/सया नं० 9/6425 क्षेत्रफल 261 वर्ग गण, मेकर्जी नगर, दिल्ली-31।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-2-1986

प्रकल बाही, डी., इन्, इंड :-----

भावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-व (1) के बधीन कुमा

बारबं बहुकार

कारीचर, सहायक बादकर बाय्यत (निरीक्तन)

श्चर्णन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी: 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०-3/ 6-85/1453---ग्रत: मुझे, सृतील चोपड़ा,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके परभातः 'उक्त अधिनियमं महा क्या हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्परित, जितका उचित वाकार मुख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी०-8/5 (पार्ट) है तथा जो हे ज्या नगर दिरुषी 51 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूषी में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजट्रीयती अधिकारी के वार्यालय नहीं दिस्सी में भारतीय रिजर्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन तारीख जून 1985

की प्रोंक्त सम्पत्ति के शिवत नाजार मूस्य से कम के अवमान प्रतिश्वन के सिए जन्तरित की वर्ष हैं और मूखे यह विववास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिश्वस का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एने जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिश्वन, निम्मितिवित उच्चेंच्य से उक्त जन्तरण निवित में वास्तविक रूप से क्षिण नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाब था किसी धन वा अन्य बास्तिकों कां, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उनक अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्तरियों इवारा प्रकट वहीं किया नेवा वा या किया योगा वाहिए वा कियाने यो वृद्धियों के विकट्ट;

अंतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिखन व्यक्तियों, अधीत :--- श्रो राम कुमार जैन पुत्र श्री चसुर सैन जैन, पता सी।
 8/5 ुष्णानगर दिल्ली।

(%न्तरक)

2. श्रीमती चन्दा रानी बोहरा पत्नी श्री हरगोचिन्द बोहरा पता 315, तेलीबाड़ा शाहदरा दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को, बहु बुक्या कारी:कारके:पृथानित वंशीततः-के वृक्त के किए कार्यवादियां कारता हुई।

बन्द बंदरित के ध्वंत के बंदंध में केट भी मानंद ह----

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की धारीय के 45 दिन की नवीं या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की नवीं , को भी अनीच नाद में समाप्त होती हो , के भीतर प्यांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इब त्यंता के राजपन में प्रकारण की तारीब के 45 वित्र के मीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा बधोहस्ताक्षरी के पाव स्थितित में किस् वा वृद्योंने।

स्वाकरणः - इतमे प्रयुक्त बच्चों नीर पृथीं का, ना उत्तर नीथनियम, के अध्याव 20-के में परिभाजित हैं, पृष्ठी वर्ष होगा, यो उस मध्याय में दिशा प्रवा हैं।

अनुसूची

जायदाद नं० सी-8/5 िर्मित संपत्ति क्षेत्र 122-वर्ग गण जिमाता प्राजादी में स्थित दिस्सी-51।

> ्रनील वीपड़ा सक्षम प्राधितारी सहायक आयकर आयुक्त (पिराक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-3-1986

प्रक्ष आई.टी.एन.एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली तई दिल्ला, दिनाक 12 फरनरी 1986

तिर्देश सं० न्नाई० ए० सं10/एक्यू०3/एस० श्रार०-4/ 6-85/1445- यातः मुझे, युनील चीपड़ा,

नाणकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- फ. से अधिक है

ऑर जिसकी सं० 1474/8 है, तथा जा हरीक ब्लाक वेस्ट रोहताश नगर, शाहदरा, दिल्ली-32 में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अर्धान, ताराख জুন, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान **पति**फल के लिए जन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्धेश्य सं उक्त अन्तरण <u>ऐलिक्टित में बास्तीयक रूप से क∫भत नहीं किया गया है ≘—</u>-

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृहिभाके लिए।

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्रीभती भूरव्द्रकार पत्नी श्री बच्चन लाल श्रीमती। हरप्यारः द्वारा पत्नो श्रो नाथू राम गुप्ता पता---1474,8 वस्ट रोहताश नगर दिल्ली-32।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुम.र सेत्या पुत्र श्री बूर चन्द सत्या पता 1,9511 वेस्ट रोहताम नगर. माहदरा दिल्ली 321

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जमि या तत्सं मंत्री व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिशाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त वश्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

संपत्ति दो मंजिल। प्लाट निर्मित भवन 156 पर्ग गज संपत्ति नं ० 1474/8 हरीश ब्ताक-वेस्ट रोहताश नगर आहदरा दिरली-32 ग्राम सिकन्दरापुर क्षेत्र दिल्ली:-321

> धुनील चौपड़ा सक्षमः प्राधिकारीः

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-2-86

प्रथम बार्ड, टॉ. एन. एस.,-------

नायकर नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन क्वा

भारत सरकार

कार्यामम, सहायक नायकार नामुक्त (निरीधन)

श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश मं० 'याई० ए० मी:शृएस्यू०/3/एस० आर०-3/ 6-85/1446---अत: मुझे सुनील चीपड़ा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हु'), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप सम्मत्ति, विश्वका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

और जिसको सं जे-3 है तथा जो कुशा घोंडली तगर ग्राम घोंडली णाहदरा, दिल्ली-5! में स्थित हैं (और इसने उपाध्य अनु-सूची में और पूर्ण रूप ने घणित है), रजिस्ट्रीयारी अधिवारी के कार्यालय नई दिल्ला से जिस्ट्रीयण अधिवियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्रधीन तारीख जून 1985

श्री पृथित संपत्ति के उभित बाबार मृत्य सं मा के सबयान विश्वल वं लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वल के इने का तरण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उभित बाबार बृत्य, उनके दश्यमान प्रतिकत्त से एसे दश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रशिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किथा गया है: ---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-विसम के अधीन कर दन के अन्तरक के शाबिस्य में समी करने या उत्तव अधने में सुविता के किये; और/या
- (क) होती किसी बाय या किसी धन वा अध्य आरित्यों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, १९57 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या जिल्ला जाने आहिए था, क्रियार्थ में बृतिया औ किए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) √ अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् —— श्रीमती निर्मला कारता गुण्या पत्नी श्री पी० एत० गुण्ना पना--- मी-19 ईस्ट श्राफ कैलाए, गई। दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अस भूकर जैस पुत्र श्री विणी प्रकाश जैस । (2) श्रीमती प्रभा जैस पत्नी श्री जगभूवण जैस दोनों का पता जै-8 एणन सगर दिल्ली-51 ।

(अन्तरिती)

को वह सुकना कारों करके वृशांक्त सम्मात्ति के असन के लिख कार्यवाहियां बुक्क करता हूं।

उपव बन्दरित के अर्थन के बन्धन्य में कोर्ब भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्व में प्रकाशन की सामीक से 45 दिन की बनीच मा तस्त्र मन्त्री स्वतियों पर स्थान की शाबीक से 30 दिन की कनीच, को भी जनिय बाद में बनाया होती हो, के भीतर प्रोक्त करिनामों में से किसी कावित ब्वाय:
- (क) इत बुक्ता के राज्यक नो प्रकाशन की शार्थि स 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर श्रंपत्ति में हिस-बक्ता किसी अन्य स्थिति द्वारा नथोहस्ताकारी श्रं यान निकित में किए वा बक्तेन।

स्थला किरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, का उनस किथिनियम के अध्याय 20-क में पारभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

मं० तं० जी-3 क्षेत्र 472 2/9 दर्ग गण विभिन्न अग्यात । श्रुपत नगर की श्राबादी बालाग्राम बॉडली आहृदरा दिल्ली-51।

> सुर्नाल चोपड़ा सक्षात्र प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (िर्मक्षण) श्रर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 3-2-1986

other distant

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंड:-3 नई िल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 जनवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एम्पू०/3/एस० श्रार०-4/ 6-85/1449 - श्रतः मुझ नुनील चौपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंबे रसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संरुष्णाद नंद 3 ब्लाक सी-6 है तथा जो ग्राम घोड़की, राजन नगर, दिल्ली आहदारा में स्थित है (और इसमें उपायदा अनुभूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधिन, नार्राख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से नम के दश्यकान प्रिक्ति को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाजार स्म्या, उनके स्थमान प्रतिकत से, एके स्थमान प्रतिकत के स्वत्र प्रतिकत के किए हैं भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती । अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए ट्य पाया क्या प्रतिकत, निम्निलिसित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निसित के बास्तिक क्या से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) कलारण से धुवा किसी बाब की बाबत, उन्ध बीधनियम के बधीन कर योगे की अन्तरक की शाबित्य में कभी करने या बलसे बंधने में बृणिका के सिक्ष; जीव्र/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की विक्ष भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया था न किया जाना भाहिए था, दिः तने में सृविका के जिए।

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमर्ता करतार कीर पुत्री सरदार सन्त सिंह धार्रायाल पतनी सरदार तेजा सिंह, पता---सी-6/3, कृष्ण नगर, दिल्ली।

(अन्तरका)

2. श्री पदम चन्द जैन पत्नी श्री शीतल प्रसाद जैन श्रीमती मन्त्रू जैन पत्नी श्री पदम चन्द जैन पता 496/5 बी, जैननती भवन, मुभाष रोड़, गांधी नगर। दिल्ली-31।

(अन्तरितीः)

का यह स्वता बारी करके धर्मावत सच्यति के वर्षन के जिए कार्यवाहिया का ता हाः।

बन्दा सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंच :--

- (क) इस स्थमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी स्थिति या पर स्चा की तामील से 30 दिन की अयिथि, जा भी वर्षा वाथ में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वे किस स्थितियों में से किसी स्थितित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की ग्रारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितेबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्वीहम्लाक्षरों के पास निवात अर्थकार अर्थहरूमा

स्वत्य किरणः --- १ समें प्रयुक्त बन्धों और पर्धा का, को सकत मिथिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहुरी वर्ष होता को उस्त मध्याय में दिशा क्या है।

बन्द्र 🕸

1/2 भाग (उत्तरी) प्लाट नं० 3 एक मंजिला मकान ब्लाक सी-6 ग्राम घोंडली में स्थित कृष्णा नगर, माहदरा दिल्ली।

स्तील **चोषडा**

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नार्(ख: 30-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० भार०-1781/37-ईई/85-86--- मतः मुझे भार० भारद्वाजः,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

1,00,000/- रं. स अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जी-ए-2 है, तथा जो कासका बाजार विलेज
मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर
ग्रीर पूर्ण क्ष्म से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी
के कार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 4 जून, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
श्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्स से उक्त अंतरण सिक्ति में
भारतिकक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण से हुंई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; बार/या
- (ह) एसि किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपन में सूनिधा के सिए:

बर्सक अब, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अप्रेन : निम्निजिसित व्यक्तिकों. बर्मात इ---

- 1. मैं सर्स होटल पून्णा इन्टरनेशनल (प्रा०) लिमिटेड के० एस० राव रोड़, मंगलूर-57500। (मन्तरक)
 - 2. प्रेसी मेनिसिस दीपक मनिजिज कुलशेकर काम्पाउन्ड कुलशेकर पोस्ट,मंगलूर 575005 (अन्तरिती)
- 3. श्री डी० के०। (वह व्यक्ति-जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच स 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध श्रेक्सी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1511/85-86 4-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० ब्रार० एस० सं० 597/ $1 \, v/ \, s$ गैर $57 \, s/2 \, v/2 \, s$ गैर टी० एस० सं० $217/1 \, v/ \, s$ गैर $216/2 \, v/2 \, \,$ िसमें प्रमिसिल सं० जो- $v/2 \, \,$ जो कस्बा बाजार विलेज मंगल्र में स्थित है।

स्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलर

तारीख: 4-2-1986

शक्त वार्ष*्टी_स्*ग_क्व_-----

बावभार जिमिनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन क्यमा

भारत सरकार

कार्काचन, सहायक कायक ११ जावृक्त (निर्दोक्तक) स्रजेंन रेंज- बंगलूर

बंगलूर दिनौंक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० ब्रार० 1680/37 ईई/85-86 -- मतः मुझे, ब्रार० भारकाज,

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसर्वे इसर्वे प्रथमात् 'स्वतं विधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कार्य का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० जी० बी० 2 है तथा जो कस्वा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय कार्यालय वेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 जून, 1985

को प्रवेक्ति सम्मित के उचित बाबार मृश्य से काम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाबार मृश्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत से बिधक है और अंतरक (बंदरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पावा प्या प्रतिफल निम्मितियित स्वृद्धिय से स्वत अन्तर्थ विधित में नास्तियक रूप से क्षित नहीं किया पदा है है—

- (क) नंतरण ते हुए फिती नाव की वावसा, उक्स शीभीयवस में सभीय काए दोने के बंतरक के दावित्य में कती करने वा क्क्स वस्त्रों के स्विचा थे जिस्; सरि/ना
- (व) ऐसी किसी बाग या किसी थन वा अभ्य अस्तिनों को, चिन्हों भारतीय वावकर वाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाँधनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंखरिती इकाय प्रकट कही किया नया वा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नदः, बन्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के नगुरुरण वं, ते, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीनः, निस्तिविद्यतं स्थानकर्योः, वर्षात् व्यन्तः मसर्स पून्जा श्रारकेड कें एस० राव रोड़ मंगलूर
 11

(भ्रन्तरक)

 श्री विलयरेन्स प्रश्नी० कुन्हा नजारेत कानवेन्ट रोड़ बाजप-574142।

(अन्तरिती)

का बहु बुजना नारी करने पुन्नोंक्ट बज्यादि वे वर्जन के सिष् कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उच्छ संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः---

- (क) इस क्षमा के राज्यम में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की बर्वीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षमा की संजीत से 30 दिन की अपित, जो भी नवींच बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-क्या किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण :---इत्तमें प्रयुक्त कच्चों जीर वर्षों का, को असक प्रतिभिन्नम के बध्यान 20-क में वहिमाणिक हैं, वहीं कर्ष होगा जो उसा अध्याय में विया सभा है ।

थ्र**नुस्**ची

(दस्तावेज सं० 1480/85-86 ता॰ 30-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० सं० 597/ 1ए ग्रीर 278/2ए2 ग्रीरटी० एस० 217/1ए 216/2ए2 जिसमें प्रमिसिस नं० जी-बी-2 जो कस्बा बाजार विलेग ग्रीर XIII बार्ड मंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्प्यना

भारत सरकार

वर्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रार० 1679/37-**१**६/85-86-**-ग्रतः मुझे** श्रार०भारद्वाज

आवकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतेमें इसके पदवात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निवयास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

प्रौर जिल्ली सं० जी०-ए०-1 है, तथा जो कस्बा बाजार विलेज वार्ड नं० 13, मंगलूर में स्थित हैं (प्रौर इगसे उपाब अन्-सूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यिम 1908 (1908 का 16) के प्रधोत, तारीख 3 जून, 1985 को पृथोंक्त सम्मत्ति के सिचत वाजार मूच्य से कम के दर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूच्य से कम के दर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मूच्य, उसके दर्यमान प्रतिकल से ऐसे दर्यमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिकत से बिपक है और अंतरिती (अन्तरितवा) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिसित उव्देश्य से उक्त कन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई कियी आम की बाबत उक्त जिमीनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूबिभा के जिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भाररतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब उन्तर विभिन्नियम की धारा 269-ग के अन्सरण पें, मैं, उन्तर विधिनयम की धारा 269-च की उपधारार (1) के बधीन, निक्रिलिचित व्यक्तियों, अविष्ठिः—

मेपर्स पुन्जा आरकेंद्र कें ० एस० राव रोड़ मंगलूर-

(ग्रन्तरक)

श्री सैयद हासन एस० बेरमावार "धारूल कुतुब"
 श्रमीनुद्दीन रोड़ नोनायत कालोनी। भ टकल।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

जनत सम्पन्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षीप :--

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में त्रकाशन की तालीय वें 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीं था, जो अन् अषि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इ.स. स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वाररा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए का तकरेंगें।

स्वकाकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विजा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1479/85-86 ता० 3-6-85)

सब सम्पत्ति है जिनका मं० श्रार० एस० सं० 597/1ए श्रीर 578/2ए2 श्रीर टी० एस० सं० 217/1ए श्रीर 216/2ए2 जो प्रमिसिस नं० जी०ए० 2 जो कस्बा बाजार विलेज बार्ड नं० 13 मंगलूर में स्थित है।

म्रार० भारक्षात्र सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप आहें. टी. एन . एसा .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रार० 1678/85-86/37-ईई/85-87----श्रतः, मुझे, श्रार० भारताज,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जी० डी० है, तथा जो कस्बा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्नरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आयं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) एंसी किसी या किसी भन मा जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम करी भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपनारा (1) के अभीता. निम्हालि**बत न्यक्तियों, अभीत् ■**—— 35 —506GI/85 मेसर्स पुन्ना श्रारकेड के० एन० राव रोड, मंगलूर-1

(भ्रन्तरक)

 श्री जान बनेडिक्टा डिसौजा कोडिमान, कोडी हौस पोस्ट पुद्रे भटंबौल नालूक-574143।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकावन की हारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित्-वर्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधाहस्ताकारी बं पास निवित में किए जा सकतें।

निकासिकरमः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का, जो उत्तर अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गग्स्ची

(दस्ताबेज सं॰ 1478/85-86 ता॰ 3-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० भ्रार. ए म० सं० 579/1ए भौर 578/2ए2 भौर टी० एम० सं० 217/ए श्रौर 216/ 2ए2 जिसमें प्रमिसिंग सं० जी०-डी० जो कस्बाबागार विलेज वार्ड नं० 13, मंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकरी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 4-2-1986

प्र**क्ष भार**्यी _युन <u>. एउ .</u> -----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की सरशा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1986

निर्देश मं० शाय० 1.676/37-ईई/85-86---श्रतः मुझे श्राय० भारद्वार

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्णे उसके उच्चात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

अंटि िसकी मंग्जी०-बी०-10 हैं, तथा जी दस्या वाषार विलेग बार्ड नंग्या अमेगलूर में स्थित हैं (और इसमे उपायद्ध अनुस्ति में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिदारी के जार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिरियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 3 जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कर्म के क्रयमान प्रतिपाल की लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह धिक्ष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया त्या प्रतिक्ष्म किल निम्नसिस्त उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्ष्म से किथा नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाद की बादत उक्त अधि-वियम के वृत्तीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उन्नते अधने में मृथिका के निग्नः
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिओं भी, निवक्ते आस्तिय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नियम, सा अस- पर स्थितियम, सा अस- पर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ कन्तिरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थितियम स्टेलिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेनर्थ पूरण धारकेष्ठके० एस० राष रोड़, मंगलूर-1

(भ्रन्तरक)

2. श्री चिलर्फंड फेलिक्स लोबी साम्झाफ ज० बी० लोबी रिटायर्ड डी० एफ० औ० लोबी केहिया अशोकनगर मंगलूर-6।

(अन्तरिर्तः)

 को बह भूषणा भारी करके प्रांक्त स्थेतित के अर्जन से तियु कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनूसूची

(दम्तावेज सं० 1476/85-86 सा० 3-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० सं० 579/ 1ए और 578/2ए2 और टी० एस० सं० 217/ए और 216/2ए2 जिसमें प्रमिसिज सं० जी० बी० 10 जो कस्त्रा बाजार घार्ड नं० 13 मंगलुर में स्थित है।

> श्रार० भारहाज -सक्षम श्र्याधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्तेन रोंज, बंगल्र

सारीख: 4-2-1986

ra talla alla si tilalej — si -gis -

प्रक्रम बार्च टी, एन एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनोक 4 फरवरी, 1986

निर्देण मं० धार० 1675/37-ईई/85-86 --श्रतः मुझे, श्रार० भारदाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जीठ बीठ 3 है, जो कस्त्रा बाजार विलेज बाई नं० 13 मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण कर ने विणित है). रिक्ट्रियती इडि-कारी के कार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिक्ट्रियरण शिंधियम 1908 (1908 का 16) के श्रष्टीय गरिंग्ड 3 जून, 1935

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृह्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देष्य से उसत बन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण स हुई किसी आय की गवत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोन के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

कार जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, मिम्निजिवित, व्यक्तियों, अर्थात् ध----

- गैंगर्स पुन्ता आएकेड के० एस० राव रोड, मंगलूर। (फनरवा)
- श्रीः श्रीकुर्हाः "श्राल सलाम मनिजन" जीक्टटे पॉस्ट-574173।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जबन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में में किए का सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कस्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

(दस्तावेज मं० 1475/85-86 ता० 3-5-1985)

सब समात्ति है जिसका मं० घ्रार० एस० मं० 576/ 1ए और 578/2ए2 और टी० एस० मं० 217/ए और 216/2ए2 जिसमें प्रमिसिज नं० जी० बी० 3 जी कमबा बाजार विलेज वार्ड नं० 13, मंगल्र में स्थित है।

> न्नारक्षारद्वाज सक्ष्म प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज, बंगलर

नारीख: 4-2-1986

THE REPORT OF THE PERSON AND PARTY.

नायक<u>र</u> जमिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के जभीन सूचना

BITTE STATE

कार्याक्षयः) सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरचरी 1986

निर्देण सं० डी० श्रार० 612/85-86—-श्रतः मुक्के, श्रार० भारद्वाज,

बायकर वर्षभूषित्वन, 1961 (1961 का 43) (विश्वं स्टब्से इटके प्रचलत् 'उकत अधिनियम' बहुर नवा हों), की नारा 269-व के नथीन दक्तम प्राधिकारी कें, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापर कम्मति, विश्वास क्रित वासाई मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी संव सर्वे नंव 58 है, तथा जो पालमार ज्याओं पंजिम गोंघा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उोचत बाबार मृत्य से कम के पत्यमान प्रतिप्वत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मृत्य, असके प्रयमान प्रतिप्तस से.,

एसे ब्ह्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शेच एसे अंत-रण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से इक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी सिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी था या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया अना चाहिए था, क्रियान में स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गा के बन्करण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नसिक्तित व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) श्री मनाएल फिनिसम्को फ्लोरैनिसयों गोम्स पनजी गोवा।
 - (2) श्रीमती श्रपुमकावो सान्ताना रोजलिना फुनिसिस्को गोम्स।
 - (3) मिस इसमालिया ई० गीम्ज।
 - (4) मिस मेरिया डी० कारमो गोम्स।
 - (5) श्री ग्रान्टोनियो जै० गोम्स।
 - (6) श्री साचिन फानसिस्को गोम्स।
 - (7) श्री लूबिस क्यूपरिटनो गीम्स और
 - (8) श्री जीस पियडेड गोम्स सान्ता ऋूज, इलहास गीवा।

(अन्तरक)

 श्री रोनालङ मसकरेन्हास 33, लेक ब्यू मीरामार पंजिम, गोधा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उभक्त संपत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सङ्काना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकीं।

स्पक्कीकरण : --- इसमें प्रयुक्त खब्कों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 411/85-86 ना० 17-6-85)
सम्मत्ति है जिसका नापना 369 स्कवर मीटरस जिसमें
एक रिजडेनिणयल घर जिसका सर्वे नं० 58 जो पालमार
जपाओ पनजीम गोवा में स्थित है।

म्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बंगलुर

तारीख: 5-2-1986

पुरुष् वार्<u>ष</u>्ट्र<u>ी. एन्.ए</u>स् ुन्यवस्थान

नायकर निर्मित्व, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न(1) के न्योद सूत्रमा

THE STATE

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरचरी 1986

निर्देश मं भार/1677_/37-ईई/85--86---श्रहः मुझे, स्रार० भारक्षाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' अज्ञा गया हैं), की धारा 269-कों जभीन सक्तज प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और निमकी मं० जी० बी० 7 है, तथा जो कमका बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रमुक्त में और पूर्ण क्य से विश्वत है), रिजर्म्हाकर्ता अधिकारी के कार्याक्य बेंगलूर में भारतीय रिजर्म्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख उजून, 1935

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाबार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकत के बिए , अन्तरित की गई

हैं और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित वाजार झूस्य, उसके श्रव्यमान प्रति-कस सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित स्पृत्वेय से उक्त अंतरण सिचित्त में वास्तिवक कप से कर्निस कहीं किया नवा हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त जिथिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तते बचने में तृषिधा के तिष्; और/वा

बतः बच, स्वतं विधितियतं की धारा 269-तं कं अनुसरण को, मी, उनतं विधितियतं की धारा 269-तं की उपधारा (1) हो द्वाबीतः, निस्तिविक्तं व्यक्तिकों, वर्षात् क्ष-- मेमर्म पूरका श्रात्केष्ठ के० एस० श्रव रोड़, मंगलूर-।।

(घ्रस्तरक)

- 2. (1) श्री चरधराधा एस० नागवेकर।
 - (2) था बी० देवदास एस० नागवेकर।
 - (3) श्री बीठ गणिकान्त एस० नागवेन्छ. करंगलपाड़ी फील्ड्स कोडियालवैल, मंगलूर- 3।

(भ्रन्तरिती)

कर्षे सृष्ट् सृष्यना चारी करके पूर्वोच्त सम्पत्ति के सूर्यन के जिए कार्यभाष्ट्रमा करता हूं।

उपरा सम्पन्ति के कर्यन के सम्बन्ध में बार्श भी बार्शन :---

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की बयिथ या तस्सन्तन्थी व्यक्तियों पर सूचना की ताथींक से 30 दिन की व्यथि, जो भी वयि। बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस-बक्थ किसी अन्य न्यन्ति क्लारा अधोहकाकारी के नास मिकित में नितृ का सकोंने।

स्पर्कारण ह पुराने प्रमुख्य कच्यों गौर पर्वों का, को उत्तर अधिकृतिकत् को कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिका बना हैं।

अनुसूची

(दम्तावेज सं० 1467/85-86 ता० 3-6-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० श्रार्० एस० नं० 597/1/ ए और 578/2ए2 और टी० एस० सं० 217/1ए और 216/2ए2 जिसमें प्रिमिसिस सं० जी०-बी० 7 जो कसबा बाजार विलेज वार्ड नं 13 संगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सज्जम प्राधिकारी सड्दिक भ्रायकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) श्रर्जेत रेंज, बंगलूर

तारीख: 4-2-1986

भारताज,

प्रकल कर्हा, दी. एन . एस . ------

बायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न(1) ने वधीन कृषना नारत सङ्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1986 निर्देश सं० 1668/37-ईई/85-86—-प्रतः मुझे, ग्रार०

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रहः सं अधिक हैं

1,00,000/- सं. सं निधक हैं

ग्रीर जिसकी मं० जी-63 है, तथा जो कासबा बाजार विलेज

XIII वार्ड मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिट्रीकरि श्रिधिकारी

के आर्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम

1908 (1908 का 16) के ग्रवीन, तारीख 17 जून, 1985
को पूर्विस्ता सम्पन्ति के उचित बाजार भूक्य से कम के स्थमाम

प्रतिफल के निए बंतरित की गई है और मूफी यह विश्वास

करने का कारण है कि सथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार

मून्य, जसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का

पन्नाह प्रतिशत में विधक है और अन्तारक (अन्तरका) और

सन्तिर्दा (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्वरण के विए सव

नवा गया प्रतिफल, निम्नीतिबित संद्विस वे उक्त कन्तरण

किथित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **अधिनियम के बयीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविया** के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जांग या किसी यन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जांगकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तिरती दक्तरा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना छाड़िए था, जियाने में युनिका के निए।

अस: अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भे, में उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को विधीय, विक्रिक्तियम व्यक्तियों, वर्षात रूप

- 1. श्री पूर्ता श्रारकेड के० एस० राव रोड़ मंगलूर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रहमद हिशाम गैंक श्रो शैंक ग्रब्दुल खादिर गांवी हौता गुरू कम्बला पोस्ट, किश्वी कम्बला मंगलूर-574151।

(अन्तरिती)

की यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) २स स्थाना के राजपन मा प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर प्रभाग्य सम्पत्ति मों हितबद्ध विभाग जन्म व्यक्ति ह्वाभा अधोहरताक्षरी के पास विभाग मी विभाग का सकीय।

स्मध्यकिरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, सहित्रिक्षी एवंट का अस अध्याय को विया स्था हो।

नम्स्ची

(दस्ताबेज म० 1468 85-86 ता० 17-6-85) सब क्षम्पत्ति हैं जिसकी मं० ग्रार० एस० सं० 597/ 1ए श्रौर 578/2ए2 श्रौर टी० एस० नं० 217/1ए श्रौर 216/2ए2 जिसमें प्रमिसिस मं० जी० मी०-3 जो कासबा बाजार बिलेज, XIII बार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> श्रार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, बंगलूर

तारीख ' 4-2-1986 मोहर

प्रक्ष बाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश गं० श्रार० 1*677|37-*ईई*|*85-86--श्रत मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इक्समें इसके अध्यात 'प्रका अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ज के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी स० जी० बी० 11 है, तथा जो तासवा बाजार विलेज वार्ड नं० 13, मंगलूर में स्थित है (म्रीर हर से उपावड मनुसूची में म्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के लार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन, नारीख 3 जून, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह मित्रात से अधिक है और मंतरक (मंतरकार) मार संतर्वी (अंतरितयाँ) के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उच्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बारतीयक क्या में किथन नहीं किया गया है हिन्स सिखित के स्थान का सिखित में बारतीयक क्या में किथन नहीं किया गया है हिन्स

- हुँक) बरारण से हुइं किसी बाय की शबत, उबस क्रिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के एपिट्य में कमी क्षणने या जनसे बचने में सविधा के सिए: और/धा
- (क) एसी किसी लाम या किसी भन या जन्य शास्तियों गाँ, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ बंसरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया रण प्रणाप विषय जाला बाहिए था, दिख्याने में स्विधा वे लिए;

अतः वन, उक्त वर्षिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- मेयसं पूरता आरकेड के० एस० राव रोड़, मंगलूर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हैदर श्रहमद सन/श्राफ बी० के० श्रहमद क्लाक, एस० के० नं० 155, ऋष्णापुरा पोस्ट मंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वकासरण :---इसमें प्रयुक्त कथां और पतां का, को उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

(दस्तावेज सं० 1477/85-86 ता० 3-6-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० श्रार० एस० नं० 579/ 1ए श्रीर 578/2ए2 श्रीर टी० एस० सं० 217/ए श्रीर 216/2ए2 जिसमें प्रमिसिस सं० जी० बी० 11 जो कासबा बाजार विलेज वार्ड नं० 13, मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार०भाग्द्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वारीख: 4-2-1986

प्रकप कार्ष. टी. एन. एव.----

मायकर भौभीनयम, 1961 (1961 का 43) शी धारा 269-भ (1) के भंभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रार० 1688/37-ईई/85-86---- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारतात्र,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह बिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव 32 है, तथा जो विकटोरिया रोड़ बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीक्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकास, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास का कारण है कि बभापूर्वोक्त सम्पत्ति का रिषत बाजार मूल्य, उसके कस्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पत्त्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के दीच एक अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योषय से उक्त बन्तरण निस्तित जी सिलाज स्थ से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण सं हुई किती बाय की धावत, उक्त गीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व में कमी करने मा उसके बचने के सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संनिष्णी उक्त प्रस्त प्रती किया प्राप्त भा या किया जाना वाहिए जा, जिपाने में सुविधा वी विद्;

कतः जव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न में वनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाव :--- मोर्संस संयुक्त भारत कोन्नायरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड "शंशी किरन" नं० 9, XVIII कास मल्लेशवरम, वेंगलूर-560055।

(श्रन्तरक)

2. स्कवाडरम लीडर ए० एस० बेन्स केर, आफ पी० एस० मोदी, भेसर्स भासिम असीि पेट (प्रा०) लिमिटेड 58, जनपत, नई दिल्ली-110001।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

छक्त सम्परित को भवन के सम्बन्ध को कोई वी काकोप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जमिल बाद में समाप्त होती हो, ले भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किसे का सकति।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का., जो उन्तर जिनियम के निष्याय 20-क में परिभाषित इंग, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा इंश

वम्स्या

(दस्तावेज सं० 1482/85-86 ता० 13-6-85) प्लाट है जिसका नापना करीब 1170 स्केयर फीट है जो 'मूता गार्ड' नं० 32 विक्टोरिया रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

वारी**ख** 5-2-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनां : 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० 1691,37-ईई/85-86----ग्रतः मुझे, श्रार० भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीर राष्ट्रिय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00 600/- राजी अधिक है

श्रीर जिल्ली तं कर द नं 502 है, स्था जो तिशि श्रव देंगेंटस नं 40 , ने जी ोड़, हैंगलूर में स्थित हैं (श्रीय इससे उपा-बाह शन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), रिस्ट्रिंग की श्रीधिदारी के एथिएए देस्क्र में भारतीय रिवर्ट्रिंग ण श्रीधित्यम, 1908 (1908 ा 16) के श्रीधीन, कारीख 13 जन, 1985

की प्रवेक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रक्तिकल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापर्योक्त सप्पत्ति का जिसत बाजार मान्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिहात से अविक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिमाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्शिक प्रदृष्टिय से उचत अन्तरण लिकित में वास्त्विक एप से वर्धिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, खक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के बिए; और/या
- (व) एंगी किसी आय या किसी धन या अप आस्तियों को जिल्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का निवास जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः वह, उस्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 260 घ की उन्धारा (1) के अधीन जिन्हें लोगत व्यक्तियों, अधीत :—— 36—506GI/85 भे औ लिहा वेदाराना त्योगेसन ४७/६, एस० जी० थोड, केस्त्रा

(शन्तरह)

2. श्री एउ० अमक्तक्यातः श्रीसती सुहत्यः रामहत्याना 46/1 ए०टी० भी० प्याटः, जिन्नान्डरोड्, वेंगलूर-560035।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना हो राजपाय सें प्रकाशन की तारी कर स 45 दिन की अपिया तत्मकाशी व्यवसायों पर स्वान की नामील से 30 दिन को अविधि, को भी अविध बाद में सम्पत होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्रियों में से जिसी धाकित दुवारा;
- (स) इस राजना को राजपत्र मो प्रकाशन को तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हितसद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा नकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्त्रं और पर्धों का, जो उक्त अधिनियमः, अं अध्याद 20-क में परिशायित हैं, यही अर्थ श्रोतः के यस अध्याद में दिया गया है।

अनमूची

(दस्तावेज सं० 1485/85-86 ता० 13-6-85) पत्रट नं० 502 ती V प्रभीर तिथ आतर्थनेन्टर, नं० 40, नेताजी रोह, बेंस्यूर-560005 में स्थित है।

> प्राप्ति भाष्यस्यात्र स्वायाः प्राप्ति । गी स्वायाः आगासः श्रास्ताः (शिलीक्षणः) पार्वति गेति, वेस्सूर

वारीख: 5-2-1986

ोहर •

प्रकृप आर्ड. टी. एव. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, लेंगलूर वेंगलूर, दिलांक 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० सी० आ०० ८४/अए० 1600/367-ईई 85-86 **भ्रत: मुझे**,---आए० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जब्द श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी की, यह िप्दनाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिह वाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव टीव एसव 200/ए आरव एसव 1210/ ए, डीर नंव 9-12-564, 9-12-565 है, तथा जो ध्वयत बाई मंगलूर में स्थित (ग्रीर इत्ते अभवत अनुमूची में श्रीरपूर्ण रूप ने विणित है), प्रजिस्ट्री की अधि परी के उप्तिस बेंगलूर में भारतीय रिलस्ट्रीय अधिक्रिंग, 1965

को ध्वेंकित सम्पत्ति के अधित वाजार मूल्य में कम के रश्यमान प्रितिष्ठत के शिए अल् दित की गर्म है और से यह दिल्ला करने का कारण है कि यथा प्रवित्त संपत्ति का लिखन बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल हो, को स्ट्रियमान प्रतिष्ठल हो, को स्ट्रियमान प्रतिष्ठल हो को स्ट्रियमान प्रतिष्ठल हो की स्ट्रियमान प्रतिष्ठल (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तर्थण के लिए तथा पासा स्था की स्ट्रियमान के स्ट्रियमान स्ट्रियमान के उन्हें करा से स्ट्रियमान स्ट्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के विधायत मे कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गगा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः उम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं अधीन, निम्निमिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) हिन्दम्मा, टिलेरी, रेड़, मंगलूर।
 - (2) जोहरा, भंगभूर।
 - (3) शी महमद इक्जाल मिशन कांपोड, जेप्पु मंगलूर।
 - (4) श्री मोहमद सालि।
 - (5) जुबेदा ।
 - (6) येश

लो लोग 4,5 ग्रीर के हैं सब के पता मिशन रोड़ जप्पु, मंगलूर।

(अन्तरकः)

 श्रीमती अनुसूया, पत्नी कृष्ण कुमार अन्तरी रोड़, मंगल्ए।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करश हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप :--

- (क) इस मुचना क्रे राजपत्र में प्रकाजन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, क्रे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त कव्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ हुग्ग जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बन्सची

(बलाबेज नं० 1510/85-86 No 14-6-85)

सम्।त्ति मं० टी० एस० 200/ए, आए० एस० नं० 1210/ 5, भिरापा सं० 9-12-564, 9-12-565, अवगात वार्ड, मंगलूर।

> आर॰ भारद्वाज अक्षम प्राःध ारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

नारीख: 4-2-1986

प्रकार बार्ष . टी . एव . एस

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुष्ता

क्षार्व सरकार

कार्यासय, सञ्चामक भागकर मायुक्त (रिवर्रीकाण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनाय 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० शार० 1733/37-**१६**/85-86--अतः मुझे, शार० भारद्वाज

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस , इसमें इसके वश्याम् 'उन्तर विधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-छ के वधीन सक्षम श्रीधकारी की, यह विध्वास करने का जारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित मानार मुख्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

क्रीर जिल्ली सं० ज्लाट नं० 203 है, तथा जो 157, ह्लीका रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में क्रीर पूर्ण मय से वर्णित है), रिपस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में भारतीय रिजर्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन, कारीख 3 जूम, 1985

को पृथोंकत सम्पत्ति को उचित नाजार मूस्य से कम को «श्यकार प्रतिफर्ता को लिए अंतरित को गई है और मुक्ते ।

हर विश्वास करनं का कारण हो कि अधापकोंक्स सम्परित का शंकत बाजार मूक्य, उसके प्रथमान प्रतिकल सी, एसे वश्यमान प्रतिकल सी, एसे वश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक हो बार अन्तरक (अन्तरका) भी वीच एसे अन्तरक के निस्त असे पामा पा प्रतिकल निम्नितिविक उद्यक्त से उन्तर अन्तरभ सिकित में बास्तिक रूप से अधिक मही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 4: लग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिद्धी व्यारा प्रकट नहीं है किया बचा था या किया बाग शाहिए था कियाने में सुविधा की बिए।

कर अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विकास निम्निशिवत व्यक्तियों, शर्धात अ 1. में ली भगता इंट-पाकी । सं० 3, क्वीन्त रोड़ बेंगलूर-560001 ।

(अन्तरक)

 श्रीमती आप० एस० मखीना श्रीपती अनिष्ण मखीना 33/2, अल्सूर रोड़, वेंगनूर-560040।

(प्रस्तिरिसी)

कां यह भूकमा जारी कारके पुर्वेक्स सम्मित के अवन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

नक्स अंपरित के कर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एक सूचना की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी जन्भ वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस श्रुवमा के राजपन में मकावन की हांद्रीय से 45 विन के भीतर अवत स्थाभर सम्पत्ति में शित-यह्भ किसी मन्य स्थानत स्वारा अभोहस्ताक्षरी के यक्ष मिलित में किए वा सकनि:

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यक्ष हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1505/85-86 ता० 3-6-1985 ण्याट नं० 203, दूसरी मंजिल, भी' बिंग 'रंका ण्याजा असर्टमें टस, 157, ह्वीलर रोड़, बेंगलूर-560001 थीर पार्टिंग स्पेस नं० 201

आर० भारद्वाज सक्षम पादिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (जिराक्षण) अर्जन रोंज, बेंगलुर

गारीख: 4-2-1986

इस्प बाइ'.ठी. एन . एस . -----

भायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

क्रामान , अहामक ना नार बाव्क (निर्वाच)

वर्गा रेंग, वेंगलूर बैंगलूर, दियां र 4 फरवरी, 1986

निदंश सं० सी० आए० 62/आए० 1729/37-ईई/85-86---अतः मुझे आए० भारहाज

वागकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चाए जिस्त विधिनियम कहा गया ही, की धारा 269-क के संधीत सक्ष्य अधिनयम कार का यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

श्रीर जिन्नी सं 11 कोटि रोड़ है तथा जो बेंगलोर में स्थित, है (श्रीर इस्ति उनबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इस ने विणित है), रिल्ट्री तो अधिनारी के पनर्यात्तय बेंगलूर में भारतीय रिज्नेट्टी करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 जून, 1985

को पूर्वोक्ता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वितिकत के लिए कन्तरित की गई है और मुम्ने मह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत से विश्वक है और अन्तरक (कन्तरकों) जोर जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया बजा प्रतिकृत का विकासित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक क्या ते कारण नहीं किया स्था है :---

- (क) बन्करक सं हुन्तं विक्ती काय को बाबका, उक्क बरिवियम के कथीन कर दोने के बन्तरक को दाबित्य वे सभी कारने वा उक्को क्याने को बन्तिया के किए; बरि/म.
- (स) यंसी किसी साम या किसी भन या बस्य आस्तिमा करं, जिन्हें भारतीय जामकर विभागसम्, 1922 (1922 का 11) भा उन्तर विभागसम्, या भन-कर् विभागसम्, 1957 (1957 का 27) के अवाजनाथ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया प्रमा या विका जाना वाहिए या, क्रियाने वे वाहिया के स्थि:

वर्षः अव उक्त विचिनियम की बारा 269-म की बम्बहरू ं, में, उक्त विधिनियम की बारा 269-म की उपचारा (1) डे अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :-- मेसर्ब यूनिक कंस्ट्रवक्शा कं० (लेड ग्रोसर) 11, क्रेसेंट रोड़, कुमारा पार्क वेंगलोर-560001 एंबसी विल्डिंग (कंट्राक्टर्स) 10, हरे कृष्णा रोड़ कुमारा पार्क बंगलोर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स नव कर्नाटक पन्लिकेशन्स (प्रा०) लिमिटेंड 13/बी, बी० आर० सी० काम्प्लेक्स एस० सी० रोड़, बेंगलोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई लाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सर्कारी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-रू में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिना क्या है।

त्र त्**श्री**

(दस्तावेज सं० 1504/85-86 ता० 1-6-1985) 1464/48000 आफ अन्डिवैडेड इन्टरस्टेट इन जगह जिसका नं० 11, क्रेसेट रोड़ कुमारा पार्क, बेंगलोर में स्थित है।

आर० भारहाज सक्षमं प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बेंगलूर

तारीख: 4-2-1986

१क्ष्य अर्थ . टी. एन. एक ---- -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंन, बेंगलूर

बंगल्य, दिनांक 4 फरवरी 1986

দিবঁল ন'০ सी০ জাহ০ 62/জাহ০ 1727/37-**ছঁছ/** 85-86—মা: মুক্তী মাহ০ মাহেল

• बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थापर समित, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. रा अधिक है

मीर जिसकी संव प्राप्त नंव 401, विधी अपार्टमेन्ट्स है, तथा जो संव 40, नित्तजी रोड़, बेंगलोर में स्थित है (म्राप्त इससे उपायद्ध अनुसूची में मीट पूर्ण रूप से वर्णित है), रिव्स्ट्रीव ती अधितारी के ार्याच्या बेंगलोर में भारतीय रिवस्ट्रीव रण अधिवियम, 1908 (1908 दी 16) के अधीन, तारीख 24 जुन, 1985

की पूर्वायत सम्बंधित के उपित काजार मृस्य से कम के कम्यभान प्रतिफल के लिए अन्ति रहा की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/म।

कतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक कें, में अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातं :-- मैं उर्स मिट्टाल डेबलपमेंट कार्पोरेणम मिट्टाण टबर, 16बी संजिल, 'बौ' विंग नारिमन पाइंट, बम्बई-400021।

(ग्रन्सरक)

2. श्री हरोल सरगॉन और जुने सरगॉन, 1493/63, भादर्श नगर, वर्ली, सम्बर्ध-400251।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्णन के कि कि कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्रों भी आक्षंप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी ध्यनित्या पर स्थान की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी संबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (म) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन को तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-बब्ध किसी जन्म स्थावत व्वारा अक्त हुन्ताकारों अ पास निविद्यत में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उसत अधिनियम के अभ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता उस स्भ्याय में दिखा गया है।

अन्स्ची

(वस्तावेज सं॰ 1502/85-86 ता॰ 24-6-85) प्लाट सं॰ 401, 4थी मंजिल, निधी अपार्टमेंट्स, नं॰ 40 नेताजी रोड़, सिविल स्टेशन, बेंगलोर-560005।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

क्षारीख: 4-2-1986

प्रकृप संदि . टी. एन. एस्.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

पाइत सहस्राह

कार्याभव, सहावक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज बगलूर बंगलूर दिनांक 5 फासरी: 1986 निर्देश सं० सी० शार० 62|आर० 1719|37-ईई|85-86---यत: मुझे, शार० भारद्वाण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 263-च के बधीन सकान प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ऑस जिसकी सं. 32 विक्टोरिया रोङ् है तथा जो बेंगलोर में स्थित है (और इसने उपाबद धनुपूर्व में और पूर्ण रूप से विजित है) स्टिस्ट्रीवर्ता शिवदारी के कार्यालय बेंगलोर में भारतीय एजिस्ट्रीकरण धिविध्य 1908 (1908 वर्ष 16) के स्रवीत तारीख 13 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तीरत की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी द्रयमान प्रतिफाल से, एमे द्रयमान प्रतिफाल का पह्र बांत्रसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया चया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिलिस में स्वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) मन्तरुग सं हुई किसी गाव की वायत, उन्हें अधिनियम के जधीन कर योगे के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे अवने में मृतिभा के तिए; बीह/था
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन था. अन्य अधिस्तयों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियस, 192% (1922 का 11) या उत्तत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुसरक मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की सम्भारा (1) चे अभीन, वैनस्नकितिक स्थानित्यों, अर्थात विकास मेसर्र संयुक्त भारत को ताम हार्रांस्य सोसार्याः लिभिटेड, 'गणि किर्ता मं० 9, 10वाँ कास, मल्लेक्यरम बेंग्लार-5600551

(धरतरक)

 श्रीभती शीला मेनन 337, डबल रोड़, इंदिश नगर I स्टेज बॅगलोए-560038।

(धरारिती)

को यह सुचना भारी कारले पृथिक्त सम्पन्ति के अर्था है किन्छ् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अपने हैं एवध मा कार्य भी सम्बंध ---

- (क) इस स्चनः के राजपुर म प्रक्राशन की लारीख खें 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की सम्माल म 30 दि। की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो। को भीतर पश्चीयन व्यक्तियाँ में र किमी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के साम विकास में विकास सामान

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हाँगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

(बस्तावेज सं० 1498/85-86 ता० 13-6-85) प्लाट एउमेजरिंग करीब 1170 स्क्वेशर फुट जो 'मुता गार्डन्स' नं० 32 विषटोरिया रोड़ बंगलोर में स्थित हैं।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ष्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 5-2-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

धार्नन रेंत्र, बंगलूर बंगलूर, दिनांच ४ फरारी, 1986 निर्देग मंद सीव्हारवाह्यारव 1718/37-ईई/85-86---धतः मुझे, धारव भारदाज

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 थ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और निसर्कः सं कार्याद्रमेन्द्रमं 3093 है, तथा जो पाइंट-III, 43, क्लेंब रोड़ जेंगलोर में क्षित्र है (और इस्ते) उपा-बद्ध म्लुक्षा में और पूर्ण रूप ने राण्या है), क्षिक्ट्र वर्षा प्रविकारी के कार्याकाः बेंगलोर में भारतीय क्रिक्ट्रीकरण प्रविकारी के कार्याकाः बेंगलोर में भारतीय क्रिक्ट्रीकरण प्रविकार, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 जून, 1935

को पूर्विक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंक्ष प्रतिकत्त स अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिन्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल जिन्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में करित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयः की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या कन्य कास्तियों को जिन्ही भारतीय क्षायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक अधितत्यों. अर्थात ३---- श्री ए० विजय १९घराचार, २० ६२७, गास्त एड्रेंट,
 के० आर० मंद्रहनः, मैच्य-४।

(इ.स्इ.स्कः)

 श्री के० एस० परसुराम नं० 179, 'जी' बलाक नई एयरपोर्ट, जलकना-700053।

(भन्दरितः)

को यह सूचना अरि करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीड़ भी काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से यिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुरेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।]

अन्स्धी

(दस्तावेज सं० 1497/85-86 ता० 13-6-85) अपार्टमेन्ट नं० 3093, 9वं। मंधिल, है पाइंट- , 45, प्लेस रोड़ बगलोप-1।

> ज **ग्रार**ः भारक्षाज सक्षम ााधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) शर्जन रेज, **वगल्**र

स.रीज: 4-2-1936

मोहर 🐺

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज, बंगलूर
बंगलुर, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देण सं० सी० श्रार० 62|श्रार० 1717|37-ईई|85-86----अः मुझे श्रार० भारद्वाण बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधास 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

और िसकी सं० प्लाट नं० 102, बुक्स प्रैस क्ष्मा ंट्स, 47, िचपंड रोड़ बगलोर में िएयत हैं (और इसले उपाबद क्षमा (वें) में और पूर्ण कर ते चिंगत हैं), रिजर्ड़ खता (वें) में और पूर्ण कर ते चिंगत हैं), रिजर्ड़ खती द्वित एकी के कार्याचा बंगलोर में भारतीय रिजर्ड़ करण कि कि एम, 1903 (1903 का 16) के घ्रधीन, तारीख 13 जून, 1985 की पर्णेक्ष मंपित्त को उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए प्रंतरित की मह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मृत्य, उमके स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (भारतिकात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (भारतिकात, निम्नलिखित उच्चेक्य से उचत अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप में कथित महीं किया गया है हु---

- (क) अन्तरण है हुए किसी बाब की बाबस, उमल "भिनिशम के बभीम कर दोने के बन्तरक जे दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा है जिस: बीद/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम या धन-कर विधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया वे सुविधा औं निए:

कतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण को, मी उदस अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस अधिनत्यों, अर्थात् :— मैसर्स एएसप्रैस दिरङ्क्षे (प्राप्त) किसिटेड 47, रिचम्ड कोड, बंगली९-5600%।

(धान्तर्यस्त्र)

2. श्रीमती सरीता मर्नीसगता, पत्नी श्री घार० के० मर्नीसगता केग्रहाफ मैसर्स बन्सीदर बर्दादाम मोदी (प्रा०) लिमिटेड दिल बरधर (घामाम)। (घनारिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राज्यव में एकाशन की तारीश से 45 दिन की अर्जाज का तक ंत्री मंगी एका स्वान की तामील का अर्जा अविध बाद में समाप्त होती है। ... भगा का का आरक्षिता की भी किस्ती का किए स्वार्ध
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-श्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लाक्षरी के पास सिचित में हिता जा सकेंगी।

स्वच्दीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्यान ००-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो तथ अध्याव मो १४४। गया है।

क्षत्र मुखा

(वरतायेज सं० 1496/85-86 ता० 13-6-85) प्याट सं० 102, एक्सप्रेस क्यार्टमेंट्स जी 47, स्विमंड रोड़, बंगलीए-25 में स्थित है।

> े ५० मा द्वान सदान व विद्यारी सहायक साम्रज्य साथुक्य (विर्वेक्षण) वर्षेत सें 1. वंदसूर

स.र्रेख: 5-2-1986

शक्य भार[®]ा को _य एवं , एवं <u>, प्रवा</u> स्थलना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

बाइत चंडकाड

कार्यासव, सहायक नायकर जामुक्त (निरीक्तज)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्बेश सं ्रेसी० श्रार० 62/श्रार० 1694/37-ईई/85-

86---यतः मुझे, आर० भारहाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 11 है तथा जो केसेंट रोड़ बेंगलोर में स्थित हैं (और इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम जे द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एते द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्यक्ष से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धरा-कर अधिनियम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकर नहीं किया सवा धा किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा चे सिए;

श्रतः सव, उक्त सिंपिनयम, की भारा 269-ग के सन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---37—506GI/85

- (1) मैसर्स युनीक कंस्ट्रमणन कं० (लैंड ओनर) 11 क्रेसेंट रोड़, बेंगलीर, 560001।
 - (2) मेसर्स एंबर्सी बिल्डर्स, 10, हरे ६ छण रोड़, बेंगलोर-560001।

(अन्तरकः)

 श्री विश्वजित बी० बी, 106/14, 11वां क्राम, 11 वां मैन, मल्लेश्वरम, बेंगलोर-560003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनोहियां करती हूं।

वनस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन की जनिश या तत्स्वन्त्रभी व्यक्तियों प्रकु स्वान की ताजीत से 30 दिन की जनिश, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार्ग;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्वश्वीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनसम, के कभ्यास 20-क में परिभाषित ही, बही कर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिया गवा ही।

मम्स्ची

(दस्तावेज सं० 1.487/85-86 ता० 24-6-85) 453/48000 श्राफ श्रनिष्ठवैडेड गोयर इन जगह, 11 कैसेंट रोड़, कुमारा पार्क बेंगलोर-1।

> श्चारः०भान्द्वाज सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर श्वायुक्त (निर्दक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

नारीखा: 4-2-1986

धक्य बाह्रं, टी. एत. ए≙.

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनावः 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० सो०ग्रार० 62/ग्रार 1690/37ईई/85-86—श्रतः' मुझे श्रार० भारकाज

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 107, तथा जो निधि श्रपार्ट मेन्ट्स 40, नेताजं। रोड, बेंगलूर-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रावर्ता श्रविकारी के कार्यालयर बेंगलूर में जिस्ट्र ९२ण धिन्दिम: 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाव: 13-6-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार म्ल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हूर जिली बाय की बाबत, उक्त बीधीनयज के अधीम कर दोने के बन्तरक के द्रायित्व मो कभी करने या उससे अधने मो मुक्तिधा के निष्; और/या
- (च) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्याबरक मां, गीं, ''वित अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :---- मैं० मिट्टाल डैबलपमेंट कारपोरेशन 47/6, एम० जी० रोड, बेंगलुर ।

(ग्रम्तरक)

 श्री जीत गोपाल, कुळान 1/जे, श्रस्माय रोड, बेंगलूर-42

(ग्रन्तरिती)

को. यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मंदी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं 0 1484ए/85-86, दिनांक 13-6-1985 ब्लाट नं ० 107, I मंजल, निधि प्रपा मेन्ट्स, नं ० 40, नेताजा रोडलूर-5

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 4-2-1986 मोहर: प्रकार नार्थ ही. एवं. एसं. -----

चागकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1986

निदेश सं० सा०ग्रार० 62/ग्रार 1689/37ईई/85-86---ग्रतः मुझे ग्रार० भारताज

नायकर निधनियम 1961 (1961 सन्न 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विस्तात करने का कारण है कि त्यावर सम्पत्ति, जिसका उंचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० प्लाट नं० 34 है, तथा जो 40, नेताजा रोड बंगलूर, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रावर्ता श्रिधवारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीवारण श्रिधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिनांग 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (मन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृविभा के सिए; और/या
- (थ) एंसी किसी जाव या किसी धन या अन्य जास्तिकों को चिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन्कर विधिनियम, या धन्कर विधिनियम, या धन्कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने जें सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० मिट्टाल डेवलपमेन्ट कारपोरेशन, 47/6, एम० जी० रोड, बंगलूर

(भ्रन्सरक)

श्रीमतो मैना मितरामणि,
 पित्न श्री विज्णु मितरामणि,
 ए, डा० कोस्टा चौक, कुक टाउन,
 बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्वोगे !

स्वर्ध्योकरण:——इसमें प्रयंक्त भव्यों और पर्वो का, जो उनक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्ज गया है।

नमृज्ञी

(वस्तावेज सं० 1483/85-86, दिनांक 13-6-85) प्लाट नं० 311, तासरी मंजिल, निधि प्रपार्टमेन्ट्स, नं० 40, नेताजी रोड, बेंगलूर-5।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण). म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 4-2-1986

प्रकृत भारते हो पुत्र पुत्र क्रायत्वान

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को संभीत सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्देक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० डी० थ्रार० 624/85-86--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

बायकर सिंधिनस्य, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से बीभक हैं। प्राप्त जो तलेगांव दिलेज पणजा गोव। में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूच, में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रं दर्सा अधिवारी वे वार्यात्र बेंगल्य में रिजस्ट्रं करण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांव 17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरिक (बंतरितयों) के भीज एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित स्व्यं से उक्त बन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कवित महा किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्म में कभी करने या उत्तरो बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सृविधा के लिए;

अतः अत, उक्तः वीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, जी, उक्त वीधिनयम भी भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नित्वत कान्तियों, वर्धार् क्र— श्री विद्याघर वी० नायक, भ्रीपती मालिनी वी० नायक, होटेल केमपाल, पणजा गोवा।

(ग्रन्तरक)

2. वरुण कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड (प्रोपोज्ड), चीफ प्रोमोटर एच० श्रार० शेनाय, हुसैन बिल्डिंग, श्रापोजिट वृषवा ग्रालटिन्हों, पणजी गोवा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 410/85-86, विनांक 17-6-1985) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 9 जो 'मोरगाडो नाम' से परिचित है (हिल्ली पोरशन) जिसका नापना करीब 1368 75 स्क्वायर माटर्स जो तलैगांव विलेज, अब पणजी परिश श्राफ सान्ता इनेज, पणजी म्युनिसिपल एरिया में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 5-2-1986

कार्नावन्, शहरक नायकर् नायुक्त (निर्द्रीकन्त)

म्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 251/37 जी/85-86—यतः मुझे, ग्रार० भारकाज

वायक द विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इंसर्वें इंसर्क परवात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया ही, की भारा 269 व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विसका अभित वाचार मूक्त 1,00,000/- रु. से अभिक है

ष्मीर जिसकी सं० 1697 प्रार० ए० प्रार० नं० 920, (पुराना ए० ग्रार० नं० 2236) है तथा जो नितरन एक्सटेंशन, हासन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रानाती श्रीधकारों के कार्यालय, हा सन में रिजिस्ट्रावरण श्रीधिनियंग, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान विनोक 13-6-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकल से एवे क्ष्ममान प्रतिकल का कल्बह प्रतिकत्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरक के लिए तब पावा नया प्रतिकल, निम्नसिवित उद्वेद्य वे उसत अन्तर्य जिलित वे वास्तविक क्य वे कथित नहीं किया वहा है है—

- (क) नामहाम् वं हाई हिन्दी नाम की नामकः, वक्तः नामिन्यत्र के समीम कर दोने के अन्तरकः के गामिल्य में कामी करने ना कक्को नमने में स्वीतकः के निक्कः नार/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तिनां की, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धन-कर विधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोचनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था छिपाने बें ध्रियेश की खिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिव व्यक्तियों, अर्थात् :— 1.जएन० वेंजटरामय्या, सुपुत्र स्व० श्री एन० हिरियन्नय्या डोर नं० 2236, नितरन एक्सटेंशन, हासन ।

(ग्रन्तरक)

 बी० एस० बेंबटेश मूरता, सुपुत स्व० बी० श्रार० सीतारामय्या, एडवोकेट, नितरन एक्सटेंशन, हासन ।

(भ्रन्तरिती)

 की बृध बृचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के हैनए कार्यनाहियां सुंक करता है।

उक्त सम्पत्ति की वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पटकीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴।

मपुष्यी

(दस्तावेज सं० 772/85-86, दिनांक 13-6-85) सैट है जिसका नापना ईस्ट-बैस्ट/100-नित-सौत-50/ जिसमें एक मंगलूर, टैलड घर है जो 1930 में निर्माण हुन्ना है जिसका खाता सं० 1697 श्रीर ए० श्रार० नं० 920 (पुराना ए० श्रार० नं० 2236) जो नितरान एक्सटेंशन, हासन में स्थित है ।

> श्रारः भारद्वाज नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनोक : 4-2-1986

भक्त बाई. टॉ. एर. एक. - - - ----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन कुतना

HIST TENS

कार्याजन, बक्कयम नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरोंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रार० 1701/37ईई/85-86—श्रत मुझे,श्रार० भारकाज

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं शाप प्रिमिसेस करीब 625 स्ववायर फीट है तथा जो राम भवन काम्पलैक्स कोडियालबैल मंगलूर-575003 में स्थित हैं (म्रांर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रोर जो पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजस्ट्री श्रिव प्रिमिश्त के वार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 13-6-1985

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाबार मूल्य से कम को सम्बंधान वित्तिक को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार ब्रुच, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिख्त से विभक्त है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित को बास्तिक रूप से कांवर मुद्दी (अन्तरितिका)

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उपत विधिनियम के संधीन कर दोने के मन्त्ररक के दावित्व को काबी करने का उससे बचने को स्विधा के सिए; बार्ड/वा
- (था) यंसी किसी जाव वा किसी थन या जन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया।

त्रस: जब, उक्त विधिनियम की धार 269-५ के जनसरण थं. में उवल विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे क्षीन, निम्ननिधित व्यक्तियों, वर्षात्र प्र— रमा भवन इंटरप्रश्रुजेस,
 8-ए, मेफेर गार्डन्स,
 बम्बइ-400006

(ग्रन्धरक)

2. डाक्टर एम० के० मलया केन्त्रर श्राफ /डाक्टर एम० एम० कामक, श्री साई सदन, विटोबा टम्पल रीड, मंगलूर ।

(गन्तरिति)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति क नर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

इक्त सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी कार्योग हा---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थितत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्थितत बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त वन्नों नीं पदों का, जा वनकं अभाजयम, के वन्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्थ होगा को उस अन्याय में विका नवा ही।

मन्द्रची

(दस्तावेज सं० 1490/85-86, दिनांक 13-6-1986) शाप प्रिमाइंसेज, करीब 625 स्ववायर फीट, जो II पलोर; रमाभवन, काम्पलैक्स, कोष्टियालबैल, मंगलूर-575003 में स्थित है ।

> श्चार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रैंज, बंगलूर

दिनाक: 6-2-1986

मोद्वर 🖫

प्रकप आई.डी.एन.एस.-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1986 निदेश सं० श्राट० 1674/85-86/37ईई/→-श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

भोयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी० बी० ए० और जी० सी० है, तथा जो कसबा बाजार, वार्डन नं० 13, मंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-6-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी रूप या किसी भन या कर्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति औ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ल्ल: अब, उक्त जीभीनवज की धारा 269-ज को बन्दरज में:, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के मधील मिक्निविस स्वीकार्यों, बर्चात :--- पून्जा आरकेड,
 के० एस० राव गंड, मंगलूर-1

(भ्रन्तरक)

2 मसर्स ब्रदर्स, इलॅफ्ट्रांनिक्स, कम्पनी, 16/64, मिशन काम्पाउन्ड, मगलूर-575002

(अन्तरिती)

कां वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त चन्नरित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

जबत बंधित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की अविभ या तत्वंवंभी व्यक्तिमों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ के बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेचित व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्भ निचित में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उत्त अध्याय में विमा पत्र ही।

कराची

(दस्तावेज सं० 1474/85-86, दिनांक 3-6-1985) सब सम्पत्ति है जिसका सं० श्रार० एस० सं० 597/1ए श्रीर 578/2ए2 श्रीर टी० एस० रा० 217/1ए, श्रीर 216/2ए2 जिसमें प्रीमिसिज नं० जी-बी, 2ए श्रीर जी० सी०, जो कासवा बाजार, विलेज XIII वार्ड मंगसूर में स्थित है।

> श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भाष्ट्रका (निरीक्षण) श्रजन रेज, बेंगलर

दिनांक : 4-2-1986

प्ररूप आहूँ,टी.एन.एस. -----

चामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वा

भारत तरकार

कार्याजन, सहायक आयकर बायुक्त (विद्राजन)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश स० ग्रार० 1673,37ईई/85-86—ग्रातः मझे, ग्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें ध्राके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 स के अधीन समम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित नाजार मृज्य 1 00.000/- गा. से श्रीधात है

श्रीर जिसकी मं० जी-बी-1 है तथा जो कसबा बाजार, मंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध सनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्त श्रिधिकारी के टार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 10) के श्रिधीन दिनांक 3-6-1985

को प्यों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थापलांकत संपत्ति का लेक्ट बाजार मुख्य, उसके स्थामान प्रतिफल से. एसे स्थामान प्रतिफल का पम्बद्ध अतिकात सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के तिए तय पाल मबा प्रतिफल, निम्निवित्त उच्चेक्य से उचित अन्तरण लिक्टि ये सास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते हुए किसी जाय की बाबत, उक्त बीध-बाँधनियम के बधीन कर योने के बलारक के बाँधल्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के ऐसए; और /या
- (सं) एसी किसी जाय वा किसी थन या जन्म आस्तियों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा में निर्णा

कल अब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण ले. मीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भोत् :---- पून्जा श्रारकेड,
 के० एस० राव रोड, मंगलूर।

(ग्रन्धरक)

 दिनंश डी० शेट्टी, सुपृत्त दासु शेट्टी, "दि शेलटर", पौष्ड गार्डन, कार्दी, मंगलूर-575003

(श्रन्दरिती)

को बहु सूचभा बारी करके पूजोंक्स सम्पत्ति के वर्षन् के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप :---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं व सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नगि। जा भी नव्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवीवस् व्यक्तिकों में से फ़िसी व्यक्ति द्वादा;
- (व) इव श्रूषना के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर कम्पृत्ति में दिलक्ष्य किसी जन्म स्पष्टित ब्वास अभोहस्ताक्ष्री के वाब जिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्धा और पर्वो का, को उक्त माँधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा गया ही।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1473/85-86, दिनांक 3-6-1985)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० श्रार० एस० सं० 597/1 ए श्रीर 578/2ए2, भौर टी० एस० सं० 217/1ए श्रीर 216/2ए2 जिसमें प्रीमीसेस नं० जी-बी, जो इसका बाजार विलेख वाडं नं० 13, मंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नार्यक न्नायकर न्नायुक्त

दिनांक: 4-2-1986

मो हरः

भूक्य नार्च : टी : एन : एस : ******

नायकर निर्मानस्त, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के नुभीन सूचना

नारत प्रकार

कार्यानन, सहायक नायकपु नानुक्त (निर्देशक)

श्रजंन रेंज-बेंगजूर बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1986 निदेश सं० श्रार० 1672/37ईई/85-86—यतुः मुझे श्रार० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इक्ष्में इक्ष्में एक्ष्में उत्तर विधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्षास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित बाबार स्टम्स 1,80,00,0 रा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जी० ए-4, सी 4 बी 12 है, तथा जो कासबा बाजार, विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किथा गया हैं:——

- (क) बन्तरूप ये हुए किसी बाव की बावक, अवस वीविधिया में स्थीन छर योगे में बन्तरूक में शिविध में कती करने या सकते एवने में सुविधा के जिए; बीड/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, या धन-कल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया वा किया लागा चाहिए था, कियाने में प्रविधान के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्निविश्त व्यक्तिकों, अर्थात् ह— 38—506GI/85

 पूड्रणा भारकेड, के ० एस० राय रोड, मंगलूर-1

(भ्रन्तरक)

2 कुलयाडिकारस नूतन सिल्क्स वे० एस० राव रोड, मंगलूर-1

(भ्रन्ति (ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
45 दिन की अविध या तस्सबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुदुची

(दस्ताबेज सं० 1472 85-86 दिनांक 3-6-85) सब तम्पत्तिहै जिसका स० ग्रार० एस० सं० 597/1ए ग्रीर 578/2ए2 ग्रोर टी० एस० सं० 217/1ए ग्रीर 216/2ए2, जिसमें प्रीमिसेस सं० जो-ए4, सी 4 बी 12, कासबा बाजार, विलेज, XIII, वार्ड मंगलूर में स्थित है।

> श्रार**० भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोंज, नेंगलूर

दिनांक: 4-2-1986

प्रक्म माइ .दी. एम . एस .. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यासन, सहायक आवकर वायुक्त (रिनर्शकन)

श्रजन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1986 निवेश सं० श्रार० 1671/37ईई/85-86—यतः मुझे श्रार० भारद्वाज गठकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विक

वायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्तं इसमें इसके यहचात् 'उतन लीधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० जी० सी० 2 है, सथा जो कासवा बाजार 8 वां वाड, मंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 3-6-1985

को पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के उध्यमान प्रतिकास के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते बह विश्वास कुछे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का अचित बाजार मूख्या, असके द्वावमान प्रतिकास से, एसे द्वायमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकास से बधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निक्निजीवाच उद्विचय से उक्त बन्तरण लिखत में बास्तीवक रूप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) बलाइय से हुई किसी बाय की बाबत, प्राप्त विभिन्निय के बंधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के जिए; बीर/या
- (भ) एंसी किनी नाम मा किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत निभिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) भी मुख्येषनार्थ जन्मदिसी ध्यास प्रकट नहीं किया थया था या किया जावा चाहिए या किनाने जे स्विभा के निष्;

ातः सद, अपत अधिनिधन की पास 269-य के जन्दरस्य मं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्थात ए--- श्री पून्जा श्रारकेड,
 कि० एस० राव रोड, मंगलूर-1

(ग्रन्सरक

 श्रीमती फैरोज् अक्सार,
 श्री ए० भझीर खान,
 केप्रर श्राफ ए० श्रार० खान √ररवा चिलिस्बी,
 मंगलूर-575006

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्वतिहम्म करका है।

वक्त सम्बक्ति को कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस बुचना के राज्यन में प्रकाशन की गारीय से
 45 दिन की जबीं भा गारकम्मिनी स्पनितमों पर
 सूचका की तासील से 30 दिन की जबीं भी सो
 अधीं नामील नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
 व्यक्तिकों में से किसी क्षामित बुनारा;
- (ज) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशित की तारीय वें 45 दिन के भीता उनता स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांध निविद्य में किए वा सकोंने।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जवस श्रीभीमवा, के अध्यात 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ क्षेत्रा को उस अध्यात में विसा वर्षा क्षेत्री

प्रनुसूवी

(दस्त वेज सं० 1471/85-86, दिनांक 3-6-85) सब सम्पत्तिहै जिसका सं० ग्रार० एस० सं० 597/ए1 **ग्रीर** 578/2ए2 ग्रीर टी० ए० सं० 217/1ए ग्रीर 216/2ए1 जिसमें प्राम्मिसेस नं० जी-सी 2 जो कासबा बाजार, विशेज 8 वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 4-2-1986

प्रस्य नाही,दी.एव.एस. : ::----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहामक नायकर नायक्त (हैनर्रीक्राण)

श्चर्षन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, विनांक 4 फरवरी, 1986 निदेश सं० श्रार० 1670/37ईई/85-86 श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त ग्रीभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से ग्रीभक है

ग्रौर जिसकी सं० जी-बी 4 है, सथा जो कामबा बाजार, वार्ड मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूण रूप से वणित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान दिनीक 3-6-1985

की पूर्वोक्त तम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब थाया गया प्रतिफल, निम्नतिकित उद्देश्व से उक्त अन्तरण सिकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) अस्तरण वे हुइ कियों बाव की वावत, बचत विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; जरि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, था भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, सर्थात :--- श्री पून्ना ग्रारकेड,
 के० एस० राव रोड, संगलूर

(अन्सरक)

श्री प्रकाश वामन श्रीयन,
 श्रीमती मीनाक्षी, वामन श्रीयन,
 "वासुदेवा" ताडमबैल, सुरतकल,
 मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के तिल्ल कार्यवाहियां गुरू करता हो ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई वासीय ए---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की मनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, मैं भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां वृद्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद्ध किसी अन्य स्थिति वृंबारा अभोहस्साक्षरी के पार विस्तिन में किए जा सकारी

स्थळीकरण : -- इतमें प्रयूक्त शक्यों और पर्यों का, जो उत्तरः विधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया नवा है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1470/85 86दिनांक 3.6-85) सब सम्पत्तिहै जिसका सं० आर० एस० सं० 597/1ए, भौर 578/2ए 2, भौर टी॰ एस० नं० 217/1ए, भौर 216/१ए2 जिसमें प्रीमिसेस सं० जी-बी 4 जी कासबा बाजार, विलेज XIII बाई, मंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

दिनांक:: 4-2-1986

मोहर 🖰

प्रस्य कार्य : दर्ग : एव : एव : -----

नावक्रम मिरिनबस, 1961 (1961 था 43) की पाडा 269-म (1) के सभीत स्थान

महत्त बहुनाड

कार्यासम , बहारक बावकड मायुक्त (विद्वासम)

भ्रजंन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1986 निदेश सं ग्रार० 1669/37ईई/85-86—यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अभिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्ति, जिसका उपनत बाजार जूक्य 1,00,000/- रह. से जिथा ह"

भीर जिसकी सं० जी-बी-9 है, तथा जो कासका बाजार, विलेज 8 वार्ड, मंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिनस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण गिधनियम, 1908 (1908 का 16) विनोक 3-6-1985

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अध्यमान प्रतिपाल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निश्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जाव की बावल, बक्त विधिनवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के वादिल्ल में कमी करने या तससे त्रवने में सुविधा के शिष्ट शोद/या
- (क) भेसी किसी नाम मा किसी धन मा अन्य आस्तिमों का, जिन्हों भारतीय आयकार गिंधनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती हुजारा प्रकृष्ट नहीं किया वास मा मा किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उण्ज अधिनियम की धारा 269-म की धपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री पूरजा आरकेड,
 के० एस० राव रोड, मंगलूर ।

(म्रन्सरक)

मनी श्रीर कभ्पनी,
 के एस० राव रोड, मंगलूर

(भ्रन्सरिती)

को सह क्षाना करती करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सन्त्रीत के कर्णन के संबंध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस स्था के राजपान के प्रकाधन की तारीब से 49 विश्व की बब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद त्वता कि तारीब से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद के बब्ध के दिन हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुभ कियो जन्म स्थावत दुवारा वभोहस्ताक्षरी के पार सिनिया में किया ज, वकी ने व

स्वष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिसिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ जर्म होंगा को उस अध्याय में दिया गया दें।

अनुसूधी

(क्स्सावेज सं० 1469/85-86 विनांक 3-6-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० सं० 597/1ए ग्रीर 578/202 श्रीर टी० एस० सं० 217/1ए ग्रीर 216/2ए जिसमें प्रीमिसेस नं० जी-बं 8 जो कास्बा, बाजार विलेज, 8 वाड, मंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगसुर

दिनांक 4-?-1986 मोहर: प्रकृष बाहाँ, ही, इस, एवं,-----

1. श्री शंक'रराव जी० फराद,

(अन्तरक)

2. श्री जीमी जीन

(भ्रन्तरिता)

नायकर विधितिनम, 1961 (1961 का 49) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वामा

भारत परकार

कार्यास्य, सहायक जायकर मान्यत (निर्योक्षण)

श्चर्ण न रेंज-2, बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986 निवेश सं० आई-2/37ईई/20846/84-85—श्वतः मुझे प्रशांत राय

वायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परशात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्त मार्च किन्यी को यह विश्वका करने का कारण है कि स्थानन न्यानि, जिसका उणित सामार मृत्य 1,00,000/-रा. से अभिक हैं

प्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 16, मरोल विलेज अंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबड़ अनुसुर्जा में प्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याल, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रक्रिक के कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का जायित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रक्रिक के कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का जायित बाबार करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का जायित बाबार करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का जायित बाबार प्रक्रम, उसके दश्यमान प्रतिक्रम से, एसे दश्यमान प्रतिक्रम का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिक्रम, निम्नीकिया बहुदोक्त से सक्य बन्तरण कि लिए तम पाम गया प्रतिक्रम, निम्नीकिया बहुदोक्त से सक्य बन्तरण कि लिए तम पाम गया प्रतिक्रम, निम्नीकिया बहुदोक्त से सक्य बन्तरण कि लिए सम पाम गया प्रतिक्रम, निम्नीकिया बहुदोक्त से सक्य बन्तरण कि लिए सम पाम गया प्रतिक्रम के स्वर्ण के स्वर्ण

- (क) वंतरण हे इर्द किसी जाय की वावस, अवस विविधित्व के वृत्तीन कर देने को वंतरक के शियरव में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; जौर√या
- (क) एसी किसी बाध या किसी ध्रम या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, शर भन-क्रिश्री भगग, भगग (1937 का 27) हे प्रयोक्तिथि जेति देवी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया वाता वाहिए था, स्थित में सुविधा के सिक्टा

बत: शन, उला शीभीतमय की भारा 269-ग के बम्हरण वो, मी, इक्त विभीवयम की गारा 269-ग की उपभारा (1) औं बचीय निव्यविधिक व्यक्तियों स्वीच् स— चा वह स्थान चारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धित के नर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के कर्नत्र के सम्बन्ध में की इंभी नाक्षण :---

- (क) इस सूबना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का मत्नाच्यत्थी व्यक्तियों पर सूबना की तामीन से 30 दिन की बबीच, को भी अवधि काद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसान:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उनत तथावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवान अभोहस्लाक्षरी के पास निवित में वियो जा सकीये।

स्वकाकरण: ----इसमी प्रधानत अध्या आर पर्वा का, जा जनन काभिनियम के लाजाय उत्तरक मी परिभाणित हो, तक्ष्में का अध्यात, जो उस अध्यात म विका गर हो।

श्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 16, सी०टी० एस० नं० 236, मरोल विलेज, श्राफ मरील रोड, श्रंधेरी (पु०) बम्बई-400059 है।

श्रनुसुचा जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/20846/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, वस्बई

दिनौंक: 3-2-1986

त्रक्ष आई.टी.एन.ध्त.-----

जायकर जीभीनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/20854/84-85---श्रतः, मुझे, प्रणोत राय,

भागकार निधनित्तन, 1961 (1961 का 43) जिले इतमें इतके परवाद जिले अधिनित्तन कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थात करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, विसका अधिन नाकार नृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 217, शेर ए पंजाब, मोसायटी, अंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारणामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के खंके अवीत सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है दिलांक 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य ते कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही जीर मूझे यह विश्वास जरमे का कारण ही कि वशापुर्वोक्त कम्पीत्त का उधित बाजार ूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकति और वृद्धिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्बरितिवों) के बीच एसे अम्बरण के देशह तम पामा गया प्रतिफल, निम्नविद्धित उद्धारण से अम्बरण कि कित में नास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से क्यूइर किसी आब की बाबस उन्त जीभीनवन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजिएव में कभी करने वा उत्तर बचने में क्यूबिभा के लिए; जीर/वा
- (स) एसी किसी आब भा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गणा भा ना किया जाना चाहिन् था, जियाने में सुविधा के जिहा;

बात अब उन्त नीभनियम् की थाएः 269-म की समृत्रहरू म', में', उन्त निधिनियम की भारा 269-म की उपभास (६) को नभीन, निस्नतिवित्त स्मन्तिवाँ अर्थात् क्र--

- (1) जसदीप सिंह ओबेराय, और हरनाम कौर ओबेराय (भ्रन्तरक)
- (2) सी० के० बिल्डर्भ एण्ड डेवलोपसं। (ग्रन्तरिती)
- 3. भ्रन्तरिती ।

(बह क्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सन्परित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाशेप :---

- (क) इस त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर त्वा की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी अमीध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राणपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पव्योक्षरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 217, जो शेर ए पंजाब, को-प्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, विलेग गुंडवली, अंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कि के मं० प्रई-2/37-ईई/20854/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोंक : 5-2-1986

मुख्य भारी, टी. एथ. एस. - - - - -

मासकर जिभिनियम्, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म् (1) के स्भीन स्वना

भारत श्रदकार

कार्याचन, बहानक वानकर वानुनत (रिनरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरचरी 1986

िर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/20398/84-85---यतः, मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' सहा यया हैं), की भाग 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, इमारत बी, प्लाट नं० 3, अधेरी (पु०), बम्बई-69 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है) और जिसका करारतामा आयगर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहसमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंडडू प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (गंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गंजा प्रविक्त , निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक रूप से कार्यका स्था है :—

- (क) जनसरण से हुन्द किसी जाय का बाक्स, उक्स जिम्हीनयज के जभीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क नभीन, निम्मतिकित व्यक्तियों, जर्थाह्य :--- (2) श्रीमकी मनीभा दिवाकर राषते ।

(ग्रन्तरक)

(2) र्था भुन्दरराव बीठ गोसालकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहें भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्वी

फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, इसारत बी, फ्लाट नं० 3, ट्रा भेड को-प्राय० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गोल्ड स्पोट के सामने, जम्बो दर्शन के पास, अंधेरी (पु), बम्बई-400069 में स्थित हैं ।

श्रतुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37-ईई/20898/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनोक 4-6-1985 को रिक्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 3-2-1986

प्रकार आहो. ही, एन. एस. -----

কাধকৰ জাগানিষ্ম, 1961 (1961 **মা 43) কী** भारा 269-**ग (1) की লগীন দ্**মানা

कारल सर्कार

- कार्याजय , सहायक आवक्तर <mark>आ</mark>ज्**क्त (निरोक्तक**)

ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बई** बम्बई, दिनांक 3 फरनरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20926/84-85—-यतः, मुझे, प्रशांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उजत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्थावर सम्परित, विश्वका उजित बाबार ब्रुव्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- (क) बन्तरण वे हुए किसी नाव की नावस, उपक वीपनियम के नपीन कर वेगे में सन्तरक के वापित्य में कमी करने या उससे नचने के सुनिधा के किस् भार/कर
- (क) एसी किसी जात या जिली थम या बन्ध मारिका को, जिन्हों भारतीय आग-कर विभिनियम 1922 (1922 को 11) या उपत विभिन्यम वा स्वस्थ विश्वित 11) या उपत विभिन्यम वा स्वस्थ विश्वित गर्म 1957 (1957 को 27) से प्रयोगनार्थ जन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाडिए था. कियाने से स्विभा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 259-म औ अनुबारक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अजीन, निकासिकत व्यक्तियों, जबाँद :— (1) श्री प्रवीन फे० जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमृतबाई तलक्षं।।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षण के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत् कुन्तुरिक के वृद्यंत्र के बृज्युन्यु में कीई भी नाकोष् :~~

- (क) इब ब्रुवान के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की जनकि या तत्सन्त्रन्थी व्यक्तियों पर ब्रुवान की ताजीस से 30 दिन की जनकि, जो मी ब्रुविश बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर वर्तां भत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवाय;
- (क) इक सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के शीवर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितवह्य किसी मन्य स्थानित व्यादा जभोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए वा क्यों में।

स्वकारकरकः ----इतमें प्रयुक्त बय्दों और पदों का, जो अवत व्यक्तिग्रम, के बभ्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष शोगा, को उस अध्याय में विद्यागना है।

STT4

यूनिट नं० 107, जो पहली मंजिल, के-विल्डिंग, जसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, साकी विहार रोड, अंधेरी (पु०), बदबई-400072 में स्थित है।

प्रतुमूची जैसाकि क० मं० प्रई-2/37-ईई/20926/84-85 और जो मक्षप प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महापक श्राणकार प्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजीयरेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-2-1986

मोहरः

प्रक्ष्य बार्षः डी., एव., एक. - - - - ---

अगमकर अधितियुव, 1961 (1961 का 43) की वाग 289-वा (1) के वाधीय सुचना

भारत सर्वाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) श्रर्भेन रेंग-2, बस्बई

बमबई, दिनांक 3 फर्चरी 1986

निर्देण मं० अई-2/37-ईई/20927/84-85---यतः, मुझे, प्रणांत राथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति , विश्वका उचित वाचार क्ष्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संव स्विट नंव 3, के-बिल्डिंग, अंसा इंडिन्ड्रियल डम्डेट, अंधेरी (पु०), बम्बई-72 में स्थित हैं (और इममें उपा-बद्ध प्रत्सूर्वी में और पूर्ण रूप में निणित हैं) और जिसका करार-गामा भाषकर अधिविधम की धारा 269 करा के अधीन इक्षन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में जिस्ही हैं दिनांक 4-6-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्र-गंजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा से किए.

स्तर अक, शास्त अधिशित्यात की भाषा 269-म स्रो समुग्रयण की, भी, उपत अधिशिया की तता १६9-व की सम्भाग्य (1) र अधिक किराजिक्कियण क्षित्र होत्र होते हैं। स्वर्थक क्षित्र किराजिकियण क्षित्र होते होते हैं।

(१) श्री भन्द्रक्षेत्रत लक्ष्मीन्त्रय छेडा।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती हिराबाई तानजी केनीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्माति को अर्थन को श्रम्बन्ध में कार्य भी बार्थन :---

- (क) इस स्वान के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि या तत्त्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वसीभ, को बी जनिय भाद में समान्त होती हो, के भीतर ध्वेनिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास
- (क) इस स्वता के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकशी के पास जिल्ला में किस वा सकतें ।

स्वकाकरण: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों बीर वदों की, जो जनक श्रीधीवजन के कथ्याय 20-क में परिभाविक ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याद के विका गया है।

मप्यू ची

यूनिट नं 8, जो तल मंजिल, के-बिल्डिंग, अंसः इंडस्ट्रियल इस्टेट, माकी नाया माकी जिहार रोड, अंधेरी (पृ०), यमबई-400072 में स्थित है।

अनुमूर्चा जैसा कि क्र० सं० पर्द-2/37-ईई/20927/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वाम दिसंब 4-6-1985 को रजिस्टई दियागया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधियारी महायक श्रायकर श्रापुक्त (तिर्राक्षण) शर्जन रोज-ः, बस्बई

दि तंक : 3-2-1986

A&4 बार्ड .टी एवं .एस .----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

कामनियः, सहरमयः रामकार अप्यक्तः (निरीक्षणः) अर्जात रेंज- 2, जस्बई

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37-ईई/2/20928/84-85~-यत, मझे, प्रशांत रा**ग**,

लायकर अधिनियम, 156° (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें प्रकार एक्त अधिन्यम साहा प्राह्में), को जान 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० यूनिट नं० 109, के-बिल्डिंग, ग्रंमा इंडिस्ट्रियल इस्टेट, ग्रन्धे के (पू०), बस्वर्क-72 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपावद्ध ग्रानुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4-6-1985

को पुनावत सम्पत्ति की उधित शाजार मृत्य से काम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके स्थामात परिष्ठान है, भीत स्थापान परिष्ठा वर बन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एगों जोगा के जिस्से तार प्राथम म्या प्रतिशत निम्निकित उद्देश्य से अवस्त अंतरण निश्चित में अम्बिक के स्थापान स्थापान कि स्थापान स्थापान स्थापान कि स्थापान स्था

- रिक्त) अध्यक्त में हाज़ किस्सी बाग भी अध्यक्ष तस्क अधिनियस में पर्योग के लें के किस के जिल्ला दायित्व में काणी कारण के किस के किस में प्रविधा
- (क) ऐसी किसी अप दा किसी भा गा अस्य कारिस्त्यों अप, जिस्ही भारतीय उत्ता । लियो ते वास्त्रियों अप, जिस्ही भारतीय उत्ता । लियो ते व्याप्ति अपित्रिया । १९५७ का 27) की प्रयोजनार्थ संस्थानिक एवं गावल संद्री किया । १९ १९ था । व्याप्ति के स्वीप्तिया । विश्व के स्वीप्तिया । विश्व के स्वीप्तिया । विश्व के स्वीप्तिया । विश्व के स्वीप्तिया के स्वित्र के स्वीप्तिया के स्वित्र के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया के स्वित्र के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया के स्वित्र के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया के स्वीप्तिया स्विप्तिया स्वीप्तिया स्वीप्तिया

बत्त भव करत अधिनयम का भाग प्रतान में अनुसरण को, की, उत्तान अधिविषय को भाग प्रतान का प्रवासक (1) के बधीन, निर्मालियान व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रा पक्ष्माचन्द्र दासजी छेड्रा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनीराल नानजी केलिया।

(अन्तरिती)

को यह सुचया बारी कारके वृत्तीकत संपत्ति की अर्जन के निराष्ट्र कार्यवाहियां शुरू करता तां।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन मुख्या के राज्यार में एकामन की हारोस से \$3 इन रहें रक्षण या तहमीति व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की बदीप, जो भी प्रतित्र तीर भी समाप्त होते हो, के नीतर पूर्वोज्या कर्म में किया कि हम दक्षारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 जिल्लाहरू १८५० र वर्गा के हितनद्ध कि.मी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाहरू किए का सकती।

श्यब्दिकरण: हममी प्रवृक्त अवा और वर्श का, जो उनस इतिहास का व्याप १ काण विभिन्ने हा ती, तहीं अर्थ झोगी भी १० बब्धाव को निवा ध्या और

प्रन**म्ब**ी

यूनिट नं० 109, जो पहली मंजिल. के-बिल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्राकी नाठा. नाको विहार रोड, ग्रन्धेरी (पू०), बस्वई-400072 में स्थित है।

ग्रनसूची जैंगा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20928/84-85 ग्रौर जो पक्षम पाधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाँक 4-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी पड़ायक प्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) प्रजैन रेंग-2, बम्बई

तारीख: 3--?-1986

प्रकार भारते, ही, एवं एकं .-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-थ (1) को अधीन सुचना

भारत तहकाह

कार्याभय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्रण)

श्राजंत रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौक 3 फरवरो 1986

निर्देश सं० श्रई- 2/37-ईई/20929/84-85--यतः, मुझे, प्रशांत राय,

शायकर विभिन्धिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको धसको परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-व को अभीन सक्षभ अधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य,

1,00,000/- रा. से अभिक है

स्रोर जिल्लो सं त्र्तिट तं 9, के-बिल्डिंग, घंना इंडिस्ट्रियल इस्टेट, श्रन्थेर्ग (पू०), बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इन्सं उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप गवांगत है), श्रार जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम को धारा 269 कन्द्र के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रेंग है तारीख 4-6-1985

को पूर्वाक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्ल संपत्ति का उचित बाबार बूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का बाइद्व प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया अति-अस् निम्निशिक्ष उद्दर्भ से उस्स ध्नारण विविध में बाक्यीच्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण स हुए किसी काय को बाबस, अबस बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्दरक के दासित्व में केशी करने का उससे बचने में सुविधा को जिए; बीट्र/या
- (क) एसं किनी अस या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुजिपा के स्थि;

बत: अथ, उन्तर शांभिनियय की धारा 269-ग के बनुसरण बा, मी स्थल अधिनियस की धारा 269-च की स्पेधारा (1) के अभीन, अन्तर्भाषत स्थितियों, अर्थात् म्रान्स (1) श्री प्रणास्तिपी० जैन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नानजी सोजपार केनीया।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी कारक प्रांक्त समस्ति के अवन के नित्र कार्यग्रहिया करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ्र--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतः प्वेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यां में
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

नपुज्यी

यूनिट नं० 9, जो तल मंजिल, के-बिल्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साको नाका, साको विहार रोड, ग्रन्धेरी (पु०), बम्बई-400072 में स्थित है।

सनुभूचो जैपा कि कि ले श्राई-2/37-ईई/20929/ 84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, वयम्हे द्वारा दिनाँक 4-6-1985 को रिजिस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय यक्षम प्राधिकारी काहाय ग्रायकर ज्ञायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रैंज-2, बम्बई

तारीख : 3-2-1986

प्रथम आर्च डो . युन . युक . -----

क्रावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-भ (1) के अभीन बुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नायुक्त (विचीनक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक , 3 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्रर्द्६०-2/37-ईई/20930/84-85---यतः, मुझे, प्रशांन राय

बायकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पत्रवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, विश्वका उचित शाचार म्ल्य 1,06,000/~ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 108, ग्रंमा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रन्धेरी (पुर्व), बम्बई-72 में श्यित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उच्चित बाबार मूल्य में कम के दावामा प्रतिकाल को सिए अन्तरित की गंडों हो भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथा पूर्वोक्षत सम्पत्ति का उच्चित बाजार अपन्त, उसके दश्यमान प्रतिकल को, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक हो बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरक निम्निलित में बाब्बिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाग की बाबत, उक्त विधित्तगम के अभीन कर दोने के कन्तरक के दानित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ट; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय था किसी भन वा अभ्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर लिश्तियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के निए;

अजः अयः, उन्तर शिविनियम की भारा 269-ग में अनुसरण भी, भी उक्त शिशिनियम की धारा 269-ण **की उ**पभारा (1) भी अभीन, निज्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कान्तिलाल माजबी सावला।

(प्रन्तरक)

(2) श्री बिपिन कुमार तलकी।

(ग्रन्तरिती)

 बा वह कुचना जादी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

जनत नंपांचा के अधन के मंबंध में कोई भी नातीप :---

- (का) एस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें तं विन की वर्जाध या तत्मंबंधी व्यक्तिमों बध स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हानेती हो, के नीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र त्रं प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिकित में किए वा सकीं।

स्वश्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा का उस अध्याद में दिया नवा है।

वन्त्र्यी

यूनिट नं 0.108, जो पहली मंजिल के इमारत (1/2)/ ग्रंसा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, भाकी विहार रोड, भाकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि कि मं ग्राहिक $2/37 - \xi \xi/20930/84-85$ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वर्ड ज्ञारा दिनाँक 4-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया हैं।

प्रज़ॉन राय मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 3-2-1986

प्रस्ति बाह्र^के ही . इन . एल

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १९६५-३ (1) के उर्जन संस्कृत

भारत सरकार

कार्यांनय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें न-2 बम्बई

बम्बई. दिनाँक 30 जनवरी 1986 निर्देश मं० ग्रई -2/37-ईई/21029/84-85---यतः, मुझे प्रशात राय.

आयकर अधिनिंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नार का का का किया है), की भारा 269-स के अर्थान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- र . सं अधिक हां

श्रौर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 15 इमारत नं० 2, प्लाट नं० 14, भवानी ्री नगर श्रन्धेरी बम्बई-59 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण प्ला संवर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्राय कर श्रिधिनियम; की धारा 269 क खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-6-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करनें करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकाल से, एस क्यामान प्रतिकाल की पन्तह प्रतिश्वत से स्थिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) बीड़ बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं म सुनिधा के लिए;

अंड: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, म', उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत :--- (1) दिप 🛭 । बल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) अवदुल्ला एफ० खोराकीवाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यभाहराः करता हु।

उक्त सम्पत्ति को सर्थन की मंत्रंध में कोड़ भी काक्षांप ;---

- (क) इस सूचना क्रें राज्यत्र भा प्रकाशन को तारीख से 4८ विन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मां समाध्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति हो।
- (ख) इय भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पार िर्माणत में किस जा सकेगे।

स्माटीअरथा:--इसमा प्रयुक्त जल्यों आरे गयां का, जा उथस अधिनियम के अध्याय ्∩क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंड नं० 15, जो चीया पंजिल, इमारत नं० 2, ब्लाट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोशो रोड, ब्रन्धेरी (पुर्व), बम्बई-400059 में स्थित ह ।

अनुसूचा जैया कि कर संर अई-2/37 ईई/21029/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाँक 5-6-1985 को र्जनस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज- 2, बम्बई

तारीख : 30~1~1986

माहर:

प्ररूप बार्ड . टी . एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रें 7 2, अम्बई
बम्बई, दिनाँक 30 जनवरी 1986

🏭 निदेश सं० श्राई०--2/37 ईई०/21030/84--85---श्रनः मुझे, प्रशाँन राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलेटनं० 1, इमारत नं० सी, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, ग्रन्धेरी (पूर्व), बस्बई- 59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण क्य में विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख़ 6 जून, 1986

प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकाद से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैं वीपक बिल्डमें प्रापेट लिए।

(अन्तरक)

(2) श्री मन मोहन अग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजए में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित ह्वारा अधे हस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्यक्ष्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 1, जो तल मंजिल, इमारत नं० सी, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोगो रोड, ग्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई--400059 में स्थित है।

प्रतृज्ञूचो जैना की कि० सं० ग्रई/2/37-ईई/ 84-85 प्रौर जो पक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक :~30- 1-1986 मोहर :- अक्षर आहे ही एउं एक

कामकल गरिपतिसार 1551 (1961 का 43) की भाग 269-क (1) की कसीय मुखना

बारा भरकार

आयम्बर, शहासक, असार १८४० किंग्नीलणाः श्राप्तिक रेजिंस् 2. बस्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रर्ड- 2j37-ईई/21031/84~85--श्रन' मझे प्रशाँत राय

बायकर अधिनियस, 1961 (1967 का 43) (जिसे दससें हसके एक्वात् 'उस्कत अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की पत्र विश्वास करने हैं। कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित अधीर अधीर मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फुलेटनं० 7, इमारतनं० 4, प्लोट नं० 17, भवानी नगर अधेरी (पूर्व) बम्बई—59 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनाँक 6-6-1985
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कर के देश्यमान
पतिकल के लिए अन्तरित की गण्डे ही और मेंगे एवं विश्वयम करने का कारण है कि यमापुनाँकत एंपॉल्ट का उचित साकार
नृत्य, उसके स्थान प्रतिकास में, एंसे स्थान प्रतिकाल कर
पंत्रह प्रतिकास में मिचक है और अंतरकों और अंतरिती
(अन्तरितयों) के मीच एमें अन्तरम के निष्य तब नाम क्या प्रतिकाल
कल निम्नितिस्ति उद्देश्य से उचत अंतरण तिकित में बास्तिवन
रूप में किथन नहीं किया गया है:---

- (का) अम्तरफ से हुए किसी लाय की बासस, उदक अधिनियस को अधीन कर दोने के जन्तरफ को दायरक में कमी करने या उससे तकते में सुविधा के सिष्: और/या
- को है किसी काम मा किसी क्षम मा भा न शांस्था की, जिन्हों भारतीय आप्रकर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषकार्य कन्ति स्त्री यभार प्रकर नहीं भी का का का का का का का किया की किया का किया का किया की किया किया किया की किया की किया की किया की किया की किया की किया किया किया किया किया क

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण मों, मीं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्नितिसित व्यक्तियों, अर्थान् :---- (1) श्री निर्मेल सींधवी

(भ्रन्तरक)

(2) जीय मेन्यल परेगा।

(ग्रन्तरिती)

(3) दीपक बिलडमें प्रायब्हेट लिमिटेड। (वड व्यक्ति जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमानियां करका है

'व**बतः सम्परितः को क्रार्थ**क को शास्त्रकाल को सर्पार्थ की नाभागः ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की अधिक मा तत्सम्बन्धी अधिक याँ पर स्थान की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो. के भीतर पृज्ञीकल अधिकता है में समाप्त होती हो.
- (क) इस त्यमा के राजपम में प्रकासम की दारीच वे 45 यिन के मात र जनत स्थायर सम्मात्त में हितबबुध किसी बन्म अयिक्स द्वारा अभोतस्ताक्षरी के पास निवाद में किस वा सकीये

स्वाधिकरणः -- इतमें प्रवृत्तः सन्धः स्वीर पर्धाः सा, सो स्वधः स्रीप्रियम्, सो स्वाधः 20-क में प्रिशाविदः हैं, यही अर्थ होगा को लस सभ्याय के दिवाः स्था हैं।

अन्सूची

फ्लेट नं० 7, जो दूपरो पंजिल, इमारतनं. 4, प्लोट नं2० 17 भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, श्रंधेरी (प), बस्बई-400059 में स्थित है।

श्रवुभूको जैवाको क० सं० श्रिक्त -2/37- $\frac{1}{8}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{9}$ $\frac{$

पर्णांत राध सक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निढीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक :-30- 1-1986 मोहर :- प्ररूप आइ र.टी.एन.एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, निांक 30 जनवरी 1986

निदेश मं० ग्रई- 2/37-ईई/21033/84-85--ग्रत: मुझे, प्रशांत राय

बावकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसवे इसके परचात् 'उक्त जीभीधवन' कक्ष गमा है'), की धारा 269-क के संधीन तकाम प्राधिकारी की यह विश्वास गारने का कारण है कि स्थानर सम्मरिता, विश्वका उपिता बाधार सूरव 1,00,000/- उ. से जिंधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० फ्लॅट नं० 8, इमारत नं० 3 प्लोट नं० 11, भवानी त्रगर श्रन्धेरी (पू), बम्बर्ड--59 मे स्थित हैं (भ्रौर इनसे उपाबद्ध ग्रन्युवी में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), ग्रौर जिसरा करारनामा आयहर अधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के अबीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है।

दिनौंक 6-6-1985

को पृथीक्त सम्परित के उच्चित्र बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण 🐉 🏝 वधापवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्ब, उसके ब्रुयमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकात से अधिक हैं। और अंतरक अंतरकों; और अंस-रिती (अंसरितियों) के बीच एेंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्षित में शानविका क्रम से कृष्यिल नहीं किरता शबा है -

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दीने की अंतरक को दायित्व में कनी ऋरने या उससे अक्षते में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) भूरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया। गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण -ा, मा, उक्त अधिनियम की धारा ?69-≅ उपधारा (1) के सभीत निकाशिस्तिम व्यक्तिमा

(1) श्रीमती शक्तला के० गुप्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) वर्मा सतीश क्मार।

(ग्रन्तरिती)

(3) दोपक बिल्डमं प्रायब्हेट लिमिटेड। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्णोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए ार्जनः हि**वां करता ह**ूं ।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन कौ अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 बिन की नवीभ, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इ.स. स्वमा, को राजण्य भें प्रकाशन की तारींच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-बद्दाध किसी कन्य व्यक्तिस वृगारा वधोहस्ताक्षरी 🟓 शास सिमित ये किए जा सकरें।

स्पद्धक्रिप्रशः --- इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदी का, यो उपर निर्मित्वस के अभ्यास २०-त में उरिशाधित हैं, बही वर्ष होना को उन्ह बच्चाय में दिखा क्या 👫 ।

अन्स्ची

फुलैट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 3, प्लोट नं० 11, भवानी नगर, मरोल मरोशी रो**ड,** श्रधेरी (पू), बम्बई 400059 में स्थित है।

म्रान्मुचो जैमाकी क० सं० प्राई--2_/37-ईई/21033/ 84~85 ग्रींर जो सक्षम गिधिकारी बम्बई हारा दिनौंक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायका (निरीक्षण) स्र नेत रंज-2, बम्बई

दिनाँक :- 29- 1- 1986 मोहर :--

थक्य नाइ¹.टी.एव.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, नहायक भायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रजंन रेंज-2, बमबई

बम्बई, दिनाँक 30 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/21064/84-85--ग्रनः मुझे, प्रशांत राय

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' ऋड़ा गया है), का धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- का में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शांप नं० 17 विधादेनी को० श्राप० हाउसि<u>।</u> सोसायटी श्रधेरी (पू), बम्बई~99 में स्थिन है।

(और इसमें उपाबद्ध अनुभूकों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिनका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 को धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिंग्ट्री हैं। दिनौंक 6-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्थ्यकान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया श्रोतफल निम्नलिखित उद्वोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा निम्

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा औ जिल्ह:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, के जना अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीत अधिनियम व्यक्तियों, अर्थात् । 40—50601/85 (1) मेलर्म इंडीको कन्स्ट्रक्णन को०

(श्रन्तरक)

(2) श्री सूददूराम हरार यादव ग्रौर श्री मती कीशत्या सूदद्र राम यादव।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति की अर्थन के लिए अर्धशासियों कारता हुं।

राक्त संपत्ति के सर्वान के संबंध में काई भी लाओप .---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की प्रविद्या को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ह्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में क्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मारित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा अधारुस्तादारां के पास लिखित में किए जा सकत्ते।

रपष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याः ्राक्त में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रुक्त हैं।

धनूसची

्र सांप नं० 17, जो तल मंजिल, विधादैनी को० श्रांप० हाउसिंग सोपायटी चकाला (प्र), बम्बई-400099 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा की ऋ ०सं० श्रई-2/37-ईई/21064/84= 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौँक 6-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय क्षिम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक :- 30--1- 1986 मोहर : प्रारूप बार्च .टी. एन .एस . -----

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के जभीन सुमना

भरित सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/21088--84-85--मतः मुझे, प्रणांत राय

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारी 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणितः नाजार मूल्य 1.,90,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संग्याला नंग् 142 दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स, ग्रन्धरी (पू), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं।

विनॉक 7-6-1985

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ज्यस्तिक रूप से किशा नहीं किशा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत, उक्त मियम के मधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में अभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों के किसी कार्य मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, जी, उक्त विधिनियम की भारा 269-क की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात:——

- (1) शान्ता बेन चन्द्रसेन ग्रौर रण्मी मुकेश कारीया। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एन० विमादलाल, एस० बी० पटेल ग्रीर श्रीमती बी० एन० मेहता। (श्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै, 45 दिन की अविध मा तरसम्बन्धी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्रध किसी बन्य व्यक्ति वृत्तरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को बो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा गया हैं।

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 142, जो पहली, मंजिल दामजी शामजी, इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स, प्लोट नं० 28 महल इंडस्ट्रियल इस्टेट महाँकाली केव्हज रोड, अंधरी (पू), बम्बई-400093 मे स्थित है

श्रनुसूची जैमाकी ऋ० सं० ग्र $\frac{5}{4}$ 2/37- $\frac{5}{4}$ 2/1088/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 7-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणौत राय पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रती रंग-उ. अस्बई

दिनाँक: 3-2-1986

मोह्नरः

प्रस्त बार्'्टी पुन व्य

बावकर निर्धानवम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के नभीन स्थान

TING TRANS

कार्यालक, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1986

निदेश मं० ग्रई-2/37-ईई/21103/84-85--- ग्रतः मुझे प्रणाँत राय

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

भीर जिन्नको सं इंडिस्ट्रियल शिंड नं 136, फोर्ज नं 4, 3, शिवसित इंडिस्ट्रियल इस्टेट बम्बई 59 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप स वर्णित है), श्रीर जिसका जरारनामा स्रायकर श्रधितियम को धारा 269, क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनाँक 7~6-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उथित बाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृथंक्ति सम्पत्ति का उथित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिजल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का मृत्य प्रतिकृत से मिश्क हैं और बन्तरक (वंतरकों) और वंतरिकी (वंतरितियां) के बीच एसे बंतरण के लिए वब पाना गवा प्रश्चि-फल निम्नतिश्विच उत्वरिय से अन्त कन्तरण निवित में वास्तविक क्य से किथित नहीं किया गया है में

- (क) अन्तरण ध श्रुष्ट् किसी काय की बाबत उक्त बीधिपियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के द्यियत्थ मों क्यी करने मा उक्कसे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (व) एसी किसी बाद या किसी धन वा बन्य बास्तिवा को, किस् आरतीय बावकर निधिनमम, 1922 (1922 का 11) या उन्छ निधिनयम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं बन्धिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने वे बृचिधा क विष्;

जधः इशः, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण जै, मै, शक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) जै जधीन, निम्नसिखिदा व्यक्तियों, अभूति क्र— (1) शिव शक्ति बिल्डर्स।

(ग्रन्सरक)

(2) सूत्रीम इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुक्ता चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के विश् कार्यवाहियों कुरू करका हूं।

उन्त कमरित के बर्जन के संबंध में बनेई भी नाबोद र---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन की बनीभ ना उत्तरकारणी व्यक्तियों पर स्थान की तालीस से 30 दिन की जनभि, जो भी नवभि नाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वास;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर तम्पत्ति में हितबहुध किसी मन्य म्वित द्वारा अभोहस्ताकारी के वाक विचित में किए वा सकोंगे।

प्रनुसूची

इंडस्ट्रियल शेंड नं० 136, जो पहली मंजिल फेज नं० 3, शिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट मरोल, विलेज, ग्राफ कुर्ला अन्धरी रोड, श्रन्धेरी (पू), बम्बई 400059 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी कि सं० भई 2/37-ईई/21103/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 7-6-1985 को रिणस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 30-1-1986

मोहरः

क्षण बार्ष होते हुन्। हुन् क्षणकारण

भायकार अधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के ब्रुपीन स्वना

भारत सरकाह

आर्यालय सहायक नामकर नायुक्त (निरीसन)

श्रजन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जनवरी 1986

निवेश सं० श्राई०- 2/37 ईई०/21104/84 -85~- स्रतः मुझे, प्रशाँत राय

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-क्ष को बधीन सक्षम प्राधिकारी कों,, यह मिश्यास करने का कारण हुँ कि स्थानर संपंत्रि जिसका जीवत वाजार मुख्य :

1,00,000/- रा. सं अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसको सं० इण्डल्ट्रियल शोड नं० 128, फोस नं० 3, शिवणित इण्डल्ट्रियल इस्टेट, बस्बई-59 में स्थिप है (ग्रीर इससे उपावद श्रमुखों में श्रीर पूर्ण क्य सेवणित हैं), ग्रीर जिसका एएएसामा जायकर ग्रिविसिम, की धारा 269 केख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-6-1985

का पृशां कर सम्मारत के उभित वाधार मून्य से कम के क्यमान जीतकम में निए बन्तरित की नहीं ही, बीर मूमों यह विश्वास करने का भारण ही कि वयापूर्वे कित संपर्तित का उभित् वाधार मून्य, उनके क्यमान प्रतिकत से एवि क्यमान प्रतिकत का पंदर्व प्रतिवात से अभिक ही बीर अंकरक (अंतरकों) बीर बंतरिती (अन्तरितिका) के बाच एचे कन्तरण के निए तब पाना ग्या विकास, विम्नीतिवात उभूवोध्य से स्थल बन्दरण किविस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा ही उ---

- शिक्ष माध्याण वर हाइ जिल्ली नाव की नावत उपत माधिन जिल्ला की बधीन कर दोने के बस्तरक के दाविरण में कामी करने या उन्नम वचने में सुविधा के जिए; बीद/या
- (क) एली किसी बाज या किसी छन या अन्य कास्तिक्षी करें, जिन्हों भारतान अग्य-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्छ विधिनियम या भनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इंगोजनार्थ अप्तरिती द्वाय प्रकट वहीं धिया ब्या था या बिवा बाल वाहिए था, कियान में बुविधा के किए;

जत: नव, उक्त काँधनियम की भारा 269-ग को, जनुसरण के, में, उक्त बाँधनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) विकास की सम्म

(1) मै० शिक्षशक्ति बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) मै० अमर इन्टरप्राइसेस।

(ग्रन्तरितो)

की यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त अस्पत्ति के वर्षभ के विक् कार्यवाहिया सुरू करता हूं।

उक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीय हं---

- कि क्य पूचना के राजपन में प्रकावन की तार्थां वे 45 विन की जनिय ना तत्र्यंत्रेभी व्यक्तियों पर द सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि नाम में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्तों में में किसी व्यक्तिस इवादा;
- (व) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास निष्कृत में किए वा संस्थान ।
- ह शिकरण :---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि । नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत कर्ष होगा, का उक्ष प्रध्याय के किया गण्ड है।

अगुसुषा

इण्डस्ट्रियल शेड नं० 128, जो पहली मंजिल, फेज नं०3 णिवणित इण्डस्ट्रियल इस्टट, मरोल विलेज, प्राफ ग्रन्धेरी कुर्ली रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है। श्रन्ध्ची जैसा कि कम स० श्राई०-2/38 ईई०/21104/84-85 औरजो मक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 7जून, 1985 को रिषस्टर्ड किया गया है।

त्रणाँन राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-1-1986

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

न/यकर निधीनमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (1) के संधीन स्वना

भारत सरकार

कार्बासय, महायक कायकर वागुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/21106/84-85-- अतः **मुझ** प्रशाँत राग

बायकर अधिनिया . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कार्य : क्षित्र को को की नियम विद्यास हो । की भारा 260 में ने असे के असे के स्थाय को को कार्य ही कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं शॉप नं 3, इसारत नं 12, कान्ता नगर, सम्बेरी (पू), बम्बई 59 में स्थित है (स्रौर इमसे उपाबद्ध स्नुसूर्वा में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिलका करारनामा श्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनौंक 7-6-1985

को प्वेंक्त सम्मत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाध करने का वारण है कि यंशापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिबंध से अधिक है और अंतर्क (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्निसिचित उच्चेंक्य से उक्त श्वरण किहिन्क में बाक्तविक रूप से करिया गड़ीं किया गया है हिन्स

- (क) नन्तरण में हाई किसी नाय की शायक, अक्स अभिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा असे किए: वरि/शा
- (वा) एसी किसी भाग या किसी धन या वन्य बास्तिकों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्परिती ब्वाच प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, खियाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग **के अन्तरण** को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उवभारा (1) को अभीन, निम्नीनिवित व्यक्तियमें, अभौत् ह—- (1) श्री महमद जीवेद ग्रब्द्रला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पोपट भाई नरशी शाह।

(धन्तरितो)

कां बहु सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति से नर्चन से सिए कार्यनाड्मां करता हूं।

क्ष्मत बन्दित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वात में का एक में अगायन का शास्त्र में अह दिन को सर्वात या तत्सम्बन्धा मानित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती की, के भीतर पृत्रों केत व्यक्तियों में सं किसी न्यांत्रीस द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपण की प्रकाशन की प्रारास स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के धास निकित में किस का सकोंगे।

स्थळारिकरणः ----- इसमें प्रमुक्त सब्दों नीर वर्षों का, थी स्वक्त विधिनियम के कम्माय 20-क में परिभाषित हैं. बहुदे अर्थ होता थी उस अध्याय थें दिवा गया है।

अभुसुची

शांप नं० 3, जो इमारत नं० 12, कान्ती नगर, सूपरमीत बिल्डिंग अन्धरी (पू), बस्बई \cdot 400059 में स्थित है।

प्रतुमूची जैपाकी कि० सं० अई-2/37-ईई/21106/ 84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकौरी वस्बई द्वारा दिनाँक 7-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :~3- 2- 1986 मोहर:~

प्रकल नाइ. टी. इन. इस...-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जन्वरी 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37-ई ई/21183/84-85- श्रयतः, मुझे, श्रयति राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूज्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, बिल्डिंग ए-4, बिछादैनी को० भाष० हार्जानंग संक्षायटी, श्रंधेरी (पु), बस्बई-99 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिगस्ट्री हैं, तारीख 10 जुन, 1985

को पृष्वित सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह बिश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से पृसे ख्रयमान प्रतिफल के बंद्ध प्रतिचात से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण शिविक में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की अत्वा, उजक निवम के अभीन कर दोने के जंतरक के दावित्व वें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के दिस्ह; जीर/भा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा ने जिन्हों भिया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा ने जिन्हों

अधः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—— ा. मैसर्स इंडीको कन्स्ट्रक्शन को०

श्रन्तरक)

2 श्रीमती कस्तूरी रंगन प्रेमलता श्रीर कुमारी प्रिया परमेश्वरन

(धन्तरिती)

को बहु बुचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के तिए कार्ववाहियां करता हुं।

इन्त सम्पत्ति के नर्गन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अदिध, जो भी कार्य वाद में समाप्त होता हो, क भीतर पूर्विक्त व्यक्ति में से किसा व्यक्ति दूधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र म अकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य स्थायर अवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळाकरणः -- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, जो जनत श्रोधनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

बन्स्ची

"फ्लैटनं 307, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग ए-4, विद्या-दैनी को आप हार्जिस सो सब्दी, चकाला, सहारा रोड़, अधेरी (प), बम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37-ई ई/21183/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिन्तिक 10-6-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 30-1-1986

प्रक्रम आई.टी.एम.एस.-----

भागभर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यक्रम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण) धर्जन रेंज-2. बस्बई

बम्बई, दिनौंक 8 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-2/37 ई ई/21199/84-85 अतः, मुझे, प्रशांत राम.

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मध्य

1,00,000/- रतः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पलैट नं ० 40%, इमारत नं ० सी-2, मापखान नगर श्रंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन, सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 3 जून, 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात स अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से काशत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. श्रीमती मुनीरा एनीस रंगवाला

(अन्तरक)

 श्रीमती जैनाब तहीर बादणा श्रीरश्री णब्बीर तहेर बादणाह

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-र में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

धनुयुची

"पलैट नं० 406, जो चौथी मंजिल, इमारत नं० सी-2, मापखान नगर, मरोल नाका, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा ि कि ने । साई-2/37-ईई/21199/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 13-6-85 की रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राम सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-2-1986

इक्य बाह् दी धुन पुरु , नवन्यवनवनवनवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत हरकार

ध्ययां सम् , सहायक बायकर बायका (निर्धिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37-ई ई/21204/84-85-यतः, मुभें, प्रशांत राय,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन नक्षत्र प्राधिकारी को यह विस्तास कारने का कारण है कि स्थावर तम्मीत, विस्ता उचित नामारु मृत्य 1,00,000/- रा. से निधिक है

ग्रीर जिनकी सं० जान नं० 1, रफीया ग्रपार्टमेंट, मरोल, बम्बई-59 में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद्ध श्रनुमूचो में श्रीर पूर्ण क्य में वर्णिन है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर श्रीध-तियम की धारा 269 के, ख के अधीन लक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, लारीख 13 जून, 1985 को एवाँका सपरित के उचित्र बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रीतिक्त के जिए बन्तरित की गई है बीर मूओ यह विश्वात करने का कारण है कि ग्रेंगामुगेंक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतिक्त से एसे दश्यमान प्रीतिक्त के पूर्व दश्यमान प्रीतिक्त के सिए तथ पाया गया शित्रक मिम्बलित उच्चक्त से उचित्र अन्तरण निवित्त में शस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरम से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनयम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व के कमी करने या उसमें बचने में सृथिधा के । साए; बार/या
- (म) एसी जिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नक्षी किया गया था या किया वाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

आप: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ख में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभानः (१) है अधीन: निम्बलिवित स्विवितम्हें, अधीत :---

- श्रो हाजी मुल्ला फखूदीन कादेंरभाई धीवाला (अन्तरक).
- श्री यूसुफ तैयाबाली गाडी वाला (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यभाविकां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तिको पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिश में किए का सकरी।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत किंग्नियम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जिथे होरेग जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

णाप नं० 1, जो तल मंजिल, रफीया श्रपार्टमेंट, सैफी पार्क, चर्च रोड़, मरोल, बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37-ईई $_{\parallel}21204/84$ -85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 13-6-85 को रजिस्टई किया गया है

प्रमानि राय नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बई

नारीख :-3-2-1986 मोहर: प्रसन् बाहा, हो। हम्, एवं......

चत्यकर नांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनाँग 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37-ई ई/21246/84-85-यतः, मुझे. प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सम्भाग प्राधिकारों को, यह विकास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं व्यूनिट नं 12, श्रपोलो इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधरी (पु), बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 14 जून, 1985

की पूर्विक्त सम्मित के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मून्ने मह विकास करने का जारा है थि यथाएजेंकत सम्मित का उचित वाज़ार मूल्य; इसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे व्यवसान प्रतिकल का सम्दृह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) जौर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के तिए तय पाया प्या प्रतिकल निम्नोतिष्ठ उन्नदेश से उन्तर बंतरण निम्बत में वास्तिक कथ से क्रियत नहीं किया गया है कर्न

- (क) अञ्चलका से सुर्थ किसी प्राय की नावत , अवस नाधनियम के नधीन कर योगे के बन्दक्क के शिविष्य में क्यी अरचे ना सकते नामने में श्रायमा े किए। योद्धार
- (का) एसी किसी वास का किसी भन या वस्त्र अस्तिकों हो, बिन्हुं भारतीय आपकार अधिशियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत विभिन्यम, या असकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्या का किया जाना चाहिसे था, कियाने से असकार के निका;

अस: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसर्थ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, केंक्, :── 41.—506 GI/85 1. मैसर्स विशाल एन्टरप्रायसेस

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिविकलाल चन्दूलाल कामदार, श्री सतीण कुमार चन्दूलाल कामदार ग्रौर श्रोमती मृदुला दिनेश दोशी (श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षण के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

बन्द इन्परित के वर्षन के स्वयनक में कोई भी जासेप ६

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकालन की तारींच है 45 दिन की नवींथ का तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की ताबीन से 30 दिन की बनीथ, यो भी नवीं नक ही समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (च) इस स्थना के राजवन में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन के भीडर उनत स्थानर सम्परित में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति जुवारा अभोहत्ताक्षरी के पास जिल्लाम में किए था सकरेंगे।

लक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथी और पर्यों का, यो उनत वीर्थीनसम्ब के नध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही नर्य होया, यो उस नध्याय में दिया नवा है।

प्रनुसुची

यूनिट नं 0 12, जो तल मंजिल, प्रपोलो इंडस्ट्रियल इस्टट, महाकाली केट्य रोड, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ० सं० श्राई-2/37-ई ई/21246/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनौंक 14-6-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक र धायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्वन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-2-1986

मोहर 🏖

प्रकृष जार्दे . ही . एस . एस . -----

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

1. णिच एक्षित बिल्डमी

(अन्यरक)

2. व्यामा घाट

(अस्तिरिती)

भारत सरकार

'**कार्यालय**, सहायक आयकर बायुक्त **(निरीक्षण)** थार्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, विजांबा 30 जनवरी 1986

निर्देश सं० ऋ।ई-2/37-ई ई/21257/84-85---यतः, मुझे, प्रशांत रायः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1,,00,000/- रह. ये अधिक है

और जिसकी सं० इंडस्ट्रियल शेख नं० 135, फेल नं० 3, जिस शक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, बय्नई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण एए ने बाणित हैं), और जिसका करारनामा धायलर छिधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 13 जुन 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह तिकताल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल भे, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के जिल्ल तब पामा गया प्रतिफल, निक्तिभिष्ठित उद्ध्वेष्य ने उक्स बंतरण कि सित में वास्तीबक रूप ने काचित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतन्यण से हुन्ह किसी अस्य की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्नीवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकिकिसी ब्वारा प्रयोग नहीं किया नया था या किया जाना आदिस् था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नेतः। स्वा, व्याप नीधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उपन अधिनियम की धारा 269-म की लगभारण (१) है नधीतः निष्यमिधित व्यक्तियों, संबद्धि १०-० को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्त्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित्त में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो सम सध्याय में दिया गया है।

दपस्ती

इंडस्ट्रियल गेंड नं० 135, जो पहली मंजिल, फेज नं० 3 गिषणित इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, श्राफ कुली अंधेरी रोड़, अंधरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

प्रमुखी जैसा की सं० प्रई-2,37-ईई,21257,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनोंक 13-6-1985 में रजिस्टई विद्या गया है

> प्रणांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधका श्राधका (िर्द क्षण) श्राधिक रेज-2 संबर्ध

तारीख: 30-1-1986

प्रकथ बाई , टी. एन., एस्, ====

भायकर नाभित्रवस, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-न (1) के न्यीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालयः, सहायक जायकर जायकर (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज 2 अस्यई

बम्बई दिनांग 30 जनमरी 1986

िदेश सं० - शर्ड-2/37-**१६**/21258/84-85---श्रतः - मुझे, प्रणातः राधा

मांसकार जीनिविष्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भू के सभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता जीवत वाकार मूक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी में० डंडिस्ट्रिंग्ल शेष्ठ गं० 1.29, फेंघ गं० 3. प्रिथमध्ती इंडिस्ट्रिंग्ल इस्टेट, बंबई 59 में स्थित हैं (ऑक्ट्रिंस उपाबद्ध धनुभूची में और पूर्ण का ने विणत हैं) और जिसका जिसका जिसका धावकार श्रीविध्यम की धारा 269 का, के श्रीधीन सक्षम धाविधारी के वार्यालया, बंबई में र्जिस्ट्री हैं, कार्याज 1.4-6-1985।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों के सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मंधरण स हुइं फिली आय की बाबच, उन्स् अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक की दारियल में कभी फरन या उससे व्यते में सुविधा इं लिए; और/धा
- (ख) एसी किसी नाम मा किसी भन या जन्य आस्तियां को, जिन्हा भारतीय आयकार आधीतसम्, १००० (1922 को 11) या जक्त अभिनियम, या भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनाथ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया न्या भा या किया जाना पाहिए था, कियाने में सुनिया भी साहत्या

ब्तः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृत्वं अनुसरण वा, वा, अन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अभीन, निम्नीवि**टेट अधिरुगो**ल अव्यक्ति क्रान्त (1) शिवागमती बिल्डमं ।

(श्रन्तरकः)

(2) फालगूर्ना विजय महता

(अन्तरिर्ता)

की यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं ।

क्या जुन्म हिंद के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षण ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की सब्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामींच वे 30 दिन की ब्राइटिंग को भी सब्धि याद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है। 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधीहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगत्त्रची

इंडस्ट्रियल शेड. नं० 129, जो पहली मंजीस, फेज नं० 3, शिवशक्ती इंडस्ट्रियस नं० 3, शिवशक्ती इंडस्ट्रियस इस्टेट, कूर्ली अंधेरी रोड, अंधेरी (पु०), वंबई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कल्मं ० श्रई-2/37-ईई/21258/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांतः राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुषत (निर्दाक्षण) शर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 30-1-1986

प्रकृष् आर्थ . स्त्री . सून् . सून् . -----------

जासकार निर्मितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नजीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

प्रजित रेज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/21756/84-85--श्रतः मुझे, प्रणांत राय,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्यात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), औं भारा 269-स अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास हैं। को कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार शृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संग्रांगिय नंग्रांगि है, इसारत नंग्रांगि, षिजय टायर विजय नगर, अंधेरी (पुर्व), बंबई -59 में स्थित है (और इसके उपावद प्रमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा प्रायक्तर प्रधिक्तियम 1961 की धारा 269 के, त के अर्धात मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिन्ही है, तारीख 14-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वमान बितकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उभित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिकल से एसे बश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से विश्व है और अंतरक (अंतरका) और (बंतरितियों) के नीच एसे बंदरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मृतिबित बर्वेदन से उन्त क्लाइन सिवित में वास्त-दिक रूप से किया नहीं किया नवा है ---

- (क) अन्तरक मं हुए किसी नाव की वाबक, उपक निपनियन से जबीन कर दोने ली अन्तरक थी व्यक्तियन में कनी करने या ख़तमें बचने में सुविधा के लिए; बॉर-/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अन्सरण बः, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिश्चिष व्यक्तिकों के अर्थान् क्रि (1) श्रीमती प्रमीला खुराना।

(श्रन्तर्क)

- (2) श्री शब्बीर एफ० पाटनवाला और परिवार। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री शब्बीर एफ० पाटनवाला, श्रीमती सकीना-बाई एफ० दारगावाला, श्री इन्नाह्म एफ० पाटनवाला और श्री श्रब्बास एफ० पाटनवाला। (वह व्यक्ति जिसके श्रीध-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के किए कार्यमाहियां करता हुं।

जनव संपत्ति के वर्जन थीं संबंध में कोई भी बाक्षेप 🗁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क्षे 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधेहस्ताक्षरी की पास विश्विक में किए वा सकोंगे≀

स्वक्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कंक्यों और पदों का, जो विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया वया है।

प्रनुसूची

णांप नं० 8, जो तल मंजील, इमारत नं०एच. चिजय टाचर, विजय नगर, मरोल चिलेज, अंधेरी (पु०), बंबई 400059 में स्थित है।

"प्रमुची जैसा की कि०सं० ग्रई-2/37-ईई/217.56/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई हारा दिलांक 14-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशास राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बस्बई

तारीख: 3-2-1986

प्रक्प बाइं.टी.एन. एस .-----

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्तव, तहायक शायकर जायुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाक 30 जनवरी 1986

निवेश मं० श्रई-2/37-ईई/21773/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रः. में अधिक है

और जिसकी लंज यूदि नंज 207, एच बिल्डिंग, अंसा इंडिस्ट्रियल इस्टेट, सार्का ताका, वस्बई-72 में स्थित हैं (और इससे उगाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका का सामा प्राप्त वाविधिम की वस्त 209च, ख के श्राप्ति एअप प्राप्तिकारी के जार्यालय, वस्बई में रजीस्टी है, तारिख 14-0-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनं या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त कीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, कों. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की प्राप्तारा (१) को कथीन, निम्नीनिष्टिक व्यक्तित्वों अधीतः (1) मेलर्ग अंसा जिल्डमें।

(अन्तर्क)

(2) नसर्स कतमोलांडेटेड इतस्दू मेंटेशन प्राईबेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

जनता संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्विन्तयों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकदूष किसी अन्य अपिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - जिसमें प्रयास्त शब्दों और पदों का, जो अक्त विधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहा अर्थ होंगा नो एस अध्याय में दिया पदा है।

भनुस्ची

यूनिट नं० 207, जो दूसरी मंजिल, एच बिल्डिंग, अंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, सारी विटार रोड, साकी नाका, बंबई-400072 में स्थित है।

श्रनुमूची नैसा कि काल्संव शई-2/37-ईई/21773/84-85/ और तो लक्षा पानिकारी वंबई द्वारा दिनांक 14-6-1985, को रजिस्टर्ड किया १८॥ है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 30-1-1986

मोहरः

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस ------

भागकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) कर् गरा 269-प (1) के नधीन श्वना

गार्व वरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (विश्लीकाण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 जनवरी 1986

निर्वेश सं० **भाई**-2/37-**ई** ई/21774/8 4-85---यतः, मुझे, प्रशांत राग,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (धिसं इसमें इसके प्रभाद (जन्म विभिन्नियम) बद्धा मधा इं), की चाय 269-व के वधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण इं कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उपित बाबार धून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं पृतिट नं 119, डी विल्डिंग, ग्रंसा इंडिस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 के, ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 14 जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बक्तः सब, उक्त सीधीनवन की धारा 269-न के अनुसरण में, में उक्त वॉधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकासियस व्यक्तियों, अर्थाह ह—-- 1. मैं मर्स श्रंसा बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्री विक्रम गोरधनदास सूचक

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथावत सम्मति के वर्षण को निए कार्य-वाहियां करका हो ।

उक्त संबरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आसोच ३००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा वभोइस्ताशरी के शस विकित में किए का सकति।

मन्स्ची

यूनिट नं० 119, जो पहली मंजिल, डी बिल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37-ई ई/21774/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 14-6-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारी**च** : 30-1-1**98**6

मोहर 🖡

ज्ञान नार्षं, दी. एम्. एस्. नामनाहस्ता

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ पारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्देशका) ग्रजैन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ग्राई-2/37-ई ई/21775/84-85-यतः, मुझे, प्रशाँत राय,

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित नाधार मुख्य 1,00,000/- रहन से मध्यक हैं

धौर जिसकी सं० यूनिट न० 5, बैसमेंट नं० 5, घंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (पु), बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14 जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्झह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वेद्य से उचत अंतरण जिवित में रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंडरण से हुई निज्ञी आय की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के बाबित्य में कनी करने वा उससे अपने वो सुनिधा है जिला, और/मा
- (क) एसी किसी भाग मा किसी भन वा अन्य आस्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रणाजनार्थ अंगरिती द्वारा प्रकट उद्धी किया गया ना या किया जाना शाहिए बा, जिनाने में सृतिभा वी सिद्धा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतियास व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री हाँत वसंत जोगले हर श्रीर वसंत महादेव जोगलेकर (भ्रन्तरक)
- 2. ग्रंशा बिल्डर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान कारी करके प्रशिक्ष सञ्यक्ति के वर्षन के लिख कार्यनाहियां अस्ता हुई ।

रक्त बम्परित के वर्षन के बम्बन्ध में केंद्र भी बाक्षेत्र 🚁

- (क) इक स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख हं 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तिकों परः सूचना की तामीस वे 30 दिन की स्वधि, को और अविध बाद में स्थान्त होती हो, को भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से दिक्ती व्यक्ति स्वादाः
- (क) इत स्वना के राजपण में प्रकाशन की शारीय के 45 दिन के मीतर उचत स्थायर क्रम्ति में क्रिस्क्यूक किसी अन्य स्थायत क्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था क्योंने ।

व्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, को स्थल व्यक्तियम के सभाय 20-क में परिशादिस हैं, नहीं अर्थ होगा को उसे सभ्याय में दिसा मका थै।

मपुजुजी

यूनिट गं० 5, जो तल मंजिल, और बेसमेंट नं० 5, इमारत ए-1, श्रंमा इंडस्ट्रियल इस्टेट, जाकी विहार रोड़, साकी नाका, श्रंधेरी (पू), बम्बई-400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई-2/37-ई ई/21775/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बईद्वारा दिनौंक 14-6-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2,बम्बई

सारी**ज**: 3-2-1986

तकत साम् इर् पेंच पेंद्र । । । । । । । ।

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत बरकार

कार्यांक्य, सहायक आवकर नायृक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निर्बोग सं० श्राई-2/37-ई ई/21797/84-85-श्रतः, मुझे, प्रशाँत राय.

बायकर जिभीनयमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उन्नेस किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीप सक्षम प्रिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, बी विंग, प्लाट नं० 311, भोर-ए-पंजाब को० श्राप० हाउसिंग सोमायटी, श्रंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रीरइसमें उपाबद श्रन्मुची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 17 जून, 1985

को पूर्वोद्धः सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बस्प, एसके स्वयमान प्रतिफल में एमें स्वयमान प्रतिफल का पन्तास्ट्रेप्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नीसिवत उद्योग्य से उन्ते बंतरण निम्नीसिवत जंगास्तिक लग से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण में हुन किसी साथ की बाबता, उक्त जिथियां में अधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्य में कमी करने या उससे वसने में मृजिला के सिष्ट; बीड़/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों अप, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृष्टारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बद्धः अव. उक्त विधिनिषय की भारा 269-त के जन्हरण जॉ, में, लक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती फूलवन्ती जे गुन्ता

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जयश्री शिवाजी दलवी श्रौर श्री शिवाजी भी काजी दलवी

(ग्रन्तरिती)

को वह क्षमा बारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित से नर्जन के दिवस कार्यमाहियां कारता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की बहरीय से 45 दिन की समीप ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की राजीस से 30 दिन की समीध, जो भी समीध बाद में समाध्य होती हो, से भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी स्थमित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिएण :----प्रसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उच्छ विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बहुत वर्ष होना को उस प्रध्याय में दिया सुना हूँ।

ares of

पलैट नं० 17, जो पहली मंजिल, बी विंग, बलाट नं० 311, शेर-ए-पंजाब को० श्राप० हाउनिंग सोसायटी, महाकाली केठज रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37-ई ई/21797/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि कारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 17-6-85 को रिजस्टर्ड किया गथा है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ख्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्गेन रैंज, ब्रायक्री

विनीक: 3-2-1986

मोहर 🛭

प्रकार , बाह्रों , दौ , एन् , एस् , - ल - - -

ज्ञानकर स्पिन्यम, 1961 (1961 का 43) की स्थाप 269-म (1) के सभीन स्थाप

राष्ट्र बरुकार

कार्यातय, सहायक भावकर नागुक्त (निर्यक्रिक)

श्रर्जन रेंज-2; बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1986

निर्बेण सं० ग्राई-2/37-ई ई/21798/84-85-श्रतः, मुझे, प्रणात राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च से नभीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचिए वाजार मृस्य 1,00,000/-रः. से विश्वा है

श्रोर जिनकी सं० फ्लैट नं० 5 श्रोर 6. इामरत नं० 5, ब्लाट नं० 9, भवानी नगर, श्रंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिनका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 17 जून, 1985

को प्रेंचित सम्पत्ति से जीवत कावार मूक्त से का के जावनाय क्रिजेकल निम्मितिस्त उन्हों के से ख्वत अन्यारण शिक्तित में करने का नारण है कि यथापूर्वोंनत अम्मिति का जीवत नावार मूक्य, उत्तर्भ करवमान प्रतिकत से, ऐसे ज्यानाम प्रतिकास का बन्द्र प्रतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अम्मिर्टिजें) के बीच एसे अन्तरण के सिक् तब पाना मना प्रतिकत के लिए जन्तरित की गई ही और मूक्ते यह निक्तास पात्तिक रूप से कथित नहीं किया मना है।

- (क) मन्तरण संतुर्द किती सम्यू की अन्तर, उन्नर विभिन्नियम के प्रथीय कर दोने के मृत्यहरू हैं दासित्य में अभी करने वा उससे अप्नं से सुनिधा के लिए; और√या
- (का, एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना वाहिए था क्रियाने में सुविधा यो किया

भतः भेव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बब्बर्थ मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत पिस्तांसिक व्यक्तियों, वर्षात् १---- दीपक बिल्ड्सं प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

1. श्री राजेन्द्र सिंह कोहली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत बन्दित के बर्चन के बन्दरभ में कोई भी बींबीप 🚁

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींथ, को भी विक्रियों मां से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस ब्याम के रायपम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर तत्र्यत्ति में दित-अव्थ किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए का क्योंने।

स्थाबीकरण :----इसमें प्रयुक्त शक्कों और पर्धों का, जो उक्छ विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं बर्ध होगा, जो उस बच्चाय में दिया गवा ही।

धनुसूची

पलट नं० 5 श्रौर 6, जो पहली मंजिल, इसारत नं० 5, ज्लाट नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंश्ररी (पु), बस्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क० मं० श्राई-2/37-ई ई/21798/ 84-85 श्रौरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाँक 17-6-85 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 30-1-1986

शक्त बार्षा हो प्रमा एवं प्रमानन

बाबकार जीवनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-स (1) के बचीन क्षमा

कारक रहकार

कार्तासक, सहाबक आवकर बायुक्क (निर्दालक) प्रार्जन रें ज-2, बस्बई

बम्बई दिनांक 30 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/21812/85-85—मतः मुझेः प्रशांत राय

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे स्थानें इतके परवात् 'उक्त जीभीनियम' कहा गया हुँ), की भाख 269-च के अभीन तक्षण प्रतिभक्तारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि, विश्वात विश्वात वाचार मुख्य 1.00,000/-क. से विश्वक है

और जिसकी सं. इन्डिस्ट्रियल एरिया भोड नं० 132 शिवधिकत इन्डिस्ट्रियल इस्टेट फेज नं० 3, अंधेरी (प्), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्त्री में और पूर्णस्प से विणित है), और जिसका क्रारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की षारा 269 कल के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यान् लय में रजिस्ट्री है। तारीख 17-6-1685

को पूर्वित सम्पत्ति के बीचत बाबार मूक्य से कन के स्थवाय गितास में निए जंगिरत की नई है और मूक्त वह विकास पदने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्बद्धि का उचित बाजार मूक्य, उत्तके स्थयमान प्रतिकत है, एवे स्थमान प्रतिकत का पंच्छ प्रतिकत से विभक्त है और व्यवस्थ (अन्तरका) और वंश रिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे व्यवस्थ के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में की बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

- (१) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीध-अधिनियम के अधीन कर दर्र के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
 - ') ऐसी किसी जाय या किसी घन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर सिर्धानयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त सिंधिनयम, या धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

लशः नव, उक्त निधानियम की भारा 269-ग के ननुसरण गाँ, मी, उक्त निधानियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ।१ नधीन, निम्नलिखित स्टीक्तयाँ, नधीत ५००० (1) शिवशिवशिव विरुद्ध ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रीम प्रीन्टस ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना पाची करके पूर्वोचक राज्यस्थि के वर्षन के जिस् कार्यकाहियों करता हुँ।

कार क्योरिय के सार्थ में क्योप वे' कोई' ही वासोप्त--

- (क) इव मूचना के राज्यन में प्रकावन की तारीच है 45 दिन की अवधि ना तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पर बूचना की तानीच के 30 दिन की अवधि, थो भी नवधि नाद में बनान्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में वे जिसी व्यक्ति क्वास;
- (च) इत स्वता के राजवन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त त्यावर तक्त्रीत में हितवव्ध विश्वी अन्य व्यक्ति इवारा जवीहत्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सक्तमे ।

मनुसूची

इन्डस्ट्रियल घोड नं० 132, जो, 1ली मंजिल, फेज नं० 3, शिव शिका इन्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज, ग्राफ कुली ग्रंधेरी (पु), बस्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/21812/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टड विया गया है।

> प्रशांत राय स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंनरें ज-2, बम्बई

तारीख : 30-1-1986

प्रकल् भार्याः, हर्षेः, पून्, तुन्, त्रान्यान्यन्य

आयक र किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिम) ग्रर्जन रेंज-2, अस्थर्द

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/21817/85-86-- श्रतः मुझे प्रशांत राय

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ह'), को भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि वथानुकेंक्त सम्पत्ति का उक्ति बाकार मूल्य 100,000/- रु. से विभिक्त है

मौर जिसकी सं प्लाट नं 22, मरील इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, मंधेरी (प्र), बम्बई में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में मौर पूर्णक्ष्य से वर्णित है), भौर जित्रका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 17-6-85 को पूर्वोक्त सम्मन्ति के उपित बाजार मून्य से कम के क्यमान बित्यक के शिए वंतरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार कृष्य, उसके रश्यमान प्रतिपक्त से, एसे स्वयमान प्रतिपक्त का बन्ध प्रतिपक्त का किए तब पाया प्रवादित की एसे बन्तरण के निए तब पाया प्रवादित के सम्पत्ति के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया प्रवादित का निम्नीनिवत उद्वेषय से उनत बन्तरण निवित के सम्पतिक रूप से किमत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की धावत, उक्त अधिनियन के अभीन कर दोने के जन्तरक के अधित्य में कनी करके वा उससे वचने में सुविधा के मिन्द; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए।

बतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्धरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सोनक इन्डस्ट्रीज।

(भ्रम्तरक)

(2) विजय प्रकाश सचदेव।

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तिरती) ।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिकोग में सम्पत्ति है)।

को वह बूजना जा<u>डौँ</u> कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्वन के लिए कार्ववाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्रायपत में प्रकाशन की ताशीय से 45 विन की अविधि या तत्त्वस्थान्थी कि विद्यानी पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्यारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस ते 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए या सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --- इसमें त्यून्त खन्दों कां, पत्रों कां, आ अवस्त अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होंगा, जो उस सध्याय वे विका गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 22, जो, भरोल इन्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल सबँ नं० 51 (पार्ट) हिस्सा नं० 1, 2 (पार्ट), श्रंधेरी (प्र), बम्बई ह स्थित है।

श्रनुसनी जैला कि कर संर श्रई-2/37ईई/21817/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्गई द्वारा दिलांक 17-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजनरें ज-2, बम्बई

ारीख: 5-2-1986

मोहर '

अचन नहीं नी भूग प्राप्त ------

भाशकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में बभीन सूचना

भारत बलकार

कार्यांसन, सहानक जानकर जामुक्त (निहांकर) श्राजैन रेंज-2, जम्बई

बम्बई, दिनां ए 5 फरवरी, 1986

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/21865/85-86--- ऋतः मुझे प्रशांत राय

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' अहा गवा है।, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिए वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से सुधिक है

ग्रीर जिसकी संव काट नंव 277 शेरे-ग-पंजाब ग्रिश्वेरी (पु) बध्बई में स्थित है (ग्रीर इ.में उपाबट प्रमुसूनों में ग्रीर पूर्णक्य से विणत है) श्रीर जिसका करकामा प्रायक्तर श्रिधिनियम 1961 की धारा 259 तख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यावय में रिजस्ट्री है) तारीख 17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से क्ष्म के क्ष्मभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और कृष्के यह विद्धास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उन्नके द्वयमान प्रतिफल ते, ऐसे देवयमा प्रतिफल का पन्द्रह प्रिक्ति से अधिक है और अंतरक कंत कों) और मैत-ित्ती (बंगिरितयों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्निविद्यत उद्देवस से उच्त बंतरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-—

- (व) अंतरक से हुई किसी जाय की वावा, जनत विध-विस्त के अवीन कर वने के के रक के व्यक्तिक में कभी करने वा उसते वचने में र विधा के लिए; वरि/वा
- (भ) इसी किसी बाव वा किसी भन वा लंग्य वास्तियों का जिन्हों भारतीय वायकर बाँध निवस, 1922 (1922 का 11) या उपत बाँध नयम, वा धन-कर व्यक्तियक, 1957 (195' का 27) के प्रवोधनार्थ बंदारिती इवाच्य प्रकट नहीं किया गया था या किया बाला शाहिए था, कियान में त्यिभा के चित्र;

बहः अव, उक्त अधिनियम की भारा 26%-ग के बन्धरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मुन्दर कौर जगजीत सिंह।

(श्रन्तरकः)

- (2) मेसर्म सी० के० बिरुडमं एण्ड डिवलपर्म। (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्वरिती।

(बह् व्यक्ति जिसके क्राधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्वन के सम्बन्ध में कंद्र्य भी भाक्तेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वजीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की वजिध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीसर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितनवृष किनी अन्य स्थानत युवारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--शसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह विधि-नियम, के बभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वड़ी वर्ष होगा थी उस बभ्याय वे दिशा वदा हैं।

बसस्य की

'লাত नं 277 जो शेरे-ए-पंजाब को०-श्राप० हाउसिम मोसाइटी लि० विलेंज मोगा ग्रंधेरी (पृ) बम्बई में श्यित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/2186 485-86 आर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई झारा दिनांक 17-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रजन्त राय एक्षम प्राधि गरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रंज-४ बम्बई

नारी**ख**: 5-2-1986

वस्य भादी.टी.एन.एस. ~-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां र 30 जनवरी 1986

निदेश मं० ग्रई-2/37ईई/21884/84-85- ग्रद: मुझे , प्रकांत राय

श्रायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृश्य 1,00,000/- रु. से **अभिक है**

श्रीर िप्तकी सं० युनिट नं० 101 बी-डी बिल्डिंग ग्रंसा इन्डस्ट्रियल इस्टेट बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिस्ता वरारनामा न्नायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 एख के ऋधीन, बस्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है। तारीख 21-6-1985,

का पूर्विश्वक अप्रयक्ति के उचित बाबार मृत्य सं अभ्य के स्वयमान /तिफाल के लिए अन्तरित की गई **है औ**र मुभे यह विश्वाक ठारतं का कारण है कि संवाप्तांकत संपत्ति का उ**पित** भूल्य, उक्षको दश्यमान प्रतिफल से एसे अस्यमान प्रतिफल की पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंबरिती (अंबरितियों) के बीच के एक अन्तरक के किए तब पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण धारित । ' राम्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है :--

- (५) ब्राजनाथ संत्र क्षे किसी क्षेत्र औं अन्तर अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक को दामिल्य में कमी करने या उत्तरों कचने में तकिया के लिए; गरि/ग
- (ख) एेसी किसी अगय या किसी भन वा अभ्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभानगम, या धनः कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) 📽 प्रयोक्षशार्थं बन्तरिती दुवारा प्रकट नहते किया वना भा सा किया जाता चा रूए था, क्रियाने में सुविधा के किए।

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, मैं, अक्त अधिनियम को धार्य 269-च की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ग्रंभ बिल्डर्स।

(स्रन्तरक)

(2) में अर्म हालमार्क इजीनियर्स ।

(अन्₁रिती)

का बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्यन के लिए कार्यवाहियां करता 🚛।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप:----

- (व) इस सुचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अनिधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों कर सुचनाकी सामीस से 30 दिन की वद्यीप, वो 📲 जब्बीच बाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वेक्ट भ्य क्तयों में से किसी स्थ**न्ति दुवारा**:
- (वा) इतः सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध निसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिलिन में किए जा सकरें।

ल्लाकरणः--प्रसमे प्रयुवस शब्दों और पदों का, तो उत्पत्त क[े]भनियम को अभ्याय 20-क में हं, बहुति अर्थ होगा को जस अभ्याय

अनुसूची

युनिट नं ० 101-भी, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग डी ०, ग्रंसा इन्डस्ट्रियल १म्धेट, साकी बिहार रोड, साकी नावा, बम्बई-72 में स्थित है।

श्रदुसूची जेंसा ि अ० मे० श्रई-2/37**ई**ई/2188-784-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई इत्यादिनाक 21-6-1985 की राजस्टर्र किया भया है।

> प्रमांत राय, गक्षमः (धिकारी नहायक भ्रायकर भ्रायकत (। र्राक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 30-1-1986

मोहर

दक्य बाहू **टी**ड पुन**ु एस**ु सन्तरमञ्ज्ञा

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाइय ब्रुक्त

कार्यासय, सहायक भावकर नाव्यस (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22002/84-85---अत: मुझ, प्रशांत राय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' किया गया हैं), की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आपका है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 118, ई बिल्डिंग, श्रंसा इंडसि-ट्रयल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थि नहैं (भ्रौर इसमें उपाबड़ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), भ्रौर जिसका कराए-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, खबे अधीन रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि वंशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, शक्त अभिनियम के अभीन कर योगे के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिह; आर्ट/या
- (क) ऐसी किसी नाय या धन या शत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विधिन्यम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त तिधीनयम, या शकर विधिनयम, या शकर विधिनयम, या शकर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकृष्ट सहीं किया वा वा किया जाना साहिए जा कियाने वें हिसा के हिसए;

चतः थवः, खचत जभिनियम की भारा 269-ा की जनसरण में, में, सकत अभिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) कै अभीर निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. मेसस श्रंमा बिल्डसं।

(अन्तरक)

2. श्री कूत्तन कक्कत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाद्वियां करता हो।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्वधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्याप अभोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त सन्धां और पर्धों का, वो उस्त वीधीनवज्ञ, के बध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस वध्याय में दिया देवा है।

अम्स्ची

यूमिट नं० 118, जो पहली मंजिल, ई बिल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैमािक कि सं० अई-2/37-ईई/22002/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि धरी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रिजस्टिड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षत प्राधि हारी सङ्गयक आयकर आयुवः (गिरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 30-1-1986

मोहरः

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22003/84-85—अतः मुझें, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 212, एच० बिस्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपान्वक्क अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारतामा आयाहर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं नारीख 24 ज्म, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविद्य ल्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के कभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

असः छवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म करी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मैसर्म श्रंसा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. मेमर्म अविफर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त जिथीं समा, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

यूनिट नं० 212,जो दूसरी मंजिल, एच० बिल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, साकी बिहार रोड, साकी गाका, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/22003/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजैन रेंज-2, **बस्क**ई

तारी**ख**: 30-1-1986

प्रकल बाह्य, दी, एन, एस., क्लान्स

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22017/84-85—अतः मुझे प्रशांत राय,

शयकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की शारः (69-स में वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करूरे 1.04.000/- ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, विश्वय कुछ, ग्रील्ड नगरवास रोड, ग्रेवेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करार-जामा आयण्य अधिनियम की धारा 269 क, खके अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्व, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 25 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्वित्स के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मूझे यह विकास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक हैं और (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच उसे, अंतरण के सिए तब पाया गया कितिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य में कार्य के सिए तब पाया गया कितिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य में कार्य के सिए तब पाया गया कितिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य में कार्य के सिए तम पाया कार्य कार्य के सिए तम से कार्य कार्य के सिए तम से कार्य के सिए तम से कार्य कार्य के सिए तम से कार्य कार्य कार्य कार्य के सिए तम से कार्य कार्

- (क) अध्यक्त में हुई किसी साथ की पायत उपक विध-ित्रक के अभीम कर दोने के जन्मक की वाशित्व भी कामी कारने या उससे अपने में सुनिका की मिन्ने;
- (म) एसी किशी साव वा किसी थन अन्य आस्तिनों की, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, (957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती युवारा प्रकट नहीं किया वश या मिया जाना बाहिए था छिपाने में सुनिधा से सिय;

कतः अव, उक्त किभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की ४ ए 269-च की उपधारा (1) को क्योत, निक्निलिकार व्यक्तिकारों, वर्षीत् हरू, ा श्रीमती ायारबेन एम० जैन।

(अन्तरक)

 श्री ितीन कुमार आर० देमाई श्रीर श्रीमती मीना एन० देसाई।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सक्षेत्रे

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयंक्त सब्यों और पदौ का, बो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

पलैट नं० 16, जो चंथी मंजिल, विजय कुंज, श्रोल्ड नगरदास रोड, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400069 में स्थित है। अनुसूची जैशाकी ऋ० सं० अई-2/37-ईई/22017/ 84-85 पार जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा शिनांक 25-6-1985 की रिजस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षम आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-३, बस्ब**ई**

तारीखं: 29-1-1986

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनां ३ फरवरी 1986

निर्देग सं० अई-2/37-ईई/22079/84-85---अतः मुझे, प्रशांस राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर िसकी संव पलैंट नंव 8, इमारत बी, श्री शक्ती अपार्ट-मेंट, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रांप पूर्ण रूप से विणित है) ग्रांप जिसका उपार-सामा आयक्तर अधिसियम, की धारा 269क, ख के अधीन, राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में प्रजिस्ट्रो है तारीख 28 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, हिम्निविज्ञत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, नर्थात :——
43--506 GI/85

1. कमारी लक्ष्मी बी० आर्थ।

(अन्तरक)

- श्री एम० सी० पूर्न कीपेश श्रांग श्रीमती कल्पना कोपेश। (अन्नरिती)
- अन्तरिती।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट गं० 8, ज पल मंजिल, इमारत बी, श्री पक्ती अगर्टमेंट को० और० हाउछिग सोसायटी लिमिटेड, चकाला रोड, श्रंधेरी (पू०) बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैयाकि ऋ० मं० आई-2/37-ईई/22079/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिशांक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-2-1986

मुक्क्य बाह्र ्टी ्य्य . एस

बायकर नॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वका

शाक्त संबक्तात

कार्यक्रम , सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22089/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांतराय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सम्भन्न प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, श्राधाड़ी नगर, अंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप ने वणित हैं) ग्रीर जिस्ता करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 2697, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 28 जन 1985

को व्वास्त सम्पत्ति को उपकृत बाजार मून्य से कम के इस्यमान प्रतिफान को लिए अन्तर्गरन और गई है। अगर मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, ामके इस्यमान अतिकल सं, एसं अयमान अतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिकस, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ने धुइ किसी बाय की बाबत, अवत विधि-नियम के लभीन कर दोने के जम्मरक के दायित्व में क्यों कारने या उत्तरसे बचने में मितिया के लिए: भाष/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय~कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था, या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के स्थिभा के लिए;

अध. ६४, उन्हें निभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण रों, मी उन्हें अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री जान वाहीदली मदनखान।

(भ्रन्धरक)

2. श्री इलीयास ए० गफरभोमानी।

(श्रन्तिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के क्षिप कार्यमाहियां कारता हुं।

इक्त सम्बद्धि के वर्षन के तस्वन्थ में कोई भी बाक्षीप:--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उत्तर रभावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी जन्म स्विवित इसारा अभोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्थव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त पन्दों और पर्यों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही कर्य होंगा जो उस लक्ष्या में दिया। गया हैं।

अन्स्ची

प्लैट नं० 303, जो आधाड़ी नगर, राजमात: जीजाबाई रोइ, पंप हाउस, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है। श्रमुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22089/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई हाथा दिगांक 28-6-1985 को रजिस्टई दिया गया है।

> प्रणांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राविक रोज-2, बम्बई

वारीख: 3-2-1986

श्ररूप शार्ड. टी. एन., एस.,-----

काप्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के ब्राभीन सूचना

भारत सरकार

शायां लय, सहायक नायकर नायकत (निहासिक) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/22120/84-85—-श्रत: मुझे प्रशांत राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का ए है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिलानी सं० रूम सं० 302, ग्रार्थिद चेम्बसं, श्रंधेनी, (पु), बम्बई-69 में स्थित है श्रीर (१ससं उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से पणित है) श्रीर जिलात करारतामा श्रायक्षर श्राधित्यम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित नक्षण प्राधितारों के ार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 28 जून 1985

की पूर्विवस सम्पत्ति के उिषय बाजार मृत्य से क्रम के स्वकात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विस्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिषय बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पत्ताह प्रतिप्रत से बाधिय है और बतरक (अंतरकों) बार बतरिती (अन्तरितार्थ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल , निम्नीलिखित उद्देष्य से उनत बन्तरण निषक के बादिक कर से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) बन्तरणं से हुई किसी नाम की बाबर, उक्त जीभनियम के अधीन अह दोने के अन्तरक की दासिरक में कभी कड़ने वा अससे बचने में सुविधा
- (६) ६ से किसी आय या किसी भन वा अन्य आरिसवां कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया या किया वाना वाहिए था, क्रियान में स्विधा औ तिरहः

अत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अधीत ७—

- 1. मेलर्स गौरी स्टूडीयो प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्दरक)
- 2. मैं सर्व क्वालीटी इंजीनियरींग वक्से। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षोप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों ६२ स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वृद्ध किसी स्थिकत ब्वारा, अभोहस्ताकारी के पत्थ लिखत भें किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत बिधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाया को उस अध्याम में रिया गया हैं।

जन्स जी

रूम दं० 302 जो तिसरी मंजिल ग्रारविंद चेम्बर्स स्टूडीग्रो प्राइवेट लिमिटेड के कंगाउंड में 194 कूर्ला रोड़ ग्रंधेरी (पू), बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा की ऋ० स० श्रई-2/37-ईई/22120/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

भारोख। 3•2-1986 मोहर: प्रकंप नार्षं .टी . एन . एस 🛫 👓 ----

नायकर न्यित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन नुभाग

ALEM ANALES

अधिनय , सहायक शायकर वायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-2, बम्बई

गम्बई, दिनां ए 3 फरवरी 1985

निर्वेश मं० ग्राई-2/37--र्हेई 22123/84-85—-ग्रात: मुझे, प्रशांत राय.

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित. जिसका अचित बाचार मूख्य 1,00,000 र र . पे अधिक हैं

म्रोर जिसकी मं० मेड नं० 15 जे० के० इंडस्ट्रियल प्रीमीसीस को०-माप० सोक्षायटी लिमिटेड मंघेरी (पु०) बम्बई-93 में स्थित हैं (ग्रोर इसमें उपावड मनुस्वी में ग्रोर पूर्ण कप से वर्णित हैं). ग्रीर जिसका कराएसमा भ्रायकर मुधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के मधीन बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रिजस्ट्री हैं तरिख 28 जून, 1985 को पूर्वोक्स संपृत्ति के अधित बाजार मृन्य से कम के व्ययमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मृन्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्त सम्पित का उचित बाजार गृन्य, उसके अवगान प्रतिकृत है, ऐसे व्ययमान प्रतिकृत का पंतर का प्रविकृत का पंतर का उचित बाजार गृन्य, उसके अवगान प्रतिकृत है, ऐसे व्ययमान प्रतिकृत का पंतर का प्रतिकृत का पंतर का प्रतिकृत का पंतर माना कारण है कि यथाप्वेक्त सम्परित का उचित बाजार गृन्य, उसके अवगान प्रतिकृत है, ऐसे व्ययमान प्रतिकृत का पंतर का प्रविकृत का पंतर का प्रतिकृत का प्रविकृत का प्रव

- (क) अन्तरण से हुइ जिसी बाव का वावतं, उक्त अधिभिध्य के अधीय कर दोने के अन्तरक के शामित्व को कभी कड़ने वा अच्च वचने के स्थिकः के लिए; श्रीकृर्यः
- (क) देशी कियो बाब वा कियो बन या बन्ध वास्तियाँ को, चिन्हें सारतीय बाब-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) वै की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती शारदा के० भट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महादेव वासूदेव जोशी, श्रीमती प्रमीला एम० जोशी, हरशद एम० जोशी और शीरीश एम० जोशी

(अन्तिरिती)

को यह स्वता वारी करके प्रविक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हा :

उक्त सम्मत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस हैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अपित्रतयों धा
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी
 अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
 स्वित्तानों में से किसी आधित क्रांतित
- (क) इस स्वना के राजधन में अपन्यम की सारीय 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हितबहरू किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए का सकोंगे।

स्वकाकरणः --इसमें प्रवृत्तः शब्दों कीर पर्यो का, यो सपद व्यक्तिवृत्तः से सम्बाद 20-क में परिभाविष हाँ श्री सूर्व होता को उस अभ्यास में विका नवा हो।

मगुजुर्वी

शेड नं 15, जो जे के इंडस्ट्रियस प्रीमीसीस को आप सो सायटी लिमिटेड 29 महाकासी के व्हल रोड, ग्रंधेरी, (0)-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं श्रई-2/37-ईई 22123 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 3-2-1986

प्ररूप अक्षे. टी. एत. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फ़रवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/21675/84-85—श्रतः मुभे, प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाणी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ली संव गाला नंव 21, कामदार शापिग सेन्टर, विले पार्ले (पू), बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपायड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है) श्रीर जिलका कारनामा श्रायक्तर श्रीधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के वार्याव्य, बम्बई में रिक्ट्वी है तारीख 14 जुन 1985

कां पृथेकित सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यामान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथेकित सम्मित्त का उचित बाजार एसे व्ययमान प्रतिफल के पन्तह प्रशिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरक्रों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उत्वरेष से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जन्द्रण में, मैं,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित स्पविकाशों, अधीत्:—

- 1. श्रीमती विजयाबेन क्रजलाल मिनावाला।
 - (श्रन्तरक)
- 2 मैससं गीरनार टी०।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.4 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यां विलयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दक्षे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

गाला नं० 21, जो तल मंजिल, कामदार शापिंग सेन्टर, जंक्शन आफ़ तेजपाल रोड और मोधीमी रोड, विलेपालें (पु) बम्ब ई-400057 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा की क्ष० सं० प्रई-2/37-ईई/21675 84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> प्रभांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-बम्बई

वारीख: 3-2-1986

मोहर 🖫

प्रकृष कार्य , की , पुन , पुरा , वर्षान्य कार्य

आयकार मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) वर्षे भारा 269-म् (1) के मधीन सुमना

मार्थ परकार

शामांत्रम्, सहायक गायकर वात्रका (विद्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश स० ग्रई-2/37-ईई/21693/84-85----म्रतः मुझे, प्रशांत राय,

श्रीर जिनकी सं० शाप तं० 6, श्री गनेण श्रपार्टमेंट, विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है नारीख 13 जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्द सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविकत, मिम्निलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बावता, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधिरव ने कमी करने या उससे वृषने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी कियी नाम मा कियी भन ना अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, या जनकर अभिनियम, वा जनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला करा जा का चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

बतः बब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, दक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्निलिकित स्मक्तियों, अर्थात :--

1. मसर्स वैभव केवलोपमेन्ट कारपोरशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वनाराम मन्नाजी चौधरी।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृक्षों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मभसची

शाँप नं० 6, जो श्री गनेश ग्रपार्टमेंट, प्लोट नं० 341, श्रद्धानंद रोष्ड, बिले पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० ऋई-2/37-ईई/21693/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 13-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है:

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5**-**2-1986

मोहर ।

प्रसम्प बाह्र . तके. एन . एस . -----

बायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्ण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बन्गई, दिनौंक 5 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० प्रई-2/37-ईई/21836/84-85--प्रतः मुझे, प्रशांत राग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिनकी सं० णाप नं० 9, श्रीगनेण श्रवार्टमेंट, विलेपार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावड श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) ग्रीर जिपका करारनामा ग्रायक्तर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17 जून, 1985

को प्रबंकित संपत्ति के उत्तिन जाजार मन्य र गम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय भी वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोंगे के जनारक के वायित्व में कमी करने वा उसले बचने में सुविधा के सिए: और/धा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अमिनयों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभमार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहरे किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

बरः बब, उक्त अभिनियम की भारा 369-ग के बन्सरल में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैतर्स वैभव डेवलोपमेंन्ट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री डेनीयल सेमूयल।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ता संपत्ति को जर्जन को संबंध में कोड़ी भी आओप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति क्वारा:
- (क) इस स्थान के राधपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित प्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निभिन्न में किए जा सकति।

न्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वायकर विभिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्यान में दिसा वया हैं॥

धन्स्ची

गाँप नं० 9, जो श्री गनेण श्रपार्टमेंट, टी० पी०एस० 5, श्रद्धानंद रोड, बिने पार्ने (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैपा की क० सं० ग्राई-2/37-ईई/21836/ 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनौंक 17* 6-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्गन रेंग-2, बस्बई

नारीख: 5-2-1986

सकप कार्च . क्ष्रौ . पुण . युस . --=========

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

शास्त्र सरकार

कार्याक्षयः, महायक आयकर वायकतः (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी, 1986

निर्देश मं० प्रई-2/37-ईई/21930/84-85---प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे ५सके इसके प्रवाद (जक्त विभिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.60,000/- रह. से अधिक ही

धौर जिसकी सं० शाय नं० 2, शिव को० श्राप० हार्जिसम सोनायटी लिमिटेड, विले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूकों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21 जून, 1985

को पूर्वों कत संपत्ति ं अधित बाजार मृत्यं से क्षम के क्रयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहाँ हैं और मृत्वे यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्वों कत सम्पत्ति का अधित बाजार बृत्वे, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्षया प्रतिकल, निम्निधिखित उद्योक्त से उक्त अम्तरण लिखित के बास्तिक कप से काथत महीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी लाय की बाबत, उक्त यधिनियक, ले बचीन कर की के अन्तरक की वायित्व में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के मिए; और/वा
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अच्य जास्तियां कों, जिन्ह्' भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोवनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया चया था वा किया बादा विद्यु था, खिपाने में वृद्या = किया

भूतः बंब, उक्त विभिनिक्य की पारः 269-ग के अनुस्वकः
विभिन्न को पत्य 269-म की उपभारा (1)
के अभीतः किस्मिलिक व्यक्तियों, अभीतः ---

(1) श्री नवीन चन्द्र हरगोबिन्द साम चौहान ग्रौर श्रो प्रवीनचन्द्र हरगोबिन्दास चौहान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनयकान्त मूलचन्द गाँधी।

(ग्रन्तरिती)

की यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त क्रम्मित के बुक्त के लिए कार्यधाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाह्येय ---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 थिए की स्वीध मा तत्स्वत्यों पर भूषना की नामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर भूषना की नामील से 30 दिन की व्यक्ति को मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति युवारा;
- (व) इस ब्यान के राय्यम में प्रकारन की तारीय में 45 विश् में शींदर उत्तर स्थाप्त कमरित में हित्यपृथ दिस्ती मृत्य व्यक्तित श्वादा म्योहस्ताक्षद्री में शास विविद में किए वा स्कोने।

स्वकाश्वरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वविवद्ग, के बध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस वध्याय में विवा भवा हैं।

भनुसूची

शाप नं० 2, जो, तल मंजिल, शिव को०-श्राप० हाउसिंग सोताइटी लि० 318 नन्दा पाटकर रोड, विले पार्ले, (पु) बम्बई 57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं अगई-2/37ईई/21930/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नाति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनरें ज-2, बम्बई

तारीख: 3-2-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन जैंन-2. तमबई

बम्बई, दिनाँक 30 जनवरी, 1986

निदेश सं र ग्रई-2/37ईई/21969/84-85-- श्रतः मृझे, प्रणांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके द्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अभीन सध्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा में अथिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलेट नं र 101, शिरीन सोहराब पेलेस, विलेपालें (पु), बस्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 21-6-85

का पूर्विक्त सम्पाल के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रितिफल के तिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्लिलिक उन्दर्भका में उचन अंतरण लिखित में वास्निविक है पर में कथित रहीं किया गया है:—

- (क) संतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने मों स्विधा के लिए; और/ण
- (क) एसी किसी माय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर किंधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रीपितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्क अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया कारण किंगि, था, खिलाने की समिधा के लिए;

अति: अद्रं, उक्त अधिनियम की धारा 2€9-ग के अनुसरण भी, भी, उद्युत अधिकिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किस्तिविखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

44--506 G1/85

(1) मवानी फेमिली द्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किरीत प्रगजीभाई बुद्धभट्टी।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पात तिहित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, को बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गमा ही।

जन्सूची

फ्लेट नं ० 101, जो, णिरीन सोहराब पेलेस, प्लाट नं ० 225; नरीमान पाइण्ट रोड, बिले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-2/37ईई/21969/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैत रेंज-2, बस्बई

तारीखा : 30-1-1986

प्रकृप बाइ ० टी • एन् • एस ०--

भग्भकार स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्था

भारत सरकार

कार्यासय,, सहायक जायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1986 निर्देश मं \circ श्रई-2/37-ईई/2793/84-85-ग्रतः मुमे, प्रणांत राय,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की बाद्य 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क्षम कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० शाप नं० 7, पारस रामपूरीया अपार्टमेंट सान्ताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269न, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्हा है तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर, या कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप स किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बम्तरण से हुई किसी बाव की वावब, उक्त बिक-नियम के जभीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व भी कभी करने या उससे वचने में सुविचा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी नाव या किसी भन या जन्य शास्तियों का जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत किमिनियम, वा शतकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनतीरती व्वारा प्रकट नहीं किया पंता वा या किया जाना चाहिए था. कियाचे वें स्विका के लिका।

बत अभ, उन्त जा'भनियम का भारा 269-म का बन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अ. जभीग, निम्मनिवित व्यक्तियों, वर्षांक् मेसर्म पारसरामपूरीया इस्टेट डेबलोपर्म प्राइदेट लिमि-टेड :

(ग्रन्तरक)

2. श्रास्ता पूष्पा नरण। दंड श्रौर श्रो योगोश नरणी वंड । (श्रन्तरिता)

3. शहसरका ।

(बह ब्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. 对(可) 1

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का तारींत से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति इसाय अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भाप नं० 7, जो पारशरामपूर्यया अपाटमेंट, टी० प्राठ 6, सबवे रोड, मिलत सीनेश के पास, लेन नं० 1 सान्ताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

धनुसूचा जैसा कि अ० सं० ध्रई-2/37-ईई/20973 84-85 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टई जिया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्कत (निर्रक्षण) श्रजन रोंज-2, बम्बई

नारं ख: 31-1-1986

प्रस्प कार्यः, टी. एन्, एस., ------

भाभकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षर, शहायक बायकर बायकत (निर्देशक)

श्रजन रेजि-2, बम्बई बम्बई, विनांः 31 जनवरः 1986 निर्देश मं० श्रई-2/37-ईई/20974/84-85—श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

वानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसका सं० फ्लैट नं० 106, श्रीर 107 का हिस्सा, पारसरासपूराया अपार्टमेंट, खानताक्षज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबढ़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसाल करारनासा स्नायकर श्रीधिनियम, 1961 का धारा 269क, खाके श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिनारा के नायनिय बम्बई में रिशस्ट्री है।

को पूर्वेकिः संपत्ति के उचित वाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया क्या है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किशी आम की बावत, उत्तः बाँधनियम के अधीत कर दोने की अन्तरक की दाँगरव मा कमी किश्ने या उसमें बखते में सुविधा भ किए; और/मा
- (भ) इसी किसी बाध या जिली पन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

बत्त. कत, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण हो, हो, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उरभारा (1) के ब्रधीन, निम्निविधा व्यक्तियों, अर्थुहा होन्स मैसर्स पारसरामपूरीया इस्टेट डेवलोपरस प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती डेलसी जे० डीसोजा।

(अन्तरिर्ता)

3. अस्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है).

4. ग्रन्तरमः।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना **पारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए** कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिण वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोबन व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य अधिकत क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाफ लिखित में अध्य जा सकेंगे।

स्वाचित्रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो सबस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस है।

अनुसूची

भनेट नं 106 और 107 का हिस्सां, जो पारसरामपूरीया भ्रपार्टमेंट, प्लॉट नं 80-81, टी० पी० एस० नं मंत्रलन मिनेना के पास, सान्ताक्ष्य रोड़ लेन नं 1, सान्ताक्ष्य (प), बम्बई-100054 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा की ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/20974/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6 1985 को रिजस्टड िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहाय ए आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-1-1986

प्रक्ष्म बाई . टी. एन . एस. . . .

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकाड

कार्यात्तय, बहावक वायकर वायुक्त (निर्दाक्तण)

ग्रर्जन रेंज-2; बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1986 निर्देश सं० छई-2/37-ईई/21073/84-85⊸ग्रत: मुक्ते, म्रांत राय,

बावकर जिभिज्यम, 1961 (1961 का 43) (जिंड इसमें इसके पर्वात् 'उक्त निभित्तियम' कहा गया है'), की भारा 269-इ के नभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारक है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसका सं० पलैट नं० 204, पारसरामपूरीया श्रपार्ट-मेंट, सान्ताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से बिणत है) भीर जिसमा करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रा है तारीख 7 जून 19€5

को पूर्विक्स संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्विक्त तम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल के प्लाह प्रतिकत से अधिक है और कत्तरक (कत्तरकों) और कृत्वरिती (कन्तरितिवों) के बीच एसे कन्तरक के लिए तब बाबा गया प्रतिकत, विक्यितिविक उद्देश्य से बस्त कन्तरक मिलित में वास्तिविक एसे किथा नहीं किया नया है:—

- (वा) अन्तरण वे हुई किसी बाय की वावतः, उक्त विधिनियम के सधीन कर दोने के बन्तरक क स्थितिया में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए? बार्ड/सा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा से सिए;

जतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के अनुबरन में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के जभीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, नभीत् :--- मैंसर्स पारसरामपूरीया इस्टेट देवलोपरस प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तर्यः)

. 2. श्री गौरी श्यार मा।

(अन्तरितं।)

3. भन्तरका ।

(बहु व्यक्ति, जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सुचना जारा करके पूर्वाक्त सम्पत्ति कं अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

चक्त सम्पत्ति के बार्यन की सम्बन्ध मी ओड़ा भी आहरीन ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस ए 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अन्धि, जो भी बवधि बाद में समान्त होती हो, जो भी र पृथिक्त व्यक्तियों में ने किसी क्यास्त करेगा,
- (म) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पेत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्यक्षाकरणः — इसमा प्रयुक्त सन्दर्भ और १४ १५, आ शर निपास के अध्याय 20 के भा परिभाषिक हो, यहां अभी हासा आ उस अब्दाय भा दिन्य गया है।

अनुसुची

पलैट नं २ 204, जो पारसरमपूरीया ध्रमार्टमेंट, ग्लॉट नं 80-81, मीलन सिनेगा के पास, राब-वे लेन नं 1, सान्साऋज (प) बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की कि सं० प्रई-2/37-ईई/21073 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिजस्टई विया गया है।

> प्रणांत राय गुक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

सार्राख्ः 31-1-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

ष्रार्जन रेंज, वम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरं 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/21074/84-85---ग्र Π : मुझे, प्रणांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह शिष्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका संव पर्वट नंव 206, श्रीर 207 ा हिस्ता, पारसरामपूरीया अपार्टसट, जान्ताशूज (पव), बस्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुमत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से बिजित है) श्रीर जिस्ता उरारनामा श्रीरात्र प्रधिनियम, 1961 को धारा 269%, ख के श्रधान, बस्बई स्थित रक्षि प्राधिकारों के बार्यालय, बस्बई में रजिस्टा है तारीख 7 जून 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सिविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैन्स् पार्ज्यामपूरीयः इस्टेट देवलोपरस प्राइवेट व्यक्तिकृतः

(ग्रन्तरक)

2. एशम सींग

(ग्रन्तरिती)

別司管理

(तह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस धूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टि। अरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मुची

फ्लैट नं. 206 और 207 का हिस्सा, जो पारसरामपूरीया अपार्ट मेंट, प्लाट नं. 80-81, टी पी एस नं. 6, मीलन मीनेमा के पास, सब-यं लेन नं. 1, सान्ताकृज (प), बंबई -400054 में स्थित है।

अग्यूची जैसा की क. मं. अर्ड-2/37-ईई/21074/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 7/6/1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजनरेंज-2, बम्बई

मारीख: 31-1-1986

म*े|*हर :

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंड-2, वर्षाई

बम्बई, दिनोंक 31 एनवर्गर 1986

ितर्देण सं० । श्रर्द-2/37-ईई/21189/84-85—-श्र $^{\circ}$, मूर्झे, प्रशात राघ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० पर्लंड नं० 2/12, जूह नीलमाणि, विले पार्ले (ग०), बम्बई-49 में स्थित हैं (और इसने घ्याबद्ध श्रनुपूर्वी में और पूर्ण एवं ने विगित हैं) और जिसका वारारतामा श्राधकर श्रीधित्यम, 1931 की धारा 269ए, खों अंबीत बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के प्यायालिया क्रावर्ड में रिजिन्द्री है तारीख 13 जूर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उन्धत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) ■ अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्री शालेत सिंह पामता और श्री पत्तिका सिंह भामता।

(भन्तरका)

श्रीमती कुँदाबेन रामनीवलाल पटेल।

(अन्तरिसीत)

(बह काश्रित, निसंके श्रीधभीग में संकति है)

को यह सुचना जारी कर के पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऑधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

पलेट नं० 12, जो इमास्त नं० 2, जुहू भीलगागर, गूलमोहर रोड, जे० वी० पी० डी० क्कीम, जिले पार्ले (प०), बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि क० मं० अई-2/37-ईई/21189/84-85 और जो सदम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को र्रायस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राध सक्षम प्राधिकारी सहाधक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि-2, **बस्बई**

दिनांक : 31-1-1936

प्रारूप आईं.टी.एन.एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रोज-2, बम्बई बम्बई, सितंक 31 जनवरी 1936

िर्वेश मं० प्रई-१/३७-ईई/21226/84-85 लखाः, मुझे. प्रशांत् राथ

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करक हैं कि स्थावर संपर्णन. जिसका उजिल बाजार मृत्य 1.06.000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संज्ञालेट तंज 001, की ती मनोश प्रमंसिस, मासी-कूज (पंज), बहाई-54 में स्थित है (और इसले उपावड़ अनुपूर्ती में और पूर्ण क्या से विणित है) और िसकी करार-नामा आपकार अधि िम 1961 की धारा 2690, ख़ के अधीत बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय वस्तुई में रिजम्ही है तारीज 13 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्मस्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के अवसाय बीतकार को लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त सम्मित का स्वीतक साजार बुल्स, समके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का बैद्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया बित्तकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्लरण कि बिता में भारतियक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ने हुई किसी शाय की बाबत, उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के विष्; बीड़/बा
- (क) श्रेसी किसी बाध वा किसी धन वा कन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कार विभिनियम, 1922 (1922 का 1) धा उनते अधिनियम, या धम-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या विका जाना वाहिए था, उपनाने हो न्या के विका के विका

अक्ष अन्न, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निजनिविषक व्यक्तियों, अधीन उ---

- बीतिकी राधावादी की बनायवाला स्वयु विक विक वात्रवाला और लीलभवेन की बनादवाला। (धनाएक)
- श्रीमती पदमावती सी० शाह अर्था श्री प्रतीक क्लीक लाल शाह ।

(६.न ति नी)

अनितिः और उक्ते परिकार के सदस्य।
 (बहु व्यक्ति शिमके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के टिल्ड् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपन में प्रकारण की तारीस से 45 जिन की संबंधि या तत्स्यम्मभी व्यक्तियाँ इस स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्यों नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवाधाः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अप्त व्यक्ति द्वारा अधोहरताकरी के पाब निवास में किए का बक्तें है।

लाक्टीकरणः---इसमें प्रमुक्त शब्दों मीर वर्षों का, जो उक्क निभिन्सम, के निभाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस मध्याय में विका यक हैं।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 601 जो कीर्ती मनोर प्रीमीसीस को० आप० हार्जीसम सोमापटी, एस० वी० रोड सोन्प्रकूष (प) बस्बई-400054 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/21226/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रुप्स्टिई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्रतिधकारी महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2 बस्बर्ड

दिनांक: 31-1-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. ध्स. - - 🕾

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत संरक्ता

कार्यामय, तहायक आधकर कायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2 बम्बई

'बस्बई, दितांक 31 घाचरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईडी/21729/84-85---अत:, महो, प्रशांत गय,

वायकर त्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 11 तल मंजिल, टी० फी० एम० नं० 5 मतनाकृत (पु०) बन्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्म्ची में और एर्ण घप से विणित हैं) और जिसका करारतामा श्रायका अधितिसम् 1961 की धारा 369वा, ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्याकर बस्तई में पनिस्हि है। तारीख 14 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिक २ के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

िक वंभा पुर्वेषित सम्पंत्रि का उचित बाजार मृन्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) लें भीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निगन-शिक्ति उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप धे किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हार्च किसी भाग की पानंत, उनक्ष मधिनियम के मधीन कर दोने के सन्तरक द्यायित्व में कमी जरने यह जनमें एक जे में सविधा के लिए: कौर/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ मधिनियम, या भन-कार कांभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बत्त: अब, उक्त किंधनियम की धारा 269-ग के अन्**सरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ₹ अभीन, निकश्मिक्षित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

ा. मैरापं अब डेन्ज्यमेट कारपोरेशन।

 श्रीकरी लक्ष्मी गाँउणवास पंजनानी और श्री २मेण योगपदास पंजवानी :

(भन्तिनी)

3. श्री एम० एप० मलुभाय ।

(पह काकिए जिसके बारे में अधोहरूनाक्षरी पारता है कि घट सरानि में दिवबड़ है))।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्जन के दिख कार्यवाहियां करता हो

धन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्योकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति देवागः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक गमा है।

वन्स्पी

फ्लैंट नं 11 जो तल मंत्रिल, फायनल प्लोट नं 32, टी० पी० एम० 5, मी० टी० सर्वे नं० 108 में 108(12); मान्ताफुण (प्) बभ्बई-400054 में स्थित है।

ातुषुची | नैसा कि ऋ० सं० भई-2/37-ईई/21729/84-35 और जो सजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 14-6-1985 को रिजिस्टर्ड किन गथा है।

> प्रणांच राय मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण) णर्जस-रेज-2, बस्बई

दिनांक : 31-!-1986

प्रकृप आहें दी पुत्र पुत्र गानना नाम

अगथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

क्यपंतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, वस्वर्द

बम्बई दिनांक 31 जनचरी, 1986

निर्देश सं० %६-2/37-ईई/21838/84-85---श्रतः, मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलट नं० 111 और 113 का हिस्सा, पारस-रामप्रीया, अपार्टमेंट. सास्ताकूज (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, मक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं। नारीख 27 जुन, 1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में भास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क्षे लिए; और/या
- ्ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आशकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मिक्षित न्यक्तियों, अर्थात् :---

45--506 GI/85

 मैसर्स पार्सरासपूरीया इस्टेट देवलपर्स प्राइवंट लिसिटेड।

(भ्रत्नरक)

- श्री मृगेन्द्र बी० मेहता और बाबूभाई एन० मेहता। (श्रन्तरिती)
- श्रन्तरक।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का ग्रह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्थच्टीकरण:----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पनट नं० 111 और 113 का हिस्सा, जो पारसराम-प्रांपा प्रार्टमेंट, प्लोट नं० 80-81, मिलन मिनेगा के पास, सब-लेन नं० 1, सान्ताकूज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि का० सं० श्रई-2/37-ईई/21828/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को एजिएटई किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, वस्बई

न(रीख: 31-1-1986

मोहर

प्रशांत

बायकर विभिनियम, 1961 (155 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्वमा

माइक संदुका है

कार्यांक्यः, सहायक आसकर आयुर्क (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाँक 31 जनवरी, 1986 निर्देश सं० ग्नई-2/37-ईई/21897/84-85---- श्रतः मुझे, त राय

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट नं० 311, तिसरी पंजिल, टी० पी० एप० नं० 5, सान्ताऋूज (पु), बस्वई-54 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बस्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है। नारीख 21 जून, 1985

की पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के यागित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुर्द्ध किसी आय की बाबस, उक्त की, जिन्हें भारतीय र यक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या अत-का आधिनियम, 1957 (1957 प्राप्ता) क कार्यानियम, 1957 (1957 प्राप्ता) क आया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. गमर्स जय डेबल्पमेंट कोरपोरेणन।

(अन्तरक)

2. श्री वामनजी लाखमशी देधाया।

(भ्रन्तरिती)

श्री एस० एम० मल्भाय।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को <mark>ग्रह सूचना जारी करके</mark> पूर^{्र}िक्स संपक्ति **के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी स्वित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्वय्हीकरण:----इसमे प्रयूपश गव्यों और पर्वो का, जो उस्त अधिनियम के लध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं कर्ष होंगा के उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 311, जो तिसरी मंजिल, फाइनल प्लोट नं० 32, टी० पी० एस० 5, मी० टी० सर्वे नं० 108 से 108(2) सान्ताकूज (पु), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैनाकी कि सं श्रई-2/37-ईई/21887/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राग सक्षम प्राधिकारी सहाय ६ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 31-1-1986

प्रका सक्रिसी, यंग, एस. ७ - - ----

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की बस्प्र 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

श्राजीन रेज-2, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 31 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/21905/84-85--ग्रन: म्झे, प्रशांत राय

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-क के अधीन सक्तान प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मस्ब 1,00,000/-एतः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-3, सुख सागर बिल्डिंग, जे० वी० पी० डी० स्कीम बम्बई-56 में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्दी है तारीख 21 जून, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाबार मन्य, असके रश्यमान प्रतिफल से ए से रश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियाँ) को भीच एसे अस्तरण को मिए तय पाया गया प्रक्रिक्स, निम्नीलिखित छददोस्य से उसत अन्तरम सिचित में वास्तविक अप में कथिन नहीं किया गया है है---

- (क) जर/रण हे हुई किही आप की बार स, उक्त भौगिनमम् के अभीन कर दोने वे अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए, 4C (4)
- (क) पंथी किसी लाय या किसी भन वा नन्छ बास्तिकी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रको∘ नार्थ नर√रिखी क्काटा ४ अट नहीं किया नभा भा माकिका जाना धाष्ट्रिय था, क्रियाने में श्रीवधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री सी० एन० मलुकानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कमलादेवी सी० मलुकानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीकर संपरित के अर्धन के हि कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, की भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मग्रापी

फ्लाट नं० बी-3, जो दूपरी मंजिल, मुख सागर बिल्डिंग प्लॉंट नं ० 10, ग्रेटर बाम्बे को०-ग्राप० हाउसिंग सोमायटी. जें० वीं० पी० डीं० स्कीम, बस्बई-400056 में स्थित है। श्रन्मुची जैपाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/21905/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम आधिकारी महायक्त प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-2, बमबई

तारीख: 31-1-1986

मोहरः

१८५० **वार**ित दौ_ः पुत्_ः एतः, -----

शायकार नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्व, बहावक बावकर बावूक्ट (विरोक्क)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बद्द बम्बई, दिनाँक 31 जनवरी, 1986

निर्हेश सं० ग्रई-2/37-ईई/21906/84-85---- श्रतः मुझे,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की भारा ∠69-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित साकार 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० सी-3, सूख सागर बिल्डिंग, जे० वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसक करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 21 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के व्यवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपित्ति का जायत बाजार मुन्य, उसके उस्तमान प्रतिफल से, एसे उस्तमान प्रतिफल का **पन्द्रह**प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाॉ) और जन्तरिती (जन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरूप के जिए तक गांवा गया प्रतिकास, विक्वसिक्षित बहुदोन्य से उस्त सन्तरण निश्चित में नास्त्विक रूप से कथित नहीं किया नया है ह—-

- (क) अंतरण से धुर्द किसी आव की बाबत, अधिनिसम को अधीन कार दोने को धन्सरस को दानित्व में कनी करून वा उत्तर्श वयन में बुनिया के सिए: वरि/या
- (च) प्रेसी किसी बाय या किसी थन या अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धन-कर विभन्तिम, 1957 (1957 का 27) के गोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था क्रिपाने में सुविधा के लिए;

कतः। क्य, जन्म कर्मिनियम की भारा 269-ग से मनुसरण **कों, मी, खबत वी**धनियम की कांस 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिखिकित व्यक्तियों, अर्थास् ।;---

1. श्री डी० एस० श्रासवानी।

(श्रन्तरक)

श्रीमती भागवन्ती डी० श्रामवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां ख्रूक करता है।

अवत बंबति में वर्षन के संबंध भें कोड़ भी भाशेय ह—-

- (क) इस ब्रुवना के हाजपन में प्रकाशन की तारीच धं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थभी व्यविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्स **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन को भीतर उपक्त स्थावर संपत्ति में हितभव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिशायित है, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में क्षिया थया हैं।

नग्स्पी

फ्लट नं० सी०-3, जो तिसरी मंजिल, मुख सागर बिल्डिग लोट नं ० 10, ग्रेटर बाम्बे को-ग्राप० हाउतिंग सोसायटी, जे० वी०पी० डी. स्कीब, बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० सं० ग्रई-2/37-ईई/21906/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-1-1986

प्र**रूप आह**ै, टी. एन . एस . -----

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/21954/84-85--ग्रनः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि वजाप्तोंकत सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, इमारत बी, मोन-अमी श्रपार्ट-मेंट, जुहू बम्बई में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 21 जुन, 1985

का पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के द्रश्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गृदं है और मुम्डेयह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त अंपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से एचे द्रश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के थीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-क्ष्म, निम्नसिक्ति सक्ष्मक से उक्ष मृन्तरम् कि वित में बास्ति क्ष्मक स्म से क्षित वहीं विकास प्रभा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षीवस्थ में कभी करने या उसके अकने में मुक्तिपा के किय; वर्षिश
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा करूप अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियनम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्धरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाना नाहिए था, क्यानों में युविधा के लिए;

बतः इ.स., उक्त विधिनिकन की भारा 269-ण के अनुबर्ध वी, वी, अक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के बजीन निम्नितिकत स्थाक्तयों, अभीत् हिन्स

- मेसर्स इन्द्रप्रस्था बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।
 (ग्रन्तरक)
- श्री अरून एस० ठाकूर और श्रीमती श्राणा एस.
 ठाकूर।

(अन्तरिती)

श्री सवालदाल खेराजमत ठाकूर।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वादा संपोत्त के बर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हों।

उमत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को व भी माक्षेप :---

- (क) इस त्या के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नवींध या उत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सचना की मामील से 30 दिन की बवींध, जो भी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

विषयीकरणः ----इसमें अमुलत सन्दों मौर पतों का, श्री उक्त भौभीनयमं के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, यही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में विशा विद्या है।

मन्स्यी

पनट नं० 3, जो दूनरी मंजित, इसारत बी, मोन-ग्रमो श्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 41 श्रीर 41/1, जुहू, बम्बई में स्थित है।

श्रन्भूची जना ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/21954/84-85 श्रीर जो नक्षम पाबिहारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-1-1986

प्रकल नाइ". दौं. एन , एस्, न न न न लाल

भागकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाउ 269-न (1) ने अभीन त्याना

बार्व सहस्राह

कार्यालय, सहायक अायकर वायकत (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जनवरी, 1986 सं० शई-2/37-ईई/21968/84-85---श्रत: म

निर्देण सं० श्रई-2/37-ईई/21968/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिलकी सं० फ्लैंट नं० 4, बी० विश्व मोत श्रमी श्रपार्ट-मेंद्र, जुहू, बस्बई में स्थित हैं (औं इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने चिंगत हैं) और जिमका करारनामा श्राधकर श्रधिनिधम 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिक्स्ट्री है तारीख 21 जून, 1985

को प्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिस के बास्तियक क्य से किंगत नहीं किया नवा है क्षान्तरण

- (क) जन्तरच ते हुई चिक्की शाय की बायक, अजन जिल्लामध्य के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृष्टिशा के लिए और√या
- (क) एसी किसी नाय वा किसी मन वा अन्य वास्तिनी की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

मतः वव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-न की बनुबरक वा, भी, अक्त विभिन्नम की भारा 269-न की उपधारा (1) को विभीर, निस्निसिक्त व्यक्तिकी अर्थाह्य हु—

- मेसर्भ इन्द्रप्रस्था बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्री मशीकोत जे० मेह्ना और मास्टर कोक मींग हवेंग।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उपर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :- --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थास्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 4, जो बी० विग, मोन-अमी श्रफ्टिमेंट, जुहू, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी कि सं० अई-2/37-ईई/21968/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बज्बई द्वारा दिनांक 21 जून, 1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-1-1986

प्ररूप अव्ह^र टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदशाबाद, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश मं० अई-2/37-ईई/22077/84-85---अतः म्झे, प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 1, दी सान्ताकृष्ठ शत् को० श्राप० हाउसिंग सीसायटी लिमिटेष, सान्ताकृष्ठ (प), बस्बई-54 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूकी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारतामा श्रापकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में जिस्की हैं तारीख 28 जूत, 1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मत्य से कम के क्यमान प्रितिफ व के सिए वन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण हैं कि संजाम्जेंबत सम्पत्ति का स्वित वाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफ व से एसे दश्यमान प्रतिफ न के क्या प्रतिफ न के क्या प्रतिफ त के किए ति क्या गया प्रतिफ त के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्निलिबित उद्वेश्य से उक्त वन्तरण सिचित में शहरीबिक क्या में किथा वहीं किया नवा हैं :---

- (क) बन्तरण में हुए किली आय की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या अससे यचने में सुविधा हे सिए; साँग/दे
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना शाहिए था, खिपाने में स्विभा से लिए।

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अ पनः, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री प्रकाण चन्दर भान्तीलान णाह और श्री हेमन्त कुमार भान्तीलाल णाह।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दिपतुमार भीखभाई गांधी।

(अन्तरिती)

को यह तुमना बारी करके पूर्वोक्त तस्पत्तिः के वर्धन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हते, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाल;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या पया हैं।

मन्सूची

णाप नं ।, जो नल मंजिल, दी सान्ताक्रूज धनू को । आप हार्जिम सोमायटी लिमिटेड, 33 सब-वे रोड, सान्ता-क्रूज (प), अस्वर्ड-400054 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा की कि० सं० श्रई-2/37-ईई/22077/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 की रिनस्टई किया गंगा है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 31-1-1986

। हर:

प्रस्य बाह्य हो । एवं , एच ,-----

मेमर्न हर्फाजी एन्टरप्राइसेम।

(भ्रन्तरक)

2. अभीराली वाली परमाला।

(श्रन्तिकी)

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ल (1) के अधीन सुवना

मारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 पन्धरी, 1986

निर्देण सं० भ्रई- 2_l ३७-ईई $_l$ 2082 7_l 84-85- \cdots श्रतः मुक्को, प्रणांत राथ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 404, महमद मंजिल, जोगेंध्वरी, (प), बम्बई-102 में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में धणित हैं) और जिसका करारनामा आयक्रर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्दी हैं तारीख़ 1 जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है औं मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा अतिफल, निम्निकित उक्षेप से अक्त मन्तरण है लिए तम प्रामा गमा अतिफल, निम्निकित उक्षेप से अक्त मन्तरण है लिए तम से सास्तरिक क्य से किवत नहीं किया पना है लिए

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कार धाने के अन्तरक के धावित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीह/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धण या अन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्षारा प्रकट नहीं किया गया मानिया सामिया के सामिया कर सामिया कर सामिया कर सामिया कर सामिया के सिक्ट:

बत: संव, ६वत निधिनियम, की भारा 269-सं को अन्पः स्था हो, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की जपध्या (1) बी अधीय, निक्यितिस्ति व्यक्तियों, अधीत क्ष्म को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आयंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पान लिकित में किस् का सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, सा उद्धा अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया

प्रनुसूची

पलैट नं० 404, जो घाँथी मंजिल, महमद मंजिल, बहराम बहराम बाग, एस० वी० रोड़, जोगश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा की ऋ० मं० श्रई-2/37-ईई/20827/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिसांक 1-6- 1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राधकर शायुक्त (निरीक्षण) फ्रजान रेंज-2, बम्बई

नारीख: 29-1-19**8**6

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर रिधनियम, 1961 (1991 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्था स्चना

भारत संस्कार

कार लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्षार्यस रेंघ-2, बस्बई सम्बद्ध, दिसास 29 घाकरी 1986

िर्देश यं० आई-२,37-ईई,20830,84-85---श्रतः मुझे श्राहात रुपा,

आयकर जिथिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के भवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है जि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.00 /- रु. से अधिक हैं

बोट िस है से क्लैंट ने 604, हुई व पार्क, जोगेष्वरी (प), वर ि102 में स्थित हैं (बीर इसने उपाबह धनुपूर्वी में बीर पूर्व का ने विगत है) और जिसका करारतामा आतंकर जा कि के प्रविद्या 1931 की बाग 2697, स के प्रविद्या सभा निधि हैं नारीख 1 जुन, 1965

को पर्योक्त परणित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अलारित की गई है और मूझे यह विश्वास करने ता ारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसा दश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशा में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्मालिक उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखत में बास्तिक क्ष्य में किंग नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हार्ड किसी आय की बाबत, उक्त रिगिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रिट्ट मैं कमी करने या उससे बचने में स्विधा है लिए; और/या
- भा) एमी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियों हो जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्योजनार्ध अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया पा किया जाना चाहिए था, चिल्ली में सुविधा है लिए।

नोहल कतस्ट्रमणत कोठा

(अन्तरक)

2. श्री फारूक इब्राई में भाटी।

(धनःचित्रं)

3. श्रुक्त ते. I

(वह कर्नना, विसन्धे अधिक्षीय में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रग्नादन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा ही।

मन्स्थी

. फ्लैंट नं 0 604, जो छटकी संधिक, ह्वांब पार्क, जोगेंध्यरी रेलवे स्टेंग्या के सामने, जोगेंग्यमी (प), बम्बई-400102, में नियत हैं।

अनुसूची जैसाकी कर लेर राप-2/37-पीई/20000/84-85 और जो सक्षम प्राधिवारी, बण्यई द्वापा विनास 1-6-1905 को रिम्पर्ड विद्या गर्मा हैं।

> प्रशांत राध सक्षम प्राधिकारी सहाधतः शाहकर स्नायुक्तः (निरीक्षण) सर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 19-1-2966

प्ररूप आई. टी. एन. शास . -----

काथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंग-2 यम्बर्ष

बम्बई, दिनौंक 29 जनवरी 1986

निर्देग सं० अई-2/37-ईई/20881/84-85--प्रतः मुझे श्रांत राय,

आयंकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलार 'उकत अधिनियम' काहा गया है), को भारा 269-स के अधीन मध्यम प्राधिकारी कां, यह विकास करने का कारण है कि स्थावन मण्याणि, जिल्हा शिल्हा बाजान मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिल्ली सं पलेट नं 205 हर्ब ब तर्क जेलेण्डरी (प०) बम्बई-102 में स्थित है (श्रीर इतने उपावद्ध अनुत्वों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिल्ला राजान्यामा आवरण श्रीमियम 1961 की धारा 2697 खे के श्रवीत त्रित्र गिविकारी के सायीलय, बम्बई में राजिन्ही है तारीख 1 जून 1985

को पूबोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के एरयमान प्रतिफल के निए अनिरत्त की गई हैं और मुझे यह विज्वास करने का कारण हैं कि यथाप्त्रीयत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, असके एर्यमान प्रतिफल में एोसे स्वयमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रोत्तरात से अधिक हैं और अंतरक (अतरकीं) और अंतरिती (अन्तरितितों) के बीच एोस अन्तरण के निए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देष्ट्य में उदस अत्तरण सिखित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सं हुए जिसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के क्षणीय कर दाने के मन्तरक के श्रीयत्व माँ कमी करन का - अबे बचने को महिन्यमा के लिए; और/मा
- (ग) एसी विली अस या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्योगिती देवारा प्याप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने भी मुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अधिनियम तो धारा 269-म को अनमरण भो, भी, उसल अधिनियम की । 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियः, अभीन :——

मैसर्स नीवल कनस्ट्रकः व की०।

(ब्रन्दरक)

2. श्रो महमद इशाह गूलाम नरवार।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिलके प्रधिमीग में समात्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सन्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यकाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपनी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्वहरू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के शाक्ष

स्पष्टीकरण:---इमस् प्रप्रवन शब्दः और पदां का, जो एकण अभिनित्रमा के अध्याय (१८)-- मा परिभाषित है, यहाँ अर्थ हामा, जो सम अध्याय सौ दिस्य गया है।

भनुमुची

"पर्नेट नं० 705 जो सासी सिंजल, हुबोब सहै जोगे स्वरी रेलवें स्टेंशन के सामने जोशक्यरी (प) बन्यई-400102 में स्थित है।

धनुसूवो जैलान्ति क० सं० ध्रई-2/37-ईई/20881/84-85 ध्रोर जो मलम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौँक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड रिया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम पाबिकारी तहाब ३ स्राय ३९ स्रायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-2, बम्बर्ष

सारी**ख**: 29-1-1986

प्रकार आहें, ही एक एस - -

काधकर कोधाननम्, १९६१ (1961 का 43) की पास धारा 260-ष (1) व्हें अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालयः, महासक नायकार सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 सम्बद्ध

बस्बई, दिनौक 29 धनवरी 1986

निर्देश सं० **धर्-**2/37-**११**/20882/84-85---श्रनः मुझे, प्रणीत राय

अपनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें क्या गया है), की धारा 269-च के अधिन एकम प्राधिकारी को, यह विस्तात करने का कारण है कि स्थाप सम्बन्धि, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- का में अधिक है

और जि.को संज क्लेप्ट संज 704 ह्योज पार्क, जोगण्यरी, (प०), बस्मई-102 में स्थित है (को इसी उसवब्र अनुसूची में ब्रोर पूर्ण रूप से विजय है) श्रीर जिन्हा करारतामा आवकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 260 है, ख के ब्रधीन, जशन श्राधि तरी के जायीलये, यस्वर्ध में किस्सूटी है तारीख 1 जुन, 1985

का प्रांधन सम्भारत की उचित बालार मृत्य से कम के स्थायका प्रतिक्रण के लिए जन्दरित की गई है और मृत्री यह विश्वास करने का कारण ही कि म्थापबाकत सम्भाति का जावा ने लेकार ब्रह्म, उसके स्थायन प्रतिक्रण से, एस स्थायन प्रतिक्रण की गन्दह प्रांथका से ब्रिक्ट की बाव की स्थायन प्रतिक्रण की स्थायन प्रतिक्रण की विषय की स्थायन की जावा की स्थायन की जावा निम्म कार्यक की निम्म लिखते में प्रांथक कर कर की स्थायन की स्थायन

- (क) असमण सं 8 ते िक से अप अप अप बाबस, इक्क चित्रेनात च क कीन छाउँ दान की आणहात का र म बाली कान्स पा अपने पानते का नी असे लिखा; और/या
- एम १०६, ४०० र किलो भर मा अन्य प्राप्तियो
 का, जिन्हों भारतीय गायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या प्राप्तिय अस्त काहिए था, विश्वान या स्टिक्ट के लिए.

अस्त अव १५न क्यांगीत्यम की भारा 269-व की अनुसर्थ हो, मी, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) का .. सिम्मांसिक्सिस स्थावितयों, तथाति :---- मैं (ई नीज्य अवास्त्रकात की०)

(अन्तरह)

2. थां गूलाम अस्वार रहूल खान।

(प्रन्तरितो)

अन्तिता।

(बहु व्यक्तिः, जित्ते स्रविमीम में सम्बक्ति है)

को यह सुचना जारी कारके पूर्नोक्त सम्पत्ति के बचन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पालि के अवंत के सम्बन्ध में श्रीड़ भी बाक्षेप :----

- (क) इस मूलना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी सल्जि बाद मां समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना की राजपन में प्रकारन की तारीख से दिन के भीतर अन्नत स्थावर सम्पत्ति में हिनबप्र किमी अन्य व्यवित दवारों, अधाहस्ताक्षरी के पाष्ट लिल्यन भे तिया मा सकी गै।

स्पष्टिकरण :----दसमा अगुवन शब्दी बौर पहा का, **बो उन्ह** कार्धानसम्बद्धी अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, व्ही सर्थ कारा को उस सम्यान मी विका नया ही।

अम्स्यी

पनेट तं० 704, जो जातातीं संजिल, हबीब पार्क, जोगेश्वरी रेलवे स्टेशन के नामके, ओगेश्वरों (४०), बम्बई-400102 में स्थित है।

श्रानु हो। जैसारि क० सं० थई-2/37-ईई/20882/84-85 श्रीर संस्वास क्षेत्र स्टाही द्वारा दिनाँक 1-6-1986 5 को रिजस्टर्ड िया परा है।

> प्रयोत **राय** उन्नेत गांक्रिकारी पहायात स्राप्तिक स्वाप्तिक स्वापितिक स्वापितिक स्वापितिक स्वापितिक स्वाप्तिक स्वापितिक स्वापि

विनां च : 29-1-1986

चक्रप कार्ष, ही, एव, ध्वा, ----

बायकर अभिनियम. 196 ें %61 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई वस्बई, दिनौंक 29 जनवरी 1996

निर्द्रेग सं० मई-2/37-ईई/20939/84-85→~मत:, मुझे, प्रशांत राम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उटल अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिंत हो सं पनेट नं व 101, हमारन नं 3, जागे श्वरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (आंत्र इन्ते उपाबद्ध अन्सूर्चा में और पूर्ण रूप से विण्त है) और जिल्हा करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 है, ख के अधोत, नक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री है नारीख 6 जून, 1985 कां पूर्वों में संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के क्यमाल प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक छ जन्त अन्तरण

क्षित हो जास्तविक रूप से कथित नहीं कि , गया है :---

- (क) बन्तरभ स हाइ किसी भाग का बागत, उस्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क चिए: बार्ट√बा
- ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आफ्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः अव, उथत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भौ, भी उपत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अधीत् :--- श्रो झीया उद्दोन बुद्धारी ।

(असर्ग

2. शेख श्रद्धाः

(श्रन्दिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त मध्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भंः बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जी तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अजिथ, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) १स स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन ों हारीक स 45 दिन के भीतर छका स्थाव पंति । मों हित्त ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता श्री के पास किसी मों किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में था परिमाणित है, वहां अर्थ हारा, के उर अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची ।

पलेट नं ा01, जो पहली मंजिल, इमारत नं 3, मर्थे नं 41 (पार्ट), श्रीक्षित्र स्विलेज, बेहराम बाग के पों), जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िक्ष ऋ० सं० श्रई-2/37-ईईंं 20939/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनीं 16-6-1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रगाँत राय सक्ष्म प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनौक: 29-1-1986

महिर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन मूचमा भारत सरकार

कार्यासयः सहायक बायकर बायूक्त (मिरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनीस 29 जनकरी 1986

निर्देश सं० मई-2/37-ईई/20946/84-85---मतः मुझे, प्रशांत राग,

कायकार क्रिंगियम, 1981 (1981 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम श्रीधकारी की यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सन्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,00 1/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली सं० फ्लेट नं० 302, इसारत नं० 22, जेंगेश्वरी (प०), इक्टर्ड-58 में थियर है (श्र.ण इससे उपावद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण का ले विणित है) श्रीर निंकता एसारतामा श्रीय हर श्रिटिवस, 1961 को धारा 2097, ख के श्रधीन, जक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, वस्मई में रिन्स्ट्रें है तारीख 6जून, 1989 को पूर्वों का सम्मित के उपित बाजार मून्य सं कम के क्रयमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हाई जिसी काम की जावता, उनक आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाणित्व में कसी करन या उनमें नचने में सुविष्ण। के लिए; कीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कतः, उकतः अधिनियधः, कौ धारा 269-ग कै अम्सरण भो, भी, धावतः अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारः (1) के अधीमः, निम्मलिकितः धावितर्गे, अभितः :-- 1. श्राझाया उद्देश सूचारी।

(श्रन्प्षरक)

2. श्रां महम इ रहाम गूल खात ग्रीर मूनावर सूलना न। (ग्रन्नरिता)

की यह स्वना जारी करके प्यक्ति नम्पास्त के वारक के जिल्का कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शोरीक के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रवेटिंग व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इंच त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब एं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी जन्य व्यक्ति इंटारा अथां (म्लाक्षर) के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

भवारिकाण:- न्यसमी प्रयुक्त शब्दी और पदी का, आ लुक्त व्यक्तिसम, क्षेत्रीकार (१) ए ए एक्टिआए हुँ, वहीं सर्थ होगा, जर ता करत्व भी १९० १९८ हों।

अभूम्यो

पत्रेष्ट नं २ 302, जं तीनरा मंजिल, इमारत नं २ 22, सर्वे नं २ 41 (पार्ट), श्रीकिया नितेज, बेहरान जाग के पोछे, जोगेएवरा (प), अभ्वर्ड-400058 में स्थित है ।

श्रदृद्धों जैता को गठ सं० श्रई-2/37-ईई/20946/84-85 श्रोरणो तभाषात्रिकारी, बन्पई ग्रास दिताँक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड स्थित गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

विनौक: 29-1-1986

प्रकार पाइ । जी हाल, हाल, नार्याकरण

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुख्या

भारत सरकार

कायां लण. महायक बायकर वायुक्त (निरीक्षक) प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बाई, दिनांकः 29 जनवरः 1986

निवेश सं० प्रार्ट- /37 दिर्द / 21003 / 84-85-- पतः, भूमे, प्रशांत राय,

शांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थादर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूंख्य 1,00.600/- क. में अधिक है

स्रोर जि कि लं शाप लं 3, कोही तर बिल्डिंग, जो गेयवर। (प०), बन्नई-60 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण हे पे जिंग है), स्रोर जिस ा रारतामा स्रायकर स्रिध-नियम, 1961 का धारा 269 वा ख के स्रधान, बम्बई स्थित सक्षय प्राधि जोर, के जायालिय में रिजल्ट्री है। तारीख 7-0-85 को पूर्वों वेन सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, बसे के दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान, प्रतिफल का प्रमाह, स्रीत जा गीवा है सार वन्तर का प्रसाह, स्रीत जा गीवा है सार वन्तर का प्राथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान, प्रतिफल का प्रमाह, स्रीत जा गीवा है स्रोर वन्तर के लिए पर पाया गया प्रविक्रण, विम्तिस्थित उद्देश्य से उरत बन्तर प्रति का में बाम्तरिक स्व से विम्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त पीरानय के प्रभीत का ती के बन्तरक के पीरान में अभी कान या उससे बचन में सुविधा के लिए अरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ग किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविभा औ लिए, और/मा

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अो अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिन्यों, अर्थात :----

- (1) होरायजन ानस्ट्रक्शन की०-प्रा० लि० । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रशान्त प्रेमजी समानी और श्रीमित पुष्पा चन्द्रशान्त कमानी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

इन्हर सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय :----

- (क) इस सूचना के राज्यक मी प्रकासन की शारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्थानितयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी का, आं उक्त अधिनियम, क अध्याय 2()-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया भवा ही।

अनुसूची

णाप नं० 3, जो तत्र नंजित, कोहीन्र बिल्डिंग सी०टा०एसं० नं० 184, बांदाबता विनेज,जेशोध्वराः (प०), बम्बई-60 में स्थित है।

अदुनूचः जैसा कि कि विवेध प्रई-2/37ईई/21003/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनोक 7-6-1985 की रिजस्टड किया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधि ारी सहाय व ग्रायकार ग्रापुक्त (निर क्षण) ग्राजनारें ज-2, **बम्बर्ष**

दिनौक: 29-1-1986

पक्ष शादी हो. एवं. एवं . स्था

कारकर कभिनिसमा, 1961 (1961 का 43) की जाय 269-ছ (1) के सभीन क्कना

शास्त्र स्रकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंश-2, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 29 अनवरः 1986

निदेश सं० %.ई-3/37ईई/21167/85-86—आत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकार ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन स्थान प्रधिकारी कों, यह विज्ञाम करने का फारण है कि स्थानर सम्मति, जिनका उचित संस्थार स्थान 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर भिज्ञी मं० शाप नं० 4, महम्मद मंभिल, जोगेश्वरः (प०), बन्धई-102 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रमुम् में श्रीर प्रांचा से लिए है), श्रीर भिस्ता रारचामा श्रीयन शिक्षित प्रांचा से लिए है शिक्षित रारचामा श्रीयन शिक्षित स्थ्रम प्रांचा गर के श्रीप्रतिय में रिनिस्ट्रः है तार ख: 10-6-85 का प्रांवर मपत्ति के स्थान बाधार मृत्य में भूत्र में स्थ्रमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्ध है वार मृत्र यह विश्वास श्रीय का कारण हाँ कि प्रवाप्त मिपति मापत्ति का रिचत श्रीय प्रांच का कारण हाँ कि प्रवाप्त मिपति का रिचत श्रीय प्रांच उन्तरित को भूति स्थान प्रतिकाल का भूतिकाल में अधिक हाँ श्रीर अन्तरिक (अन्तरकार) और अन्तरित में अधिक ही श्रीर अन्तरिक (अन्तरकार) और अन्तरित में अधिक ही श्रीर अन्तरिक प्रांच सन्तरित के सिए तथ प्रांचा गया प्रतिकाल निम्मितिसित उद्धारित में उत्तर में स्थान निम्मितिसित उद्धारित में से देवत संतरिक स्था में किसल मही किया गया है रूक्ष

- (४) लक्ष्यनम् सं श्रुद्धं क्रिस्ती साथ की वासत, समस् अध्यानयम् के बार्यन कर प्रोपे के बन्तरक के अध्यान में क्यीं नपने या स्थान समने में सुविधा में स्पितः सौर्याः
- शः अस्ति ज्ञामी बाय वा किसी धन वा खन्य आरिखकों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, मा धनकर प्रत्योक्तरण, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कार्यकार पान्ट न्हीं किस वा गया था का नियम कार्यकार पान्ट नहीं किस वा गया था का नियम कार्यकारिक का विधान में मिष्ठक के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ग के अनुसरण में. में, अक्त अधिनियम की भारा 260-ग की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) इफीजी एन्टरप्रायसेम ।

(३.न्दर :)

(2) दाबूर वजार मनपुरा और हबी। वजीर राजपुरा । (अन्तीरतः)

को यह स्वना जारी करके पृथाकत सम्याल के अवन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

ख्यन मध्यक्ति को असंज के याखन्त्र मां धार्ड भी आक्षण करन

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 जिम की अवर्षय का तत्त्रवधी का करण वर सूचना की सामील में 30 जिन की अवर्षिक, को भी का बाद में समस्त्र होती हो, के मीलन प्रशांकर व्यक्तिकों में से किमी व्यक्तिया स्वापा:
- (क) इस स्थान को राजपण मी प्रकाणन को शारील में 45 दिन को मीतर उच्चत स्थायर सम्भात मी हिल-बद्ध किसी मारा व्यक्तित द्वारा, स्था रहाशारी को पास विशेषात मी किए जा मकीयो।

श्वाध्यक्तिरणः ---- प्रमथा प्रयुक्त करवा अपि गर्ग छ, आ उप्तर करवाय 20-या में परिभाषित हैं, अहां अध्यक्ति का जा जाम अध्यक्त में परिभाषित गर्म अध्यक्त में परिभाष गया हैं।

वनस्यो

शाप नं० 4, जो, तल मंजिल: महमद मंजिल, बेहरास बाग, एस० वॉ॰ रोड, जोगेश्वरों (प०), बस्बई-102 में स्थित है।

श्रमुसूचा जैसा ि ऋ० मं० शई-2/37ईई/21167/84-85 श्रीर जो अज़न प्राधि जरो, दम्बई द्वारा दिसी 10-6-1985 को रिस्टर्ड रिया गया है।

> प्रशांत **राय** सक्षम प्राधिवार सहायण श्राय धर कायुक्त (विरीक्षण) भूजेन रें:-2**, बम्बई**

विनोक: 29-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई
वम्बई, दिनांबः 29 जनवरी, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/22044/84-85— अतः मुझे, प्रशांत राय,

अध्यक्तर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हसमें इसके पत्चात 'उका अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संजम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 090/- रह. से अधिक हैं

श्रीर िस्ततः सं० गावा नं० 32, रायम इन्डस्ट्रियत इस्टेट, जोगे-एदर (पू०), बम्बई-६० में रिषट हैं (श्रीर इससे उपाबद शतु वि: में श्रीर पूर्णेंच्य से विणित हैं), और िसता वरारनामा आधवारों श्रीविनिम, 1961 की धारा 269 के ख के आगे। सन्नम प्राधिकारों के वार्याव्य बम्बई में सीस्ट्रा है, जार ख 27-6-85

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिकल के हिए अन्तिकत की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का बारण है कि यथा प्रांक्ति संपत्ति का उचित भाजार मान्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्यमान प्रतिकल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है किर खंतरक (अंतरकाँ) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखन उद्देश्य में उद्देश अन्तरण किराहित में बास्टियिक हैंप किया गया है किया गया है किया गया है

- (क) अन्तरण मंहुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के द्राधित्य में अभी करने प्राउसम बचन में स्वीवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 19 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में मृविधा के लिए,

अतः अवः, उवन प्रीथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नियमिक्तिम् यक्तिमें, स्थान .---

(1) रात्यम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेर्स वर्षके० इन्टरप्राइजेज।

(इ.न्तरिती)

(3) ऋन्तरक

(वह व्यक्ति जिरके द्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

चक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, वं भीतर पूर्वित्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन के लारीन्छ है 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर गंगा मा किमी अन्य व्यक्ति हतारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

गाला नं० 32, जो, सत्यम इन्डस्ट्रियल इस्टेट, जोगेम्बरी (प), बम्बई-60 में स्थित है।

श्रनुपूची जैशा ि प्र० सं० %.ई-2/37ईई/22044/84-85 श्रीर जो सक्षा प्राधि ारी, बम्बई हारा विनां 27-6-1985 को रिस्टर्ड िया गया है।

> प्रणांत राय स्थम प्राधिकारा सहायक भ्रायकर श्रायकर (किरीक्षण) यक्त रें∞-2, बस्बई

तारीख: 29-1-1986

प्रकृष वाह् दी, दन्, दन्, -----

मध्यकार विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बचीन सुमना

भारत सरकार

क्षार्थालयः सङ्ख्यः नास्कार बाब्क्त (निर्दाक्षण)

ग्रजन रेंज-2, बग्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/22080/84-85—न्त्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें सब्दे परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा नमा है, की धारा 269-स के तथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर जस्मीता, जिसका उचित बाबार मृत्य ,00,000/- रा. से जीधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट तं० 103, इमारत नं० 14, श्रल-मूजदाली फा जोगेश्वरी, अम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961, की धारा 269 कख के श्रिधीन, सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-6-1985

को प्रोंकत सम्मत्ति जे अचित बाबार म्रूच से कम के स्रमान रिकल के लिए अन्तिशत की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा प्रोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार म्रूप्त असके स्रमान प्रतिफल मे, एसे स्वमान प्रतिफल में पन्ह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिवक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावल, कल्ल क्रिंगियम की अभीन कर दोने की सन्तरक लें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों मारतीय जाय-कार जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर जिभिनयम, सा धन-कार जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या लिया जाना चाहिए भा, क्रियान में सुविधा के क्रिया

बतः जब, बबत अधिनियम की भारा 269-म से बन्तरम भों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 47—506 GI/85 (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हकीम अब्दुल शकूर सिद्दांकी।

(अन्तरिती)

की यह सूचका चादी करने वृत्रोंकत स्व्वृत्ति के अर्थन् औ सिए कार्यभाविमां करता हूं।

अक्त मंगरित के बर्चन के बंबंध में कोई भी नाओंच ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की जबींच वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर कूचना की वामीन से 30 दिन की अवधि, को भी बचींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त खिलानों में से फिसी स्मित्स ब्वारा;
 - (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्थलांकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को स्थल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका मना है।

जनसंखी

फ्लैंट नं० 103, जो, ाली मंजिल, इसारत नं० 14, झल-मूजदालीफा, बेहराम बाग के पीछे, श्रोशिवरा, जोगेण्वरी, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/22080/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्ब्र€

तारीख : 29-1-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश मं० श्रई-2/37ईई/22045/84-85- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी गं० गाला नं० 41, सस्यम इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, जोगेक्लरी (पू०), बस्बई-60 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुम्ति में और प्रक्षित से बिणत हैं), और जिसका करारकामा श्रायकर प्रितियम की धारा 269 के ख के घंधीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजिस्ट्री हैं। नारीख 27-6-85 को प्रबेक्त सम्पत्ति के जिए अन्तरित की गई हैं। और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से अन्नत अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् :--- (1) भन्मर्स सहयम बिल्डर्स ।

(धनान्या)

(2) मेसर्स मन णाइन एक्सपोर्ट।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंवारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

गाला नं ० 41, जो, दूसरी मंजिल, मत्यम इन्डस्ट्रियल इंग्टेट जोगेण्यरी (प्), वम्बई-60 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/27045/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाव 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

प्रकथ बार्दाः, दीः, प्रनः, एसः,,,,,,,,,,,,,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से अधीन सुचना

सारव तद्रकाह

कार्यालय , सहायक बायकर बायुक्त (निडीक्शण)

प्रजीन रेंच-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरचरी 1986

निदेश सं० श्रई-2/37-**१६/20948/84-85---श्र**तः, मुझे , प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-य के अभीत सदाम शिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट तं० 506, वस्ट विड, अंकिवरा, अंधेरी (ग), वध्वई में व्यित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूर्व में और पूर्ण कर के पर्णित हैं), और जिसका करारकामा अधकर अति - नियम, की बारा 269 कर के अवीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बध्वई में रिविस्ट्री है। तारीख 6-6-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति वं उपित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बाब्त, उक्त जिथ-जॉधिनियम के अधीत कर दोन के अन्तरक के धारित में कभी करन या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का १1) या जात अधिनियम, या अर-कर अधिनियम, या अर्थ का विद्या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निमनिसक्ता व्यक्तयों, अर्थात् ६—

(1) मसर्स आवराय जिल्डसं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पेवीबाई के० सदारंगानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ाः

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सबंध में कोड़ भी आक्षरेप :~~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अयि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपम में प्रकाशन की हारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क का परिस्ति एक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वांत संची

पत्तैट तं० 506, भी पाँचवीं मंभिता, बेस्ट पिंड, पताट नं० 45; ओणिवरा अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि क स० शई-2/37ईई/20948/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 6-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणीत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) प्रजीनरेज-2, बम्बई

नारीख: 4-2-1986

इक्य बार्ड .टी . एन .एस . ------

बायकर वरिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर भागुक्त (निर्दोक्सभ)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/20987/84-85---अतः मुझे, प्रणांत राथ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,09,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, इमारत नं० 4, सीमा, अंधेरी (प), बभ्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णक्ष से बांगत हैं). और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधियम, की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधियारी के कार्यात्व बन्बई में रिजिस्ट्री हैं। नारीख 7-685

को पूर्वेक्ट सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दरयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूक्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दव बाबा क्या प्रतिफल, निम्निचित अस्प्रदेश से उक्त बन्तरण जिल्ला के बास्तिक कम से कथित नहीं किया ग्वा है है—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बावत, उक्त विधिनियस के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने क बससे बच्चने में सुरिवधा के बिए; बॉद/बा
- (च) एती किसी भाग मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंबरिकी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा खे विद;

गड: नम, उपन मिनियम की गारा 209-म के अनुसहस में, में, उपन समिनियम की गारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० एस० पंशाजम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुधाएस० मेनन।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करती पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की क्यिंध या तल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी कर्क 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए प्रा सकेंगे।

स्वक्यकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

ननुसूची

फ्लेट नं० 15, जो इमारत नं० 4, सीमा को-आप० हाउसिंग सोपाइटी लि०, प्रताट नं० 4, चार बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ५ ५६-2/37-ईई/20987/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, बम्बई

तारीखाः 4-2-1986

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

आध्यक्तर मिर्भानवम, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरधरी 1986

निदेश सं० %ई-2/37-ईई/21001/84-35---%तः, मुझे, प्रणांत राय,

बायकर बाँचनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्नी इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर भीधनियम' भन्ना नया हैं), की भारा 269-का में मधीन सक्षम प्रशिक्कारी की यह विक्लास करने का कारण है कि स्थायर सम्बन्धि, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 12, गाँठम दर्गन जिल्हिंग, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसने उपावद्ध अनुभूत्ती में और पूर्यका से प्रियत हैं), और प्रिमका करारनामा अध्यकर अधिनियम, की धाया 269 वा खंके धर्धान, मक्षम प्राधिकारी के कार्यानय वम्बई में रिजिस्ट्री हैं। तारीख 7-6-85

को पूर्वीचर संस्पत्ति को उचित बाबार मूल्य ४ कर को क्यमान शिवास को सिए अन्तरित की गई है और बहु विकास इ.एथे का कारण है कि समाप्तिंश्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूच, उसके क्ष्मवान प्रतिकल से, एसे क्ष्मवान प्रतिकल का सन्दर्ह प्रतिकल से बाधिक है और संतरक (अंतरका) बार बंधविधी (अन्तरित्तियों) के जीच एसे अन्तरण को लिए तब पावा क्या शिक्का , निक्किविका उन्दर्भों से स्वत्य क्ष्मार कि विकास के सन्तरिक स्व ने कांचित वहाँ किया क्या है है—

- (क) नन्तालय से सूर्य फिली बान की बानव समय नियन नियम मी सभीय कर दोने के नन्तरक के वास्तिय में कसी क्लबे या उपसे अवने में सुविभा के शिक्ष और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिनह भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1972 का 11) या अन्य अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हिंदी वृधारा प्रकट नहीं फिना वाम बाद्य था. फिनाने में सुविधा के सिह;

बार क्वे, उसर वीधीनयम की धारा 269-व की उपभार (०) में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-व की उपभार (०) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. मर्मात् ु⊶ (1) श्रीमती जयश्री श्रीनल दागे।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती जयलक्ष्मी रामचन्द्रा और श्री एस० राम-चन्द्रन ।

(अन्तरिती)

(3) दी हिन्दुस्तान कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लि० । (वह व्यक्ति, जिसके क्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां अरहा हुं।

चन्द्र सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कीए भी माधांत्र :----

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 जिन की अविधि ना तत्त्रों की अविकास की स्वाप्त को शी सूचना की शामील से 30 दिन की सविधि, को भी क्यांथि नाम में तकान्य होती हो, के बीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तिए।
- (य) इच भूषना को राजपन में प्रकाबन की वारीचा है 45 विन को बीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में द्विश-क्यूथ कि.सी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोड्स्ताक्षरी के पात विश्वित में किए वा सकाने।

स्त्यां करणः — इसमें मधुन्यः शब्दां और पदां का, जो उन्द जीवनिवन, के अध्याय 20 नक्ष में वरिभाषित ही, वहीं वर्ण होता, जो उस अध्याय में दिना स्था हैं।

बन्स्ची

पनेट नं० 12. नो, दूसनी मंजिला, गौतम दर्शन बिल्डिंग, आफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प), ब्याई-58 में स्थित है।

ध्रतुमूची जैसा कि कि लं शई-2/37ईई/21001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 7-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **रेंज-**2, **बम्बई**

नारीख: 4-2-1986

प्रक्ष आहे<u>. ठी. एन. श</u>ुस्..-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वृता

भारत तरकार

फार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, अम्बई बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/21080/84-85—श्रत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिस्की सं० पछेट नं० 503, इमारत नं० 21, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद अनुभूची में भ्रीर पूर्णक्प से विणित हैं), भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, की धारा 269 कुछ के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के शायीलय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं। तारीख 7-6-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित काजार मुख्य से कल के बश्यमान लिए अन्तिरह की गद्दी ही प्रिकल मभ्ते यह विश्वास करने का कारण कि यथा प्वींबत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं भार अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाॅं) के बीच एमें बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषिय से उक्त अन्तरण लि**बित में** वास्तविक कप **से कथित** नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई फिली जाप की वाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के इशीयत्व में कभी करने वा उत्तरों वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिक्धः

अतः अस, उभत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उभत अधिनियम की भारा 269-ग की स्पभारा (1) के सभीन, नियमित व्यक्तियों, समीच उच्छा (1) श्री मियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जेहनारा वशारत्रला खान।

(भ्रन्धरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना कर राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यम्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नपुत्रुची

फ्लेट नं० 503, जो पाँचवीं मंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37-ईई/21080/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रमात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरें ज-2, बम्बई

तारीख ' 29-1-1986 मोहर ' प्रकार मार्च । द्वी । एम । एस । ल स स स्वयः

णायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) को सभीन स्वाना

BILL SECTO

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, वम्बई बम्बई दिनांक 29 जनवरी 1986 हिंश सं० श्रई-2/37ईई/21081/84-85—— यतः, मु

निर्देश सं० प्राई-2/37ईई/21081/84-85—— यतः, मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त निर्मानयम' कहा नमा हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 403, इमारत नं 21, श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण- रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 के, ख के श्रधीन, सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं। तारीख 7-6-1985

करं पूर्वेदिस सम्पर्शिक जिल्ति बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदृत से अधिक हैं हैं और अग्लरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से क्षाधित नहीं किया गया हैं:—

- (फ) कम्लरूक में हुन्हीं फिली भाग की बाबरा, जनस्त व्यक्तिका के अने अ दोने के अन्तर्क को जातिका मों कामी कारने के, क्ष्मिं बासने मों अधिका के लिए मौद/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ कारे, जिन्हाँ भारतीय आय~कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अतंत्र लिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वाच पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में स्थिधा से सिद्ध;

(1) श्री झियाउदीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री व। जिंद सलीम शेखा।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इब स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीज हं 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीज से 30 दिन की बन्दि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृवींका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्याप्त;
- (स) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-क्ष्म किसी अन्य श्यक्ति द्यारा अनाप्रकाक्षणी के पास निधित मों किस चा सकींगे।

स्पन्धिकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त बिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैट नं० 403, जो, चौथी मंजिल, इमारत नं० 21. सर्वे नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-2/37ईई/21081/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, बस्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-1-1986 मोहर :

मारुष् बाद्दे हो , एव , एक , --------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यानय, बहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/21086/84-85-- श्रवः मुझे, प्रशांत राय.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीर सक्षम प्राधिकारी की यह भिष्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रह. स अप अक हैं

और जिसकी मं० पलेट नं० 104, इमारत नं० 21, अंधेरी

(प), बम्बई-58 से स्थित हैं (और इससे उप वद अनुसकी में

और पूर्णक्प से यणित हैं), और जिसका न रारनामा आयकर

अधिनियम, 1961 की धारा 269 तस के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 7-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के सिए अन्तरिक की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपति का उजित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ताह प्रतिफल के लिए अन्तरकार) और

जन्तरियौ (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नसिवित उद्देश्य से अक्त अन्तरण जिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स श्रीजियम के अधीन कर बेने के अन्तरक में दावित्य में कमी करने या उससे बनमें में स्विधा के लिए; कर/मा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की विन्द्र आरहीय जायकर अधिनियम, 1922 कार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती वृंगरा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा औं सिद्ध:

कतः । व, उक्त जीधीनममं की धारा 269-गं के अनुसरण मो. मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) क विधीन, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् हु—— (1) श्री जियाउदीन बुखारी।

(भन्तरक)

(2) ग्रब्धुल कलम हाफिज भ्रब्धुल।

(भ्रन्तिरती)

वह सूच्या जाड़ी कड़के प्राप्तित सम्मरित के वर्षन के सिप कार्यगोहर्या कड़ता हूं।

उनत सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त रुख्यों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया नया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 104, जो 1 ली गंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41, (पार्ट), स्रोधिवरा विलेज, स्रंधेरी (प), बम्बई-400058 स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/21086/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्ष यायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बस्बई

वारीच : 29-1-1986

प्रकृप काष्ट्रं, टी. एन. एस. ------

कायकर क्रोंधनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के नधीन ध्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/21012/84-85- अतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विधि इसमें इसमें इसमें प्रकात् 'उपत निधिनियम' नहा गया है कि नारा 269-च के मधीन समाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कालून है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक है

भौर जिसकी सं० सर्थे नं० 41, प्लाट नं० बी-50, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप में विभिन्न हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, की धारा 269 र ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 7-6-1985

की पूर्वोकत सम्पत्ति के जिला बाजार अन्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिति की गई है और मुओं बहु विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुन्य, जसके क्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अप्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते जन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिकित उद्देश्य से जन्तरक स्थारक सिकित में वास्तविक रूप से कथित बहाँ जिला गया है स--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के रूपीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बरि/गा
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी थन या कत्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्य-कर सिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधित्यम एए धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्रन गीधिनगम की धारा 269-**ध की** उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—— 48—506 GI/85 (1) श्री नन्दलाल शोभासींग लूख्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कालोचरन डी० मखिजानी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्मित्त के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई मी वास्तेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाधा होति हो, के भीलर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरणः -- १ सम्बं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विका स्या है।

भनुषुची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41, प्लाट नं० बी-50, सीटी सर्वे नं० 664, ओणिवरा, विलेज ग्रंधेरी (प), बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ंक० सं. श्रई-2/37ईई/21012/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज-2, बम्बई

तारील : 4-2-1986

मोहर ।

प्रकृत कार्य हो, येग प्रवात------

नावकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 260-य (1) के प्रवीप कृषका

बाइक बहुकार

कार्यानय, बहायक वाधकर वास्त्रव (निक्रीक्रिक)

अर्जन रेंज-2; बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं ॰ अई-2/37-ईई/21013/84-85--अत: मुझें, प्रशांत राय,

नायकर अभिनिनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अभिनिनम' नहा गया है), की दास 269-स के अभीन तकन प्राधिकारी की, यह निरमात करने का कारण है कि स्थानर सम्मीता, विश्वका अचित नावार मुख्य 1,90,000/- रा. से अभिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 41, प्लाट नं० बी-50, भंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित्त है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमल प्रतिकाल के सिए अन्तरित की गई है और बुक्ते वह विकास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूका, उखके बस्यमान प्रतिकाल से, एसे बस्यमान प्रतिकाल का प्रमुख प्रतिकाल से निधक है जोर अंतरक (अंतरकों) और बंतरिकी (अंटरितिकों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रशिक्त निम्मीनितित उच्चेच्य से उन्त बंतरून निम्मीनित उच्चेच्य से उन्त बंतरून निम्मीनित उच्चेच्य से उन्त बंतरून निम्मीनित उच्चेच्य से बन्त अंतरन के सिंहरी के बीच एसे अंतरन वंतरून निम्मीनित उच्चेच्य से अन्त बंतरून निम्मीनित अंतरन नहीं किया गया है रास्त

- (क) नन्तरण से हुई जिसी बाय की बायत उक्त सिंब जिसम के सभीय कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी अवसे वा उत्तरी बचने में तुलिशा के लिए। सौर/मा
- (क) एंबी किसी जान या किसी यम ना अन्य नारिता को जिस्हें भारतीय नायकर निभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर मिनियम, या अन कर नोभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा ने शिए;

कतः थव उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनसरम मं, मं, सकत मीधिनयम की धारा 269-वं की वर्धारा (1) वे क्षीतः, निज्ञतिशिक व्यक्तिवर्धः, वर्षात् हरू 1. श्री बलदेव सोभासिंग लुख्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमीला डी० मखिजानी।

(अन्यरिती)

को कह कुलना भाषी काएके पृष्टीनक कल्पीका के क्षत्रन की विश् कार्यमाहिमा करता हूं 'ते'

बाबत वंगरित में वर्जन भी चंगंध में कोई भी बाक्रेस 1--

- (क) इस ज्वान के अज़मन में अकाशन की तारीय , है 45 दिन की ज़रीभ या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर चुक्ता की तारीम से 30 दिन की बनीभ, को भी वक्ति दान के जनाम होती हो, से भीतर पूर्वोक्त का किसी का किसी का किसी का किसी का किसी का का आप
- (व) वर्ष क्षमा के समयम में प्रकारण की तारीय वे 45 दिन के औतर उन्ते स्थानर सम्पत्ति में हित-क्षम किसी मना न्यांच्य इवास, अभोहस्ताक्षरी के जब निविद्य में हितर था,सकोंगे।

स्पन्तीकरणः ----इसमें प्रमुक्त सन्धों और पकों का, जो उक्त निध-विषय के सम्बाद 20% में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होता, जो उन्न सम्बाद में दिवा पका है।

प्रनुस्ची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41, प्लाट नं० वी-50, सिटी सर्वे नं० 664, श्रोशियरा विशेज, श्रधेरी (प०), बम्बई है।

अनुसूची जैमा कि कि नं भं अई-2/37-ईई/21013/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

प्रकृत बाह्य हो, एवं, एवं , न्यान्य व्यक्त

नायकोर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

नारत तरकाह

कार्गाजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्गत र ज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/21014/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्क निर्मातयम' कहा पता है), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00;000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 41, प्लाट नं० बी-50, प्रधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिस हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड्ड किसी आय की धाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरके के दायित्थ मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के शिष्र;

अतः अब अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराभ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सुन्दर सिंग सोभासिंग लुल्ला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मालिनी के॰ मखिजानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जिल् सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ्र---

- (क) इत भ्वना के राजपण में प्रकाशन की ठारील है 45 दिन की वर्वीप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूवना की तामील से 30 दिन की वर्वीप, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उत्क स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य न्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पाड़ तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41, प्लाट नं० बी-50, सिटी सर्वे नं० 664, श्रोशियरा विलेज, श्रंधेरी (प०), बस्बई है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21014/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रजिस्टई शिया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आफ^{ार} ायुक्त (फ्रिंक्षण) अर्जन रोज—2, बस्ब**र्ध**

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन ् एस . ------

आमंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2 बम्बई

बम्बई, विनांक 4 फरवरी 1936

निर्मा सं० अई-2/37-ईई/21015/84-35--अतः मुझे, प्रणांत राय,

भायकर प्रभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 41, प्याट नं० दी—50, श्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रार इससे उत्तबद्ध अनुभूवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आमकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अभिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतर के दियालय में कभी करने या उससे बचने में सूिशा के किए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधि यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने में स्विभा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अा, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) अधिकारी, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधीत् ६1. श्री प्रकाशं सोभाक्षिम लूल्ला।

(अन्तरक)

2. श्री भागीनदास टी० शाह।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूवत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

यन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41, प्लाट नं० बी-50, सिटी सर्वे नं० 664, श्रोशियरा विलेज, श्रंधेरी (प०), बम्बर्ध है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21015/ 84-85 ग्रौर जो पक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय अक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजें-2, बम्बई

तारीख: 4--2-1986

प्रकार नार्या है, हुन् पुर्व पुर्व क्षा करा कार कार

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ऋँ अभीन स्थान

बाइव ब्रुकाइ

कार्याक्षयः, सहायक आयंकर आयंक्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37—ईई/21067/85–85—अन : मु \hat{H} , प्रशांन राय.

मायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ली सं० इंडस्ट्रियल फेज सं० 3.2, यूनिट नं० आर० एच० 14, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (प०), बम्बई— 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख़

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाक्षार मृत्य सं का के स्थ्यभान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और भृभे वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार बृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिस्ति से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) को अधिक सिए त्य पाया सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अक्षः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट।

(अन्तरक)

2. वीं० बी० भ्रांरगोकेम इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुई ।

उन्त सम्मति के बचैन के संबंध में कोई भी बाओप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीब के 45 दिन की अविधि या तस्त्रंवंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी जबनेष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इक स्थान के राजपण में प्रकाशन की हारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति का हिंदी के यह किसी जन्म व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्याकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदी का, यो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया: गया है।

घनुसुची

इंडस्ट्रियल फेज नं० 32, यूनिट नं० आर० (च-14, जो लक्ष्मी इंडल्ट्रियल इस्टेट, स्यू लिंग रोड़ एक्सटेंगः, स्रंधेरी (प०), बम्बक्कि-400058 में स्थित है।

अनुमुची जैया कि कि० सं० अई-2/37-ईई/21067/ 84-85 श्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> प्रशान राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 4—1—1986

माहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांश 4 फरवरी 1986 जिदेश सं० अई-2/37—ईई/21094/84–85— ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नगरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रोर जिसकी सं० फलैट नं० 24 गौतम वर्णन, अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण का ने विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयमें रजीस्ट्री है, विनांक 7—6—1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का निक्त संपत्ति के किया गर्वे अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर प्रोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, ऐं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ मी उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिस व्याक्तियों, अधीत :-- (1) श्री डी० दास गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री जीस चेरीयन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्परित में हितबहुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभा-वित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्सची

फलैंट नं० 24 जो 5वी मंजिल, गौतम दर्शन की० आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, सात बंगलोज, अधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसुची जैनाकी कर संर अई-2/37—ईई/21094/84—85 प्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 की रजीस्टई किया गया है।

प्रणांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-2-1986

बावकार वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के बधीन ध्वना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक आचकर आयुक्त (जिर्नेक्षण)

अर्जन रैंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/21126/84-85--अतः मुझे प्रशांत राय

समकर सिंधनितम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें अपनात 'उनत अधिनियम' कहा पना हैं), की धारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करवे का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, विसका खिला बाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से सिंधक हैं

ग्रीर जियकी सं० फ्लॅट नं० 201, बेन हूर सी, प्लोट नं० 8 यूनिट नं० 15, अधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है। (ग्रीर इसमें जपाश्वद्ध अनुसुषी में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, खंके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 7—6—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूका से कम के रुपमाल प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कराया है कि ग्रथापश्चेंकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे रुप्यमान प्रतिफल का कर्यह प्रतिकत से मधिक है बौर बन्दरक (जन्तरकों) बौर बन्दरिती (बन्दरितीवों) के बौच एसे बन्दरण के लिए तब पर्या ग्या प्रतिकत निम्नीसित्त उद्देश्य से उन्तर बन्तरण विविद्य में वास्तरिक रूप से क्षित पड़ी किया बन्तरण कि विद्या कर से क्षित पड़ी किया बन्तरण कि विद्या कर से क्षित पड़ी किया बन्तरण कि विद्या कर से क्षित पड़ी किया बन्तरण कि दिन्तर कर से क्षित पड़ी किया बना है द

- (क) बन्तरम से हुई फिली नाम भी बाबत अपत अधिनिकम से वारींग कर दोने में बन्तरक से -दासित्स में अभी संदर्भ था उससे वचने में कृतिया के हैं अप, और/बा
- (क) एकी किसी आय या धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों जास्तीय आय-कर गोधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर जीधनियम, वा भन-कर जीधनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नयां था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विभा जी किस्;

अतः वयः, उपत जीधनियम कौ धारा 269-व सै अप्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्क व्यक्तियों, अधीव :--

- (1) श्रीमती सबीहा फर्काह, श्री फारूक फाकीह, श्रीमती रफीका मिलक तामे श्री रफीक खलील फकीह ग्रीर श्री जमील खलील फकीह । (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश एम० मेहसा।

(अन्तरिती)

कार्र वह कृषणा पारी कारके पृक्षांत्रत स्म्यात्स सं वृद्धंत से क्रिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दनस राज्यित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोस्ट--

- (क) इस स्वतः ते राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 बिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रूचना की तामींस से 30 बिन की वविष, जो भी अविष् बाद में बबन्य होती हो, के शीत्र पृथ्विक व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति हुए। हुए।
- (व) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीवर अवस स्थाप्त सम्पत्ति में द्विस्तवृथ किसी तथा व्यक्ति द्वाच अविद्वासारी के वास निवित्त में किए जा सकते ।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रवन्त सम्बा और पर्याका, ओ उनक बिकिनियम क बच्चाय 20-क में परिभारित्य हैं, यहीं कर्भ होगा को उस जन्माय में दिया पत्रा हैं।

अनुसुभी

प्लाट नं० 201, जो बेन हुर सी प्लाट नं० 8 यूनिट नं० 15 चार बंगलोज श्रॉफ जय प्रकाश रोड, अधेरी (प), अम्बर्ष 400058 में स्थित है।

अमुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21126/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रजिस्ड किया गया है।

> प्रणां∩ राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, **बम्ब**ई

तारी**ख**: 4-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-2/37-ईई/21187/84-85--अतः मुझें, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 18, इमारत नं० 51-की, विंग, सी ग्लीम्पर, मनीश नगर, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारगामा आयगर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 13-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इनके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि जिस्स के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उसते बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, जिल्लाकिसिय व्यक्तियों, अभीन :---

- 1. श्रीमती ग्रेटा रशीद ग्रींग श्री के० ए० रशीद। (अन्तरक)
- श्रीमती उपा जी० अहंजा श्रीर श्री गुलशत टी० अहंजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रबेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसुद्यी

पलैंट नं० 18, जो पहली मंजिल, इमारस नं० 51, बी विंग, सी ग्लीम्ब को-आयं० हाउसिंग सोक्षायटी लिमिटेड, मनींश नगर, वार बंगलोज, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी, (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि सं अई-2/37–ईई/21187/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनात 13-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रकारि शय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिं-2, **बस्बई**

तारीख: 4-2-1986

प्रास्त्य आहु .टी .एन .एस . ------

बायकर वीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सामकार सामुक्त (विद्राक्षक)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/21205/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय.

नायकर अभिनिवम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह गिरवास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रीर जिपकी सं० युनिट नं० एल० भ्रां(र सी० फेज, नं० 25, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (प्रार इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्रव से विणित है), श्रीर 💜 प्रका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 13-6-1985

श्री व्याधित सम्पत्ति के उचित बाचार मृस्य से कव के व्यवसात प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाबाद बुरुव उसमें एरयमान प्रतिकास हो। शिसे इत्यमान प्रतिकास का र्गन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और ्राज़ (अन्तरकां) और अन्त-रिती (अन्तरितिमो) क नीच एसे अन्तरण के निए एय पाया गया परिफल निम्नलियित उद्देश्य से उस्त बन्तरण शिवित में थास्तविक रूप से कश्चित नहीं किया नवा हाँ क—

- (क) बन्तरण सं हाई किसी बाद की वायत्र, उक्त अधिनियम के अभीत कर दाने के अंतरक क वामित्व में कमी कर्न वा उन्नतं नचने में सुनिया
- (भ) ऐसी किसी बाद वा किसी प्रदेश करूप वास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कार श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिभा ये विष्:

लक्षः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की वनुसरण ों, में, शक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) र बधीन , निम्नीलीवत व्यक्तियाँ, वर्धांट 🕮 49---506 G1/85

- ा. मेसर्स कार्मांशयल पेपर इडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरक*)*
 - 2. मेसर्स न्तन कन्स्ट्रनशन कम्पनी।

(अन्तरिती)

को नह सुचना बाही बहुके पूर्वीक्य सम्मरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🏻 🗝

- (क) इस सूच्या के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की जबिध वा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्चनाकी दामील से 30 दिन की म्वभि, को औ वदि विद्यास में समाध्य होती हो, के भीतर पर्योक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकायन की तारींब से 45 किन के बीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी बन्ध व्यक्ति बृवारा, वभोहस्ताक्षरी के पाध सिवित में किए वा सकेंगे।

रम्बरीकरनः ----इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ बहुर पदी का, वर्ष उक्त व्यथिविवयं, के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुति वर्ष होता को उस अध्याय में दिया वया है।

वस्युची

युनिट नं० एल० फ्रांर सी, जो फोज नं० 25, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, न्यू लिंक रोड़, अधिरी (प०), अम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि करु सं० अई—2/37—ईई/2.12.05/ 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 13-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखं: 4-2-1986

प्रकप वाद् .टी.एन.एस. ------

श्रायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यक्षर, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं श्रई-2/37-ईई/21703/85-86---श्रतः मझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-ं रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 206, जो, इमारत नं० ए-29, एंटलांटिक भ्रांशंमेंट, अधेरी (प०), बम्बई-58 सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, तारीख 14-6-1985 को प्वेंयित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कृष्टिस्स में कमी करने या उसने बचते में मुध्यिका के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री सुरेश मलदेवदास खनी।

(ग्रन्धरक)

2. श्री दिसीप भजनदास रोहीरा ग्रीर श्रीमती हेमा दिलीप रोहीरा।

(भ्रन्त रिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसंबे श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां गुरू करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वाग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 200 के प्रिमाणित है, नहीं अर्थ होया के लिस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 206, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० ए/ 29, ऐटलांटिक श्रपार्टमेंट, श्रपना घर यूनिट नं० 3, की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रोशिवरा विलेज, चार बंगलोज श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 सें स्थित है।

प्रमुखी जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ई6/21703/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 4-2-1986 मोहर

प्रकृष् नार्षे ही एक एक न नार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत पुरस्का

कार्यास्य, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज→2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश मं० श्रई-2/37-ईई 21755 84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिल्ली तं प्रतिट नं 26, ग्रीशिवरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण क्य में व्यापत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, तारीख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, तारीख 14-6-1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति की उचित नाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह निश्नास करने का कारण हु कि यथापूर्याच्या सम्पत्ति का उचित नाजार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से निथक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितिया) के नीच एसे जन्तरण के निए तम् नाया गया प्रतिकास, निम्नसिवित उच्च क्यों से उच्च जन्तरण जिन्ति में नास्तियक रूप से कथित नहीं किया नया है ह

- (क) शन्तरण मं हुई किली माय की बाबस, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बारियम में कभी करने या उससे बचने में स्विधा अ त्तर; और√या
- (थ) एसं किसी अथ या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व कंपरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा के लिए:

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्ननिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—— मेसर्स भ्रोबेराय कन्स्ट्रक्शन को०।

(भ्रन्तरक)

2. ग्रात्माराम के० संदर्गानी।

(श्रन्तरिती)

कार यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं:।

उक्त सम्मिति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतड पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वाइड;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रमुखी

प्लाट र्नं० 26, जो, भ्रोणिवरा, चार बंगलोज, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर ग्रई-2/37–ईई|21755|84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14–6–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

प्रकार बार्य 🗷 हों 🤉 एव 🔄 एक ुम्मानामा

वायकर विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वका

भारत चहुकार

भार्यासन, सहायक नायकर नायक (विराधिक) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निवेश सं० ऋई-2/37-ईई/21776/84-85---श्रवः मुझे, प्रणांत राय,

काषक मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मूल्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 308, निर्मन कोटेज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनु सूची, में श्रार पूर्ण रूप में विणत हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 14-6-1985

को पूर्वो कत सम्पत्ति को उचित वाजार मृस्य सं कम के स्वयमन प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरित (बन्तरितियों) के बीज ऐसे बन्तरण के लिए तय पावा यथा प्रतिकात, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक कप से कियत गहीं किया थवा है ट——

- (क) वन्तरण से हुई विश्वी बाव की बावस कवत बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा वे शिष्टु बर्टेड/सा
- (अ) एसी किती बाय वा किसी थन या बना वास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्दरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वें स्विधा के निह;

बत: अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुसरभ को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों अक्ष्रीह :--- 1. कुमारी पम्मी बक्षी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप थंपी।

(अन्वरिती)

को वह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मास के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त ग्रम्मिस के वर्षन के इंबंच में कोई वी बाधेप ---

- (क) इत धूचेचा के राज्यका में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तस्त्रध्यन्त्री व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर जनत स्थावण सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यावश द्वाण अधारण्याक्षण के गक्ष निवित में किए जा सकेगे।

स्वकारक रूप :--- इसको प्रमुखत काव्यों क्ष्यैर धर्वों का, जो उनस विभिन्नियम, के कच्याय 20-क में परिभाषिर है, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

ननुष्यी

फ्लैंट नं० 308, जो निर्मन कोटेज, यारी रोड़, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

स्रनुभूची जैसा कि कि सं धर्म-2/37-ईई/21776/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राम सक्षम प्रधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

वारीख : 4-2-1986

मोहर 🔅

इक्ष्म बार्ड : दी : एन : इक्ष : -----

नायकार वर्षिणियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269 (ग) (1) के मधीन क्यान

ब्राइड बरकार

क्षाश्चांक्षण, **शहायक ज्ञायकार वायुक्त (निर्दाक्रण)** श्चर्जन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/21777/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत प्राथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरबाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, शिसका उचित बाबार भ्रूच 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की रं० पर्लंट नं० 9, गौतम ह्वीय, जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालंथ में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 14-6-1985

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रित्तिक को सिए अंतरित की गई है बाँड मुक्ते यह विश्वास स्तर्भ का कारण है कि ब्याइपॉक्त स्निति का स्रीयत वाधार मृत्य, उसके प्रयमान प्रतिफल तो, एसे स्थमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिकत से बिक है बाँड वंतरक (वंतरकों) बाँड अंत-रिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाय: वैवा प्रतिफल निम्नसिकत स्वृद्धिय से स्वतः वंतरण निवित्त को बास्तिक कम से कवित महाँ किया गया है ह—

- (क) बंदरण वं हुई किवीं मान की नावस, अबंद अभिनियम के अभीत कर दोने के जंतरक के धर्मित्य में कामी कारन या उसस मणने में सुनिधा चे विद्या: धरिन्धा
- (क) इसी किसी जाम मा किसी अन या अन्य कास्तियों का जिन्हों भारतीय साय-कर सिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजरार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चारितए था, छिपाने में समिश्वा के लिए;

अतः अष, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण को, मा. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— ा. श्री दिलीप राम तेलंग

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय प्रभाक्य भंड

(श्रन्वरिती)

को सुद् कृष्टमा आही करके धृष्टीनय श्रम्पतिक के वर्षन के विद् कार्यग्रहिको करवा हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी विकतमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताक्षरी के पास कि उत्तर है। सुरान कराया

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्मुची

पलैंट नं० 9, जो धूसरी मंजिल, गौतम ह्वीय, सात बंगलोज, जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400 061 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37-ईई/21777/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→2, बम्बई

वारीख: 4-2-1986

प्ररूप बार्ड्, टी. एन . एत . ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० प्राई- 2/37-ईई/21795/84-85--प्रतः मुझे, प्रशांत राम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उपित बाजार मूच्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिनको सं० पर्नेष्ट सं० 41, जुबिली दर्शन बिल्डिंग, ग्रंथेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1961 की धारी 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्टी है, तारीख 17-6-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल क लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निवित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मंतरक ते हुई किती आय की याजत, अक्त जीध-नियम के वधीन कर वोने के मंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भार/या
- (श) एको किसी बाय या किसी भन वा अन्य गरिसमों का, भिन्ह भारतीय वायकर जिमितनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अभिनियम (वार्ष प्रकट नहीं किया ज्या था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

 श्रीमती नजलीन ग्रनवर मर्वेंट श्रीर भ्रनवर श्रली मर्वेंट।

(अन्तरक)

 श्री बद्धीन हुसेन खाकू और श्रोमती शमीम बी० खाकू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैट नं० 41, जो, जुबिली दर्शन बिल्डिंग, ग्रागाखान बाग के पास, वर्सोवा, यारी रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/21795/ 84-85 झोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 17-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय प्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

मोहर 🐠

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

भावकार विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कृष्टी पाछा 269-प (1) के स्थीत सूच्या

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/21830/84-35-~श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह, 'उदात अधिनियम' कहा गया है', कौं भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधिह बाजार मून्य 1,09,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० है. इसाग्त नं० बी०, संजर रोड़, शंधेरी (प०), बम्बई में श्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख़ के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्री है, तारीख 17-6-1985

को प्लॉका सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अंशरित को गई है और मृभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रदयमान प्रतिफल के पन्त्र प्रतिकात से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे सन्तर्ण के लिए तम पामा गमा कल निकालित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) बन्तरण से हाई किसी बाय की वाबत, उक्क बीधीनकार के अधीन कर दीने के बन्तरका के वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा निकार क्षेत्र का

अतः अधः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीम, निम्मतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स सामंत एण्ड को०।

(ग्रन्तरक)

2. जयवन्त नरहरी बनावलीकर

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना वाड़ी करके पूर्वीक्त सम्मित्त से अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में की हां भी बाक्षेप ;----

- (क) इस स्वना को रावपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों ५६ स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो और जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्ष्र किसी अन्य व्यक्ति इसरा अधीहन्साक्षरी के एक निवास में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निमम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं कर्ष होंगा, को उस अध्याय में विकास महा ही।

मन्त्रची

प्लैट नं० 8, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० बी, सर्वे नं० 69, सी० टी० एम० नं० 728/4, हिस्सा नं० 7, श्रौर 9, श्रौंबोली विलेज, सीजर रोड़, श्रंधरी (प०), वस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि क० सं० अई-2/37-ईई/21830/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 29-1-1986

प्रकृप मार्दे दी ुं पुन**् पुरा**ः -----

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-मं (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० अई- 2/37-ईई/21837/84- 85--अतः मुझे,

प्रशाँत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-401, गुरूकुपा स्रपार्टमेंट, संघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिनका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के स्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 17-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्ति तियाँ) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में मुक्तिक के निष्; बार/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोज-नार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के तिए;

बतः वयः, उत्तर विधिनियम की धारा 269-व के बनणरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (;) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाहा 1. मेसर्स वैभव बिल्डसं

(ग्रन्तरक)

2. श्री थगल ग्रहमद हाजी

(मन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को अहस्यना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका सम्मति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ::---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वित स्थितियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हिनबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्जारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पदा है

धनुसूची

फ्लैंट नं० ए $-\pm01$, जो चौथी मंजिल, गुरूकुपा ग्रपार्टमेंट एस० नं० 19, एच० नं० 1, सी० टी० एम० नं० 80-81, बीरा देसाई रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37-ईई/21837/ 84~85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 17~6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर छायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-1-1986

प्रारूप आहें.टी.एन.घुच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुवना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/21845/84-85--- अत: मुझे, प्रशांत राय,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किया स्था इसके पश्चात् चिक्त जीपनियम प्रश्न गर्गा ही, की पाक 269-स के नधीन समझ प्रतिस्थारी को यह नियमत काले का कार्य है कि स्थावर संगीति, विस्ताम स्थास गामार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० श्रार्ट गलरी नं० 11, जीतेन को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की घारा 259क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विक्त बाकार मुख्य से कम को करणका गितकल के किए बन्धकित की नई है बार नुभे नह विकास करने का कारण है कि जवान्कोंका वंकित का उचित कारत मृज्य, समये अनवान प्रतिकास से, इंचे कार्यकान प्रतिकास का पत्रकु प्रतिकास से करियक है और सम्बद्धक (बंदकार्यों) कोई बंदबिरकी (बन्दिकार्यों) से दीन होने बन्दारम से किए इस सम्प्र कर प्रतिकास की कार निकासिका उन्होंना से कन्य सम्बद्धण निरीवत में गास्त-निकास का के सीवत नहीं किया सभा है हि—

- (क) सन्तरण संसुद्दं जिल्ली बाल की बावक, उनक वीक्षित्रवन के जभीन कर दोने के अन्तरक के सावित्व में कभी करने या कक्क क्यमें में क्षिणा के किए; नीर/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन वा कंप्य जारितमें को, जिन्ही भारतीय जान-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2?) के प्रवोद्यार्थ वस्तरिती व्याराप्रकट नहीं किया पता वा मा किया वाना वाहिए वा किसामें में कृतिका की सिंक;

1. सुधीर बी० रंगधाल

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रेमावती व्यंकटेश संगाडकर ग्रौर श्रीमती रेखा जमाकाँत संगाडकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनच सम्पत्ति के नर्जन के रूजनम में कोर्ज भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तामीस से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचमा के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-विभी किसी व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास जिबिश में किस् वा सकींगे।

स्वक्तीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्स मीभीनजर्म, के मध्याय 20-क में परिज्ञाधिक हैं, वहीं मर्थ द्वांगा जो उन मध्याय में दिया भया है।

नग्धरी

श्रार्ट गलेरी नं० 11, जो जीतेन को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 95/ए, जे० पी० रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/ $2\frac{1}{845}$ /84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 18-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधानकर आधि श्री स्था , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 4 फरवरी 1986

निवेश सं० अई- 2/37-ईई/21851/84-85--मतः मुझे, प्रशाँत राय.

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 003, वर्सीया चेतना प्रिमायसेस, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 18-6-1985

को पर्वोक्त बंक्पित के तीवत बाजार बुल्प में कम के रूपकाब िरुक्त के किए बन्डिरिश की वह है बीर बुक्ते कह विश्वास कारने का कारच है कि बंबापूर्वोंकत सम्मिति को उचित बाबार मून्य, उसके कावमान अतिकाब में, एवे कावमान प्रतिकाय का रेक्क प्रतिकाब में अधिक है बीर बंतरक (बंतरकों) और बंबरिशी (बन्दिनियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तम पाय। गया प्रतिकास, निम्नीनिवित उप्रवेचम से उक्त बन्दरण सिविष्ठ में बास्तिक कम से किया नहीं विका गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद:

अताः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मः, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की तपभारा (1) के अभीर, निम्मसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् ।— 1. दि मोडर्ने मरकतटाईल वर्क्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती तृष्ता हं गगज बेहल

(भ्रन्तरिती)

न्य यह स्थान। कारी करके पृक्षांकत सम्पत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाधियां करता हो।

बक्त सम्मत्ति के बजर के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेत्र ∽

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन की सबिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीत से ३० विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध कि मी बन्च व्यक्ति द्वार नधीहस्ताकरी के पास विज्ञित में किए वा सकीने ।

स्पक्षीक रणः -----६समं प्रथ्वत भव्यो दौर एक्ट्रे कर, या स्वर्ध अधिनियम के अध्याय 20-क को परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अव्याक्ष में दिया गया ही।

फ्लैंट नं० 003, जो वर्सीया, चेतना प्रिमायसेय को-प्राप० मोतायटी लिमिटड, 142-143, जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी, (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/21851/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनौंक 18-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रज-2 बम्बई

तारीख: 4-2-19856

प्रकम बाह्रो, द्वी , ध्वा, ध्वा

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीकाण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनाँक 4 फरवरी 1986

निवेश सं० **भई**- 2/37-ईई/21**8** 52/8 4-8 5--- श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंट जिसकी गं० पर्लंट नं० 118, सकारी आधाडी नगर, अधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे एएवड़ अनुसूची में और पूर्ण करा ये विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269व ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिकस्ट्री हैं तारीख 13-6-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त वर्षिनियम के लधीन कर दीने के बन्तरण के क्वियर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (च) ऐसी किसी लाय या किसी भन या जन्म जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः वनः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नन्तिक्ति व्यक्तियों, अभीतः :--- 1. श्री एस० पी० जल पटल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनसूरी उसमान गानी तूर महम्मद ग्रौर श्री मनसूरी ग्रब्धुल लतीफ तूरमहम्मद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन के ः कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच छं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाया, अधोहस्ताक्षरी वं पास निवित्त में किए का स्कोरी

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

पलैंट नं० 118 जो झकारी श्राघाडी नगर नं० 1 को॰ श्राप॰ हाउसिंग सोशायटी लिमिटेड यारी रोड़ वर्सीया श्रंधेरी (प०) बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37-ईई/21852/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 18-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. बम्बई

तारीखा: 4-2-1986

वक्त बाह्र'ः को ् प्रमुक्त एव ज ----

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन ब्यान

State Contract

कार्याक्षय , बहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

निदेश सं॰ **शई**- 2/37-**ईई**/21872/84-85--श्रतः मुझे प्रशाँत राय

नायकर अर्थिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पक्षां 'उकत निभिन्नमं' कहा गया हैं), की भारा 269-क में मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00, ∩00/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 27 जो मिलन धारा को०-ग्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेश ग्रंधेरी (प०). बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 18-6-1985

को पूर्वोक्त तस्पील के उचित बाजार मून्य से कम के करवमान प्रतिकत के निए अन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विकास अरने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत से एसे क्षममान प्रतिकत का अन्तर प्रतिकत से विधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया अतिकत, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में भास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण ते हार किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; और/बा

वतः वतः, उत्ततं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भो, भी, उत्ततं विधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित स्थानितयों, अधीत् :--- 1. मैं० भूटा इन्बेस्टमेंटस,

(भ्रन्तरक)

2. श्री विनोद भीमजी कोठारी

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीं के के 45 दिन की संविध या शर्सवंधी व्यक्तियों पर स्वा की शामीस से 30 दिन की अवधि, को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकारण की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वयुष किसी कम्य न्यक्तित स्थारा, वभोइस्ताक्षरी के राज विवित्त में किए जा सकते ।

स्वाकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्यों का, जो उक्त किंप-निवम के सध्याय 20-क में परिकारिक है, बही कर्ष होंगा. जो उस सध्याय में विया स्व।

यनुसूची

फ्लैट नं० 27, जो, मिलन धारा को-स्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्राजाद स्ट्रीट, गोदबंदर रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा कि कि सं भ्रई-2/37-ईई/21872/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 18-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 4-2-1986

प्रकथ आई.डी.एन.एस.-----

क्रायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निर्धांकण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/21932/84-85--श्रतः मुझे, प्रमाति राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पर्लंड नं० 304, इमारत नं० 22, श्रंधेरी (प०), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से निभक्त है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय वाबा प्या प्रतिकृत्क , निम्निकिशित उद्योग से उक्त जन्तरक निम्हित में बास्तिक क्ष्ण से कार्यक के किए तय वाबा प्या प्रतिकृत्व , निम्निकिशित उद्योग से उक्त जन्तरक निम्हित में बास्तिक क्षण से कार्यक नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविध् के सिए;

कतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री झियाउदीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

श्री हफीज नूर महमद मर्चेंट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थानतमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीषर पूर्विकत स्थानतमों में से। हसी स्थानत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर अवस स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्ष दिल्ला में कि ये जा सकीं।

स्यष्टीकरणः ----इसमे प्रभूक्त शब्दों और पदौ का जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अब होंगा जो उस अध्याय में दिया गबर हैं।

म्रनुसूची

पलैंट नं० 304, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं० 22, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, ग्रधेरी, (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं श्रई -2/37 $- \frac{1}{2}$ = 2/37 = 2/37 = 1/37 को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक = 21 = 6 = 1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज-2, वस्बर्ध

तारीख: 29-1-1986

बस्य क्ता.टी.एव.एव.-----

नायकर अभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीत सुचना

भारत सरकार

क्तर्यां स्वयं सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986 निवेश सं० अई- $\frac{2}{37}$ -ईई $\frac{21933}{85}$ - $\frac{86}{-237}$ -प्रशाँत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- ग्रास अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लप्ट नं० 502, जो, इमारत नं० 22, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं, नारीख 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के सबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह जिन्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार अन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उज्ले अन्तरण विकति में वास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत. जनत कांभिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे यवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या फिसी धन पा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तरा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फियाने में स्विधा से सिक्ट:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) ■ अधीर: रिज्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री भीयाउद्दीन बुखारी।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती यस्मीन महमद हसन खलकान।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 बिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी त्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरपाक्षरी के पास जिल्ला में किये जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गमा हैं।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 502, जो पाँचवीं मंजिल, इमारत नं० 22, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, श्रंधरी (प०), अम्बर्ध-400058 में स्थिन है।

श्रनसूची जैसा कि कि० सं० श्रई -2/37 - हैई /21933/84 -85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 -6 -1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-2, बस्बर्ष

तारीख: 29-1-1986

प्रस्थ आहे. ही. एन. एवं. - - --

शाधकर अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन **सुचवा**

भारत सरकार

कार्याक्रम, सङ्घयक जायकर जानुकर (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

अक्षा (क. 2.), वाका अम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986 निर्देश मं० ग्रई-2/37-ईई/21971/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, वर्सीवा नीराकर सोसायटी, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 24 जून 1985

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिक्रस के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास त्रे का कारण है कि यथापूर्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्य, उसके इश्यमान प्रतिक्रत से, ऐसे इश्यमान प्रतिक्रत का ब्राह्म प्रतिक्रत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और ज्वारिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गद्या प्रतिक्रत, निम्हिसिसित उद्विषय से उक्त अन्तरण के सिए तब विश्व के बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उकत अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसरों भाषाने में सृष्टिया के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनिधम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनिसित स्पिक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री पी० एम० थोमस

(अन्तरक)

2. श्री गुलाम श्रव्यास श्रार० बदामी

(भ्रन्तरिती)

को बह स्थान आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के तर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्बक्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान की राजपत्र वें प्रकाशन की तारीक तें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवेक्ति स्थिक्तयों में से किसी स्थिक्त क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इतमें प्रयुक्त सम्बाधित पर्यो का, को अक्का अधिनियम, को अध्याप 20-क में परिधाविका ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

मनस्परि

पर्लंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, वर्सोवा निराकर को०-ग्राप० हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 9, सी०टी० एस० नं० 1309/9, जे० पी० रोड, मात बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं० श्राई-2/37-ईई/21971/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 4-2-1986

प्रकय आहे. टी. एन. एस., ------

ा श्री जियाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

2. श्री मैयद शाहाबृद्दीन सैयद उसमान । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेजि-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्रई- 2_| 37श्रईई| 22053|8 4-8 6--श्रतः मुझे, प्रशांत राम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 303, इमारत नं० 21, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, सक्षम श्रीधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री हैं तारीख 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखिठ उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अधिनियम, या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वियो के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्फान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

पलैट नं० 303, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोधेणवरा विलेज, श्रंधरी (प०), वम्ब-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/22053/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-1-198**6**

भूषण् बाह्यं हो. पुष्य पुष्य व्यास्त्र

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंभीन मुख्या

कार्योलय सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंजें →2, सम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निवेश सं॰ भई-2/37-ईई/22116/84-85--मतः मुझे मशीत राय,

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (निर्मे इसमें इसके परभाद 'उन्त निर्मानयम' कहा नया है), की वास 269-क ने निर्मान सक्षम प्राधिकारी की, यह निरमात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नावार मूख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० शाप नं० 2, जुबिली मैनर बिल्डिंग क्सोंबा, श्रंधेरी (प०), बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्दी है, तारीख 28-6-1985

को प्रॉक्त सम्मति के उणित नाजार मृत्य से कम के दश्यान इतिफस के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह निश्नास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्मत्ति का उणित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के स्पित्य पादा प्रमा इतिकृत निम्नलिवित उद्देश्य से उन्त बन्तरण किवित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी नाय की नानत, सन्तर बीच-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक भी सामित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविभा के लिए; बीर/वा

बंत . लग. उनत बिधिनियम की धारा 269-म के बन्दरण के, के, धनत बिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है बचील निम्निसिचित व्यक्तियों, तथित है—— 51---506 GI/85 1. भी धक्बर तहेरभाई होतकावाला।

(पन्तरक)

2. भी विनायक चींतामनी नारवेकर।

(मन्तरिती)

को वह सूचना नारी करके पूर्वाक्य संपृत्ति के वर्तान के जिल्ला कार्यवाहियां कुक करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की बद्धि, को भी प्रधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतत प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वातः;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी की पास विक्रित में किस वा सकोंगे।

नगुसूची

शाप नं० 2, जो तल मंजिल, जुबिची मैनर विलिखन देवशीवाडी, वर्सीवा, श्रंधरी (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/22116/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 24-2-1986

दिर्देश

प्रकार भार्षी, की. व्या. एवं .-----

माय्कार आभिनिधन, 1961 (1961 का 43) की विद्या 269-म (1) के अभीन सूचना

STREET STREET

कापासन , सङ्घापक कामकर बाध्यक्त (निरोक्काक)

प्रजंत रेंज-2, बन्नाई वावई, विभाग ६ फालरी 1986 मं० प्रडी-2/37-ईई/20061/84-85---फ्रतः

मुझे, प्रणांत ाय आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'ज़क्त सोधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्टास शिथिकारी की, सह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाकार मन्य

1,00,000/- क. से मियत हैं
और विक्रित ं क पर्नेट नं विक्रित स्टर्लींग दायर, अंधेरी,
(प), बच्चई-58 में स्थित हैं (और इसने उपायद्ध प्रनुसूची
में और पूर्ण का ने घणित हैं) और जिसका करायामा
प्रायकर पितिसम की धाना 269 क. ख के
प्रवीत सजम प्राविकारी के कार्यालय, वस्त्रई में रिविन्ही हैं।
तारींख 1 जून 1985

का क्यों कर सम्पास के उधिक नाजार मुस्य में काम के दश्यमार प्रिथिक के लिए अन्तरित की गई है ज़ीन मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उधिक स्वकार भूल्य उत्तरे दश्यमान प्रतिकास की एपेड दश्यमान प्रतिकास का प्रमुद्ध प्रतिकास अधिक है गौर जंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे जंतरक के सिए सब अभा नया प्रतिकास, निम्मिसिसित उद्वेष्ट्य से उस्त अंतरक किसित माँ नाम्परिकार का से किसिन गर्नी किया थया है

- (ला) बरुएका ले शुद्ध फिली बाध की रामल ठकर स्थितिश्रात्र में अभीन कार होने को अल्लाह के को राटका में रुक्ती कारण ए एकाचे उचार्य में मुक्ति १ । तहा, और/या
- (अ) एपर जिल्हा आप यर जिल्हा प्रमुख अपिनानी का, प्रिक्त भारतीय आनकर जीनिनयम, 1922 (1922 का 11) जा उन्तर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम १९५७ (1957 का 27) के प्राचनाम जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाए साहिए था, हिल्ला में साज्या के शिव:

अतः अन्. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिक व्यक्तियों, अधीन '---

- 1. मैसर्स भार० जी० बिल्डर्स प्राप्तवेट लिमिटेड। (१८७८रक)
- श्रीमती सुगीला एन० चंदन और श्री जगदीण एन० चंदन।

(धन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करनी पूर्वोक्त संपरित के नर्चन को लिए कार्यवाहिना करता हूं।

इस्स सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में करोड़ें भी काकोप :---

- (क) इस स्वान का राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधि मा सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, वो भी अविधि काद मां समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट अभितयों भें से किसी व्यक्तिय देवार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के 4.5 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवब्ध किसी अन्य काक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के बाब जिला को किए जा सकी गं।

स्थव्यक्षिपण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थी खेक्त जीभीनयम के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, बहु वर्ष होगा को उत्त अध्याम में विधा नवा ही।

वम्स्ची

फ्लेट नं० 1404, जो चौदवी मंजिल, एटलींग टाथर, प्लॉट नं० 30, फ्रॉफ जब प्रकाग रोड़ चार बंगलोज के पास, अंबरी (प), बंबई-400053 में स्थित है।

प्रमुपूर्वी जैसाकी कर संर प्रार्थ-2/37/20061/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वश्मद्दे द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रभात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीखाः 5-2-1986

म्बन् बार्'ा ही पुन , पुन् ----

नामकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वान

बार्ट सहस्रा

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज-2, बम्बई बस्बई, विनाय 4 फर्बरी 1986 निर्देश सं० भई-2/37-ईई/20909/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रूपये वे अधिक हैं

आंर जिसकी सं प्रलेट नं 101, बूक्सींट लोखंडवाला कोम्टतेरत अंग्रेरी (प), बरवई में स्थित हैं (आंद इसने उपाबत अनुपूर्वा में और पूर्ण रूप से विणत हैं) आंद जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, की धारा 209क, ख के अधिन सअम प्राधिकारी के कार्यालय, बरवई में रजिस्ट्री है तारीखें ्य जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रों यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नसिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्रा, हैं :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार्ड/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के किए।

अशः अवः, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ए के निन्सरण को, मी, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ए की उपभारा (1) को सभीन, निम्निसिख व्यक्तियों अर्थातः— श्री केवसीया जीव्हास।

(श्रन्तरक)

2. श्री ललीया जै० घार्सीका।

(भ्रन्तरिती)

মন্ত্রকা।

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभीए में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूजीक्त सम्पांस के बजिन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता है? ।

जन्म सम्पत्ति के जर्जन क सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्थाय दे तत्सम्भूषी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समान्त होती हो, ये भीतर पूर्वेकिर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इंगाएं:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कर स्थावर उपित्य मों हिएबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखिय मों किए जा सकीं।

ल्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और धर्म का, जो सक्त अधिनियम के अध्याद 20-र में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता को कस लच्याय में विका पर्या हैं।

नम्सची

पनेट नं 101, जो पहली मंजिल, जूकलीय लोखंडवाला कोम्प्लेक्स, जार अंगलीम, आधित्रका, वर्सोचा, अंधेरी (प), बरुवर्ष-400058 में स्थित है।

श्रमुपूची नैसा कि एक एंड एई-४/०७-६६/20909/ 84-85 और जो मझम पालियारी, अवर्ष्ट द्वारा किलंब 4-6-1935 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राघ सक्षम प्राधिकारी सक्षयक प्राधकर पायुका (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

तारीख: 4-2-1986

शस्य नार्षे, टी. एम. १४

बावकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) मी वारा 269-व (1) में ब्रोन ब्युना

ब्राह्य पहलार

भावनिद्यः, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निद्राक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौक 4 फरवरी: 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20911/84-85---अतः मुझे प्रशांत राय,

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवाद 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में बधीन सक्षम प्रधिकारों को, वह विश्वास करने का सरण हैं कि स्थापर संपत्ति, जिसका अधित वाषाह कृष्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 51; में श्राधा हिस्सा वसींचा सी साइड प्रमायसेस अंधेरी (प) बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्स्ट्रा है तारीख 4 जून 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के स्थित नाकार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनाँक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का वृत्स् मृतिकत् से नौभक है नौर नृत्तरक (नृत्त्ररकों) और संतरिती (सन्त्रियों) के बीच एसे अन्तर्क के निए तब नावा पना प्रतिकल क्य निम्मविक्ति स्वार्थित से उसक कन्तरण विकित के जनक्षिक कप से कथित नहीं किया ग्या है ह—

- कि समाहत्व वे हूद कियी बागू की वान्त्, क्या व्याप्तिका के स्थीत कर दोने के बन्दरक के कीमाल के कभी करने वा बढावे क्याने के व्यापता के जिल्हा, होद्द/का
- (क्), एरेडी किसी आयु मा किसी थन या अस्य आहित को को , जिन्हों भारतीय नाय-कार निधिनयम , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम , या थन-कार निधिनयम , या थन-कार निधिनयम , 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनाथ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का वा किया जाना लाहिए जा , कियाने में सुविका के लिए;

बद्ध या उपर निर्मिषय की पाछ 269-य के वस्त्रप्य के, की, उनके समिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के तथीन. निर्मितिसत व्यक्तियों, स्थित र—

1. श्रीमती शंशी ओ० कपूर।

(भग्तरक)

2. श्रीमती शम्मी ओ० कपूर।

(भग्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के बिए कार्य-गाहियां कहता हुँ।

क्या बन्गीत से वर्षन के बन्दन्य में कोई भी वासीपर---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनीब वा ब्रह्मनन्धी व्यक्तिकों दूर स्थान की तातीब के 30 दिन की व्यक्ति, को धी बनीब ना में सनाख होती हो, के भीत्र पूर्व विश्व व्यक्तिका महिन्द होती हो, के भीत्र पूर्व विश्व व्यक्तिका महिन्द होती हो, के भीत्र पूर्व विश्व व्यक्तिका महिन्द हनारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कमित में दिन्द्रवृष् किशी जन्म व्यक्ति द्वारा नथोड़ स्ताक्षी के शक्ति स्थावत में किए वा क्केंने के

लक्षां करणः - इसमें प्रमुख्य कर्जी श्रीप्र एवं श्री हो कर्या व्यक्षितियम्, के स्थान 20-क में परिशासित हैं त वहीं सर्व होगा को उस सध्यास में किया नया है है।

पन्पूची

पलेट नं 51 में श्राघा हिस्सा, जो पांचवी मंजिल, वसीं सी-साइड प्रीमायसेस को आप हाउसिंग सोसायटी, प्लोट नं 37 जेपी रोड, अंधेरी (प), धम्बई-400066 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा की कि० सं० प्रई-2/37-ईई/20911/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> प्रयात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-2-1986

शक्त बाह्^र्टी, एन , एच_{्य}क्तानन करण

भारकर कीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायूक्त (निरीक्ण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 4 फरवरी 1986 निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/20924/84-85----मतः मृसी, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतजें स्थाने वस्थात् 'उन्द अधिनियम' स्था नया हैं), की धारा 269- व क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मति, विस्का उचित बाबार जून्छ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंदि जितकी सं० पजैट नं० 702, सी बीज, वसींपा, अंधेरी (प), बन्वई-61 में स्थित है (और इससे उपायद श्रनुस्नी, में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारणमा भाष कर श्रिक्षित्यम की धारा 269क, ख के श्रिक्षत सक्षम प्राधिकारी के कार्योत्तम, बन्वई में रिजर्ट्री है तारीख 4 जून, 1985 को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवनात श्रीक्षम के सिए कसारित की गई है और मुझे यह विश्वात कर वे का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के राज्य श्रीक्षित से विश्व है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से सिए वस वाच क्या श्रीक्त के वस्ति कम से स्थान का प्रतिफल के सिंद क्या वाच श्रीका के बीच एसे अन्तरण से सिंद वस वाच क्या श्रीका के वाच्य विकार में वाच्य विकार के वाच वाच वाच्य विकार के वाच वाच्य विकार के वाच वा

- (का) जन्तरण से शुर्व किसी जाय की वाशत समत जहिंद-दिवस के क्यीन कर दोने के जंतरक के समित्व में क्यी करवे या उससे नचरें से समिया के सिंह; क्या/का
- (क) इसी किसी वास या किसी वन या अन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय सामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विभिन्नियम, वा वक्कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ब्राना जाहिए था, छिपाने वें सुविधा छै खिए;

बाद वय, उस्त विधिनियम की थारा 269-य से अमृबद्ध में, में, उस्त मिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित अयिवतरों,, अर्थात् :---

1. श्रीमती फरीवाबाई हसमधली लखानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भारत कुमार सपारीया।

(भन्तरिती)

की बहु श्रृषमा जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन है सिंहू कार्यमाहियां करता हो।

जनत सुरपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस स्थान में राजपन में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की जब्धि या तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की जब्धि, को भी जब्धि बाद में स्थापत होती हों, के बीवर प्रोंचक व्यक्तियों में से दिस्सी क्विस् बुगास;
- (क) इस स्थान के राज्यन के प्रकारन की सारीन्य से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्म न्यन्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के नास विक्रित के किस् का सकते।

अन्स्ची

फ्लैट नं॰ 702, जो सातवीं मंजिल, सी बीज, जे॰ पी॰ रोड़, चर्सौवा. सात बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/20924 84-05 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टडें किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैत रेंज-2, बन्धई बन्धई, विश्वंत 4 फानरी, 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/20925/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीट जिसकी सं पर्लंड नं 701, सी भीज, वसींत्र, अधेरी (प), बंबई-61 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), जिसका करारनामा आपनर अधिनियम की धारा 200क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्योज्य, बण्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंदित में भारतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिंदित में भारतिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री हसनघरी राजाबाली लजानी।

(प्रन्तरक)

2. श्री भारत कुमार तनिरीता।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकावन की गराच से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति र हितवय्थं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का का उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

जन्स् ची

पलैट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, सी० बीज बिल्डिंग जय प्रकार रोड़, सात बंगलीज के पास, वर्सीवा, अंधेरी (प); बम्बई-400061 में स्थित हैं।

श्रमुखी जैसा की कि० संदे श्रई-2/37-ईई/20925/84-35 और जी सक्षम प्राधिकारी, बन्दई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

सारीख: 4-2-1986

प्रक्ष बार्ड . ही . एव . एस . --------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के सधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आमकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन र्रेज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 4 फरवरी, 1986

्रिवर्षेशः सं० ५६-2/37-६६/20949/84-85---५५तः मुझे,

प्रशांत राय

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,00€/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संग्यान नंग्य, ए, बिल्डिंग, पीस अपार्टमेंट, अबेरी (प), बन्नप्रे 61 में स्थित है (और इसने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण कर से पिता है), और जिसका करार तमा अवस्थर अधि रिम की धारत 200 के. ख के अबी। बन्नप्रे स्थित सक्षम अधिकारी के कार्याकर में रज़िस्ट्री है। दिनांक 6-6-1985

त्र्यं प्थेंक्त सम्मत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देष्य से उक्त अंतरण लिश्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (फ) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर भिनयम, 1957 (1957 का 27) फे प्रयोधनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के श्रीए;

् सतः सन्, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरणी मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

(1) श्री नर्वान चन्त्र कें० घरोड़ा।

(प्रस्तरक)

(2) कुमारी नीना सहीलस्मानी और कुमारी रोमी मोध्या।

(भग्वरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भविध या तत्सं संभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरणः --- इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, को उपत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

नन्सूची

गाँप नं० 7 जो तल मंजिल: ए बिल्डिंग पीक अपर्टेमेंट सात बंगलो गार्डिक पर्सोषा रोड. प्रधेरी (प), बज्बई 400061 में स्थित है

श्रमुत्त्वी जैसाकी क० सं० कई-2/37-ईई/20049/ 84-35 और जो सजन प्राधिकारी बन्द्रई द्वारा दिन्तक 8-3-1935 को रवीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राघ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रैंज-2, बस्ब्रह्

तारीख: 4-2-1986

प्रस्प बाह् हो पुन-पुष् अन्यन्तरस्य

नायकरं निधिनयम्, 1961 (1961 का 43), की भूषा 269-म (1), के मधीन सूचना

भारत बरकार

कार्याक्षय, बहायक आयकर बायुक्त [निज्ञाक्षक]

मर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1986

िर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/20950/84-85-⊶ग्रतः मुझे, प्रकृति राय

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मुक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पत्तैद नं० ए/17, जीत नगर, घ्रसींवा, अंधेरी (प), बज्बई-01 में एयत है (और इससे उपाध्य प्रमुक्त में आर पूर्ण रूप से धांगत है) और जिसका करारनामा प्राप्तकर अधितिम की धारा 269क, ख के अधीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बज्बई में रिजार्ट्स है वारीख 6 जून,

का पूजोंक्त सम्पत्ति के उपित जाजार मुक्य से कम के दण्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुस्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से एसे दण्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के सिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निशिचित उप्योच्य से उक्त जन्तरम निचित्त में वास्तरिक क्य से कचित नहीं कमा गया है है—

- (क) अन्तरण से कुई किसी नाय की बाबता, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक के बाबित्य में कमी करते या उससे बचने में सुविधा दायित्व को लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाव या किसी भन या अन्य जारिसवाँ को विक्त भारतीय सायन्त-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में बुनिश्न में नियु:

बतः जय, उनत जीपनियम की पास 269-ग के बनुबरण वी, मी, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) वे जधीन विस्तितिवास गारिक्तार्थे स्वाति हा--- 1. श्री जी० के० घोबल।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती तेरेजा बी० लेलीस और श्री कस्तूर बी० सी० तेलीस।

(मग्वरिवी)

को यह तुचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति **छै अर्थन के निवय** कार्यवाहियां करता हुं।

बन्ध सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, वो बी अविधि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की वारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर हम्पति में हिंद- बद्ध किसी जन्य स्थावत द्वारा, वधाहत्वाक्षरी के वास किसिक्त में किए जा सकी वे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, को सक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा गया ही।

वन्स्वीं

फ्लैट नं० ए/17, जो तिसरी मंजिल, जीत नगर, जय प्रकाश रोइ, क्सोंका, अंधेरी (प), बंबई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर संर अई-2/37-ईई/20950/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई क्रांस दिन्तक 6-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बस्बई

त्तारीख: 4-2-1986 भोहर:

प्रकृष् कार्यः ही. एनः एवः ------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

STOR CENTY

शाबीतन, रहायक जायकर बान्यक (विद्रांतिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1986

निर्देश मं० श्रई-2/37-ईई/20957/84-85~-श्रतः मुझे, प्रशांत राय

नावकर गरिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इक्के प्रशास 'उक्स मिथिनम' नहा नया ही, की बास 269-क के मधीन, सक्षम ग्रीधकारों को, यह विक्थास करने का कारण ही कि स्थानर कमिस, जिसका श्रीचत बाचार बस्च 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-37, हिरामनी को० प्राप० विश्वासन मोसायटी लिमिटेड अधेरी (प), वस्वई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाघद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप में वांणत हैं), और जिसका करारनामा प्राथकर प्रधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रिजिस्ट्री हैं नारीख 6 जून, 1985

को प्रवेविश सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के श्रव्यक्षण प्रतिकास को निष् बन्दरित की गई है बार मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि ग्रवापुकों नेत संपरित का अधिक सामाय मुख्य, उसके कावमान प्रतिकास से, एते कावमान प्रतिकास का संबंध प्रतिस्थत से बिधक है जीर जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरक के सिए तम बाबा बना विश्वास , विश्वासिक उद्वेविष से स्वत्य क्यारण जिस्तिक के बीच एसे जन्तरक को सिए तम बाबा का

- िक्ष) अनुसरम् सं हुन् जिल्ली शाम की नामक स्थ्यक्ष अनिविध्य वे स्थीय कार योगें की अन्याधका औं दायित्य मीं कमी करने या उससे अपने मीं सृविधा को लिए; स्थीर/४)
- ा एसी किसी आग या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-धर ब्रीधिनियम, १५:0 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, अप अन-कर अधिनियम, अप अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुनिधा जे सिक्ट;

शतः तथः, उत्तरं विधिनियमं की बारा 269-गं के बनुस्रण डो. थी जित्रतं विधिनियमं की भारा 269-वं की स्पनादा (1) कं अभीज जिल्लीविका व्यक्तियों, सर्वाक् क

52 -- 506 GI / 85

1. श्री एत् एत सम्बार्ता।

(श्रन्तरक)

श्री जी० एम० कतारीथा।

(अन्तरिती)

अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह क्षता बादी कारकै पूर्वोक्त सन्तरित के अर्थन के "कर कार्यवादियां एक करता हो।

उक्त बन्नित्त के बर्चन के बन्नन्थ में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इंड शूजना के राज्यम् में प्रकाशन की टारीय से 45 किन की व्यविध वा राज्यमन्त्री व्यविद्या पर सुख्या की डावीय से 30 बिन की व्यविध, जो भी अव्यविद्या में से किसी व्यविद्या स्थात:
- (क) इस सचना के समयन में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भोतर उक्त स्भावत सम्पर्तित के जिनसद्ध किसी बच्च क्यांक्त युवाय नपोहस्ताकारी के जल लिखित में किए जा सकती।

स्पष्कीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

भनसूची

फ्लैंट नं० डी-37, जो हिलामनी को० घाप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 46 दादाभाई एक्स रोड़, नं० 2, अंधेरी (प), तस्वई-400058 में स्थित है।

अनुसूती जैसा की कर मंद्र अई-2/37/20957/84-85 और जी सजम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पानीत राय स्थान पाधिकारी सहायक श्राथका आयुका (तिरीक्षण) श्राचन रेंन-2, बण्**वई**

नारीख: 4-2-1986

 श्री जोतेक पौल गोत्रसालवीस। प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.------

(अन्तरक)

2. श्री विषत पौल अगरवाल।

(अन्तरिती)

माथकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (विरक्षिण)

अर्जम रेंज-2, बम्बई धम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

मिर्देश सं अई-2/37-ईई/21070/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'अक्त निधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/-रा. से विभक्त 🗗

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, अमर को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (भौर इससे उपायन अनुसूची में भार पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीखा ७ जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यक्राल प्रतिकास के निए बन्तरित की गई है और मक्षेत्रक विक्यास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकाँ) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे भन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🌣 🖰

- (क) अन्तरण सं**हर्ष किसी अ**ा की प्रायतः, जबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (**क) एसी किसी जाय** या किसी धन अस्य **जास्तियाँ** न्त्रं जिन्ह्यं भारतीय नायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धाराकिए बानाचाहिए था खियाने में सकिया के लिए;

बत: वन, उन्त अधिनियम की अपन प्रदेशनों के क्राय्यक में, में, उक्त कांधनियन की धारा 269-व की उपधारा (1) 🗣 अभीतः, निम्नालिबित स्टेन्स्स्मेः अर्थात् 🖫

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंच :--

- (क) इस सचनाके राजपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 विंत की जनभिया तत्संबंभी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बर्बाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तकारमः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त विभिनियमः के वश्याय 20-क में परिभागित है, बही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 301, जो तिसरी मंजिल, अमरको० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सात बंगलोज , जे०पी० रोड़, स्रंधेरी (प), बम्बई -400061 में स्थित है।

अन सूची जैसा िंह ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21070/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांध राय सक्षम प्राधिकारी राहायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप शर्हा. टी. एन. एत.-----

पित्राक (1061 (1061 का 42) क्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन श्वना

भारत तरकार

कार्याजय, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांज 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अ**ई**-2/37-ईई/21232/84-85---अतः मुझे,

प्रशांत राय

बायकाड विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विशे इंचके इंचके प्रवात 'उन्त किधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 302, एटलांटीक बिल्डिंग, अपना घर युनिट नं० 3, अंधेरी (५), बम्बई-58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जित्तका करारमामा आयकर अधिनियम की घारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है कारीख 13 जुन, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बावार मृत्य से कम के अवनाम आत्फल के लिए अन्तिरित की गई आप मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि वधा- पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के मिए तय पासा गया प्रतिफल निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है --

- (क) क्रम्सरण सं हुई किसी शाय की सावत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्ष; और/या
- (था) ऐसी किसी बास या किमी धन या अन्य बास्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वतियम, विश्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री जय कृषन सीलवा।ल

(अन्तरक)

2. श्री हरीश नथीरमल परीयानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह बुच्ना बादी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्णन के सिवे स्वर्वनाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के बंबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के खबपज में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर वृत्तींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (व) इस सूचमा के राज्यक में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकने।

रमख्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पर्दों सा, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याध से १९४१ पदा है।

भनुसूची

पलेट नं० 302, जो तिसरी मंजिल, एटलांटी क बिल्न्डिंग, अपना घर युनिए नं० 3 को० आप० सोलायटी लिमिटेड, चार बंगलोज रोड़ हैं सामने, श्रंधेरी (प), धम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसुची जैला की ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21232/ 84-85 और जो लक्षम प्राधि गरी, अम्बई द्वारा दिक्तांत 13-6-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> त्रकात राम जनन प्राप्य निरी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बर

तारीख: 4-2-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, घम्ब**ई** बम्बई, दिनांज 4 फरप्ररी, 1986 निर्देश मे० अई-2/37-ईई/21711/84-35---अनः मुझे, स्रांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर निसकी सं० फ्लेट नं० 7, इमारत नं० 39, गुरू नगर, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य ने बिणा है), श्रीर क्यांत करायन नामा नायकर अधिनियम की धारा 2097, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिस्ट्री है नारीख तारीख 14 जून, 1985

को पूर्वेदिस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से जम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई हैं और ्राम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, रसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तर्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्सरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त नियम के अधीन क्षर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृशिधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने में सृविधा के लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269 म को उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- श्रीमतो दौलतबाई हसमभाई के० मर्चेट। (अन्तरक)
- 2. श्री अगन्नानी महमद शकील मूसा ग्रीए अगन्नानी महमद रफीक मूसा।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिध बाद मो समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (श्व) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधे हस्ताक्षरी के णस लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, हो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्या में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं० 7, जो बहुनी मंजित, इमारू नं० 39, गुरू नगर, चार बंगलोज, वर्मोवा रोड़, श्रंथेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-2/37-ईई/21711/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> प्रजान पाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

वारीख: 4-3-198a

ं प्रका बार्ड .टी . एन . एस-------

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के विभीत सूचना

भारत तर्कार

कार्यालय, सहायक नायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जाः रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अ**ई**-2/37-ईई/21757/84-85---अन: मुझे, प्रशांच राय

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धाव 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावह सम्वति, जिसका उचित वाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जितको संश्याप नंश 14, तमिता अताट्मेंट, श्रंधेरी (प), ब बई-58 में स्थित है (स्रोर इससे उपावड अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री है तारीख 14 जून, 1985

कां पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दर्शित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उषित काजार दूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म, इद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबिक्त छड्डिंस से उक्त अन्तरण सिवित में नास्तिक कव वे किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1937 (1937 कर १८) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना किहर जा, जियाने में सुरुविधा के जिए;

अत: व्या, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के व्योग, निम्निशिकत व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेजर्स विमेल क्लस्ट्रनशन की०।

(अन्तर्घ)

2. श्री अतिल कुमार प्रेमनाथ कुमार।

(अन्भरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्भीस की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पान के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्ञपत्र में प्रकाशन की गरीस में 45 दिन की बनीध या तत्त्रभ्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किती बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोह्स्लक्षरी के पार निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यच्यीकरण:--- (समी प्रयुक्त कम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, क्डी अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गरा ही।

अन्स्ची

णाप नं राय, जो तल मंजिल, निर्मला अपार्टमेंट, कोरतर आफ सीजर राइ, और जेर पीर रोइ, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुमुची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/21757/ 84-85 अरेर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां प्र 14-6-1985 को रिनम्टई किया गया है।

> प्रचात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अजीन रॉज-2 बम्बई

वारीख: 4-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 5 फरवरी 1986

मिर्देश सं० अई-2/37-ईई/21833/84-85---अतः मुझे, प्रमान राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिजकी सं पलेट नं एच-3, पारस नगर, जोगेण्वरी (पु), बम्बई-60 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269म, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17 जून, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मूझे यह विकास

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, "नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाब की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- श्रीमती जूमरबाई मिश्रिमल घोराडीया।
 (अन्तरक)
- श्री महावीर स्वामी स्वेतांबर जैन मूर्तीपूर्ण करासर ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में स
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁸, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अन्स्ची

फ्लेंट नं एच-3, जो पारस नगर को आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मजास रोड, जोगेश्वरी (पु), बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसुची जैना की ऋ० सं० अई-2/37 ईई/21833/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17/6/ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

भारीख: 5-2-1986

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

निर्वेश सं० अई-2/37-ईई/21841/84-85—अत: मुझें, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 46, शान्ता स्मृती को० आप० हाउसिंग सोसायटी, श्रंधेरी (प), धम्बई-58 में स्थित हैं (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा अयायकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, धम्बई सें रजिस्ट्री है तारीख 17 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ध) ए'ती किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थाप के किए।

अत: अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन विकास स्विक्ति स्विक्तियों, अधीत्:--- श्री रत्नलाल एम० तीजोरीवाला भ्रांर अग्निश आर० तीजोरी वाला।

(अन्तरक)

2 डा० मुरेश आर० मध्यान भ्रांर श्रीमती मुशीला आर० मध्यान।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कर्यों कीर पदों का, जो अवह करिपनियम के कथाय 20-क में परिभाषित हों, यही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 46, जी शान्ता स्मृती को० आप० हाउसिंग सोतायटी, पी-2, रीदधी सीदधी नगर, वीरा देसाई रोड़, ग्रंधेरी (प), जम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी करु सं० अई-2/37-ईई/21841/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

सारीख: 4-2-1986

माहर 🖫

प्रकथ बाद् , टॉ. एन. एव. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ब्योन त्यना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई तम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986

तिर्देश मं० अई-2/37-ईई/21846/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्राँर ित्ति सं ० पलेट नं० 402/हो, इमारत नं० 2, 3, 4, ब्रिंबेरी मनीश गार्डं। सोक्षायटी ब्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ब्राँग जिस का करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 18 जून, 1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिन्दात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिफात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ प्या गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्देश्य से उनत अन्तरण कि निम्निलिश्वत उद्देश्य से उनत अन्तरण कि निम्नितिश्वत से कास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

क्त जब, उबत अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण के. मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अभीर केलिलित व्यक्तियों स्थीत :--- ा श्रीमती खेता अस्ति मेहसा।

(अन्तर्क)

2. श्रामती इण्वरी जें बेहरानी।

(अन्तरिती)

की वह सूचना वारी करके पृथीवत सम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उन्त सुम्परित में वर्षन में सम्बन्ध में नीड़ों भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिस को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वत में किश का सकींगी।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 402/डी जो, डमाप्त नं० 2, 3, 4, अंधेरी मनीण गार्डम को० आप० हाउसिंग सोसायटी, मनीण नगर, जे० पी० रोड़, जार बंगलोज, बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21846/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिलांक 18-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रकाति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई∦

तारीखा: 4-2-1983

१४५ माद'. टाँ एवं. एस. ----

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १६७-७ (1) के बधीन भूधना

मारल संस्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जा रेपा-2, बम्बर्ड बम्बई, दिशांक 4 फरवरी 1986

भिर्देश मं० अई-2/37-ईई/21908/84-85---अत: मुझे प्रशांत राय कायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'अक्त अधिनियम' अहा गया है), की भाग 269-च के अधीन मक्षम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का जरण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भ्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4 ब्रंधेरी, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (५), बम्बई-58 में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अन-सूची में भ्रांतर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रांतर जिसका जरारनामा आयार अधिनियम की धारा 269 ह, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है धारीख 12 जुन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के क्रयमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहर और गुभं यष्ट विश्वास

करने या यारण हो थि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उरिता बाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रव्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय ाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत बल्लक लिकिश में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (१६) अन्तरण सं हुए किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार बोने के अन्तरक की परिपट्य में कमी करने था उससे मध्ये में स्विधा के लिए; **जॉर/बा**
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तकः को जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कार **अभि**रियम, 1957 (1957 **का 27)** के प्रमोजनार्थ अन्यक्तिनी द्वारा प्रकट कड़ीं किया **गका था या किया** जाना जाहिए था : जाता म मुविधा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियस का धारा 269-ग के अनुसरण प्रे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कभीत निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात ---53---506 GI/85

ा. गोतर्या फाइल्लास्थाः एन्टरप्रायमेता।

(अन्तरक)

मेलर्स संतिक्स इंडिस्ट्रिज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के जर्बन के नियः कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 विन की अविभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी व्यविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेषक न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए का सकेंगे।

चम्हीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिमा पया 🗗 🗠

श्रन्सूची:

युनिट नं ० 4, जो तल मंजिल, ग्रंधेरी डंडस्ट्रियल इस्टेट, वील देशाई रोड़, श्रंधेरी (प), वम्बई-400058 में स्थित है। अनुमुची जैदाकी ऋ० मं० अई-2/37-ईई/21908/84-1985 को रजिस्टई फिया गया है।

प्रशांत राय ाक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बमबई

ता**रीख: 4-2-**1986

प्रकथ बार्षः ती. एनः एसः, -----

entre de la companya del companya del companya de la companya del la companya de la companya de

अक्रमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के बंधीन सुभना

मारत सरकार

अर्थालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-2, यस्बर्ध

बस्वई, दिन्तव 5 फरबरी 1986

निर्देश सं० धर्ड-2/37-र्दर्ध/21955/84-85- - अत. मुझे. प्रशांत राग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मर्वे नं 605, शंबियला विलेज, अंधेरी, वस्वई में स्थित हैं (अंप इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बीणत हैं) और जिसका करारतामा श्रयंकर श्रधि-नियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई रिजिस्ट्री हैं तरीख 21 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान मितिकल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एो। दश्यमान प्रतिकल का धल्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पदा पतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकत अन्तरण कि किति में जान्तिक के पर से किश्त महाँ किया गया है है—

- (क) अतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथ-भियम के अधीन कर दोने के अन्तरण, के दायित्व में कमी कर्मने या उससे देशन में मृविधा के 1000 भीर/या
- (ख) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, रिश्वह भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था। फियाज के रित्य.

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों. अर्थात :---- 1. मेसर्म प्रकाण एकिस्लाल सूतारीया।

(श्रन्तरकः)

2. मेमर्स मनरेज इनकेंग्टरस एण्ड डेबलोपरस। (अन्नरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित के अर्थन के लिए कर्यवाहिया करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को बर्बन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीज से 30 दिन की जबिंग, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्विस में किए का सकोंने ।

नन्सूची

जमीत का हिश्मा जिसका सर्वे नं० 605, श्रांबिचलो क्रिलेज, मीजर रोड़, प्लोट नं० 43, अंधेरी, बस्बई है।

धनुभूची जैसा कि कि सं शई-2/37-ईई/21955/84-85 और जो सलम प्राधिकारो बंबद द्वारा दिनांक 21-6-1965 को रजित्टई किया यथा है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर फायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेज-2, वस्बई

मारोख: 5-2-1986

म्हिर

प्रकल बाह्". दी. एन . एक . -----

बामकर निवित्तिक, 1961 (1961 का 43) की बाध 269-व (1) के सबीत स्वता

नाइत चहुन्छर्

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रजीत रोज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1986 निर्देश संव श्रई-2/37-ईई/22055/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राथ,

करपण्ड विशिष्यमं, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके नश्याद् 'उन्स्त विशिष्यमं' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वचीन सक्तम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी/डल एक्सी बीट अधार्टमेंट अधेर, (प), वभवई-58 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रमुक्त में और पूर्ण रूप ने विणित हैं) और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 269% ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रें। हैं तारीख 27-6-1985

को पूर्विक्त राम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रक्रिक के लिए क्लारिसी की यहाँ कीर मूओ यह विषयास राह्म का कारण है कि बचापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूच्य, क्रांक्के द्वायमान प्रतिप्रम से, होते द्वायमान प्रतिप्राण का प्रमुद्ध प्रधिकृत से अधिक है और अन्तरक (क्लार्कों) और अन्तरिती (क्लारितीयों) के बीच ऐसे बन्तरूच के लिए तथ क्ला प्रया प्रतिप्रम विकासित स्थूपोस्य से स्वका कम्मूरूच लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :——

- (थ) अन्तर्थ ते हुन् निक्की बान की बावत, अन्तर वीधीत्त्रथ के वर्षीन कर योगे के क्यान्त की करियम में करी करने वा बक्को क्याने में सुविक्त के सिक्; बॉर/वा
- (ण) पंडी किसी साम मा किसी भन मा सन्य साब्तिसों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रशंज-नार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना बाहिए या कियाने में सविधा के लिए:

आ: सन, उनक अधिनियम की भाषा 200-व के अनुवरम मों, मों, उन्ते अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निम्मिधिया व्यक्तिकी, सम्बंद क—

- 1. श्रीमती घरनजीत सींग और नरींदर सींग। (अन्तरदा)
- श्री कूलतार सींग भूरी और श्रीमती कवल कौर मूरी।

(श्रन्तरिती)

को **यह रूपना जारी पहले पूर्वीका तस्मीत में मर्लन के ए**क्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त दम्मित के नर्पत के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन की अयोग या तत्त्वस्वन्थी ध्यक्तियाँ पर सूचना की दानील से 30 दिन की वस्ति, को अंश क्यों वाद में जनान्त होती हो, के शीवर पर्वोक्ट न्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के सच्चम में प्रकाशन की शारीक त 45 विन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिलक्ष्भ किसी बन्य व्यक्ति युवार्थ मधोइस्ताक्षरी के पाक सिक्ति में निक्ष का सकीं में ।

ल्ल्ब्बीकरण:---इसमें त्रयुक्त शब्दों और पक्षों कर, जा छज्व अभिनियस के खध्याय 20-क में पीरशायित हैं, नहीं अर्थ होगा, यो उन्न अध्याय में दिया नवा हैं।

मनुसूची

फ्लैंट नं० बी/56, प्रो एक्ट्रम्बीट श्रपार्टमेंट की० श्रापि० हाउसिंग मोम।यटी लिमिटेड, प्लोट नं० 142/4, जय प्रकाण रोड, अंधेरी (प), वस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० धई-2/37-ईई/22055/84-85 और जो सक्ष्य प्राधिकारी, वस्बई हाल दिलाक 27-6-1985 की रजिस्टई किया गया है।

प्रकांत यास सक्षम प्राधिकाी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, बम्बई

तारीख : 4-2-1986

roughture and the following of the control of the c

म्बद् कहां दो . इन . एक न्यान्यान्यान

नायकर मौधिनियम, 1961 (१961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

TIME WATER

कार्यासम, सहायक नायकर नावृक्त (निरीक्सण)

प्रार्जन रोज-2, बमबर्ध

बस्तर्भ, दिलांक 4 फरहरी, 1986

निर्देण सं० पर्द-2/37-ईई/22082/84-85---श्रनः मुझे, प्रणात राम ।

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रामें ध्रमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन संभम प्राधिकारी को यह विकास कारने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. संअधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 16, अनुकूल, धर्मीका रोड, अंधरी (प), बस्बई-71 में स्थित हैं (और इसने एनापड़ अनुमूर्च) में और पूर्ण कर ने विणा हैं) और जिसका दुरारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 269ण, क के एधान सक्षर प्राधिन्यारी के कार्यालय बम्बई में रिकिस्ट्री हैं वारीक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फो यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बूल्य, उमके स्वयमान प्रतिफल में, एंचे स्थयमान प्रतिफल का न्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिसत उच्चिय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है :-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अब त अधिनियम के अभीव कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कभी करने ये। उसने अबने में सुविधा के निष्: स्टिप्श
 - (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इविधा के लिए;

नतः जन . जन्त अधिनियम की भारा 269-न की अनुसरण कें , मैं , जलत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) कें अधीन , निस्तिसित व्यक्तियाँ अर्थात् :----

1. श्रीमती रोमा आए० बोहरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती साधना सिंह और श्री मोहर सिंह। (इन्डिन्ति)

का यह स्थला चारी करके प्योक्त सम्पत्ति थे वर्चन के सिंध् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

क्ष्मत सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कार्य भी बालपे :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भं प्रकाशन को तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्रश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गह लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यपटोस्थवणः --- इस में प्रयुक्त कृत्वां और पवां का, वां उत्तर, अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय यो विकास गाही।

प्रनुपुची

फ्लैंट तं 16, जो चौर्था मंजिल अनुकूल सात बंगलोज. धर्मोंबा रोड़ अंधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

ानुसुकी जैसा कि कि कि सह सहि-2/37-ईई $/22082_{I}$ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 की रजिस्टाई किया गाउँ है।

प्रणीति नाम सक्षात्र प्राचिकारी महास्त्र ब्राचकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-2, बस्बई

वर्गल्यः 4-2-1986

प्रस्प वार्ड . टी . एन . एव . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाव्यत (निरीक्षण)

श्राजीत रोज-2, समब्रही

बम्बई, दिनांस 4 फरवेरी 1986

निर्देण सं० अई-2/37-ईई/22094/84-85---आतः मुझे. प्रणांन राय

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, ए बिहिड्स, दासवानी क्यार्ट-मेंट अंधेरी (प) तस्वई-58 में स्थित है (और इससे उपापत अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करार-गामा जागहर अधिनियम की धारा 2001 के वे प्रधीत सक्षम प्राविकारों के कार्यालय बस्वई में किस्ट्रें है धारेड़ 28 जुटा 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित की भई है और मुफ्ते यह निश्वास करने धरने का आरण हो कि यथ(एका कि सपार का समान की सिक्त बाजार भूक्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, एंस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पाया गया प्रति-फल जिन्नितियत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तिक क्य से कथित नहीं कि बा नवा है :--

- (क) जन्तरण संबुध किसी बाय की बाबस, उक्त श्रीविभयम जी वशीन कर दोने के अक्तरक बी दाजित्व में असी करने मा उससे वसने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (भ) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तिकों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीनः निम्नसिक्षित व्यक्तिसमों, खर्धात ३—००

- 1. श्रीमती लख्मीदेवी एस० मेहना।
- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती नूरबाचन कौर जतींदरसिष्ट छड्डा। (ऋतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकादन की तारीज से 45 विन की व्यक्ति मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वन्धि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त ज्यक्तियों में से किसी स्थानित बुवारा;
- (क) इस बूचना के राष्प्रभ में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के मीलर उक्त स्थापर सम्परित में हित्यध्रभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास निरिश्त में किए वा सकते।

स्वत्कीकरणः---इसमें प्रयुक्त वक्कों जीर वक्कों का, को उक्क अधिनियम दें अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गंबा है।

अन्स्ची

पलौट नं० 3, जो ए बिलिखन, पहली मंजिल, दासघानी अपार्टमेंट, दासघानी को० ऑप० हाउसिंग सीसायटी लिमिटेड, चार बंगलोज रोड, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुमूर्चा जैसा कि कर मंद्र अई-2/37-ईई/22094/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को एजिस्टर्ड किया गरा है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर आयुकुत (नि**रीक्षण)** प्रजन रोज-2, वस्बई

ਗੁਲੀ<u>ਬ</u> . 4-2-1986

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस.,-----

नारफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरघरी, 1986 निर्दोग मं० अई-2/37-ईई/21811/29984/84-85----अत: मुझे, प्रणांत राथ,

बायक ए विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इत्कें इसके पश्चात 'उक्त विधिन्यम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी गं० मी० टी० एस० नं० 424, विले पार्ले बचाई में स्थित हैं (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप ने विभिन्न हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 2695, ख के अर्थात, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजर्स्ट्री है गारीख 6-6-1985

को पूर्वो क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व मान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत संबोधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कायत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/भा
- (ख) एर गि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अर्थात्— 1. श्रीमती मरोजबाला कर्नैयालाल शाह।

(श्रन्तरक)

मेसर्स फेरो बिल्डा

(श्रन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक।

(वर् व्यक्ति जिसके बार में प्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के रज्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकैंगे।

स्यक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० न० 424, चिले पार्ले, बम्बई है।

प्रमुम् जैसा कि कि पर पर्ध-2/37-ईई/21811/20984/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंत रज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरखरी 1986

निर्देश मं० शर्द-2/37-ईई/21714/84-85----श्रतः मुमे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पर्लौट नंव 32, संगेण दर्णक बिर्लिंडग, सान्ताकूज (प), बस्बई-58 में स्थित है (और इससे उपानबद्ध शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारगमा आयकर अधिकियम की धारा 269क, ख के अधिन सक्षम प्राक्रिकारी के कार्यालय बस्बई में विवर्ष, हैं तार्र ख

को प्वेंक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जल्ला मं, मो, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अभीत् :--- श्री महेंद्र ए० शाह, परेग एम० शाह और दिनेश एम० शाह।

(भ्रन्तरकः)

2. मनोज प्रागजी ठक्कर और श्रीमती बीना एम० ठक्कर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकि व्यक्ति यों में में किसी व्यक्ति वृवारा:
- (म) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन संची

फ्लैं: तं० 32, जो टीसरी मंजिल, मगेण दर्शन बिल्डिंग, प्लॉट तं० 69, फीरोजणाह रोड. सान्ताकूज (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-2/37-ईई/21714/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राक्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 6-2-1986

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा १६०-व (1) के अभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर बाबुक्त (विश्रीकार्य)

भर्जन रेज-2, नम्बई नम्बई, दिनांश 6 फरवरी 1986 निर्देण सं० पई-2/37-ईई/22058/84-85----भ्रतः, मुझे, प्रमात रास,

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० व्यापार्गः जगह, ती विश्व एल के आरकेष्ठ अंधेरी (पू०) वस्वर्ड-59 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण का ने वर्णित हैं) और जिसका करार-नामा आरक्तर पधितिस की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वर्ड में रिजिस्ट्री है तारीख 26-6-1985

करें पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निज्ञित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाध की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा किपाने में ओ लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **फे अधी**न, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- सेमर्स लाक एण्ड काद्रीं असोणिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एल० एततकर, श्री अभीक कुमार श्री प्रेम हममतराय लालवानी अं'र श्री मोहन हममत-राय लालवानी।

(श्रन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (दा) इस स्थाना के राजपण में प्रकाबन की सारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निवित में किए जा सकरें।

न्यख्डीकरगः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

प्रनुसूची

व्यापारी जगह जिसमें बेसमेंट और तलमाला दुकान शामिल है तथा जो बी० विंग, एल० के० श्रारकेड बिल्डिंग निर्माणाधीन इमारत, चीमतपारा रोड़ श्रॉफ अंधेरी-कुर्ला रोड, मरोल नाका, अंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा की ऋ० सं० श्रष्ट-2/37-ईई/22058/ । 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा विनाक 26-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक आधकर श्रायुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज-2,बम्बई

सारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधि 266-भ (1) के अभीन स्थना

बार्द सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन र्रोज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 फर्चरी 1986

निदेश सं० थई-2/37-ईई/22059/84-85-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ल की अशीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्वास करने का कारन हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और विसकी मं० 40 कमरे एलके श्राप्तकेष्ठ किल्डिंगः अधिरी (पू०) वस्बई-59 में स्थित (और इससे उपाबत शत्मान में और पूर्ण कर के धणित है) आँच जिसका कार्यकामा श्रापकर श्रिधित्यम की धारा 269वा, ख के शर्धण सहम् प्राधिकारी के वासिका बण्वई में जिस्ट्री है तारीख 26-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का अन्तर्स से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्स के लिए तब पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्त्रत्या से हुई निक्ती बाम की बाधत सकत विधिविषय के बाधीन कर दोने के बान्तरक के धायित्व में कमी करने या जससे अवनं में शांधधा के निए; कीए/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बेठ: बंब, उक्त की भीनयम की भाग 269-4 के बन्दरण है, मैं, उक्त बीभिनियम की भाग 269-व की उपभाष्ट [1] के अभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, बर्भात् :---- 54---506 GI/85

तेम र लोह एण्ड काद्री एमीमिएटम।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एव० रवनाधर, श्री श्राणंश कुमारः श्री प्रेम हममनराय लालवानी और श्री मोहन हममाराय लालवानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यात्रियां करता हो।

उक्त सुक्यींका के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रधाणन की तारीस र' 45 दिन की अविभि या तत्मम्बन्धी जिलायों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविभि, बो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, हे भीतर प्रविष्ट व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति इवारा.
- (थ) वह श्वना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीत है 45 विष के बीतर उक्त स्थावर सम्मास्य मा हितजक्ष कियी वन्य व्यक्ति द्वारा बचाइस्ताक्षरी के बास विविद्य में किए या स्टॉर्म ।

स्थाक्तीकरणः — इसके प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, जो उध् विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका भक्षा ही।

जनसंची

43 कलरे (पहली मंजिल ने चौथी मंजिल तक), जो एलके आरकेड बिल्डिंग, (निर्माणाधीन बिल्डिंग) चीगत-पाडा रोड, मरोल नाका, सर एमंच बीठ रोड अंधेरी (पूठ) वस्बई-400059 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि स० शई-2/37-ईई/22059/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वार दिनीन 26-6-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रभाव राह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्राधकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) भ्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयथर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० भा**ई-**2/37-ई ई/20853/84-85----यतः, मुझे, प्रशीस राथ,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर्र जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, सोमरसेट-बी, बान्द्रा, बस्दई-5 में स्थित है (अर्र इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्य मे विणित है) अर्र जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्रायधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1985

को प्रकित संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति संपर्तित का उचित बाजार भूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एोसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निग्नलिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निग्नलिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल की निग्नलिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल की मानिक किता गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे धचने में सूत्रिधा के लिए; बीर/या
- (क) पंक्षी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ब, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अ अभीन, निम्निन्तिक व्यक्तियों, अधितः :--- 1. अंबीत कारपोरेशन

(अन्तरक)

2. हची द्रस्ट भुवर्भा द्रव्य गँवच द्रव्य

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूत्वी

फ्लैट नं० 1 जो दूसरी मंजिल सोमरमेट-बी पाली हिस बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कर मर्थ भई-2/37-ई ई/20853/ 84-85 और जी सक्षम प्रदिवारी दल्ही है। विद्या 1-6-1985 की रिजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बस्बई

तारीख: 6-2-1986

तस्त्र आहुं हो , एन , एच , ••••••

नायकर नाधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत बद्धना

कार्याभम, सहायक नामकर नामुक्त (निर्देशक)

प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देग सं० श्रई-2/37-ई ई/20935/84-85---यतः मुझे, प्रणांत राय

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जंर जिनका मं० फ्लंट नं० ए इमारत ए गगनगिरी प्रीमादनेस वांडा, बस्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिनका करारनाम श्रायकर श्रिधित्यम की धार 269 क ख के श्रुवीन अभ प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4 जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गरि मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृति से अधिक है गरि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गुषा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित के नास्तिक रूप से क्षित क्यां कि का नवा है कि

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी नाम की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कार बोने के अंतरक के वासित्य में कभी कारने या बससे बचने में सुविधा क निष्ण; और/बा
- (*) एकी किसी अप या किसी भन या अस्य अस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सिक्षा के लिए;

जतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के बर्धानः, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्— पेटसन्स कन्स्ट्रक्शन्स

(मन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्रपाल सिंह हरनाम सिंह

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षान के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाधीय ॥--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष्ट तृष्या की सामीस से 30 बिन की वविध, को भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाइत;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है,

वन्यूची

फ्लैट नं० ए, जो दूसरी मंजिल, इमारत ए, गगनगीरी प्रीमायसेल को० भ्राप० सोसायटी लिमिटेड, कारटर रोड़, खार दोड, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसः कि सं० श्रई-2/37-ईई/20935/84/85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रसांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, **यम्बई**

तारीख: 6-2-1986

नोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

प्रजंत रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्रई-2/37-ई ई/20944/84-85—-यतः मुझे, प्रशाँन राय,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं आप नं 3, श्रीतल श्रपार्टमेंट, दादर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इपसे उताबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में बिगा है) श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधि-तियम की धारा 269 के, खे के अशीन पक्षम शिकारी के कार्यालय, बम्बई में पिनम्ही है तारी खे 6 जून, 1985 को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् — मैससं संजय इन्टरप्रायसेस

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती डी० एस० मिश्रा और यू० एस० मिश्रा (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्जाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

शाप नं० 3, जो तल मंजिल, ग्रनिल ग्रापार्टमेंट, कैलिज मल्ली, ग्राफ केडेल रोड, शिवाजी पार्क, दादर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूवी जैंना कि कठ संठ श्रई-2/37-ईई/20944/ 84-85 और जो नजम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक, 6-6-1985 क रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय गक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-2-1986

प्रकर बाह् औ एए एस ,-----

अध्यक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्रक, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्राई-2/37-ई ई/20952/84-95--यतः, मुझे, प्रशाँत राय,

अल्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंबर 1.00.00/- रु. से अधिक है

1,00,100/- रह. में अधिक हैं
श्रीर जिनकी संव फलैट नंव 835, इमारन नंव डी-1, एमव श्रायव जीव कीव श्रापव हाउभिंग मोमायटी लिमिटेंड, बान्द्रा (पू), बम्बई-51 में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विभिन्न हैं) श्रीर जियका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, खे के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य, बम्बई में रिजर्ट्री हैं तारीख 6 जून. 1935 का पूर्ण रूप सम्मत्ति के अभित्त बाजार मृत्य में कम के रह्मभाव प्रतिकल के लिए अमिरित को गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रह्ममान प्रतिकल से, एसे रह्ममान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से किया नमा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस. उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वार्य प्रकट नहीं किया ग्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व सै जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) से स्थीन, निस्तिविक व्यक्तियों, वर्षात क्रम श्री श्रर्जुन चेतनराम दूदानी

(ग्रन्तरक)

 श्रीमतो उषा कोरी रावल श्रीरश्रो कोरी महीधरलाल रावल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को भूषीन को सम्बन्ध में करेड़ें भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, भी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य क्यों अस्तरों में से किसी व्यक्ति स्वाप;
- (स) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति इसारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिका भया है।

अनुत्वी

प्लैट नं० 835, जो इमारत नं० डी-1, एम० भ्राय० जी० को० श्राप० हाउपिंग सोतायटो लिमिटेड, गाँधी नगर, बान्द्रा (पू), बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37 ई ई/20952/ 84-85 श्रौर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक को 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-2-1986

मोहर 🛭

प्रकम जाई, टी. इन. एस . -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याधय, तहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्ष्ण)

प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37-ई ई/20964/84-85-श्रतः, मुझे, प्रशाँत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्याय (जिसे इसमें क्याय है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

1.00,000/- रु. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 366, इमारत नं० बी-39, मीडल इनकम ग्रुप 3 की० श्रांप० हाउनिय सोनायटी लिमिटेड, बान्द्रा (पु),, बम्बई-51 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर की श्रायकर श्रिधितयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्रांधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6 जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जैतीरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ष पन्तह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और शंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तब मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पावा गया प्रतिफल निम्नसिवित सब्देख से उनत सन्तरक पावा गया प्रतिफल निम्नसिवित सब्देख से उनत सन्तरक कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकर उचित बाजार मूल्य सिवित में वास्तिक रूप से कार्यन पहीं कि वा गवा हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के खंतरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मार/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्त्रियाने में सुविधा के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं. इस्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1) के तथीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० माधवन नंबीयार

(भ्रन्तरक)

2. श्री कलीकाँदी सी० वैसराज

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्ट् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

क्ष्मकु सत्यक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वष्किरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लट नं० 366, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० थी/39, मीडल इनकम ग्रुप 3 को० श्रॉप० हार्जीसग सोपायटी लिमिटेड, गाँधी नगर, बान्द्रा (पू), बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि में श्रई-2/37-ईई/20964/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाँक 6-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रगौत राय मक्षम प्राधि कारी सहायक प्राक्ष्यर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रंज-2, बम्बई

सारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) ग्रर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिताँक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ई ई/20980/84-85-श्रतः, मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० णाप नं० 3, फारदोर श्रपार्टमेंट, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिवात से स्थिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्मतिचित उद्देश्य से उच्छ संग्रण निचित्त में वास्तिविक रूम से कथित वहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण सं ह्र्यं किसी गाय की वायब, उपक अभिनियम के अभीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व में करने या उससे स्थाने में संदर्भ के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मसर्स एम० एच० बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री जोन विलियम श्रलमोडा

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के क्षिप कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप:---

- (क) स्थ नुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तार्शिक र्र 45 दिन की जनिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास भिक्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

जन्**स्**ची

शाप नं० 3, जो तल मंजिल, फरबोर श्रपार्टमेंट, वाँडा, खार, वम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ले श्राई-2/37-ई ई/20980/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रगौत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

भतः सथः, उस्त सधिनियमं की धारा 269-ग सै सन्सरण भ्रें, में. अस्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) से अधीन, निम्नलि**वित** स्यक्तियों, अर्थात् क्र—-

तारीख : 6-2-1986

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-क (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यसम्, सहायक मायकर मायुक्त (निर्माण)

श्रर्जन रज-2, ब्रम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निद्रण सं० श्राई० एएझ निर्देश स० श्रई-2/37-ई ई/2107 प्रश्नौत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह भिरवास करने का कारण है कि स्वावर समास्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ब्लाक नं 40, एम श्राई जी 3 को अग्रेप हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, बान्द्रा (पू), बम्बई-51 में स्थित है (श्रौर इमने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर दूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के स्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7 जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के ध्रुक्त, भाग प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वाध करने का कारण है कि यका पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र गाजार मूल्य, उसके ध्रुक्तान प्रसिक्त से, एमें क्ष्यमान प्रतिक्त के गल्बह प्रतिकृत के अधिक हैं और जंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (जंतरित्ति) के बीच एसे बन्तरम् के लिए तब पाया गया प्रतिकृत, निक्तिलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संक्षित गृहीं किया नवा है क्ष्य

- (क) बन्तरण से दुर्द किसी नाम की बावत, रूक्ट निमित्रम के नधीन कर दोने के अस्तरक भे दायित्य में कभी करने या उत्तर्भ क्यमें में युविधा के लिए; नौर/मा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, बा धनकर विधिनयम, बा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्;

जतः जब, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक मं, मं, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, अधित् ः— 1. श्री के० आर० भगत

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रंजली रामकृष्ण कोरेगावकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वेकित सम्पत्ति को अर्जन के लिए

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टांकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

ब्लाक नं० 40, जो पहली मंजिल, एम० म्राई० जी० 3 को० म्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, एम० म्राई० जी० कालोनी, गाँधी नगर, बान्द्रा (पू), बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कें श्राई-2/37-ई ई/21007/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाँ ह 7-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्रायिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-2-1986

प्रकथ बार्च . दी . एन . एवं . ------

नायकर गिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के गंधीन सुचना

शारत तरकार

कार्यान्य, सहायक शावकारु वाश्वत (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2. बम्बई

निर्देश सं० श्र $\hat{\mathbf{x}}$ -1/37-ईई/21075/84-85--- स्रतः मुझे प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं .क स्थावर सस्पत्ति, जिसकां उचित बाजार भूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 84, मनीश सी० कीफट, बान्द्रा यम्बई 50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारणमा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यारलय में रजीस्ट्री है। दिनौंक 7~6~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्वयमान प्रिपिण्ल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बजापृत्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उद्ध अन्तरण कि सिष्ट में बास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (क) जनारण ते हुई फिसी काय की वावत, उक्त विविद्यम के स्पीन कार दोने के संबद्ध के वायित्य में कामी कारने या उससे वचने में सुविधा के मिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1022 में 115 के उन्हें अधिनेयम, के भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गरण वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जितः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) भे अधीतः निम्निलिति व्यक्तियों, अर्थीत् :—— 55.—506 G1/85 (1) श्री याक् वाली भारूचा, श्री श्रहमदली भारूचा श्रीर श्रीमती फातीमा श्रानी भारूचा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भागवन्ती गूलावराय मेहरोती और श्री इंदू गूलावराय मेहरोती।

(श्रन्तरिती)

को वह ब्यवा प्रारी कारके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के मिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्द तम्मलि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशम की तारीच है 45 विन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामीस से 30 विन की जनधि, भो भी जनधि तक में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनात;
- (व) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्थ किसी व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पाछ तिविक्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा तक्ष्ण अधिनियम के अध्याय 20-तः में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय से विया गया है।

अनुसुची

फ्लेंट नं० 84 जो मनीण सी० क्रीफट, शरली माला, रोड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं० श्रई-2/37-ईई/21075/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनौंक 7-6-1985 की रिजस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय पत्रम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक :- 6-2-1986 मोहर:- प्ररूप आहु . टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सुहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निदेग सं० अर्ड०/37-ईई-2/21087 84-85--अत: मुझे, प्रणांक राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्यात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० गाँध नं० 1/ए, अपार्टमेंट, माहिम बम्बई में स्थिन है (ग्राँथ इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण कर ने विणित है), व्रीर जिसका करायत्यमा आयकर अधिनयम की धारा 269 े, ख के अधीन बम्बई सिप्थन सक्षम प्राधिकारी के कार्याच्या में रिजिस्ट्री है। दिनां 57-6-1985

को पर्शवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निल्धिकत स्व्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबस, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंसरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृष्टारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के सिए;

अतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं. में उक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) े व्यक्तिः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भेः । छाया धिल्डर्स ।

(अस्त्रका)

(2) महेन्द्र जुभार वी सूताल शाह्।

(अन्तरिती)

(3) সাংস্ক্র

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

णाँप नं∘ 1/ए, जो तल मंजिल, पार्क अपार्टमेंट, केडल, रोड, माहीम बम्बई में स्थिः, है।

अनुसूची जैंडा की कि॰ सं॰ अई-2/37-ईई/21087/ 84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिसांक 7-4-1985 का पंजिल्डई विया गया है।

> प्रशाः नाय सक्षम प्राधिकारी सहायण त्रायकण आयुक्त (विरोक्षण) अर्जन रेंग्र~? यस्बई

्दिनांक :--6--2-1986 र महिरा:

तक्ष बार्ष है होते १६० वह स्वत्यान

आवक्रक वृत्तिवृत्त, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वृत्तीन क्षता

बाइंड बहुकार

कार्याचन, बहानक नानकर नानुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/21107/84-85--- अत: मुझे, प्रशांत राग,

नावकर निर्मायन, 1961 (1961 का 43) (जिले एतने इसके परवात् 'उनते अधिनियन' कहा गया है), की भारा 269-व ने नभीन समृत् प्राधिकारी को, वह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित् वाचार नृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्ग्रार जिसकी मं० फ्लैट नं० 11, पाली पैलेस को० आप० हाउसिंग सोनायटी लिमटेड, बान्द्रा बम्बई 50 में स्थित है (ग्रीर इमने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप ने विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 7-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के **दायित्य में कमी क**रने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्यक्त स्पिक्तियों,, अधीत् क्ष्य- (1) श्री जोगेंदर सीग वालीया ग्रांर श्रीमती धूरेन्द्र कीर वालीया।

(अन्तर्क)

(2) श्री कें अबूबाकर।

(अन्तरिती)

को बहु बुचना जारी करने पुनरित्त वंपरिता के नर्वन के सिव कार्यवाहियां करता हु"।

जनत संपरिष्य के नर्यम् के संबंध में कोई भी भानेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीं से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि साद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मित्ति में हिलबर्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विभिन्नम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नगर

अनुसूची

फ्लैंट नं० 11, जो पहली मंजिल पैलेस को० आप० हाउसिंग सोयायटी विमिटेड पाली माली गेड, बान्द्रा, यम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/21107/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 7-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः -- 6--2-1986 मोहरः--

प्रकृष कार्<u>ष वी पुत्र पुत्र ----</u>----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के मधीन क्षाना

HE THE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-2/37-ईई/21684/84-85-अत: मुझे प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विष्वास करने का क्षारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फलैंट नं० 302, भाला रोक, बान्द्रा बम्बई 50 में स्थित है (श्रांट इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रांट पूर्ण रूप से बर्णित है), भ्रांट जिसका करारतामा आयकर अधिनियम को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री हैं। दिनांक 14-6-1985

को। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रवसान प्रतिफल के लिए बन्तरित को नम् है और मुभ्ने वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से विश्वक है और बन्तरिक (बन्तरिका) को बीच ऐसे बन्तरिक के लिए तब पाया वक्स प्रतिफल, निम्नलिबित उब्देश्य से उक्त बन्तरिक कि सिवित के बास्तिक क्य से किया नमा है किया नमा है किया वस के बास्तिक क्य से किया नहीं किया नमा है किया

- (क) कलाइक संहूइ किसी नाय की यावत, उस्त निध-दिनसम्बद्ध अभीन कर दोनेके बलाउक के दायित्व वो क्षणी करने या उन्हें यूक्त में सुविधा के सिए; लाइ/बा
- (ण) प्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, । छपाने में सूबिध के जिन्हें।

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात

(1) मैसर्स डीलाइट एन्टरप्रायसस।

(अन्तरक)

(2) श्री अवूबाकर हाजी कासीम भ्रांर श्री महमदे उम्रर कासीम।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम, के अभीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नया है।

प्रनुसूची

फलैंट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, माला रोक सी० टी० एस० नं० सी-41, मोमनाथ लंन, श्रॉफ हिल रोड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी ऋ० म० अई-2/37-ईई/21684/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनांक :--6--2--1986 मोहर :-- **प्रकृत हो**ं हो_ं पुत्र पुत्र अन्यस्थ

नावकार निविश्विमातः 1961 (1961 का 43) की धार 269-न (1) के वर्धीन सुजना

भारत सरकार

कार्वाभ्य, सहायक वायकर बाबुक्त (निड्रॉक्स)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिसांक ७ फरवरी 1986

निवेश सं० अई-2/37-ईई/21736/84-85---अत: मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांग जिन्नकी संव फ्लैंट नंव 320, हमारक नंव/ही-34,, एमव आयव जीव कोव ऑपव हाउसिंग सोनायटी ग्रुप 2 लिमिटेड बान्द्रा (प्), बम्बई 51 में स्थित हैं (श्रोप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीण पूर्ण का से विशत हैं), ग्रांग जिन्नका कराणामा नायकर अधिनियम की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्यालय में बिजरही है। दिनांक 14-6-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल कित निक्मितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिबक ध्रम से कथिश नहीं किया क्या है देन

- (क) बन्दरम में हुई किसी अप की बाबत, उक्त आंधनियम के सभीन कर देने के बन्दरक के ध्रायत्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, बौर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य कास्तिया कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किया काना वाहिए वा कियाने में स्विधा के सिक्तः

शवः वन, अनत विभिन्नन की बारा 269-ग के बनुसर्ज में, में, अनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अवस्ति क्र— (1) के० एन० बालमुब्रमनीयम।

(अन्तरकः)

(2) शालीग्राम तुकराम पाटील।

(अन्तरिती)

की यह भूषना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के कर्षन के निष् कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्यिक्तयों पत् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यिक्तयों में में किसी स्यिक्त द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास निसित में किए का सकींगे।

न्यध्द्रोकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवादी ३

अनुसूची

पलैट नं० 320, जो इमारत नं० डी→34, एम० आय० जी० को० ऑप० हाउसिंग सोसायटी ग्रुप 2 लिमिटेड बान्द्रा, (पू), बम्बई 400051 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि करु सं० अई-2/37ईई-21736/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिर्शांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दितां रू:--6-2-1986 मोहर:- प्ररूप बार्ष, टी. एन् ् पर्यः -=--=-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन क्यूका

STATE STATES

कार्यासय, सहायक नामकर नामकर (विद्वासन)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निवेश सं ० अई-2/37-ईई/21750/84-85--- मतः, मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उष्टित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० शाप नं० 3, कावन पैलेस प्रिमायसेस, बान्द्रा, बम्बई – 50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावन श्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पिटित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है ।—

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबत उक्त अधि-दियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में धायित्व में कमी करने या उससे अधूने में सुविभा को लिए; और/या
- (क) ऐबी किसी बाय या किसी भन या बल्य नास्तियों को किन्हीं भारतीय जान-कर नीभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर नीभिनयम, श्री द्वाप-कार नीभिनयम, 1957 (1957 को 27) के इयोजनार्ज अन्तरिती क्वास प्रकट नहीं किया गवा भा वा किना जाना जाहिए का, क्रियान में सुविभा के शिक्त;

काश क्षण, उनत करिंगिनम की भाषा 266-ग के जनुसरण में, में,, उनत अधिनियम की भाषा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. স্থা০ रাজীয় দী০ জাপা

(ग्रन्तरक)

2. भेसस बख्रु एण्ड कम्पनी प्रायबेट लिमिटेड (भन्तरिता)

को यह बुक्तमा जारी कहे की पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्बनाहिनों कहता हुई ।

बक्क बंदरित में बर्जन के संबंध में कोई सी नाक्षेप हिन्स

- (क) इस सूचना में राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिल की जनिय वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तक्सील से 30 दिल की नवीं के भीतर प्लॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इत स्क्रमा के राज्यत्र में प्रकाशक भी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबसूभ किसी अन्य स्थावत द्धारा अधोहस्त(क्षरी के पास निश्चित में किए चा सक्ती)।

स्यक्षतिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उक्त आयकर विधिवयन के कथ्याव 20-के में परिभाषित ही, कही कर्य होगा, जो उत्त अस्त में विका नया ही।

धनुसूची

णाप नं० 3, जो ऋषन पैलेस प्रिमायसेस को०-भ्राप० हा० सोसायटो लिमिटेड, प्लाट सं० 57-बी, सी० टी० एस० नं० 834, 23वां रोड, बान्द्रा, बम्बईग्र400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/21750/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड वित्या गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारी**ख**: 6-2-1986

प्रकृष शाह . टी. एव. एक.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन स्वान

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरोक्तक)

म्रजन रेंज∽2, बभ्बई बम्बई, दिनाक 6 फरवरी 1986

वस्वह, (दनाक 6 फरवर) 1986

निर्देश सं० ग्रई $\sim 2/37-$ ईई/21921/84-85--श्रतः मुझे, अशांत राय,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्यारें ६सके परपाए 'उत्तर न्याधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित बाचार नृस्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० ए-2, सी किज, बान्द्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 का धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, व कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के स्वयमम प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कस, जिन्नीस्तित उद्दर्ध से उच्छ बन्दर्भ लिखिय में बाज्य-भिक क्य से किथित नहीं किया चना है है

- (सह) बन्धरण वं हुए किसी बाय की वायत क्या क्रिया नियम से वर्षात कर वांचे को बन्धरक के वारिताल की फली करने ता कन्सते सचने से सुनिया की विवाह सार बा/
- (श) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्सियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियज, 1922 (1922 का 11) या उन्त जीभनियज, या भन-ार जीभीनयभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकतार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया भवा भा वा किया याना चाहिए वा, कियाने में सुनिधा की किया

सतः स्व, उत्रत वीभिनियम स्त्री भारा 269-ग से, अनुतरम में, मी, उत्रत अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीत, जिस्लिमिक स्वीस्त्रस्यों, समित कर्ज 1. श्री एफ० एक्स० फर्नान्डं:स्।

(ग्रन्तर्यः)

 श्रा वामनलं। हसम इसानः श्रीर श्रामती मुमताज श्रनवरली प्रेमानी ।

(ग्रन्तरितं:)

3. ग्रन्सरिता

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन को सिक् कार्यनाहियां करता हुं।

उन्द सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षण :---

- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थता की तासील से 30 दिन की वनिध, वो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत क्षित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बक्ष किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकींगे।

नम्सूची

फ्लैंट नं० ए-2. जो पहला मंजिल, सी श्रीज, सेन्ट जोन बर्प्टी ट रोड, बान्द्रा (प०), बम्ब \mathbf{f} -400050 में स्थित है।

श्रमुस्या जैसा कि ऋ० सं० श्र ξ -2/37- $\xi\xi$ /21921/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा दिनांक 21-6-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजन रोज-2, बस्बई

दिनांक : 6--2--1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/21924/84-85--- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० पलैट नं० 72, हमारत नं० 2, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुपूर्व। में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

े अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती चन्द्रावली मुबेदार सींग

(अन्तरक)

·2. मेसर्स विजय रोज एण्ड ऐसोसियेट्ड

(ग्रन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के . पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमुस्ची

पलैट नं० 72, जो पहली मंजिल, इमारत नं०-2, टरनर रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रृनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/21924/84-85 श्रौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बस्बई

सारीख: 6-2-1986

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनां ह 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22057/84-85----प्रतः, मुझे,

प्रणांत राय, अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर० जिसका सं० फ्लैट नं० 25, इंद्र प्रसाद को०-आंप०
हाउसिंग सोवायटा लिमिटेड, बान्द्रा, (पू०) बभ्बई-50 में
स्थित है श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप
से विणिन हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायः र श्रधिनियम,
1961 की धारा 269%, ख के श्रधान, बम्बई स्थिन सक्षम
प्राधितारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारं:ख 27-6-1985
को पूर्वाक्त रूप्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यभापवाक्त सम्परित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिक उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिंध-नियभ के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के रिशए;

अतः अब, जकत अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 56—506 GI/85

1. श्री मारूति गोपाल पवार।

(अन्तरकः)

 श्री सुणाल कुमार सिन्हा श्रीरश्रीमती सपना सुणील कुमार सिन्हा।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी ख स 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं बत न्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिंसनद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ वहीं अर्थ होगा, जो उन्हें अध्याय में दिका गया है।

वर्षा

पलैंट नं० 25, जो चौथी मंजिल, इंद्रप्रसाद को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटा लिमिटेड, प्लाट नं० 1, ग्रलीयावरजंग मार्ग, बान्द्रा (पु०), बम्बई 400051 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर श्रई 2/37-ईई/22057/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितगरा, बम्बई हारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप आहुरे, टी. एन. एसा.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, िनांक 6 फरवरी 1986

निदेण सं॰ श्रई-2/37-ईई/22104/84-85---श्रतः मुझे, प्रणांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पलैट नंव 26, डीव बिल्डिंग, नूतन नगर, बाग्द्रा, बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्च) में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारी ख 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युदेश से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन₃, निस्तीलिखिक व्यक्तियां, सर्थात् ह—— श्रीमती नालू रिश्म मेहना ग्रौर रिश्म लीनाधर मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रोहित कुमार प्रागजी ठक्कर श्रीर नलीनकुमार प्रागजी ठक्कर।

(भ्रन्सरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 26, जो तीसरी मंजिल, डी बिल्डिंग नूतन नगर प्रिमायसस को० ऑप० सोसायटी लिमिटेड, टरन, रोड, बान्द्रा, (प०), बम्बई-400057 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ३०० मं० श्रई-2/37-ईई/22104/

अनुसूचा जसा विकास अक्षर 2/37-विश्व 22/104/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकार। बम्बर्ष द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रोज-2, बस्बर्ष

तारीख: 6-2-1986

मोहर।

प्रक्ष बार्ड . दी . इत . एस . =--:----

नाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/20947/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उके अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर शक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- 5. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 204, ग्रेन्ड केरीसीन बिल्डिंग बान्स्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रीर जिसकी करार-नामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारी 269%, ख के श्रधान, बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है, तार्त 6-6-1986

को प्रवावत सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे ख्रयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से आध्य. और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है 8—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त आंधिनयम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उपत आंधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिगों, अर्थात् :— 1. श्रीमता लील स्वामी

(भ्रन्तरक)

2. श्री दलजीत सींग छडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिश की अधिकृत को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के लिए पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्चय की शारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टिकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अब्बाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया उ

अन्स्थी

पलैंट नं० 204, जो दूधरा मंजिल, ग्रेन्ड केराझोमन बिल्डिंग, 87 पाली दिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37-ईई/20947/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टडें जिया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

सारोख: 5-2-1986

मोहर 🖫

प्रकप मार्च . टी . एन . एस .,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० भ्रई-2/37-ईई/20967/84-85---- प्रतः मुझे, प्रशांत राय.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-छ के अधीग सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्याचर सम्बन्धि, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पहेंट नंव 101, राजकी महल कोव श्रापव हार्जिस सीसायटा लिमिटेड, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है, (श्रीर इक्ते उपाबद्ध श्रमुच्च, में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, (श्रीर इक्ते उपाबद्ध श्रमुच्च, में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारातामा श्रायकर श्रिष्टित्सम, 1961 का श्रारा 269%, के के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 6-6-1985 का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अवके ब्लयमान प्रतिकल्स है, श्रीर क्रयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से सिधक हैं और अंतरिक (अंतरितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- र्क) अन्तरण से हुर्ष किसी जाम की बाबत, अक्त मधिनियम के जधीन कर दोने के अस्तरक के दामिल्ल में कमी करने या उससे बचने में सुविधक के निष्; जौर∕या
- ा, एसी जिसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिक को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

यतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ए, मी, उदार अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिम्मलिसित व्यक्तियों, अवीव ६—— 1. श्रा राजेष जां० सलरेजा ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्रं। बच्च दाना पटेल

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तिरिती श्रीर उनके परिवार के सदस्य । · (वह व्यक्ति, जिसके श्रविभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निक्षित में किए जा सकींग ।

स्थान्द्रीकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पर्लंड नं० 101, जो पहली मंजिल, रीजवी महल को० द्याप० हाउभिग सोसायटा लिमिटेड, प्लाट नं० 106, टो० पा० एस० 4, बाटरफील्ड रोड़, बान्द्रा, बन्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के प्रार्ध-2/37-ईई/2096784-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) श्रजेन रेज-2, बस्बई

सारीख: 5-2-1986

मोहर

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. "-----

काराज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भाइत सरकाड

णायांत्रमः महायक हार्यका छ ्क (निरीक्षणः) श्रजन रेंज-2, वस्बई बस्वई, दिनांक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/21060/84-85--श्रतः मुद्धे, प्रणांत शय,

आयकर व्योवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवार 'उवत अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-क वां अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि भागर प्रभान, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर भियको संव आफिस नंव 42, दि र जेग्सं विविध्य बान्द्रा (पव), बस्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुस्च: में श्रीर पूर्ण क्य से बिणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधित्यम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रायक, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिमस्ट्री है, ताराख 7-6-1985

की पृष्ठित सम्पत्ति के पश्चित राजार मूल्य रे कम के स्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विस्वास करने था राश्य ही कि स्थापृष्ठित सम्पत्ति की उजित साजार गृत्य. अके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से शिधक हो और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितीया) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया दितिफल, निम्निलिसित उद्देश से उक्त अन्तरण किसित में वास्तिक रूप से कवित महीं किया गया ही :—

- (क) भन्तरण से हुई कियों बाय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की कायित्व में कभी करने या उससे कथने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय बायक व यिशीन है। १०२० व व व विकास के जिन्हों भारतीय बायक व यिशीन है। ए व व कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— मेसर्स कावेरो कोरगेरेशन

(भ्रन्तरक)

 मैं० डोना ठाकुर ट्रस्ट, मधुसुदन ठाकुर ट्रस्ट और लक्ष्मी ठाकुर ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाक्ष्यों करटा हो।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब है 45 दिन की अविधि या तर्भम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, को भी त्रवीध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ज्यक्ति ब्यारा अधिहस्ताक्षरी के गांध त्वित में जिए भा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगम जो उस अध्याय में दिया।

नगुसुकी

आफिस नं० 42, जो चौथां मंजिन, दो र्जिन्सी विल्डिंग, सा० टंग्० एस० न० एस०/1357, 1358, 1359 नेशनन नायकेरा रोड, बान्द्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रानुसूचा जैस। कि क० सं० शई-2/37-ईई/21060/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिक्टिड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रजन र्रेज-2, बग्बई

तारीख: 31-1-1986

प्रकृत कार्यु, टी. एन. एच ु 🗷 🖻 🥫

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सुभारा

भारत सर्काड

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/21670/84-85--श्रमः मुक्ते, प्रणांत राय,

णायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इस्में इस्कें प्रश्वाएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य :,00,000/- स्ट. से अधिक हैं

स्रीर जिनका में० १० वेट नं० 101, नेक्टर 3, बान्स्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्नीर पूर्ण ए५ से विणत है) स्रीर जिसका करारतामा स्नायात्र श्रीध-नियम, 1961 का धारा 269%, ख के अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के वार्थालय में रिजस्ट्री है नारीख 14-6-1985

करे प्यक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्तास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उश्चके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का मक्ह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नालिकत उद्देश्य से उस्त अन्तरण तिथिक से अस्तिक स्प से क्षित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तप्त से इन्हों किसी बाब को बायस, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध व्यने में सुविधा के लिए; बाद/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आभकर ऑक्टोन्स सा 1022 (1922 का 11) या उनत अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया पया था वा किया आना बाहिए था खियाने में सविधा के लिए:

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

मेमर्स कीर्ति एन्टरप्राईजेस।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती प्रभा रामचन्द्र मल्या श्रीर डॉ॰ रामचन्द्र मल्या।

(ग्रन्सरिती)

4. नेक्टर को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना बादी करकं पूर्वांक्स सम्भाप्त कं संवर्ग के विश्व कार्यकाहिया शरू करता हो।

हकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुभा ने राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरणः ----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में प्रिशाण्डि हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया भूता हैं।

पनुसूची

ण्लाट न० 101, जो सेक्टर 3, सी० टी० एस० नं० 1437 भरता राजन विलेज, बान्द्रा, बम्बई—400050 में स्थित है।

श्रमुस् की जैसा कि त्रां स्थ-2/37-ईई/21670/84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-1-1986

मोहर 🏻

क्षाप कार्य . हरे . एव . एव . ५,००,००५०

वाशकर विधितिससं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुवधा

शारक स्टकार

कार्यासय, बहायक वायकर काम्का (निर्देशण)

श्रजी रेंज-2, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/21780/85-86---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय.

जावकर अभिनजन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात् 'उनत अधिनियम' कहा ग्वा हैं), की भाग 269-क के अभीन तक्षत्र प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्भित, जिलाका उचित वाजार मरूप 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव ऑफिए नंव 21, दी राजेन्सी विव्हिंग, बान्ता (पव), बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूधा में श्रीर पूण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 म, ख के श्रीवित, बम्बई स्थित सक्षम श्रीवितारी में कार्याकर में रजिस्दा है, ताराख 14-6-1985

को प्रोप्त सम्पास के उधित भागार भूष्य में क्या के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ण सम्पास का उधित बाजार भूष्य, उसके उप्यमान प्रतिफल भ एसे उद्यमान प्रतिफल का उधित बाजार भूष्य, उसके उप्यमान प्रतिफल भ एसे उद्यमान प्रतिफल का अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पावा गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किंशित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किली आर की बावत, उक्त अभिनिवस के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उसने बचाने में तृविधा के सिह; और/या
- (थ) देनी किसी साथ या किसी जन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (19'/ का 27) के प्रयोजनार्थ असीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, किसाने में सहीयभा के किया;

कार वर्ष, उन्त अधिनियम की धास 269-न के अनुसरण को, बो, स्थल अधिनियम की धास 269-व की उपवास (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मेमर्स कावेरा धारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्स वफ कासल देखिंग कंपनो।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुक्ता के प्रजपत्र में अन्ध्रशन की तारीस स 45 दिन की नवींचे ना तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुकता की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी नवींचे नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से निस्ती व्यक्तित दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थम्बर मम्पत्ति में हिल्ल ब्र्य किसी अन्य व्यक्ति व्याप अनोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सके

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

श्राफिस नं० 21, जो दूसरी मंजिल, दी रोजेन्सी बिल्डिंग नेशानल लायबेरी रोष्ट, बान्द्रा (प०), ब बई-400050 में स्थित है।

श्रमुस्की जैसा कि अ० लं० श्रई-2/37-ईई/21780/84-85 श्रीर जो स्थाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टडँ किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज→2, बम्ब**ई**

तारीख: 31-1-1986

मोहरः

प्रस्थ बाई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० ग्रांकिंग नं० 22, द। र्.प्रेन्सं, बिहिडग, बान्द्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपादक श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधान, बम्बई स्थिन सक्षम श्रीधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारील 14-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया कितफल, निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा जिया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्। राष्ट्र में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स कावेरा कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स कफ कासल ट्रेडिंग कंपनी।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाक्रियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि । नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूची

श्राणिस नं० 22, जो दूपरी मंजिल, दी रोजेसी बिल्डिंग, नेशनल लायब्रेरारोड़, बान्द्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/21781/ 84—85 श्रीर जो सक्षत्र प्राधिकारक बम्बई द्वारा दिनांक 14—6—1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राविधारा सहायक ग्रायकर माकुक्त (निराक्षण) शर्जन रोज-2, बम्बई

सार्ीख: 31-1-1986

मोहरः

प्रकथ बार्च , टी., धन , ध्स , -----

बायकार अभिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन ब्याना

नारक करकात

कार्यांचय , सहायक बावकड बाव्यत (विराक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/21920/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय.

नायकर निपित्तयम, 1961 (1961 का 43) (चित्तं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-च के नेभीन सक्षय प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित नाचार नुरूष 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसका मं० फलैट नं० 303, नेक्टर 1 बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भौर इससे उपाबद प्रतुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भ्राय कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

भी पृथा कर संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम की वस्तमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है जौर मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंकर संपत्ति का उचित याजार हरूब, उसके दरवमान प्रतिफल से एंचे वश्वमान प्रतिफल का वन्त्रह मितनत से विभक्त है बीर वह कि बंधरक (बंदरका) और वंधरित रिती (जन्तिरिवर्ग) के बीच होते बनारण के लिए तब नावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय के उच्च बन्तरण लिखित में वास्तिक कम से किया नहीं किया गया है हम्मे

- (क) अन्तरक ने हुई कियी नाम की बामबा, उपल जिथितियंत्र के लगीम कर दोने के बस्तरक के रायित्व में कमी करते वा बेक्स बचने में सुनिया की निष्; जीट/बा
- (भ) एसी किसी भाग वा किसी भन का बन्स वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया कास प्रतिष्ट भा क्रियाने में सुविधा वो लिए;

सत्त स्था, स्थल क्रीभिषयं की भारा 269-ण के बनुतरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) डे अभीत, निम्नीतियन व्यक्तिकों, अर्थात् रू---

57-506 GI/85

21-6-1985

1. मैसर्स कोर्ति एन्टरप्राईजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मीना मधू तेजवानी

(भ्रन्तरिती)

3. नेक्टर को० घाँप० हाउसिंग सोसायटो लिम्ग्टिंड।
(वह ध्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह त्यमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के: अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुएं।

उनक सम्मरित को नर्जन को तस्वरूप में कोर्क भी कार्का ॥---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्पित्यों पर बूचन की समीत से 30 दिन की सबीध, को मी सबीध नाम में बमान्त होती हो, के शीतर पुनोंकम स्पित्यों में से किसी स्पित्य बुदाय;
- (व) इत ब्याना के प्राथमन में प्रकाशन की दार्शन है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य स्थित द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस वा सकेंचे।

स्यच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त कटां और पदों का, वो उक्छ निधिनियम के अध्याय 20-क में पीरुभावितः है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है ।

न्त्री

फ्लैंट नं० 303, जो, नेक्टर 1 बिहिंडग, सी० टो० एस० नं० 1437, शरली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूच। जैसा कि त्र० सं० ग्रई-2/37-ईई/21920/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनोक 21-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 31-1-1986

त्रस्त् वार्डं.टी.एनं.एसं.....

भायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के श्रीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनव, बहु।यंक नायकर भागुभत (निरीक्षण)

मर्जन रें ज बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० घाई० 2/37 ईई/21935/84-85 घ्रतः मुझे, घार० प्रमात राय

कायकर किथिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वभात 'उक्त किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसका पसैट नं 502 मार्बस आर्क प्रीमायसेस, बिन्द्रा बम्बई 50 में स्थित है (और इसरी उपाबद्ध धनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारतामा धायकर मधिनिधम, 1961 की धारा 269 त.ख के मधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21 जून, 1985

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंकू किसी आय की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी ख्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

नतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं क अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलीयतं व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म 1, श्रीमती गनेशीबाई चून्रसल कुर्कता

(मन्तरक)

2. श्री राजकुमार कोडूमल शेवानी

(भ्रन्तरिती)

को सह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी जन्म व्यक्ति त्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त राख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्की

प्लैट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, मार्बेल मार्के प्रिमायसेस को० श्राप० हाउंसिंग सोसायटी लिमिटेड, 94, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुभूकी जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/21935/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 की रजिस्टडं किया गया है।

> प्रकार राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज−2, वन्बर्

तारीख' 5-2-1986 मोहर प्रकष आहे. टी. एन . एस . ११-११११

भाषकर सीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायक (निर्देशक)

श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/21940/84-85--ग्रत मुझे। प्रशांत राय.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसका फ्लैंट नं० 19 से 30, एस० नं० 136, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूणं रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयक्र प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 21-6-1985

को प्रांतिक संपरित के ब्रियत बाजार मृत्य से काम में क्यानाम करिकास के लिए मन्यरित की नहीं हैं और मुखे यह निश्यास करने का कारण है कि स्थापनों कर समारित का समित का बार मृत्य , उसके क्यामान प्रतिकास के देखें व्यवसान प्रतिकास के निर्माण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नितियों उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में में बास्तियक रूप से काथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तर्य सं हुई किसी जाय की वाचत, उक्क जिम्मिनियम के अभीत कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अभ्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपानं में सुनिधा भी सिद्धा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, निस्तिनिया व्यक्तियों, नर्थात् :— 1. मेससं शीतल ऐसोसियेएटस

(मन्दरक)

2. मेससं गेमोन इंडिया लिमिटेड।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्जन के किह्न कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षप :---

- (क) इस त्वना के राजपन में त्रकायन की दारीय है 45 दिन की नव्धि वा तत्क्रम्नभी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, को भी अव्धि वाद में समाद् होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से निकती क्षत्रित व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त खन्यों और पर्दों का, जो उक्ट जायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

मन्सूची

पर्लैंट नं० 19 से 30, जो तीसरी और चौथी मंजिल, एस० नं० 136, हिस्सा नं० 3, मी० टी० एस० नं० 611. बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

श्चनुतुत्री जना कि का ं श्राई-2/37-ईई/21940/84-85 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 को रिजस्टड की गया है।

प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोज⊶2 **बस्बई**

तारीख: 31-1-1986 मोहर: प्रकृत माई.टी.एन.एस.-----

आयकर मिनियज, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नचीन सूचना भारत करकार

कार्धांसय, बङ्गायक भाक्कर भागुवत (विकासण) श्राजन रोज-2, जम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/21990/85-86--प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आवकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उन्त निधानम' कहा गण है), की भारा 269-च के अभीन तक्षम प्रतिभक्तारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लट नं० 602, नेक्टर 1, बान्द्रा, ब्रम्बई—50 में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिलका करारनाना श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रीन, ब्रम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, कार्र ख 24-6-1985 को पूर्णेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ख्रयमान श्रीतफल के लिए अंतरिस की कई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान श्रीतफल से, एसे ख्रामान श्रीतफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुन्दूर किसी आय का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन ा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स कीर्व एन्टरप्रायसेस

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मृदुला गुप्ता

(भ्रन्धरिती)

4. नेक्टर को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (बह ध्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

 यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हो।

जनत संपत्ति को शर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सक्यित की हित-क्ष्म किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं \circ 602, जो नेक्टर 1 बिस्डिंग, सी \circ टी \circ एस \circ नं \circ 1437, शरली राजन रोड़, बान्द्रा, बम्बई \sim 400050 में स्थित है

> प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज्∽2, **बम्बई**

नारीख: 31~1~1986

प्रकृष बाह्र , दी, एम ् एच अस-न्यास्त्र

बायकर बीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-थ (1) से बधीन स्थना

भारत सरकाद

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० भ्रई-2/37-ईई/2185/84-85---भ्रतः सूझे, प्रकृष्टि राय,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित् बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट, श्री गुरुदेव निस्यानन्द को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिभिटेंड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उणाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर ब्रिधिनियम, युक्षम 269वं, ख वे श्रधीन, कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-6-1985 को पर्वित सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य से कम के सरमजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मुल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना वाहिए था, फिपाने में तुनिभा के लिए;

जत: सव, उक्त जीशीनवन की भारा 269-ग के जन्हरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गूरुदेव निस्यानद को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(भन्तरक)

2. श्री विकास व्हाय० राने।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वे त</u> सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुत्ते ॥

उन्ह कम्पृतिक के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप ---

- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किसी वा सकोंगे

स्थल्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ुधनुसूची

पलैंट जौ सर्वे नं० 1185, श्री गुरुदेव नीत्यानक को० ग्राप० हार्जाग**ग** सोसायटी लिमिटेड माहीम प्रभादेती बम्बई— 400025 में स्थित है।

अनुसूर्धा जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई,21850, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार, दिनौंक 18-6-1985 को राजस्टडं किया गया है।

> प्रश्नीत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 5-2-1986

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** वम्बई, दिनांक 5 फण्यरी 1986

निवेंग सं० अ**ई**-2/37-ईई/21974/84-85---अत: मुझे, प्रशांत राय,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं फ्लैंट नं 1/20, सागर (एच० आय० जी०) को० औप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्रो हैं, तारीख 24 जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या जससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री रतनलाल भगवान इंगोले

(अन्तरक)

2. बईवीन आगस्टाइन क्लटन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्च भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 1/20, जो गागर (एच० आय० जी०) को० आंप० हाउसिंग सोनायटी लिमिटेड, फीणरमैंग कालोनी, माहीम, बस्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूर्व जैसा कि कि सं कई -2/37 - ईर्श /21974/84 -85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 -6 -1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रयांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

ारीख: 5--2-1986

प्रकार बाही, हों, एम. १स , अल्लाकर

माध्यः संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के संधीन सुमना

माइत बडकर

कार्यांतम्, सहायम भागकर नागुक्त (निर्दासन)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवें म सं ० अई- 2/37ईई/22070/84-85

बावकर विविद्यमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया ही, को कि कार 269-ब के अभीन ससम प्राधिकाची को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से जिथका है

गीर जिसकी सं इडंस्ट्रियल यूमिट जी०-5, हिरेन लाइट इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस, माहीम ,बम्बई-16 में स्थित हैं (प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिता करारनामा आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 27-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान शिक्रम के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि मभाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, अत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरका) और अंतरिती कम, निम्नसिसित उच्योध्य से उचत अंतरण लिखित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद् किसी काय की बायक उपका अधिनियम के बचीन कर योगे से जन्तरक कें शिवल में कमी करने मा सससे यचने में सविका के सिए; बीर/का
- (क) ऐसी किसी बाव वा निस्ती भन वा ज्व्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आम्-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ करतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा भा किया वाना वाडिए वा ज्वियान में सुविधा के सिए?

् बतः केवः, उक्त लिधिनयम की धारा 269-ए वी अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधार (1) भी वधीय, निकासियित अधितवीं अवस्ति !---- 1. श्रीमती अभित कौर एस० मीखा

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम उर्फ भारती राज तलरेजा। (अन्तरिती)

को यह त्यमा भारी कारके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त तम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षीए हिन्स

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मास में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचत में किए जा सकोंने ।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के जभ्याय 20-क में परिभालिस इ⁴, वहीं वर्ष होगा, जो उस सभ्याय में क्रिका

श्रनुसुची

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० बी-5, जो हिरेन लाइट इंड-स्ट्रियल प्रिमायसेस को० औप० सोसायटी लिमिटेड, 408, मोगल सेन, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/22070/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-2-1985

प्रकृष वार्ड . ही . एन . एस . -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22109/84-85-अत: मुझे, शांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 6, इमारत नं० 7, विवेकानन्द माहीम, बम्बई—16 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 28—6—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यभार प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, होसे उपयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के श्रीक एसे अंशरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निक्तिसित उक्षेत्र से उक्षेत्र संस्तरण जिल्ला में नास्तरिक रूप से कथिस की किया गया है "--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आब की बाबत, उपका अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय बायकर अधिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यक्तः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निकारितीयत करिनयों संभातः :--- 1. श्री ईंग्बरलाल विश्वामदास

(अन्तरक)

2. श्री परधोत्तम ग्री० अमेसार।

(अन्तरिती)

3' अन्तरक

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

ना यह सूचना वाड़ी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिख् कार्वधाहियां गुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास न सिवित में किए जा सकाँगे।

स्वध्योक्तरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जॉ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मन्सूची'

प्लैट नं० 6, जो इमारत नं० 7, विवेकानन्व को ० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, टी० एच० कतारिया मार्ग, माहीम, अम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/22109/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

सारी**ख:** 5-2-1986

प्रकर नाइ⁴. टी. एत. एस_{..} - - -

नावभर वाधितमन, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269 व(1) के संबीत स्वता

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्वेण सं० अई-2/37-ईई/22121/84-85--अतः मुझे, प्रमाति राय.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परकार जिन्दा नियम कहा गया है), की भारा 209- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 217, हमारिस्मिथ इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-6-1985

को पूर्वेक्स सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और एसे यह विश्वास क ने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिक रूप

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त विभिन्निक के अधीन कर देने के बन्तरक के दावित्व यो कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए: बार/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अस्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ह प्रयाजनार्थ अंतिरती दवारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना धाहिए था किया में मुविधा के सिए;

शतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग से बन्धरण भे, जी, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के उपोर्ग निम्निविधित व्यक्तियों, अधित :--- 58--506 GI/85

1. श्री कृष्तजी गोवाल पेंडमे

(अन्तरक)

2. श्रीमती धनलता अगोक नाइक

(अन्नरिती)

3. मै० मयुर प्रोसेस स्ट्डीग्री

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में

सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हरूनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवध्य या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अपिय, जो भी बनीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्थाबीकरण :---इससे प्रयुक्त कार्यों और पदा का, जो उपत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है (ह)

अनुसूची

यूनिट नं० 217, जो दूसरी मंजिल, हमारस्मिथ इंड-स्ट्रियल प्रिमायमेस को० आप० सोमायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 416, आफ सीतलादेवी टेम्पल रोड़, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि के सं अर्ड-2/27-ईई/22121/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, **यम्बर्ध**

तारीख: 5/2/1986

श्रुष्टपः नरहाँ, द्वी. एतः एवः - - - - -

जप्जकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीय स्थान

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, बम्बर्द बम्बर्द, दिनौंक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई~2/37~ईई/22020,85~86~⊸श्रतः मुझे, प्रणौत राय,

भायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जीम-व्हीयू, को० स्राप० हाउसिंग सोसायटी, खार, बस्वई-52 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-6-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के एक्ति बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांत्रक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निचित्र उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिधिक स्प के स्वित नहीं किया बना है ——

- (क) नन्तरण से हुद्द किसी बाय की बाबत , सबस करियोग्योग के अधीन आह दीने के अन्तरक की वायित्व में कामी आहते मा समझे जनने भी स्थिक के बिक; और/या
- (ण) लुंसी किसी जाम या किसी धन या जन्म आहिलाये चाः निरुद्धां भारतीय भाग-कर अधिनियमः, १९०२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियमः, या धन-कार अधिनियमः, १९५७ (१९५७ का २५) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृद्धारा प्रकट नहीं किथा पर का शिका जाना नाहिए थाः खिदाने से स्विका से निरुद्धा

बत. अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, प', उक्त ऑधिनियम की धारा 269-च की सपधारा (1) के अधील, जिस्लिखित व्यक्तियों, अधित स्— 1. श्री मोहिन्दर रामनारायन मेहरा

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती भुनीता श्रार० ग्वासानी श्रीर श्री श्रार० एम० ग्वासानी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्षभ ने संबंध में काई भी बाक्ते :---

- (क) इस स्वना के राजपण हों प्रकासन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस म्लाता क राजपत्र में प्रकारत की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में दितवर्भ किती अन्य कावित द्वारा, वभीहस्ताकरी के पास जिक्कि में किए आ सकतें।

स्पव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तची

फ्लैट नं० 16, जो तीयरी मंजिल, जीम-व्हीयू को० श्राप० हार्जीयम सोसायटी, सोलावा रोड़, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

प्रनुद्भि जैना कि कि न मं० प्रई- 2,37-ईई,22020,84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 25-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राम मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 5-2-1986

प्रकप नाइं. टी. एन. एस.,-----नावकर विविधन, 1961 (1961 क्षा 43) की
पारा 269-भ (1) के न्वीन ब्यान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भागुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रोज-2, बम्बई

- बम्बई, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई- 2/37-ईई/21809/84-85---श्रतः सुझे, मशौत राय,

वावकर विधिवसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार नूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 210, 211, पालो, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिन्द्रों है. सारीख 17-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मित को जियत बाबार मृत्य से कम को काममान ब्रोत्तकत को किए अन्तरित की नई है बीर मृत्री यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाकार बृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल सो, एसे क्यमान प्रतिफल का बृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल का बृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल का बृत्य प्रतिकत से विश्व है बीर बंतरक (अंतरकरें) और बंतरिती (बंतरिती) को बीच एसे बंतरण के मिए तथ गाया नवा प्रविक्त कल निम्मलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्त-विक कप से कृथित नहीं किया न्या है :---

- (क्या) बन्तरण ने हुई किसी शाम की मानक, ३२० अधिनियत के वधीन कर दोने के बन्तरक के दावितक में क्यी करने वा उत्तरी बच्चने में सुविधा के देशह; और/वा
- (च) एथी किसी आग या किसी अन वा अन्य आक्रियों को, चिन्हें आरंदीय नायकर वींभनिवस, 1922 (1922 का 11) वा स्वत्य अभिनिवस वा भनकर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) से अमोधनार्थ कन्तरियी ब्वास प्रकट नहीं किया यवा या का किया बाना आहिए था, कियाने वें वृत्यिभा के किए;

बतः तकः, उक्त विधिनियम की भारा 269-म क बनुसरण मैं, मैं, एक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीन, निम्मिनियम की कार्यों, अभूत ह

- श्री मायकल पोटर एन्थोनो मिराँडा श्रो वेलेंटाय न मिराँडा श्रौर श्रो फरढीनंद मिराँडा।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. मेसर्स एवरटोप बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

का नक्ष सूचना चारी करफो पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन औ विश् कामनाष्ट्रियों करता हुए।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विज की जबिश या तत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर मुखन। की वासील से 30 विन की अविभ, जो भी जबिश वाल में सभाप्त होती ही, ये जीतर पूजांबर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर मध्यात मार्थ हुए। वहूम किसी करन न्यक्ति ब्वास, अभोहस्ताकरी के रास लिखित को किश्र वा सकार्य।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जनत जीभीनयम, के अभ्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका गया है।

अनुसूची

जमोत हा हिना जिएका नाइ तंब 219 और 21 1 सीव टीव एमव नंब मी/856, मी/857(पार्ट), सी/855 सी/857(पार्ट), मार्कीट न्यू रोड़, पाली, बान्द्रा, बम्बई--400050 में स्थित है।

भ्रतुमूची जैमा कि फ़र्ज मं० भ्रई- 2/37-ईई/21809/ 84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनौंक 17-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्ब**र्ह**

तारीख: 7-2-1986

माहर:

प्रकृष बाह्".टी.एन एस. ------

....

नायकर निर्मागयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

EMPLE ESTR

कार्यानय, सञ्चयक नायकर बाब्क्स (निर्देशका)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 फरवरी 1986 निर्देण सं० श्चई-2/37-ईई/20824/84-85--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय.

आयश्रद लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परपात् 'उक्त मीभिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-व के नभीन संसम प्राविकारों को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति विसका स्वित्व बाबार सुरुल

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, पाँचवी मंजिज, ठाकरस श्रापार्टमेंट, ग्राघेरी (प०), बम्बई-56 में स्थित है (भौर इससे उपावद्य श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के अभित बाजार मूक्य से कम के खुसमान शितपम के सिए बम्तरित की पद है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्माश्त का अभित भाजार मूक्य, उसके ख्यमान प्रतिपाल से, एसे दर्यमान प्रतिपाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिवाँ) के बीच एसे बंदरण के लिए तर पाना क्या प्रतिप्त क्या निम्निविद्य क्यूब्येक से ब्युक्य क्यारण तिक्तित में बात्त-विक क्या से क्यिक मही विका पदा है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

भराः सव, सबस समिनियम की भारा 269-न से अनुसरम में, में, उत्तर सिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के सभीन, निम्नसिक्षित व्यक्तितां, अभीत है— 1. श्री ग्रामोक सी० देसाई

(ग्रन्तरक)

2. श्री कमल कुमार ग्रगरवाल

(भन्तरिती)

को यह बुचना बारी अरके पूर्वोज्य संपत्ति के अर्थन के किन कार्यनाहियां करता हूँ।

बक्त बम्परित से गर्बर से बम्बन्य में कोई श्री मासंप :---

- (क) इंड स्वाम में राजपन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वाम की समील से 30 दिन की नवीय, को भी
 अवधि नाम में समान्त होती हो, के भीतर प्रवें नव
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यादा;
- (थ) इस ब्यान में राज्यन में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के नीतर उक्त स्थायर स्थापित में दितवस्थ किसी सम्ब व्यक्ति दुवारा नभोहरताकरी के शब विक्ति में किस का स्कीते ।

स्वक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पूर्व का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा यो उस अध्याय में क्या क्या है।

मनुजूची

फ्लैंट नं० 1, जो पाँचवीं मंजिल, ठाकरस श्रपार्टमेंट, सी० डी० बर्फीवाला मार्ग, श्रंधेरी (४०), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि से कि ग्रई-2/37-ईई/20824/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

प्रकप बार्षा हो, एवं, एवं, -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के मधीन सुनना

ग्रांच्य परकार

कार्यासय, सञ्चाक नायकर नाव्यतः (विरक्षिण) श्रर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/20895/84-85-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

मायकर निविचन, 1961 (1961 का 43) विवर्ध इसमें इसमें प्रकात 'उक्त निविचन' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मरित जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से निधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० जी-48, जीवन नगर, न्यू धौबिवली को० ध्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, धंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), धौर जिसका करारनामा ध्रायकर धिंनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मौत के उचित बाजार मूक्य से कम के व्यवमान प्रिटिफल के लिए बंतरित की गई है बीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूक्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्त्रह शिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा शितफल, निम्नलिखित उक्दोध्य से उक्त अंतरण मिखित में शिक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरकृते हुई किती बाव कर्षी बावका जनत विधिनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एमें किसी आय या किसो धन या अन्य आस्थिमों कों, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियमं, 1972 (1922 का 11) या जकत अधिनियमः, या भग-कर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) चैं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाया आहिए चा, जिनाने में सुनिया चैं सिए;

बतः बव, उक्त विधिनवम, की धारा 269-न के बन्तरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें के वधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री इम्तियाज सदुदीन भाइदानी

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती यलदाज गेख भ्रनवर भौर श्री गेख भ्रहमद श्रुख कादर।

(भ्रन्तरिती)

3. प्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संस्पंति है)

को यह स्वान बारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्जन वे लिए कार्यवाहिनां कुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित की मंदिस या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की संविध, जो भी अविध वाद में सनाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (थ) इस सूचना के राज्यण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के गास सिचित में किसे जा सकते।

स्वध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिका बना हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी-48, जो चौथी मंजिल, जीवन नगर न्यू ग्राँबीवली को० ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, वीरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37-ईई/20895/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनौंक 1-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

THE RIE LEGISTE WE CONTRACTOR

नामकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्याजा)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37-ईई/20913/84-85---- पतः, मुझे, प्रशांत राय,

नायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्कों इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियभ' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थान करने का कारण हैं कि स्थानर सन्धति, विसका उचित बाबार मून्ध्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स अधिक हैं
और जिसकी सं प्रलैट नं ।, जोली भवन नं 2, बान्द्रा
(प), बम्बई में स्थित हैं (अंग्र इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में अंग्र
पूर्ण रूप से विभिन्न है), अंग्र जिसका करारनामा प्राथकर प्रिष्टिन्म की धारा 269 के, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4 जून 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूस्म से कम के असमान प्रतिकान में सिए अंतरित की गई है बार मूखे यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत संवत्ति का उचित बाबार मूख्य, उबके असमान प्रतिकान से, एवं असमान प्रतिकान का प्रतिकान के प्रतिकान की सिए असमान प्रतिकान के और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के सिए तब गाया चवा अतिकान, निस्तिवित्त उच्चेच्य से उकत बन्तरण । अवित्त में बास्तिवक रूप से कमित नहीं किया वना हैं:—

- (क) बन्धरम् सं हृद् िक्कों मान सी सामग्र. स्नय वृधिवित्रम् सै वर्णाय कर दोने से सन्तरक के खिलस् जो क्षानी बहुने या वस्त्री नचने में स्थिता के किए: क्षांत्र/मा
- (था) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा बच्च अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में श्रीविधी के लिए;

सतः सन, उनत अभिनियम को भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीर, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री नरेन्द्र एस० अजवानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री पीं० जे० सीमोन

(ग्रन्सरिती)

3 ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को वह स्वका चारी करके प्योंकत सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियों सुरु करता हुं:

तकत तम्परित के वर्णन के बम्बन्ध में कोई भी वासेष :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 विज की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर बूचना की तामील से 30 विज की व्यथि, को भी स्थित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्याराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तहरीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए जा सकेंगे।

लाकीकरणः—-इसमें प्रयुक्त कालों और पश्चें का को उकत विधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

जगुल्ची

पहेंट नं 1, जो तल मंजिल, जोसी भवत न 2, ब्लाट नं 408, टी पी एस 3, पंधरवा रोड़, बान्द्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/20913/ 84-85 ऑर जो सक्षम प्राधारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

मो रःष्ठ

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2. सम्बर्ध

नहीं दिल्ली, दिनांक 7 फरघरी 1986

निर्देश सं० भ्रष्ट्-2, 37-ई ई, 20958, 84-85---यतः, मुझे, प्रशोत राथ,

बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फलैंट नंव 4, मिनू इपोर्टमेंट, क्लि एकें (पू), बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूनी में और पूर्ण रूप मे विजित है), और जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ही है तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से ऐसे दक्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् — श्रीमती मालती रामचन्द्र शांत्रे और श्री रामचन्द्र बी० शांत्रे

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स मिनू कन्स्ट्रक्शन को०

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति दृशाः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त कर्ना और पर्वों का जो उक्त क्रि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 4, जो तल मंजिल, मिनू श्रदार्टमेंट, विले पार्से (पू), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2,37-ईई,20958,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 6-6-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (तिरीक्षण) भाजेंत रेंज-2, बम्बई

सारीख 7-2-1986

मोहरः :

प्रकल काइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यामयः, सहायक वायकर वाय्क्त (ग्वराक्षण)

श्रजीत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरचरी 1986

निर्देश मं० थाई-2/37-ई ई/21065/84-85---यस , मुझे. प्रणीन राथ.

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें एमके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति किसका उचित बाबार मून्य 1,00000/र रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैट नं० 105 इमारत नं० 1-ए धिखादैवी को० श्राप्त हाउसिंग सोसायटी अंधेरी (पू) बस्वई-69 में स्थित है (और इसने एपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में चिंगत है). और जिसका करारतामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्वई में राजस्टी है तारीख 6 जून 1985

की पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुम्मे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहमान प्रतिफल का प्रकृष्ट् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नलिख राम्तिविक रूप म कथित नहीं किया गया है हु---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायस उक्स विध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे क्लने में सुनिधा के निस्तर, और/या
- (स) ऐसी किसी अप या धन या अध्य बास्तियों को, जिम्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने यें मृतिधा से लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के सनुसरण के, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) हे अधीन जिल्लामिकत व्यक्तिकों, वर्णक के ा. मैसर्स इंडीको कल्स्ट्रक्शन को०

(अस्परक)

2. श्री णिवाजी गांकर बाबर

(श्रुस्तारती)

को यह सूचना चारी करको पृशाँकत सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यक्तियों बाज में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवपूथ किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्बां बार पदां का, क्षां सक्त विभिन्यम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस सभ्याय में दिवा नवा है।

प्रमुख्य

फ्लैट नं० 105 जो पहली मंजिल इसारत नं० ए-1 विद्यादैनवी को० श्राप० हाउसिंग सीसायटी चनाला अंधेरी (पू) वस्थई-400069 में स्थित है।

श्रमुम्बी जैसा कि कर मंठ श्राई-2,37 ई ई,21065, 84-85 ओर जो सक्षन प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिसांक 6-6-85 को रिस्टर्ड वियागाया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिवारी महायक श्रायकर धायुका (तिरीक्षण) श्रवीत रोज-2 बस्बई

मारीख: • 7-9-1986

प्रकृत बाह्र .टी . इय . एक . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेंज-2 बम्बई

वम्बई दिनांक 7 फरघरी 1986

निर्देश सं० श्राई-2/37-ई ई/21096/84-85---यम: मुझे प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी यं० एकैट नं० 20-ए इमारत नं० ए दीपाजली मोमायटी, जिले पार्ले (पू), बम्बई-57 में स्थित है (और इसके उपाबद प्रतृपूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिमका स्थापात प्राप्त प्राप्त प्राप्त की प्राप्त 269 के खे प्रयीत नारीख़ 6 जून 1985

को पूर्वोक्त संम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाश के लिए बंतरित की गर्द है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुवाँक्त संपत्ति का उपित बाजार ब्रुप, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्रयमान प्रतिकास का प्रसृद्ध प्रतिकात से प्रविक्त है और सम्बद्ध (क्रात्रकों) मोर सम्तरिती (सम्तरितियों) के बीम ऐसे सम्बद्ध के लिए तम बाधा नमा प्रतिकास विकासित उद्देश्य ने उनत सम्बद्ध विविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी नाग की वायत, धनत निभिनियम के मधीन कर दोने के नंतरक के बायित यो कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के बिए; बीए/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या कन्य जास्त्यों की; जिन्हें भारतीय यायकर समितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर समितियम, जा सन-कर जिभितियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगमार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या कि हा जाता जातिए या, जिल्हा के लिए।

बतः वकः उक्त विभिनियम की भारा 269-न के बनुखरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभास (1) के अधीन निमालिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 59---506 GI/85

1. श्री रवीन्द्र गोबिन्द ओक

(अन्तरक)

2. श्री प्रविनाश गोविन्द ओक

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों कर
 बूचना की ताजील से 30 दिन की अनिध, को भी
 अविध काय में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविवासों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूक्ष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए जा सकोंगे।

स्वयक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो खब्द अधिनियम, के अध्याय 20 के यो यथा शीरभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उन्ह अध्याद में दिया पदा है।

श्रनुसूची

पत्नैट नं० 20-ए जो चौथी मंजिल, इसारत नं०ए दीपांजनी सोसायटी, एम०जी०रोड, विले पार्ले (पू), बम्बई-400057 में स्थित है।

श्रनुपूची जैमा कि कि० सं० श्राई-2/37-ई ई /21096/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजैत रेज-2, बम्बई

नारीख : 7-2-1986

म ोहर :

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यन्त्र्या, सष्टायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/21101/84-85-अन: मुझें, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता वाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० व्लाक नं० 18, गुरु प्रसाद, विलेपार्ले (प०), वम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिमका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-6-1985

की पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का जंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अन्तरण से हुई किसी ख़्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीर क्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

1. श्री बी० बी० देसाई

० (अन्तरक)

2. श्री ए० जी० देसाई, श्री जी० एन० देसाई श्रार श्रीमती आर० ए० देसाई।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचाा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर क्रिक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ~- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 18, जो गुरुप्रसाद, सर्वे नं० 271/डी/6 हिस्सा नं० 1, मेन्ट फान्सिस रोड़, विले पार्ले (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/21101/ 84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-6-1985 को रिजस्ट्री किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप आहें हैं हो हुन पुरस्त हरना करना नाम

बायक्य भूभिनियम, 1961 (1961 भर 43) की धारा 269-ए (1) के ब्रधीन स्पना

नार्व वरकाड

कार्वासय, सहायक भागकर नायुक्त ([नर्राक्रक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देण सं० अई-2/37-ईई/21181/84-85--अनः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की वाश 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावन सुस्पत्ति, जिसका उचित् बाबार शृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिलकी सं० फ्लॅट नं० 304, जो, इमारत नं० बी−2, देवदीगा को० आप० हार्जीयग सोसायटी, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-69 में नियन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांर पूर्ण कल से वर्णित है), श्रांर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, सारीख 10-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रूपयमान लिए अन्तिरत गब्दै हैं को की भौर प्रतिफल मुभ्हे यह विश्वाम करने का कारण कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यकान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से मधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागयाहै:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भाव की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कार दोने को बंदरका की दारमध्य में सामी कारत या उसमें तसरों में स्विधा को पेटा, मांग/पा
- (ब) एरेरी किसी थायुवा फिबी भूनुमा बन्म श्रास्तिका का, जिन्ही भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भन-कार अधिनियस, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधः 🖷 क्षिए:

अतः जब , उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरूण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन , निस्नसिधित ध्यक्तियों 🖟 वर्णात् 🖫 🗝

मै० इंडीको कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

प् (अन्तरंक)

2. श्री नरेन्द्र आर० णाह ग्रांर श्रीमती जयश्री एन० पाई ।

(अन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उच्छ स्मारित वी नवीन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जबभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों श्रू स्चनाकी तामील से 30 दिन की ब्लिभ, को और अविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ट म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति इवायः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन् के मीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़व किती जन्म व्यक्तित युवाय अभोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पृष्किरण:---इसमें प्रयुक्त लक्यों और बद्धों का, जो उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 304 जो तीसरी मंजिल' इमारत नं० बी-2' देवादीगा को० आप० हार्जाक्षण सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (प्०), बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/21181/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1985 को रिजस्ट्री किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

इस्म शाद्ध दौ_ा एत*्* एव.

भावकर वर्डिपरिनयन, 1961 (1961 का 43) की पहरा 269-म (1) के नुपीन कुलता

RICE STATE

कार्याजव , सङ्घायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्वेश सं० अई-2/37-ईई/21182/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 303, जो, इमारत नं बी-2, देवदीगा को आप० हाउसिंग सोसायटी ग्रंधेरी (पु०), बम्बई-69 में स्थित हैं (श्रींग इसमें उपाबद्ध अनुमुची में श्रींग पूर्ण क्य में विजित हैं), ग्रींग जिसका करारनामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 10-6-1986

को पूर्वित सम्पत्ति के उपित गाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे वह विश्वास फरने का कारण है कि बचापूर्विकत सम्पत्ति का उपित गाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे अस्यमान प्रतिपाल का वन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल कि निम्मासित उप्योक्त से उपत वस्तर्ण कि वित्त में वास्तायक रूप से कायत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के श्राप्तिरम में कमी करने वा उससे बचने में बुनिधा को नित्त को राज्य
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) स उन्हें विश्वित विश्व का विश्व का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं विश्व व्या वा वा विश्वा वावा वाहिए वा, जिनाने में तृतिभा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के जनसरण . कें, प्रक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपलारा (1) अभीन विकास स्विकत्यों, अधीत :--- 1. मैं० इंडीको कन्स्ट्रक्शन कं०

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र आर० शाह।

(अन्तरिती)

का यह सूचना वारी वारके प्रवेषित संपृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

क्का सम्मारत में नर्बन के सम्मान में कोई भी नायोग्ः--

- (क) इस स्थान के श्राव्या में प्रकाशन की रारीय सं 45 दिन की अवधि मा तत्स्तिओं क्ष्मित्यों पर स्थान की रामीन से 30 दिन की अवधि को भी स्वृतिक कर में समस्य होती हो, के बीवर प्राप्ति व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति दुनस्या;
- (क) इस सुनान के राजान के प्रकाशन की शारीस से 45 किन के भीतार उनत स्थावर संपत्ति में हितनकुथ किसी बन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बास विशिष्त में किस वा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उस्त अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश स्या है।

वम्सूची

फ्लैट नं० 303, जो तीसरी मंजिल' इमारत नं० बी-2, देवदीम को० आप० हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि स० स६-2/37-ईई/21182/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिशांक 7 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/21240/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रूट से अधिक है

श्रीर जिसकी नं प्लैट नं ए.-2, इमारत नठ ए० सुनील निवास बोल्आप हाउसिंग सोजायटी विमिटेड, श्रंधेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिज्ञा उरारतामा आयब कर अधिनियम, 1901 की धारा 2095, ख के अधीन, बम्बई स्थित उज्जम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 14-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्थ से कम के करणमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से किथा है और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के शिय एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उक्षेप से अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उक्षेप से अन्तरण लिखित में पास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने मी सूविधा के लिए; आर/या
- (स) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती जसबीर ए० गुलाटी

(अन्तरक)

2. श्रीमती मधू श्यामलाल असरानी

(अन्तरिती)

कां यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

समत संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

पलैंट सं० ए-2, जो तल मंजिल, इसारत न० ए सुनील निवास को० आप० हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 89, 90, जें०पी०रोड, धार बालोज, ब्रंबेरी, प०), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि के सैं० अई-2/37—ईई/21240/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज~2, **बम्बई**

कारीख: 7-2-1986

प्रकार कार्यः, बी. एवं , पुत्र , ::::::::::::::::

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याजय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अभ्वर्ष

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रर्ह-2/37ईई/21734/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00.000/- उ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, लीसा ग्रपार्टमेंट, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधितियम की धारा 269 का, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख

को प्रविक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य सं कम के स्रयमान प्रोतकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है उ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षियत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; अपेंर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

खतः जब, नक्त जिभिनियम की भारा 269-ण के जब्सरक को, मो, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्रीमती ग्रसमाबई बूरानजी दारूवाला (भ्रन्सरक)
- (2) श्रीम्ती चान्दनी अन्दुलग्रजीज मूर्की (धन्तिरती)
- (3) भ्रन्सरिती

(वह व्यक्ति जिसके मधीभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कड्को पूर्वीकत सभ्यक्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्दाध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो पहली मंजिल, लीसा श्रपार्टमेंट, मरोल परोगी रोड, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-400059 में स्थित है।

धनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37/ध्रई $\xi/21734/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज -2, बम्बई

तारीख 7-2-1986 मोहर प्रकथ बाद् .टी. एन . एस . ------

भायकार धाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याजय, तहायक आयकर वायुक्त (निर्याजन)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई--2/37ईई/21874/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्त्रारण हैं कि स्थापर संपरित, जिसका उजित बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, संगीता बिल्डिंग मान्ताकुज (प) बम्बई 54 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोरपूर्ण रूप से बिलित है) स्रोर जिसका बरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 19-6-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से काम के खरमान प्रतिकृत के निए बम्बरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, उसके खरमान प्रतिकृत से स्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, उसके खरमान प्रतिकृत से, एसे खरमान प्रतिकृत का पंतर विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, उसके खरमान प्रतिकृत के विश्वास से विश्वास से विश्वास से विश्वास से साम्युविक के निर्मानिक उद्ध्वास से उसले खंतरफ सिकित में मास्युविक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरम वे हुन्द्र सिक्षी जान की बाच्छ छक्त वीपीयम्भ के वर्षीम् इत्य दोने के सम्बद्धक की दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में सिए; शीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या शन्य जास्तिबों गा. जिल्लों भारतीय लगान्य अधिर्याणम् १७२२ (1922 का 11) या उक्त जिल्लोनियम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया चाना चाहिए था, कियाने जे स्विमा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भौ सुधीन निम्मणिकात व्यक्तियों, अधीतः :— (1) श्रीमती शमा उसमान मीर श्रीर श्री उसमान मीर श्रब्दुल रजक।

(म्र तरक)

(2) श्री कमलक्षा मंजूराघ कीनी और श्रीमती जानकी-बाई कमलक्षा कीनी।

(भ्रन्सरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कार की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब नै 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा नवा है,

अनुसूची

पलैट नं० 4, जो संगीता बिल्डिंग, एक्सर्टेशन लिकिंग रोड, साम्ताकुज (प०), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37-ईई/21874/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनोक 19-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्श

सारीख: 7-2-1986

मोहर:

THE ME STATE STATE OF THE PROPERTY.

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत स्रकाड

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्र ξ -2 $_{l}$ 37 $\xi\xi_{l}$ 21965 $_{l}$ 84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मन्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० पर्लंट 305, ग्रीन स्टोर बिस्डिंग, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा

ग्रायकर श्रयधनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख

21-6-1985

को पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान भित्र को सिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्शिलिख उद्वेच्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तिक कप भी कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी अब या किसी वन वा बस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार विधिनयय, 1922 (1922 का 11) या तक्त निधिनयन, या धनकर विधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंग्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया वया था किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों - अर्थात् ह-- (1) मैसर्स रीजवी बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बालचरद्र भ्रार० देमाई

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी भारतेष अ---

- (क) इस मुक्कना को राजभण में प्रकाशन की तारी हु तै 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी वयधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों कर श्वित्तयों में से फिसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ₹ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकें है।

स्यक्षिरणः -- इसमें प्रयवस शब्दों और पदों का, वा उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस कथाय में विका गया है।

श्रममन्त्री

पर्लैट नं० 305, जो तीसरी मंजिल, ग्रीन स्टार बिल्डिंग, गरली राजन, सी० टी० एस० नं० 1281 (पार्ट), 1282, 1428, 1429 (पार्ट), 1430 (पार्ट), बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसुषी जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/21965/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्रोधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्**ष

तारीख: 7-2-1985

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/21975/84-85—श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, बेंड्रा श्रकील प्रीमायसेस, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्षर श्रीधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी के क,र्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 24-6-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्त्रिक रूप से कर्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की, वायत, सक्त विभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दानियय में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/था
- (रा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अंन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविश कंतिसए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निक्तिसिम व्यक्तियों, अर्थात :-----60—506 GI/85 (1) श्रीमती जारमाइन डीसील्वा

(भ्रन्तरक)

(2) डाँ० श्रीमती रीटा पौल

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(व_{टे} व्यक्ति जिसके क्र<mark>धिभोग में</mark> सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी वालोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्तियों स्थानित व्यक्तियों में किसी व्यक्तियों स्थानित स्थानित
- (म) इस सकता के राजपकार प्रकाशन की नारीव में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध निया १००० के पाप सिवित में किए वा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

पलैट नं० 3, जो वेंड्रा श्रकील श्रीमायसेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 24, टी० पी० एस० 3, सोलाया रोड, बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है। श्रनुसुची जैसा ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/21975/ 84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> प्रकात राय स्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

मोहर :

प्रकप बाह्र टी. एन . एस . -----

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, ल्हायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2 बम्बर्ध

बस्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्रई-2/37ईई/21997/84-35 · · श्रतः मुझे, प्रशांत राय

माथकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिच इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मृस्व 1,00,000/-रह. से अधिक हैं

अंगर जिसकी सं० फ्लेट नं० 23 स्नेहकू टींग, चकाला, अधेरी (पु), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूषी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 का,य के अधीन बम्बई स्थित सक्षा प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है तारीख 24-6-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के क्ष्यकान कितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उच्त अम्तरण कि लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उच्त अम्तरण कि लिए ते वाया गया प्रतिफल के प्रमें कार्यकार महाराण के लिए तय वाया गया प्रतिफल का सम्मरण कि कार्यों वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (फ) जन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उच्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/का
- (13) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य काल्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अविनियम की धारा 269-म के अन्सरण वै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधील, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रोमती रोज मारीया रोडरीगस्
- (2) श्री ति पुरेखा एच० जाजावलीकर और श्री हरी के० जांबावलीकर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) एस० ए० कन्ट्रक्टर एण्ड कम्पनी । (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) एस० के० कोनट्रक्टर एण्ड को० और अन्तरितीः
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हरगाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबख है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी नाकोप :-−

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इसस्चना के राजपन में प्रकालन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएजदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए वा सक्तीन।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्यो का, को अनत व्यक्तियम, के बच्चाय 29-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका यहा है:

अनुसूची

फ्रेंड तं० 23, जो, 2री मंजिल, स्तेह कुटीर बिर्लंडग,सी० टी० एप० तं० 287, गुडवली विलेज, चकाला, अंधेरी (पु), बनवर्ड-69 में स्थित है।

अनुष्वी गैसा क कि० सं० अई-2/37/ईई/21997/84-85 और जो समान प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 24-6-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> प्रगति राध मधान प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीखा: 7-2-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरचरी 1986

िर्देश सं० अई-2/37ईई/21998/84-85 - अतः मुझे, प्रशांत राथ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग्र जिसकी सं ० फ्लंट नं ० 12 बाम जाड़ा बिर्लंडग अंधेरी (पु) बम्बई में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से बिंगत है) और जिसका करारतमा आधकर अधिन्यम 1961 की धारा 260 के खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा कें लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिह्य व्यक्तियों, अर्थात् हु—

(1) एस० ए० कन्ट्रक्टर एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री खाकन मेघजी गाला।

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरक ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी प्रिक्तमों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्भग्रा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्या

फ्लेट नं० 12 जो 1ली मंजिल, बामनवाड़ा बिह्डिंग सी० टी० एस० नं० 32, बामनवाड़ा विलेज अंधेरी (पू) बम्बई में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि कि से शर्थ-2/37ईई/21998/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन्ति 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-2, बम्बई

तारीख 7-2-1986 मोहर

भारत तरकार

कार्यासन, सहायक बायकार बायुक्त (निर्धिक्य)

ग्रर्जनरंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरीं 1986

निदेण सं० ए०ऋ।र०-2/37जी/3772/85--- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उपत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी में० प्लाट नं० 131, सीं०एम० नं० 9/ए 647, और 8/647, माई।म, डिबीजन बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उनाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीवरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बच्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित ही गई है और मुम्से यह बिद्यास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित् बाजार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रसिधत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त -अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) एसी किया बाय का किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1822 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपार में सुनिया वी विद्या

मतः जया, उनत जिथिनियम की धारा 269-ग के अगुन्तरक तो, जी, उनत जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के न्धीन िमनिजिसित व्यक्तियों, वर्षात क्र--

- (1) विनायक मीताराम पराष्ट्रकर और श्रन्थ। (श्रन्तरक)
- (2) गोरीणंकर को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरकः।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को स्टू स्प्ता चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विश्

उक्त सम्पत्ति के वर्षन की संबंध मा काद भा वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय भें 45 दिन की नवीं या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं भ, यां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवहुथ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास त्तिशित में किए या सकोंगे।

स्थविकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भौर पदों का, वो उक्त विधिनयम के बध्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वृथं होगा वो उस् बध्याय में दिसा स्था है।

अनुसुदा

भ्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० बम्बई-2498/81 और जी उप-रजिस्ट्रार , बम्बई द्वारा दिनोक 6-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 6-2-1986

मोहर:

प्रकप नाद", टी. एस., एस., ----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत दरका

कर्ण्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ए०म्रार०-2/37मी/3773/85--- श्रतः मुझे, प्रशांत राधः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धादा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाचार स्थाव 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 65/डी०, टी०पी०एस० 2, मी०टं.० एस० नं० 1038, 1038/1, 1038/2, बिले पार्ले (पु), बस्बई में स्थित हैं (और इसके उन्बद्ध अनुसूची में और पूर्णव्य से पित हैं) रिजर्द्धकारी अधिकारी के कायलिय, बस्बई में रिक्ट्रिकरण अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख, 6-6-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य अमके ब्रियमान प्रतिफल से. एसे ख्यमान प्रतिफल का पच्छा प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में एक्तिक कप से किथत नहीं किया गमा है है—

- (क) कम्प्रदल वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिवयम में बबीन कर दोने के अम्प्रदल के दायित्व में क्यी कर्ष ना उक्त क्या में वृतिभा के सिए; करें/भा
- (६) ऐती किशी जाय या किसी भन मा बन्द जास्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर जिथिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियस, या अत- कर अधिनिक्स, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा वी लिए।

भतः तयः, उक्त विधिनियम् की पारः 269-म सै वर्षक्रस्य में. में, उक्त विधिनियम् की भारा 269-म की उपधायः (1) से अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, कर्षत् ह— (1) दुर्गाताई दासः नामकृष्य गोगटे।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीकांत मानिकराच ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्योक्त सम्पत्ति के वर्षन् के जिल् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हित्रवृष् किसी जन्म स्थानित ब्नारा अथोहस्ताक्षरी के पास निकास में किस् वा सकोंगे।

स्वष्विकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया समा हैं।

अनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1688/81 और जो उप-रिजस्ट्राट, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 6-2-1986

मोहर:

प्र**स्थ वार्ड**्डी . **एन्,** प्रस्_ः-----

नाथकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन स्वना

BISS TARIS

कार्यासय, बहायक शायकर नायुक्त (हैंवरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांगः 6 फरवरी, 1986 निदेश सं० ए०म्रार०-2/37औ/3774/85—-प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसके इसके परेवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की पारा 269-क के अभीन कक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य :,00,000/- रठ. से अधिक है

और जिसकी सं० भ्रोल्ड सर्वे नं० 177, 1/177, न्यू सर्वे नं० 1-2-3/177, टी॰पी॰एस॰ 3, सी॰एस॰ नं० 566, 18 मोगल लोन, भ्रपर माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुधी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 15-6-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बिए तम बाबा गया प्रतिक्षक का, मिन्निमिसित उद्योक्त से उच्य बन्तरण निचित्त में बास्तिवक का विश्व की विश्व की किया क्या हैं के स्थान की स्थान स्थान

- (क) अन्तरण ते हुई चिची बाग की वावता, उक्त विधियतं के अधीन कह दोने के जन्तरक के कहिरत में कृती कृत्यें या उक्को वचने में वृतिधा में किहा अदिश्वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी थन या अध्य अविस्तरणें को जिल्हा मारतीय जायकार जिल्हा मारतीय जायकार जिल्हा मारतीय जायकार जिल्हा मारतीय अध्यक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था. कियान में सुविधा के किस्

अत: व्या, उचत विधिनियम की धारा 269-ण के अण्डरण वी, जी, स्वत विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1), को अधीन, निव्यक्तिस्थित व्यक्तिओं, वर्धात् कर— (1) बाब्भाई एन० खण्डवावाला, नसीम टी० खण्डवावाला, खुर्शीद एन० खण्डवावाला स्रीर शमीम एन० खण्ड-वावाला ।

(भन्तरक)

(3) मेधाना टेक्सटाईल मिल्स प्र० लि०।

(मन्तरिती) विकास में

(वह क्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह ब्यना शारी करके पूर्वोक्त सन्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

तमब् सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नार्कीय ३─०

- (क) इस त्यान के रायपण में प्रकाशन की तारीय वै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो नी अवधि नाव में बनाप्त होती हो, के बीसर क्वों कब व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकायन की राज्यि के 45 दिन के भीतर उत्तर स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य अपिकत द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकते।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्वां और पद्यों का, जो उपद अधिनियम, के सध्याय 20-क में वरिआविक ही, वहीं अधी होगा हो उस सम्बाम में विका पक्ष हीं

धनुसूची

अनुसूर्णा जैसा कि विलेख सं० बी-404/85 ग्रीर जी उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 15-6-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, बम्बई

सारी**ण**: 6-2-1986

मोहरः

प्रकण् बार्षः, दी. एगः, **एष**ु----------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीत स्थान

बारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवर्रा, 1986 निदेण सं० ए०ग्रार०/2/37जी/3786/85— ग्रतः मुझे, प्रणांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिञ्जका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एस० नं० 208, एच० नं० 30 श्रीर 32, खार बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य। में श्रीर पूणरूप से विणत है), रिजस्ट्रीन ती श्रीधकारी के कार्यानय, बम्बई में रिजस्ट्रीनरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 19-7-1985,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बंतरिति थों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा नवा प्रति-स्व विश्वविधित स्व्योक्त से स्वत्य बन्तरण निविध में वास्त्रीत्य स्व वे स्विध वहीं किया क्या है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कें लिए;

- (1) श्री णांताराम् सोवर कीनी, श्री भास्कर सोवर कीर्नः और श्रीमर्तः ग्रानन्दीबाई जे० भारदाना । (ग्रन्तरक)
- (2) हूज रोडरीक्स ग्रौर रोटा रोडरोक्स । (ग्रन्सरिती)

च्ये सङ् स्थाना चारी करके पृथानित सम्मत्ति के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्सची

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० 1905/84 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार बग्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशास राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बश्बई

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अदेबधीन, निम्निसिचित व्यक्तिची, चर्चात डे—

सारीख: 6-2-1986

¥मोहर :

भारत सरकार

कार्यानय, संहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986 निदेश सं० ए०ग्रार०/37जी/3795/85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भाग कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 4 पार्ट), सा०टी०एस० नं० 16, 17, कोंडाबाटा विलेज, प्रंधेरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (धौर इससे उपाबक्ष प्रनुचची में और पूर्णरूप से विणत है), रिवस्ट्राकर्ती प्रधिकारों के कार्यात्य, बम्बई में रिवस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के प्रधान, मारीख 31-7-85,

को पर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निति खित उद्विच्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (फ) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (भ) एसी किसी साय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा औ लिए:

(1) मैसर्स हिन्दुस्तान पेपर एण्ड वुष्ड प्राडक्ट्स । (रक)

(2) पेन इक्कियपमेंट प्रा० लि०।

(श्रन्तरितं∤)

ना यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किय् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर पदों का, को अक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरा ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एम-2868/79 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय स्थाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (६) कं स्थीर निल्लि**वित स्थितियों, जर्थात् स—**

तारी थं : 6-2-1986

मोहर:

मुक्तर वार्ष_ः टी. व्य. एस्. ----

नायभार लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सूचना

TIST ESTE

कार्यास्व, सक्षायक भायकार आव्यक (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरंत, 1986

निदेश सं० ए० श्रार० 2/37र्जा/3798/85-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय.

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व श्वामें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 152, फाइनल प्लाट नं० 541, एस० नं० 95, टी॰पी॰एस॰ 3, माहीम, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, ताराख 25-7-1985

को पृश्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ता से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी साय की बावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शयित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविचा के लिए; और/या
- (क्ष) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-म कौ अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की सम्धारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :---- 61---506 GI/85

(1) श्रं, मोरूमल मंत्रनमल बचार्ना।

(अन्तरक)

(2) पिक रोज को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटे लि०। (अन्तरितो)

का वह क्षतः वारी करके प्रतिकत् संपरित के नर्धन के लिए कार्यगाहियां कारता हों।

इभत सम्परित के वर्षन के बन्धन में कोई नी मास्तेप:---

- (क) इद्ध स्थान के राज्यन में प्रकारन की तार्शन के 45 दिन की अवधिक का उत्साज्यन्त्री व्यक्तिक के दूध त्यान की तामील से 30 दिन की नतीय., को भी कर्मीय नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तिक के में के किसी स्वक्तिय हुवाय:
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के शीक्षर उक्त स्थानर बम्मीत्व में हितनवृक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकड़ी में गाम मेसिक में सिक्ष वा सकेंचे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई 78/79 और जो उप-रिशस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधियारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

सारीख: 6-2-1986

मोहर:

जन्म नार्दं . टॉ . एव . एव . ----------

जावकर मॅथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

माचा वरकार

कार्याक्रम, सहायक कामकार मानुनत (निरीक्षण)

श्रजंनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ए० ग्रार०/2/37जी/3809—- ग्रतः मुझे, प्रकार रायः

भावकर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्तरी इसके परचात (उनत विधिनियम) कहा गया ही), की धारा 269--व के अधीन-सक्स प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० सी०टी० सर्वे नं० 15, 21 गुंडवली गावयन, हाउस, ग्रंधेरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णेख्प से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता द्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रंधीन, तौरीख 25-7-1985

की पृथेंक्य संपत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के उपमान शितक स के निए अन्तरित की गई हैं बाँद नृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंक्त सम्मत्ति का उण्यत बाजार वृत्य, उसके उपमान शितकल से एसे उपमान प्रतिकल का अन्तरह प्रतिवाद से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित से अधिक से सीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा गया। प्रतिकास, निम्नतिज्ञित उज्विध से उपनत अन्तरण किया गया हैं :—

- (क) अल्लरण ते हुव किली शाम को लावत, रावत विधितियम के सभीन कर दोन के बल्लरफ के शावित्य में कमी धारने या उससे सबने मां सुविधा से निष्; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

क्तः वयः, स्वतं विधिनियमं की भारा 269-गं के वन्तरक वाँ गाँ, स्वतः विधिनियमं की भारा 269-गं की स्वभारा (1) के विधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, वर्धात् :-- (1) श्री क्लेमेंट मैन्यू आयर्स ।

(फ्रन्सरक)

(2) श्रा लौरेल क्लेमेंट इायस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त दल्लीत के वर्षन के संबंध में कीए भी बाक्षेप रू---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नवीं प्रते और महीं वाद में सवाया होती हो, के भीतर प्रोंक्ट न्यक्तियों में से किसी नवित्र द्वारा;
- (क) इस तुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध किती अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगें।

स्वाक्षिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनस अधिनियन, के नध्यात 20-क नें परिभावित ह⁴, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

अनुसूची जैसा कि विले सं० 674/84 भीर जो उप-रजिस्ट्रार बस्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रयों नरें %-2, यस्बर्ध

स.रीख: . 6-2-1986

मोहर :

प्रक्ष आई.टी एन एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवर/ 1986

निर्देश सं० ए०म्रार०/2/37जं ℓ /3810/85— ऋतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाबार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी०ट,०एस० नं० 269, 270. 247, 2725 एस० नं० 9, हिस्सा नं० 1, विलेज कांदिवला ग्रंधेरी, बस्बई दे तथा जो बस्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्शांक्प से विणित हैं), जिस्ट्राकरी ग्रंधिकारों के कार्यालय, बस्बई में जिस्ट्राकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-7-1985,

को पूर्कोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अंतरण संहुई किसी अध को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त र्शांधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) एजोधर नजारेथ मोनसालवीस और श्रीमिति एना एसपरेन्स बीसुजा।

(भ्रन्सरक)

(2) मेसर्स एउ० ए० कन्द्रेक्टर एण्ड कस्पनी । (क्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरुसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र हैं प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधाहस्साक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रनुसूची जैंगा कि विलेख सं० 4237/84 श्रीर जा उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनोंक 12-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मझम प्राधिकारी सहायक ग्रावकर श्रायुवत (निरोक्षण) श्रुजैन रेज-2 बम्बई

तारीख: 5-2-1986

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 17th February 1986

No. A-19011/1/86-Admn.l.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri Manish Bahl, IAS, as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 17th February, 1986 until further orders.

D. KAILASA PRASAD Dy. Secy. for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110 001, the 29th January 1986

No. A. 32014/2/84-Admn. II.—In continuation of his office notification of even number dated 20-11-1985. Shri I. S. Bisht, Senior Translator of the Central Secretarizat Official Language Service (Group 'C' posts) in the office of Union Public Service Commission is hereby appointed as Assistant Director (OL) on ad-hoc basis in the commission's office for a further period of 3 months w.e.f. 17-1-86 to 16-4-86 or until further orders whichever is earlier vice Smt. Sudha Bhargava, Assistant Director (OL) appointed to the post of Senior Research Officer (LM).

2. Shri I. S. Bisht should note that his above said appointment is purely on ad-hoc basis and will not conter upon him any title for absorption or seniority in the grade.

VIJAY BHALLA Section Officer for Secy. Union Public Service Commission

New Delhi, the 27th January 1986

No. A.35014/3/85-Admu.II—In continuation of this office Notification No. A.35014/1/84-Admu.II(i) dated 25-7-1985, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. C. Kajla, Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission as Accounts Officer in the Commission's office on deputation basis for a further period of one year w.e.f. 12-1-1986 to 11-1-1987 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri V. C. Kajla as Accounts Officer for the abovesaid period is beyond the norma period of deputation of 3 years ended on 11-1-1986 and will be regulated in terms of the Ministry of Finance. Department of Expenditure, O.M. No. F.1(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-1975.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TR3.,
ADMN. FEFORMS, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)
CE'ITRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the February 198

No. 3/9/86-AD.V.—The President is please to appoint Shri J. S. Fandey, IPS (UP: 1976) as Superinten lent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment with effect from the afternoon of 3rd Feb uary, 1986 and until further orders.

The 25th February 1986

No. A-1021/5/80-AD.V.—The services of hri S. K. Deb, IPS A&M-SPS) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Shi long Branch on repatriation are placed at the disposal of G vernment of Assam with effect from the afternoon of 13th F bruary 1986 after availing of 90 days E.L. from 1-11-85 to 29-1-86 and joining time.

No. 3/8/86-AD V.—The President is pleased to appoint Shri U. C. Ghildiyal, IPS (UP-SPS) as Super ntendent of

Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 11th February, 1986 and until further orders.

No. 3/10/86-AD.V.—Shri Madan Lal, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Supdt. in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 5th February, 1986 and until further orders.

K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn.) CBI

New Delhi-3, the 27th February 1986

No. 3/41/85/AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Harish Chander Singh, Dy. Supdt. of Police an officer of the Rajasthan State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in CBI/Rajasthan Border Wing/Jaipur with effect from the forenoon of 20th January, 1986 until further orders.

Sd/-JLLEGIBLE Admn. Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 20th February 1986

No. O.II-1026/72-Estt.—Consequent upon his appointment as Manager Security in Centaur Lake View Hotel, Srinager on 2 years lien basis, Shri B. K. Ticku, Assistant Commandant of 52 Bn, CRPF has been relieved from the force on the forenoon of 3rd February, 1986.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 21st February 1986

No. E-31016/33/82-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri C. S. Saini notionally as Assistant Commandant in the Central Industrial Security Force w.e.f. 13-1-1983.

- 2. His seniority as Asstt. Commandant is assigned at S. No. 180-A i.e. above Shri B. N. Bhardwaj and below Shri P. Shukla in the provisional inter-se-seniority list of Assistant Commandants as on 31-12-83 issued vide CISF Hqrs. letter No. E-35014/1/34-GA.I dated 1-6-84.
- 3. This notification is being issued without prejudice to the claim of other Assit. Commandants who have been placed above Shri C S Saint in the seniority list and in whose cases orders regarding revised date (s) of their promotion will be issued in due course.

D. M. MISRA Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshanga and 461 005, the 6th February 1985

No. 7(66)/8850.—Shri C. P. Bhatia, Foreman Production) is appointed on ad-hoc basis to officiate as Assistant Works Manager in the Scale of Pay Rs. 840-40-1000 EB-40-1200 with effect from 6-2-1986 for a period of 3 months or till the post is fitted on regular basis whichever is earlier.

No. 7(64)/8851.—In continuation to this office Notilication No. PD-3/6611 dated 19-11-1985, the ad-hoc appointment of Shri S. K. Anand as Assistant Works Manager in the pay Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended for a period of 3 months from 1-1-1986 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ORISSA

Bhubaneswar-751001, the 25th February 1986

E.O.No. 66.—The Accountant General (A&E), Orissa has been pleased to appoint Sri Binodeswar Chodhury, Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the Scale of Pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 23-1-86 (F.N.) in accordance with the provision of the I.A.&A.D. (Administrative Officers, Accounts Officers & Audit Officers) Recruitment Rules 1964. This promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of his seniors.

P. NARAYANA MURTY Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandrum-695 039, the 21st February 1986

No. OE(E&C)/IV/10-3/85-86.—The following official of this office retired on superannuation from the afternoon of 31-1-1986.

Smt, K. N. Leena, Welfare Officer.

Sd./Illegible Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 25th February 1986

No. 7126/A. Admn/130/82-85—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned officiating Asstt. Audit Officers to officiate as Audit Officers until further orders, from the date noted against each :—

Sl. No.	Name and Designation	Office in which appointed	Date from which appointed
1	2	3	4
S/	Shri		
). P. Gupta, A. A. O.	Jt. Director of Audit, D. S. (SC) Pune.	30-8-85
	A. B. Agarwal, A. A. O.	On deputation with Kendriya Hindi Sansthan, Agra.	2-9-85 (proforma promotion)
	l. C. Talwar, l. A. O.	Jt. Director of Audit D. S. (EC) Patna.	2-9-85
	l, Natarajan, l, A. O.	Do.	15-10-85
	krun Kanti Banerj k. A. O.	ice, Do.	30-9-85
	1. K. Abraham, ., A. O.	Audit Officer, D. S. (N) Visakhapatnam	30-12-8 5
	1. Rejagopalan, A. O.	Deputy Director of Audit, D. S. (CC) Allahabad.	30-12-85
	. V. Natarajan, . A. O.	Jt. Director of Audit D. S. (EC) Patna.	20-1-86

1	2	3	4
9. Bab	 oo Lal, A. O.	Jt. Director of Audit D.S. (SC)Patna	30-12-85
10. A. (Ghosh, A. O.	Dy. Director of Audit D. S. (CC) Allahabad.	9-12-85
11. R. I	K. Chatterjee, A. O.	Jt. Director of Audit D. S. (EC) Patna.	5-2-8 6

B. S. TYLE
Joint Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi--110 066, the 24th February 1986

No. AN/I/1178/1/Vol-I—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-50-1800-100-2000) of that Service in a substantive capacity with effect from the dates shown against them:—

SI. Name of the Officer No.	•				Date from which appointed
S/Shrì					
J. R. K. Mathur					1-10-1984
2. K. Sundara ajan .					1-10-1984
 Sanjib Musherji . 					1-10-1984
4. B. G. Joshi		,			1-10-1984
5. Prem Kumar Sabhlok					1-10-1984
6. Gian Swar p					1-10-1984
7. S. N. Chattopadhyay					1-10-1984
8. S. A. Venkutarayan .					1-10-1984
9. Syed Abdul Rahman .					1-10-1984
10. V. Nagarajan					1-10-1984
11. Rajinder Kamar Chawla	١.		,		1-10-1984
12. J. D. Philomen Dos .					1-10-1984
13. Surinder Singh					1-10-1984
14. Priyaranjan Prasad .		,			1-10-1984
15. N. D. Moray					1-10-1984
16. Uma Shankar Prasad					1-10-1984
17. Amiya Kumar Ghosh					1-10-1984
18. V. Radhakrishnan .			,		1-10-1984
19. Hans Raj					1-10-1984
20. B. S. Bhale ao		,			1-10-1984
21. D. K. Cher Singh .					-10-1984
22. S. Viswana h					1-10-1984
23. Ramesh D. Rao				_	10-1984
24. Charanjit Lal					1.10-1984
25. Ved Parkana					1-10-1984
26. Binod Biha i Ray					1-10-1984
27. Shyamal K ımar Chowd	hurie			Ċ	1 10-1984
28. (Kumari) I. sha Sen .			•	·	1.10-1984
29. K. Radhal ishnan .					1.10-198
30. P. R. Sivas ibramanian	·	·	•	•	1 10-1984
31. A. M. Srivestava		•	•	•	1.10-1984
32. V. K. Bhan larkar			•	•	1.10-1984
33. Natarajan Gopalan .			,		1.10-1984
34. B. C. Joshi			•	,	1 10-1984
5.1, 5. O. 300.11	<u> </u>		<u> </u>	<u> </u>	1 10-1904

R. PA' NAIK
Additional Controller General of Defence Ascounts
(AT)—I

CORRIGENDUM

New Delhi-110066, the 26th February 1986
No. AN/1/1930/5/I.—In this Department Notification
No. AN/1/1930/5/I Dated 27th September 85 published
the Gazette of India Part-III Section I dated 26-10-85,
regarding date of transfer to the Pension Establishment, in
respect of Shri K. L. MAKIN IDAS, the following amendment is made:—

For 1-7-86 (FN) Read 1-7-85 (FN)

No. AN-I/1682/5/II.—Shri R. Venkataraman, Idas who has attained the age of 58 years on 6-1-86 (his date of birth being 7-1-1928) has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-1-1986 and transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 1-2-1986.

No. AN-1/1687/5/1.—Shri P. C. Thomas, IDAS who has attained the age of 58 years on 12-1-1986 (his date of birth being 13-1-1928) has been struck of the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-1-1986 and transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 1-2-1986.

B. C. JOSHI
Dy. Controller General of Defence Accounts
(Admin)

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 24th February 1986

No. A-19018(88)/63-A(G).—The President is pleased to permit Shii N. G. Mahale, Asstt. Director (Gr. 1) ((Economic Investigation) Small Industries Service Institute, Bombay to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-12-85.

No. A-19018(495)/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. U. John, Asstt. Director (Gr. II), Field Testing Station, Chenganacherry under Regional Testing Centre, Madras as Asstt. Director (Gr. I) (Chemical) at the same station with effect from the forenoon of 15-1-1986 until further orders.

No. A-19018 (658)/82-A (G) Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri N. P. Dave, Assit. Director (Gr. II) (Chemical) Field Testing Station, Ahmedabad under Regional Testing Centre, Bombay as Assit. Director (Gr. I) (Chemical) at the same station with effect from the forenoon of 8-1-1986 until further orders.

No. A-19018/749/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. K. Mitra, Small Industry Promotion Officer (Industrial Management Training) Branch Small Industries Service Institute, Rourkela under Small Industries Service Institute, Cattack, as Asstt. Director (Gr. I) (Indus rial Management Training) at Branch Small Industries Service Institute, Bhiwani under Small Industries Service Institute, Karnal with effect from the forenoon of 16-12-85 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 21st February 1986

No. 1304B/A-19011(DRD)/19A.—Dr. D. R. Dasgupta, Director (Mineral Physics), Geological Survey of India retired on superannuation from Government service with effect from 31-10-1985 (A/N).

The 24th February 1986

No. 1321B/A-32013(6-Min.(Sr.)/85-19A.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Swapna Mukherjee, Mineralogist (Junior), Geological Survey of India on promotion as Mineralogist (Senior) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10-12-85, until further orders.

No. 1333B/A-19011(5-TP)/19B.—On his being permanently absorbed in the National Thermal Power Corporation Ltd. Shri T. Pundarikakshndu resigned from the post of Mechanical Engineer (Junior) in Geological Survey of India with effect from the afternoon of 31-12-1985.

The 25th February 1986

No. 1353B/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicist (Jr) GSI, on promotion to the post of Geophysicist (Sr) in the same department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 1100-50-1600/- in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each until further orders.

S/Shri

- 1. R. P. Tripathi w.c.f. 14-12-85 (F/N).
- 2. S. K. Das w.e.f. 14-12-85 (F/N).
- 3. N. K. Chaudhury w.e.f. 14-12-85 (F/N).
- 4. K. Hasan w.e.f. 17-12-85 (F/N).
- 5. K. Surya Bhanu w.e.f. 16-12-85 (F/N).
- 6. Arnab Kr. Das w.e.f. 16-12-85 (F/N).

A. KUSHARI Director (Personnel) Geological Survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st February 1986

No. A-19011(158)/83-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri P. Swamimurthy, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 10th February, 1986 until further orders.

The 25th February 1986

No. A-19011(51)/76-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. M. Prasad, Regional Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Superintending Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the afternoon of 10th February, 1986 until further orders.

No. A-19012(221)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri I. C. Jhamnani, Officiating Senior Technical Assistant (ME), Indian Bureau of Mines, has been promoted to officiate in the post of Assistant Mining Engineer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 14th February, 1986, until further orders.

The 26th February 1986

No. A-19012(222)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. T. Patil, Store-Keeper (T.ch.) Gr. II, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Store Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 19th February, 1986.

The 27th February 1986

No. A-19011(161)/72-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Glady Khalkho, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 12th February, 1986 until further orders.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General.

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the January 1986

No. 2/5/68-S.II(Vol.II).—Shri P. D. Achari, Administrative Officer, AIR, Panaji has been compulsorily retired under F.R. 56(J)(i) from Government Service with effect from the afternoon of 30th August, 1985.

No. 2/10/82-S.II.—Shri R. N. Prasad, Administrative Officer, All India Radio, Ranchi has been compulsorily retired under F.R.56(J)(i) from Government service with effect from the afternoon of 30th August, 1985.

The 7th January 1986

No. 4/3/84-SII.—In continuation of the Directorate General, All India Radio, New Delhi's Notification No. 4/3/84-SIJ, dated 21-1-85, Director General, All India Radio is pleased to extend the deputation of Shri Anand Tripathi, Hindi Translator, All India Radio, Lucknow and at present working as Hindi Officer at All India Radio, Lucknow on deputation in pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in ad-hoc basis for a further period of one year with effect from the 12-1-1986, until further orders.

The 25th February, 1986

No. 1(2)/86-SII—The Director General All India Radjo is pleased to appoint to the following Head Clerks/Accounta Sr. Storekeepers to the post of Administrative Officer on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the dates shown against each until further orders.

S. Name of the Head No. Clerk/Accountant/ Sr. Storekeeper	Station where posted as Administrative Officer on promotion	Date of ap- pointment as Ad- ministrative Officer
1, Sh. U. C. Ghosh	AIR, Visakhapatnam	31-12-1985
2. Sh. G, R. Qadri	Radio Kashmir, Srinagar	19-12-1985
3. Sh. H. R. Abrol	AIR, Rohtak	23-12-1985
4. Sh. G. P. Sharma	AIR, Indore	20-12-1985

2. The above mentioned persons assumed charge as Ad ministrative officer on the dates mentioned against each under Column 4.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director of Administratio
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th February 1986

No. A-38012/2/85-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. S. N. Bagchi, DADG (AR) in this Directorate retired from Government service on the afternoon of 30th November, 1985.

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B).

MINISTRY OF AGRI. & RD

(DEPTT. OF AGRI. & COOP)

DIRECTORATE OF TOBACCO DEVELOPMENT

Madras, the 27th February 1986

No. 7-4/82-Admn.—On the recommendations of the D.P.C. (Group-B) the Director, Directorate of Tobacco Development, Madras is pleased to appoint Dr. (Miss) M.

Seethamma, Permanent Statistical Investigator and Officiating Field Officer, substantively to the permanent post of Statistician w.e.f. 2-4-1985 F.N.

2. The lien of the above Officer in the post of Statistical Investigator stands terminated with effect from the date of her substantive appointment in the post of Statistician.

N. RAJENDRAN Dy. Director (Marketing)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 30th January 1986

No. F.2-2/84-Estt.I.—In continuation of this Directorate notification of even number dated 16th October, 1985, the ad-hoc appointment of Shri M. P. Singh, Hindi Officer is extended with effect from 1st January, 1986 to 30th April, 1986 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

R. G. BANERJEE Director of Administration

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 27th February 1986

No. A.19023/2/81-A.III.—Shri P. Kutumba Rao, Marketing Officer (Gr. I) has been appointed as Editor (Marketing Journal) in the Dtc. of Marketing and Inspection on deputation basis for a period of 3 years weef 26.8-85 (F.N.)

putation basis for a period of 3 years w.e.f. 26-8-85 (F.N.), Consequent on his appointment as Editor. Shri Rao relinquished the charge off the post of Marketing Officer w.e.f. 26-8-85 (F.N.).

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agril, Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 19th February 1986

No. 020/1(15.1)/86-Est.I.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shil P. Varghese Abraham from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre. Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of February 14, 1986.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 21st February 1986

No. SAC/EST/3.19/86—Director is pleased to appoint the undermentioned official (s) to the post and with effect from the forenoon of the date, as indicated against each, in the Space Applications Centre of the Department of Space, Ahmedabad, in an officiating capacity and until further orders:—

Sl. No.	Namo	Date	Post to which appointed
1. Shri	T. Bhaskara Rao	20-4-1985	Assistant Admn. Officer

K. S. KRISHNAN Administrative Officer-II (EST)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th February 1986

No. A. 32014/4/84-EC(.)—The Director General of Civ Aviation is pleased to extend the period of ad-hoc appointmen of the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department for the period indicated against each:—

Sl. No.	Name			Period of appointment	ad-hoc extended
				From	То
S/S	Shri		-		
1. S.	K. Roy			1-7-1984	30-9-1985
2. V.	K. H. Sharma .			1-7-1934	31-3-1986
3. Na	mdeo H. Aucharm	al.		1-7-1934	31-3-1986
4. P. 1	R. Chowdhury .			1-7-1984	31-3-1986
5. Ch	aman Singh .			1-7-1984	31-3-1986
	L. Hete			1-7-1984	31-12-1984
7. S.	D. Bhalla			1-7-1984	31-8-198
8. A.	Kumar			1-7-1984	31-8-198
9. S.	K Biswas			1-7-1984	31-3-1986
10. M.	V. Mulmulay .			1-7-1984	30-9-198
	D. Ram			1-7-1984	15-7-198
	S. Bagde			1-7-1934	30-9-198
	nt. Priti Kundu -			1-7-1984	31-3-198
14. R.	K. Naz			1-7-1984	31-3-198
	Seetharaman .			1-7-1984	31-7-198
	N. Mitra			1-7-1984	30-11-198
	N. Bancrjee .			27-7-1934	31-7-198
	N. Sana , .			4-8-1984	31-3-198
	K. Mansukhani.			23-7-1984	30-4-198
	Chakraborty .			16-9-1984	31-3-198
21. S. S				10-3-1985	31-3-198
	S. Nayyar .			30-5-1985	31-3-198
	C. Talukdar .			1-1-1985	3 (-3-198
	P. Anand			24-7-1985	31-3-198
	N. Sinha			7-7-1985	31-3-198
	adan Singh .			9-5-1985	31-3-198
	S. Bhatia			1-3-1985	31-3-198
	Subramaniam .			11-5-1985	31-3-198
	K. Bahaduri .			28-6-1985	31-3-198
	Sengupta			20-6-1985	31-3-198
	K. Dasgupta .		•	31-7-1985	31-3-198
	Rangaswamy .	•	•	3-6-1985	31-3-198
33. P. l		•	•	14-5-1985	31-3-198
	K. Tawade			9-5-1985	31-3-198
_	A. Joshi · ·			16-8-1985	31-3-198
	nod Kumar	•		1-1-1986	31-3-198
	Kadiresan ·	•		10-9-1985	31-12-198
	Saldhana · ·			16-9-1985	31-3-198
	K. Roy			1-10-1985	31-3-198
	C. Bhattacharjee			20-10-1985	31-3-19
	K. Sengupta	•		1-10-1985	31-3-198
	V, K. Rao · ·			30-9-1985	31-3-198
	K. Rattan · ·			1-3-1986	31-3-198
	H. Baxi · ·			30-9-1985	31-3-198
	K. Nair			1-12-1985	31-3-198
46. D.	R. Bardhan			28-9-1985	31-3-198

2. The extension of the period of ad-hoc appointmen of the above mentioned Assistant Communication Officers shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the period of service rendered on ad-hoc tasks

shall neither count for seniority in the grade of Assistant Communication Officers nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

No. A.32013/3/85-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A.32013/3/85-EC dated the 15th November 1985, the President is pleased to appoint the following five Technical Officers in the Civil Aviation Department to the post of Senior Technical Officer in the Pay Scale of Rs. 1100-50-1600 on regular basis with effect from October 10, 1985 and until further orders:—

- S. No. Name
- 1. Shri B. N. Chawla.
- Shri C. R. Sudhir.
- 3. Shri S. D. Bansal.
- 4. Shri K. Ganesan.
- 5. Shri K. S. Narayanaswamy.

V. JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 25th February 1986

No. A. 32013/6/84-EA—The President is pleased to continue adhoc appointment of the undermentioned Aerodrome Officers for a period shown against them or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. Name				Period		
No.		,	-	From	То	
S/Shri						
1. R. S. Raiker ·			•	4-12-1984	12-2-1985	
2. E. Joseph	•		٠	26-11-1984	12-2-1985	
3. Xaviour Alloysious		٠	•	29-11-1984	30-11-1984	
4. P. A. Menon -	•	•	•	30-11-1984	31-3-1985	
5. N. K. G. Rao	•	•	•	24-11-1984	31-3-1986	
6. S. Sen Gupta		-	•	30-11-1984	31-3-1986	
7. H. B. Roy		٠	•	17-2-1985	31-3-1986	
8. B. B. Das ·	-	-	•	5-12-1984	31-3-1986	
9. P. C. G. Dorairaj	•	•	•	16-1-1985	31-3-1986	
10. J. V. Subba Rao	•	•	٠	29-11-1984	31-3-1986	
11. S. K. Sengupta	•	•	•	30-11-1984	31-3-1986	
12. P. S. Jaswal •	•	•	•	30-11-1984	31-3-1986	
13. Satpal Rikhi	•	•	•	29-11-1984	31-7-1985	
14. K. S. Hazare	•	•	•	30-11-1984	31-3-1986	
15. N. J. Fremawala	•	•	•	10-2-1985	31-3-1986	
16. V. P. Saini ·		•	•	30-11-1984	31-3-1986	
17. Sabu Nandan	•	-	٠	30-11-1984	31-3-1986	
18. S. K. Dob Mondal ·		•	٠	30-11-1984	31-3-1986	
19. Amar Chand · ·		•	•	29-11-1984	31-3-1986	
20. N. R. Choudhury		-	•	29-11-1984	31-3-1986	
21. R. Y. Pol ·		•	•	24-10-1984	31-3-1986	
22. Trilok Singh ·			٠	19-10-1984	31-3-1986	
23. P. K. Biswas ·		•		7-12-1984	31-3-1986	
24. G. B. Prohit				29-11-1984	31-3-1986	
25. M. C. Bhattacharya			٠.	6-1-1985	31-3-1986	
26. Harbans Lal				1-1-1985	31-3-1986	
27. R. D. Bajpai -	ı	-		27-11-1984	31-3-1986	
28. C. B. Kalgiri	•	•		26-11-1984	31-3-1986	

M. BHATTACHARJEE, Dy. Director of Administration.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Delna Dun, the 26th February 1986

No. A.32014/13/86-Ested —The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint on previsional basis the following office Superintendents/Head Clerk, as Asst. Registrar in the scale of Rs. 650—1200 in a temporary capacity with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

- 1. Shri R. C. Naithani-13-2-86 (F.N.).
- 2. Shri M. L. Dangwal--13-2-86 (F.N.).
- 3. Shri Gurmej Ram-12-2-86 (A.N.).
- 4. Shri U. C. Das-13-2-86 (F.N.).

J. N. SAXENA Registrar

Forest Research Institute and Colleges

CENTRAL FXCISE AND CUSTOMS COLLECTORATE

Vadodara, the 11th February 1986

No. 3/86 F. No A-38012/30/85-AD.H.—Shri N. J. Parmar, an officer of the Indian Customs & Central Excise, Group 'A' lately posted as Assistant Collectorate of Central Excise and Customs, Division-I, Surat in the Collectorate of Central Excise & Customs, Vadodara retired from Government service on the afternoon of 3rd February, 1986 under the provisions of F.R. 56(j).

The 20th February 1986

No. 4/86.—Shri S. K. Shaikh, Superintendent of Central Excise and Customs (Group 'B'), Division-II, Vadodara on attaining the age of 58 years on 5-2-86, shall retire on superannuation in the afternoon of 28-2-1986.

No. 5/86—Shri L. C. Sarang, Superintendent, Central Excise and Customs, (Group 'B'), Division-I, Surat on attaining the age of 58 years on 25-2-86, shall retire on superannuation in the afternoon of 28-2-1986.

No. 6/86.—Shri J. J. Parckh, Superintendent of Central Excise, (Group 'B'), Bulsar shall voluntarily retire from Government service in the forenoon of 1-3-1986.

A. M. SINHA Collector Central Excise & Customs

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 24th February 1986

No. 2/867.—Consequent upon his promotion as Assistant Collector, Central Excise, Shri Rajiv Tandon Senior Superintendent Gr. 'A' Central Excise has assumed the charge as Assistant Collector, Hqrs Office Nagpur on 7-2-1986 (A.N.)

R. K. AUDIM Dy. Collector (P&E)

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 24th February 1986

No. 3/86.—Shri J. S. Dali lately posted as Senior Supdt. of Central Excise Collectorate, New Delhi on transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE) New Delhi vide Ministry's Order No. 210.85 dated 9-12-85 issued vide letter F. No A-22012/80/85-Ad.II assumed 62—506 GI/85

Figure of the post of Asat Director of Inspection (C&CE) w.c.l. 6-2-86 (1971).

C No 1041/10/86

No. 1-86. Shri P. K. Lun bitcly posted as Asett. Collector of Customs. Bomb iv on his transfer to Directorate General of Inspection. (C&CE) New Dithi vide Ministry's order No. 12/86 dated 28-1-86 issued vide letter F. No. 22012/1/86-AdJJ, assumed charge of the post of Assit. Director (C&CE) New Delhi w.e.f. 10-2-86 (FN).

C. No. 1041/9/86

B. K. AGARWAL Director Genl. of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 26th February 1986

No. A-19012/1(14)/82-Estt.I.—Consequent upon his attaining the age of Superannuation Shri P. C. Jain, E.A.D. (Stat.) relinquished the charge of the post in the Central Water Commission with effect from the ofternoon of 31st October 1985.

S MAHADEVA AYYAR Under Secy.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 25th February 1986

No. 3-736/86-Fist. (M),—Shri J. J. S. Bhatnagar, is appointed to the rost of Assistant Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in Central Ground Water Board, w.e.f. 30-1-86 (FN).

S. K. DAS, Chief Engr. & Member

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi, the 24th February 1986

No. 1/86.F. No. 22/2/86-Admn.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following Technical Assits/Supervisors to the grade of Extra. Assit. Director/Assit. Engineer in the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the dates noted against each until further certers:

- 1. Shri V, K Gupta-31-1-1986
- 2. ., R S Arva—7-2-1986
- 3. .. A. A. Siddiqui-31-1-1986

R. R. SESHADRI Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 24th February 1986

No. 32 1439fff72-FC.HL--Shri K. L. Bir Asstt. Engineer (Civil) attached to Satadarjug Hospital Divn., CPWD, New

Delhi, consequent on attaining the age of superannuation (58 years) has retired from the Govt. Services w.e.f. 31-12-85.

K. C. DEHURY Dy. Dir. Adm.

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 24th February 1986

No. HPB/220, G/1, P.—The following officer of Indian Railway Personnel Service is confirmed in Senior Scale with effect from the date shown against him.

Sr. No., Name and Date of confirmation

1. Shri Balbir Singh-27-9-1982

M. L. KHANNA Genl. Manager

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the mater of the Companies Act, 1956 and of M/s.

Beenu Trader (Import & Export) Printe Limited

Jalandhar, the 26th February 1986

No. G/Staff/560/9772.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Beenu Traders (Import & Export) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the registrar and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab H.P. & Chandigarh.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1805.—Whereas, 1, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Flat No. 1006 on 10th Floor Devika Tower situated at Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacis of the transferor to pay tax under the said Act. I respect of any income arising from the and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. International Pumps & Projects (I) (Pvt) Ltd. No. 9, Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferor)

(2) Col. Swaranjit Singh, Mrs. Raj Kanwar, Jasjit Singh & Narjeet Singh, No. 9, Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 1006 on 10th Floor measuring 325 Sq. ft. in Multistoreyed Building known as 'Devika Tower Nehru Place, New Delhi.

Super Area of 325 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, minnely:--

Date: 21-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-1/37EE/6-85/1806.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's ad Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 100.0004 (a prix) heaving No.

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. 1st Besement (Lower Ground Floor) situated at No. 24, in Vijay Building at 17 B. K. Road, Con. Place, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by maker than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid presents by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jagtaran Singh Anand S/o. Late S. Jain Singh Anand, B-2/1, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Gupta S/o. Shri Prem Nath Gupta C/o. Shri D. R. Gupta, N-155, Panch Shila Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazetts.

CAPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1st Basement (Lower Ground Floor) No. 24 in Vijay Building at 17, Barakhamba Road, Cannughat Place, New Delhi measuring 178.8 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi

Date: 20-1 1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1807.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. GF-1575 Sq. ft. 1st Floor, 1575 Sq. ft. 2nd floor,
1575 Sq. ft. transferred ground floor measuring 6-2" 50 ft.
1666-D, Govindpuri Extin., New Delhi

situated at New Delhi (and more fully decribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in lune 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid page 1 and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or systien of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Satish Kumar Lakhina, R/o E-511, Greater Kailash, Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Skauntla, R/o 95 SFS DDA Flats, Alakhnanda, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1666-D. Gobindpuri Ext. New Delhi Only Ground floor measuring $6.2^{\prime\prime} < 50$ ft GF-1575 Sq. ft. 1st floor 1575 sq. ft. 2nd floor 1575 sq ft transferred ground floor measuring $6.2^{\prime\prime}$ ft. > 50 ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sax Act, I bereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 20-1-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.1/37FE/6-85/1808.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1666-1) Gobindeuri Fxt. Kalkaji, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Satish Kumar Lakhina, R/o E-311, Greater Kailash, Part-II, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Madhu Chandra, R/O 95 SFS DDA Flats, Alakhnanda, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 1666-D. Govindpuri Ext. Kalkaji, New Delhi, GF $6.2^{\prime\prime}\times$ 50 Ft.

GF—1575 Sq. ft. 1st Floor 1575 Sq. ft. 2nd floor 1575 Sq. ft. transferred only $6.2^{\prime\prime}\times50$ Ft. Ground Floor.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 20-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Bhupinder Kaur Kler, C-380, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Peter Chintamani Prasad, Shangri-La, 4/285A, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I JSE, 4/14-A, NEW DELHI AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 20th January 1986

Rcf. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1809,-Whereas, I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 503, Skylark, 60, Nehru Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-J, N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, of any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustic or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or everion of the liabilit of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, L/est

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, THE SCHEDULE

Flat No. 503, Skylark, 60, Nehru Place, New Delhi measuring 632 Sa ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 200D of the said Act, to the following persons, namely :-

1957 (27 of 1957);

Date: 20-1-1986

FORM I.T.N.S.—————

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 1/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-1/37EE/6-85/1810.—Whereas, I, R. P. RAJESH

R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Block No. 90 Plot No. 5, known as 106, situated at Baird Road (also known as Bangla Sahib Mang) N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex-ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the *aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, incretors, in pursuage of Section 269C of the main Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Dr. Dinesh Kumar S/o. Dr. Ram Narain R/O (0) Bo d Road, 2, Smt. Ramma Jounna W/O. Dr. Dinesh Kumar R/o as above

(Transferor)

(2) 1. Shri Miri Mal Jain S/o. Shri Lakumi Chand Jain, R o 83, Gadodia Market, Delhi. 1/6th share) & others.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this a notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of 0.059 Acres (2576 Sq. ft.) situated at Block No. 90, Plot No. 5, known as 106, Baird Road (also known as Bangla Sahib Marg) New Delbi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 New Delhi

Date: 27-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1811.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Floor area 1600 Sq. ft. & one Car Parking Space, situated at Adishwar Apartments at 34 Feroze Shah Road, New Delhi (and more fully described in the eschedule annexed hreeto), has been transferred under the 1.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—506 GI/85

(1) Shri Anurang Chandra, Bhagwati Bhawan, 31, A.M.L., Dahanukar Marg, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Narain Agarwal, 704, Asha Deep, 9, Hailey Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 43 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mosning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 5th floor area 1600 sq. ft. & one car parking space in proposed multi storeyed Group Housing Scheme Adishwar Apartments at 34 Feroze Shah Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 20-1-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IΛC/Λcq.I/37FF|6-85|1812.--Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. G4A, Ground Floor, Skipper Bhawan situated at

22. Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. M. Jaisinghani & Mrs. Shiella Jaisinghani, 529, 4th Main, R.T. Nagar-2, Bangalore. (Transferor)

(2) (i) Verender Bahri Gautam Bahri

(ii) Bahrisons (HUF)

(iii) Gautamson Trust (through its Karta/Trustee Mr. Verender Bahri S/o. Shri Sardati Lal Bahri), 5/6, Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. G4A, Ground floor, Skipper Bhawan, 22, Bara-khamba Road, New Delhi Area 500 Sq. ft. approx.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely ;-

Date: 20-1-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Gursharan Ahluwalia, 39, Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :--

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/6-85/1813.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-1501, situated at 22, Barakhamba Road. New Delhi, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfers and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Flat No. B-1501, 22 Barakhamba Road, New Delhi. Area 500 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the a Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-1-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE|6-85|1814.-Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

R4. 1,00,000/- and

No. Space No. 3 on 8th Floor in Vijaya Building, situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi. 440.99 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

In the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacing of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, fa respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perseus, namely :---

(1) M/s. Guiral Estate Pvt. Ltd.. 17. Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. M/s. J. Nagpal & Sons HUF, Karta Joginder Nagpal,
2. M/s. H. A. International (HUF) Karta Ashok Nagpal, 1/6, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 3 on 8th Floor in Vijaya Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi.

Area 440.99 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 20-1-1986

FORM ITNS ----

(1) M/s. Gujral Estate Pvt Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, NEW DELHI ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1815.-Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Space No. 2 on 8th Floor in Vijaya Building situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1967);

 Smt. Kailash Chawla w/o. Shri Pran Nath Chawla
 Master Rohtash Chawla U/G of Mr. Pran Nath Chawla, (Father and Natural Guardian), S-197, Greater Kailash Part No. II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act,

Space No. 2 on 8th Floor in 'Vijaya' Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi.

Area 379.03 Sq. ft,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 20-1-1986

 DLF Universal Limited, H.O. 21-22, Narindra Place, Sansad Marg, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/6-85/1816.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

No. Apartment No. A-1, Plot No. 2, Block No. 95 situated at Market Road, Gole Market, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Smt. Sudershan Kumari w/o. Shri Satya Pal Sehgal, B-6, Tagore Garden, (Shopping Centre), New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frugs the transfer: and/or

Apartment No. A-1 in building on Piot No. 2, Block No. 95, Market Road, Gole Market, New Delhi.

Total covered area of the apartment is 1274.65 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1817.— Whereas J, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1415 at 38 Nchru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the l. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-i, N. Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Satya Pal Malik S/o Shri Budh Singh Malik, Mrs. Anita Singh W/o Shri Krishan Pal Singh 61-South Avenuc, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1415 at 38 Nehru Place, New Delhi. Area 560 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 20-1-1986

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suml Nayar S/o Brig. R. C. Nayar, R/o C-82, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1818.—Whereus I, R. P. RAJFSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1303 in 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, No Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303 in 38 Nehru Place, New Delhi. Area 584 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 20-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1819.--

Whereas I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1304 in Amba Deep, situated at 14 K. G. Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redocation or evanion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-64-506 GI/85

(1) Ansal Properties & Industrics (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(1) Shri Kazan Ali Khan S/o Nawab Zulfiquar Ali Khan C/o S. K. Vohra & Co., R/o 32 Regal Building, Sansad Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Cazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein , are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1304 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi Area 500 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-1-1986

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/6-85/1820.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 616 measuring 440 Sq. ft. Devika Tower situated at 6 Nebru Place. New Embly

6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi

in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the collowing person namely :--

(1) Miss Siphti Sandhu & Miss Kashni Sandhu (Minor) both D/o Sh. Sadeev Sandhu, R/o 97 Anand Lok, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh Dewan & Neeraj Dewan W/o & S/o Shri Ramesh Dewan C/o Shri Om Arora, R/, E-74 NDSE-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) b, any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 616, measuring 440 Sq. ft. in multistoreyed Building, Devika Tower, 6. Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

E (2) Shri Ratan Singh S/o Shri Jai Singh, R/o

Shri Jai Singh, R/o 82/2, Gautam Nagar, New Delhi.

(1) Shrimati Ram Piari W/o

Shri J. K. Guliani, R/o G-2, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1821.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. GP-6 on grounde floor measuring 267 Sq. ft. in
building No. 85 situated at Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi
in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person in erested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given he that the terms.

THE SCHEDULE

Shop No. GF-6 on ground floor measuring 267 Sq. ft. in building No. 85, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons samely:—

Date: 20-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1822.--Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 65-B LGF, Dr. Gopal Dass Bhawan situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. 'T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985 in June, 1985

for an apparent consideration which is its than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

_____ (1) M/s. Gopal Das Estate & Housing (Pvt.) Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri I-hwar Gupta S/o Slim Panarsi Dasa 8626, Feroze Lane, Goushale Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 65-B on lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan at 28, Barakhamba Road, New Delhi. Area 113.04 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 20-1-1986

FORM ITNS.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1823,—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herematic, referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. 66-A on IG.F. in Dr Gopal Das Bhawan situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985

at Dehradun under registration No. 5839 dated 28/6, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have presented the fair market when the fair market value of the fair market when the fair market value of the fa believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-up, Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing (Pvt.) Ltd., 28, Barakhamba Road New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Nirmal Kishore W/o

Mr. Arun Kishore, 2. Srhi Arun Kishore S/o Shri Jugal Kishore, R/o N-69, Greater Kailash-I (FF). New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space on 66-A on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan at 28, Barakhamba Road, New Delhi Area 136.68 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Road, Delhi/New Delhi

Date: 20-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1824.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 67-A IGF Dr. Gopal Das Bhawan situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Gopal Das Estates & Housing (Pvt.) Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Nirmal Kishore W/o Mr. Arun Kishore,
 Shri Arun Kishore S/o Shri Jugal Kishore, R/o N-69, Greater Kailash-I (FF). New Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 67-A on Lower Ground Floor in Dr Gopal Das Bhavan, 28, Barakhamba Road, New Delhi. Area 192.67 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date : 20-1-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1825.-

whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 90, Plot No. 5, known as 106 situated at Baird

Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Ravi Parkash S/o Dr. Ram Narain, R/o 106, Baird Road, New Delhi & Others.

(Transferor)

(2) Shri Miri Mal Jain S/o Shri Lokesh Chand Jain, R/o 88, Gadodia Market, New Delhi & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as siven is that Chapter.

THE SCHEDULB

1/3rd undivided share of 0.059 Acres (2576 Sq. ft.) situated at Block No. 90, Plot No. 5, known as 106, Baird Road (also known as Bangla Sahib Marg), New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 37-1-1996

Post :

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Ishwar Dass Choudhary & others (HUF), R/o B-30, Hailush Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, R/o Village Tughlagabad, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1826.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and tearing
Khasra No. 1435-Port, situated at Village Tughlerabad
(red. green fully described in the Schedule appared by 1910)

Khasra No. 1435-Port, situated at Village Tughlarahad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this matice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable groverty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Khasra No. 1435-Port, Village Tughlagabad. Area of 6 biswas & Tubewell.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-in act 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 20-1-1986

FORM TIME-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ishwar Das Choudhary as Karta & Prem Kumar Choudhary the only other male member of H.U.F. B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, R/o Village Tughlagabad, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1827—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Agricultural Land, area I bigha, 14 biswas, Khasra No.

1429/1812-poit situated at Village Tughlagabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in Junc, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---65-506 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Lond, area 1 bigha, 14 biswas, Khasra No. 1429/1812 port, Village Tughlagabad.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 22-1-1986

Soal :

FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|6-85|1828.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Khasra No. 1431/1819 situated at Village Tughlagabad, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—
Seal:

 Shri Ishwar Dass Choudhary & others (HUF), R/o B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, R/o Village Tughlagabad, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Khasra No. 1431/1819, Village Tughlagabad, Delhi. Area: 1 Bighas & 15 Biswas.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 22-1-1986

FORM ITNO

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ACQUISITION NANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/6-85/1829.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khasra No. 1435, Village Tughlagabad,

situated at

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Income-tax Act, 1961 in the Odice of the Registering Officer at IAC.ACQ Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **64/****
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ishwar Dass Choudharv HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, Village Tughulagabad, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a puriod of 30 days from the corries of motics on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land, area 2 bighas & 3 biswas, Khasra No. 1435 Port Village Tughlagabad, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Agenrwal House, 4 14A Am' Ali Road, New Delhi

Date: 22-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Suraj Bhan, Village Tughulagabad, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-1/37EE/6-85/1830.-- Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural Land area 2 bighas 3 bis vas

situated at

Khasri, No. 1435 Port, Village Tughlagabid. (and taore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1901 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi on June 1985

for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a reed to between the puttice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land, area 2 bighas & 3 biswas, Khasra No. 1435 Port Village Tughlagabad, Delhi.

R. P. RAJESH
Competert Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A
Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the requisition of the storessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 22-1-1986

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ENSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 22nd January 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/6-85/1831.—Whereas, I,

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/6-85/1831.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural Land 2 bighas 1 biswas Khasra No. 1429/1813, 1429/1814, 1430/1816 Port Village Tughlagabad (and raore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Office of the Registering Officer at IAC Acq Kange-I, New Delhi on Jure 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any asoneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washin-tee Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, Viilage Tughulagabad, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultur d Land 2 bighas 1 biswas Khasra No. 1429/1813, 1429/1814, 1430/1816 Part village Tughlagabad

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 22-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-L/37EE/6-85/1832,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural Land Area of 2 bighas & 3 biswas

situated at

Khasra No. 1430/1813 Part, Village Tughlagabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi

on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) incilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, er the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

Shri Suraj Bhan,
 Village Tughulagabad,
 Delbi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as

are defined in Chapter XXA of the enid

Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Area of 2 bighas & 3 biswas, Khasra No. 1430/1813, Part, Village Tughlagabad.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f
Aggarwal House, 4/14A
Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, Village Tughulagabad, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1833.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃, 1,00,000/- and bearing No.

No. Agricultural Land 2 bighas & 3 biswas, Khasra No. 1435, village Tughlagabad, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

> Agricultural Land, area 2 bighas & 3 biswas, Khasra No. 1435 Part Village Tughlagabad, Delhi.

(0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 [27 of 1957);

R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-1 1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, Village Tughulagabad, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1834.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural land 1 bigha 15 biswas,

situated at

Khasra No. 1430/1817 part Village Tughlogabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. kange-I, New Delhi on June 1985

on June 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to be apquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforceald persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

Agricultural land 1 bigha 15 biswas, Khasra No. 1430/ 1817 Part, Village Tughlagabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-1-1986

PORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

IAC/Acq-I/37EE|6-85|1835,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural land area 1 bigha 15 biswas

situated at

Khasra No. 1431/1819 part, Village Tughlagabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq Range-I, New Delhi

on June 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-66--506 GI/85

(1) Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(2) Shri Suraj Bhan, Village Lughulagabad, Delhi,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Area 1 bagha 15 biswas, Khasra No. 1431/1819-Part, Village Tughlagabad.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st Jtnuary 1985

IAC/Acq-I/37EE 6-85 1836.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural land 1 bigha 12 biswas,

Situated at

Khasra No. 1431/1819 part Village Tughlagabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to besween the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) Shri Ishwar Dass Choudhary HUF B-30, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan, village Tughlagabad, Delhi,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said preperty sy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days free the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 bigha 12 biswas, Khasra No. 1431/ 1819 Part Village Tughlagabad.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 21-1-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1837.--Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No.

Flat No. 1220 in 89 Skipper Tower,

Situated at

Nehru Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi

on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax mouer the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Sangita Budhraj N-11, Market Greater Kailash-I New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Kanwal Nain Bhagat

(2) Mrs Ganesh Devi Bhagat (3) D. B. Bhagat (4) A. K. Bhagat (5) J. P. Bhagat

A-1, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1220 in 89 Skipper Tower, Nehru Place, New Delhi Area 560 Sq. It.

> R, P. RAJESH Competent An hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 21-1-1986 Seal:

FORM LINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) (AF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF PICOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1838.—Wh reas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta: Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaf or referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that he immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 222-A. Devika Tower, 6 Nehru Plac., Situated it

New Dell i.

(and mor; fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. kange-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I lave reason to believe that the fair market value of the proper y as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferce for the purposes of the Indian Income iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not to under subsection (1) of Section 269D of the said Act, is the following persons, namely :-

(1) Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. A. K. Khanna & Mrs. Renu Khanna XV/5157, Pahar Ganj Lane, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said is movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1222 A in multistoreyed building Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi area 350 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 21-1-1986 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1839.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.09,0007 and bearing No. Flat No. 501-C. Devika Tower 6 Nehru Place, New Delhi. Situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi

on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetle House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Kewal Krishan Aggarwal, Miss Anjali (Minor) Miss Vandana (Minor) both U/G of M/s Kewal Krishan Aggarwal & M/s. Kewal Krishan & Family HUF all R/o C-6

Kailasa Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which wer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 50 C in multistoreyed building, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi Area 550 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4, 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 21-1-198€ Scal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Hariganga Cement Ltd. 19, Rajendra Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Arora. 105, Parsad Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE|6-85|1840.--Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 414, situated at 17 Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any reconstant the contention of any facement of a

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 414, 17 Tolstoy Marg, New Delhi. Area 426 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Fange-II Aggarwal House, 4/14A Asuf Ali Road, Nev. Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Date: 21-1-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1841.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 412, situated at 17, Tolstoy Marg, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cout of such asserent complication and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cirios of ;-

- (a) facilitating the reduction or evapion of the Sability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Andhra Pradesh Refractories Ltd... 19. Rajendra Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Charanjit Batra, Happy General Store, Laxmi Katra, Sri Ganga Nagar, (Rajasthan).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immet able preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, 17, Tolstoy Marg, New Delhi. Area—482 Sq. ft.

R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALF ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1842,---Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 412-A, 17 Tolstoy Marg, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the registering officer at IAC. Acq. RangeI, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following versions, namely:—

- M/s. Hariganga Alloys & Steels Ltd. 19, Rajendra Park, New Delhi.
- (2) Mr. Vinod Λrora, 82, Prasad Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 412-A, 17, Tolstoy Marg, New Delhi. Area—482 sq. ft.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I
Aggarwal House.
4/14A Assf Ali Road.
New Delhl

Date : 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1843.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. M-4, Muz Floor of 1463 sq. ft. in Chiranjiv
Tower, Nehru Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tox Act, 1961 in the office of of the registering officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

If New Deint on June 1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the raid Acc., in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee "or the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namely:—

67----506 GI/85

Shri Shish Pal Singh
 Sho Shri Suddar Singh
 R/o 9/4950-B, Rast Old Silampur,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Angeline Thapar (Minor) & S'ri Bah'a Thapar (Minor) D/o Shri Adak Thapar E/o A-3, Pampash Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections at any, to the accombinion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days trem the date of publication of this notice in the Official Gazane or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. An inexal octool expires later;
- (b) by any offer cers in juterested in the said immovable mainty, within 45 days from the date of the judication on this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are differed in Chapter XXA of the said Act, whill have the same meaning as given that hasher

THE SCHEDULE

Falt No. M-4 on Miz Fixor of 1463 sq. ft. in Chiranjiv Tower, Nehru Place, New Delhi.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I
Aggarwal House.
4/14A Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVEENMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALT ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/6-85/1844.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding By 100 000 (100 december 1965).

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102 Arra 414 App. on Plot No. H-2 situated at Shopping Crutes Community Encirties at Kolknii

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to sterred under the LT Act, 1961 in the office of the registering officer at IAC. Acc Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accept to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability

 on the Hability to the order of some Act in

 temperate of any income entiring from the transfer;

 and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the tail. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) M/8. Saket Properties (P) Ltd., D-345 Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

(2) Dr. J. C. Sachdev & Dr. Sanjokta Sachdev, S-115 Panchshil Park, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betom as are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 Area 414 app. on Plot No. H-2 Shopping Centre Cum Community Facilities at Kalkaji. Flat Area 414 sq. ft.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I
Aggarwal House.
4/14A Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s, Gopal Das Estate and Housing (Pvt.) Ltd., 28, Barakhoniba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Rani Aggarwal W/o Shri S. B. Aggarwal. E-1/11, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1845.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competer Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act) have reason to believe that the inimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 91-A on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhavan, 28 Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the 1.f. Act, 1961 in the office of of the registering officer at IAC. Acq. Range-T. New Delhi on June 1985

I, New Delhi on June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the santies bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 91-A on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Dais Bhawan. 28. Barakhamba Road, New Delhl.

Area-174.93 sq. ft.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 21-1-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1846.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsteer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and blaning No.

Space No. 63-A on Lower Cloud Hoor in Dr. Gopal Das

Bhawan, 28 Barakhaniba Read, blanical at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the LT. Act, 1961

in the office of of the registering officer t IAC, Acq. Range
I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property mid I move reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent took tenton therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Gopal Das Estate and Housing (Pvt.) Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Ralcon Systems Pvt. Ltd., B-253 Okhla Industrial Area, New Delhi.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald imacovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 65-A on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Day-Bhawan, 28 Barakhamba Road, New Delhi. Area—213.94 sq. ft.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-J
Aggarwal House.
4A Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 21-1-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1848.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair Rs. 1,00,000/- and bearing market value exceeding

Flat No. 1313 in Skipper Tower, 89 Nehru Place situated at New Delhi

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 11'. Act, 1961 in the office of of the registering officer at IAC. Aca, Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; ead or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ac., 1922 (BI of 1922) of the said Act, or the Westin-tax Act. #\$7 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harbans Singh Mrs. Pushpinder Kaur, 13-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor) (2) Shii Mohan Lal Krishan Lal Sachdev (H.U.F.), S-154, Greater Kalash-L New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1313 in Skipper Tower, 89 Nehru Place, New Delhi. Area-444 sq. ft.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 21-1-1986 Scal:

FORM TINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4y14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(2) Mrs. Poonam Bahl, Mr. P. C. Bahl, P.O. Box-20120 Sajat, Kuwait.

(Transferce)

New Delhi, the 21st January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1849.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable 1960 (1960) property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1203 in Amba Deep at 14 K. G. Marg,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the office of of the registering officer at IAC. Acq. Range-

I, New Delhi on June 1985
for an apparent cons deration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesald yersons within a period of 45 days from the unte of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and to expressions used herein as are defined in hopter XXA of the sent Act, shall the same meaning as given n that Chapte:

THE SCHEDULE

Flat No. 1203 in Amba Deep at 14 K.G. Marg, New Delhi. Area-450 sq. ft.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 21-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALT ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1850.—Wherens, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 /- and hearing

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No 21 on Lower Ground Floor in Vijaya Building
at 17 Barakhamba Road, situated at New Delbi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the LT. Act, 1961
in the office of of the registering officer at IAC. Acq. Range-

I, New Delhi on June 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

 Mr. Sanjay Vij S/o Mr. N. K. Vij, and
 Mr. Sandeep Vij S/o Mr. N. K. Vij, Vij Bhawan, 10 Malkaganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 21 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' Building, at 17 Barakhanba Road, New Delhi (Super) 221.07 sq. ft. subject to adjustment at the time of completion of the Building.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-I
Aggarwal House.
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 24-1-1986

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1851.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the tacome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Space No. 89 on Lower Ground Floor in Vijaya Building at 17 Barakhamba Road situated at New Delhi

at 17 Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of of the registering officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the set! Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Guiral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

Mrs. Usha Anand
 W/o Prof. Krishan Kumar Anand.
 Mrs. Kumud Khalsa
 W. o Mr. Verender Khosla and
 Monter Alok Anand
 U/G of Mr. R. K. Anand (Father & N/G),
 R/o R-837, New Rajinder Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be neade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 89 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi. (Suner) 200 sq. ft. subject to adjustment at the time of completion of the Building.

R P. RAJESH
Competerd Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Incommatax
Acquisition, Range-I
Aggarwal House,
4/14A Asia Ali Road,
New Delhi

Date : 24-1-1986

 M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transfer -)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raj Kumar Vij S/o Mr. Sant Das Vij, Vij Bhawan, 10 Malkaganj, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALE ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/6-85/1852.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Space No. 16 on Lower Ground Floor in Vijaya Building at 17 Barakhamba Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

in the office of of the registering efficer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of ransfer with the adjust of f—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922

 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1939)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following servons namely:—

68-506GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 16 on Lower Ground Floor in 'Vijaya' Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi (Super) 221.07 sq. ft. subject to adjustment at the time of completion of the Building.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-1
Aggarwal House.
4/14A Assaf Ali Road.
New Delhi

Date: 24-1-1986

Sonl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/6-85/1853.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing

Space No 64-A on Lower Ground Floor in Vijaya Building

at 17 Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 in the office of of the registering officer at IAC. Acq. Range-I. New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer;

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this action under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Gaytri Roop Chand, Mrs. Chander Bhagwan Das, 1 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzitte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 64-A on Lower Ground Floor in 'Vijaya' Building 17 Barakhamba Road, New Delhi. Super 219.4 sq. ft. (Two hundred nineteen point four sq. ft.) subject to adjustment at the time of completion of the Building.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 24-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1854.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Block No. 90, Plot No. 5 known as 106, situated at Baird Road, New Delhi (and more fully described in 1975).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair pearket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-aax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Major Ramesh Kumar Gupta, S/o Dr. Ram Narain 22-A, Karni Nagar, Nagneechi Road, Bikaner & (Transferor)
- (2) Shri Miri Mal Jain S/o Sh. Lakhmi Chand Jain, R/o 88, Gadolia Market, Delhi & Others. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd individed share of 0.059 Acres (2576 sq. ft.) situated at Block No. 90, Plot No. 5, known as 106, Baird Road (also known as Langla Sahib Marg) New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Aunge-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 27-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-(AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1855.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing No. Flat No. 102, AVG, Bhawan M-3, situated at Connaught

Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New De!hi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefo: by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trumsfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other users which has enot been er which ought to we disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wesith-tax Act 1957 (27 of 1937)/

(1) S/Shri Narender Anand (HUF), Mrs. Nirmal Anand, Rekha Anand, Boboy Anand & Miss Bainu Anand 101, Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Asha Rani, Shri Rubinder Nath Gupta, Shri Vinod Gupta, Shri Sunil Gupta, Smt. Rekha Gupta, Smt. Bindu Gupta k-4/19 Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102, AVG Bhawan, M-3, Connaught Place, N. Delhi, Area 951.50 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggat val House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 2.9C of the said Act, I pereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesan property by the issue of this not to under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manage :--

Date: 24-1-1986

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-85/1856.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1303 in Amba Deep situated at 14 K. G. Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Vealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, innerly '--

 (2) Shri Kazim Ali Khan
 S/o Nawab Zulfiquar Ali
 C/o S. K. Vohra & Co.
 32 Regal Building Sansad Marg, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303 in Amba Deep at 14 K. G. Murg, New Delhi, Area 500 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, N w Delhi.

Date: 24-1-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/37EE/6-85/1857.—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing Flat No. 1302 in Amba Deep situated at 14 K. G. Marg,

New Delhi

11324

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any recontacting the concentration of any ficting of any reconstruction or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.
- (2) Mrs. Sava D. Ahmed W/o Sh. B. D. Ahmed C/o S. K. Vohra & Co. 32 Regal Building Sansad Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1302 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi, Area 650 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 24-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF NEW DELHI ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1858.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1301 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi Act, 1961 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a forebelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 1690 of the Said Act to the following persons, pamely :--

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Saman Ali Khan, D/o Nawab Zulfiquar Ali Khan C/o S. K. Vohra & Co. 32 Regal Building Sansad Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 1301 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 650 sq. ft.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Aange-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 24-1-1986

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Anuj Agarwal U/G Dr. R. K. Agarwal A-11/19 Vasant Vihar, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DFLIII

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1859.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, in Amba Deep at 14 K. G. Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi Act, 1961 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the coarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE 2CHEDULE

Fint No. 102 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi Area 450 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date: 24-1-1986

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Del New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Vapurep Chemitech Pvt. Ltd. I-C Vandhana, 11 Tolstoy Marg

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-85/1860.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as The 'said Act'), have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 802 in Amba Deep at 14 K. G. Marg situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideraton which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/o.

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 et 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi Area 450 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, ramely :-69—506GI/85

Date: 24-1-1986

(1) Mr. Rahul Dewan & Mr. Vikas Dewan D-32, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Kulwant Singh S/o S. Arjun Singh 4, under Hill Lane Civil Lines, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 24th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later?

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-85[1861.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

(b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to).

Shop No. G-3 measuring 259 sq. 1t. 86 Nehru Place situated at New Delhi

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

'11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Shop No. G-3 measuring 259 sq. ft. 86, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aga wal House, 4/14-A
Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ADDITION COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC, Acq-1/37EE/6-85/1862.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 1501 in Amba Deep at 14 K. G. Marg situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to begin in the parties has not been truly stated by the sold instant ween the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg New Delhi. (Transferor)

(2) Kiran Wadhawan, Vinod Wadhawan Rashmi Vachher, S-218, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1501 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi Area 580 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A Asaf Alı Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 23-1-1986

PORM ITAK

Shri Pradeep Mallick
 Minto Park
 Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Parmject Kaur, 326 Jhccl, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALE ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-137EE/6-85/1863.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604/56 Nehru Place situated at Nev Delhi

Flat No. 604/56 Nehru Place situated at Nev Delhi (and more fully described in the Schedule ansaxed hereto), has been transferred under the Income-tax Ac., 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in une 1985

Defin in time 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of this property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more them fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 56 Nehru Place, New Delhi Area 773 sq. ft.

R P RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquesition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 29-1-1986

FORM I.T.N.S.

Mr. Framjit Singh W-71, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL IIOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/6-85/1864.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Middle Basement No. 3, in 21 Barakhamba Road,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act,, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of स्मित्रकाला with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or svanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Mrs. Kamla Garg, 33 SFS Houses, Sheikh Sarai-I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the service of notice of notice on the service of notice on the se (a) by any of the aforesaid persons within a from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The tenns and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Middle Basement No. 3 in 21 Barakhamba Read New Delhi-1, (Under Construction) Area approx 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Lacome-tex Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asa! Alı Road, New Delhi.

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC-Acq-1/37EE/6-85/i865.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 1002 in Amba Deep at 14 K. G. Marg,

situated at New Delhi (end more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq Range-I, New Delhi Act 1961 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tensor. transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: عبدً /جد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) cf Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. Satyanarain, Mrs. Ninu Jain A-41 N.D.S.E.-I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afercenid persons within a period of 45 days from the dateof publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1002 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 470 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delh'

Date: 24-1-1986

M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.
 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Malini Chopra, Master Dhruv Chopra Mr. Ravish Chopra C/o Sh. R. Chopra Hongkong & Shongai Banking Corpn. 52/60 M. G. Road, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC.Acq-I/37EE/6-85/1866.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 801 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq. Range-I. New Delhi Act 1961 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act. 1908 (16 of a 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq. (Range-I. New Delhi Act 1961 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1937))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 801 in Amba Deep at 14 K. G. Marg, New Delhi. Area 345 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14-A
Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiats proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely —

Date: 24-1-1986

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/6-85/1867.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/2 and hearing

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1407 in 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent compideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeign property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 M/s. Ansal Properties & Industries (P.) 1td. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Kumar Vahi S/o Radha Krishna Vahi, M-7, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1407 in 38 Nehru Place, New Delhi, Area 560 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
New Delhi

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC, Acq-I/37EE/6-85/1868.—Whereas, I,

Ref. No. IAC, Acq-1/3/EE/6-85/1868.—whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 715-A at 98, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 70-506GI/85

(1) Shri Harvinder Pal Singh Manchoanda, E-32, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash S/o Shri Ram Lal, Smt. Viney Malhotra, W/o Sh. Satish Malhotra, B-1/193. Paschimi Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestal persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given if that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 715-A at 98, Nehru Place, New Delhi. Area of Flat 576 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 23-1-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACCUSTION RANGE-I AGGARVAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1869.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'maid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing

Rs. 160,000/- and bearing Flat No. 715 at 98, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent acceleration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to relieve that the fair is thet value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1977 or the said Act, or the Wealth-tax 6 1997 27 of 1957

 Shri S. Joginder Singh Manchanda, E-32, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss. Puja Chopra
U/G Kiran P. Chopra
Master Vikrant Chopra,
U/G Veena Chopra,
6/20, Shanti Niketan.
New Delhi and
16/13, W. E. A.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Fla: No. 715 at 98, Nehru Place, New Delhi. Area of flat 600 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresald property by the issue of his notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following swons, namely:—

Date: 23/11/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-Ï AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-83, 1870.—Whereas. I.

Ref. No. IAC/Acq-1/3/EE/6-83, 18/0,—whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 708 Skylark Building, 60 Nehru Place situated at New Dalbi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :-

(1) Miss Manmeet Ahuja Dio Sati H. S. Antija, Attorney Shri H. G. Ahuja, M-88, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudershan Dawar, W/o Shri Tilak Raj Lewer, R/o G-3/11, Rana Pratap Bagh, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged ;-

- (a) by any of the aforement primer within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a p. dod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, whom 15 carps from the date of the publication of this none, in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in a native SMN of the pair Act. shall have the same meaning as given in that Chart 7,

THE SCHEDULE

708 Skylark Building, 60 Nehru Place, New Delhi, at 7th floor measuring 752 Sq. ft.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwel House 4/14-A, Asaf Ali Food New I elhi

Date: 23/1/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-85/1871.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to "said Act") have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat 1322 of 350 Sq. ft. in 89 Nehru Place situated a New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri P. K. Jain HUF. 2. Master Jai Proct Singh U/C Col. Jaswant Singh, 3. Shri Manoj Jain, E-179. Kalkaji, New Delhi.

(Trasnferor)

(2) 1 Sari Gurmeet Sing Naroola, 2, Master Sumeet Singh Naroola U/G S. S. Naroola C/o S. S. Naroola, Surjit Bhawan, kanı Nagar Road, Kashipur, Dist. Nainital.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat 1322 of 350 Sq. ft. in 89 Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 23/1]/86

(1) M/s Skipper Sales Pvt. Ltd., 22, Baraknamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

tion of the significant of the property of the second contract the

(2) Master Raint Ghai U/G of Shri B. K. Ghai, D-371, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1872.—Whereas, 1, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing lat No. Ground 4G at 22 Barakhamba Road si uated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the untlessigned

and the state of t

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Ground 4 C at 22 Barakhamba Road, New DelhL Area 150 Sa. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1873.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Fiat No. G-3 (Ground Floor) at H-1, Kalkaji situated at (Alaknanda Community Centre)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi

in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Galaxy Builders (P) Ltd., Fla: No. 3, Sood Building, Tel Mill Marg, Ram Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Kewal Krishan Pahwa and Mrs. Poonam Pahwa, N-26, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-3, (Ground Floor) at H-1, Kalkaji (Alaknanda Community Centre). Area of Flat 356 Sq. ft. (Super Area).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 23/1/86

Soal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1874.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flot No. 1001, 10th floor situated at 14 Kasturba Gandhi

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putposés of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name²:—

- Ms. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.
- (2) M/s. Subhash Bhatia (HUF), E-23, Panchshila Park, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fa No. 1001, 10th Floor 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, Area 450 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-It
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dino : 22/1/86 Scal :

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrl Sharad Gulati S/o Shri Harbans Lal Gulati, 5/6 Gokhle Market, Lucknow (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1361)

era forti entre este entre entre esta de la Carre

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. JAC/Acq-I/37EE/6-85/1875.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing Flat No. 1310 in 38 Natra Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Siteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1310 in 38 Nehru Place, New Delhi. Area 580 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 22/1/86

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE /14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No . IAC/Acq-I/37EE/6-85, 1877.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing C-1, Greater Kailash Enclave-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) incutating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-71—506GI/85

Shri S, Baljit Singh Walia, C-1, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitri Walia Mr. Inderjit Walia. & Mr. Sanjiv Walia, R/o E-44, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-1 Greater Kailash Enclave-L, New Delhi, Plot area 400

Sq. Yards.
E. P. Railway Refugee Rehabilitation & House Building

Co-operative Society Ltd.
Ground Floor 1800 Sq. fts. Floor 200 Sq. ft.=2000 Sq. fts. Sq. fts.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asnf Ali Road New Delhi

Date: 226/1/86

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J AGGARWAL HOUSE 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1878.—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. UB-8 in 21 Barakhamba Road situated at New

Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937;

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing, for the acquisition of the foresaid property by the issue 1 this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1 M/S Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kochhar Construction Corpn. (K. K. Road) 33/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-8 in 21 Barakhamba Road, New Delhi. Area 420 Sa. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 22/1/86

FORM I.T.N.S.-

(1) M/S Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Major H. S. Lamba, Master A. P. Singh and Mrs. Persin Kaur, ED-58, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I 37EE/6-85/1879.--Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

13. 1,00,000/- and occoring 10.1 No. UP 10A at 22 Barakhamba Road situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq Range-I, New Delhi in June, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

ENC.ANATION. -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any

THE SCHEDULE

Flat No. UP 10A at 22 Barakhamba Road. New Delhi. Area 250 Sa. ft.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A, Asaf All Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

R.f. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1880,-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1 lakh and bearing
Flat No. 708 B at 22 Barakhamba Road situated at New

Oclhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and Apr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/S Skipper Sales Pvt, Ltd., Skipper Bhawan, 22 Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/S G. S. T. Corporation, 2/14 Ansari Road, Daryagani, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 No. 708 B at 22 Barakhamba Road, New Delhi. Area 100 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-1-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Shakuntla Devi Shroff, S-533, Greater Kailash-2, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Krishan Kumar Anand, Dwelling Gali 1, (Rear portion), S-533, Greater Kailash-2, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD 4/14-A, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-85/1881.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing indexing Unit No. 1, (Rear portion) Ground Floor situated at of S-533, Greater Kailash-2, New Delhi (and more Jully described in the schedule annexed hereto), tas been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June, 1985

in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforestiid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defiged in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chariff

THE SCHEDULE

welling Unit 1, (Rear portion) Ground Floor, of S-533, ater Kailash-2, New Delhi. Area 1300 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 22-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

 $\ensuremath{\mathbb{R}}_1$ No. IAQ/Acq-I/37EH/6-85/1883. —Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing agricultural land mg. 19 Bighas 4 Biswas situated at Village Jonapur (fehsil Mchrauli), New Delhi (and more fully described in the schedule annexed here o), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985.

in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) tacintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mrs. Nirmal Mehra, J-367, New Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Jain and Shri Mast Pankaj, B-19, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Bighas 4 Biswas bearing Khasra Nos. 7/25, 20/5, 20/6 and 20/15 with Farm Cottage in village Jonapur (Tehsil Mehrauli).

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 22-1-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Dalmia Dairy Industry Ltd. 11-ABC, Atma Ram House, 1-Tolstoy Marg., New Delhi,

(Transferce)

(2) Sh. Ashok Sawhney 112, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Newc Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1884.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Aparlment No. 601, Block-A, 6th floor situated at Dalmia Vihar, Village Bijwasan Tehsil Mchrauli, New Delhi

Vihar, Village Bijwasan Tehsil Michrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi Act, 1961 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason tobelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 601, Block No. A. 6th Floor, Dalmia Vihar Village Bijwasan, Tehsil Mebrauli, New Delhi Area 1440 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

Date: 22-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1885.--Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 419, 335 Sq. ft Skipper Tower situated at 89, Neh u Place, New Delhi

to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sh. Birender Kumar Singh Jainthpur House, Maripur, Bihar.

(2) M/s. Real Investments 76, Dhuleshwar Garden, Jaipur,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 419; Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi. Area 335 Sq. ft.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 22-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1886.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0000/- and bearing No. Flat No. 5-A. 4th Floor, Nilgirl Apartments situated at 9, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi Act, 1961 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely —72—506GI/86

 M/s. Kailash Nath and Associates 1006. Kanchanjunga, 18. Barakhamba Road. New Delbi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashwani Kumar Pasricha R/o Floriana Estate, Boar Club Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, 4th Floor in proposed multi-storyed Group Housing Scheme, Nilgiri Apartments at 9 Barakhamba Road, New Delhi and one Car Parking Space. 1600 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A
Asaf Ali Road, New Delhi

Data: 23-1-1986

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Shauma Vanijya Pratisthan Ltd. 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta.

(2) M/s. Usha Alloys & Steels Ltd. 11, Sooterkin Street. Calcutta.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELIHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-85/1887.—Whereas, I. R. P. RAIESIL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have feason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, 2nd Floor, Prayeen Apartments situated at Sujan Singh Park (South), New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the i.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at 1AC. Acr. Range-I. New Delbi on type 1985.

IAC, Acq. Range-I, New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaless the such apparent consideration the such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent considerat ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in rearierd of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, 27 of 1937)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on Floor No. 2 (Scond) of an approximate built up area of 2000 Sq. ft. proposed to be constructed in the proposed Praveen Group Housing Scheme (formerly inscribed as PSJ Group Housing Scheme) Praveen Apartments at Sujan Singh Park (South), New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

A NA MENDO CHARLES AND THE STREET OF THE STREET OF THE STREET

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1888.—Whereas, I R. P. RAJESH.

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Basement No. 5, 60-Sky Lark situated at Nehru Place, New

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Singh & Smile 5A/185, WEA Karol Bagh, New Delhi.

 Mr. Manoj Ghai
 S/o Shri K. P. Ghai,
 W-77, Greater Kailash-I, New Delhi...

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 40 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 5, 60-Sky Lark, Nehru Place, New Delhi, Area 738 Sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
> Acquisition Range-II
> Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1889.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Basement No. 7, 60-Sky Lark, Nehru Place situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Range-1, New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Singh & Smile 5A/185,WEA Karol Bagh, New Delhi...

(2) Mr. Gagan Arora S/o Mr. G. G. Arora C-90, Kalkaji, New Delhi..

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Basement No. 7, 60 Sky Lark, Nehru Place, New Delhl. Area 607 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TRANSPORT AND AND AND CONTRACT CONTRACTOR CO

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1890.--Whereas, I, R. I. RAJESH, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremarker referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. G-5/59, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. S. Kulyant Singh S/o S. Arjun Singh 4, under Hill Lane. Civil Lines. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Radha Bhalla W/o Mr. Sita Ram Bhalla, G-48, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-5/59, Nehru Place. New Delhi. Area 325 Sq.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1891,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the income tax Act, 1901 (43 of 1961) (nereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1216-A, Devika Tower situated at 6, Nehru Place.

New Delhi

(and more fully described in the Schedulé annexed hereto), has been transferred under the L.T. Act, 1961

in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ajit Singh Juneja and Mrs. Rajindra Kaur C-35, Greater Kailash, Part-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the moresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 1216 A in multi-storeyed Building. Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

Date: 23-1-1986

THE PERSON NAMED IN COLUMN 2 I

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1892.--Whereas. I. R. P. RAJESH, tunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18, Todar Mal Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at in the Office of the Registering Officer at persons, namely :-for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent considerauen therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as igreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

ia) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tail Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notce under sub-section (1) of Section 269 he said Act to the following persons, namely :-

M/s. Brij Enterprises Pvt. Ltd. E-4/5, Jhandowalan Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Devender Sarup Aggarwal 18, Todar Mal Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mist property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

18, Todar Mal Road, Bengali Market, New Delhi. Area 434 Sq. ft.

> R. P. RAJFSH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14
> Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1893,—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fiat No 212-B, Hemkund Tower-98 situated at Nehru Place.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Avtar Singh & Mrs. Gurcharan Kaur 29. Pushpanjali I.P. Extn., New Delhi

~____

(Transfer 11)

(2) Mrs. Indu Leekha B-4/1, Safdarjung Enclave, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 212-B. Hemkund Tower 98, Nehru Place, New Delhi, Aera 558 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14
> Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1984.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. 24 Storeyed Residential Building on Plot area of 375 Sq. yds No. 66, Block No. 172 Jorbagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the f.T. Act, 1961 has been transferred under the I.I. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I. New Delhi, on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons namely:-

73-506GI|85

- Sh. Telu Ram Jain
 S/o Sh. Dhani Ram Jain
 Hakkikat Nagar,
 Jullundhar Cantt.
 Sh. Anand Kumar Jain
 S/o Sh. Telu Ram Jain & above.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. N. K. Jain S/o Sh. Telu Ram Jain as
 - 2. Smt. Sudha Jain W/o Sh. S. K. Jain
 - 3. Sh. Arjun Jain S/o Sh. S. K. Jain &
 - Smt. Manju Jain
 W/o Sh. S. K. Jain & All R/o 2943, Katra Kusal Rai, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 Storeyed Residential Building on Plot Area of 375 Sq. yds. No. 66, Block No. 172, Jor Bagh, New Delhi, G.F. 1800 Sq. ft, F.F. 1800 Sq. ft, B.F. 400 Sq. ft,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1895.— Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10-320. Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi, on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kaushalya Dogra W/o late Major O.P. Dogra C/o Pt. Des Raj Dogra. Punj Tirathi, Jammu Tavi.

(Transferor)

(2) Dr. Ashok Nath Bhargava S/o Sh. H. N. Bhargava & Smt. Sushma Bhargava W/o Sh. Ashok Nath Bhargava C-49, Defence Colony, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-320, Defence Colony, New Delhi. Ground Floor 1483.4 Sq. ft. First Floor 560.75 Sq. ft. avea 325 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House 4/14
Asaf All Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the limit of this notice under subsection (1) of Section 269 as at the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-1-1986

Seal;

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-J/37EE/6-85/1896.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the sait Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1012 on 1st floor in Kusual House situated at 39,

Nehru Place. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under thic LT. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Act Range-I, New Delhi, on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; eud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mr. Rakesh Jain S-341, Greater Kailash, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Vinod Kumar Chatrath and Mrs. Renu Chatrath D-121, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor in Kusual House, 39, Nehru Place, New Delhi. Area 450 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal Heuse 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

FORM ITNE

AND THE PROPERTY OF STATE OF S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-85/1987.---Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereing the referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p.opc. y having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 201 in 14, Kasturba Gandhi Mary situated at New

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under this U.T. Act. 1 08 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi. on June, 1985

[or an apparent consideration which is test than the fair market value of the aforesaid persectly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree to between the carties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Incomplete Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1997);

rrow, therefore, in pursuance of Soction 169C of the still Act, I hereby initiate precedings for the negatition of the aforesaid property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannly:—

Miss Tanu Gupta U/G Sh. J. G. Gupta Mrs. Manjula Gupta 96, Model Basti, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Bitu Madan W. o Sh. Ashwani Madan Mr. R. R. Malhotra S/o late Shii Baisakhi Ram SFS-17, Ground Floor, Kalkaji Outer Ring Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquestion of the wild property may be unde in writing to the undereigned :-

TO THE PROPERTY OF THE PROPERT

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whalever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 201 in 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. Area 400 Sc. ft.

> R. P. RAJESH Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Aggarwal Flouse, 4/14 Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 23rd January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-1/37EE/6-85/1899.—Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. S-515, G.K.-II situated at New De.hi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Income-tax Act 1961

in the Office of the Registering Officer of IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; max/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Saroj Chadha, W/o Shri Jai Ram Chadha, R/o Kesar Service Station, G. T. Road, Jullundhar.

(Transferor)

(2) Shii Rakesh Jain, S/o Shri Tek Chand Jain, R/o 40 Hanuman Road, Cannaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by say of the aferceald persons within a period of 45 days to on the data of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the survice of metics on the respective per one, which-'ever period appires lister;
- (b) by any other person interested in the said immovable presenty, within 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as no defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as Act. given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. S-515, G.K.-II, New Delhi. Area 550 Sy Yards.

> R. P. RAJESH Competen: Authority Ir specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Agga wal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

PUMM YTNS

(1) Shri Brij Mohan Sachdev 130, Golf Link, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Neeraj Khosla 4727 Cloth Market, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 23rd January 1986

Ref. No. JAC/Acq.-1/37EE/6-85/1899.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1323 Skipper Tower situated at 89 Nehru Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961

in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1323, Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi, Area 385 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-1-1986 Scal:

الرواية المحمومية المحمومية الأراي والمحمومية المحمومية المحمومية المحمومية المحمومية المحمومية المحمومية الم

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1900.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fiat No. 505. Skyline House situated at 85, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961

has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under amb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Ashok Ovygen (P) Ltd., 505, Skyline House, 85, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Mundhra Estates, 12/1B. Lindsay Street, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, Skyline House, 85, Nehru Place, New Delhi. Area 641 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/6-85/1901.—Whereas, I, R. P. RAJFSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9 on 2nd Floor, area 500 Sq. ft. situated at Commercial Building Aronachal at 19 B. K. Road, New Delhi (and more cully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer of IAC. Acq. Range-!, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the toperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M. s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Sharma, HUF, W-129, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Confests

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said a Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 2nd Floor, area 500 Sq. ft. in proposed multistoryed Commercial Building Arunachal at 19 Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1903.—Whereas, I, R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. C-46, Okhla Industrial Area, Phase-I, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an epi-arent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a speed to between the parties has not been truly stated in the

taid instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following necesses mamely.—

74-506GI/85

 Mr. Bhagat Ram Bahri and Mr. Anil Behri, G-39, East of Kailash, New Delhi.

(2) Shri Devinder K. Chopra, 60/20, Prabhad Road, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-46, Okhla Industrial Arca, Phase-I. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

(1) M/s Chemical & Mineral Distributor, (Import & Agency Divi), Rosemary Lane, Howrah-1, (Calcutta).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Same a a delegacina a delegacina del como estado de la como estado del como estado de la como esta

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Chand Rani Ghambir, W/o Shri Vec Parkash Ghambir, 6, Rosemary Lane, Howrah-I.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1904.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the mamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. Ground Floor at 22 B. K. Road situated et New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. Ground Floor et 22 Barakhamba Road, New Delhi. Area of flat 2000 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 23-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shiy Kapur Joginder Kapur, 2720, Ajmal Khan Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Sharma, Smt. Hem 1 ata Sharma, Alok Sharma, Block A Pocket C-1, Flat No. 145-B, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-I/37EE/6-85/1905.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 121 at 21 Barakhamba Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore

believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by same than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the core of the publication of this notice in the Official Clarette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ANA of the and Ao, shall have the same are sing as given in Cat Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; HING/OF

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 121 at 21 Barakhamba Road, New Delhi. Area 360 Sq. ft.

> R. P. RAJEST Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-1-1986

and the structure of th

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi,, the 23rd January 1986

Ref No. IAC/Acq.-I/37EE/6-85/1906.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horcinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A residential Flat on 6th Floor, Nilgiri Apartments situated at 9 Barakhamba Road (New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versors, namely:—

 M/s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Capt. S. P. Anand and Mrs. Rupa Anand, 13/448, Sundar Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A residential flat on 6th floor and a Car Parking Space in proposed Multi-storeyed Group Housing Scheme 'Nilgiri Apartments at 9 Barakhamba Road, New Delhi. Area :600 So. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-1-1986

FORM TINS-

M/s Ahuja Furnishers Pvt. Ltd., Mandir Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Viresh Ahuja, S/o Shri O. P. Ahuja, W-79A. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/6-85/1906A.—Wherens, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

of transfer with the object of :-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No. Agr. Land mg. 12 Bigha 4 Biswas Mustatil No. 79 Killa No. 11/2 (1-2), 20/1(2-1), 18 (4-5) and 19 (5-16) situated at Village Jonapur, Tehsil Menrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Jocome-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer et IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immon-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 12 Bigha 4 Biswas, Mustail No. 79 Killa No. 11/2(1-2), 20/1(2-1), 18 (4-5) and 19 (4-16), Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-2-1986

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kailash Chandra Taneja, F-138, Mansarover Garden, New Delhi. (Transferor)

 Smt. Mithlesh Rani, W/o Ravinder Dass, E-119, Kalkaji, New Delhi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/91.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-67, Kalkaji, situated-at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer.

in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-67, Kalkaji, New Delhi. Area 200 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 27-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/92.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agr. Land measuring 18 Bighas and 16 Biswas, M. No. 23, Killa No. 18 (4-14) 19 (4-16) 20/1 (1-8), 22/2 (3.2) 23 (4-16) situated at Village Bharthal, Tehsil Mehrauli, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamery --

 Smt. Ghari Bhari, w/o Rattan Singh, r/o Village Bharthal, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Impulse (India) Pvt. Ltd., B-12, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of particular of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 18 bighas and 16 biswas, M. No. 23, Killa No. 18(4-14), 19(4-16), 20/1/1(1-8), 22/2(3-2), 23(4-16), Village Bharthal, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-1986

NOTICE TRADER SECTION 269D(1) OF THE INCOME AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/93.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

beine the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1.0') 000/- and bearing No. G-7, South Extension I Market situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the

Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dolhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market valve of the aforesaid property and I have reason to believe that the thir market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Sarup Singh Sandhu, residing at 82, South Extension Part-I, New Delhi.

2. Smt. Sunita Kumarl, residing at 82, South Extension Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Meena Khanna,

Smt. Adarsh Khanna, Smt, Neelam Khanna,

Smt. Urmila Khanna,

Smt. Geeta Khanna, all residents of 23, Ansari Road,

Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immor: able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-7, South Extension I Market, New Delhi. Area 250 Sq. Yds. (210 Sq. tmrs.).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

through its Partner Shri Bhawandeep Puri, S/o G. S. Puri, r/o C-4, Pamposh Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Naresh Mitroo, S/o Late Shri D. R. Rajput, r/o A-273, Defence Colony, New Delhi.

(1) M/s Purisons Engineering Co.,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/97.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Property bearing No. A-273 Defence Colony situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. A-273, Defence Colony, New Delha. measuring 217 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

tion, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons namely :--

75-506GI/85

Date: 27-1-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delbi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/98.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding executing Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing No. II-C/161, Lajpat Nagar situated at New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of menafor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

- (2) Shri Jagdish Lal S/o Shri Hotu Ram, r/o H-C/161, Lajpal Nagar, New Delhi. (Transferor)
- Manoj Kumar s/o late Shri Chunni Lal and
 Smt. Pushpa w/o Shri Manoj Kumar, both r/o II-F/99, Lajpat Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. II-C/161, Lajpat Nagar, New Delhi. measuring 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/99.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing MPL No. 119/2, Khasra/Plot No. 830

Property bearing MPL No. 119/2, Khasra/Plot No. 830 & 831, mg. 342 Sq. yds. situated at Jangpura, Bhogal, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kiran Rani w/o Sh. Dev Raj, r/o 25, Sunder Nagar Market Flats, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Wati Kukreja w/o Sh. Tara i hand Kukreja and Smt. Anjana kukreja w/o Sh. Raj Kumar Kukreja r/o 752 Mathura Road, Jangpura, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing MPL No. 119/2, Khasra/Plot No. 830 & 831, measuring 342 Sq. Yards situated at Jangpura, Bhogal, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-7,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delian

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ⁷ hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-86

FORM ITNS ----

(1) Smt. Chander Kanta w/o Sh. Ashok Kumar c/o A-6, Ring Road, South Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Chander Gupta s/o Shri Bimal Chander and Smt. Shakuntla Devi w/o Shri Bimal Chandra r/o 22. Sri Ram Road, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/100.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Residential Unit on Ground Floor of Building No. S-462. Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andler

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential Unit on Ground Floor of Building No. S-462, Greater Kailash-I, New Delhi together with undivided, indivisible and impartible ownership right of (33.1/3%) on the land underneath.

> R. P. RAJÉSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :—

Date: 27-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/101.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinacter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Prop No. 270, Block 'B' situated at Greater Kailash-I, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Sh. S. P. Anand s/o Sh. M. R. Anand r/o B-351, New Friends Colony, New Dolhi

(Transferor)

(2) Mr. J. Roy Vndra s/o Late Shri Hansraj Vadra and Mrs. Ncena Edward w/o Mr. Mark Edward r/o C-26, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested 14 the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in 140 Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chroter XXA ex the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Flat with one fifth share of Plot of land of prop. No. 270 Block 'B', Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/103.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. N-115, Greater Kailesh Part-I, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any naoneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. K. Ahuja w/o Shri S. K. Ahuja & Shri S. K. Ahuja s/o Shri R. L. Ahuja bth R/O C-3, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. Chatterjee s/o late Shri S. K. Chatterjee & Smt. N. Chatterjee w/o Shri I. Chatterjee R/O 27/32, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second Floor (Front portion) of property No. N-115. Greater Kailash Part-I, New Delhi. Area 800 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/6-85/104.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Middle portion Flat at First Floor in Building situated at No. S-473, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Savinder Singh, E-599, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Annie K. Mathew, C/O Air India, Himalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Middle Portion Fint at First Floor in Building No. S-473. Greater Kailash-II, New Delhi comprising of 2 bed rooms with attached baths, kitchen, Drawing Dining with 1/9th undivided share in the plot measuring 557 Sq. yds. (462.3 Sq. Mtrs).

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf All Road, New Delhi

Date: 27-1-86

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/105.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authorty under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 89 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Property No. H-13A, area 100 sq. yds. situated at Kalkaji,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any ncome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19571:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Roshan Lal Madan s/o Talia Ram Madan, r/o H-54A, Kalkaji, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Shri Veer Garg s/o Shri Suraj Parkash Garg and Smt. Raj Garg w/o Veera Garg, r/o H-13A, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this. notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-13A, area 100 Sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-86

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC 'Acq-I/SR III 6-85/106,---Whereas, I, R. P. RAJI/SH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding

Plot No. 17. Block 'B' measuring 605 Sq. yds. situated at Okhla Fodustrial Area, Phase-H, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at a

New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sacceds the apparent consideration therefor by more than intreor per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

76—506G1785

 M/s Upvan International B-17, Okhla Industrial Area Phase-II, New Delhi, through its partners Pawan Kumar Dhawan and Smt. Sita Dhawan.

(Transferor)

(2) M/s Upvan International Pvt. Ltd. B-17, Okhla Industril Area Phase-II, New Delhi through its Director Smt. Sita Dhawan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 Block 'B' measuring 605 Sq. yds. alongwith Super structure situated at Okhla Industrial Area Phase-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-86

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Nimpam Jaio w.o Ashok Jain r/o E-207, Greater Kailosh II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Gulzari Eduana s'o Late D. D. Khanna ivo M-150. Greater Kallash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/107.—Whereas, f, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Property No. S-328, Measuring 300 Sq. Yds. situated at

Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Call the local the or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date_of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Unit No. C, Barsati floor, part of property No. C-328, measuring 300 Sq. Yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
Aggarwal House. 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 27-1-86

FORM NO. I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. 1AC Acq 1/5R-111/6-85/110.—Whereas, I, R. P. KAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to under Section 269B of the as the said Act), have reason to believe that the immoveable properly, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing No.

Rs. 3.00,000% and bearing No. Ground floor of property No. C-350, mg. 300 Sq. yds. situated at Greater kinderh II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Other of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been cruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- it. maked it also restricted in evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes or the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nove the refer to be pursuable of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .:-

(1) Shri Harbans Lal Kainth S/o Late Amar Nath Kainth E-128, Mohammadpur near R. K. Puram, Sector-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sint. Nisha Singh w o Daleep Singh r/o A-238, Defence Colony, New Delhi, at present S-350; Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. S-350, measuring 300 Sq. ds. Greater Kailash-II, New Delhi. (33-1/3% share in the Plot of land.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-86

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/111,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Plot No. 350 Block S, measuring 300 Sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a consideration for such transfer as a small part of the consideration for such transfer as a small part of the consideration for such transfer as a small part of the consideration for such transfer as a small part of the consideration for such transfer as a small part of the consideration for such transfer as a small part of the consideration for such transfer as a small part of the consideration of the and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely :---

(1) Shii Harbans Lal Kainth S. o Late Amar Nath Kainth E-128, Mohammadpur near R. K. Puram, Sector-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manject Bose w/o S. Bose r/o 187-A, DDA Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

A portion of first floor of property built on Plot No. 350 Block S, measuring 300 Sq. yds. at Greater Kailash-II, New

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 27-1-86

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4. 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC, Acq-I/SR-III 6-85/112.—Whereas, I, R. P. RAJI/SH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 18, Block S, measuring 300 Sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shii Ajay Kapur S o Sham Lal Kapur 1/0 C o Shop No. 6-A, Yashwant Palace, New Delhi.

(Transferor)

(2) M. s. Ganpati Exports Limited. G-30, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential set on second floor of property built on Plot No. 18, Block-S measuring 300 Yds. at Greater Kailash-II, New Delhi,

> R, P, RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-1-86

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85 113.—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 18, Block S, measuring 300 Sq. yaras strengt at

Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed licreto),

has been transferred under the Registeration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shi Ajay Kapur S. o Sham Lal Kapur r/o 6-A, Yashwant Palace, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anjana Lanciji w.o Shri Sankar Banerji r o 6B. Pushpa Apartments, 63 A. bright Street, Calcutta Local D-II/50, Kidwai Nagar West, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property built on Plot No. 18 Block-S, measuring 300 sq. yds. at Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ANTIOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC. Acq-I/SR-III 6-85/114.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and hearing No.

Plot No. 18, Block S, measuring 300 Sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the preperty as aforcesid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; idd/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any meners or other sesses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone mamely: --

(1) Shri Ajay Kapur S o Sham Lal Kapur tho Cho Shop No. 6-A, Yashwant Palace, Mew Delhi.

(2) Smt Saroj Budhraja w/o Vijay Budhraja and Vijay Budhraja s/o Shri Ram Parkash Budhraja r/o 98, Kamala Market, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property, built on Plot No. 18 Block-S. measuring 300 sq. yds. at Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhir

Date: 27-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. AGGARWAT HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III, 6-85 115.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 124 in Block-E Mg 250 Sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here the statement of the Position of the Schedule annexed hereto), here here the statement of the Position of the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Arun Kumar V. Puranik A-439, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M s Chand Contractors Pvt. Ltd. 1206, Surya Kiran Bldg. Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by amy other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 124 in Block-E, mg 250 Sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 27-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhl, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/116.—Whereas, I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 244, Block 'S' measuring 300 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suisection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :---77-506GI/85

(1) Sh. Delip Singh S/o Gurdit Singh r/o Makhan Singh r/o C-5, Rajouri Garden Now Delhi, through attorney Sushila Kumari.

(Transferor)

(2) Dev Dutt Sharma S/o late Pt. Daniat Ram R/o 22-G, Pocket 'K' Sheikh Sarai, Phase-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 244, Block 'S' measuring 300 Sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 27-1-1986.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Anita Kathpalia B-32, Kailash Cloony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AĞĞARWAL HOUSE, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

(2) Smt. Rayman Kukreja 65-Anand Lok, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-85/117.—Whereas, I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S-428. Greater Kailash-II,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

are somering one reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transferor.

THE SCHEDULE

s facilitizing the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax 445, 1957 (27 (1957);

Plot No. S-428, Greater Kailash-II, New Delhi (556 Sq. Yards).

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

stave, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person . namely :-

Dated: 27-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-85/118.--Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. S-530, measuring 300 Sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harbans Lal Kointh S/o Late Amar Nath Kainth r/o E-128. Mohammady a near R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) H. S. Wadhwa w/o Dr. N. D. Wadhwa r/o 357 Johnepur, Mehraudi, New Delai, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a proper of 10 days from the service of nonce or the interview revision, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest d in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the said series.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that chapter.

THE SCHEDULE

S-350, Second Floor measuring 300 Sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJETH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Dated: 27-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/119.--Whereas, I. R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A on ground floor and basement

floor situated at part of property No. S-328, mg. 2700 Sq. it. Greater Kailash-II,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(1) Mrs. Nirupam Jain W/o Ashok Jain r/o E-207, Greater Kailash-II, New Delhi through general attorney Ashok Jain.

(Transferor)

(2) Mrs. Indu Sharma W/o Copt. G. K. Sharma and Mrs. Ansuya Devi w/o R. Kant, residents of 510, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. A, on ground floor and basement floor part of property No. S-328, measuring 2700 sq. ft. Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 27-1-1986.

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/120.—Whereas, I,

R. P. RAJESH
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. S-188, Greater Kailash-II situated at New Delhi (300 Sq. yards) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the property for such apparent consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer Smt. Thakar Hiraben Jayantilal.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westlemx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri J. D. Verma 2. Sh. Satish Verma H-112 Connaught Circus, New Delhi. (Transferry)

(2) Smt. Nirupa Jain of E-207. Greater Kailash-II. New Dolhi.

(Transferme)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-188, Greater Kailash-II, New Delhi (300 Sq. Yards).

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 27-1-1986.

FORM ITNS----

(1) Sh. Om Prakash Markandya 7-Laurel Way London M-20

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Prahlad Gandhi & Sh. Krishan Lal Gandhi-12, Feroz Gandhi Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/6-85/121.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No. BP-12, N. H-3 Lajpat Nagar-III situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within, 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BP-12 N. H-3 Lajpat Nagar-III, New Delhi. Area 788.4 + 6.6 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :---

Dated: 27-1-1986.

Scali

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 27th January 1986

'Ref. No. IAC/Acq.-I/S.R..-III/6-85/122.--Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer ed to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 18, Block-M, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here:0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer. of 1908) in the office of the Registering Officer N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dr. Chattar Singh Anand & Sons (H.U.F.), Medical College Campus, Gwalior, at present Hemkunt Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sneh Shah S/o. Shri Kishan Shah, r/o M-18. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazet.e.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First & Second floor portion of property built on Plot No. 18, Block-M, measuring 500 Sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II New Delbi

Date: 27 J-1986,

Scal:

PURM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/123.—Wherems, I.

R. P. RAJESH being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Property bearing No. B-231, situated at Greater Kailash-I,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more sain exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferi andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (') of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 S. Harjeet Singh S/o. late S. Gurbachan Singh I/o 9-A, Model Town, Phagwara.

(Transferor) (2) Mr. N. L. Sahgal S/o. Late Lala Lahori Ram Sahgal r/o B-1, Thepar Nagar, Phagwara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-231, Greater Kallash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 27-1-1986.

a ortanizazione e e il compania

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/126,-Whereas, I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnkovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and baring No. No. M-10, Greater Kailash-I, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in June 1985
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any message or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

78---506GI/85

(1) Maj. Gcn. Prem Nath Sawhney, M-10, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Seth Smt. Madu Seth, Master Varun Seth & Tarun Seth, B-I, Kailash Appartment, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property —: possissepun out of Supples up specie of Augu-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Colony. M-10. Greater Kailash-I, New Delhi. Built up Area approximately 2,300 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 27-1-1986

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/6-85/127.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing

No. D-423, Defence Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herero), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been equivolent to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

 Shri Ram Kumar Behl (Wing Commander) Retd. No. 2, Reviers Marine Drive, Bombay. Madras-102.

 Shri Dinesh Kumar Jain (HUF), D-422, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-423, Defence Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 27-1-1986.

esure terribular above de dans e

- -= <u>-</u>2.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt, Ravinder Alag wife of Sardar Ravinder Singh resident of C-48, South Extension, Part-II, New Delhi.

(2) M/s. Brij Mohan Lall & Associate (AOP), through Shri Suman Kant S/o. Shri Brijmohan Lall Munjal r/o 26 Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/SR-III/6-85/129.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. Property bearing No. B-109, situated at Greater Kailash-I, New Delhi. Mig. 1000 Sq. Yards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer N. Delhi in June 1985

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-109, Greater Kailash-I, New Delhi measuring 1000 Sq. yards,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-1-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IJ AGGARWAL HOUSE, 4/14-2 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> New Delhi, the 27th January 1986

IAC, Acq.-1/SR-III/6-85/124.—Whereas, I, Ref. No. R. P. RAJESH

k. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11-E/25, Lajpat Nagar, situated at New Delhi mg. 200 Sq. yds, and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, in the ffice of the Registering Officer at

N. Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration between he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trusferee for the purposes of the Indian Income-u x Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shiv Kumar S/o. Late Shri Narain Dass, r/o II-E/25, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dayal Opticals, II-D/33, Lajpat Nagar, New Delhi. through its partner Mr. Dayal Dass S/o. Shri Nebh Raj Kalra, r/o C-1, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- tb) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

. Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. II-E/25, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 200 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this n tice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :--

Date: 27-1-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Amar House Builders B-47, N.D.S.E. I, New Delhi, through attorney Shri B. B. Aggarwal

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal S/o Shri Iqbal Chand R/o C-746, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-J/SR-III/6-85/128.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat measuring 1738 sq. ft. (Including lawn) situated at Part of property No. E-544, Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

HE SCHEDULE

Flat measuring 1738 Sq. ft. (Including lawn) part of property No. E-544, GreaterKailash, New Delhi.

> R. . RAJESH Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-I Aggirwal House, 4/14A, Asa Aali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely ;---

Date: 27-1-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-H AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd Jebiuary (986

Ref. No. IAC/Acq-II/371/11/6 85/704.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respectly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. 1, on Basement Floor in Samrat Bhawan situated at Plot A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi fand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering, Officer at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of time.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay use under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tait Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. R. C. Sood & Co, Ltd. Fros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mr. I. D. Kwatra S/o S. Sarab Singh R/o J-31, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 1, on Basement Floor in Samrat Bhawan, Plot A-7-8-9, Ranjit Nagar, Commounity Centre, New Delhi Area 517 Sq. ft. Lease-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of neome-tax
Acquisition Range-II
1 elhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby immate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3- 2-1986

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OWFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. JAC/Acq.II/37EE/6-85/705.—Whereas, I.

Rel. No. 13C/76Gin/2022,
R. P. RAIFSH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Undivided share upto 334.45 sq. mtrs in the premises bearing No. 43, situated at Rajpur Road, Civil Lines. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: eed/ec

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. S. Mukhbain Singh Malik,
2. Bhuponder Singh Malik,
3 I.t. Col. Molik Prithipal Singh 4. Mahk Daljit Singh &

Kanwarjit Singh Malik R/o 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kishan Dass R/o A-7/7, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given 4 (2-

THE SCHEDULE

Undivided share upto 334,45 sq. mts. in the premises bearing No. 43 Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 3- 2-1986

Soal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-86/706.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. 104, on 1st floor of the Building to be constructed on plot No. B-1/2 situated at Azadpur Complex, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen her cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other score which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I berety initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhanot properties & Industries Ltd. 102-103. Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi-110019.

(Fransferor)

(2) Shri Manoj Malik, V-15, Green Park, Extn. Delhi-110016.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 Approx area 495 Sq. ft. on first floor of the Building to be constructed on Plot No. B-1/2 Azadpur, Complex, (Naniwala Bagh), Delhi, Leasehold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi-

Date: 3- 2-1986

FORM ITST----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-85/707.—Whereus, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 310 on HIrd Floor on the building to be constructed on plot No. B-1/2 situated at Azadpur Commercial Complex New Delhi

(and more fully described in the Schedule agreed hereto) has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in June, 1985 at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to befleve that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transrefor to pay tax and the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Workshitar Act, 1957 (27 of 1957);

 Bhanot properties & Industries Ltd. 102-103, Raja House, 30-31, Nobru Leise, New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Mr. Naresh Bhandari, C/o M/s. Nayyar Verma Hosiery, Sarafa Bazar, Ludhiana, (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nervoe in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the tarbication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310 on Ulid Floor having approx super area 350 sq. ft. on the Building to be constructed on plot B-1/2 Azadpur Commercial Complex, Unaschold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3- 2-1986

Seal:

79---506GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUITTION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/708. ~Whereas, I, R. P. RAIFSH,

belog the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 9399/9, Multani Dhanda, Paharganj,

situated at New Delhi (and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registring Officer of the Delhi la Jame, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ter-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons,

(1) Smt. Krishna Devi, Shri Ganga Ram, Shri Ram Parkash, Shri Ramji Dass, Shri Chaman Lal, Shi Manohar Lal and Shri Jagdish Lal R/o 9399/9 Multani Dhanda, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash R/o 8202/6, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi.

('I ransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

9399/9, Multani Dhanda, Paharganj, New Delhi. Leasehold. 1500 Sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 3- 2-1986

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

"FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 3rd February 1986

Ruf. No. IAC/Acq.II/37EE/6-85/709 -- Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 107, on 1st floor of Building to be Constructed on plot No. B-1/2 Azadpur Commercial Complex, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— (1) Chanot proporties & Industries Ltd. 10x-103, Kaja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Mr. S. S. Chawla, A-9_, Gujrawala Town, Phase-I, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 47 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by many other person interested in the said ammorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are derived in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, approx super area 455 Sq. ft, on 1st floor of Building to be constructed on plot No. B-1/2 Azadpur, Commercial Complex (Nani Wala Bagh), Delhi, Leaschold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 3- 2-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD MEW DELHI

New Lolhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-85/710.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. FF-204/2nd floor, Plot No. 6, situated at

Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in a r the IV. Act 1961 in the Office of the registeria, Officer at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Hakumat Rai & Associates (P) Ltd. C-2/4 Comm. Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-II, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anju R. Chuhan, S-B, Malcha Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

FF-204/2nd floor, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi. 258 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 3- 2-1986

FORM DINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/711.-Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. FF-203/Second Floor Plot No. 6 Kirti Nagar,

Situated at Shopping Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at

New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Hakumat Rai Associates (P) Ltd, C-2/4, Comm Shopping Centre, Ashok Vinar, Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Snri J. L. Malhotra 8/25 East Patel Nagar, New Derhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the cubheation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-203/Second Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-2-1986

Seal

-- 80

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Doon Appartments (Pvt.) Ltd., M-70 Greater Kairash-1, (MKT), New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) M/s Jyoti Trading Corporation 114-A, Ansai Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/712.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have teason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. B7&8/Inter-5/- Ranjit Nagar Community centre,
New De.hi.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B7&8/Inter-5/Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi. Lease-hold, 639 sq.ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Aggarwal House, 4/14-A,
Assaf Ali Road,
New Dolhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986

Scal

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/713.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

R3. 1,00,000/- and bearing

Room No. 208 on 1st floor of property at V/2389

Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; ind/or

(b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tat Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) M/s Alpine properties Pvt. Ltd. V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mohi Ram Sharma S/o Shri Brahma Ram Sharma R/o C-10/4, Mode Town Delhi-110009 and Shri Jai Dev Garg S/o of Shri Manga Ram r/o 29 Raj Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the d.t. of publication of this notice in the Official Gazene of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property bearing Room No. 208 having a carpet area of about 100 sq. ft. on first floor of property at V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi, Free-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Aggarwa! House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-2-1986

Seal

FORM IINS ---- ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/714.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property bearing No. 2 on Groundfloor of situated at property at V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

- expresent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- and the Parish of the Tole Andrew Miller a M/s. Alpine Properties (P.) Ltd., V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar, Delhi. (Transferor)
 - (2) Shri Pawan Kumar Jain s/o Shri Bal Chand R/o H-24 Jyoti Nagar, Loni Road, Shahdara Delbi-32 and Sandcal Kumar Jain s/o Shri M. L. Jain r/o H-24 Jyoti Nagar Loni Road, Shahdara Delhi-32. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property bearing No. 2, having a carpet area of 23 sq. ft. on Ground floor of property at V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi. Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range II

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/715.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. 3¹1 Syndicate House on plot No. situated at 3, Old Rohtak Yoad, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—506GI/85

 M/s. S. B. Sales Private Limited (Builders & Promoters) UB-1, Ansal Bhawan,
 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Hemant Chhabra and Ms. Sharda Chhabbra W/o Sh. Suraj Narain Chhabra, 5/19 First Floor East Patel Nagar, New Delhi-110008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 311 on third floor in building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 256 sft. Lease hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
**respecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. S. Mukhbain Singh Malik, 2. Bhupinder Singh Maya, 3, Lt. Col. Malik Prithipal Singh, 4, Malik Dalpi, Singh & Kanwaijit Singh Malik R/o 43 Raipar Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transference)

(2) Sh. Raj Gupta R/o B-1/19, Ashok Vihar, Phase-11, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/716.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing No.

Undivided share upto 485 sq. mts. in the premises Bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi (and more jully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share upto 485 sq. mts in the premises bearing No. 43 Rajpur Road, Civil Lines, Delhi Free hold. Building was constructed in the year 1909.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A:1, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1986 Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITJÓN RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31d February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EF/6-85/717.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines

situated at Delhi-11005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo.csaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

- (1) 1. Sh. Mukhbain Singh Malik, 2. Bhupinder Singh Malik, 5, It Coi. Malik Prithipal Singh, 4, Malik Daljit Singh & Kauwarjit Singh Malik R/o 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Transferor)
- (2) Mrs. Awwma Gupta, R/o B-1/19, Ashok Vihar Phase II, Dehli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided share upto 250.83 Sq. mts. in the premises bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054 Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, New Delhi

Date: 3-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/6-85/718.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 (Rajpur Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

New Defin on June 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cant of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. S. Mukhbain Singh Malik, 2. Bhupinder Singh Malik, 3. Lt. Col. Malik Prithipal Singh, 4. Malik Daljit Singh & Kanwarjit Singh Malik R/o 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Transferor)
- (2) M/s Tube Sals Pvt. Ltd. 2880, Bazar Sirki Walan Hauz Qazi, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share upto 334.45 Sq.mts. in the premises bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 3-2-1986

V)TICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. JAC/Acq-II/37-EE/6-85/719.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the i amovable property, having a fair marke; value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines

situated at Delhi-110054

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racittating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any moome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (1) I. S. Mukhbain Singh Malik, 2. Bhupinder Singh Matik, 3 f.t. Col. Malik Prithipal Singh, 4. Malik Daljit Singh & Kanwarjit Singh Malik R o 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Transferor)
- (2) Shui Brij Behari Gupta, R/o 1/51, Ashok Vihar, Delhi and Mis, Neena Dewan R/o F-2/22, Model Town Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unanevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided share upto 585 sq.mts. in the premises bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054, Free-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the haue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S. Mukhbain Singh Malik, 2. Bhupinder Singh Malik, 3. Lt. Col. Malik Prithipal Singh, 4. Malik Daljii Singh & Kanwarjit Singh Malik R to 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Transferor)

(2) Sh. Giri Raj Gupta R/o B-1/2, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ΛGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. JAC/Acq.-II/37-EE/6-85/720.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share upto 250.83 Sq.mts. in the premises bearing No. 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054 Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhl

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parcely:—

Date: 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Subhash Filter Jerath C-86, Defence Colony New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. I. D. Kwatra J-31, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No IAC/Acq-II/57-EE/6-85/721,---Whereas I, R. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1,00,000/- and bearing
No. Flat G-b Bank House, 21 Rajindra Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 1, T. Act, 1961, in the
Office of the Registering Officer at
New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab property within 45 days from the date of the put-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, 27 of 1957). THE SCHEDULE

Commercial (Office) Flat G-6 Bank House, 21 Rajindera Place. New Delhi 8 Storied Building Flat Area 100 Sq.ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Harish S/o Shri Gobind Ram Bhatia. R/8 47/17 East Patel, Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Asha Arora W/o Shri K, J. Arora r/o Z 47 West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/6-85/722.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing
No. 47/17 East Patel Nagar, Delhi-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the thability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chryoter

THE SCHEDULE

House No. 47/17, East Patel Nagar, Delhi, Leaschold 200 Sq.yds. Govt. Built property.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/723.---Whereas I, he in the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Space No. 120 on 1st Floor Syndicate House, situated on Plat No. 2 Old Robtek Reed Delhi situated on Plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 81-506GI/85

(1) M/s S. B. Sales Private Limited Builder & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(2) Smt. Seema Kesar and Smt. Sudha Dutta c/o M/s J. K. Medicos Indira Puri, Tajpur Road, Judhiana. (Pb)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the posticution of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 120 on first floor in proposed building Syndicate House on plot No 3, Old Rohtak Road, Delhi Having a super built up area of 320 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 3-2-1986

WITCH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-IJ/37EE/6-85/724.—Whereas I, R. P. RAJESII. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing. No. 43, Raiput Read, Civil Lines, Delhi-110054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of may moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (37 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. Mukhbain Singh Malik 2. Bhupinder Singh Malik, 3. Lt. Col. Malik Prithipal Singh, 4. Malik Dalijit Singh & 5. Kanwarjit Singh Malik R/o 43, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Transferor)
- (2) Shri Paras Ram Gupta R/o E-1/22, Ashok Vihar Phase-II, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share upto 485 Sq.mts. in the premises bearing No. 43, Rajpur Road. Civil Lines, Delhi-110054 Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hakumat Rai & Associates (P) Ltd. C-2/4 Commercial Shopping Centre Ashok Vihar Phase-II, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Kamla Air Products G-74, Kirti Nagar, Now Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/725.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. IF-102/First Floor Plot No. 6, Kirli Nagar, New Delhi

No. I F-102/First Floor Plot No. 6, Kirti Nagar, New Deim (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforeside the consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rolbna

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1ct, 1957 (27 of 1957):

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby Mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragons namely: ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-102/First Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar Local Shopping Centre, Super Area 300 Sq. ft. Lease-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 3-2-1986

Scal:

FORM J.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/726.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. FF-101/First Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beweer the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P.) Ltd., C-2/4 Comm. Shopping Centre, AshokVihar-II, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Sh. T. R. Heb. House No. 8, Road No. 4, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-101/First Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi. 294 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. JAC/Acq-II/37-EE/6-85/727.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

BF-2/Basement Floor, Plot No. 6. Kirti Nagar, situated at Local Shopping Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P.) Ltd., C-2/4 Comm. Shopping Centre, AshokVihar-II, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Sh. Satya Bhushan Wadhwa, 9/49A Industrial Area Kirti Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub? cation of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning as given in that Chapter

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

BF-2/Basement Floor, Plot No. 6 Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi. Super Area 175, Sq. Ft. lease-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the solid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II-37-EE/6-85/728.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. BF-1/Basement Floor Plot No. 6, Kirti Nagar, situated at Local Shopping Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the office of

the Registering Officer at New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., C-2/4 Comm. Shopping Centre, Ashok Vihar-II, Delhi-52.

(Transferor)

(2) M/s. Sethi Sunil Company, H-86, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

BF-1/Basement Floor Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi. 310 Sq. ftt

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/729.—Whereas, I

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S.P. 2 Second Floor Plot No. 2, Block 'H' situated at RCS Ashok Vihar, Part-I, Delhi-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M 's. Haliumat Rai & Associates (P) Ltd., C-2 4 Shopping Centre, Ashok Vina . Phase-I, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Shri Roshan I al Gupta (HUF) through karta Sh. R. L. Gupta s/o Sh. Deva Singh R/o IA 63B Ashok Vihar I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.F. 2 Second Floor, Plot No. 2, Block 'H' RCS Ashok Vihar Ph. I. Delhi-52.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. 1AC/Acq-11/37-EF/6-85/730.--Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing No. Plot No. 2, 'H' Block Ashok Vihar LSC situated at LSC

Delhi-52

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi en June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefo, by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M, s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., C-2/4 Shopping Centre, Ashok Vihar, PhaseII, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Gupta (H.U.F.) through Karta Sh. R. L. Gupta IA 63B Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

S.F. Second Floor Plot No. 2 'H' Block Ashok Vihar LSC Delhi-52 Leas hold. Super Area 310 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Dclhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

FORM IINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 1915A, 1834 AUTROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-H /27 E /6 85 731 -- Who was I, R. P. RAJESH.

being the Competent Arthor ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No. S.F. Second Floor Plet No. 2. it steel at H' Block ISC Ashok Vihar Delhi-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

New Delhi on Jura, 1985

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of im-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temperate of any independent of the said Act, in and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be l'isclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—82—506GI/85

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., C-2/4 Shopping Centre, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Gupta W/o Sh. R. L. Gupta R/o 1/A/63B Ashok Vihar Ph. I, Delhi-52,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.F. Second Floor Plot No. 2 'H' Block LSC Ashok Vihar, Delhi-52. Super Area 218 Sq. ft. Approx.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

PORM ITHS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/6-85/732,—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. BP-104 Shalimar Bagh situated at Delhi-52
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sant Ram Anand, 3327 Gali Pradha Wali, Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar and Darshan Kumar 1/242 Gali Punjasharif, Kashmere Gate, Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. BP-104, Shalimar Bagh Delhi-52 Lease-hold. 126 Sq. Mts.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Dellni/New Delhi

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Rakesh Gupta s/o Sh. K. G. Gupta, 862/2 Main Bazar Meharauli, New Delhi.

(Transferor) (2) M/s. Hakumat Rai & Associates (P.) Ltd., 5228/2, Shardhanand Marg, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. 1ΛC/Acq. 11: 37-EE/6-85/733.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing SF 1 Second Ploor, Plot No. 2 'II' Block situated at Ashok Vihat Delhi-52

(and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SF 1 Second Floor Plot No. 2 'H' Block Ashok Vihar LSC Delhi-52 Leas-hold Super area 218 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge II Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

لي<u>نا</u> د د سېروين د ددن او لول د د پروونون

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INCEA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. 1AC/Acq.1I/37-EE/6-85/734.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

k. P. KAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have resear to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing FF-104, 1st Floor Plot No. 6 situated at Kirti Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 property, and I the have reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pagies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incomo-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name:--

(1) M. s. Hakumat Rai & Associates (P.) Ltd., C.2. 4 Conn. Shopping Centre. 4 Conn. Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-II, Delhi.

(2) M/s Kapson Engineers, G-74, Kirti Nagar, New Delhi.

(Chausferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-104 First Floor, Plot No. 6 Kirti Nagar New Delhi Local Shopping Centre New Delhi I casehold Super Area 208 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

Company Company Company (Company Company Compa FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAI, HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC / Acq. II/37-1/1: /6-85/735.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing 16-103. Ist Floor Plot No. 6, situated at Kirti Nagar, Local Shopping Centre New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on time, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transitr with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) M.7. Hakuma Rai & Associates (P.) Ltd.&, C-2 4 Comm. Shopping Centre, Ashok Vihar-II, Delhi-32.
- (2) M's Anil Electrodes. G-74, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1-F-103, First Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi Leaschold, 330 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II New Delhi

Now, therefore, h. parsuance of Section 169C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s, S. B. Sales Private Limited. Builders and Promoters Ub-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Hardavinder Singh S/o Shri Harjinder Singh, 2 Circular Road, Dehradun-248001.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IF AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/6-85/736.—Whereas I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Space No. 301, 3rd floor, Syndicate House Plot No. 3, situated at Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 301 on third floor in building Syndicate House on Plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 sft. Leashold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE J AGGARWAL HOUSF, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/6-85/737.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1/4th Undivided share in the house No. 7, 8, situated at Roop Nagar, Delhi-110007

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property an afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisbus from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shiv Bhargava S/o Shri Keshav Datt Bhargava, 7/8 Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Bhargava S/o Shri Keshav Datt Bhargava, 7.'8 Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used button are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

One Fourth share in the (Undivided) House No. 7/8 Roop Nagar Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-2-1986

FORM TONS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/6-85/738.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 1 situated at Silappadi Villaye, Dindigul
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Plot No. A-1/3, Naniwala Bagh, Azad Pur
at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) M.S. R. C. Sood & Co. Ltd., Eros Cuiema Building fangpura Extn., New Delhi. (Transferor)

(2) Mr. Rajesh Chugh S'o Late Shri M. L. Chugh & Mrs. Sumati Chugh W/o Mr. Rajesh Chugh, R/o 217, Bharat Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as eiven at that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 2 on Second Floor-Anupum Bhawan, Plot Λ-1/3 Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi. Area 434 Sq. ft.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/740.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 207, V/2389 situated at Chotta Shahji, Chawri Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or ovarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any lacome arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under emsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-83---506GI/85

- (1) Alpine Properties (P) Ltd., V/2389, Chatta Shahji, Chawri Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Naresh Mahajan S/o Shri V. R. Mahajan, R/o 454, Phase-II, Mohali Punjab, V/2389 Chatta Shahji, Chawri Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the envice of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official والمسمااء

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property bearing Room No. 207 having a carpet area of about 96 sq. ft. on first floor of property at V/2389 Chatta Shahji, Chawri Bazar, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Kala Wati, R/o (1)ED-5A, Pritampura, Delhi-34.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Bai, R/o H-211, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-85/741.—Whereas I. R. P. RAJESH

being the Compesent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H-211, Ashok Vihar-I situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. H-211, Ashok Vihar-I, Delhi. 228.7 Sq. vds. Single Storey.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE-11 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/6-85/81.—Whereas, I, $^{\circ}$ R. P. RAJESH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 21-B, Sri Ram Road, Civil Lines situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Smt. Kamla Devi W/o
late Shri Prem Lal, R/o
 Underhill Lane Civil Lines, Delhi and
 Smt. Daya Wati W/o
Shri Wazir Dayal, R/o
 Kalkaji Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Superior Fabrics, 16/71-A, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A double storeyed housebuilt on Plot No. 21-B, Sti Ram Road, Civil Lines, Delhi measuring 272 Sq. mts.

R. F. RADESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Ir come-tax Acquisition Range-II, Delhi/New D.

Date : 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/6-85/82.—Whoreas 1, R. P. ItAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of operty, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 29. Block 'C' on Cottage Road si uated at Adarsh Nagar, Delhi

(and n ore fully described in the Schedule unexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 19 8 (16 of 1908) in the office of the R gistering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kuldip Singh Saini & Other, R/o E-II, Maharaja Ranjit Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Manohari Devi W/o late Shri Bishamber Dayal, R/o E-38, Maharaja Ranjit Singh Rd., Adarsh Nagar, Delhi-110033.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29, Block 'C' on Cottage Road, Adarsh Nagar, Delhi area 422 sq.yds. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisitior Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/83.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A-1/8, Rana Partap Bagh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbans Lal S/o Late Shri Joti Ram, R/o XII/347, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Dass Gupta S/o Shri Hari Ram Gupta, R/o No. 1180. Mohalla Imli Kucha, Patti Ram, Bazar Sita Ram Delhi.

Objections, if any, to the acaquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pro; city, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Northern Portion of property No. A-1/8 measuring 100 Sq. yds. situated at Rana Partap Bagli area of Village Sadhera Kalan in State of Delhi.

R. P RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of .ncome-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/84.—Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 43, Gali/Road No. 7 situated at Punjabi Bagh,

New Dalhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Mulk Raj Lakhwara S/o Shri Lala Amar Chand, R/o 23/84, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Wanti Devi W/o Shri Niboo Lal Sharma, R/o 9/3, Onkar Nagar, Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncorrigued :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on plot No. 43, Gali/Road No. 7, in Punjabi Bagh, New Delhi. area 280.24 sq.vds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS——— (1) Shri Des Rai, R/o

FION 2000/11 OF THE DICOME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/85.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/6, situated East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been 'ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (ii) facilitating the reduction or evasion of the linkship of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (iii) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Des Raj, R/o 6/6, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Promila Raheja,
2. Shri Ashok Raheja, R/o
W-1, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period Gi 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siver in that Chapter

THE SCHEDULE

6/6 East Patel Nagar, New Delhi. Lease-hold,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

(1) Smt. Champa, R/o C-247, Desence Colony, Delhi.

(2) 1. Smt. Nitin Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Shashi Mehra, R/o 25/92, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ret. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/86.--Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3th share of H. No. 26/104 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has beentransferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in June, 1985

for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given lu that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of H. No. 26/104, Shakti Nagar, Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/87.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/5th sha erof H. No. 26/104, situated at Shakti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in 100 office the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worldth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

84—506GI/85

(1) Smt. Padma Malhotra W/o Shri Roshan Lal Malhotra, R/o B-24, Kailash Colony, Delhi,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shashi Mehra, 2. Master Nitan Mehra, R/o 25/92, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

1/5th share of H. No. 26/104, Shakti Nagar, Delhi. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-I/6-85/88.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1/5th share of H. No. 26/104, situated at Shakti Nagar,

Dolhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance o' Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Krishna Nee Madhu W/o Shri Madan Gopal, R/o 639, Housing Board, Ambala.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Shashi Mehra &
 - Master Nitan Mehra, R/o
 25/92, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of H. No. 26/104, Shakti Nagar, Delhi. Free hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/89.—Whereas I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1/5th share of H. No. 26/104, situated at Shakti Nagar,

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Vcena Gulati, R /o ... 68-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shashi Mehra &

2. Master Nitan Mehra, R/o 25/92, Shakti Nagar, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th Share of H. No. 26/104, Shakti Nagar, Delhi. Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.———

(1) Smt. Vimla Devi R/o 26/104, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/90.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeds Rs. 1,00,000/- and bearing 1/5th share of H. No. 26/104 situated at Shakti Nagar exceeding

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair not an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(2) Smt. Shashi Mchra 2, Master Nitin Mehra R/o 25/92, Shakti Nagar Dekhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of H. No. 26/104 Shakti Nagar, Delhi Frechold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II G-13 Ground Floor CR Building, I. P. Estate New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1986

Bool :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/91.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land Bearing No. 13, Block D, situated at satywati Nagar Sadhora Kalan Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vedue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. In respect of any income arising from the transfer: mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Tara Wati W/o Mahender Kumar R/o 4228, Aiya Pura, Subzi Mandi Delhi. (Transferor)
- (2) Rakesh Kapoor S/o Shori Lal Kapoor R/o 10185 Nawab Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 13 Block 'D' areas 150 sq. vds. in Satyawati Nagar in the revenue estate of village Sadhora Kalan Delhi, out of Kh. Nos. 86, 88, 89, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107 Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, G-13 Ground Floor CR Building, J. P. Estate New Delhi.

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14-A AGGARWAL HOUSE. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/92.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 26, Block No. E, Adarsh Nagar situated at

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of th of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) S/Sh. Om Prakash Taneja S/o Late Sh. Hazari Lal Taneja R/o H. No. 1800 Sohan Ganj, Subzi Mandi Delhi and Sh. Satish Chander S/o Shri Hazari Lal R/o 84/16, Kewal Park Azad Pur Delhi.
- (Transferor) (2) Shri T. R. Kaila S/o Late Sh. Amar Nath Kalia R/o B-2/6A Model Town Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-and-a half storeyed house No. 26 Block E. Sushila Road area measuring 150 sq. yds situated in the revenue cstate of village Bhorola colony known as Adarsh Nagar Delhi, Kh. No. 262/258/217/4, 35, 36, & 263/258/217/4 Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Acquisition Range-II, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 4/14-A, AGGARWAI HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/93,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, he ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. No. 4633, 19-A Ansari Road, Darya Ganj, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Anand Traders, 2578, Nai Sarak Delhi through Shri Satish Chand Gupta S/o Shri Harish Chand Gupta, Shri Anand Kumar Jain & Promod Kumar Jain S/o Shri Dayal Jain Sh. Atul Gupta S/o Shri Satish Chand Gupta & Sanjay Jain S/o Shri Anand Kumar Jain partners, R/o 7/3, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. S. B. P. Consultants & Engineers (P) Ltd., 4/45, Roop Nagar, Delhi through Shri R. K. Gupta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of under basement measuring about 1290 sg. ft. part of P. No. 4633, at 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II G-13 Ground Floor CR Building, I. P. Estate New Delhi.

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-85/94.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House situated at Vidya Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object at :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Tile Emporium, 3679, Chawari Bazar Delhi through Smt. Shakuntala Gupta W/o Shri Satish Chand Gupta Anand Kumar Jain S/o Sri Dayal Jain Promod Kumar Jain S/o Sri Dayal Jain (Transferor)
- (2) M/s. Pustak Mahal, 6686 Khari Baoli, Delhi through Sh. Ram Avtar Gupta S/o Sh. Mool Chand Gupta R/o 7/28 Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of the under basement measuring 1250 sq. ft. part of P. No. 4633, at 19-A Ansari Road, Darya Ganj, Delhi Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi.

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-85/95.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. F/187, Mansrover Garden New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---85-506GI/85

(1) Smt. Sushma Nagpal W/o Shri Lajpat Rai Nagpal R/o P/187, Mansrover Garden New Delhi.

(Tarnsferor)

(2) Smt. Parsin Kaur W/o S. Sewa Singh R/o 3/107 Ramesh Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storey house, built on plot No. F/187, situated at Mansrover Garden New Delhi, Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il New Delhi.

Date: 6-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14-A, AGGARWAL HOUSE, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/6-85/96.—Wheeras, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 3/112, Ramesh Nagar, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trace and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sh. Chaman Lal S/o Shri Hari Chand R/o 3/112 Ramesh Nagar New Delhi.

(Tarnsferor)

(2) Sh. Pawan Kumar Sharma S/o Sh. Durga Dasa & Smt. Shubh Sharma W/o Shri Pawan Kumar both R/o 3/127 Ramesh Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3/112, Ramesh Nagar, with the lease hold rights, area measuring 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi.

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.11/97/SRI/6/85-86,-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 17-3 19-A Ramia Nagar situated at Northern City
Extension Scheme No. 1 Kolhapur Road, Mahavir Ganj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the coencalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose; of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Des Raj, S/o Late Shri Mohan Lal Bajaj R/o A-131, Gujranwala Town, Delhi as Karta of HUF.

(Tarnsferor)

(2) 1. Shri Vipin Kumar Jain, adopted S/o Shri Ram Chander 2. Shri Deepak Kumar S/o Shri Sumat Parkash both R/o 5166, Kolhapur Road, Kamla Nagar, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3-stored Bldg, with land underneath measuring about 169.5 sq. yds. bearing Plot No. 17-B, 19-A Kamla Nagar situated at Northern City Extension Scheme No. 1, Kolhapur Road, Mahavir Ganj, Subzimandi Ward No. XII, Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II

> > New Delhi.

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGΛRWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/98.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 22, Block C-5 situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in time 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jaswant Kaur V//o Shri Ajit Singh Sahni S. Charanjit Singh and Shri Tajinder Singh Sahni sons of Shri Ajit Singh Sahni all r/os C-5/22, Model Town Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Achla Malhotra W/o Shri Rajesh Malhotra 2. Shri Rajesh Malhotra S/o Shri Gurditta Mal, both r/o K-4, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building, built on Freehold Plot No. 22, in Block C-5, mg. 272 sq. yds. (equal to 227.427 sq. meters) situated in the colony known as Model Town, area of vill, Malikpur Chlaoni, Delhi within limits MCD.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.f1/SR-I/6-85/99.—Whereas, I. . R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-1/1 Oberai Apartments 2, situated at Sham Nath Marg, Civil Lines, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) M/s The East India Hotels Ltd., 7 Sham Nath Marg, Delhi-110054.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh Oberoi Oberoi Farm Bijawasan New Delhi-110037. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-1/1, Oberoi Apartments, 2, Sham Nath Marg, Civil Lines. Delhi. Free-hold 2150 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Tilak Raj Bhasin Shri Om Prakash Bhasin and Shri Jagdish Lal Bhasin C-1/30III, Model Town Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Ahuja, H-3/12 Model Town Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II · AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-85/100.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 Property No. H-3/12, situated at Model Town

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registering Officer at Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion Marked as No. 4, on Ground floor out of the Property No. H-3/12, Model Town Delhi measuring 107 sq. yds. in area Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/Sr-I/6-85/101.--Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. H-3/12, Model Town situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ami /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Tilak Raj Bhasin, Shri Om Parkash Bhasin and Shri Jagdish Lal Bhasin of C-1/3DIII Model Town Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar H-3/12, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Office Grant.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion Marked as No. 12, on Second floor, out of the property No. H-3/12, Model Town, Delhi, measuring 107 square yards in area Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS----

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-85/102.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H-3/12, Second Floor Model Town situated at Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tilak Raj Bhasin, Shri Om Parkash Bhasin and Shri Jagdish Lal Bhasin, C-1/3D-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Man Kanwar Somani and Smt. Jamna Devi Somani of H-3/12, Model Town, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion Marked as No. 11, out of the property No. H-3/12, (Second floor) Model Town Delhi, 107 sq. yds. in area. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-2-1986

Soal ;

FORM I.T.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF / INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/103.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 25/2 Adarsh Nagar, situated at Swarn Singh Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrum

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 86—506GI/85

 Smt. Lalita Jaiman w/o Shri Raghubar Dayal Jaiman R/o 49 Upper Anand Parbat New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Charanji Lal s/o Late Shri Mool Chand R/o Village Kilordh Tehsil Jhajhar Distt, Rohtak (HRY).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25 known us No. 25/2 measuring 200 sq. yds. bearing Kh. No. 35, 36, 38, 262/259/217/4 situated in the area of Village Bharola in the colony known as Adarash Nagar, on Swaran Singh Road Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

Seal;

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/104.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 313/63-C (Half Portion) Measuring situated by 100 sq. yds situated at Old Robrek Road Delhi

situated at 100 sq. yds. situated at Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inecess origing from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shamsher Bahadur Tawakley S/o Diwan Chand H. No. 313/63-C, And Nagar Old Rohtak Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Ramesh Kumar and Balu Ram Ss/o Shri Lakshmi Natain R/o 1215/83, Shanti Nagar, Tri Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 313/63-C (Half portion) Measuring 100 sq. yde. situated at Old Rohtak Road, Anand Nagar, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(HOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC / Acq.II / SR-I / 6-85 / 105, -- Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 313,03-C Old Rohtak Road,

situtated at Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the portion has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evenion (of the transferor to pay tax w of any income aris
- (h) facilitating the concealment of any is moneys or other assets which have not been or w ought to be disclosed by the transferee purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Shamsher Bahadur Tawakley S/o Diwan Chand H. No. 313/63-C, Anand Nagar Old Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar and Suresh S/o Shri Lakshmi Narain R/o 363/61-K Anand Nagar Old Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 313/63-C Area 100 sq. yds. Old Rohtak Road, Anand Nagar, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby institute proceedings for the acquisition of the alarmed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 6-2-1986

FORM ITNS—— (1) Shri Goverdhan Lal Chadha s/o Sh S M Chad

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ret. No. IAC/Acq.II/Sr-I/6-85/106.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

23/4, Vill Patti Sadhora situated at Kalan, Abadi Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrang Officer at in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Goverdhan Lal Chadha s/o Sh. S. M. Chadha and Mohan Chadha s/o Sh. G. L. Chadha, R/o No. 53/22, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shanti Chadha w/o Sh. Baldev Raj; 2. Smt. Kiran Chadha w/o Lalit Chadha; 3. Smt. Renu Chadha w/o Gopal Chadha, R/o Mo. 23/4, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested us the said immereable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 23/4, area 731.85 sq. yds. Vill. Patti Sadhor Kalan, Abadi Shakti Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

(1) Sh. Vidya Bhushan Suri s/o Shri Sita Ram Suri, R/o 75/7, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sh. Ram Tirath and 2. Sh. Rajesh Kumar sons of Sh. Jagan Nath Goel, R/o 36, Ashoka Park Main, Rohtak Road, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.11/\$R-1/6-85/107.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 75 Road No. 7 Class 'D' situated at Punjabi Bagh, Vill. Bassi Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proptity, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 75, Road No. 7, Class 'D' situated at Punjabi Bagh, arr'a of Vill., Basai Darapur, Delhi, area 280.24 sq. yds. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AĞGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Rel. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6-85/108.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Ground Floor Prop. No. 4694, situated at 21-A, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Delhi on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer. instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evacion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Summer Chand Jain, HUF through Sh. Sumder Chand Jain, s/o Sh. Panna Lal Jain, R/o 4694, 21-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Kumar Aggarwal, HUP through Shri Mukesh Kumar Aggarwal s/o Shri S. P. Aggarwal, R/o No. 18, Darya Ganj, New Delhi, Karat, HUF.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Southern Portion of Ground Floor with land underneath, measuring about 832 sq. ft. bearing Prop. No. 4694, 21-A, Darya Ganj, New Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
>
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-I/6-85/109.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Property No. F-311, Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the 'Registering Officer at
New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid faceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Move, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Aw. to the following persons, namely:—

 Sh. Shyam Sunder Khanna and Smt. Kailashwati Khanna,
 R/o F-3/11, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Yash Pal, Smt. Krishna Gupta both residents of D-11/6, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 stays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-3/11, Model Town, Delhi measuring 291.66 sq. yds. in area Free-hold,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

endurante de la composition della composition de

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/119.---Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 144 Block C, Mansrover Garden, situated New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other exacts which have not been or which quebt to be insched by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestic property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shui Budhi Parkash Bali s/o Sh. R. Kanshi Ram Bali,
 R/o 1/6, Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.
 (Transferor)

promanda de la composición del composición de la composición de l

(2) Smt. Sharda Devi Khandelwal w/o Sh. Kishan Lal Khandelwal, R/o B/38-A, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 144, measuring 300 sq. yds. in Block C, Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur, New Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/111.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing
Plot No. 45, in Block D, situated at Mansrover Garden, New Delhi

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-87-506GI/85

ShriAnil Kumar Satija s/o Dr. A. C. Satija, R/o A-125, Shardapuri, New Delhi.

Carlotte Contract of the Contr

(Transferor)

(2) Shri Ramji Dass s/o Shri Amir Chand, R/o 1/14, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-32. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45, in Block D, mg. 403 sq.yds. situated in the colony known as Mansrover Garden, New Delhi area of Village Bassai Darapur, New Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

(1) S. Inder Pal Singh 5/0 Sh. Gurcharan Singh, R/0 J-5/165, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinod Virmani s/o Shri J. L. Virmani and Mrs. Savita Virmani w/o Sh. Vinod Virmani, both R/o 33-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6-85/112.--Whereas, I: R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43, Block E Mang over Garden, situated New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ogreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing No. 43, in Block E, Mansrover Garden, of Vill. Bassai Darapur, Delhi measuring 300 sq. yds. Vacant plot. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second of the second secon

der, R/o N-138, Panchsheel Park, New Delhi-110017. (Transferor)

(2) Shri Umrao Singh s/o Late Shri Jugraj Mal Chora-R/o 77, Shyam Lal Road, Daryaganj, New Delhi.

and and a file of the continuous for the file of the

(1) Shri Kesho Dass Bhutani s/o Late Shri Ram Chan-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6-85/113.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Building No. 4233/1, Ansari Road, Daryaganj, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcisaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NX \ of the neid Act, have the same meaning as given to shall that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire Ground Floor and Mezzanine Floor alongwith two rooms with W/C on the front portion of First Floor measuring 163.5 sq. yds. out of total land 326.6 sq. yds. in Building No. 4233/1, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following sectors, wencly :-

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ' INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/114.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 4233/1, Ansari Road, situated at Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer AMA/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sum Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-testion (1) of Section 269D of the said Act, to the following wrsom, namely :--

(1) Shri Kesho Dass Bhutani S/o Late Shri Ram Chander R/o N-138, Panchsheel Park, New Delhi-110017.

(Transferor)

(2) Smt. S. K. Aggarwal W/o Shri B. S. Aggarwal R/o 116, State Bank Colony, Near Rana Pratap Bagh, Delhi-110007,

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale...
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four Rooms, Kitchen, Lobby, Balcony w/c and open courtyard on the back side of second floor alongwith open Terrace consisting 1 room, Store measuring 54.43 Sq. yds. out of total land 326.6 Sq. yds. in Bldg. No. 4233/1 Ansari Road, Daryagani, New Delhi. Free-hold

R P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Kesho Dass Bhutani S/o Late Shri Ram Chander R/o N-138, Panchsheel Park, New Delhi-110017.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Raj Surana S/o Shri Mahi Pal Surana R/o 109, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1936

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/115.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4233/1, Ansari Road, situated at

Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than fit.cen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth (ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three Rooms, Bath-room & W/C with Varandha & Balcony on front portion of Second Floor measuring 43.44 Sq. yds. out of Total land 326.6 sq. yds. in Building No. 4233/1, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

(1) Shri Kesho Dass Bhutani S/o Late Shri Ram Chander R/o N-138, Panchsheel Park, New Delhi-110017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Vardhan Daga S/o Late Shri Champa Lal Daga R/o 4233/1, Ansari Road, Daryagani, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq..II/SR-I/6-85/116.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4233/1, Ansari Road situated at Daryagani, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair snarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five rooms, Kitchen, Toilet, Balcony and open courtyards on the First Floor alongwith half roof on the front side of the building measuring 65.31 sq. yds out of total land measuring 326.6 sq.yds. in Building No. 4233/1, Ausari Road, Daryaganj, New Delhi-110002. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/6-85/117.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Building No. 8304, Pvt. 30, Ram Sarup Building situated at Roshanara Road, Subzi Mondi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely the said Act, to the following persons the said Act, to the following persons the said Act, to the said

(1) Mrs. Sanchayita Saini W/o Shri Ramesh Saini through Shri Ramesh Saini Attorney R/o C-19, Safderjung Dev. Area, New Delhl.

(Transferor)

(2) 1. Shii Rijender Kumar Jain

2. Shri Suresh Kr. Jain
3. Shri Rajeev Kumar Jain
All Ss/o Shri Samander Lal Ja

& R/o 3338/239 Near Hanspur Gurdwara, Tripagar, Delhi and

Trinagar, Delhi and

4. Shri Samander Lal Jain
S/o Shri Ferozi Lal Jain
R/o H, No. 401, Razban Bara Bazar,
Meerut Cannt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Bidg. No. 6304 Pvt. 30 Ram Sarup Building Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi. About \$2.00 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR11/6-85/118.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. J-155, Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Shri Bhag Mal Pal S/o Shri Bhola Ram R/o J-155 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrl Siri Chand
Shri Ram Chand and
Shri Narinder Singh
S/o Shri Siri Chand
R/o B-2/209 Pachim Vihar,,
at present J-155, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cases from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House No. J-155, mg. 300 sq. yds at Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC Acq.II/SR-I/6-85/119.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000/- and

Bearing plot No. 1902/41 (224) Khasra No. 568/110 Khewat No. 1, Ganeshpura, Village Chauki Mubarikabad

situated at Delhi-110035

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or eventon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons memely :--88-506GI/85

(1) Shri Trilok Chand S/o Shri Thakur Dass, R/o C-1/59, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi-110052.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sarla Jain

Wo Shri Ramesh Chand Jain, 2. Smt. Sudha Jain,

W/o Shri Mahesh Chand Jain

3. Smt. Meena Jain W/o Shri Dinesh Chand Jain

4. Shri Chakresh Jain All R/o 43-A Qutab Road.

near Shiv Shakti Mandir Teliwara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte

THE SCHEDULE

One two and a half storeyed Building with land underneath measuring about 110.00 sq. yds. bearing Plot No. 1902/41 (224), Khasra No. 568/110 Khewat No. 1 situated at Ganesh Pura, Village Chaukri Mubarikabad, Delhi-110035.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> 4/14-A, Asaf Ali Road
> New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85.—120.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 23, Block M. Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

trensfer with the object of :-

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Girdhari Lal Narula S/o Shri Ram Chand Narula R/o 3477, Nicalson Road, Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Malik S/o Shri Ram Nath Malik R/o AC-25, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 23, Block M, Mg. 200 Sq. yds, situated at Rajouri Garden, area of Vill Basai Darapur Delhi State,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 6-2-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/ Acq.II/SR-I/6-85/121.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/and bearing

Plot No. 186, Khasra No. 2329 Mansrover Garden Block C

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of wanster with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;---

(1) Shri Balwant Raj Juneja S/o Shri R. S. Juneja Information and Publicity Officer, National Botanic Gardens, Lucknow, U.P. R/o A-6/Paper Mill Colony, Nishat Ganj, Lucknow U.P.

(Transferør)

(2) S. Mohinder Singh S/o Shri Achhar Singh & Smt. Jasbir Kaur W/o Shri Mohinder Singh R/o 3929/2, 139 Tri Nagar, Kanhiya Nagar, Delhi-35.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 186, measuring 220 sq. yds. part of Khasia No. 2329 situated at Mansrover Garden, Block C, New Delhi, Free hold,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-lax Acquisition Range-H Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I-AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/6-35/122,--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heren after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing

Proper y No. L/79 Kirti Nagar situated at New Delhi

Proper y No. L/79 Kirti Nagar situated at New Delhi (and rhore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and [have reason to believe that the fair market value of the property as afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-ta: Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 369C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sr.t. Swaram Kaur W/o Late Shri Sohan Singh R/o M-2, Lajpat Nagar-HI, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Rita Anand W/o Shri Sushil Kumar Anand R/o 25/46-47 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. L/79 Kirti Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge-II Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/123.—Whereus, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Banglow No. 24, Khasra No.371 situated at

Civil Lines Alipur Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, Samely :-

(1) Smt. Shakuntla D/o Shri Murari Lal Popli W/o Shri Sachdev R/o 24. Alipur Flag Staff Marg, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala, W/o Shri B. D. Khare, R/o 5-C/11, New Rohtak Road. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by my other person interested in the said immov-able property within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bun, up l'unglow No. 24, area 497, Sq. Yds. approx. out of Khasra Po. 371, situated at Civil Lines Al our Road, Delhi. Free-bold.

> R. 1. RAJESH Competer Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitic 1 Range-II Delhi New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th faberuary 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6-85/124.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C-33, Cottage Road, Adarsh Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (z) facilitating the reduction or evasion of the Shbility of the transferor to pay tax under the said Act, in vespeet of any increase arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any gameys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 289C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Inderjit Aggarwal, Smt. Anita Aggarwal, Sh. Harish Chander Garg and Smt. Kamla, R/o B-1, Mahatma Gandhi Road, Adarsh Nagar Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Susheel Rani &, Shri Rajan Kumar Gupta, R/o 9-Amar Niwas, Mohalla Partapgarh, Jammu Tawi (J & K).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-33, on Cottage Road, Adarsh Nagar, Delhi, measuring 422.22 Squarae yds, in area Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITTION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/125.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 16-A Road No. 32, Punjabi Bagh situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Vincet Krishna Rohtagi, S/o Shri Kumar Krishna Rohtagi, R/o H. No. 40/7 Garishata Road, Calcutta-31. (Transferor)
- (2) Smt. Manju Gupta, W/o Shri J. K. Gupta, R/o H. No. 15/29, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16-A, Road No. 32, Punjabi Bagh, New Delhi area measuring 279.55 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITITION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/126.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22, Sri Ram Road, Civil Lines Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing presons, namely:—

Sh. Sharad Chandra Gupta,
 S/o Sh. Bimal Chandra 2. Smt. Shakuntala Devi,
 W/o Shri Bimal Chandra,
 both now at 22 Sri Ram Road, Delhi.

(Transferor)

(2) "Shri Virendra Kumar Jain Rajendra Kumar Jain, Bharat Kumar Jain, Narender Kumar Jain, Ss/o Sh. Ajit Parshad Jain, R/o 22, Sri Ram Road, Delhi, and Surendra Kumar Jain, S/o Sh. Ajit Parshad Jain, R/o 2943, Katra Khushal Rai, Kinari Bazar Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property (Old construction) Single Storeyed 1400 Sq. yds. 22 Sri Ram Road, Civil Lines, Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4/14-A. Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1986

(1) Smt. Mohani Devi R/o 37/7 W. P. Nagar. New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kewal Krishan and Smt. Madhu Chadha, R/o 37/ W. P. Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITITION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 6th February 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/6-85/128.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Or. No. 37/7, West Patel Nagar situated at No. Qr. No. 37/7, West Patel Nagar New Dolhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Qr. No. 37/7 West Patel Nagar New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of time aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-89—506GI/85

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I! 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/6-85/129.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. H-77, Kirti Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Revistering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the concideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) R. S. Arota S/o Late Sh. K. L. Arora R/o 46/10 Fast Patel Nagar New Delhi, R. P. Arora S/o Late Sh. K. L. Arora, R. o A-1/193, Paschim Vihar New Delhi, A. K. Arora S/o Late Sh. K. L. Arora, R/O J-63, Kirti Nagar New Delhi & P. K. Агога, S/o Late K. L. Arora R/o B-3/186 Paschim Vihar, (Transferor)

(2) Shri Om Parkash Sahni S/o Late Sh. Achraj Ram R/o H-77, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed House bearing No. H-77, measuring 266.66! Sq. yds. situated at Kirti Nagar N. Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely : -

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITITION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1985

Rel. No. 1AC/Acq-II/SR-I/6-85/130.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 16 in Block L, situated at Rajouri Garden New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Ved Parkash, Sh. Prem Parkash, S/o Natha Ram & Smt. Kailash Devi, W/o Sh. Krishan Lal, R/o 7/130 Subhash Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Puri W/o Sh. J. P. Suri, and Shri J. P. Suri S/o Late Sh. Desh Raj Suri, for guardian of his two minor sons, Master Anil Suri and Master Vivek Suri all R/o J-6/32, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 in Block L mg. 557.5 sq. yds, situated at Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur Delhi State Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/6-85/131.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 83, Known as Raja Garden

Property No. 83, Known as Raja Garder situated at on Najafgarh Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

New Delhi on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Piarey Lal Rana S/o Mukand Lal R/o RA-39, Inderpuri New Delhi as GA of his wife of Smt. Kamlesh Rana D/o Shri Jaswant Ram R/o 916, Stratford Road, Sparkhill, Brimingham City (U.K.)

(Transferor)

(2) (1) Shri Ravinder Kumar (2) Sudhir Kumar sons of Shri Radha Krishan both r/o 83, Raja Garden New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed property No. 83 built on a piece of land measuring 266.2/3 sq. yds. situated in the colony known as Raja Garden, on Najafgarh Road, in the area of village of Bassai Darapur, Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi.

Date: 6-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2619.--Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-ten Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-89, Hari Nugar, Khasra No. 533,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer. iiid/ee
- (b) facilitating the concealment of any income or any rnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt, 1957 (27 of 1957);

crow, emergerore, in pursuance of Section 269C of the said AUL, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under autsection (1) of Section 269D 25 the said Act, to the following person namely:-

(1) Shri Subhash Madan, S/o Shri Inderiit Madan, r/o. J-192, Pachham Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi w/o. Shri Sahib Ram Arora. A-119, Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-89, of 220 sq.yds. (60×33') Khasra No. 533, at Hari Nagar, Block New Delhi area of vill. Tehar, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2620.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 21 bigha 11 biswas

situated at bearing Khasra Nos. 30/21, 39/1, 31/25, 38/5, 6[1, 7]1, 5/2 and 4/7 at village Ranhola, Deihi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linewity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mange Ram Kartar Singh and Natan Singh S/o
 Shri Chhaju all r/o
 village Ranhola, Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Mohan Kumar Garg s/o Shti K. C. Garg r/o C-16, Bhagwan Dass Nagar, Delhi (2) Shri Bhagwan Singh s/o Shri Hardwari Lal r/o A-24, 1.1C Colony, New Delhi. (3) Shri Naresh Kumar s/o Shri Devi Ram and (4) Shri Satpal Singh s/o Shri Devi Ram both r/o vill. Mundka, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and mg. 21 bigha 11 biswas bearing Khasra Nos. 30/21, 39/1, 31/25, 38|5, 6|1, 7|1, 4/1, 4/2 and 4|7 at Village Ranhola, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

(1) Shri Joginder Singh, r/o 2/70. Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHU

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq-III. SR-II/6-25/2621.—Whereas, I, SUNII CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 27, Rd. 54, Punjabi Bagh,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Art 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(2) Kamlesh Alune, r/o 30/27, West Patel Nagar New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 27, road No. 54, Class 'D', Punjabi Bagh, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2622.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5, N.W.A. Punjabi Bagh, Flat No. 11

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banwari Lal Tandon, s/o Shri Vish Nath Tandon 1/o W.7-220, Rohtak Rd., Madipur, Delhi General attorney Shri Jaswant Singh s/o Sher Singh, r/o V-10, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Hans Raj Bhatia s/o Sh. Boora Mal Bhatia, r/o 5725, Main Road Sadar Bazar, Delhi,

(Transferee)

(4) M/s. Pal Mohan Construction Co., office at 6/4792, Chandni Chowk, Delhi, through its partner S. Manmohan Singh s/o S. Ayaram.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, in Pal Mohan Apartments, 5, N.W.A. Punjabi Bagh, measuring 112 sq. mtr/1225 sq. ft. New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14A,
Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 14-2-1986

randon, mana, contratable alque un total a l'imme en calebrate de l'est FORM ITNS-

(1) Shri Banwari Lal Tandon s/o Shri Vishwa Nath Tandon R/o WZ-220, Rohtak Road, Madipur, Delhi through G.A. Shri Jaswant Singh s/o Shii Sher Singh r/o V-10, West Patel Nagar, New Delhi,

(2) M/s Pal Mohan Const. Co., 6/4792, Chandni Chowk,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2623,---Whereas L. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 9, Duplex on Lower and Upper Ground Floor shuated at with a super area of 115 sq. mtrs., 1255 sq. ft. in the Pal Mohan C. Apartments' Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unable the Paristration Act. 1908 (16 has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi op June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects appeared consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acining from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

S/o Shri Ayaram and Mr. Ram Sarup Kanwar S/o late Shri B. L. Kanwar r/o 9 Pal Mohan Apartments, 5, North West Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Delhi through its partners S. Manmohan Singh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period on
- (b) by any other person interested in the said monovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Duplex on Lower and Upper Ground Floor with a super, area of 115 sq. nurs./1255 sq.ft. in the Pal Mohan C. Apartments, Punjabi Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act in the following rersons, namely -

90--506GI/85

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the / th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2624.—Whereas, I, SUNIL CHOURA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. WZ-39 situated at Varinder Nagar New Delhi Village Tehan (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair muriet value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the small Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Singh s/o Kartar Singh r o WZ-39, Varinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Des Raj Saluja s/o Shri Wazir Chand Saluja r/o 23/21, East Patel Nagar Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. WZ-39 (VB/192) 200 sq.yds, at Varinder Nagar, New Delhi Village Tehar.

SUNII. CHOFRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14A,
Asnf Ali Road,
New Delhi

Date: 7-2-1986

CONTROL OF THE PROPERTY OF THE FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Sant Singh of B-158, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh s/o shri Lal Singh r/o 14/6196, Nawab Road, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

New Delhi, the 12th February 1986

Raf. No. IAC/Acq-II/SR-11 6-85/2624.—Whereas, I. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Fateh Nagar, Tehar, New Delhi.

No. B-158

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; sed/w
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-158, built on land 183.1/3 sq.yds. part of Khasra No. 477, at Fatch Nagar, area of Village Tehar, New Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-III, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th-January 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2626,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. J-5/52 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985 New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability e transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tradufors **44/4**
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-has Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Man Kaur wd/o Shri Inder Singh r/o J-5/52, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Sewa Ram Narula s/o Shri Sant Ram Smt. Gurcharan Kaur w/o Sh. Gurbachan Singh Smt. Jai Kaur w/o Shri Sewa Ram and Shri Gurbachan Singh s/o Sh. Sewa Ram Narula r/o T-298, Ahata Kidara, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used netein as are defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-5/52, Rajouri Garden area of Village Tatarpur, Delhi State Delhi measuring 160 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Hous . 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 29-1-1986

FORM NO. I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2627.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000- and bearing No. J-3/70-B situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fairer, per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Washington, Act, 1937 (29 of 1967);

Now, therefore. a surrence of Section 169C of the said act, I hereby mature proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the latter of this notice upder subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parkash Vati w/o late Sh. Mohinder Lal Khanna r/o 12:73-B, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Wazir Chand Vohra and 2. Shri Raj Kumar Vohra ss/o Shri Roshan 1.al Vohra both r/o J-3/70-B, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

J-3/70-B, situated in residential colony known as Rajouri Garden, New Delhi, Measuring 160 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

13to : 4-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th January 1986

Ref. No. ΙΛC/Acq-III/SR-II/6-85/2628.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. J-3/100 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in est of any income arising from the tre

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Gulshan Rai Budharaja s/o Sh. Ranjit Singh Budharaja
r/o J-6/68, Rajouri Garden, New Delhi and
attorney of Sh. Ashok Kumar Budharaja
s/o Sh. Ranjit Singh and
(2) Sh. Shyam Sunder s o Shri Ranjit Singh Budharaja R/o J-6/68, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur w/o Shri Joginder Singh R/o T-337, Ahata Kadara Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed house bearing No. J-3/100, pituated in approved colony known as Rajouri Garden, New Delhi area of Village Tatarpur, Delhi, area measuring 160 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-1-1986

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th January 1986

Ref. No. IAC/Acq III/SR-II/6-85/2629.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000- and bearing No.
EA-168, Half of EA-169 situated at Village Naraina in the abodi of Inderpuri Fath. Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid arcoeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kesar Kaur and Smt. Beant Kaur widows of late Shri Gurcharan Singh both R/o House No. 984, Shivajee Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. K. Goal s/o Sh. R. P. Goel, r/o EA-128, Inderpuri, New Delhi-12.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. EA-168 and half of No. EA-169, measuring 300 sq. yds. $(45' \times 60')$ situated in the area of village Naraina, in the abadi of Inderpuri Extn., Colony an approved colony, New Delhi-12.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 29-1-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Sh. Soh in Singh Yardra s/o S. Teja Singh, r/o 37/26, Patel Nagar East, New Delhi. (Transferor)

MOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Navien Kumar Malhotra's o Shiv Kumai Malhotra, r/o H-83, Shivaji Park, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq-111/SR-11/6-85/2630.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs: 1.00,000- and bearing No.

60, Shivaji Pork, Vill. Madiour, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985

for an apparent consideration where is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

. Freehold plot of land bearing plot no. 60, in Block H. Mg. 242.8/10 sq. yds. situated in the colony known as Shivaji Park, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPR A
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Assf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2631.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,400- and bearing No. C-11 situated at Krishna Park, Village Possangipur; Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or hich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---⁹¹—506GI|85

(1) Dwarka Nath Mehta s/o Gurnarain Mehta r/o 125, Pocket-A, Alaknanda Kalkaji, New Delhi. (Transferor)

(2) Harish Chander Kochhar and Chander Mohan Kochhar ss/o H. R. Kochhar, both r/o C-20A, Ajay Enclave Extn., near Ajanta Cinema, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

C-11, measuring 450 sq. yds. in Krishna Park, Village Possangipur, Khasra No. 5/16, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 12-2-1986

(1) Shiv Parkash Batura S/o Shri Pt. Kishan Chand Batura r/o 146, Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surject Kaur w/o Shri Kuldeep Singh r/o E-17, Man Sarover Park, Shahdara, Delhi-32.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI. HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-85/2632.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 146, Killa No. 25/1, Vishnu Garden,

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 146, Plot No. 146, land measuring 150 sq. yds. out of killa No. 25/1, Rect. No. 35, situated at Vill, Khiala, Delhi State abadi known as Vishnu Garden, New Delhi-18.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely -

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-85/2633.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 48|16, situated at Tilak Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

 Smt. Urmil Kohli w/o late Shri Manohar Lal Kohli, r/o 4B/16, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Sethi w/o Shri Gajinder Sethi r/o WZ-14B, Bindra Market, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the salf-Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Built property No. 4B/16, Tilak Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

AÇQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/6-85/2634.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S/49, Rajouri Garden, situated at New Delhi,

situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer
New Delhi in June 1985
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Lal S/o Shri Tokha Ram H. No. WZ/75, Vill. Naraina, Delhi

(Transferor)

 Shri S. V. Kanitkar S/o Shri V. L. Kanitkar r/o D/82, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. S/49, Rajouri Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/6-85/2635.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A-114, Kh. No. 6/19, Shankar Garden,

situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. Gurdip Singh S/o Shri Jagat Singh r/o IA 46, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harish Bajaj w/o Suraj Parkash, r/o 760, Gali Gur Parshad, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-114, area of 200 sq. yds. Khasra No. 6/19, Village Possangipur, Abadi Shanker Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2637.--Whereas, 1. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

No. A-107 situated at Village Tihar Abadi Fateh Nagar, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Ant, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri D. K. Suri S/o Shri F. C. Suri, R/o A-107, Fatch Nagar, New Delhi, now at present No. 94/10, Shivaji Park, Punjabi Bagh, Delbi.

(Transferor)

Shri Prabhjit Singh S/o late Shri Trilochan Singh, R/o A-107, Fatch Nagar (Tihar), New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-107, measuring 1511 sq. yds. (33'×411') bearing Khasra No. 607 and 608, situated in the area of Village Tihar Abadi Fateh Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 12/2/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Surinder Mohan Bhatia S/o Shri Hans Raj Bhatia, R/o 25/24, Old Rajinder Nagar,

(Transferor)

(2) Shri Babu Lal S 'o Shri Jath Mal Sethia, R/o 2856, G. B. Road, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1986

Rcf. No. IAC/Acq-III/SR-II/6-85/2636,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

140. EA-69 situated at Inderpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1308) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is act of may income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

" operty bearing Municipal No. EA-69 consisting of three bed rooms, etc. Inderpuii, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/6-85/1109.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 7. Block R,
situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Zahra Sripat Rai W/o Shri Sripat Rai, R/o 121, Navjcewan Vihar. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shabnam Mohamed W/o Shri Mohamed Abdulla Algaz, R/o 98, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storeyed house on plot No. 7, Block R, measuring 416 sq. mtrs., Hauz Khas Enclave, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road Delhit/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 14/2/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/6-85/1111.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 /- and bearing

No. 7/40, Old Rajinder Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1909) in the Office of the Registering Officer at New Delhi In June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) factitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purchase of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-92-506GI/85

(1) Smt. Nirmala Arya Wd/o Shri S. P. Arya, Ri o 7/40, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Chaman Lal, R/o 7/40, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7/40, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4/2/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Surjit Singh. C-9, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar, 40/566, New Moti Nagar. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/6-85/1112.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable prope ty, having a fair market value exceeding R. 1.00,000/- and bearing
No. 1225 to 1230 & 1259 Gali No. 4 stuated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed nereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; undler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afar said property by the issue-of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following passons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the hies Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1225 to 1230 & 1259, Gali No. 4, Naiwala, Karol Bagh, Ntw Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12/21/1986

Geal :

FOLD 11 No------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/I121/85 86.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XVI 4010-11, Plot No. 3098/2314 1, Kh. No. 3531/3028 situated at Korol Rugh, New Delhi

3098 situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1937 ,27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Ing persons, namely :-

(1) Shri Bikram Singh S/o Shri Jaswant Singh, R) o 4010/11, Gali No. 33, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dhola Devi W/o Shri Mohan Lal, 2. Sh. Naresh Kumar, 3. Shri Sudesh Kumar, 4. Shri Jais Kishore, all sons of Shri Mohdu Lal all R/o 32/3096, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaoter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. XVV 4010-11, Plot No. 3098/2314/1, measuring 80 sq. yds. khasra No. 3531/3098, Gali No. 33, Block 'I', Rehgarpura, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I!! Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Pe i Delhi New Delia

Date: 14/2/1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-11I/SR-11I/6-85/1113.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8-A 8 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Art. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income crising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. M. K. Mehta S/o late Shri Prabh Dayal, R/o No. 8-A/8, Old Rajinder Ivagar, New Delhi, through Mr. Narinder Kumar Chaddah son of Shri Channan Lal Chadha, R/o 14/2352, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi As G. A.

(Transferor)

(2) Shri Channan Lal Chaddah S/o Shri Gian Chand Chaddah, Rl/o N-14/2352, Beadon, ura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition is the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8-A/8, erected on the lease hold plot mg 85.9 sq. yds. situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CROPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
Delhi/ New Delhi

Date: 30/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RAMGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th February 1986

Ref. No. [IAC/Acq-III/SR-III/6 85,1114.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority and Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1261) incomestanter referred to as the 'said one to have on . .e inat the tarmovable property having a far tradet value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 27/56 situated at Park Area, Kari Baya, New Delti (and more feely a control of the control 1908) is not once in June, 1985 for an apparent consideration which is iss than the fair market value of the stear of the stear of the stear teasen to believe that the fair one keeps of our control of the stear and exceeds the apparature consideration to the form to more than fifteen per control with anything a more matter and that the consideration for such transfer as socied to between the

parties has not been truly stated in the said nearmment of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reciposion in errors in the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometsar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the care of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

AND THE PROPERTY OF THE PROPER (1) Shri Lakhjit Singh S/o Shri S. Bir Singh, 2. Shri 'Varinder Singh S o Shri Lakhjit Singh through his father and attorney Shri Laknju Singh, R/o 27, Park Area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sarup Rani W/o Shri K. C. Sharma, 2. Shri Raj Pal Sharma, Shri Vijay Pal Sharma,
 Shri Mohinder Pal Sharma all sons of Shri K. C. Sharma, R/o 27, Park Area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 27, Block No. 56, Park Area, Karol Bagh, New Delhi measuring 1288.2 sq. yds.

> SUNIL CROPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 14/2/1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT **EOMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1986

IAC/Acq-III/SR-III/6-85/1115.—Whereas, 1. Ref. No. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Property No. Part 1315, 1316 to 1322, situated at Sangrashan, Paharganj, Word No. 15, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Lala Sri Ram S/o Shri Ram Chand, R/o 4775, Main Bazar, Paharganj, New Delhi, Karta HUF.

(Transferor)

(1) 1. Smt. Uganti Devi W/o Shri Raghu Nandan Dass, R' o 8746, Gali No. 14-B, Shioipura, Karol Bagh, New Delhi. 2. Smt. Sheela Devi W/o Shri Mohan Lal, R/o 8563, Arakshan Road, Ram Nagar, Paharganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed bldg, with land underneath measuring about 612.00 sq. yds. bearing property No. Part 1315, 1316 to 1322 situated at Sangtrashan, Pahargani, Ward No. 15, New Delhi.

> SUNIL CROPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 12/2/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE /14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-JII/SR-III/6-85/1116.--Whereas, J. SUNII CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 950 situated at Gali Mandir Wali, Main Bazar, Pahar-

ganj. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ac

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Chander Parkash Sharma 9/o Shri G. D. Sharma and Smt. Dharma Devi W o Shri G. D. Sharma, R/O H. No. 950, Gali Mandir Wali, Main Bazar, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander S/o Shri Ram Nath, Smt. Sangeeta Rani W/o Shri Subhash Chander, R/o H. No. 3386, Gali Hari Mandir Marg, Pahargani, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 950, measiring 100 sq. yds. situated in Gall Mandir Wall, Main Bazar, Pahargani, New

SUNIL CROPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Read Delhi New Delhi

Date: 30/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/6-85/1118.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark! value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 4-B/7 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as as reed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income seising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Winter ex Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shi Purin Chard Dhawan S/o Shri Fam Kishan Dhawan, E. w Delhi.

(Transferor)

(2) J. Shri Dal Kishan Sood S /o Shri Hari Ram Scod, 2. Smt. Peonam Sood S/o Shri Bal Kishan Sood both A. A.B./7, C.1 Rajinder Nagar, New Dahi.

THE MAIN THAT IS A MAIN THAT IS THE PROPERTY OF THE THAT SHOW A PARTY OF THE THAT IS THE T

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notic on the respective persons, whichever person expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are decored in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4-B/7, Old Rajinder Nagar, New Delhi area 85.9 sq. yds.

> SUNIL CROPRA
> Competent Authority
> Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi New Delhi

Now therefore as primitable of Solvier 2690 of the most Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/6-85/1120.—Whereas, J, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-89 situated at South Extension Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons. namely:—

33—506GI/85

 Smt. Bimla Rani Kapur W/o Shri Gursaran Dass Kapur, R/o C-41, Soami Nagar, New Delhi.
 Smt. Raj Mohini W/o Shri Sant Dass, R/o C-40, Soami Nagar, New Delhi.
 Smt. Kamla Rani W/o Shri Daya Parkash, R/o C-39, Soami Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Chandra Agencies, 17, Continental Annexe, Connaught Place, New Delhi through its Managing Director Shri K. L. Khanna, R/o B-113, Vivek Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed house No. C-89, South Extension Part-II, New Delhi Plot area 500 sg. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Read
Delhi/New Delhi

Date: 30/1/1986

 Shri Sham Lal Dhawan, s/o Gulzari Lal, F-1, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Prokash Teckchandani,
 Mis. Daya Teckchandani,
 r/o 18/10, Old Rajinder Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/6-85/1122.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

D-146 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi in June, 1985

at New Delhi in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government built property No. D-146, New Rajinder Nagar New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/6-85/1123.—Whereas, I, SUNIL CHOPRÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing L-7 situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the schedule approved berefo).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrat

at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair muster value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. As agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Shebang Pvt. Ltd., M-64, Greater Kailash-I, New Delhi through its Director Shri Kamal Kaul. (Transferor)

(2) M/s. Green Valley Agro Mills Ltd., D-58, East of Kailash, New Delhi-110065.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given inthat Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property No. L-7, measuring 187 sq. yds. Green Park Extu., New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/6-85/1124.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A-9 situated at NDSE Part-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to th following persons, namely :-

(1) 1. S. Waryam Singh, s/o S. Kartar Singh and

2. Smt. Jaspal Kaur, w/o S. Waryam Singh, r/o B-341, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(1) 1. Shri Jugal Kishore Faramb,

2. Shri Nand Kishore Farham, both sons of Shri Rattan Chand and

3. Mrs. Saroj Rani Farham, w/o Shri Ashvani Kumar Farham, all r/o J-108, NDSE, Part-I, New Delhi, through their duly constituted attorney Satya Parkash, s/o Khusi Ram, r/o J-108, NDSE Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, hover period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immsov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. A-9. NDSE Part-II, New Delhi measuring 300 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

a(e: -1986

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/6-85/1126.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing H-15/3 situated at Malviya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad on 3/85 at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Hernam Singh, s/o S. Prem Singh, r/o Mandi Phul Distt. Bhitanda (Pb.), now H-15/3, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Rathi, s/o Shri Bal Kishan Rathi, r/o H-16/1, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nestee is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. H-15/3, measuring 100 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ANCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Prakash Wati Bhola, W/o late Shri U. R. Singh, r/o 9-A/13, WEA, Karol gagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vimal Verma, s/o Shri Shamji Verma, r/o 7-A/8, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME 1AX, ACQUISTION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No IAC/Acq.-III/SR-III/6585/1128,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

9-A/13, situated WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

9-A/13 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-(ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or be Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in 22 Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 9-A/13, WAE, Karol Bagh, New Delhi measuring 161 sq. yds. falling in Khasra No. 889/761.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 6-2-1986

PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAT ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/6-85/1129.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-776, New Rajinder Nagar situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person anamely:—

 Shri Gian Chand Khattar, r/o J-389, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Bhatia, r/o 2465, Subhash Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the expective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in one said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Land expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R-776, New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-2-1986

and these lates therefore and allegate them because in FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vinod Bahal and Virinder Bahl, through regd. General Attorney Shri Prakash C. Surana, 56, Ram Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Roop Narain Adlakha, s/o Bahadur Chand Adlakha, 4D/32, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/6-85/1130.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

4-D/32 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Built property bearing No. 4D/32, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1986

Seed:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-IV/6-85/1452.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing 626/3 (old) /New No. IX/6425 situated at Mukerjee Gali. Gandhi Nagar, Delhi-31

situated a Dharam Karam Road, Ameerpet

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

94-506 GI / 85

(1) Meena Kumari, w/o Shri Ramesh Chand, R/o 152-E, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hans Raj s/o Shri Atma Ram,

Shri Sat Pal s/o Shri Atma Ram,
 Shri Sat Pal s/o Hans Raj,
 Smt. Bhagwati w/o Shri Tej Parkash,
 Shri Suraj Parkash s/o Shri Tej Parkash,
 No. 626/3 (old)/New No. IX/6425,
 Mukherje Gali, Gandhi Nagar,

Delhi-31.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 626/3 (old)/New No. IX/6425 area 262 sq. yds. Mukherjee Gali, Gandhi Nagar, Delhi-31,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR--IV/6-85/1453.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing C-B/5 (Part) situated at Krishan Nagar, Delhi-51 and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ram Kumar Jain. s/o Shri Chattar Sain Jain, R/o C-8/5, Krishan Nagar, Delhi.

(2) Smt. Chand Rani Vohra, w/o Shri Hargovind Vohra r/o 315, Teliwara, Shahdara,

Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-8/5, (Part) built up property, area measuring 122 sq. yds., situated in the abadi of Krishna Nagar. Delhi-51.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TEST INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1986

Ref. No. IAC/Acq,-III/SR-IV/6-85/1445.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1474/8 situated at Harish Block-West Rohtas Nagar, Shahdaru, Delhi-32

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at New Delhi in June 1985

cor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income crising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the will Act to the following persons, namely:—

 Smt. Surender Kaur, w/o Shri Bachan Lal, through her GPA Smt. Har Plari, w/o Shri Nathu Ra mGupta, R/o 1474/8, West Rohtas Nagar, Delhi-32.

(Transferor)

 Shri Rajinder Kumar Setia, s/o Shri Boor Chand Setia, r/o 1/9511, West Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey built up property built on plot measuring 156 sq. yds. bearing property No. 1474/8, Harish Block-West Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32 area of Village Sikdarpur, Delhi-32.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-IV/6-85/1446.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

J-8 situated at Krishan Nacor VIII-

J-8 situated at Krishan Nagar, Village Ghaudli, Shahdara, Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Nirmal Kanta Gupta, w/o Shri P. N. Gupta. East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jag Bhushan Jain, Shri Rishi Parkash Jain, 2. Smt. Prabha Jain, w/o Shri Jag Bhushan Jain, both r/o J-8, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property sy be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on plot No. J-8, area 472.2/9 sq. vds. situated in the abadi of Krishan Nagar, Village Ghaundli, Sahadara, Delhi-51.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4/14-A, Asaf Ali Roal, New Delhi

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th January 1986

Ref. No. IAC Acq.-III/SR-IV/6-85/1449.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, heing the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 3, Block C-6 situated at Village Ghaundly, Krishna Nagar, Delhi Shahdara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kartar Kaur, d/o Sardar Sant Singh Dhariwal, w/o Sardar Teja Singh, r/o C-6/3, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Padam Chand Jain, s/o Shri Shital Pd. Jain, Smt. Manju Jain, w/o Shri Padam Chand Jain, r/o 496/5-B, Jainmati Bhawan, Subhash Road, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interestd in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 northern of single storied bldg., with land underneath measuring about 261.00 sq. yds. out of single storied building with land mg. about 522.00 sq. yds. bearing plot No. 3 Block C-6, situated at Village Ghaundli, Krishna Nagar, Delhi Shahdara.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 30-1-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

SIONER OF INCOME-TAX

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

CR. No. 62/R-1781/37EE/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, K BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the aucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-A2 situated at Kasba Bazar Village, Mangalore (and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1538 (16 of 1908) in the office of the Bangalore under Acgitaration No. 1511/85-86 dt. on 4-6-85 xor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the coses of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hotel Poonja International (P) Ltd. K. S. Rao Road, Mangalore-57500.

(Transferor)

(2) Prescy Meuezes.
Depak Menezes,
Kulshikar Church Compound,
Kulshikar Port,
Mangalore-575 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (3) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires leaner.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1511/85-86 Dated 4-6-1985)—All that piece or parcel of of land bearing R.S. No. 597/1A and 578/2A2 and T.5.000 217/1A and 216/2A2 of which premises No. G-A2 situated at Kasba Bazar Village. Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Cratence D' cunha, Nazareth Convent Road, Bajpc-574142,

(1) Poonja Arcade K.S. Rao Road. Mangalore-1.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OIT OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1680/37EE/85-86/ACQ/B.-Whereas I, R BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. G2 situated at Kasba Badar village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bangalore under Registration No. 1480/85-86 on 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the alotestal persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1480/85-86 Dated 3-6-1985).

All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2 of which premises No. G-B2 simuted at Kasba Bazar Village 13th Ward, Mangalore, .

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 4-2-1986

FORM ITNS-----

(1) Poonja Arcade K. S. Rao Road Mangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Syed Hassan S. Bermowar 'Darul Qutub', Aminuddin Road, Nanayat Colony, Bhatkal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1679/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Insame—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfer referred to at the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-1A situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer
Bangalore under Registration No. 1479/85-86 on 3-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesand preparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per ceat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said featurement of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period envires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or everies of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1479/85-86 Dated 3-6-1985).

All that piece or parcel of land bearing RS. No. 597/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2 of which premises No. G-A2 situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1678/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-D situated at Kasba Bazar Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mangalore under Registration No. 1478/85-86 on 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
95—506 GI/85

 Poonja Arcade K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Mr. John Benedicta D'souza Kodiman Kodi House, Post Pudu, Banatwal Taluk, Pin-574143.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1478/85-86 Dated 3-6-1985)

All that piece or parcel of land bearing No. R.S. No. 579/and 578/2A2 and T.S. No. 217/A and 216/2A2 of which premises No. G-D, situated at aKsba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 4-2-1986

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Poonja Arcado K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Mr. Clifford Felix Lobo S/a J. B. Lobo Retd, D. F.O.. Cower Kottaka, Ashoknagar Mangalore-6.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASEIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1676/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269-B of the Impoune-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-B 10 situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13 Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bangalore under Registration No. 1476/85-86 on 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

(b) by any other person interested in the said immovately property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Art, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1476/85-86 Dated 3-6-1985).

All that piece or parcel of land bearing No. R.S. No. 579/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/A and 216/2A2 of which premises No. G-B 10 situated at Kasba Bazar, Ward No. 13, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 4-2-1986

Geal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Poonja Arcade K. S. Rao Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Sheikunhi 'Al Salam Nanzil' Jokkatte P.O., Pin 574 173.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

Rcf. No. C.R. No. 62/R-1675/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-B 3 situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13,

Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore under Registration No. 1475/85-86 on 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1475/85-86 Dated 3-6-1985). All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 579/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/A and 216/2A2 of which premises No. G-B 3 situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th February 1986

C. R. No. 62/DR-612/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 58 situated at Palmar Japao, Panjim, Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 411/85-86 Dt. 17-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mr. Monoel Francisco Frorencio Gomes Panjim, Goa.
 - 2. Mrs. Assumcas Santana Rosalina
 - Francisca Gomes
 3. Miss. Ismalia E. Gomes
 - 4. Miss. Maria Do Carmo Gomes
 - 5. Mr. Antonio J. Gomes
 - 6. Mr. Saisu Franscisco Gomes 7. Mr. Luis Cupertino Gomes
 - Mr. Jose Piedade Gomes The parties 2 to 8 are Resident of Santa Cruz, Alhas, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Ronald Mascarenhas 33 Lake View Miramar, Panjim Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 411/85-86 Dated 17-6-85]

The property admeasuring 369 sq. ms with the residential house vide survey No. 58 situated at Palmar Japao, Panjim Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th February 1986

C. R. No. 62/R-1667/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. G. B. T. situated at Kasba Bazar Village of Mangalore (and more fully described in the Schedule approach bereio)

situated at Kasba Bazar Village of Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1467/85-86 Dt. 3-6-1985 for an apparent consicration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Poonja Arcade K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Mr. Varadharaya S. Nagvekai, Mr. B. Devader S. Nagvekai Mr. B. Shashikanth S. Nagvekai Karaugalpady fields, Kodialbail Mangalore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1467/85-86 Dated 3-6-85].

All that piece and parcel of land bearing R. S. No. 597/1A and 578/2A2 and T. S. No. 217/1A and 216/2A2 of which premises No. G-B 7 situated at Kasba Bazar Village Ward No. 13, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 4-2-1986

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Poonja Arcade K. S. Rao Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Hashim Shaisa, Mr. Shaikh Abdul Qadir Gavi House Guru Kambla Post Kimi Kambla Mangalore-574151.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th February 1986

C. R. No. 62/R-1668/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, J. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair toarket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. C. 3

situated at Kasba Bazar Village 13th Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 1468/85-86 Dt. 17-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1468/85-86 Dated 17-6-85].

All that piece of parcel of land vide R. S. No. 597/1A and 578/2A2 and T. S. No. 217/1A and 216/2A2 of which premises No. G-C3 situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th February 1986

R. No. 62/R-1667/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. G-B. 11 situated Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1477/85-86 Dt. 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Poonja Arcade K. S. Rao Road Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Hyder Ahmed S/o Ahmed B. K. 7th Block S. R. No. 155 Krishnapura. P. O. Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1477/85-86 Dated 3-6-85].

All that piece and parcel of Land bearing No. R. S. No. 579/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/A and 216/2A2 of which premises No. G. B. 11 situated at Kasba Bazar Villago Ward No. 13, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;----

Date: 4-2-1986

2aa1 :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th February 1986

C. R. No. 62/R-1688/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereras, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 32

situated at Victoria Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1482/85-86 Dt. 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Samyuktha Bharat Co-op. Housing Society Ltd. 'Shashi Kiran' No. 9, 18th Cross (1) Malleswaram. Bangalore-560055.

(Transferor)

(2) Sq. Ldr. A. S. Bains
 C/o P. S. Sodhi
 M/s. Bhazim Associates (P) Ltd.,
 58, Janapath, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1482/85-86 Dated 13-6-85].

A flat approximately about 1170 sq. ft. in Mutha Gardens' situated at No. 32 Victoria Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mittal Development Corporation 47/6 M. G. Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. S. Ramakrishnan Mrs. Sukanya Ramakrishnan 46/1, ITC flats Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th February 1986

C. R. No. 62/R-1691/37EE/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, situated at Nidhi Apartments, 40 Netaji Rd.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1485/85-86 on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1485/85-86 Dated 13-6-85]. Flat No. 502 on V floor at Nidhi Apartments on Netaji Road, Bangalore-560005.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-96-506-GI/85

Date: 5-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGADORE-560-001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1660/37E/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 200/A R.S. No. 121 of Λ Door No. 9-12-564 9-12-565. Navayath Ward situated at Mangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1510/85-86 dated 14-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Haliamma
Tilery Road, Mangalore

2. Zohra,
3. Mr. Mohammed Iqbal
Mission Comopund, Jeppu,
Mangalore,

4. Mr. Mohammed Sali

Zubeda and
 Ayyasha.

Sl. No. 4 to 6 are Residents of Mission Road, Jeppu Mangalore.

(Transferor)

Mrs. Anasuya,
 W/o Mr. Krishna Kumar
 Ansari Road, Bunder
 Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1510/85-86 dated 14-6-1985)

Property No. T.S. No. 200/A R.S. No. 121 of A Bearing
Door No. 9-12-564, 9-12-565 Navayath Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mamata Enterprises, No. 3, Queens Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Makhija & Mrs. Anita Makhija, 33/2 Ulsoor Road, Bangalore-560042.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGADORE-560-001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1733/37EE/85-86/ACQ/B,—

Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. Flat No. 203 situated at 157, Wheeler Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1505/85-86 dated, 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1505/85-86 Dated 3-6-1985) Flat No. 203 on 2nd floor in 'C' Wing of 'Ranka Plaza' Apartments, 157 Wheeler oRad, Bangalore-560001 and parkspace No. 20.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/R-1729/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11. Crescent Road, Bangalore situated at Bangalore, Karnataka State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore under Registration No. 1504/85-86 dated 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Unique Construction Co. (Land owner) 11 Crescent Road, Kumarapark, Bangalore-560001 and Embassy Building (Contractors), 10, Hare Krishna Road, Kumarapark, Bangalore.

(Transferer)

(2) M/s. Na Karnataka Publications (P) Ltd., 13/B, B.R.C. Complex, S. C. Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1504/85-86 Dated 1-6-1985) 164/48000 of undivided interest in the land bearing No. 11 Crescent Road, Kumara Park, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

M/s. Mittal Development Corpn., Mittal Tower 16th Floor, 'B' Wing Nariman Point, Bombay-40021.

(Transferor)

(2) Mr. Harish Sargon and Mrs. June Sargon 1493/63, Adarsh Nagar Worli, Bombay-400251.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AIGHT TO THEMMENOO

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/R-1727/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No

Flat No. 401, Nidhi Apartments (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1502/85-86 dt. 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1502/85-86 Dated 24-6-1985) Flat No. 401 on 4th floor Nidhi Apartments, 40 Netaji Road, Civil Station, Bangalore-560005.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1986

FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 2050(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Samyukta Bharat Co-op Housing Society Ltd., 'Shashi Kiran' No. 9, 18th Cross Malleswaram. Bangalore-560055.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheila Menon, 337, Double Road Indiranagar 1 Stage, Bangalore-560055.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/R-1719/37EE/8586/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 32 Victoria Road situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at
Bangalore under Registration No. 1498/85-86 dated 13-6-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **Ang**ior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the lindian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1498/85-86 Dated 13-6-1985)

A flat admeasuring about 1170 sq ft, in Mutha Gardens situated at No. 32, Victoria Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1718/37EE/85-86/ACQ/B.--Whereas, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beraing No.
Apartment No. 3093 High Point III situated at 45, Palace Road, Bangalore

(and morefully describde in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1497/85-86 dated 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the seld Ant, respect of any incusts arising from the transi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mr. A. Vijaya Raghava Char lvc. 627, Nara Street, K.R. Mohalla, Mysore-4.

(Transferor)

(2) Mr. K. S. Parasuram, No. 179, Block 'G', New Alipore, Calcutta-700053.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1497/85-86 Dated 13-6-1985) Apartment No. 3093 9th floor High Point III 45 Palace Road, Bangalore-1.

> R. BHARDWAJ Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 5th February 1986

No. 62/R-1717/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAP, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. 102 Express Apartments situated at 47 Richmond Road, Bangalore-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1496/85-86 dated 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnt of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Express Builders (P) Ltd., 47, Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarita Mansirngka, W/o Shri R. K. Mansingka, C/o M/s. Bansidhar Badri Dass Modi (P) Ltd., Dilburgarh (Assam),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dated 13-6-1985) (Registered Document No. 1496/85-86 Flat No. 102 in Express Apartments at 47 Richmond Road, Bangalore-25.

> R. BHARDWAJ Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/R-1694/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 11 Crescent Road, Bangalore

situated at 11, Crescent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 1487/85-86 on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :--

97-506 GI/85

(1) M/s. Unique Construction Co. (Land owner) 11 Crescent Road, Bangalore-56001, M/s. Embassy Builders, 10, Hare Krishna Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. Vishwajeth, B., 106/14 11th Cross 11th Main, Malleswaram, Bangalore-560003.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any-other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1487/85-86 Dated 24-6-1985) 453/48000 of undivided share in land at 11 Crescent Road Kumara Park, Bangalore-1,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/R-1690/37EE/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. 107 Nidhi Apartments situated at

40. Netaji Road, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1484A/85-86 on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx *CC 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of flucatorism aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mittar Development Corporation, 47/6 M.G. Road. Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. G. Gopal Krishnan, 1/J Assam Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registration No. 1484A/85-86 Dated 13-6-1985) Flat No. 107 on 1st floor at Nidhi Apartments on 40 Netaji Road, Bangalore-5.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/R-1689/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No

immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. 311 situated at 40, Netaji Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1483/85-86 Dated 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Mittal Development Corporation, 47/6, M.G. Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Mayna Mathiramani,
 W/o Mr. Vishnu Mathiramani,
 4, De Costa Square Cooke Town.
 Bangalore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1483/85-86 dated 13-6-85]. Flat No. 311 on 3rd floor at Nidhi Apartments No. 40 Netaji Road, Bangalore-5.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suvsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62//DR.6234/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

plot No. 9 situated at Taleigao Village, Panaji Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at Bangalore under Registration No. 410/85-86 dated 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

 Mr. Vidhyadhar V. Naik & Mrs. Malini V. Naik. Hotel Campal, Panaji—Goa.

(Transferor)

(2) Varun Co-operatie Housing Society Ltd., (proposed) chief promoter H.R. hhenoy Hussain Building, Opp. Vrashba Allinho, Panaji—Goa.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same n.eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 410/85-86 Dated 17-6-1985].

All that plot of land No. 9 known as 'MORGADO' (Hilly Portion) measuring about 1368.75 sq.mts. situated at Village Taleigao, now Panaji, parish of Sanata Inez, Panaji Municipal area.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 4th February 1986

C.R. No. 62/No.251/37E/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

heing the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs 1,00,000/- and bearing No 1697 and A.R. No. 920 (Old A.R. No. 2236) situated at Northern Extension, Hassan

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hassan under Document No. 772/85-86 Dated 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: a sul /Of

(b) facilitating the concea/ment of any income or any moneys or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. N. Venkatramaiah S/o Late N. Hiriannaiah, Door No. 2236, Northern Extension, Hassan.

(Transferor)

(2) Mr. B. S. Venkatisha Murthy S/o Late B. R. Seetharamaiah Adocate. Northern Extension, Hassan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 772/85-86 Dated 13-6-1985) Site measuring East West 100' and N.S. 50' (100'x50') with an old Mangalore tiled house constructed in the year 1930 bearing khata No. 1697 and AR. No. 920 (old A.R. No. 2236) situated in Northern Extension Hanssan.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 4-2-1986

Seal ·

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th February 1986

C. R. No. 62/R-1701/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop premises approximately 625 Sq. ft. situated at Rambhavan Complex, Kodiyabal Mangalore-575003 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred undre the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1490/85-86 Dt. 13-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rama Bhavan Enterprises, 8-A, Mayfair Gardens, Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) Dr. M. K. Mallya, C/o Dr. M. S. Kamath, Sri Saisadan, Vitobha Temple Road, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1490/85-86

Dated 13-6-85]

Shop premises approximately 625 Sq.ft. on the 2nd floor of Ramabhavan Complex, Kodiathail, Mangalore-575003.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

C. R. No. 62 /R-1674 /37EE/85-86/ACQ/B.—
Whereas, l, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
se the 'seld Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
G-B, 2A plus G-C, situated at Kasba Bazar, Ward No. 13,
Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registration Officer
at Bangalore under Registration No. 1474/85-86 Dt. 3-6-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evazion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (c) (acditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Brothers Electronic Coy, 16/64, Mission Compound, Mangalore-575 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaki persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1474/85-86 Dt. 3-6-85] All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1-A and 578/2A2 and T. S. No. 217/1A and 216/2A2 of which Premises No. G-B, 2A+G-C situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFF (CE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

C. R. No. 62/R-1673/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-B-1 situated at Kasba Bazar, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1473/85-86 Dt. 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Mr. Dinesh D. Shetty S/o Dasu Shetty, 'The Shelter', Pound Garden, Kadri, Mangalore-575 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1473/85-86 Dated 3-6-85] All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2 of which Premises No. G-B situated at Kasba Bazar Village, Ward No. 13, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore-1,

(Transferor)

(2) Kulyadikars Nutan Silks, K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

C. R. No. 62/R-1672/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-A4, C4, B-12 situated at Kasba Bazar Village, Mangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1472/85-86 Dt. 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the aid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1472/85-86 Dated 3-6-85] All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2 of which Premises No. G-A4, C4, B12 situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeacid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

98—506 GI/85

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1986

C. R. No. 62/R-1671/37EE/85-86/ACQ/B.---Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-C2 situated at Kasba Bazar, 13th Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1471/85-86 Dt. 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thtan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Fairoz Akthar, Mr. A. Basheer Khan, C/o A. R. Khan Urwa Chilimbi, Mangalore-575 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1471/85-86 Dated 3-6-85] All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2 of which Premises No. G-C2 situated at Kasba Bazar Village, 13th Wird, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th Fabruary 1986

Ref. No. C.R. No 62/R-1670/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-B-4 situated at Kasba Bazar. 13th Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1470/85-86 Dt. 3-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore-1.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash Vaman Sriyan, Mrs. Meenakshi Vaman Sriyan, Vasudeva, Thadambal Surathkal, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning on given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Regsstered Document No. 1470/85-86

Dated 3-6-85]

All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1A and 578/2A2 and T.S. No. 217/1A and 216/2A2 of which Premises No. G-B4 situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th Fabruary 1986

Ref. No. C.R. No. 62/R-1669/37EE/85-86/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-B.9 situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1469/85-86 Dt. 3-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Poonja Arcade, K. S. Rao Road, Mangalore,

(Transferor)

(2) Mani and Co., K. S. Rao Road, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1469/85-86

Dated 3-6-85]

All that piece or parcel of land bearing R.S. No. 597/1A 578/2A and T.S. No. 217/1A and 216/2A, of which Premises No. G-B.9 situated at Kasba Bazar Village, 13th Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-2-1986

PART HI-SEC. 11

FORM ITNS-

(1) Shri Shankarrao G. Farad.

____ (Transferor)

11563

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jimmy John.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20846/85-86.— Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 5, H. No. 16, C. T. S. No. 236, Marol Village, Off. Marol Maroshi Road, Audheri (E) situated at Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. Ni. 5, H. No. 16, C. T. S. No. 236, Marol Village, off. Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20846/85-86 on 1-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, samely:-

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20854/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 217, Sher-c-Punjab Co-op. Society Ltd., Andheri

(E) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Jasdeep Singh Oberio & Harnam Kaur Oberio.

(Transferor)

(2) C. K. Builders & Developers.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afercaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 217, Sher-e-Punjab Co.op. Society Ltd., at Vundavali Taluka Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20854/85-86 on 1/6/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-2-1986

FORM ITNS----

(1) Smt. Maneesha Diwakar Raote.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sunderrao B. Ghosalkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20898/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Plot No. 3, Opp. Gold Spot, Andheri (E) situated at Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nag occil transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorphism able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 2nd floor of building 'B' on plot No. 3, opp. Gold Spot, Near Jumbo Darshan, Andherl (East). Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20898/85-86 on 4-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986

FORM ITNS...

(2) Mr. Pravin K. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Amratbai Talakshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20926/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 107, 1st floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki
Naka, Andheri (F) situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 107, 1st floor, K Bldg., Ansa. Indl. Estate, Saki Naka, Andheri (E). The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IJ/37EE/20926/85-86 on 4-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesm's property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persum, namely :-

Date: 3-2-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS----

(1) Chandrakant Laxmichand Chheda.

(Transferor)

(2) Smt. Hirabai Nanji Kenia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUOSITION RANGE-II, BOHBOY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20927/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the more movable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 8, ground floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Naka, Andheri (E), situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Unit No. 8, ground floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki

Naka, Audheri (E), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20927/85-86 on 4-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-2-1986

(1) Shri Laxmichand Damji Cheda.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Malilal Nanji Kania.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMEAY

Bombay, the 3rd February 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/20928/85-86,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Under No. 109, 1st floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Nka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis cred under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the manufor, and/or
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition—of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 109, 1st floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Maka Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/20928/85-86 on 4-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Data : 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Prasant P. Jain.

(2) Shri Nanji Sojpar Kenia.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20929/85-86.—Whereas, 1. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 9, ground floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate,

Saki Naka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is regis'ered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said No. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the parts ation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 9, ground floor, K Bldg., Ansa Indl. Estate, Saki Naka,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20929/85-86 on 4-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 3-2-1986

- (1) Shri Kantilal Mavzi Savla.
- (Transferor)
- (2) Shri Bipin Kumar Talakshi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20930/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 108, 1st floor, K-Bldg. (1/2), Ansa Inld. Estate,

Saki Naka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 108, Ist ffoor, K-Bldg., (1/2), Ansa Indl. Estate, Saki Naka.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE./20930/85-86 on 4-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-2-1986

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Abdulla F. Khorakiwala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21029/85-86.—Whreas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, Bhawani Nagar, Bldg. No. 2, Andheri (East), Rombert 50.

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eads instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plat No. 15, 4th floor of Bldg. No. 2. Plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authorit, Bombay under No. AR.II/37EE/21029/85-86 on 6-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-1-1986

FORM ITNS

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Man Mohan Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

No. AR. II/37EE/21030/85-86.—Whereas, I. Ref. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market alue property, having a fair market value Flat No. 1, Bldg. No. C Bhawani Nagar, Andheri (East),

Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay c.n 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ward / or

(b) facilitating the concealment of any income OF ADY which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Indian been moneys or other assets which have not the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ligation (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1 ground floor of building No. C, Plot No. 18 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.21030/85-86 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Corumissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-1-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR. II/37EE/21031/84-85.--Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 7, Bldg No. 4 Bhawani Nagar, Andheri (E)

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of minutes with the object of !-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the followine persons, namely :---

- (1) Mr. Nirmat Singhyi.
- (2) Joe Manuel Pereira,

(Transferor)

(Transferee)

(3) Deepak Builders Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Fian No. 7, 2nd floor of Bldg, No. 4 on Plot No. 17 in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East). Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority ,Bombay under No. AR.II/37EE/21031/84-85 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date :: 30-1-1986

(1) Smt. Shakuntla K. Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Verma Satish Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21033/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 8, Bhawani Nagar, Andherl (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, 2nd floor of building No. 3 on Plot No. 11 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/21033/85-86 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under anbsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-1-1986

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UPDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ВОМВЛҮ

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. \R.II/37EE/21064/85-86,-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Co apetent Authority under Section 269B of the Income-tax / ct. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable pro-rty having a fair market value exceeding Rs 1.00,000 - and bearing Shop No 17. Ground floor at Sahar Village, Andheri

(East), Bombay

(and more f lly described in the Schedule annexed hereto), has been tra sferred and the agreement is regis cred under section 269A tof Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on (6-1985

for an appoint consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fi teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facil taking the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facil ating the concealment of any income or any moi vs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, there are, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings for the acquisition of the acquisit persons, nam ly:

100-506 GI/85

(2) Mr. Suddhu Ram Harar Yadav Mrs. Kaushalya Suddhu Ram Yadav.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, in Vidyadani Co.op. Housing Society, Shar Village, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21061/85-86 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqisition Range-II, Bombay

Date: 30-1-1986

(1) Shri Shantaben Chandrasen & Ors.

(Transferou)

(2) Mr. M. N. Vimadalal & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ROM?VA

Bombay, the 3rd February 1986

Rtf. No. ARJI/37EE/21088/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act. 1964 (43 of 1964) theremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 142, 1st floor, Dampi Sharaji 1 idl. Compet, Andheri

(E), Bombay 93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Onice of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration flately, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated In the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 142, 1st floor, Damji Ladl. Complex, Andheri (F), Bombay-93.

The agreement has been regulered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21088/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Comparent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate properties for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

-, -,

FORM FINS

(!) Shiv Shakti Builders,

(Transferor)

(2) Supreme Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INV ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.H/37EE/21103/84-85.—Whereas, I, TRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ro. 1,00,000/- and bearing No

Industrial Shed No. 136, Shivshaltti Industrial Estate, Andheri

(E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcenced end the agreement is registered a der section 267.48 of Said Act in the Office of the Comment Authority at

волгому од 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the 'air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of te-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of the figure of the said fact, or the Weighth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by zery of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 savs from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, spall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 136, 1st floor in Phase-III, Shivshakti Industrial Estate, Off Kurla Andheri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement his loss a registered by the Competent Authority, Bernbay under No. AR.II/37EE/21103/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authori'y Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acqisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely .

Date: 30-1-1986

FORM ITNS

(1) Shivshakti Builders.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1261 (43 OF 1961)

(2) Amar Enterprise.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR, II/37EE/21104/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Shed No. 128, Shivshakti Indul. Estate, Off Kuria Andheri Road, Ardheri (Fast), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis ered under section 269AB of Said Act to the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atore-and exceeds the apparent consideration therefor by more aan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which leight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 128, on 1st floor Phase III, Shivashakti Industrial Estate, Off Kurla Andheri Road, Mcrol Village, (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21101/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-1-1986

(1) Shri Mohamed Javed Abdullah,

(Transferor)

(2) Shri Popatbhai Narsi Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ref. No. AR.II/37EE/21106/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 3, 1 uilding No. 12, Kanti Nagar, Supermeet Bldg.,
Andheri (E), 3cmbay-59
(and more for y described in the Schedule annexed hereto),
has been true forced and the supperment is registered under

has been tran terred and the agreement is registered under section 269Ai. of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this unitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used user as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No.3, Bldg. No. 12, Kantinagar, Superammet Bldg., Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21106/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Art to the following persons, namely ;---

Date: 3-2-1986

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kasturinangan Premalata & Miss Priya
Parmeshwaran
(Transferee)

AND THE PROPERTY OF THE PROPER

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 30th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rol. No. AR.II/37EE/21183/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

neemy the Compotent Authority under Section 269B of the income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 1 to 1000 Japane In agree Sec.

1 lat No. 307, Vidyadani Co-op, Hsg. Society, Andheri (H. 3) B 1864, 39 (and more fully described in the Schedu'e annexed hereto)

(and more fully described in the Schedu'e annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Auril 1974 Bombay on 10-6-1985

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to before that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oi

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor. Vidvadani Co.op. Housing Society, Chakala, Sahar Road, Andheri (Eas) Bombay 400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/21183/85-86 on 10-6-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which heave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PNASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-86

Soal:

FORM ITNS.

(1) Mrs. Munita Anis Rangwalla

(Transferor)

(2) Mrs. Zainab Tahir Badsha & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 31d February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21199/85-86.—Whereas, I, PPASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
Flat No. 405, 4th floor, Bldg. No. C/2, Mapkhan Nagar,
Warol Naka, Andheri (E), Bombay 59
(und more fully described in the Schedule annexed heroto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bamboy on 13-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; Attril m
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. C/2, Mapkhan Nagar, Merol Naka, Andberl (E) Bombay 59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21199/85-86 on 13-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-2-1986

-1 -2 ----

FORM ITNS ----

(1) Shri Haji Mulla Fakhruddin Kaderbhai Gheewala (Trunsferor)

(2 Shri Yusuf Taiyabali Gadiwala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR, II/37EE/21264/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

pering the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

The intuited at Mayur Complex, Gunfoundry (and more tully described in the Schedule appears) hereto.

the fittined at Mayur Complex, Gunfoundry fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2.9AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1985

that an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as thousand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income artsing from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at mixem in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Ruffae Apartments, Saifee Park Church Royl, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37EE/21234/85-86 on 13-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang.-II, Bombay

Date: 3-2-1986

(1) M/s. Vishal Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rasiklal Chandulal Kamdar & Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21246/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 12, ground floor, Apollo Indl. Estate, Mahakali

Caves Road, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the uansferce & the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 12, ground floor, Apollo Indl. Estat, Mahakali

Caves Road, Andheri (E), Bombay 93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21246/85-86 no

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely:-

101---506 GI/85

Date: 3-2-1986

(1) Shiv Shakti Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vyasa Art

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCUME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21257/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Industrial Shed No. 135, Shivshakti Industrial Estate,
Andheri (East), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the 1221 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Industrial Sed No. 135, Phase-III, Shivshakati Industrial Marol Village Off Kurla-Andheri Rd., Andheri (East), Bembay-59.

The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. AR.II/37EE/21257/85-86 on 13-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1086

Scal .

FORM TINS--

(1) Shivshakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Falguni Vijay Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.III/37EE/21258/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Shed No. 129, 1st floor, Phase-III, Shivshakti Industrial Estate, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not occur or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomy tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weakler-ton Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons we chever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The torus and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives to that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 129, 1st floor in Phase-III, Shivshakti Industrial Estate, Off Kurla-Andheri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Sombay under No. AR. II/37EE/21258/85-86 on 14-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1986

FURM ITNS-

(1) Mr. Pramila Khurana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Shabbir F, Patanwala & Family

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21756/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 6, Ground floor, Building No. H, Vijay Tower, Vijay Nagar, Marol Village, Andheri (East), Bombay 59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985 Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mark/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE]]]

Shop No. 8, Ground floor, Building No. 'H', Vijay Tower, Vijay Nagar, Marol Village, Andheri (East) Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21756/85-86 on 14-6-85

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регворе, пашеју :--

Date: 3-2-1986

(1) M/s Ansa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Consolidated Instrumentation P. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 30th January 1986

being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/21773/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 207, H-Building in Ansa, Industrial Estate, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 207, H-Building in Ansa Industrial Estate, Sakinala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21773/85-86 on 14-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-1-86

FORM ITNS----

(1) M/s Ansa Builders

(Transferor)

(2) Mr. Vikram Gordhandas Suchak

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21774/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Page 100,000%, and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 119, D' Bldg., Ansa Industrial Estate, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed he: eto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of Said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 14-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly etated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacdinating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ract, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Unit No. 119 on 1st floor in 'D' Bldg. Ansa Industrial Estate, Sakinaka, Andheri (East), Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37E/21774/85-86 on 14-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 30-1-86

(1) Mr. Shrikant Vasant Joglekar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ansa Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21775/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 5, ground floor, Basement No. 5, Building No. A1, Ansa Indl. Estate, Sakivihar Road, Andheri (E) (and more fully describle in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Sadi Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of the

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the maid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, ground floor, Basement No. 5, Bldg. A1, Ansa Indl. Estate, Sakivihar Road, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21775/85-86 on 14-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-2-86

FORM 1.T.N.S.-

(1) Smt. Phoolwanti J. Gupta.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayshree Srivaii Dalvi, Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21797/85-86.-Whereas. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Fiat No. 17, 1st floor, B wing, Plot No. 311, Sher-E-Punjab Co-op. Hsg. Soc., Mahakali Caves Road, Andheri

(L), Bombay 93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 17-6-85 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiar Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation .-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 1st floor, B Wing. Plot No. 311, Sher-E-Punjab Co-op. Hsg. Socy., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay 93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21797/85-86 on 17-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 3-2-86

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajinder Singh Kohli

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21798/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5 & 6 Building No. 5, in Bhawani Nagar, value exceeding

Andheri (East), Bombay 59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 & 6 1st floor of building No. 5 on Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Raod, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21798/85-86 on 17-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-102-506 GI/85

Date: 30-1-1986

(1) Shivshakti Builders.

(Transferor)

(2) Prim Prints,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21812/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believ that the immov-

as the said Act 7 having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Industrial Shed No. 132, Shiv Shakti Industrial Estate, Off. Kurla Andheri Rd., Bombay-59 (and more fully described in the schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 176.85

Authority at Bombay on 17-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each description for such the apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I necessary initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 132, 1st floor, Phase III, Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.II/37EE.21812/85-86 Authority, on 17-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, tht 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21817/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable oroperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 22, Marol industrial Estate, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

M/s. Sonak Industries.

(2) Vijay Prakash Sachdev.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22, Marol Industrial Estate, Mathurdas Vasanji Road, Andheri, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21817/85-86 on 17-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-2-1986

(1) Sunder Kaur Jagjit Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. C. K. Builders & Developers.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21865/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot No. 277, Sherc Punjab Co-operative Housing Society Ltd., Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 277, Shere Punjab Co-operative Housing Society Ltd., Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21865/85-86 on 17-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

FORM ITNS----

(1) Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hallmark Engineers.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EF/21884/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Unit No. 101B, 'D' Bldg. Ansa Industrial Estate, Andheri (Feet). Rombay

(East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ly that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Unit No. 101B, 1st floor, 'D' Bldg. in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21884/85-86 on 21-6-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-1-86

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Kuttan Kakkat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 14E INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22002/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ea the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/-and bearing No.

Unit No. 118 1st floor, Ansa Industrial Estate, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24.6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 118, 1st floor in 'B' building, in Ansa Industrial Estate, Sakivihar Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22002/85-86 on 24-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 30-1-86 Seal: FORM ITNS———

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Avipharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22003/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 212, 2nd floor, Ansa Industrial Estate, Saki Naka,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any biceine wishing from the transfer; ¥7/e€
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212 on 2nd floor in 'H' Building in Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22003/85-86 on 24-6-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-1-86

(1) Smt. Sayarben M. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nitinkumar R. Deshi, Mrs. Meena N. Desai.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22017/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

reproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.

Flat No. 16, Vijay Kunj, Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Vijay Kunj, 4th floor, Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

ine agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II/37EE/22017/85-86 Authority, on 25-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

FORM ITNS----

- (1) Miss Laxmi V. Ahya,
- (Transferor)
- (2) M. C. Purnakripesh & Mrs. Kalpana Kripesh.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22079/85-86.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the intraovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 8, ground floor, B Bldg., Shri Shakti Apartments Co-op. Hsg. Soc. I.td., Chakala Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the linking of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any knowne arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, ground floor, B Bldg., Shri Shakti Apartments, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Chakala Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22079/85-86 on 28-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

103-506 GI/85

Date: 30-2-86

FORM ITNS

(1) Khan Wahidali Madankhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ilyas A. Gaffar Bhimani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22089/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, Aghadi Nagar, Rajmata Jijabai Road, Pump House, Andheri (E), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-85

11600

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Objections, h' any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gauttte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Aghadi Nagar, Rajmata Jijabai Road, Pump House, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/22089/85-86 on 28-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-2-1986

- (1) M/s. Gouri Studio Private Limited.
- (2) M/s. Quality Engineering Works.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22120/85-86,—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable respective having a fair resolution of the second property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Room No. 302, 3rd floor, Arvind Chambers, 194, Kurla Road, Andheri (E), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Kurla Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II/37EE/22120/85-86 Authority, on 28-6-85.

Office Room No. 302, 3rd floor, Arvind Chambers, 194,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 3-2-1986

and the statement of the second of the secon

(1) Smt. Sharda K. Bhatt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahadeo Vasudeo Joshi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/22123/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Shed No. 15, J. K. Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 29, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-85

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chauter.

THE SCHEDULE

Shed No. 15, J. K. Industrial Premises Co-op. Hgs. Soc. Ltd., 29, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22123/85-86 on 28-6-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Bombay

(b) facilitating the conceelment of any income or any menory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(a)facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer:

Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

(1) Mrs. Vijyaben Vrajlal Ninawala.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s. Girnar Tea.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21675/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 21, ground floor, Kamdar Shopping Centre, Tejpal Road and Monghibhi Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 21, ground floor, Kamdar Shopping Centre, Teipal Road, and Monghibhi Road, Vilo Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent utbority, Bombay under No. AR.II/37EE/21675/85-86 Authority, on 14-6-85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-2-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/21693/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 6, Shree Ganesh Apartment, Vile Parle (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competen: Authority at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is

less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Vaibhav Development Corporation

1908)

(Transferor)

(2) Shri Venaram Mannaji Choudhary.

(Transferce)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Shree Ganesh Apartment, Vile Parle (East) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21693/85-86 on 13-6-1985

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

Seel :

- (1) M/s. Vaibhay Development Corporation.
 - (Transferor)
- (2) Shri Daniel Samuel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 5th Fabruary 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21836/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269% of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 9, Shradhanand Road, TPS. V, Vile Parle (E) Bombay-57,

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the tra

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Shradhanand Road, TPS. V, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21836/85-86 on 17-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-86

FORLI ITNS-

(1) Shri Navinchandra Hargovindas Chowhan & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinaykant Mulchand Gandhi.

(Tranferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21930/85-86.—Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 2, ground floor, Shiv Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 318, Nanda Patkar Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Shiv Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 318, Nanda Patkar Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21930/85-86 on 21-6-1983.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-2-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II, BOMBAY

Bombay, the 30th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE.21969/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 101, Shirin Sohrab Palace, Vile Parle (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 104-506 GI/85

(1) Savani Family Trust.

(Transferor)

(2) Mr. Kirti Pragibhai Budhbhatti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Shirin Sohrab Place, at Plot No. 225 Nariman Road, Vile Parle (E), Bombay-57,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37E.21969/85-86 on 21-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 30-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EF.20973/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 7, Parasrampuria Apartments, Santacruz (West),

Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trace the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

119-496 GI /85

(1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Narshi Dand &

(Transferee)

Mr. Yogesh Narshi Dand

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective sersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Parasrampuria Apartments, TPS VI, Near Milan Cinema, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE.20973/85-86 on 6-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE.20974/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No.

Flat No. 106 & Part 107, Parasrampuria Apartment, Santacruz (West), Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mrs. Delcy J. D'Souca

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapt ?

THE SCHEDULE

Flat No. 106 & Part 107, Plot No. 80-81, TPS VI Near Milan Cinema, Santacruz Road, Lane No. 1, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20974/85-86 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 31-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR. II|37EE. 21073|85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, Parasrampuria Apartments, Santacruz (West) Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay 7-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd.

(Transferor)

2) Shri Gaurishanker Sharma.

(Transferee)

3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Parasrampuria Apartments Plot No. 80-81, Near Milan Cinema Sub-way Road, Lane No. 1, Santacruz (West) Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21073/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR. II|37EE. 21074|85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2009 of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinether referred to as the 'sald Ast'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value encoding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 206 & Part 207, Parasrampurla Apartments, Santacruz (West), Bombay-54.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any imposes arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 22) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1) Parasrampuria Estate Developers P. Ltd.

(Transferor)

2) Shri Shyam Singh.

(Transferee)

3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons

 **Tablever seriod expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 & Part 207, TPS No. 6 Parasrampuria Apartments, Near Milan Cinema, Santacruz (West) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.21074/85-86 on 7-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(1) Mr. Karnilsingh Bhamra Mr. Narindersingh Bhamra,

(Transferor)

(2) Mrs. Kundanben Ramniklal Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE.21189/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 12, Gulmohar Road, Juhu Neelsagar, Vile Parle (W)

Bombay-49.

Office premises situated at Babukhan constructions, Bashir bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vulue of the aforesaid property and I have reason to believe tha tthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons. wnichever period expires later,
- ·(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or a

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Juhu Neelsagar Gulmohar Road, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.21189/85-86 on 13-6-1985.

moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 31-1-1986

FORM TINE

(1) Mrs. Radhabai V. Banatwala Sadgunaben V. Banatwala & Leelamben V. Banatwala

(Transferor)

(2) Mrs. Padmavati C. Shah & Mr. Pratik Rasiklal Shah.

(3) Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE.21226/85-86.-Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No.

Flat No. 601 with two open terrace & Closed garage at Kirti Co. op. Hsg. Society Ltd. Santacruz (West), Bombay-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-6-1985

at Bombay on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as information exceeds the apparent consideration therefor by inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 601 with two open terrace & closed garage on ground floor at Kirti Manor Co. op. Hsg. Society Ltd. Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.21226/85-86 on 13-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-1-1986

(1) M/s. Jay Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Gokaldas Panjwani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE.21729/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11, Ground floor, Plot No. 32, T.P.S. V., Nehru Rd.,

Flat No. 11, Ground floor, Plot No. 32, T.P.S. V., Nehru Rd., Santacruz (E), Bombay-55.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Ground floor, Plot No. 32, T.P.S. V., Nehru Rd., Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/21729/85-86 on 14-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;--

Date: 31-1-1986

Scal :

FORM LTNA-

and the state of t

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21828/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 111, Parasrampuria Apartments, Santacruz (W)

Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property ne aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the sild. A in suspect of any inscens ecising from the trit
- (b) incilitating the concentrate of any income or \$40 moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 105-506 GI/85

- (1) Parasrampuria Estate Development Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Shri Mrugendra B. Mehta Shri Babubhai N. Mehta.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the ecquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Comette or a period of 34 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

REPRESENTATION: -- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111 & Part 113, Parasrampuria Apartments, plot No. 80-81, TPS VI, Sub-way Lane No. 1, Santacruz (W) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.21828/85-86 on 17-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 31-1-1986

FORM TINS-

(1) M/s. Jay Development Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Vasanji Lakhamshi Dedhia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Mr. S. M. Malubhoy,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITNION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/21887/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 311, TPS V. Nehru Road, Santacruz (E) Bombay-55
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 21-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, Final Plot No. 32, TPS V, Nehru Road, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/21887/85-86 on 21-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 31-1-1986

FORM ITN9-

(1) Shri C. N. Malukani.

(Transferor)

(2) Smt. Kamladevi C. Malukani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/21905/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat B-3, 'Sukh Sagar, J. V. P. D. Scheme, Bombay-56,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8-3, 2nd floor of 'Sukh Sagar' at Plot No. 10, Greater Bombay Co-operative Housing Society J. V. P. D. Scheme, Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-II/37EE/21905/85-86 on 21-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-1-1986

Scal ::

(1) Shrl D. S. Aswani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhagwanti D. Aswani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITNION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/21906/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C-3, Sukh Sagar, J.V.P.D. Scheme, JUHU Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-3, IIIrd floor, 'Sukh Sagar', Plot No. 10, Greater Bombay Co. op. Hsg. Society, J.V.P.D. Scheme, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/21906/85-86 on 21-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 31-1-1986

Scal:

PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/21954/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2003 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 3, 'Mon-Ami Apartment' Juhu, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen page cost of such apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Indraprastha Builders (P) Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arun S. Thakar. 2. Smt. Asha S. Thakur.

(Transferee)

(3) Shri Sawaldas Kherajmal Thakur. (Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Bldg. 'B' 'Mon-Anti Apartment' C.S. No. 51, Hissa No. 2, CTS No. 41 and 41/1, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/21954/85-86 on 21-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II Bombay.

Date: 31-1-1986

FORM ITHS.

(1) M/s Indraprastha Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961. (43 OF 1961).

(2) Mr. Shashikant J. Mehta.

(Transferce)

OPPICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMEN-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITNION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/21968/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovtable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4-B Wing, Mon-Ami Apartment, Juhu, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

Authority at Bombay on 21-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be stille in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-B Wing, Mon-Ami Apartment, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/21968/85-86 on 21-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay,

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1986

(1) Shri Prakashchander Shantilal Shah &, Shri Hemantkumar Shantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak Kumar Bhikhbhai Gandhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITNION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22077/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, The Santacruz Aun Co-operative Housing Societies Ltd.. Santacruz (West), Bombay-5-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, The Santacruz Anu Co-operative Housing Societies Ltd. 33. Subway Road, Santacruz (West) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22077/85-86 on 28-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1986

M/s. Hafizi Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amiralli Valli Parasala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20827/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 494, Mohammed Manzil, S. V. Road, Jogeshwari

(West), Bombay-400102.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 494, 4th floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20827/85-86 on 1-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-1-1986

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Farooq Ibrahim Bhati.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20880/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 604, Habib Park, Jogeshwari (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registed under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

Authority at Bombay on 1-6-1985 for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

tb; facilitating the concealment of any income or any sooneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, 'Habib Park', opp. Jogeshwari Railway Station (West), Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20880/85-86 on 1-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
166—506 GI/85

Date : 29-1-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Noble Construction Co.

(2) Shri Mohammed Ishaq Gulam Sarwar.

(Transferos)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20881/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 705, Habih Park, Jogeshari (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transform for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 765, 7th floor of the building knewn as Habib-Park', opp. Jogeshwari Railway Station, (West) Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20881/85-86 on 1-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-H
Bombay.

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 29-1-1986

Scal :

- (1) Noble Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Gulam Sarwar Rasul Khan.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20882/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 704 'Hahib Park' Jogeshwari (West), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sartles has not been truly stated in the said increment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, Habib Park, opp. Railway Station, Jogeshwari (West), Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37HE/20882/85-86 on 1-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Shaikh Abdulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20939/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Bldg No. 3 Oshivara, Jogeshwari Bombay.

400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHOOLS

Flat No. 101, Building No. 3, Village Oshivara Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20939/85-86 en 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 29-1-1986

Scal :

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Rahim Gul Khan, Munawar Sultana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20946/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value acceptance Br. 10 2000/ property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 302, Bldg. No. 22, Oshiwara, behind Behram Baug,
Jogeshwari (West), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 6-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sund Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

WHE SCHOOLS

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 302, Bldg No. 22, S. No. 41, Village Oshivara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20946/85-86 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 29-1-1986

- (1) Horizon Construction Co. Pvt. Ltd.
 - (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mr. Chandrakant Premji Samani &(2) Mrs. Pushpa Chandrakant Samani.

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/21003/85-86,---Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 3, Kohinoor Bldg. Jogeshwari (West) situated as Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferemak exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been trady stated in the said instrument of transfer with the chiest of—

- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been egwhich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ass, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, on Kohineer building, CT3 No. 124, Bendivali Village, Jogeshwari (West), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21003/85-86 eq. 7-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Responding Academic Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Romber

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said met. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

Date : 69-1-1928

feel :

(1) Hacizi Enterprise

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dawood Vazir Malpura & Habib Vazir Malpura.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21167/85-86.--Whereas, L. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4, Mohammed Manzil, Jogeshwari (West), situates at Bombay-400 102

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 10-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remain to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Buigantament :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) incilitating the reduction or evenion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Read, Jegeshwari (West), Bombay-400 102,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/21167/85-86 em 10-6-1984.

PRASANTA RAY Competent Authority greeting Ambient Commissioner of Income-lag Acquisition Range-II. Rombar

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the squisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, massely:—

Date : 29-1-1986 Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22044/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gala No. 32 in Satyam Industrial Estate situated at Bombay-

69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Compe ent Authority at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incultrating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Satyam Builders.

(Transferor)

(2) M/s. V. K. Enterprises.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 32 in Satyam Industrial Estate at Jogeshwari (East), Bombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22044/85-86 on 27-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-1-1986

Scal :

- (1) Shri Siauddin Bukhari.
- (Transferor)
- (2) Shri Hakim Abdul Shakur Siddiquee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22080/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 103, A1-Muzdalifa building No. 14, Jogeshwari

situated at Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat N o. 103, A1-Muzdalifa Bldg. No. 14, Behind Behram Baugh, Oshiwara, Jogeshwari, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22080/85-86 on 28-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

Scal:

107-506 GI/85

(1) M/s. Satyam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

SOUTERNIHENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR II /37FE /22045/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding fis. 1,00,000% and bearing No. Gala No. 41, and floor, Satvam Indl. Estate, Jogeshwari (E),

situated at Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of Said Act in the Office of the Competent Authority a Sombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which save not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) M/s. Sun Shine Export.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 41, Satyam Indl. Estate, 2nd floor, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombiy under No. AR.II/37EE/22045/85-86 cm 27-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1986

Scal :

FORM ITNS----

(1) M/s. Oberoi Builders.

(2) Smt. Pevibal K. Sadarangani.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20948/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 506, 5th floor, Plot No. 45, Oshiwara, Andheri (W),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- car facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons setting a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice of the respective persons this respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the and numerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th floor, Plot No. 45, Oshiwara, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20948/85-86 on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 4-2-1986

Scal:

(1) Mrs. P. S. Pankajam.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudhua S. Menon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20987/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 15, Bldg. No. 4, Central Government Employees Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bungalows, Andheri (W) situated at Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the re-pective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Bldg. No. 4, Seema, Central Government Employees Co.-op. Hsg. Soc. Ltd., Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20987/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I broby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1986

(1) Mrs. Jayashri Anil Dange.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayalakshmi Ramchandran and Shri S. Ramachandran.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Hindustan Construction Co. Ltd.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21001/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market includes that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 12, Gantam Darshan, J. P. Road, Andheri (W),
situated at Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trucky stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Weekh-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, Gautam Darahan, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21001/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1986

Shal :

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jehanara Bashratullah Khan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Rof. No. AR.II /37EE /21080/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 503, Bldg. No. 21, Oshiwara, Andheri (W) situated

at Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 268AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of under with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 503, 5th floor building No. 21, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21080/85-86 on

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date : 29-1-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukharl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Wajid Saleem Shaikh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21081/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, Bldg. No. 21, Oshiwara, Andheri (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair surket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, Il any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor of building No. 21, Oshiware, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21081/85-86 on 7-6-1985.

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the inability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 29-1-1986

Scal:

NORM ITNS

(1) Mr. Zimuddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Kalam Hafiz Abdul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21086/85-86,---Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 104, 1st floor, S. No. 41, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whithever period expires leser;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor building No. 21, forming part of S. No. 41 of village Oshivara, Andheri (Wost), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21086/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 29-1-1986

(1) Mr. Nandlal Sobhasingh Lulla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kalicharan D. Makhijani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21012/85-86.--Whereas. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at village Oshiwara, S. No. 41, Plot No. B-50, CS No. 664, Andheri (West) Bombay (and more fully described in the schedule approach hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing in reduction or evenion of of the transferor to may tax under the of any income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any income or recomment of any income or any income or any recomes or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Oshiwara, S. No. 41 Plot No. B-50, C.S. No. 664, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21012/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—

108—506 GI/85

Dated: 4-2-1986

(1) Mr. Baldev Sobhasingh Lulla,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pramila D. Makhinaji.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21013/85-86.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Village Oshiwara, bearing S. No. 41, Plot No. 8—50,

CS No. 664, Andheri (West) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: Nad/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Oshiwara, bearing S. No. 41 Plot No. B-50, C.S. No. 664, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21013/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dated: 4-2-1986

Scal:

(1) Mr. Sundersingh Sobhasingh Lulla,

(Transferor)

(2) Mrs. Malini K. Makhijani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21014/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land at village Oshiwara, S. No. 41, Plot No. B-50, CS No. 664, Andheri (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, oord∕or

(b) factutating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Village Oshiwara, S. No. 41 Plot No. B-50, C.S. No. 664, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21014/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-2-1986

Scal :

FORM TINE

(1) Mr. Prakash Sobhasingh Lulla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nagindas T. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21015/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Land at village Oshiwara bearing S. No. 41, Plot No. B-50 CS

No. 664, Andheri (West) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformula property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tensile with the object of tensile.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immusable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Village Oshiwara, S. No. 41 Plot No. B-50, C.S. No. 664, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21015/85-86 on 7-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-2-1986

FORM FINE

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) Vivi Orgochem Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21067/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2658 of the Izrome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immer-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Unit No. R.H.14, Laxmi Industrial Estate, Andheri

(West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persens, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. R.H. 14, Industrial Phase No. 32, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21067/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π Bombay.

Dated: 4-2-1986

FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21094/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, Gautam Darshan, 7 bungalows, Andheri West, Rombays 58

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent

at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property ra aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been (ruly stated in the said instrument of transfer with the object of t--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. D. Gasgupta.

(Transeferor)

(2) Mr. Jose Cherian.

(Transferce)

(Person in occupation of the property).

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Gautam Darsan, Opp. Avinash, J. R. Road,

7 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21094/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 4-2-1986

(1) Mrs. Sabiha Fakih and Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh M. Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21126/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 201, Ben-Hur C, Off. Jai Prakash Road, Char Bungslow, Andheri (West). Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) er the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons v hichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are difine! in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Ben-Hur C, Off. Jai Prakash Road, Char Bungalow, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR./37EE/21126/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1986 Seal:

FORM ITNS -----

(1) Mrs. Gretta Rasheed and Others.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Gulshan Ahuja and Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.11/37EE/21187/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 18, 1st floor, Bldg. No. 51, B wing, Sea Glimpse Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, Andheri West, Bombay-58.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 18, 1st floor, Bldg. No. 51, B wing, Sea Glimpse Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Manish Nagar, 4 Bungalows, J P. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21187/85-86 on 13-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 262C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1986

TT

FORM ITNS-

(1) M/s. Commercial Paper Industrial Pvt. Ltd. (Transeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nutan Construction Company.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21025/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovate parket value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. L & C Phase No. 25. Laxmi Industrial Estate, Andheri West, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any im me arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment or any noome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. L &C Phase No. 25, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21205/85-86 on 13-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 109--506 GT/85

Date: 4-2-1986

(1) Shri Suresh B. Khatri,

(Transeferor)

(Transferce)

(2) Mr. Dilip Bfl Rohira and Others.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II /37EE/21703/85-86,---Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

A-29, Atlantic Apartments, Apria Ghat Unit 3, Oshiwara village. Four Bungalows, Andheri, Bombay-58, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or ony moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the hadian facome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the ad Act, we show Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-29, Atlantic Apartments. Apna Ghat Unit 3, Dshiwara village, Four Gungalows, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Hombay under No. AR.II/37EE/21703/85-86 on 1-i-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the gald Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Oberoi Construction Co.

(Transeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Atma Rama K. Sadarangani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21755/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 26, Oshiwara, Four Bungalows, Andheri West,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 26, Oshiwara, Four Bungalows, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21755/85-86 on 14-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa a property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following -mous, passely :-

Date: 4-2-1986

(1) Miss Pammi Bakshi.

(Transeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pradeep Thampi....

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21776/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 308, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri

West, Bombay-51

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21776/85-86 on 14-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Mr. Dilip Ram Telang. (Transeferor)

(2) Mr. Vijay Probhakar Bhand

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EEx21777/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9. 2nd floor, Gautam View, 7 Bungalows, J. P. Roard, Andheri West, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: endler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (22 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No .9. 2nd floor, Gautam View, 7 Bungalows, J. P. Road, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21777/85-86 on 14-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1986

n ng J

FORM ITNS-

(1) Smt. Nazlin Anwar Merchant and Others. (Transeferor)

(2) Mr. Badruddin Husein Khakoo and Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21795/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, Jubilce Darshan Bldg., Near Agakhan Baug.

Versova, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), had been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHMDULE

Flat No. 41, Jubilee Darshan Bldg., Near Agakhan Baug, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37ΕΕ/21795/85-86 on 17-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. Samant & Co.

(Transferor)

(2) Jaiwant Narhari Banavalikar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21830/84-85.—Whereas, I, PRASANTHA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 8, 'B' Building, S. No. 69, Amboli Ceasor Rd. Andheri (West). Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Holabay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be receive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particular and that the consideration are not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 is the Official Gasette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, Building No. B, S. No. 69, CTS No. 71814, Hissa No. 7 and 9, Village Amboli Ceasor Rd. Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21830/85-86 on 17-6-85.

PRASANTHA RAY
Competent Authoriy
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

Seal a

(1) M/s. Vaibhav Builders.

(Transferor)

(2) Shri Thagal Mohmed Haji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21837/84-85.--Whereas, I, PRASANTHA RÁY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A-401, Guru Kripa Apartment, Andheri (West). Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-401, 4th floor, Guru Kripa Apartment, S. No. 19. H. No. I, CTS 80-81, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21837/85-86 on 17-6-85.

> PRASANTHA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-1-1986

(1) Sudhir B. Rangdhal.

(Transferor)

(2) Mrs. Premavati Vyankatesh Sangadkar & Mrs. Rekha Umakant Sangadkar,

(Transferee)

NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

AR.II/37EE/21845/85-86.—Whereas, I, BRASANTHA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Art Gallery No. 11, Jiten Co. op. Hsg. Society Ltd., An-

dheri (West), Bombay-58.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oughtt o be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period eff. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immost able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Art Gallery No. 11, Jiten Co. op. Housing Society Ltd., 95/A, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21845/85-86 on 18-6-85.

> PRASANTHA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--110---506 GI/85

Date: 4-2-1986

FORM ITNS.

(1) The Modern Mercantile Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) On THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Trishna Hansraj Bahl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDLA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21851/85-86.—Whereas, I, PRASANTHA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income and Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the faid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3. Versova Chetna Premises Co. op. Society Ltd. Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 18-6-1985

Bombey on 18-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of: instrument of transfer with the obect of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in senect of any income arising from the transfer; and/or 7.675

THE SCHEDULB

Flat No. 3, Versova Chetna Premises Co. op. Society Ltd. 142-143 J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21851/85-86 on 18-6-85.

(b) facilitating the concealment of any income oor any miners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

PRASANTHA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1986

(1) Mr. Aspi Jai Patel.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mansuri Usman Gani Noormohd. Mr. Mansuri Abdul Lateef Noormohd.

may be made in writing to the understance :

whichever period expires later,

Objections, if any to the acquisition of the said man it.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Compter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR. II / 37EE / 21852 / 85-86. - Whereas, I. PRASANTHA RAY,

PRASANTHA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 118, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co. op. Hsg. Society Ltd., Andheri (West), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

in that Charter

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 494/01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 118, 2nd floor, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-operative Housing Society Ltd., Yarl Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21852/85-86 on

18-6-85.

PRASANTHA RAY ompetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely :-

Date: 4-2-1986

- (1) Bhuta Investments.
- (Transferor)
- (2) Shri Vinod Bhimji Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21872/85-86.—Whereas, I, PRASANTHA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 27, Milan Dharat Co. op. Hsg. Society Ltd. Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sives that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the (lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 27, Milan Dharat Co.op. Housing Society Ltd. Azad Street, Ghodbandar Road, Andheri (West) , Bombay-

The agreement has been registered by The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21872/85-86 on 18-6-85.

> PRASANTHA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-2-1986

. The same a second control of the same of

FORM ITNS

(1) Mr. Ziaudin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hafiz Noor Mohamed Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21932/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304. Oshiwara Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor of Bldg. No. 22, S. No. 41 Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21932/85-86 on 21-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

(1) Mr. Ziaudin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Yazmin Mohd. Hasan Khalfan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21933/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 502, Bldg. No. 22, Oshiwara, Andherl (West).

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1985

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfeoror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Building No. 22, S. No. 41 of Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21933/85-86 on 21-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

- waarana ah yo<u>o uu waada haada waa ahaana ahaana</u>

(1) Shri P. M. Thomas.

(Transferor)

(2) Shri Gulamabhas R. Badami.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21971/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Versova Nirakar Co. op. Hsg. Society Ltd. Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 301, Versova Nirakar Co. operative Housing Society Ltd., Plot No. 9m CTS No. 1309/9, J. P. Road, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21971/85-86 on 24-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1986

(1) Mr. Ziaudin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Syed Shahabuddin Syed Usman.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22053/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 303, Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 2nd floor, S. No. 41 of village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EB/22053/85-86 on 27-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 29-1-1986

(1) Akbar Taherbhai Dholkawala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinayak Chintamani Norvekar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II. 37EE/22116 85-86.- Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000fff- and bearing Shop No. 2, Jubilee Manor, Versova, Andheri (Bombay-58.

Versova, Andheri (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of oublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a defined in Chapter XXA of the said Act, si, if here the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor of the building Jubilee Manor. Versova, Devkiwadi, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/22116/85-86 on 28-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserve by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

111-506 GI/85

Date: 4-2-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushila N. Chandan & Mr. Jagdish N. Chandan,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20861/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1404, Sterling Tower Plot No. 36 (Off. Jay Prakash Rd. Near 4 Bungalows, Andheii (W), Bombay-58.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of events of the limitating of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any anonous or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in purmance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1404, 14th floor, Sterling Tower, Plot No. 36 (Oli) Jay Prakash Rd. Near 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/20861/85-86, on 1-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-2-1986

(1) Kethsia Johnas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K Lalitha J. Wartika.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

. ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II 37EE/20909/85-86.--Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000]and bearing No.

Flat No. 101, 1st floor, Brooklyn Lollhandwala Complex, Andheri, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; 4 Dal Corp
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Brooklyn Lokhandwala Complex, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE/20909/85-86 on 4-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1936

(1) Shasi O. Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shammi O. Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II · 371 · F · 20911/85-86.—Whereas. I, PRASENTA RAY,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 51, 5th floor, Versova Sea-Side Premises Co. op. Hsg. Sig., L. J. P. Road, And's ri (W). Be abay 66. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is egistered under section 209AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and ' have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Versova Sea Side Premises Co. op. Hsg. Soc. L. J. P. Road, Andheri (W), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EF-20911/85-86 on 4-6-85.

PRASANTA RAY
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-2-1986

(1) M.s. FariJabai H. Lakhani.

(2) M. Bharat Kumar Taporia.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITE N KANGE-H, BOMBAY

Bombay, the Hit February 1986

Ref. No. ARAH STEE/2002 Mat-36 -- Windras, I, PRASANTA RAY.

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable cope in having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/tin. b.aring

Fact No. 702, 7th floor, Sca Breeze, J. P. Road, Versova, Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has by a transferred and it agreement is registered under section 2.9AB of the Said Act in the office of the Competer At dority at Bettery on 4-6-1985

for an apprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in willing to the undersigned:—

normation control. We said to the set of the graph and the graph and the set of the set

- (a) by any of the aforesaid perion witten a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 10 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offiical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- t. Inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) deciding the concealment of any income or any which ought to concealment of any income or any which ought to concern the notice of the income or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 792, 7th Hoor, Sca Breeze, J. P. Road, Versova, Bombay-51.

The agreement has then registered by the Competent Authority, 1 ombay under No. AR.H/37FF 20924'85-86 on 4-6-85.

PRASANTA RAY
Competer t Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the usua of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

Data : 4-2 1986

(1) Mr. Hassanali Pajabali Lakhani,

(Transferor)

(2) Shri Bharat Kumar Taparia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. 1871). – T. Storman Storman (Albaman Storman Storman Storman Storman Storman Storman Storman Storman Storman

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Hombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.1f/37EE/20925/85-86.—-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the samovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 701, 7th floor, J. P. Road, Sea Breeze, Versova, Bombay-61.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- so) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Sea Breeze, J. P. Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20925/85-86 on 4-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Act, I herefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-2-1986

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Navindehandar K. Arora.

(Transferor)

(2) Miss. Nina Tahilramani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1985

Ref. No. AR.11/37EE/20949/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Shop No. 7, ground floor. A Bldg., Pink Apartment, 7 Bungalows Garden, Versova Road, Bombay-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market viaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ax eeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- is) facilitating the reduction or evasion or the Habitity of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, A Bldg., Pink Apartment, 7 Bungalows, Garden, Versova, Road Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/20949/85-86 on 6-4-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 4-2-1986

Scal;

FORM 1.T.N.S.----

(1) Shri G. K. Ghanbai.

(Transferor)

(2) Mrs. Theresa B. Tellis & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF ENCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE 20950 /85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing Flat No. 17 A, Jeet Nagar, Jai Prakash Road, Versova.

Bombay-61.

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-85

for an appoint admidstration which is less than the fair market value of the aforeself property and I beve reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free, the transfer; Pandilor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 17A, Jeet Nagar, Jai Prakash Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II 37EE/20950/85-86 on 6-6-85

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-2-1986

(1) L. L. Sakhrani,

(Tarnsferor)

(2) G. M. Kataria.

(Transferee)

NO TCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. ? o. AR. II/37EE/20957/85-86.—Whereas, I, PRASA? TA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the

income-t x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's id Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Rs. 1.00 000/- and bearing No. D-37. H amani Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 46 Dadabhai X Road No. 2 Andheri (W), Bombay-58. (and mo e fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2 9AB of the Said Act in the office of the Competent Ant ority at tent Aut ority at

Bombay n 6-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) acilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers Rad/or
- (b) acilitating the concealment of any income or with moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the indian income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

D-37, Hiramani Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 46 Dadabhai X Road, No. 2, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.11'37EE/20957/85 86 on 6-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, recrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :~

112-506 Gt/85

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

(1) Joseph Paul Gonsalves.

(Tainsferor)

(2) Tripat Paul Aggarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SPRICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION LANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/21070/85-86.—Whereas, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the In the sme-tax Act 1.61 (43 (1.1961) the complete referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 301, 3rd fleer, Amer Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 7
Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-61.
(and more fully described in the Schrüde aggex d hiroto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-85.

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforeand exceeds the arparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of:-

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in someon of any income arising from the transfer and /or

are facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned : -

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION := The terms and expressions used therein as are defined in a hapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Amar Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 7 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21070/85-86 on 7-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesind property by the issue of this notice under submettion (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersous, namely :---

Date: 4-2-1986

Fig. 17. March 2. Assessment and the money of the second of the first of the second of

FORM ITNS ---

(1) Mr. Jai Krishnan Silwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harish Nathirmal Pariani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/21232/85-86,---Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 302, 3rd floor, Atlantic, Apna Ghar Co. op. Hsg.
Soc. Ltd., 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the merties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said thingoverble property, within 45 days from the date of the publications of this notice in tha Official Gazette.

Explanation (=-The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Art, that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eard Act. in respect of any mesme aroung from the transfer, 4101/04

Flat No. 302, 3rd floor, Bldg. A-29, 'Atlantic', Apna Ghar Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Unit No. 3, Near Lokhandwal Complex, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/21232 on 13-6-85,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act 1957, (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1986

FORM TINS

(1) Mrs. Daulatbai Hasambhai K. Merchant.

(2) Agbani Mohamed Shakeel Moosa & Ors.

(Tr. nsferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ONTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/21711/85-86,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (beremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, 1st floor, Bldg. No. 39, Guru Nagar, Four Bungalows, Versova Road, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 14-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair murker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a reriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ir movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Bldg. No. 39, Guru Nagar, Four Bungalows, Versova Road, Andheri (W), Bombay- 8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/21711/35-86 on 14-6-85.

PRASAN' A RAY
Competent uthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-2-1986

FORM ITNS-- -

المستقلا<u>م المستقل المستق</u>

(1) Nirmal Construction Co.

(Tarnsferor)

(2) Anil Kumar Premnathkumar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR. M/37EE/21757/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RA \mathcal{C}_i

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act [361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') I we reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- a d bearing Shop No. 14, N mala Apartments, Andheri (West), Republic Sec.

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and the agreement is registered under section 69AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fau parket value of he aforesaid property and I have reason to believe that the air market value of the property as afopesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not freen truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the teansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the pure sees of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 14, Nirmala Apartments wit Corner of Ceaser Road & J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/21757/85-86 on 14-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceible (* Section 2691) of the said Act, to the following persons namely : --

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

(1) Smt. Zumarbai Mishrimal Choradia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Mahavir Swami Swetambar Jain. Murtipujak Darasar Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21833/85-86.--Whereas, I. PRASANTA KAY,

being the Co petent Authority under Section 260B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the send Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. H-3, Paras Nagar Co-op. Housing Society Ltd.,

Bombay-60,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Eembay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa dexceeds the apparent consideration therefor by more than litteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :--

- is isoldeting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Amilyo.
- (5) facilitizing this concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or winch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to Act, 1957 (27 of 1957);

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the land Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. II-3. Paras Nagar Co-op. Housing Society Ltd. Majas Road, Jogeshwari (East), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority.

Rombay under No. A. W. (2009) (2009) (2009) Bombay under No. AR.-II/37EE/21833/85-86, on rity, Bom 17/6/1985.

> PRABANT RAY. Compount Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-2-1986

FORM ITNS----

(1), Ratanlal M. Tijoriwala & Amrish R. Tijoriwala.

(Transferor)

(2) Dr. Suresh R. Mandhyan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21841/85-86.—Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 46, Shanta Smruti Co-op. Hsg. Society, P. 2, Rldhi Sidhi Nagar, Veera Desai Read, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.-II/37EE/21841/85-86 on 17-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

to the extraction recognition

11678

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.-U/37EE/21846/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 4/402, 4th fleor, Bldg. No. 2, 3, 4 Manish Nagar,

Andher! (West). Bembay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 18 6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; azd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Shweta Anil Mahta

(Transferor)

(2) Mrs. Ishwari J. Bahrani,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this ntice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of ntice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/402 on 4th floor, in Bldg. No. 2/3/4 Manish Nagar, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE 21846/85-86 on 18-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II, Bombay

Date : 4-7-1986

(1) M/s. Five Star Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Sonex Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21908/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 4 Andheri Industrial Estate Andheri (West)

Unit No. 4, Andheri Industrial Estate, Andheri (West), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 24 gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 4, ground floor of Andheri Industrial Estate at Vira Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/21908/85-86 on 21-6-1986.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--113-506 GI/85

Date: 4-2-1986

FORM ITNS----

(1) Prakash Shankarlal Sutaria,

(3) Tenants.

(Transferor)

(2) Sunrays Investors & Developers.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.-11/37EE/21955/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 605, Ambivali Village, Seaser Road, Andheri Bombay-68,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269A3 of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformand exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) tacintaring the concemiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 605, Ambivali Village, Seaser Road, Andheri (West), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/21955/85-86 on

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I believe initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Date: 5-2-1986

FORM ITNS....

(1) Smt. Charanjit Singh & Narinder Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kultar Singh Suri and Mrs. Kawl Kaur Suri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.-II/37EE/22055/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. B/56, Eversweet Apartments Co-operative Housing

Society Ltd., Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration interior by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparsy may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B/56 Everswect Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 142/4, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bon 27-6-1985. Bombay under No. AR,-11/37EE/22055/85-86 on

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following t-steems, namely :-

Date: 4-2-1986

(1) Mrs. Roma R. Vohra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sadhana Singh and Mr. Mohan Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22082/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 4th floor, Anukool Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floro, Anukool, 7 Bungalow, Verseys Road, Andher (Wes), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22082/85-86 ap 28-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bender

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1986

- (1) Mrs. Lakhmidevi S. Mehta.
- (Transferor) (2) Mrs. Curbachan Kaur, Jatinder Singh Chaidha. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 4th February 1986

Ref No. AR.11/37EE/22094/85-86.--Whereas, L. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Daswani Co-operative Housing Society Ltd.,

Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fam believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 🗪 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 'A' Bldg., 1st floor, Deswani Apartments. Deswani Co-operative Housing Society Ltd., 4 Bungalow Road. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22094/85-86 on 28-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembay

Now, therefore, in persuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1986 ₽aa):

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20984/21811/85-86.—Whereas, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
CTS No 424, Vile Parle, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and∕or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195; (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sarojbala Kanailal Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Ferro build.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with structure at Vile Parle, CTS No. 424, Rembay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/21811/20984 85-86, on 6-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority meeting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-2-1980

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mahendra A. Shah, Paresh M. Shah, Dinesh M. Shah.

(Transferor)

(2) Manoj Pragji Thakker, Mrs. Nina M. Thakker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

ef. No. AR.II/37EE/21714/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, Mangesh Darshan, Santacruz (West), Bombay-58

Flat No. 32, Mangesh Darshan, Santacruz (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor of Bldg. known as Mangesh Darshan at Plot No. 69, Phirozshah St., Santacruz (West), Bombay-38.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/21714/85-86, on 13-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1986

(1) M/s. Lok & Kadri Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. L. Ratnakar & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.-II/37EE/22058/85-86.—Whereas, L PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Page 1,00,000 (1) and begins

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Commercial premises. B wing, LK Arcade Bldg.,

Andheri, (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 69°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial premises, consisting of Basement and Ground Floor, B wing, LK, Arcade Bidg., Chimatpara Road, off. Andheri Kurla Road, Marol Naka, Andheri (E), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/22058/85-86, on 26-6-85.

FRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 6-6-1986

Scal

- (1) M/s. Lok and Kadri Associates.
- (Transferor)
- (2) Mr. S. L. Ratnakar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22059/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Residential premises 43 Rooms, LK Arcade Bldg., Marol

Naka, Andheri (E), Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought 10 be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Marol Naka, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay-59.
43 Rooms, 4th floor, LK Arcade Bldg., Chimatpada Road,
The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22059/85-86, on rity, Bombay 26-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

114-506 GI/85

Dated: 6-6-1986

FORM HARMAN ...

(1) M/s. Ambit Corpo ration.

(Transferor)

(2) M/s Ruchi Trust, Surbhi Trust, Gaurav Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR. U / 37EE / 20853 / 85-86. — Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. 1, Somarset-B Pali Hill, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Rombay on 1-6-1985

at Hombay on 1-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiefe of the said instrument of rransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

,b) facilitating the concealment of any moome or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date in the Official Gazette o r a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interest ed in the said immovable property within 45 dams. from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

sions used hetein as XA of the raid Act. FXPIANATION:—The terms and express are defined in Chapter X shall have the same m caning as given as that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor in building Somareset-B, at Pali Hill,

Hart No. 1, and note in bottom of the Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37EE/20853/85-86, on 1-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authorsts Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the sald Act, I hereby initiate processings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subfifteen per cent of such apparent consideration and that the persons, namely:—

Date: 6-2-1986

(1) M/s Patson Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Surendrapalsingh Harnamsingh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20935/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A alongwith terrace Bldg. No. A, of Gagangiri Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Carter Road, Khar-Danda, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. A alongwith adjecent Terrace on 2nd floor, Building-A of Gagangiri Premises Co-op. Society Ltd., Carter Road, Khar, Danda, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20935/85-86, on 4-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

(1) M/s Sanjay Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. D. S. Mishra and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th February 1986

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR, II / 37EE / 20944 / 85-86. -- Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hossinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent

Shop No. 3, ground floor, Anil Apartment, College Gally,

at Bombay on 6-6-1985

Dadar, Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pur tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; end/or
 - THE SCHEDULE

(9) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or write ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 3, ground floor, Anil Apartment, College Gully,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20944/85-86, on 6-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeanid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-2-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. Atjan Chetauram Dudani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Kirit Rayal & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20952/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

D1-83/835, M.I.G. Co-op. Hsg. Soc., Gandhi Nagar, Bandra East, Bombay-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any to the acquisition of the said property $n_{adv} = n_{add} + m_{adv}$ writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

D1-83/835, I.I.G. Co-op. Hsg. Soc., Gandhi Nagar, Bandra East, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20952/85-86, on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.-

- (1) Mr. M. Madhavan Nambiar.
- Mr. Kalikandi C. Vaisaraj.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/20964/85-86.—Whereas, I, $PRASANTA\ RAY$

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

11692

Rs. 1,00,000/- and bearing
Hat No. 366, Middle Income group III Co-operative Housing
Society Ltd., Gandhi Nagar, Bandra East, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or everies of the Mability of the transferor to say tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A(t shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 366, in building No. B/39 of the Middle Income Group III Co-op. Housing Society Ltd., Gandhi Nagar, Bandra East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competerat Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20964/85-86, on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

FORM 1TNS—

(1) M/s M. H. Builders.

(Transferor.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri John William Almeeda.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th Vebruary 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20980/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing

Shop No. 3, Fardor Apartment, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1985 at Hombay on 6-6-1965 for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **upd/**/#

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Fardor Apartment, Khar, Danda, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AL.II/37EE/20980/85-86, on. 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date: 6-2-1986

(1) Shri K. R. Bhagat,

(Transferor)

(2) Mrs. Anjali R. Koregaonkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21007/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding By 1 lates and begins No.

exceeding Rs. 1 Iath and bearing No. Block No. 40, 1st floor, M.I.G. III Co-op. Hsg. Soc. Ltd., MIG Colony, Gandhi Nagar, Bandra (E), Bombay-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION —The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 40, 1st floor, M.I.G. III Co-op. Hsg. Soc., MIG Colony, Gandhi Nagar, Bandra East, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eomboy under No. AR.II/37EE/21007/85-86, on 7-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O' THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

. CQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21075/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propert having a fair market value exceeding R. 1 lakh and bearing No. Flat No. 8. Manish Sea Croft Serly Mala Road, Bandra,

Bombay-50

(and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269. B of the Said Act in the office of the Competent

at Bombay (n. 7-6-1985)

tor an applicant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) fac litating the concealment of any income or my levs or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-115--506 GI /85

(1) Mr. Yakubali Bharucha, Mr. Ahmedali Bharucha and Mrs. Fatima Ali Bharucha.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhagwanti Gulabrai Mehrotri and Mr. Indru Gulabrai Mahrotri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 84, 'Manish Sea Croft' Sherly Ma'a Road, Bandra West, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21075/85-86, on 7-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1986

cal:

FORM ITNS----

(1) M/s Chhaya Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahendrakumar Ghisulal Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21087/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Shop No. 1/A, ground floor, Park Apartments, Cadell Road.

Mahim, Bombay

tand more milts described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the afor said property and I have reason to believe the the fair market value of the property as aforemated except the apparent consideration therefor have more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets high have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Decome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and to expressions used herein as are defined in hopter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1/A, ground floor, Park Apartments, Cadell Road, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21087/85-86, on 7-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-2-1986

eau e ee armen is tall a laamenne

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. logender Stagh Walia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Aboobacker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21107/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property having a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing No.

Flat No. 11, Palace Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Pali Mala Road,

Bandra, Bonibay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Pali Palace Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Pali Mala Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under No. AR.II/37EE/21107/85-86 on 7-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1986

(1) M/s Delite Enterprises.

([ransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abubaker Haji Qasim and Mr. Mohamed Umar Kasim.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21684/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Flat No. 302, Shala Rock CTS No. C-41, Somnath Lane,

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competen Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec ve persons, whichever period expiles later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Shala Rock, Plot bearing CTS No. Somnath Lane, Bandya, Off Hill Road, Bombay- 00 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/2168, /85-86, on 14-6-1985.

PRASANTA RAY Competert Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1986

FORM TINS-

(1) K. N. Balasubramuniyan.

(Transferor)

(2) Shaligram Tukaram Patil.

(Transferee)

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21736/85-86,—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market view exceeding

b-34/320, FIG Co-op. Hag. Sec. Ground II Ltd., Bandra East, Bomba; -51.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trackferred and the agreement is registered under Section 269A3 of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising, from the transfer; and of
- b) facilitating the concealment of any income or any mon ye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-34/320, MIG Co-op. Hsg. Sec. Ground II Ltd., Bandra East, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21736/85-86, on 14-6-1985.

PRASANTA RAY
Con perent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1986 Seal: FORM ITNS----

(1) Dr. Rajesh P. Khanna.

(Transferor) (Trausferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bakhru and Company Pvt, Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21750/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tice Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Shop No. 3. Crown Pelace Premises Co.op. Soc. Ltd.,

23rd Roal Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Crown Palace Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 57-B, CTS 834, 23rd Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21750/85-86 on 14-6-1985.

> ΡΚΛΙΝΤΑ RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-II, Bombay

Date: 6-2-1986

(1) F. X. Fernandes.

(3) Transferec.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Vasanali Hossam Isani, Mrs. Mumtaz Anverali Premani.

___,___

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21921/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Flat No. A-2. Sea Breez. Bandra (West), Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Anthority at

Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA or the law.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2, 1st floor Sea Breez, St. John. Baptist Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/21921/85-86, on

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bembay

Date : 6-2-1986

Sypi :

FORM IINS ---

(1) Mrs. Chandrawati Subedar Singh,

(Transferor)

(2) M/s. Vijay Raj & Associates,

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21924/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

nemg the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Flat No. 72. 1st floor, Bldg. No. 2 Turner Road, Eundra, Ecmbay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been conserved and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 21-6-1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeshid property and I have reason to action that the fair market value of the property as aforesaid exerce's die apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liabury of the transfered to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- to racibitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (34 of 1922) or the scid. Act. or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72, 1st floor Bldg. No. 2, Turner Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bembay under No. AR.II/37EE/21924/85-86, on 21-6-1986.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed has for acquisition of the atore-aid property by the issue of his notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following mons, namely:-

Date: 6-2-1986

FORM MAS

(1) Mr. Maruti Gopal Pawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sushil Kumar Sinha and Mrs. Sapna Sushil Kumar Sinha,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF PICOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22057/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 25. Indraprasad Co-op. Housing Society Ltd., Bandra (Fast), Bombay-51,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilisating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 4th floor Indraprasad Co.op. Housing Society Ltd., Aliyawar Jang Marg, Bandra (E) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22057/85-86, on 27-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
116—506 GI/85

Date: 6-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22104/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

penagan 1 a RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 26, Nutan Nagar Premises Co-op. Society Ltd., Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule approved hereto).

fandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: id //et
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Nilu Rashmi Mehta and Rashmi Liladhar Mehta.

(Transferor)

(2) Rohitkumar Pragji Thakker ankd Nalinkumar Pragji Thakker.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, D-Building, 1st floor, Nutan Nagar Premises Co-op. Society Ltd., Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/22104/85-86, on 28-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-2-1986

(1) Smt. Lily Swami.

(Transferor)

(2) Mr. Daljit Singh Chadha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/20947/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, Grand Caryon Bldg., 87 Pali Hill, Bandra, Bombay-50, exceeding

(and more rully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exact. instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir 'hat Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traand/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 204, 2nd floor, Grand Caryon, 87 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20947/85-86, on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

PORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Rajesh G. Talreja and Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Bhachu Dana Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20967/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plat No. 101, 1st floor, Rizvi Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Waterfield Road, Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-tics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (x) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Rizvi Mhala Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 06, T.P.S. IV, Waterfiled Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/20967/85-86, on 6-6-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the this notice under subsection (1) of Section 269 and the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 5-2-1986

(1) M/s Kaveri Corporation.

(Transferor)

(2) Dona Thakur Trust Madhusudan Thakur Trust and Lakshmi Thakur Trust.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II вомвлу

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II, 37FF/21060/85-86,-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Office No. 42, 'The Regency' National Library Road, Eandra (W), Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 7-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera on for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any ranness or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No. 42, 4th floor, 'The Regency', CTS Nos. F/1357, 1358 and 1359 at National Library Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21060/85-86, on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-1-1986

FORM LT.N.S .-

(1) M/s Kirti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Prabha Ramchandra Malya Dr. Ramchandra Malya,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21670/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the mediae Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 101, 'Nectar III' Sherli Rajan Village,

Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

(3) Nector Co.operative Housing Society Ltd. (Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 101, 'Nectar III' CTS No. 1437, Sherli Rajan Village, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21670/85-86, on 14-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-1-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Kaveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Cuffe Castle Trading Company.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EF/21780/85-86.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Office No. 21, 2nd floor, The Regency, National

Library Road, Bandra (W), Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslik-192 Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the da's of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable gregority, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 21, 2nd floor, 'The Regency' National Library Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21780/85-86, on 14-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 31-1-1986

FORM ITNS----

(1) M/s Kaveri Corporation.

(Transferor)

(2) M/s Cuffe Castle Trading Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21781/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 22, 'The Regency' National Library Road,

Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AR of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said instrovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 22, 2nd floor, "The Regency' at National Library Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21781/85-86, on 14-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-1-1986

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21920/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the able property, having a fair market value exceeds

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 303, 'Nectar I' Sherli Rajan Road, Bandra,

Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

(a) Inclining the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay fee under the said Act, in respect of any lesome arising from the transfer;

(b) fac litating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mild Act, to the following persons, namely :--117-506 GI/85

(1) M/s Kirti Enterprises,

(Transferor)

(2) Mrs. Meena Madhu Tejwani,

(Transferee)

(3) Nectar Co.op. Housing Society Ltd. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in the building called 'Nectar I' situated at Plot bearing CTS No. 1437, Sherli Rajan Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21920/85-86 on 24-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-1-1986

(1) Smt. Gaueshibai Chuharmal Kukreja.

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri RajKumar Kodumal Shewani,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21935.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, Marble Arch. Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 94, Pali Hill, Bandra, Bombay. 50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Marble Arch, Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 94, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21935/85-86 on 21-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 5-2-1986

FORM ITNE

(1) M/s Sheetal Associates Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Gammon India Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI **BOMBAY**

Bombay, the 31st January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21940/85-86,--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the fermovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flats No. 19 to 30, S. No. 136, H. No. 3 and CTS No. 611,

Bandra, Bombay.

and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the assistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flats No. 19 to 30 on 3rd & 4th floor at Bandra bearing S.No. 136 Hissa No. 3 & 4 CTS No. 611 of Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21940/85-86 on 21-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, minnely:-

Dated: 31-1-1986

FORM LINS.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.11/37EE/21990/85-86,---Whereas, I. PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometex Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 602, Nectar I, Sherli Rajan Village, Bandra, Bandra, 1985.

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26 IC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the act uisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (a) of Section 269D of the said Act, to the following persons, the said act to the following persons. (1) M/s Kirti Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Mridula Gupta.

(Transferee)

(3) Nector Co.-operative Housing Society.
(Person Whom the undersigned knows to be interestd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the esspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 in the Bldg, 'Nectar I, at Plot bearing C.T. S.No. 1437, Sherli Rajan Village, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR.II/37EE/21990/85-86 on 24-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Dated : 5-2-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Gurudeo Nityanand Co.op, Hsg. Soc. Ltd., (Transferor)

(2) Mr. Vikas Y. Rane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21850/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. J.00,000/- and bearing S.Nos. 1185, 1165, F.P. No., 922, T.P.S. Bombay City No. IV. Making Bombay.

IV, Mahim, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.Nos. 1185, 1165, F.P. No. 922, T.P.S. City No. IV. Mahim, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21850/15-86 on 18-6-1985.

> PRASANIA RAY Competent ...uthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition tange-II. Bombay,

Dated: 5-2-1936

FURM ITNE

(1) Ratanial Bhagwan Ingole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Birdwin Augustine Clutton.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21974/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1/20, Sagar (HIG) Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Fishermen

Colony, Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1/20, Sagar (HIG) Co.op.Hsg.Soc.Ltd., Fishermen Colony, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21974/85-86 on 24--6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 5-2-1986

FORM ITNS-

(1) Mrs. Amrit Kaur S. Mokha.

(Transferor)

(2) Smt. Ncelam (Alias Bharti) Raj Talreja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22070/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Indl. Unit No. G-5, Hiren Light Indl. Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 408, Mogul Lane, Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. G-5, Hiren Light Indl. Premises Co. op. Hsg.Soc.Ltd., 408, Mogul Lane, Mahim, Bombay 16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22070/85-86 on . 27-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay,

Dated: 5-2-1986

(1) Ishwardas Vishramdas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parshotam O. Amesar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR.11/37EE/22109/85-86,--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Igeome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No.6, Bldg. No.7, Vivekand Co. op. Hsg. Soc. Ltd.,

T.H. Kataria Marg, Mahim, Bombay-16.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason is believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecan per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid profession of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Bldg. No.7, Vivekand Co. op. Hsg.Soc.Ltd., T. H. Kataria Marg. Mahim, Bombay 16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22109/85-86 on 28-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 5-2-1986

FORM ITNS...

(1) Krishnaji Gopal Pendse.

(Transferor)

(2) Mrs. Dhanlata Ashok Naik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Rcf. No. AR. II/37EE/22121/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 217, 2nd floor, Hamaramith Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., of Sitaladevi Temple Road, Mahim, Bombay 16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (il of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesed property by the issue of this notice under susceinal (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

118---506 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officis:

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 217, 2nd floor, Hamaramith Indl. Premises Coop. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 416, off. Sitaladevi Temple Road, Mahim, Bombay 16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22121/85-86 on 28-6-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Dated: 5-2-1986

(1) Shri Mohinder Ramnarayan Mehra.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita R. Gwalani & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22020/85-86.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 16, 3rd floor, Gym-View Co. op. Hsg. co. Ltd.,
16th Road, Khar, Bombay 52
18nd more fully described in the Schedule annexed hereto),

as been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Gym-View Co. op. Hsg. Soc. Ltd., 16th Road, Khar, Bombay 52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22020/85-86 on 25-6-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

(1) Shri Mishael Peter Anthony Miranda & Ors. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(2) M/s. Evertop Builders.

(Transferee)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21809/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the mee names Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the Said Act), have reason to believe that the inmovember preperty, having a fair market value
exercise to the 10201)/- and bearing
Plot No. 216, 211, CTS. No. C/855, C/856 & C/857 (part),
Market No. Rogal, Pair, Br. Jos, Boamby 50
(and more it'ly described in the Schedule annexed hereto),
has been a laterated and the agreement is registered under
seemon 200AB of Erd Act in the Office of the Competent
Authority of Authority at

Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, MENT / UP
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 210, 211, CTS No. C/855, C/856, C/857 (Uart), Market New Road, Pali, Bandra, Bombay 50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EF/21809/85-86 on 17-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-2-1986

(1) Ashok C. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamal Kumar Aagarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20824/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. I, Thakers Apartments C.D. Barfiwala Marg, Andheri

(West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on J-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I, 5th floor at Thackers Apartments Co-op. Housing Society Ltd., C.D. Barfiwala Marg. Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20824/85-86 on 1-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 7-2-1986

(3) Transferee.

FORM ITNS-

(1) Shri Imtiyas Sadruddin Bhaidani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs Yaldaz Sheikh Anwar. 2 Mr. Sheikh Ahmed Abdul Kadar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/371:E/20895/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-48, Jivan Negar New Ambivali Co.op. Hsg. Soc. Ltd.,

Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transperred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

G-48, 4th floor, Jivan Nagar New Ambivali Co.op. Housing Soc. Ltd., Veera Desai Road, Anaheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/20895/85-86 on 1-6-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons namely: ing persons, namely:—

Date: 7-2-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Narendra S. Ajwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. J. Simon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, DOMDAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20913|85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, buving a fair market value executing Rs. 1,60,000/- and bearing Plat No. 1, Jolly Bhavan No. II, TPS 11, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transformed and the agreement is registered under section 269AB of the Sa'd Act in the effice of the Competent Authority at Bombay on 45-85. It is a paparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen percent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. 1, Jolly Bhavan No. II. TPS UI, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-1137EE/20913/85-86 on

PASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay.

Plow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-2-86,

4-6-1985.

THE CONTROL OF THE PROPERTY OF (1) Smt. Malti Ramchandra Ambre & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS

(2) M/s. Minoo Construction Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20958/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (heremafter referred to 35 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding F. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, Minoo Apartment,

Vile Parle, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 6-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as one defined in Chapter MXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Minoo Apartment, Vile Parle, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20958.85-86, on 6-6-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-2-86.

FORM ITNS-

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Shiyaji S. Bahar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21065/85-86.-Whereas. I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Flat No. 105, Vidyadaini Co.op. Hsg. Soc., Chakola,

Andheri (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ъ) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Vidyadain CHS, Bldg. No. Chakala, Andheri (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/21065/85-86 on 7-6-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 7-2-86.

(1) Sh. Ravindra Govind Oak.

(Transferor)

(2) Sh. Avinash Govind Oak.

(Transferee)

NOTI 'E UNDER SECTION 269D(1) OF THE IN OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/21096/85-86.—Whereas, I,

PRASANT/ RAY,

PRASANT/ RAY, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property hering a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 / and bearing Flat No. 20 \(\lambda\), Deepanjali Society M.C. Road, Vile Parke P), Bombay-57 (and more all property described in the Schedule annexed hereto), has been tenselined and the agreement is registered under section 269. B of the Said Act in the office of the Competent Authority as Bombay on 6-6-1985

Authority a. Bombay on 6-6-1985 for an applient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideratio for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wit the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) far litating the concealment of any income or any me teys or other assets which have not been or wil ch ought to be disclosed by the transferre for the pu poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 19 2) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) or 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 20A, 4th floor Bldg. No. 20A, Deepanjali Society M. G. Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A-II/37EE/21096/85-86 on 6-6-1985.

PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

Now, the efore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid p operty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name^{3,5}:—

119---506 GI/85

Dated: 7-2-86.

Senl:

FORM ITNS----

(1) Mr. B. B. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok G. Desai & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.H/37EE/21101/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Room No. 4, Guru Prasad, S. No. 271/D/6 H. No. 1, St. Francis Road, Vile Parle (W), Bombay.

(w), Bolhody. (and mo e fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-6-85

Authority at Bombay on 7-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX v of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay (ax under the said Act in recognit of any income arising from the transfer and/or

Room No. 4, Guru Prasad S. No. 271/D/6, H. No. 1, St. Francis Road, Vile Parle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/21101/85-86 on 7-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-2-86. Scal:

(1) M/s. Indies Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Narendra R. Shah Smt. Jayshree N. Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.JI/37EE/21181/85-86,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as The 'said Act'), have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and braving No.

Housing Society, Sahar,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority, at Brimbay on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferee;

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-(a) Act. 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property and be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Devadiga Co.op. Housing Society Building No. B. 2 Sahar, Andhori (East), Bembay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, combay under No. AR.II/37EE/21181/85-86 on 10-6-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dated: 7-2-86.

FORM ITNS---

(1) M/s. Indico Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :--

(Fransferor)

(2) Sh. Narendra R. Shah.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th Feburay 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21182/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Flat No. 303 Devdig Co.op.

Housing Society, Andheri (East)

Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the jiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o this notice in the Official Gazette or a period of 34 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the solid property

(b) by any other person interested in the aid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Thapter XXA of the said Act, shall have the same mean ig as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 303 Devdig Co.op. Housing Society 1 d., Euilding No. B2, Sahar Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Courectent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/211: 2/85-86 on 10-6-1985.

> PRASANTA RAY, Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income lay, Acquisition Range II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 7-2-1986

FORM ITNS----

(1) Mrs. Jabbeer A. Gulati,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-CAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhu Shyamlal Asrani.

(Transferce)

DOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th Feburay 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21240/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-2, Sunilniwas Co.op. Housing Society Ltd., J.P. Road, Andheri (West) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269Ar of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

from the service of notice on the respective persons.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Coapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to play tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or who i ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-2, Bldg No. A Sunil Niwas Co.op, Housing Society [.td., J.P. Road, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Comretent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21240/85-86 on 14-6-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the eforested property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th Feburay 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21734/85-86.-Whereas, I PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sn'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and

Rs. 1,00 000/- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Lisa Apartment, Marol Maroshi Road, Andheri (H), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Anthe Teach Perspection. Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons, namely :--

(1) Smt. A. B. Daruwala.

(Transferor)

(2) Smt. Chandbi A. Mukri,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Lisa Apartment, 1st floor, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21734/85-86, 14-6-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-2-1986

(1) Mrs. Shama Usman Mir Mr Usman Mir Abdul Razak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Kamalaksha Manjunath Kini & Mrs. Janakibai Kamalaksha Kini.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th Feburay 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21874/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Sangita Bldg.,

Santacruz (West), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mdler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unnot able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX v of the said Act. shall have the same meaning as given 14 that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sangita Building, Linkding Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21874/85-86, on 19-6-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Pombay.

Dated: 7-2-1986

Soal:

FORM ITNS----

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21965/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Flat No. 305, Green Star,

Bandra Bombay-50.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer of and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by make than fitteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mr. Balchandra R. Desai.

(1) M/s, Rizvi Builders,

(Transferee)

(3) Transfere.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 305, Greet Star, CTS Nos. 1281 (Pt.) Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. ARJI 3711 /21965/85 36 on 21-6-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rat ge-II, Bombay.

Dated: 7-2-1986

PORM ITNS.

(1) Mrs. Carmine D'Silva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. Rita Paul.

(Transfores)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21975/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Bandra Akil Premises Co. 12, Housing Societ

Premises Co.op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

(and more fully decribed in the Schedule annexed her(to)), has been transferred and the agreement is registered undesection 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

for an praient consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the argument consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of terms.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitation of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bandra Akil Premises Co.op. Housing Society 1 td 16th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21975/85-86 on 24-6-1985.

PRASANTA RAY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the anist Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:———
120—506 GI/85

Dated: 7-2-1986

FORM ITNE

(1) A. Contractor & Co. Mrs. Rose Marie Rodrigues.

(Transferar)

(2) Mrs. Sürekha H. Jambavalikar & Mr. Hari K. Jambavalikar.

(Tressferse)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)
(4) Transferor & Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21997/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ds. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23, 2nd floor of Snehkutir, Chakala, Andheri (East), Pershov 60.

Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ag. when is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affection per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anii/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor of Snehkutir Bldg. on plot No. 287, Gundivali Village, Chakala, Andheri East, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/21997/85-86 Authority, on 24-6-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infiltate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice; under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-2-86

(1) S. A. Contractor & Co.

(Transferer)

(2) Mr. Khakhan Meghji Gala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/21998/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Bamanwada, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Flat No. 12, 'Bamanwada, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transterred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- mo) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor of Bamanwada, Plot CTS No. 32, at Bamanwada Village, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/21998/85-86 on 24-6-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice inder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-86

Scal

(1) Vinayak Sitaram Paradkar & Ore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gaurisbankar Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR.II/37G/3772/85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 131, T.P.S. Mahim, C.S. No. 9/A 647 and 8/647,

Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2498/81 and registered on 6-6-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant' Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 7-2-86 Soal:

FORM ITNS -----

(1) Smt. Durgabai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ТаХ АСТ, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxmikant Manikrao Thakoor.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37G/3773/85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Plot No. 65/D, TPS. II, Vile Parle (E), Bombay

situated at Bombay

has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Bombay on 6-6-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1688/ 81 and registered on 6-6-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-2-86

FORM LIENS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Banoobai N. T. Khandawallai 2. Naseem N.T. Khandwawalla; 3. Khurshid N. T. Khandwawalla; 4. Shamim N. T. Khandwawalla.

(Transferor)

(2) Mandhana Textile Mills Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR II /37G /3774 /85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. Nos. 117, 1 177, New S. No. 1-2-3/177, T.P.S. III, F.P. No. 272, Mahim, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 15-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of are or with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or:
- (b) tacilitating the concealment of my income or any moneys or other assets which have not been or which augh to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B-404/85 and registered on 15-6-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rita Rodricks & Hugh Rodricks.

(Transferor) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR.II/37G/3796/85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 208, H. No. 30 & 32, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 19-7-85

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

ment the many of the communication and the participation of the communication of the communic

(1) Shri Shankaro S. Kini & Shri Bhaskar S. Kini.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1905/84 and registered on 19-7-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely .-

Date: 7-2-86

(1) M/s. Hindustan Paper & Wood Products.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pace Equipment Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR,II/37G/3795/85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 16 & 17, S. No. 5, H. No. 4 (part), village Kandivitta, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unacreigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which aver period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2863/79 and registered on 31-7-85 with the Sub-Registrar. Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax. Acquisition Range-II Bombay

Pate : 6-2-86

FORM ITNS---

(1) Shri Morumal M. Bachani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pink Rose Co-op. Hag. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-II/37G/3798/85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

of transfer with the object of :--

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 152, Final Plot No. 541, S. No. 95, TPS III, Mahim,

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 78/79 and registered on 25-7-85, with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-2-86

FORM ITNS----

(1) Mr. Clement Mathew Dias.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laurel Clement Dias.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-II/37.G/3809/85,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 15, Gundavli Gavthan House, Andheri (E), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed nerete), has been transferred under the registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of 'he said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 674/84 and registered on 25-7-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-2-86

FORM ITN:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. (1) Elether Nazareth Gonsalves & Mrs. Anna Esperance D'Souza.

(Transferor)

(2) M/s. S. A. Contractor & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-II/37-G/3810/85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reeson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing CTS Nos. 269, 270, 247, 272, S. No. 9, Hissa No. 1, Village Ambivli, Taluka Andheri, Bombay si uated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been 'ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) incititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the curposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 4237/84 and registered on 12-7-85 with the Sub-Registrar, Bombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-2-86 Scal: